DIGITAL EDITION

मायापुरी

#77 WEEKLY ENTERTAINMENT

बॉलीवुड की आने वाली पीढ़ी कितनी कामयाब ?

Mayapurimagazine Mayapurimagazine Mayapuri Cut Mayapurimag www.mayapuri.com

VISIT…

LANZAROTE
Caliente.com

फिल्म एवं टीवी साप्ताहिक
मायापुरी

संस्थापक
स्व. श्री ए.पी. बजाज

प्रधान संपादक
पी. के. बजाज

व्यवस्थापक एवं संपादक
अमन बजाज

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक
पी.के. बजाज
प्रेस का नाम व पता -
अरोड़बंस प्रेस ए-5, मायापुरी, फेस-1,
नई दिल्ली - 110064

प्रकाशक: श्री.एस.एल. प्रकाशन
ए-5, मायापुरी, फेस-1,
नई दिल्ली-110064
दूरभाष- 011-28116120, 28117636
011-45595096

Member I.N.S

प्रकाशित ऑनलाईन लेखों के लेखकों की राय से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं. किन्तु लेखों पर अगर किसी को आपत्ति हो तो वह अपनी प्रतिक्रिया हमें लिखकर भेज दें। मिलने पर सहर्ष लगा दी जाएगी। इस पत्रिका या ऑनलाईन लेखों के संबंध में किसी भी प्रकार के मतभेद एवं विवाद आदि केवल दिल्ली कोर्ट्स में ही निपटाए जा सकते हैं

Email: edit@mayapurigroup.com

यहां हमसे जुड़े

Mayapurimagazine
Mayapurimag
Mayapurimagazine
Mayapuri Cut
www.mayapuri.com

संपादकीय

बॉलीवुड की आने वाली पीढ़ी कितनी कामयाब?

किसी ने पूछा– ''बॉलीवुड की आनेवाली पीढ़ियों के बारे में क्या सोचते हो? कितनी कामयाब हो पाएगी नई पीढ़ी, खासकर जब बॉलीवुड खस्ता हाल चल रहा हो ?'' मेरे लिए जवाब देना कन्फ्यूजन भरा था। सवाल के दो खंड थे– 'बॉलीवुड की आनेवाली पीढ़ी' और 'उनकी कामयाबी' की लिखी जाए वो दास्तान ! हमने गौर किया तो पाया कि नए सितारे जो इस वर्ष किसी बड़ी फिल्म से बड़ा मौका पाने वाले हैं, वो मौका ही आनेवाली पीढ़ी की कामयाबी का पहला पड़ाव हो सकता है। इसवर्ष बड़े पर्दे पर चमकने वाले सितारों की फेहरिस्त में कुछ नाम ये हैं जो निश्चय ही कामयाबी का कीर्तिमान बना सकते हैं, ऐसा कहा जा सकता है। ये कुछ नाम हैं–मानुषी छिल्लर, अहान शेट्टी, इसाबेले कैफ, शालिनी पांडेय, रश्मिका मदान, पलक तिवारी, प्रणीता सुभाष, सरवरी वाघ, नामाशी चक्रवर्ती आदि।

यहां हम बतादें की साल 2021 में पर्दे पर लीड भूमिका में आनेवाले ए सितारे ही बॉलीवुड की भावी पीढ़ी के कामयाब नाम बनने वाले नाम होंगे। यहां हम संक्षेप में इनकी शुरुवाती फिल्म की चर्चा करना चाहेंगे। मानुषी छिल्लर मिस इंडिया और मिस वर्ड प्रतियोगिताओं का सुना गया नाम है।अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'पृथ्वीराज' में वह संयोगिता की भूमिका को लेकर चर्चा में आचुकी हैं। यह भूमिका वह प्रियंका चोपड़ा के रिप्लेसमेंट में पाई हैं, जाहिर है कल इनका है। फिल्म इसी दीपावली पर रिलीज होने वाली है। सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी तेलुगु फिल्म RX100 के हिंदी संस्करण "तड़प'' के द्वारा पर्दे पर निर्देशक मिलन लुथरिया द्वारा लाए जा रहे हैं।जिनके फ्यूचर का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। कैटरीना कैफ की बहन ईशा बेले के बारे में पहले से सुगबुगाहट है। 'टाइम टू डांस' (सूरज पंचोली), 'क्वाथा' (सलमान के जीजा आयुष शर्मा), 'खुशामदीद'(पुलकित सम्राट) के साथ वह नायिका आ रही हैं। शालिनी पांडेय को रणवीर सिंह के साथ यशराज प्रोडक्शन की फिल्म 'जयेश भाई जोरदार' से ब्रेक मिला है। वह साउथ की फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से भी चर्चा ले चुकी हैं। इसी तरह रश्मिका मदान सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ ' मिशन मजनू' कर रही हैं। 'अधूरी कहानी हमारी', 'परदेश में है मेरा दिल', 'प्यार तूने क्या किया' आदि फिल्में कर रही हैं। स्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी (विवेक ओबेरॉय के साथ), सरवरी वाघ (बंटी और बबली 2), प्रणीता सुभाष (हंगामा 2), और मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नामाशी (राज कुमार संतोषी की फिल्म ' बैड ब्वॉय') कल के होने वाले बड़े नाम हैं। ये नाम आनेवाले कल के बड़े नाम हैं और होने वाले कामयाब चेहरे हैं। मायापुरी इन्हें शुभ कामना देती है।

– संपादक

बनती बिगड़ती बॉलीवुड की नई पीढ़ियों की कहानी

— सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

ये दुनिया, ये संसार, ये सारा ब्रह्माण्ड एक दूसरों की पीढ़ियों से चलता चला आ रहा है, क्या कहा? ये ज्यादा हो गया? मैं कहता हूँ कतई नहीं! अगर गौर करें तो फलक पर चमकता चाँद भी तो पृथ्वी की ही संतान है, इसी से तो टुकड़ा निकला है और उसकी चमक उस सूरज से है, हजारों गानों और सैकड़ों त्योहारों–मान्यताओं–कैलेंडरों को चलाने वाला चाँद भला अपने खुद के वजूद में क्या है? क्या उसके पूर्वजों के बिना उसकी कोई पहचान है?

बस यही हाल पूरी दुनिया का है और पूरी दुनिया को समेटने के लिए अकेली हमारी फिल्म इंडस्ट्री काफी है, यहाँ आप ब्रह्माण्ड भी देख सकते हैं, तो आइए इस बार हम आपको कुछ नायाब बॉलीवुड जनरेशन्स के बारे में बताते हैं, कुछ ऐसे हैं जिन्होंने अपने पिता के काम और नाम को और निखारा है, तो कुछ ऐसे हैं जिन्होंने अपने पिता की पहचान को न चाहते हुए भी धूमिल किया है तो कुछ ऐसे भी हैं, जो अपने माता–पिता के प्रोफेशन से हटकर कुछ करने में कामयाब हुए हैं.

अब जब बात पीढ़ियों की है तो सबसे पहले बॉलीवुड के सबसे पुराने खानदान से शुरु करना ही सही होगा.

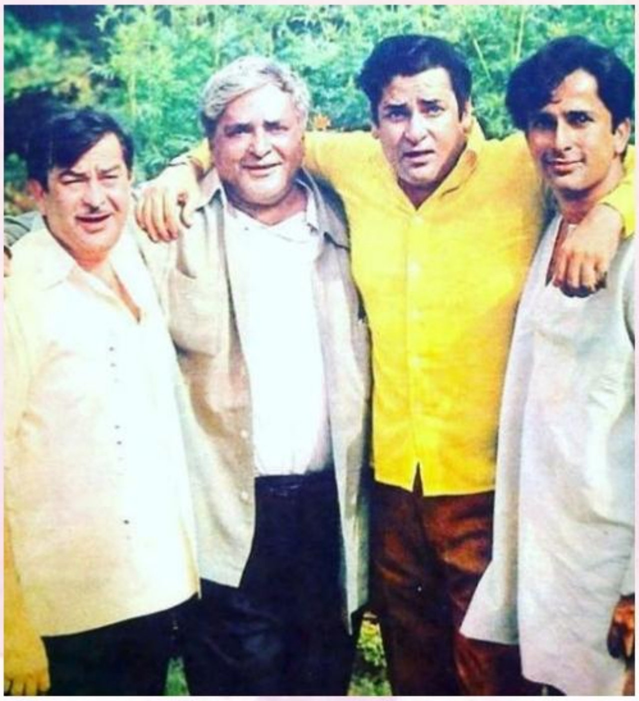

पृथ्वीराज कपूर जब मुंबई आए थे, तब सही मायने में फिल्म इंडस्ट्री घुटनों के बल चलने वाले एक बच्चे सरीखी थी. उस बच्चे में आवाज नहीं थी. **पृथ्वीराज कपूर** की हाजिरी में ही वो पहली आवाज निकली थी. फिल्म **'आलम आरा'** से **पृथ्वीराज कपूर** फिल्म इंडस्ट्री के शुरुआती कलाकारों में से एक बन गये थे. उनके बाद उनके बेटे **राज कपूर** ने न सिर्फ एक्टिंग बल्कि डायरेक्शन, प्रोडक्शन और एडिटिंग में भी अपने पिता का नाम गर्व से ऊँचा किया. राज कपूर के साथ–साथ उनके भाई **शम्मी और शशि कपूर** ने भी उस लेगेसी को, उस विरासत को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी.

अब **शम्मी और शशि** भले ही किनारे रह गये लेकिन **राज कपूर** के बेटे **ऋषि कपूर** ने अपने दादा और पिता की विरासत को संभालते हुए, **अमिताभ बच्चन** के दौर में, एक्शन फिल्मों के दौर में भी अपना वर्चस्व बनाया और पहली ही फिल्म से सुपरस्टार बनकर इंडस्ट्री पर 40 साल तक टिके रहे.

अब **ऋषि कपूर** के बेटे **रणबीर कपूर** भी युवा दिलों की धड़कन हैं और दूसरी ओर, **राज कपूर** के बेटे **रणधीर कपूर** भले ही खुद बहुत नाम न कर पायें हों, लेकिन उनकी बेटियां **करिश्मा और करीना** टॉप की एक्ट्रेस रह चुकी हैं. **करीना** तो आज भी मोस्ट डिमांडिंग एक्ट्रेस में से एक हैं.

कुछ इसी तरह **सुरिंदर कपूर** ने फिल्म इंडस्ट्री में शुरुआत भले ही **गीता बाली** के असिस्टेंट के रूप में की हो पर आगे चलकर वो एक जाने–माने फिल्म प्रोडयूसर बने और उन्हीं के नक्शेकदम फॉलो करते हुए उनके बेटे **बोनी कपूर** भी बेहतरीन प्रोडयूसर बने. वहीं उनके दुसरे बेटे **अनिल कपूर** ने एक्टिंग की दुनिया में ऐसा नाम कमाया कि उनके पिता की पहचान **अनिल कपूर** के नाम से हो गयी. आखिर एक बाप को और क्या चाहिए होता है. यही कि बेटे की पहचान उसके नाम से शुरु हो लेकिन एक समय ऐसा आए जब उसकी पहचान बेटे के नाम से की जाए.

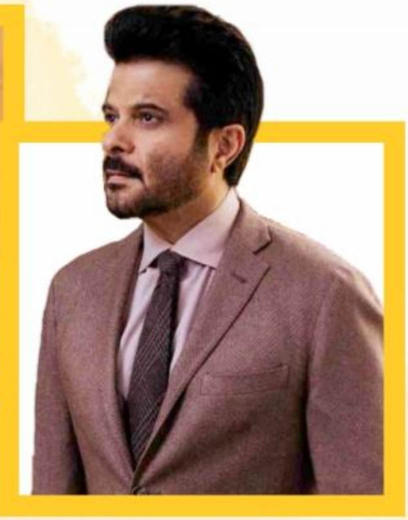

थोड़ा आगे बढ़ें तो **धर्मेंद्र** के दोनों **बेटों**, **सनी देओल और बॉबी देओल** ने अपने पिता के नाम को इस कद्र आगे बढ़ाया है कि कोई कह नहीं सकता कि धर्मेंद्र के बिना इनकी कोई पहचान नहीं. खासकर **सनी देओल** के लिए तो पूरा पंजाब, पूरा कैनडा आज भी दीवाना रहता है.

इसी तरह उस समय के पॉवरफुल एक्टर **सुनील दत्त** ने जहाँ **'मदर इंडिया'** के बाद से ही दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई, वहीं उनके बेटे **संजय दत्त** ने भी एक से बढ़कर एक फिल्में देकर अपने पिता की विरासत को कायम रखा. हालाँकि इज्जत कमाने के मामले में **संजू** जरा चूक गये, कई विवादों और केस में उनका नाम लिप्त हुआ और उन्हें जेल भी जाना पड़ा, जिसके चलते उनके पिता की इज्जत पर काफी चोट पहुँची, पर आज **संजय दत्त** बिल्कुल सीधे रास्ते पर हैं और अब भी वो किसी फिल्म में नजर आ जाएँ तो उनकी एक्टिंग की तारीफ जरूर होती है.

जैसे हमने **पृथ्वीराज कपूर** फैमिली देखी थी, कुछ वैसा ही हाल **भट्ट** फैमिली का भी है. **नानाभाई भट्ट** ब्लैकएंड वाइट फिल्मों के एक जाने माने फिल्ममेकर थे. वहीं उनके बेटे **मुकेश और महेश भट्ट** भी फिल्ममेकिंग में यूनीकनेस और बोल्डनेस वाले अपने दौर के इकलौते फिल्ममेकर्स रह चुके हैं. हालाँकि **महेश भट्ट** की अगली पीढ़ी, उनकी बेटियां **पूजा भट्ट और आलिया भट्ट** फिल्ममेकिंग में न जाकर एक्टिंग में एक्टिव हुईं और आज **आलिया भट्ट** ने भी अपना प्रोडक्शन हाउस खोल लिया है.

कुछ ऐसा ही कमाल **विनोद खन्ना** के बेटे **अक्षय खन्ना** ने भी किया, उनको भी फिल्मों में भले ही कम काम मिला लेकिन उनकी ऐक्टिंग और उनकी पॉपुलरिटी विनोद खन्ना के नाम की मोहताज नहीं है।

साथ ही अगली पीढ़ी, यानी 80 के दशक के स्टार्स के बच्चों में **जैकी श्रॉफ** के बेटे **टाइगर श्रॉफ** ही इकलौते ऐसे स्टार हैं!

जो अपने पिता की लेगेसी आगे बढ़ा रहे हैं। बाकी **सनी देओल** का लड़का अभी इंडस्ट्री में नया है और **सुनील शेट्टी** की लड़की दो एक फिल्मों में कुछ खास कमाल न दिखा सकी है।

नायिकाओं की बात करें तो ऐक्ट्रिस **तनुजा** तो सुपरहिट थीं हीं, उनकी **काजोल** भी 90s में टॉप की हिरोइन रह चुकी हैं और आज भी उनकी ऐक्टिंग की दुनिया कायल है।

उन्हीं की बहन और अवॉर्ड विनिंग ऐक्ट्रिस **नूतन** के बेटे **मोहनीश बहल** भले ही माँ की तरह लीड ऐक्टर न बन सकें पर कैरेक्टर रोल में उनका कोई जवाब नहीं है।

ऐसे पीढ़ी दर पीढ़ी जहाँ एक्टर्स अपने बच्चों को भी प्रोमोट करते थे, वैसे संगीतकारों ने या तो कोशिश न की, या संगीत पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ न सका. लेकिन फिर भी कुछ गिने चुने उदाहरण हैं जो अपवाद की सूरत ले सकते हैं.

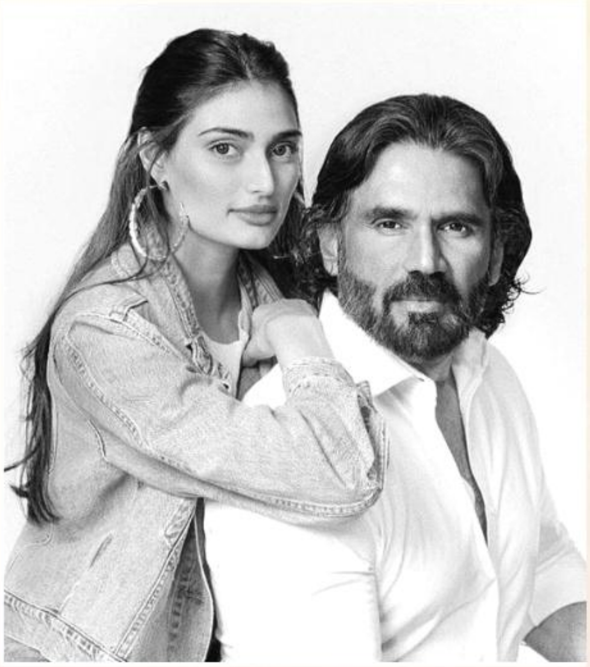

Lata Mangeshkar
...in her own voice

दीनानाथ मंगेशकर क्लासिकल संगीत और थिएटर एक्टिंग में जाना माना नाम थे, उनके पास दो सौ लोगों का स्टाफ हुआ करता था. लेकिन उनके जाने के बाद उनकी बेटियों **लता, उषा और आशा मंगेशकर** ने उनके नाम को बुलंदियों पर पहुँचा दिया. खासकर लता और आशा ने तो बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री पर बाकायदा राज किया था.

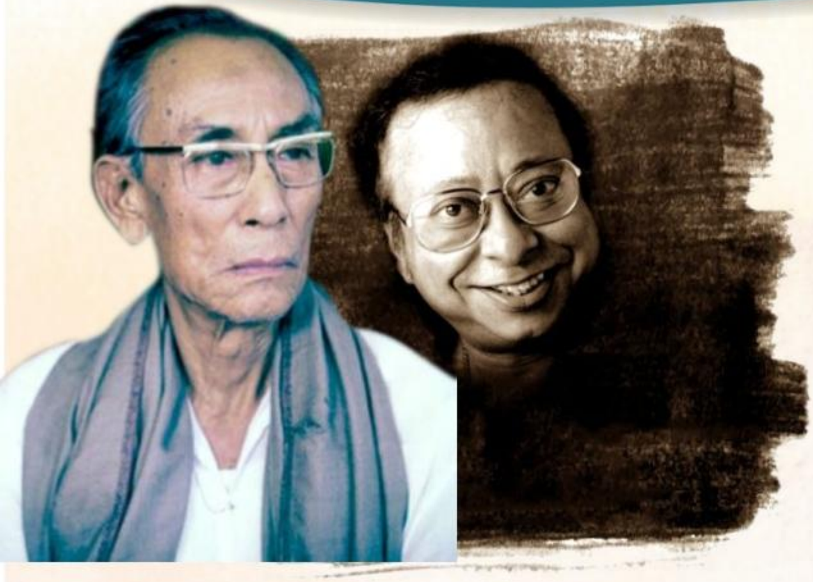

ऐसे ही संगीत की दुनिया के रोशन चिराग कहलाये जाने वाले संगीतकार **रोशन** के छोटे बेटे **राजेश रोशन** ने भी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए संगीत में ही नाम कमाया. हालाँकि उनका बेस्ट काम उनके भाई और ग्रेट फिल्ममेकर **राकेश रोशन** की फिल्मों में ही देखने को मिला, पर संगीत की दुनिया में राजेश रोशन कोई छोटा नाम नहीं है.

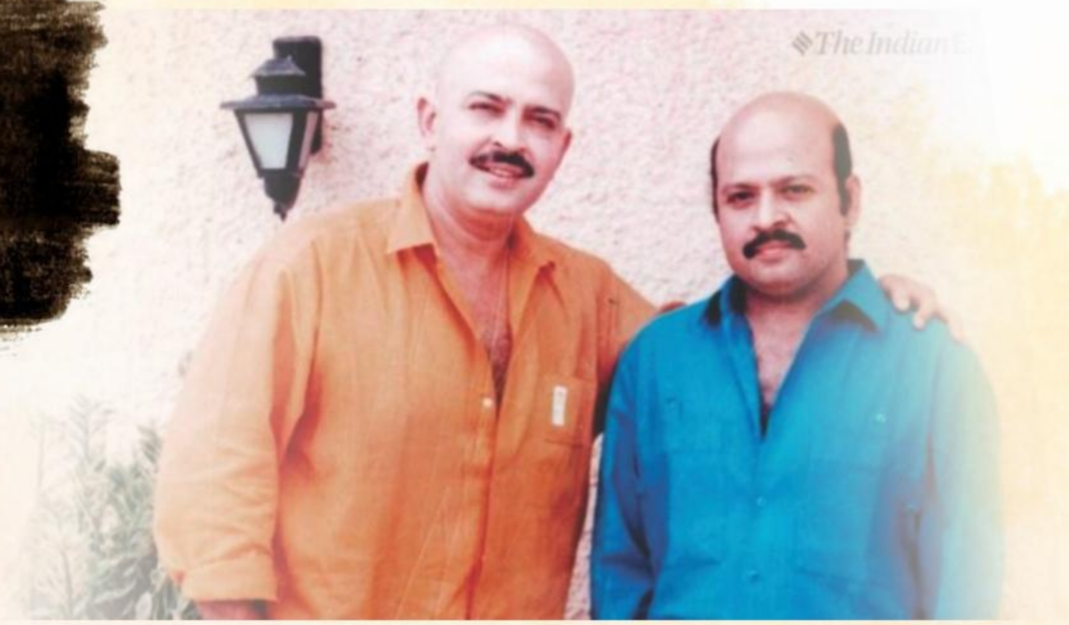

ऐसे ही, **सचिन देव बर्मन** भी संगीत के दुनिया में दशहरी आम की हैसियत रखते थे, उनके बेटे राहुल देव बर्मन ने भी अपने पिता के जितना तो नहीं, पर उनसे अलग हटकर, अलग श्रेणी के संगीत में अपना बहुत नाम किया और कुछ नगमें तो उनके नाम ऐसे हैं जिन्हें दोबारा खुद **आरडी बर्मन** भी नहीं बना सकते हैं.

फिल्ममेकर्स में **यश चोपड़ा और यश जौहर** जहाँ बुलंदियों पर रहा करते थे, उनके बेटे **आदित्य चोपड़ा और करण जौहर** भी आज इंडस्ट्री में टॉप मोस्ट फिल्ममेकर्स में काउंट होते हैं. इनके पिता दोस्त थे इसलिए ये दोस्ती बच्चों में भी ट्रांसफर हुई और शायद आप न जानते हों कि करण और आदित्य में ये पैक है कि जब एक फिल्म बना रहा होता है तब दूसरा सिर्फ प्रोडक्शन पर ध्यान देता है, डायरेक्शन नहीं करता, ऐसे ही जब दूसरा डायरेक्टर चेयर पर विराजमान होता है तो पहला सिर्फ उसे सपोर्ट करता है.

संगीतकारों में जिस बेटे ने अपने बाप का सबसे ज्यादा नाम रौशन किया, वो और कोई नहीं **सरदार मलिक** के बेटे **अनु मलिक** हैं। सरदार मलिक भी नामी संगीतकार थे लेकिन 90 के दशक में अनु मलिक ने तो फिल्म इंडस्ट्री पर राज किया है। आज भी वो जज बने या किसी शो में गेस्ट बनकर आयें, उनका जलवा कामयाब रहता है।

यूं ही राइटर, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर, लीरिसिस्ट **गुलजार** और ऐक्ट्रिस **राखी** की बेटी **मेघना** भी पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए आज जानी मानी फिल्ममेकर है।

कामयाबी की बात बहुत हुई, अब कुछ ऐसे बाप भी हैं जिनके बच्चों ने नाम बढ़ाना तो दूर, बाकायदा डुबाया है और इनमें भी **यश चोपड़ा** ही सबसे आगे हैं. उनके छोटे बेटे **उदय चोपड़ा** ने लाख कोशिशें कीं पर चाहकर भी अच्छे एक्टर न बन सके और आज खुद को इंडस्ट्री से आउट घोषित कर चुके हैं.

दूसरा नाम शहंशाह कहलाये जाने वाले **अमिताभ बच्चन** के बेटे **अभिषेक बच्चन** का है. अभिषेक हालाँकि फ्लॉप नहीं हैं पर आज भी उनकी जिन्दगी में फिल्म इंडस्ट्री की ओर से स्टेबिलिटी नहीं है. उनकी एक फिल्म चलती है तो तीन फ्लॉप होती हैं और अगली फिल्म का पता नहीं होता है.

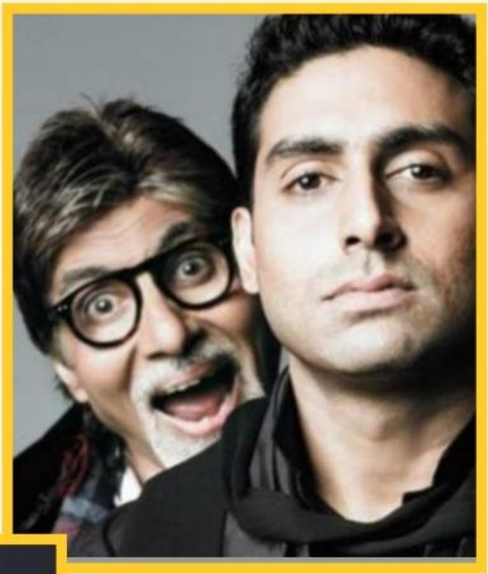

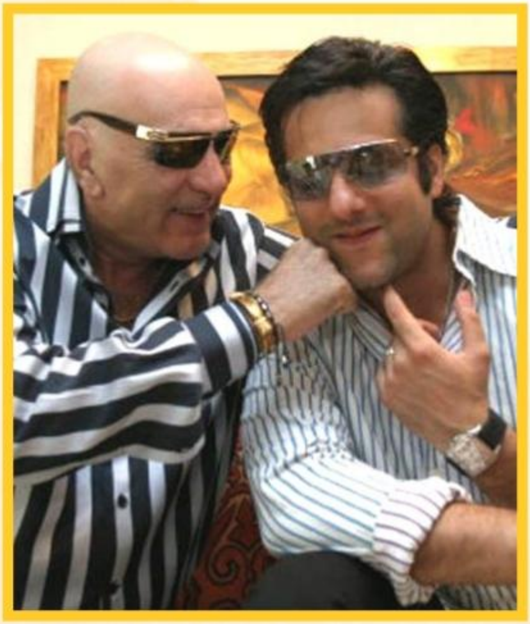

यही हाल मशहूर अदाकार **फिरोज खान** के बेटे का भी हुआ, **फिरोज** ने जहाँ इंडस्ट्री पर एक समय अपना पूरा जलवा कायम रखा वहीं उनके बेटे **फरदीन खान** काफी कोशिशों के बाद भी, कुछ एक फिल्में हिट देने के बाद भी कुछ खास नहीं कर पाए।

इसी तरह **हेमा मालिनी और धर्मेन्द्र** की लड़की **ईशा देओल** भी काफी जद्दोजहद के बाद इंडस्ट्री से आउट हो गईं।

कुछ यूँ ही **बलराज साहनी** जहाँ टॉप के एक्टर्स में गिने जाते थे पर उनके बेटे **परीक्षित साहनी** काफी स्ट्रगल के बाद सिनेमा से हटकर टीवी इंडस्ट्री में जरूर अपना नाम बनाने में कामयाब हुए। लेकिन बलराज साहब जैसा उनकी पीढ़ी में दूसरा कोई न हो सका।

अब कुछ ऐसे स्टार्स का भी जिक्र जरूरी है जो खुद कुछ करते थे, बच्चों ने कुछ और किया पर आज बाप से ज्यादा लोग बच्चों को पहचानते हैं।

इनमें मेरी टॉप फेवरेट **अख्तर** फैमिली है। जो निसार अख्तर से शुरु करें तो वह एक सूफियाना शायर थे। उनके बेटे **जावेद अख्तर** पटकथा लेखक और फिर गीतकार हुए, उनके बेटे **फरहान अख्तर** टॉप के फिल्ममेकर और अब ऐक्टर भी हैं, साथ ही उनकी बहन और जावेद की बेटी **जोया अख्तर राइटर** और फिल्ममेकर हैं। एक अरसे से पूरा परिवार तरह तरह की कलाओं से बॉलीवुड में इमारत बुलंद कर, पिछले नाम से ऊँची मंजिल उठा रहा है।

यही हाल मशहूर राइटर **सलीम खान** के लिए भी कह सकते हैं कि उनके बेटे **सलमान** ने लेखन की बजाए ऐक्टिंग करियर चुना, हालांकि वो लिखना चाहते थे, वहीं सलीम खान इंडस्ट्री में ऐक्टर बनने आए थे, लेकिन दोनों बाप बेटों ने अपने मन के विपरीत जाकर अपनी अपनी फील्ड में शीर्ष स्थान स्थापित किया है।

इन्हीं की तरह कमाल के डायरेक्टर प्रोड्यूसर **राकेश रोशन** के बेटे **हृतिक रोशन** ने ऐक्टिंग की दुनिया में अपना परचम बुलंद किया है।

अब दो ऐसे नाम भी मैं लिखना चाहूँगा, जो खुद पर्दे से कहीं पीछे, एक्शन से जुड़े थे पर उनके बेटे आज इंडस्ट्री का बहुत बड़ा नाम हैं।

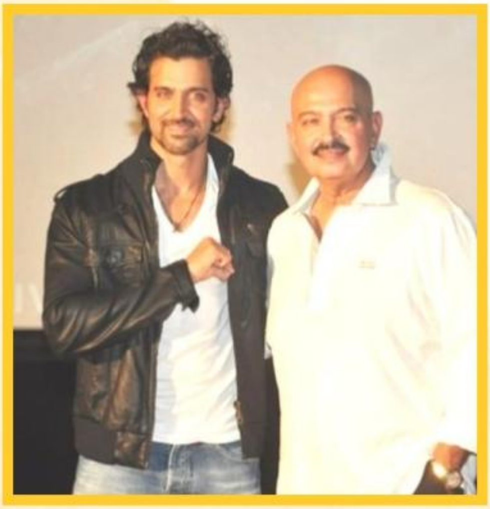

इनमें सबसे पहले तो एक्शन **डायरेक्टर वीरू देवगन** के बेटे **अजय देवगन** हैं, भोले बाबा सी आँखें लिए अजय अपने पिता से चार हाथ आगे निकलकर बॉलीवुड के सुपरस्टार बने हैं और उनका वर्चस्व आज भी कायम है।

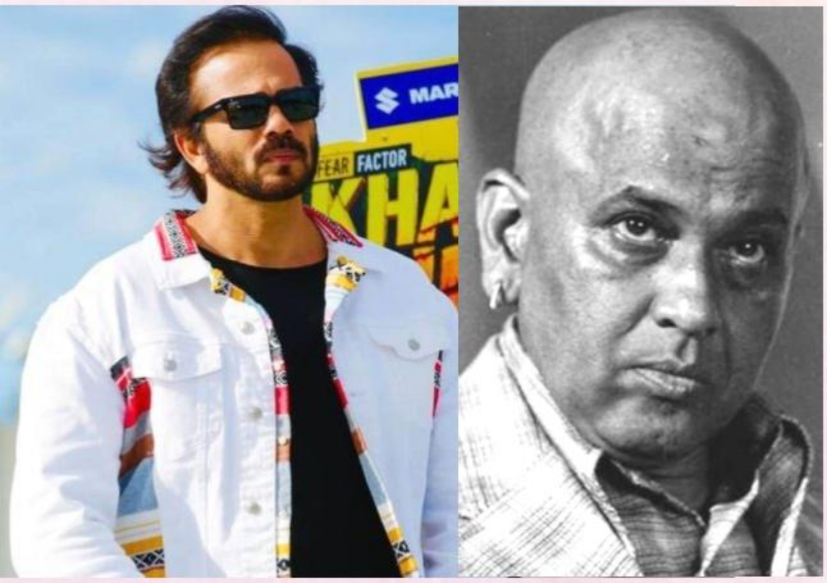

दूसरे फाइट मास्टर और **अमिताभ बच्चन** के दोस्त **शेट्टी** के बेटे **रोहित शेट्टी** हैं! रोहित आज की डेट में इन्टरटेनमेंट देने वाले बेस्ट डायरेक्टर्स में से एक हैं। उनकी फिल्में, उनकी पर्सनैलिटी सब दर्शकों को बहुत लुभाती हैं।

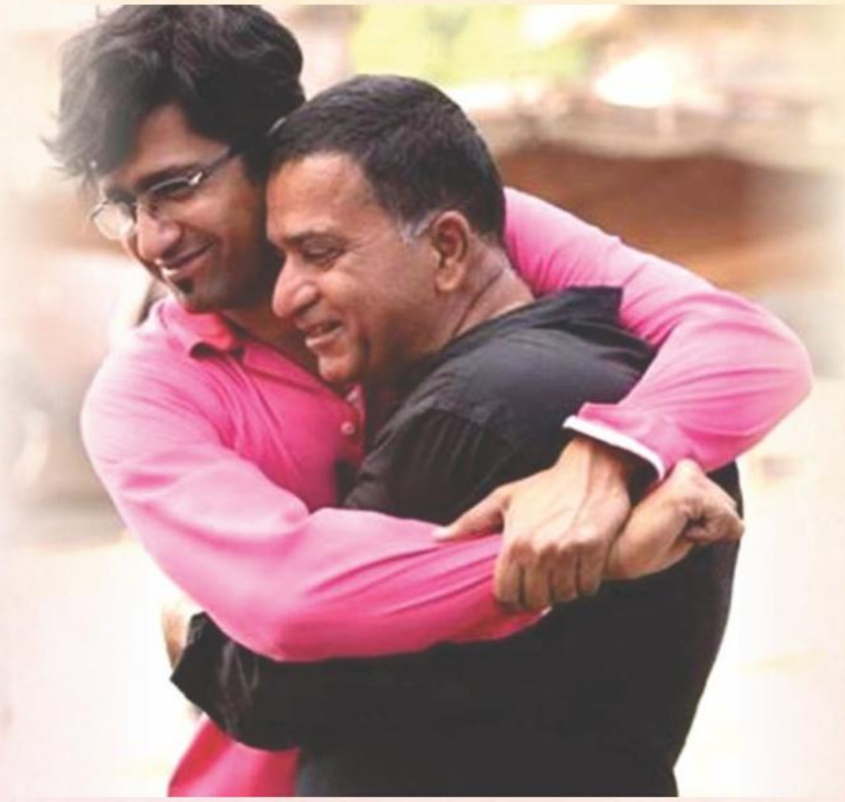

इसी कड़ी में तीसरा नाम एक्शन डायरेक्टर **श्याम कौशल** के बेटे **विकी कौशल** का है। विकी इन दिनों तेजी से उभरते सितारे हैं। ब्लॉकबस्टर **उरी द सर्जिकल स्ट्राइक** हो या आने वाली वॉर ड्रामा **'मानेकशॉ'** विकी कौशल की पॉपुलरिटी दिनों–दिन सेंसेक्स की तरह बढ़ती ही जा रही है।

ऐसे कालाकारों की लिस्ट बेशक लंबी ही जायेगी, लेकिन हम यहाँ बात को इस सिरे पर छोड़कर आपके पाले में डालते हैं कि जो नई पीढ़ी होशियार है उनका तो चलता है, पर क्या हर माँ–बाप के लिए ये कम्पल्सरी हो गया है कि वह अपनी संतान को बॉलीवुड में कम से कम दो तीन बार ट्राई करने के लिए लाए ही लाए? क्या इसके बिना करिअर ऑप्शन अवैलेबल ही नहीं हैं?

इस सवाल के दो मुमकिन जवाब मौजूद हैं कि हर माँ–बाप की तरह बॉलीवुड के माँ–बाप भी अपना बीता कल अपने बच्चों में देखते हैं तो इसमें हर्ज क्या है, और दूसरा जवाब है कि पैसे के अंबार से ढकी हमारी बॉलीवुड इंडस्ट्री, भला कोई कैसे न इसका मोह पाले। शायद यही कारण है कि आने वाले दिनों में सुनील शेट्टी की लड़की, आथिया, उनका लड़का अहान, डिम्पल कपाड़िया की बहन, सिम्पल कपाड़िया का लड़का करन, जावेद जाफरी का बेटा मीजान, चंकी पांडे की बेटी अनन्या और श्रीदेवी की बेटियाँ जाह्नवी और खुशी, आए दिन फिल्मों में देखने को मिलेंगी!

प्रगति राज

अक्षय कुमार की माँ के निधन पर बॉलीवुड सेलेब्स ने दी श्रद्धांजलि

अक्षय कुमार की माँ अरुणा भाटिया का आज सुबह निधन हो गया। वो लंबो समय से बिमारा थी। कुछ दिन पहले ही उन्हें हीरानंदनी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

माँ की तबियत बिगरने के बाद अक्षय कुमार फिल्म सिंड्रेला की शूटिंग छोड़ लंदन से वापस आ गए थे। उन्होंने ट्वीट कर अपनी माँ के निधन की जानकारी दी थी।

उन्होंने ट्वीट कर लिखा था– "वो मेरा सब कुछ थीं। और आज मैं असहनीय दर्द महसूस कर रहा हूँ। मेरी माँ श्रीमति अरुणा भाटिया आज सुबह शांतिपूर्वक इस दुनिया को छोड़कर दूसरी दुनिया में मेरे पिता के पास पहुँच गई हैं। मैं आपकी प्रार्थनाओं का सम्मान करता हूँ क्योंकि मैं और मेरा परिवार इस दौर से गुजर रहे हैं। ओम शांति।"

इसके बाद अजय देवगन ने भी अक्षय के ट्वीट पर लिखा– "डियर अक्की, आपकी माँ के निधन पर हार्दिक संवेदना। अरूणाजी की आत्मा को शांति मिले। आपको और आपके परिवार के प्रति संवेदना। ओम शांति"

सलमान खान ने ट्वीट किया– "डियर अक्की, आपकी माँ के निधन के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। आपको और आपके पूरे परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना"

निम्रत कौर ने लिखा– "आपके गहन नुकसान के लिए बहुत खेद है। इस गंभीर घड़ी में आपको और पूरे परिवार के लिए गहरी संवेदना और मेरी हार्दिक प्रार्थना। सतनाम वाहे गुरु"

दिया मिर्जा ने ट्वीट किया– "गहरी संवेदना। हमारी प्राथना और प्यार आपके लिए इस मुश्किल घड़ी में।"

इन सबके अलावा अरमान मलिक, जैकलीन फर्नांडीस और मनीष पोल ने भी ट्वीट पर रिपाइल देकर संवेदना प्रकट की।

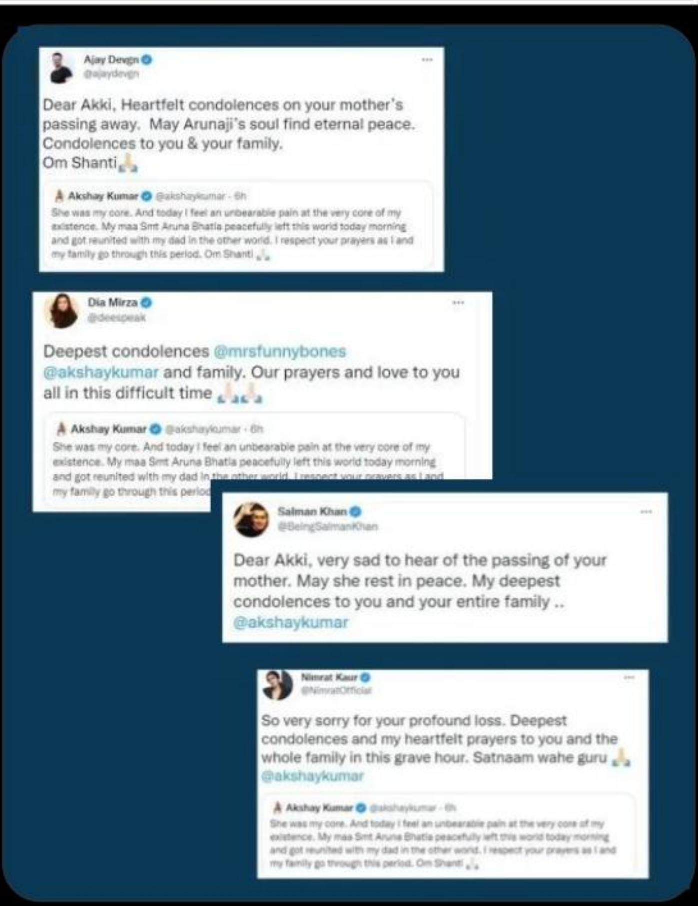

Ajay Devgn @ajaydevgn

Dear Akki, Heartfelt condolences on your mother's passing away. May Arunaji's soul find eternal peace.
Condolences to you & your family.
Om Shanti🙏

Akshay Kumar @akshaykumar · 6h
She was my core. And today I feel an unbearable pain at the very core of my existence. My maa Smt Aruna Bhatia peacefully left this world today morning and got reunited with my dad in the other world. I respect your prayers as I and my family go through this period. Om Shanti 🙏

Dia Mirza @deespeak

Deepest condolences @mrsfunnybones @akshaykumar and family. Our prayers and love to you all in this difficult time 🙏🙏

Akshay Kumar @akshaykumar · 6h
She was my core. And today I feel an unbearable pain at the very core of my existence. My maa Smt Aruna Bhatia peacefully left this world today morning and got reunited with my dad in

my family go through this perio

Salman Khan @BeingSalmanKhan

Dear Akki, very sad to hear of the passing of your mother. May she rest in peace. My deepest condolences to you and your entire family .. @akshaykumar

Nimrat Kaur @NimratOfficial

So very sorry for your profound loss. Deepest condolences and my heartfelt prayers to you and the whole family in this grave hour. Satnaam wahe guru 🙏 @akshaykumar

Akshay Kumar @akshaykumar · 6h
She was my core. And today I feel an unbearable pain at the very core of my existence. My maa Smt Aruna Bhatia peacefully left this world today morning and got reunited with my dad in the other world. I respect your prayers as I and my family go through this period. Om Shanti 🙏

हिंदी फिल्म बिरादरी को अक्षय कुमार का आभारी होना चाहिए!

– सुलेना मजुमदार अरोरा

बेलबॉटम' दर्शकों, थिएटर मालिकों और प्रदर्शकों के लिए नई उमंग और आशा का दीप जला रही है। फिल्म 'बेलबॉटम' के रिलीज के बाद कुछ दिनों के मार्केट ऑब्जरवेशन को मद्दे नजर रखते हुए ट्रेडर्स एक्सपर्ट्स का कहना है कि पूजा एंटरटेनमेंट के 'बेलबॉटम' ने विस्तारित लॉकडाउन के बाद सिनेमाघरों में आशा और खुशखबरी का संचार जरूर किया है, चाहे अफवाहें कुछ भी उड़ाए।

पूजा एंटरटेनमेंट की जासूसी फिल्म 'बेलबॉटम', 19 अगस्त 2021 को उन क्षेत्रों में रिलीज़ हुई थी जहां थिएटर खुल गए हैं। महाराष्ट्र में प्रमुख राजस्व अर्जक की अनुपस्थिति और केवल 50 प्रतिशत क्षमता पर सिनेमाघरों के खुलने के बावजूद, यह फिल्म उत्सुक दर्शकों को आकर्षित कर रही है । पीवीआर लिमिटेड के सीईओ और चीफ बिजनेस प्लानिंग एंड स्ट्रैटेजी कमल ज्ञानचंदानी ने फिल्म उद्योग की भावना को व्यक्त करते हुए ट्वीट किया, "#बेलबॉटम ने @_PVRCinemas (और देश भर के सिनेमाघरों) को खुश होने की वजह दी है क्योंकि यह अपने दूसरे सप्ताह में भी मजबूत बनी रही। इस फिल्म के लिए दर्शकों द्वारा की गई डिमांड इसकी आपूर्ति से ज्यादा हो गई है। हमने सप्ताहांत में भारी संख्या में हाउसफुल शो रिकॉर्ड किए हैं।" @akshaykumar @jackkybhagnani @honeybhagnani

सरोज स्क्रीन्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अक्षय राठी ने इस विचार का समर्थन करते हुए कहा, "बेलबॉटम' के दूसरे सप्ताहांत के आंकड़े इंगित करते हैं कि लोगों की सिनेमाघरों में वापस जाने की भूख पुनर्जीवित हो गई है। हिंदी फिल्म बिरादरी को अक्षय कुमार का आभारी होना चाहिए, और वाशु भगनानी तथा वितरकों, जयंतीलाल गड़ा और संजय चतर को भी बधाई देनी चाहिए कोरोना काल में ऐसा साहस दिखाने और एक ऐसी फिल्म को रिलीज करने के लिए जिसने आशा के पहियों को गति दे दिया है। हालांकि कुछ लोग बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की अपेक्षाकृत धीमी शुरुआत पर उंगली उठा सकते हैं, लेकिन अधिकांश लोगों में व्यावहारिकता है यह महसूस करने के लिए कि 'बेलबॉटम' ने पूरे देश में सैकड़ों सिनेमा हॉल्स को फिर से खोलकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है! अगर यह एक बड़ी जीत नहीं है, तो मुझे नहीं पता की बड़ी जीत क्या है?

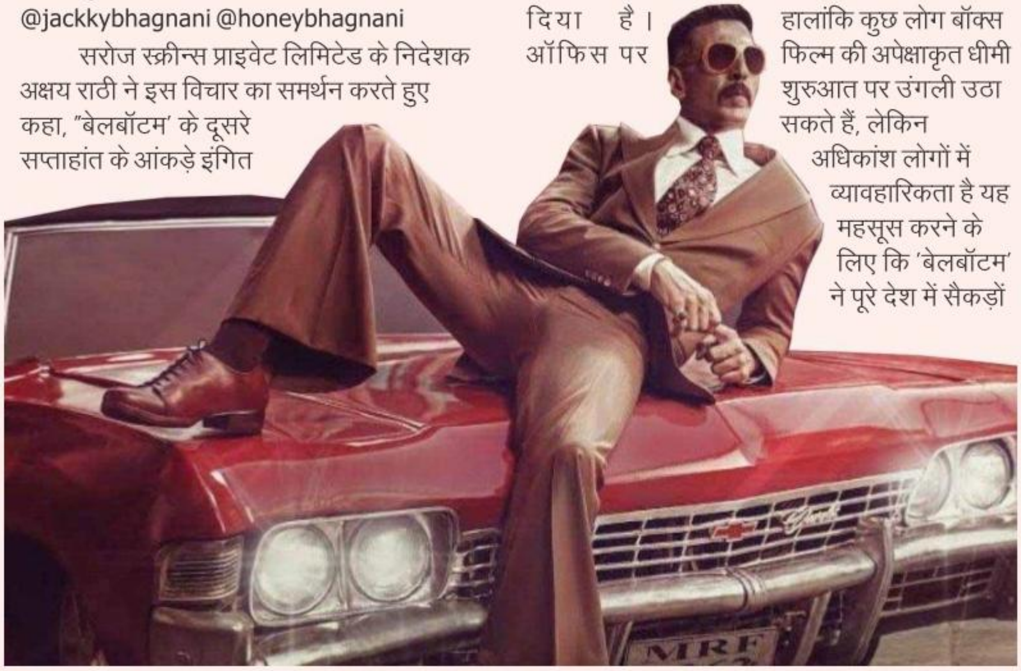

उन्होंने यह भी कहा कि आज की हालातों में, पूर्व–महामारी के पैमाने के साथ सफलता और विफलता को मापना गलत है क्योंकि महाराष्ट्र सहित कई राज्यों ने अभी तक थिएटर नहीं खोले हैं, हर जगह नाइट शो नहीं हो रहे हैं और थिएटर आधी क्षमता से खुल रहे हैं। अक्षय ने कहा, "यह उल्लेखनीय है कि एक्सटेंडेड लॉकडाउन अवधि, भारी नुकसान और लंबे समय तक निराशा के बाद भी, 'बेलबॉटम' ने दर्शकों को सिनेमाघरों में वापस ला दिया है। इससे प्रदर्शकों के मनोबल पर फर्क पड़ता है।"

निर्माता जैकी भगनानी ने एक स्टेटमेंट में कहा, "पूजा एंटरटेनमेंट के लिए, प्रदर्शकों के साथ एकजुटता दिखाना जरूरी था। सिनेमाघरों में 'बेलबॉटम' को रिलीज़ करना न केवल एक व्यावसायिक निर्णय था, बल्कि एक भावनात्मक निर्णय भी था क्योंकि हम सिनेमाघरों को खोलना चाहते थे, अपने फ्रेटर्निटी के इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करना और उद्योग की भावना को ऊपर उठाना चाहते थे।"

ट्रेड एनालिस्ट कोमल नाहटा ने अपने ट्वीट में कहा, "वाशु भगनानी की 'बेलबॉटम' ने लद्दाख के सुदूर इलाकों में भी सिनेमाघरों के खुलने का संकेत दिया है! यह 11,562 की ऊंचाई पर, मोबाइल डिजिटल मूवी थियेटर में प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म है। हम इस ऐतिहासिक क्षण को कैसे माप सकते हैं? सबसे अविश्वसनीय बात यह है कि इस क्षेत्र में सिनेमा देखने के अनुभव को लाने के लिए, पिक्चर टाइम डिजीप्लेक्स द्वारा लद्दाख के पलदान क्षेत्र में एक मोबाइल सिनेमा की शुरुआत की गई और

हाल ही में यहां 'बेलबॉटम' की स्क्रीनिंग की गई। न केवल दर्शकों के लिए बल्कि सेना के लिए भी।"

उन्होंने आगे कहा, "29 अगस्त को फिल्म का कलेक्शन लगभग उतना ही था, जितना पिछले हफ्ते रविवार को हुआ था। दूसरे शब्दों में कहें तो पहले रविवार और दूसरे हफ्ते के रविवार को फिल्म का कलेक्शन लगभग एक जैसा रहा है। कुछ सिनेमाघरों में, दूसरा रविवार और भी बेहतर था। उदाहरण के लिए, सिनेपोलिस डब्ल्यूटीपी, जयपुर में पहले रविवार को लगभग 62,898 रुपये और दूसरे रविवार को फिल्म ने 83,872 रुपये की कमाई की। इसी तरह, राज मंदिर सिनेमा में दूसरे सप्ताहांत का संग्रह, जयपुर (3,74,719 रुपये) पहले वीकेंड (शुक्रवार–रविवार, 3,43,490 रुपये) से बेहतर रहा।'

कार्निवल सिनेमाज के सीओओ कुणाल साहनी ने यह भी नोट किया है कि कैसे यह फिल्म वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों सहित लोगों को सिनेमाघरों में वापस लाने में सफल रही है। उन्होंने ट्वीट किया, "#BellBottom # लोगों को #सिनेमा में वापस लाने में सफल रहा है, यह देखने के लिए कि #SeniorCitizens #बच्चों को #CarnivalCin #housefull पर दूसरे सप्ताह @akshaykumar #Bollywood पर #BellBottom का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है।"

Vaani Kapoor on Instagram: "Enroute Chandigarh.. after...wrapp

www.instagram.c...

निर्माता और फिल्म व्यवसाय विश्लेषक गिरीश जौहर ने कहा, "'बेलबॉटम' जैसी बड़ी फिल्म के थिएटर रिलीज़ होने से उद्योग को हर स्तर पर खुद को पुनर्जीवित करने में मदद मिली है। अभी भी हमारी फ़िल्म इंडस्ट्री , महाराष्ट्र और कुछ अन्य राज्यों में बंद सिनेमाघरों का सामना कर रही है और एक्सहिबिटर्स तथा निर्माताओं के लिए पहले की तरह सामान्य स्थिति पर वापस जाना आसान नहीं है। ऐसे में, 'बेलबॉटम' के निर्माताओं के लिए फिल्म को रिलीज करना बहुत जोखिम भरा था, लेकिन उन्होंने सभी बाधाओं के खिलाफ ऐसा किया। जिसके लिए, वाशु को बहुत बहुत बधाई। भगनानी और उनकी टीम को यह निर्णय लेने और इंडस्ट्री का इंजन शुरू करने के लिए धन्यवाद।"

सिनेमा हॉल्स के कोरोना महामारी के कारण बंद होने के बाद, भारत में बड़े पर्दे पर हिट होने वाली 'बेलबॉटम' पहली बड़ी हिंदी फिल्म थी। इस बकवास के बावजूद कि फिल्म "उम्मीद से नीचे" प्रदर्शन कर रही है, व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि अगर इस बारे में पता करना हो कि फिल्म कैसा प्रदर्शन कर रही है तो निर्माताओं और एक्सहिबिटर्स से पूछो, जिन्होंने इसके प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त की है। इस फ़िल्म को रिलीज करने का उद्देश्य सिनेमाघरों को अनलॉक करना था और इसने ठीक वैसा ही किया है।"

फ़िल्म इंडस्ट्री को यह उम्मीद है कि त्योहारी सीजन शुरू होने के साथ नवंबर के आसपास चीजें बेहतर हो जाएंगी।

फ़िल्म की निर्माता दीपशिखा देशमुख ने कहा, "हमने सभी बाधाओं के खिलाफ महामारी के दौरान 'बेलबॉटम' को शूट किया और उसे पूरी भी की, उसके बाद अन्य बहुत सारी फिल्मों ने इसका अनुसरण किया और फिर, अब हमने इसे ऐसे समय में रिलीज़ किया जब कई लोगों ने सोचा कि ऐसा करना नासमझी है। दूसरे वीकेंड में भी, देश भर में इतने सारे शो हाउसफुल होने के बारे में बताने वाले हमारे सभी एक्सहिबिटर्स से कॉल प्राप्त करना हमारे लिए सबसे अच्छी खबर थी। 'बेलबॉटम' ने जो हासिल किया है उसे संख्याओं के संदर्भ में निर्धारित नहीं किया जा सकता है। एक प्रोडक्शन हाउस के तौर पर यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है।"

MALAIKA
ARORA

STYLED BY MANEKAHARI SINGHANI
HMU MEHAK OBEROI
SHOT BY SHOT BYNUNO

NIKKI TAMBOLI

अटपटी चटपटी गप्पें

बॉलीवुड की जेन नेक्स्ट पर टिकी है सबकी निगाहें

सुलेना मजुमदार अरोरा

बॉलीवुड वो इंडस्ट्री है जो ताज़गी का रसिया है और जवानी की दीवानी है। जब से बॉलीवुड इंडस्ट्री की नींव पड़ी है, सौ साल पहले से , तब से फिल्म उद्योग ने खुली बाहों से नए अभिनेताओं का स्वागत किया है, और जब किसी स्टार सेलिब्रिटी के बच्चों ने अपने पैरेंट्स के नक्शे कदम पर चलने के लिए कदम बढ़ाया तो उसे अक्सर एक आसान एंट्री का सुख मिला। हालांकि ये बात भी सही है कि भले ही बॉलीवुड में एक धमाकेदार एंट्री मिलना उनके लिए आसान रहा हो लेकिन अपने को यहाँ जमाए / टिकाए रखना उनके लिए आउटसाइडर नवागन्तुकों से बहुत ज्यादा कठिन भी था क्योंकि जहाँ नवागंतुकों को किसी तुलना, अपेक्षा की दुधारी तलवार से नहीं गुज़रना पड़ता है वहीं स्टार किड्स को इस जोखिम से बचना आसान नहीं। पृथ्वीराज कपूर के बेटे राज कपूर, शशि कपूर, शम्मी कपूर और राजकपूर के बेटे रणधीर कपूर, ऋषि कपूर से जो स्टार किड्स का सिलसिला बॉलीवुड में शुरू हुआ वो धीरे धीरे ना सिर्फ जोर पकड़ता रहा है बल्कि और अन्य स्टार परिवारों के बच्चों का भी टॉर्च बियर बन गया। आज भी जब नव वर्ष 2022 के आने की तैयारी चल रही है तो कुछ स्टार किड्स के भविष्य को आने वाले वर्ष में अभी से आंका जा रहा है। इनमें से कई नवागंतुक प्रसिद्ध परिवारों से आते हैं, जहां अभिनय उनके रगों में बहता है।

चाहे वह कपूर का हो या खान का, नए चेहरे हमेशा इंतजार में रहते हैं, और फ़िल्म इंडस्ट्रीमें शामिल होने के लिए तैयार हैं।

इब्राहिम अली खान

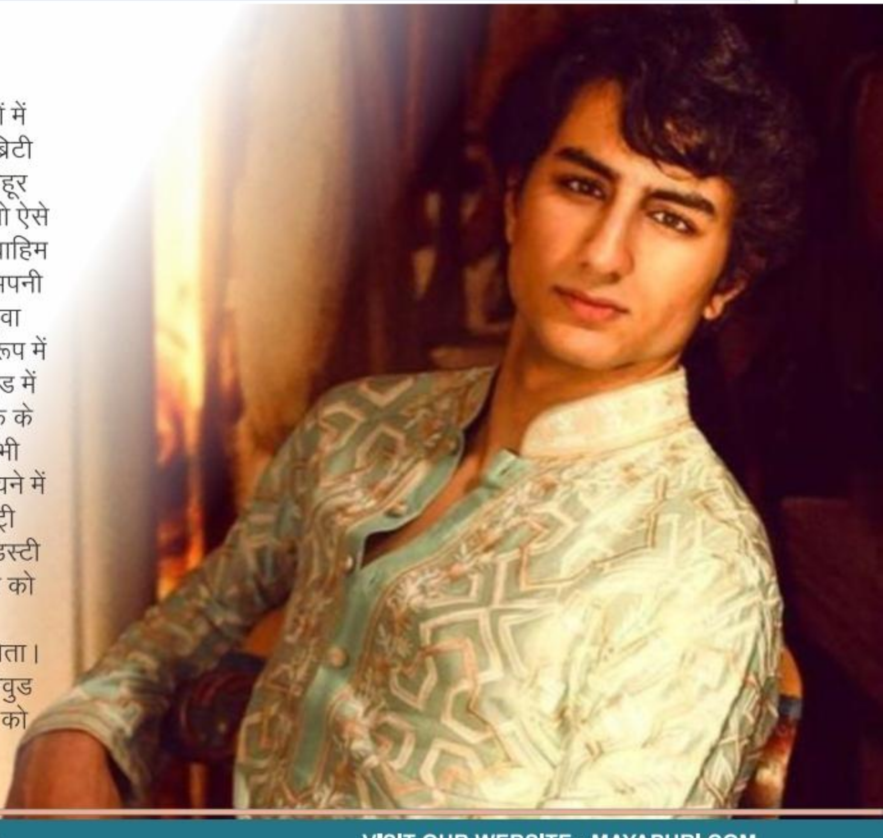

इब्राहिम अली खान अपने पिता सैफ अली खान की तरह बेहद हैंडसम है और कई मायनों में नाक नक्श अपने पापा जैसे ही हैं। चूँकि उनके परिवार में सभी एक से बढ़कर एक सेलिब्रिटी रहें हैं, जैसे दादी शर्मिला टैगोर, दादा मशहूर क्रिकेटर नवाब अली खान पटौदी, मां मशहूर यसटर ईयर बॉलीवुड नायिका अमृता सिंह, बहन युवा पीढ़ी की स्टार सारा अली खान, तो ऐसे में लोग आश्चर्य कर रहें हैं कि अब तक यह नवोदित जेन नेक्स्ट स्टार मटेरियल किड इब्राहिम लो प्रोफ़ाइल में क्यों हैं? हालांकि कईयों का मानना है कि इब्राहिम पहले ही बॉलीवुड में अपनी शुरुआत कर चुके हैं। उन्होंने टशन (2008) में अपने पिता का किरदार निभाते हुए एक युवा लड़के के रूप में अभिनय किया। लेकिन बॉलीवुड उसे अब एक युवा पीढ़ी के नायक के रूप में देखना चाहते हैं। लेकिन पापा सैफ अली खान चाहते हैं कि उसका यह युवा बेटा बॉलीवुड में काम करने को सिर्फ एक खेल के रूप में ना लें। अगर सिरियस है तो ही आए क्योकि सैफ के अनुसार बॉलीवुड में करियर कोई खेल तमाशा जैसे आसान काम नहीं है। सैफ ने कहा भी था, "मैंने इब्राहिम से कहा है कि इसे बहुत गंभीरता से लें क्योंकि बहुत कम लोग सही मायने में सफल हो पाते हैं। इब्राहिम अभी कच्ची उम्र का है लेकिन बेहद हैंडसम है। फ़िल्म इंडस्ट्री एक बेहतरीन जगह है अपनी प्रतिभा ज़ाहिर करने के लिए, अगर मेरे सारे बच्चे फ़िल्म इंडस्टी से बतौर एक्टर या किसी और रूप में जुड़ना चाहे तो बहुत अच्छी बात है, लेकिन इब्राहिम को सोच समझ कर फिल्में चुनना होगा और मेहनत करना होगा जो वो कर रहा है।" वाकई इब्राहिम मेहनत कर रहा है, वो अन्य स्टार किड की तरह बॉलीवुड को फ़ॉर ग्रांटेड नही लेता। करण जौहर की फ़िल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में बतौर सहायक निर्देशक बॉलीवुड के पैटर्न सीख रहा है? आज जिस आलिया को वो फ़िल्म में सह निर्देशन कर रहा है कल को शायद उसके साथ फ़िल्म के पर्दे पर नज़र आये।

ईशान खट्टर

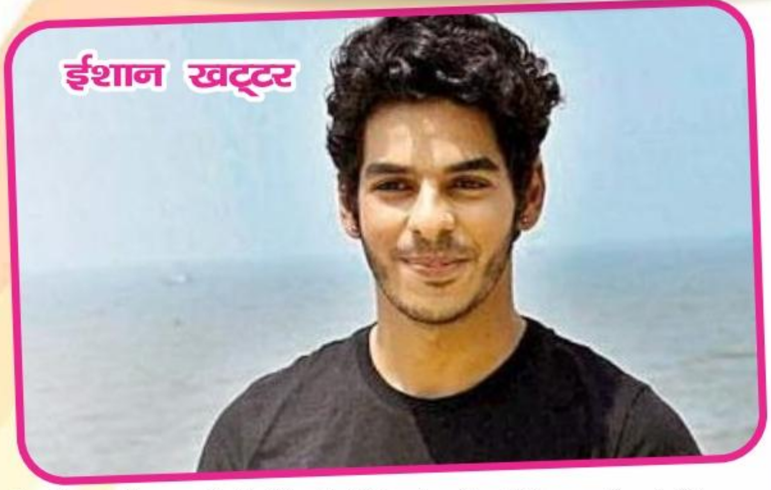

जेन नेक्स्ट की बात करें तो छोरे छोरे से दिखने वाले, नीलिमा अज़ीम के बेटे तथा शाहिद कपूर के भाई ईशान खट्टर का नाम भी आता है। दोनों भाइयों के पिता अलग है, शाहिद के पिता है पंकज कपूर और ईशान खट्टर के पिता है राजेश खट्टर। ईशान ने हालांकि माजिद मजीदी की 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' से अपने करियर की शुरुआत की थी लेकिन उन्हें पहचान मिली 'धड़क', 'खाली पीली', 'फोन भूत' के कारण। वे आने वाले दिनों में कितने सफल होंगे इसका आंकड़ा अभी भी ट्रेड पंडित लगा रहें हैं लेकिन खुद ईशान कहते हैं, "मैं सही फिल्मों के चुनाव करने में अपने बेसिक इंस्टिक्ट का इस्तेमाल करता हूँ और मैं अपने को ऐसे स्पेस में आजमाने के लिए धक्का देता हूं जो अब तक मैंने एक्सप्लोर नहीं किया है।, यह कई मायनों में अपनी पसंद को निर्धारित करता है। मैं कुछ खास लोगों के साथ काम करना चाहता हूं और मैं उन अनुभवों के लिए तरसता हूं जिनके साथ मैं ग्रो कर सकता हूं।" ईशान ने बताया कि उनके लिए वे लोग प्रेरक हैं जिनके साथ वह काम करते हैं और जो फिल्में वह चुनते हैं।" तो जिस सोच के साथ ईशान आगे बढ़ रहे है उससे उम्मीद बनती है कि वो भी शाहीद की तरह अपना एक यूनीक जगह बनाने में सफल होंगे।

अनन्या पांडे

अनन्या पांडे बॉलीवुड फिल्म अभिनेता चंकी पांडे की बेटी हैं, चंकी ने नब्बे की दशक में 80 से अधिक फिल्मों में काम किया है, जिसमें लगभग तीन दशक का करियर है। उनकी यह खूबसूरत स्पंकी बेटी अनन्या पांडे, टाइगर श्रॉफ और तारा सुतारिया के साथ 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' और ',खाली पीली' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत कर चुकी है। अनन्या भले ही स्टार किड है लेकिन उसे उसके पापा ने न तो लॉन्च किया और ना ही सिफारिश की।

फ्रेश फेस क्वीन कही जाने वाली अनन्या ने कैसे अपनी प्रथम फिल्म से पहले ही लोकप्रियता हासिल कर ली थी? , दरअसल अनन्या ने अपने को कुछ इस तरह से पेश किया कि युवा पीढ़ी उनके साथ कनेक्ट हो सके। अनन्या का अभिनय, उसका बॉडी लैंगुएज, सब युवा वर्ग से जुड़े होने के कारण कोई भी लड़की अनन्या में अपने को देख सकती थी और चाहे फ़िल्म हो या ब्रांड्स, अनन्या ने युवा और फ्रेश कंटेंट पर फोकस रखा। भारत के सबसे बड़े कॉस्मेटिक ब्रांड लैक्मे ने अनन्या को अपने सबसे कम उम्र के सेलिब्रिटी एंडोर्सर के रूप में साइन किया।अनन्या पांडे ने कहा भी था, ""प्यारे लक्मे परिवार का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूँ। शुक्रिया।"

आर्यन खान

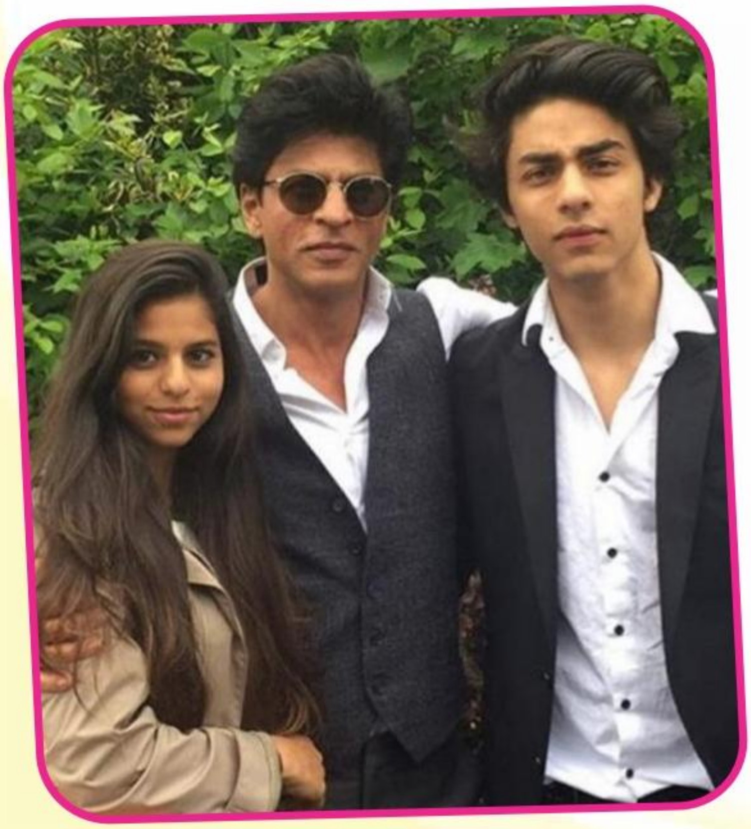

आर्यन खान बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान और गौरी खान के बेटे हैं। जहां उनकी मां गौरी खान एक इंटीरियर डिजाइनर हैं, वहीं उनके पिता शाहरुख खान भारतीय सिनेमा के सुपर स्टार्स में से एक हैं।

अपने पिता के समान हैंडसम दिखने वाला, आर्यन फिल्मों में कदम रखने से पहले ही अपने अच्छे लुक्स के साथ दुनिया में तहलका मचा रहा है।

मजे की बात यह है कि आर्यन के रगों में अभिनय बहने के कारण वो फ़िल्म 'कभी खुशी कभी गम' (2001) के शुरुआती क्रेडिट में तब दिखाई दिए जब वह सिर्फ 4 साल के थे। लेकिन उसके बाद वे लाइम लाइट से दूर ही रहे। उनकी पढ़ाई विदेश में हुई, स्कूलिंग लंदन के सेवेनॉक्स में हुई और यूनिवर्सिटी की पढ़ाई साउथर्न कैलिफोर्निया में हुई। फिटनेस एंड स्पोर्ट्स एनथुसीआस्टिक आर्यन मार्शल आर्ट्स में , टायक्वोंडो में ब्लैक बेल्ट है।

फ़िल्म 'कभी अलविदा न कहना' में भी उसने एक सॉसर प्लेयर की भूमिका निभाई थी जो एडिटिंग में फ़िल्म के कहानी साथ ठीक न बैठने के कारण काट दिया गया था। दिखने में बेहद टॉल एंड हैंडसम, फीज़ीक में वेल बिल्ट होने के साथ साथ आर्यन का प्लस पॉइंट उसकी आवाज़ है। फिल्म 'हम लाजवाब है' में 'तेज़' के कैरेक्टर के लिए आर्यन ने ही अपनी आवाज देते हुए डब किया था जिसके लिए उसे बेस्ट डबिंग चाइल्ड आर्टिस्ट अवार्ड भी प्रेजेंट किया गया था। फिल्म ' द लायन किंग (हिंदी वर्शन) में 'सिंबा' की भूमिका को आर्यन ने आवाज दी थी।

काफी समय से ऐसी अफवाहें उड़ रही थी कि आर्यन जल्द ही फिल्मों में अपनी शुरुआत करेंगे और स्वर्गीय श्रीदेवी और बोनी कपूर की सबसे छोटी बेटी खुशी कपूर के साथ अपनी शुरुआत करेंगे और करण जौहर और धर्मा प्रोडक्शंस इस जोड़ी को लॉन्च करेंगे और करण ने स्क्रिप्ट की तलाश भी शुरू कर दी है वगैरा, इन सब अटकलों के बावजूद अभी तक यह साफ नहीं हो पा रहा है कि वह बड़े पर्दे पर किस रूप में कदम रखेंगे लेकिन बताया जा रहा है कि इतनी जल्दी वो फिल्मों में आने की नहीं सोच रहा हैं क्योंकि आर्यन की दिलचस्पी अभिनय से भी ज्यादा फिल्म मेकिंग और डायरेक्शन में है। बताया जा रहा है कि आर्यन कैमरे के पीछे रहकर फ़िल्म मेकिंग और राइटिंग में काम करना चाहते हैं जिस की तालीम उन्होंने यूनिवर्सिटी आफ साउदर्न केलिफोर्निया में लिया था। इसलिए इस जेन नेक्स्ट स्टार किड को लेकर रहस्य गहराया हुआ है।

सुहाना खान

सुहाना खान शाहरुख खान और गौरी खान की इकलौती बेटी हैं और आर्यन खान की छोटी बहन है | इनके बारे में कयास लगाया जा रहा है कि आने वाले वक्त की सब से बड़ी एक्ट्रेस बन कर उभरेगी ये स्टाइलिश और बेहतरीन अभिनेत्री |

युवा सुहाना फिल्मों में कदम रखने से पहले ही ऑनलाइन हिट हो गई है | वह नियमित रूप से अपनी यात्रा और दोस्तों के साथ घूमने फिरने की तस्वीरें शेयर करती है और करोड़ो फैन्स को स्टाइल और एटीट्यूड गोल्स देती रहती है | अभिनय में माहिर सुहाना ने पढ़ाई के दौरान ही शॉर्ट फिल्मों में अपना जलवा दिखा दिया है और जल्द ही फिल्मों में कदम रखने की तैयारी में हैं | जाहिर है शाहरुख खान की बेटी होने के कारण सुहाना को फिल्मों में आसानी से लॉन्च तो मिल जाएगा लेकिन असली परीक्षा होगी तब जब उसकी फिल्में होगी रिलीज़ क्योकि पब्लिक ये नहीं देखती कि कौन किसका बेटा या बेटी है, उन्हें तो अच्छा काम चाहिए अगर ये बात न होती तो राजेंद्र कुमार का पुत्र कुमार गौरव 'लव स्टोरी' में सुपर हिट होने के बावजूद यूँ गुम ना हो जाता और शाहरुख खान एक आउटसाइडर होने के बावजूद सुपर स्टार ना बन जाता |

जब शाहरुख से बेटी सुहाना के फिल्मों में आने और शाहरुख द्वारा अपनी बेटी को मदद करने के बारे में पूछा गया था तो शाहरुख ने जवाब दिया था, "मैं बस यही चाहता हूँ कि वो जो करे उसमें वो खुश रहे | उसकी हँसी में मेरी हंसी है और उसके गम में मेरा गम | बस आगे मैं कुछ और नहीं सोचता, मैं चाहूंगा कि वह थिएटर में काम करे और जीवन में आगे बढ़े और अलग–अलग बीट एक्ट्रेस के रूप में अद्भुत और अलग कहलाए |"

सुहाना खान, शाहरुख की बेटी होने के साथ साथ एक प्रभावशाली व्यक्ति तथा कलाकार भी है | उनकी लगातार बढ़ती लोकप्रियता और परफॉर्मेंस के कारण, सुहाना को बॉलीवुड में शामिल होने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा

खुशी कपूर

फ़िल्म 'धड़क', 'रूही', 'गुंजन सक्सेना', 'दोस्ताना 2', 'घोस्ट स्टोरीज', 'तख्त', 'गुड लक जेरी' 'अंग्रेज़ी मीडियम' 'मिली' की चर्चित अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की छोटी बहन खुशी कपूर कलाकारों से भरे परिवार से आती हैं। उनकी मां श्रीदेवी (दिवंगत) को भारत की सबसे टॉप सुपरस्टार माना जाता है और पापा बोनी कपूर और दादा सुरिंदर कपूर अपने समय के प्रसिद्ध भारतीय फिल्म निर्माता रहें हैं।

खुशी की बहन जान्हवी कपूर आज की जानी पहचानी हुई स्टार है। भाई अर्जुन कपूर भी एक स्थापित अभिनेता हैं,

उनके चाचाओं में अनिल कपूर और संजय कपूर शामिल हैं।

, उनके तीन चचेरे भाई बहन भी एक्टर हैं जिनमें सोनम कपूर, हर्षवर्धन कपूर और मोहित मारवाह भी शामिल हैं।

ऐसे कलाकार परिवार की बेटी खुशी आखिर कब तक लाइम लाइट से बचकर रह सकती है? अटकलों के अनुसार करण जौहर शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के साथ खुशी को लॉन्च करने की योजना बना रहे है लेकिन लॉक डाउन के कारण सब ठहर गया है। लेकिन अफवाह ये भी उड़ी थी कि करण जौहर ने आलिया भट्ट की तरह खुशी को लॉन्च करने की जिम्मेदारी उठा ली है। खबरों की माने तो खुशी को जल्द ही लॉन्च किया जाएगा, और वह भी करण द्वारा।

हालांकि खुशी की शुरुआत को गुप्त रखा जा रहा है, लेकिन उन्होंने पहले से ही एक उपयुक्त स्क्रिप्ट की तलाश शुरू कर दी है।"

अब फिर से बॉलीवुड एक नए कपूर के इंतज़ार में है। बताया ये भी जा रहा है कि खुशी अपनी मम्मी श्रीदेवी की तरह खूबसूरत और बेहद टैलेंटेड है। उसे सफल होने से कोई रोक नहीं सकता।

अहान शेट्टी

अभिनेता सुनील शेट्टी और फैशन डिजाइनर माना शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी आने वाले समय में अपनी छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।
कोरोना काल से पहले ही अहान ने अपनी पहली फिल्म के बारे में समाचार साझा करने के लिए इंस्टाग्राम पर कहा था, "आज मेरे जीवन में एक नई शुरुआत हो रही है। मैं इस अद्भुत फिल्म का हिस्सा बनने और /nadiadwalagrandson परिवार का हिस्सा बनने के लिए बहुत आभारी और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मेरे आगे एक लंबी कठिन यात्रा है जहाँ मैं उतार चढ़ाव दोनों का अनुभव करूँगा। इसे गरिमा, अनुग्रह और ईमानदारी से संभालने के लिए मुझे आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की आवश्यकता होगी। आप सबके समर्थन के लिए धन्यवाद, यह वास्तव में बहुत मायने रखता है। और उम्मीद करता हूं कि साजिद सर आपको बहुत गर्व महसूस कराएंगे।" अहान के इस इंस्टाग्राम एक्सप्रेशन से सबको पता लग गया कि वो बॉलीवुड के आसमान में अपनी उड़ान भरने को तैयार है। अहान की नवीनतम फ़िल्म 'तड़प' को लेकर यह कहा जा रहा है कि वर्ष 2022 के स्टार बनने से अहान चूकने वाले नहीं क्योंकि उसने अपनी कमर कस ली है। अहान की प्रतिभा और मेहनत को लेकर नाडियाडवाला के ग्रैंडसन ने अपने इंस्टाग्राम में कह ही दिया , "'तड़प' के जादू के साक्षी बनने के लिए तैयार हो जाइए। देखिए अहान और तारा ने क्या कमाल किया? यह एक अतुलनीय लव स्टोरी है जो सिनेमाघरों में तीन दिसम्बर को रिलीज होने को तैयार है।" अहान और तारा सुतरिया ने इस फ़िल्म को मार्च में ही पूरी कर ली थी। अपनी पहली फ़िल्म के पूर्ण होने के उत्साह में अहान ने भी कहा, "पहली फ़िल्म के सम्पूर्ण होने की खुशी बयान नहीं कर सकता। जीवन भर ये यादें यादगार बनी रहेंगी। उन सबको बहुत बहुत धन्यवाद जिन जिन ने मुझे इस काम को करने के लिए पुश किया और प्रेरणा दी।" अहान किस कदर सिरिअस है अपने करियर को लेकर ये इस बात से ही पता लगता है कि फ़िल्म 'तड़प' के लिए उसने ना दिन देखा ना रात, बस इंटेंस फिजिकल ट्रेनिंग में लगे रहे। यह नेक्स्ट जेन एक्टर को लेकर उनके पापा सुनील शेट्टी ने कहा था कि उन्होंने शुरू से ही अपने बेटे से कहा कि वो 'फ़्राइडे' से घबराए नहीं, जब फिल्में आम तौर पर रिलीज होती हैं। उन्होंने अपने बेटे से कहा कि यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि सफलता और असफलता दोनों ही जीवन का हिस्सा हैं और असफलता से निराश होना वो राह नहीं है, जिस पर उसे जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अहान के लिए यह सीखना महत्वपूर्ण था कि असफलता को कैसे संभालना चाहिए।

यशवर्धन आहूजा

यशवर्धन आहूजा अभिनेता गोविंदा के लाडले बेटे हैं जिसपर बॉलीवुड की नज़र बनी हुई है। गोविंदा फिल्मों में सुपर हीरो थे, वे सिल्वर स्क्रीन के मास एंटरटेनर भी थे लेकिन उन्हें उनके डांसिंग के लिए भी जाना जाता था। बेटा हर्षवर्धन लंदन 'मेट फ़िल्म स्कूल' से फ़िल्म मेकिंग का कोर्स करके वापस लौटकर अपने इन्ही हुनरों पर धार लगा रहें हैं। फिलहाल वे ',किक 2' में असिस्टेंट के तौर पर अपने को आजमा रहे है। गोविंदा और उसके परिवार वाले हर्षवर्धन के करियर को लेकर काफी सतर्क है। हर्ष की मम्मी सुनीता आहुजा का कहना है, "हर्षवर्धन इन दिनों अपने ऊपर मेहनत कर रहा है। डांस और नई स्किल्स पर फोकस्ड है, क्योंकि हम सबको पता है कि लोग उसकी तुलना गोविंदा से जरूर करेंगे जो हम नहीं चाहते। गोविंदा ने अपना खुद का स्टाइल इज़ाद किया है और हम सब चाहते हैं कि हर्षवर्धन भी अपना अलग स्टाइल बनाए।

यशवर्धन अगले वर्ष तक अपने को स्थापित करने के लिए जोर शोर से मेहनत कर रहे हैं। जेन नेक्स्ट के स्टार के रूप में हर्षवर्धन से काफी उम्मीदें लगाई जा रही है।
फ़िल्म इंडस्ट्री में थोड़ा अनुभव हासिल करने के लिए यशवर्धन साजिद नाडियाडवाला की मार्केटिंग टीम के लिए भी काम कर रहे हैं।
फ़िल्म में गहरी दिलचस्पी दिखाते हुए हर्षवर्द्धन अभिनय को लेकर सिरिअस है। उन्होंने कहा, "मुझे पता है कि लोग मेरी तुलना डैडी से करेंगे, और मुझे सबकी उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। इसलिए, अपने को और मांजने में मैं अपना समय ले रहा हूं, मैं साजिद अंकल से फ़िल्म इंडस्ट्री की बारीकियों को सीख रहा हूँ। उन्होंने मुझे गाइड करते हुए कहा, "हवा के रुख के साथ चलना चाहिए और अभिनय में आने से पहले संपादन और लेखन सहित फिल्म निर्माण के सभी पहलुओं पर ज्ञान प्राप्त करना अच्छा रहता है।"
यशवर्धन के अनुसार उन्हें निर्देशन पसंद है लेकिन अभिनय उनका जुनून है। वे बोले, "मैं एक्टिंग के बारे में जो कुछ भी जानता हूं वह डैडी से आया है। उन्होंने मुझे स्क्रीन पर इम्प्रूव करना सिखाया है। उन्होंने मुझे बताया था कि कैसे कादर खान सर और हरमेश (मल्होत्रा) अंकल की फ़िल्म, 'दुल्हे राजा' के सेट पर अचानक से उन्हें डायलॉग दिए गए जिसे पापा को तुरंत याद करके अभिनीत करना था।, यह बातें भी मुझे मेंटली रेडी कर रहे हैं।" अपने पिता के बारे में यशवर्द्धन का कहना है, "बचपन में डैडी स्ट्रिक्ट हुआ करते थे, लेकिन अब वे जानते है कि मैं बड़ा हो गया हूं। वे अब मेरे लिए एक शिक्षक की तरह है और मैं वास्तव में उनसे बहुत कुछ सीख रहा हूँ।"

शनाया कपूर

उपरोक्त स्टार किड्स के अलावा, शनाया कपूर, जुनैद खान, इरा खान, नव्या नवेली नंदा और अहान पांडे भी बॉलीवुड में अपनी जगह पुख्त करने के लिए रेडी है और आने वाले दिनों में उनकी सफलता या असफलता को भी तौला जाएगा।

यह बहस भी जारी है कि जो लोग फिल्मी परिवारों से नहीं आते हैं, यानी आउटसाइडर्स है, उनके विपरीत स्टार किड्स को ज्यादा सुविधाएं दी जाती है। बॉलीवुड में नेपोटिज़्म एक जोरदार चर्चा का विषय बन गया है।

लेकिन हालांकि स्टार किड्स को आसान अवसर जरूर मिल जाते हैं, लेकिन निश्चित रूप से यह उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा ही है जो उन्हें सफलता या असफलता का दर्पण दिखा सकता है। अब

आलिया भट्ट की ही बात ले लीजिए, वो फिल्म निर्माता महेश भट्ट और अभिनेत्री सोनी राजदान की बेटी होने के नाते उन्हें करण जौहर ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर (2012) में लॉन्च किया था, लेकिन उसके बाद तो आलिया को खुद ही अपनी कमान अपने हाथों में उठाना पड़ा। आलिया एक बेहतरीन एक्ट्रेस होने के कारण ही 'हाईवे', 'उड़ता पंजाब', 'राज़ी' 'गंगूबाई काठियावाडी' जैसी फिल्में उन्हें मिली वरना तो कई नामचीन स्टार्स के बेटे बेटी भी 'वन फ़िल्म वन्डर' बनकर रह गयी। आज दृढ़ निश्चय के साथ, युवा पीढ़ी की आलिया भट्ट, आधुनिक भारतीय सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में से एक हैं।

अब देखना यह है कि नए सितारों का अगला बैच आलिया जितना बड़ा बनेगा और इंडस्ट्री का चेहरा बदल देगा या दो दिन की चांदनी वाली कहावत उनके साथ चरितार्थ होगी।

बालीवुड की मस्ती भरी शरारते

हम पुरानी पीढ़ियों ने अपने टाईम में बहुत कुछ देख लिया है बस देखना है कि आने वाली पीढ़ियां क्या कारनामा दिखाती है। उनमें हमारे जैसा जुनून है भी या नहीं!

डैडी जी... अब जमाना बदल गया है, काम करने की टेकनीक बदल गयी है। आजकल की युवा पीढ़ियां पहली ही बॉल पर सचिन के जैसे सिक्सर मारने का दम रखती है।

अपने जमाने में दुनिया को नचाता था और आज एक तुम ही हो जो दुनिया को अपनी उंगली पर नचा रही हो। तुमने दिखा दिया कि आने वाली पीढियां दुनिया जीत सकती है।

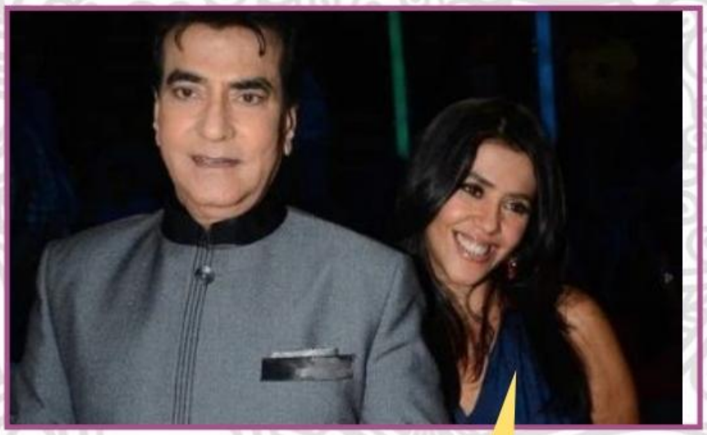

आपके बिना तो कुछ भी नहीं हो सकता था। मार्गदर्शन कराने वाले आप ही तो थे। सच्चे मन से काम किया जाए तो ऊपर वाले ने भी देने में कुछ कसर नहीं छोड़ते.. दिखा दिया कि नई पीढ़ी पीछे नहीं है।

जैकी तुम्हारे बेटे की पहली फिल्म 'हीरोपंती' में फिल्म के साथ-साथ टाईगर की एक्टिंग-डांस सबकी तारीफ हुई मेरे हिसाब से ये तुमसे भी आगे जायेंगा।

DIRECTOR
SUBHASH
GHAI

जिसके सिर पर इतने बड़े-बड़े लोगो का आशीर्वाद हो तो उसे कोई क्या रोकेगा। वैसे भी टाईगर श्रॉफ की तो दुनिया दीवानी है, टाईगर दिखा रहा है कि नई पीढ़ी भी किसी से कम नहीं है।

सुहाना और उसकी शानदार फौज तेजी से कामयाबी की ओर

– अली पीटर जॉन

आज सफलता के आसमान पर राज कर रहे सितारों के कुछ बच्चों के भविष्य की भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल नहीं है।

..... अब पांच साल से अधिक समय हो गया है जब हर कोई सुहाना खान, खूबसूरत बेटी शाहरुख खान, गौरी खान, आर्यन खान और अबराम खान की बड़ी बहन के बारे में बात कर रहा है। सुहाना को अभी भी विदेश में कॉलेज से स्नातक होना बाकी है, लेकिन पूरा देश पहले से ही उनके पिता के बारे में घोषणा करने के लिए सांस रोक कर इंतजार कर रहा है, उनकी कंपनी रेड चिलीज या उनके दोस्तों जैसे आदित्य चोपड़ा या करण जौहर ने उन्हें किस में लॉन्च करने की घोषणा की है। वर्ष या दशक की घोषणा हो सकती है, लेखक और निर्देशक पहले से ही उन कहानियों और पटकथाओं पर काम कर रहे हैं जो उनके अनुरूप हो सकती हैं और उनकी मां जैसे डिजाइनर संगठनों पर काम कर रहे हैं जो भविष्य की महिलाओं के लिए रुझान निर्धारित कर सकते हैं।

कोई कुछ भी कहे, एक बात पक्की है और वह यह है कि शाहरुख की खूबसूरत और प्यारी बेटी सुहाना निकट भविष्य में आगे देखने वाली युवती होगी.....

फिर अमिताभ बच्चन की सुंदर पोती आराध्या है, वह मुश्किल से दस साल की है और फिल्म निर्माता पहले से ही उसे भविष्य के लिए एक स्टार के रूप में देख रहे हैं, लेकिन बच्चन परिवार को अभी भी अपनी लाडली के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं और सपनों के बारे में खुलकर सामने आना है।, बच्चन परिवार ने अपनी बड़ी पोती नव्या नवेली पर एक घोषणा को भी टाल दिया था और अब ऐसा लग रहा है कि नव्या स्टारडम की दौड़ से बाहर हैं।

और अगर दो सुंदर छोटे बेटे हैं जिन्हें भविष्य के स्टार के रूप में देखा जा रहा है, तो यह सैफ अली खान और करीना कपूर खान के बेटे हैं, जिन्होंने पहले ही सोशल मीडिया में स्टार के रूप में जगह बना ली है, खासकर तैमूर अली खान जैसे उनके नाम के साथ। और जहांगीर (जेह) अली खान। वे पिछले हफ्ते मालदीव में थे और वे अपने माता–पिता, सैफ और करीना से ज्यादा भीड़ में थे

अन्य दो स्टार किड्स जो जहां भी जाते हैं, ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, वे हैं अजय देवगन और काजोल की बेटी और बेटे न्यासा और युग, लेकिन उनके माता–पिता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वे नहीं चाहेंगे कि उनके बच्चे अभिनय में अपना करियर बनाएं, लेकिन फिल्मों की तरह आप कभी नहीं जानते कि क्या होगा, किसके साथ, क्यों और कब, अजय एक निर्देशक बनना चाहता था न कि एक अभिनेता और काजोल सिर्फ एक अभिनेता नहीं बनना चाहती थी और देखो कि नियति ने उनके साथ क्या किया है।

PRADA
MILANO

KAPIL SHARMA ASKS KANGANA RANAUT 9TNE DIN HO GAYE, KOI CONTROVERSY NAHI HUI?' SEE HER REACTION

RAJSHRI RANI AND GAURAV MUKESH ARE HOLIDAYING IN THE MALDIVES, THEIR FIRST VACATION POST MARRIAGE

बाप सेर तो बेटा सवा सेर– पिछली पीढ़ी की विरासत को संवारती और निखारती नई पीढ़ी

—सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

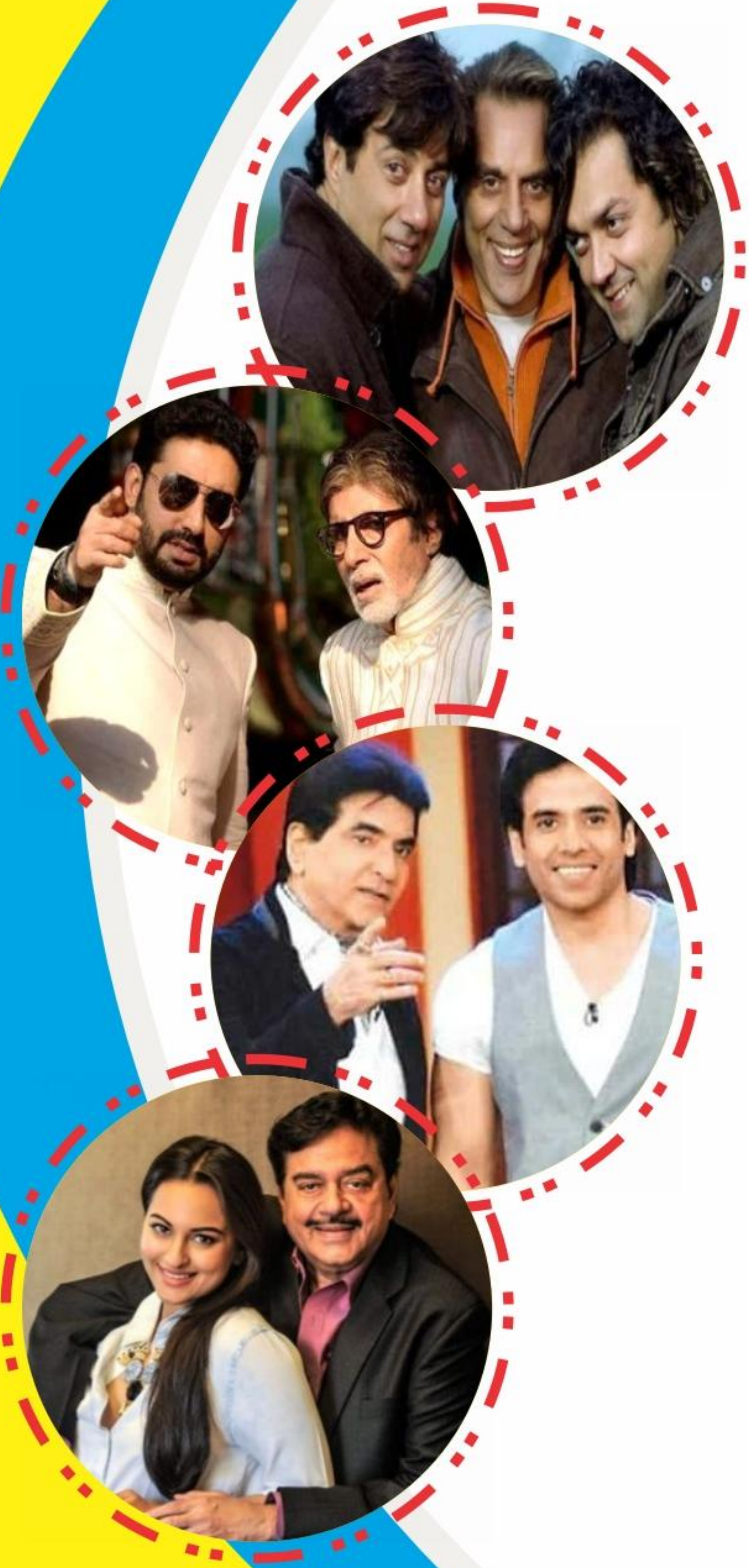

दुनिया में किसी भी फिल्म इंडस्ट्री को उठाकर देख लीजिए, एक कामयाब कलाकर की संतान भी इसी फिल्म इंडस्ट्री में हाथ आजमाती ज़रूर मिलेगी। पर दुनिया की बातों को दरकिनार कर हम यहाँ, बॉलीवुड की बात करते हैं, सुपर–स्टार धर्मेन्द्र हों या शहंशाह अमिताभ बच्चन, जंपिंग जैक जितेंद्र हों या पॉवर हाउस शत्रुघन सिन्हा, सबके बच्चे भी फिल्म इंडस्ट्री में हाथ आज़माने ज़रूर आए हैं।

बात पंजाबी पुत्तर धर्मेन्द्र से शुरु हुई है तो ये कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि धर्मेन्द्र के दोनों बेटों, सनी देओल और बॉबी देओल ने अपने पिता का नाम रोशन और जगमग किया है। सनी देओल ने अपने करिअर की शुरुआत में ही एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दीं तो बॉबी भी अपनी पहचान स्थापित करने में सफल साबित हुए हैं।

अमिताभ बच्चन के आज्ञाकारी बेटे अभिषेक बच्चन ने भले ही अपने पिता जैसा नाम न किया हो पर बेशक वह ऐक्टर बहुत अच्छे हैं। बाकी उनकी भी गलती नहीं है, उनके पिता बच्चन साहब का नाम है ही ऐसे शिखर पर कि खुद बच्चन साहब भी दोबारा जन्म लेकर वहाँ नहीं पहुँच सकते।

जितेंद्र की बात करें तो उनकी बेटी प्रोडक्शन में सबकी उस्ताद है। एकता कपूर का सीरियल हो या फिल्म, रिलीज़ होने का मतलब है कि सुपर हिट होना ही है। वहीं उनके बेटे तुषार कपूर की कॉमेडी के दर्शक दीवाने हैं। तुषार अपने पिता के जैसे स्टार तो नहीं बन सके लेकिन आज उनकी अपनी पहचान है और उनकी अपनी फैन फालोइंग भी है।

शत्रुघ्न सिन्हा की जानदार शानदार बेटी सोनाक्षी सिन्हा अपनी पहली फिल्म दबंग से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही हैं। सोनाक्षी की दमदार ऐक्टिंग और ज़बरदस्त डाइलॉग डेलीवेरी के दर्शक कायल हैं।

जब बात बाप बेटों की हो रही है तो हम सिर्फ ऐक्टर्स तक ही सीमित क्यों रहें, भई महान दिग्दर्शक यश चोपड़ा जी के सुपुत्र आदित्य

चोपड़ा भी किसी समकालीन निर्देशकों से पीछे नहीं हैं। आदित्य चोपड़ा की फिल्में आपको यश चोपड़ा जी की फिल्मों से एक हाथ आगे ही नज़र आती हैं। यही कथन हम यश जौहर के बेटे करण जौहर के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। धर्मा प्रोडक्शन संभालते करण जौहर जिस फिल्म में हाथ डाल दें वो सोना हो जाती है।

इसी तरह सरदार मलिक जहाँ संगीत की दुनिया में चार चाँद लगाते थे वहीं उनके बेटे अनु मलिक ने म्यूजिक इंडस्ट्री को अनगिनत सितारों से भर दिया है।

बाकी कपूर फैमिली की तो बात ही क्या करनी, पृथ्वीराज कपूर से लेकर रणबीर कपूर और करीना कपूर तक, हर पीढ़ी ने पिछली पीढ़ी से ज़्यादा मेहनत की है और बेहतर नाम कमाया है। कपूर खानदान की विरासत सही हाथों में है।

अब उन सितारों को भला कैसे भूल सकते हैं जिनके बेटों ने अपने पिता से अलग कारोबार पकड़ा लेकिन विरासत बरकरार रखी।

बात नाम रौशन करने की है तो क्यों न रोशन परिवार का नाम ही लें, संगीतकार रोशन अपने दौर के जाने–माने संगीतकार थे लेकिन उनके बड़े बेटे राकेश रोशन ने संगीत की बजाए ऐक्टिंग और बाद में डायरेक्शन में हाथ आजमाया और अपना करिअर मकबूल किया। वहीं उनके बेटे ऋतिक रोशन ने डायरेक्शन की बजाए ऐक्टिंग की कामयाबी के झंडे गाड़े और अपने समय में यूथ आइकन बनकर उभरे।

इसी तरह लेखकों के दशहरी आम कहलाई जाने वाली सलीम जावेद की जोड़ी के सलीम खान जहाँ टॉप के राइटर थे, वहीं उनके बेटे सलमान खान टॉप के ऐक्टर बनकर उभरे। सलमान का स्टारडम अपने पिता से भी दो हाथ आगे बढ़कर हासिल किया।

उनके साथी जावेद अख्तर के बेटे फरहान अख्तर ने भी राइटिंग को करिअर न बनाते हुए पहले डायरेक्शन तो फिर ऐक्टिंग में करिअर चुना और आज वह भी बहुत मकबूल, बहुत पसंदीदा कलाकार हैं। उनकी बेटी ज़ोया अख्तर भी आज टॉप की फिल्ममेकर हैं।

फिल्ममेकर ताहिर हुसैन के बेटे आमिर खान भी एक ऐसा ही उदाहरण हैं, इनके बारे में अलग से कहनी की ज़रुरत है।

इसी तरह कॉमेडी फिल्मों के बादशाह कहलाये जाने वाले डेविड धवन के बेटे वरुण धवन

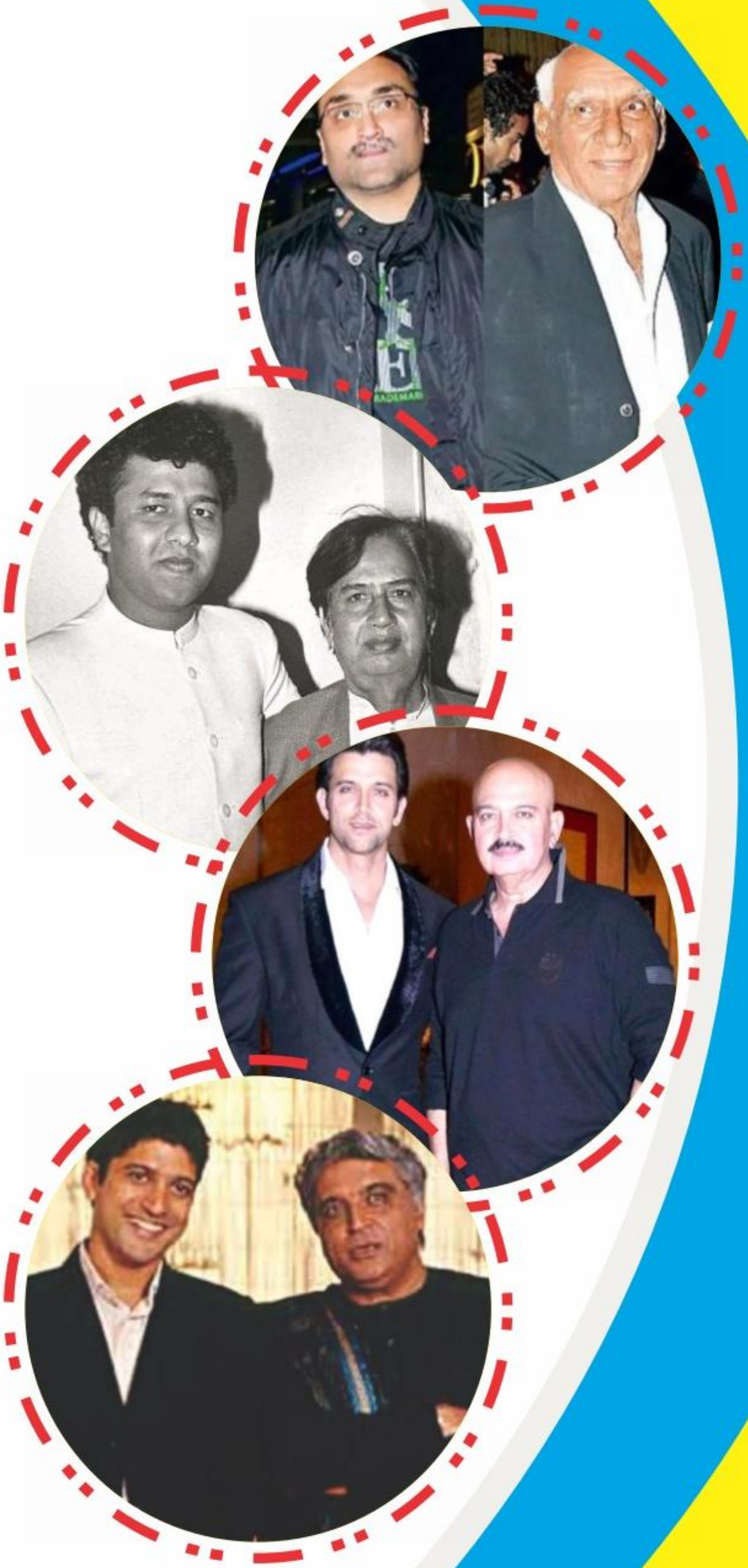

कमाल के ऐक्टर हैं। हालांकि उनके भाई रोहित अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए फिल्ममेकिंग में हाथ आजमाते रहते हैं।

फिल्ममेकर महेश भट्ट की बेटी आलिया भट्ट इस समय टॉप की एक्ट्रेस हैं। जैसे महेश भट्ट अपने समय में बिल्कुल हट के फिल्में बनाने के लिए मशहूर थे, वैसे ही उनकी बेटी आलिया भी दुनिया भर की एक्ट्रेस से जुदा और बेहतरीन एक्टिंग करने के लिए जानी जाती हैं।

वैसे जब–जब फिल्मी दुनिया की नई पीढ़ियों के इंडस्ट्री में आने की बात उठती है तब–तब एक शब्द नेपोटिज्म सिर निकाले खड़ा हो जाता है। भाई–भतीजावाद की दुहाई दी जाने लगती है।

स्टार लेखक सलीम खान के होनहार बेटे और स्टाइल स्टार सलमान खान हों, फाइट मास्टर शेट्टी के बेटे और लार्जर देन लाइफ फिल्ममेकर रोहित शेट्टी हों या एक्शन डायरेक्टर श्याम कौशल के होनहार बेटे विकी कौशल हों, इन सब पर नेपोटिज्म का आरोप ज़रूर लगता है जबकि इन तीनों ने ही अपने पिता के प्रोफेशन को फॉलो न करते हुए अपना रास्ता खुद चुना है और उसमें कामयाब भी अपने बल पर हुए हैं।

फिर भी हम आपसे पूछते हैं कि जब एक डॉक्टर का बेटा डॉक्टर बने या इंजीनियर की औलाद बीटेक करे तो किसी को आपत्ति क्यों नहीं होती? नेपोटिज़्म की सारी समस्या फिल्मी सितारों को लेकर ही क्यों होती है?

इसके पीछे साफ कारण यही है कि फिल्म इंडस्ट्री से अधिक पैसा और शोहरत शायद ही किसी इंडस्ट्री में नज़र आती है। अब आप बताइए पंजाब के एक छोटे से गाँव से निकला ऐक्टर, अपनी मेहनत से, अपने बल बूते पर फिल्म इंडस्ट्री का टॉप फेवरेट स्टार बन जाए तो वो क्यों अपने बच्चों से कहेगा कि तुम वापस गाँव जाओ, वहाँ से फिर किसी मैगजीन में प्रतियोगिता जीतने का इंतज़ार करो और अगर जीत सको तो स्ट्रगल करते हुए यहाँ आ जाओ! एक आम रिक्शे वाला भी चाहता है कि वह अपने बच्चे के लिए कुछ ऐसा छोड़कर जाए कि उसे उसके मुकाबले कम स्ट्रगल करना पड़े। उसकी भी कोशिश होती है कि मैंने रिक्शा किराए पर लेकर चलाया है तो बेटा अपना रिक्शा चला ले, या ऑटो चला ले।

तो जब यही ख्वाहिश एक फिल्म स्टार रखता है तो आपत्ति क्यों होने लगती है? वह स्टार भी चाहता है कि उसके बेटे को अच्छा प्लेटफोर्म मिले, जो दिक्कतें उसे झेलनी पड़ीं वह उसके बेटे के सामने न आएं।

हालाँकि इंडस्ट्री में कुछ ऐसे बाप भी हैं जिन्होंने अपने बेटे को सिवाए आशीर्वाद के कुछ नहीं दिया और फिर भी उनके बेटे ने खूब नाम कमाया। इनमें पहला नाम तो बेहतरीन अवार्ड विनिंग थिएटर एक्टर पंकज कपूर हैं। पंकज कपूर ने थिएटर की दुनिया में बहुत नाम कमाया और टीवी इंडस्ट्री में भी वह करमचंद के नाम से मशहूर रहे। फिर जब उन्होंने फ़िल्में कीं तो कला फिल्मों में उनकी एक्टिंग के डंके गूंजे। हालाँकि जब उनके बेटे 'शाहिद कपूर' ने एक्टिंग करने की ख्वाहिश ज़ाहिर की तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा "बेटा मेहनत करो और एक्टर बनो, इसमें मुझे क्या करना है, जो करना है तुम्हें करना है"

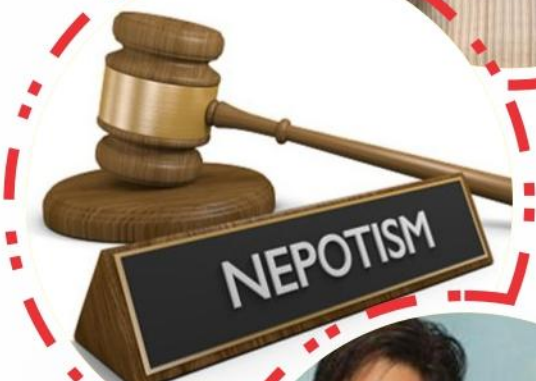

शाहिद ने इसे ही आशीर्वाद समझ बैकग्राउंड डांसर बन अपना कैरियर शुरु किया था और आज वह बॉलीवुड के टॉप फेवरेबल एक्टर्स में से एक हैं। ऐसे ही महमूद के बेटे लकी को अपने पिता की ओर से कोई सपोर्ट नहीं मिला लेकिन फिर भी उन्होंने अपने बल पर अपना कैरियर एक संगीतकार और गायक के रूप में मकबूल किया।

कहने का मतलब यही है कि हर पीढ़ी का कर्तव्य है कि वह अपने पूर्वजों के नाम को आगे बढ़ाए और अपनी आने वाली जनरेशन के लिए एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म खड़ा करे जिस पर चढ़कर वह सुरक्षित महसूस कर सकें और कामयाबी की नई बुलंदियाँ छू सकें।

इसी बात से सीखते हुए सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान इन दिनों एक से बढ़कर एक फिल्में कर रही हैं वहीं उनके बेटे इब्राहिम अली खान भी लॉन्च की तैयारी में हैं। वहीं बॉलीवुड के बादशाह कहलाये जाने वाले शाहरुख़ खान भी अपनी बेटी सुहाना खान को लॉन्च करने के लिए कमर कस चुके हैं। साथ ही श्रीदेवी और बोनी कपूर की बड़ी लड़की जाह्नवी कपूर भी अपनी शुरुआती फिल्मों से ही अपना जलवा बना रही हैं, हालाँकि ये देखना काबिल ए गौर होगा कि क्या ये नई पीढ़ी उस बुलंदी के आस पास भी पहुँच पायेगी जो इनके पूर्वजों ने खड़ी की है।

सवाल बहुत हैं पर जवाब सिर्फ एक ही है, समय। ये समय बतायेगा कि आने वाले समय में सनी देओल का लड़का, शाहरुख़ खान की लड़की या अजय देवगन और काजोल के बच्चे क्या कमाल दिखा पाते हैं, पर इतना ज़रूर है कि एक पिता, एक अच्छे पैरेंट होने के नाते ये टॉप स्टार सेलेब्रिटीज़ अपना कर्तव्य तो ज़रूर निभा रहे हैं।

“मुझे स्कूल में श्रद्धा कपूर पर क्रश था, हालांकि लड़कियों के मामले में मैं शर्मीला था”

टाइगर श्रॉफ

–ज्योति वेंकटेश

जब हीरो को जैकी श्रॉफ के साथ अग्रणी हीरो के रूप में रिलीज़ किया गया था, तो मैं बहुत भाग्यशाली था कि मैं उनका साक्षात्कार करने और बॉलीवुड में उनके आगमन की शुरुआत करने वालों में से था। हालांकि, मैं इतना भाग्यशाली नहीं था कि जब जैकी श्रॉफ के बेटे टाइगर श्रॉफ को उनकी फिल्म ‘हीरोपंती’ के साथ लॉन्च किया गया तो मुझे उनका साक्षात्कार करने के लिए नहीं चुना गया। उनकी अन्य फिल्में ‘द फ्लाइंग जट्ट’, ‘मुन्ना माइकल’, ‘बागी’ और ‘बागी 2’ जैसी त्वरित उत्तराधिकारियों में आईं, लेकिन मुझे उनका साक्षात्कार करने के लिए बिल्कुल भी नहीं बुलाया गया। हालांकि, हाल ही में मैंने टाइगर के साथ फिल्म सिटी में उनकी एक विज्ञापन फिल्म की शूटिंग के दौरान पकड़ा और मैं टाइगर श्रॉफ से बात करने में कामयाब रहा। शुरुआत में, टाइगर ने मेरा गर्मजोशी से अभिवादन किया क्योंकि मैं उनसे पहले कुछ मौकों पर मिला था जब मैंने उन्हें याद दिलाया था कि हीरो की रिहाई के बाद से पिछले 38 वर्षों से मैं उनके पिता का एक अच्छा दोस्त हूँ।

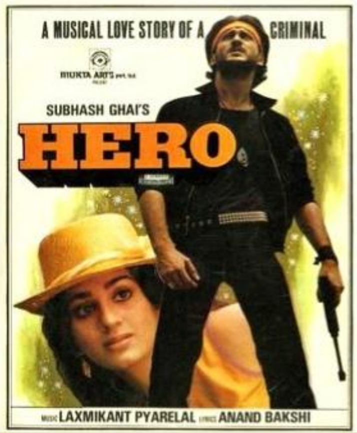

हमारे सामने मेज़ पर तैलीय समोसे की एक थाली पड़ी थी। टाइगर दहाड़ता है, “ये समोसे ले जाओ।” मुझे देखते हुए टाइगर कहते हैं, “मुझे बस इन समोसे को सूंघना है और मुझे लगता है कि मैंने बहुत जंक फूड खा लिया है क्योंकि यह मुझ पर काम करता है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना और 6 पैक एब्स के साथ एक निश्चित तरीके से दिखना मेरे काम का हिस्सा है क्योंकि मैं एक अभिनेता हूं और मुझे बहुत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना पड़ता है। “

बात उनके डैड जैकी श्रॉफ के इर्द–गिर्द घूमती है। टाइगर का कहना है कि उनकी तुलना अब भी अक्सर उनके पिता से की जाती है। “जब मैंने अपना करियर शुरू किया, तो लोगों ने मुझे बिल्कुल भी गंभीरता से नहीं लिया क्योंकि मैं जैकी श्रॉफ का बेटा था। मैंने पिताजी की यात्रा को करीब से देखा है और इस वजह से मेरे अंदर इतनी असुरक्षा है कि मैं कभी भी सफलता को अपने सिर पर नहीं चढ़ने दूंगा। मुझे ध्यान आकर्षित करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है जबकि मेरे पिता को अपने प्रशंसकों का ध्यान खींचने के लिए वहां खड़ा होना पड़ता है। जब से मैंने फिल्मों में प्रवेश किया, मुझे पता था कि मेरी तुलना मेरे पिता से की जाएगी। मुझे कोई शिकायत नहीं है। अगर वह अभिनेता नहीं होते तो मैं यहां नहीं होता। है ना?

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 में रॉनी के अपने किरदार की त्वचा में उतरना टाइगर के लिए बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था क्योंकि जैसा कि वह कहते हैं, मैं हमेशा से खेल में रहा हूं और मेरे लिए यह भूमिका करना एक हवा थी क्योंकि फिल्म है वॉर की तरह नहीं और मैंने वास्तव में एक ऐसा किरदार निभाया है जो मेरी उम्र के काफी करीब है। साथ

ही यह भी सच है कि डांस हमेशा से मेरा पहला प्यार रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि एक्शन कई बार बहुत खतरनाक भी हो सकता है। यह एक रोमांटिक फिल्म थी जिसमें 4 साल से 60 साल तक के मेरे सभी प्रशंसकों के लिए थोड़ा बहुत खेल दिखाया गया था।"

अपने करियर में पहली बार, टाइगर का कहना है कि उन्होंने अपनी फिल्म में कबड्डी खेली और खेल को ठीक से सीखने के लिए और अपने चरित्र में जिसे वह टाइगरिज्म कहते हैं, उसे लाने के लिए भी बहुत मेहनत करनी पड़ी। "यह एक बहुत ही सुखद अनुभव था क्योंकि मुझे न केवल खेल पर बल्कि लड़कियों पर भी ध्यान देना था। (झपके)। फिल्म यह बताने के लिए तैयार है कि खेल को हर किसी के जीवन को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए और आप अपने होठों पर मुस्कान के साथ फिल्म से बाहर निकल जाएंगे। मुझे बच्चों से बहुत प्यार है। मुझे लगता है कि स्कूलों में भी उन्हें कबड्डी जैसे खेलों को बढ़ावा देना चाहिए ताकि बच्चों को समग्र अनुभव मिल सके। आपको कुछ बाहरी गतिविधियाँ करनी चाहिए और विटामिन डी प्राप्त करना चाहिए।"

SAJID NADIADWALA'S
HEROPANTI
DIRECTED BY SABBIR KHAN
SAJID - WAJID

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2', टाइगर कहते हैं, 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से अलग फिल्म थी। "एक्शन फिल्मों में बहुत अधिक अपील होती है। मैं अपनी उंगलियों को पार करता रहता हूं, क्योंकि पिछले साल बहुत छोटा था; फिल्मों ने अच्छा कारोबार किया जबकि बड़े सितारों वाली बड़ी फिल्मों ने धमाल मचा दिया। 'बागी 2' की बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता के बाद, मेरे लिए उम्मीदें बढ़ गई हैं और लोग मुझे एक अलग नजरिए से एक बैंकेबल स्टार के रूप में देखने लगे हैं और मुझे लगता है कि मुझे उन सभी उम्मीदों पर खरा उतरना है। जब मैं 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' के सेट पर चला तो लोगों ने मुझे टाइगर सर कहकर भी बहुत इज्जत दी। देहरा दून में जब हम शूटिंग कर रहे थे, 2000 से अधिक लोगों ने मुझे रोनी के रूप में बुलाया और यह मेरे लिए एक अलग अनुभव था क्योंकि यह वह किरदार था जिसे मैंने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' में निभाया था। "

टाइगर ने कबूल किया कि उन्हें बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि उनकी फिल्म 'बागी 2' 165 करोड़ को पार कर जाने वाला बिजनेस करेगी। "सच कहूं, तो मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह 50 करोड़ से अधिक को छू लेगी, क्योंकि यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मराठी फिल्म सैराट के विपरीत थी। पीछे मुड़कर देखें तो मुझे लगता है कि फिल्म में आखिरी 15 मिनट के एक्शन ने कमाल कर दिया था। मुझे लगता है कि एक्शन के साथ इमोशनल होना बहुत जरूरी है। नायक को जो महत्वपूर्ण लगता है उसके लिए लड़ते हुए दिखाना बहुत महत्वपूर्ण है। "

SAJID NADIADWALA'S
BAAGHI 2
DIRECTED BY AHMED KHAN
FOX STAR STUDIOS

"मुझे अभी तक किसी भी क्रॉसओवर फिल्म के लिए साइन नहीं किया गया है, हालांकि मुझे लगता है कि पश्चिम में

भारत के एक्शन हीरो के लिए एक शून्य है और मेरे उस शून्य को भरने की संभावना है। मैंने ऋतिक के साथ डांस नहीं किया था। हालांकि हमने सभी एक्शन भागों की शूटिंग की, युद्ध में नृत्य के हिस्से बाद में सर्दियों में शूट किए गए क्योंकि यह गर्मियों के दौरान आराम के लिए बहुत गर्म है। ऋतिक रोशन के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा। कभी–कभी मैं अपने जैसे ही फ्रेम में ऋतिक रोशन को देखते ही खाली हो जाता था। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मैं ऋतिक रोशन के साथ काम कर रहा हूं।"

टाइगर कबूल करता है कि उसे मीठा खाना पसंद है और रविवार को वह वड़ा पाव, समोसा खाने की तरह धोखा देना पसंद करता है, क्योंकि अन्य दिनों में वह कुछ भी अच्छा नहीं खाता है। "अगर मैं शूटिंग नहीं कर रहा हूं, तो मैं सुबह तीन घंटे डांस करने और शाम को तीन घंटे जिम जाने में लगाता हूं। नृत्य मेरे लिए कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम का एक रूप है और मजेदार है, क्योंकि आपको यह भी पता नहीं है कि आप कितनी कैलोरी जला रहे हैं।"

टाइगर इतना विनम्र है कि वह एक अभिनेता के रूप में बिल्कुल भी बहुमुखी नहीं है, हालांकि साथ ही साथ वह कहते हैं कि जब लोग एक्शन नायकों के बारे में बात करते हैं, क्योंकि उनका नाम भी एक के रूप में सामने आता है, उन्हें खुशी होती है कि उनकी भी एक एक्शन हीरो के रूप में खुद की पहचान है, जैसे अक्षय कुमार, अजय देवगन, सनी देओल आदि। सिल्वेस्टर स्टेलोन जैसे एक्शन हीरो आकांक्षी नायक हैं। मेरा लक्ष्य जीवन को कुछ अर्थ देना है। मैं अपने काम से लोगों को प्रेरित करना चाहता हूं। मैं उपदेश नहीं देना चाहता। माइकल जैक्सन, ब्रूस ली आदि अपने एक्शन से बात करते हैं। मैं अपने ब्रांड ऑफ एक्शन से लोगों के जीवन को भी छूना चाहता हूं। मेरा मिशन सिर्फ इसका हिस्सा बनने के बजाय दुनिया की सेवा करना है।"

टाइगर ने कबूल किया कि जब वह स्कूल में था तो लड़कियों के मामले में शर्मीला था, उसे श्रद्धा कपूर पर क्रश था, लेकिन वह उससे या किसी अन्य लड़की से संपर्क नहीं कर सकता था। जैकी श्रॉफ ने रिकॉर्ड में कहा है कि अगर टाइगर अपनी गर्ल फ्रेंड दिशा पाटनी को देख रहे हैं, तो यह अच्छा और अच्छा है, क्योंकि वह बड़ा हो गया है। टाइगर कहते हैं, "अगर मुझे दिशा पाटनी को देखकर कहा जा रहा है, तो यह मुझे अच्छा लगता है, क्योंकि आइए तथ्यों का सामना करते हैं, सच्चाई यह है कि दिशा एक बहुत अच्छी दिखने वाली लड़की है और मैं उसकी उपस्थिति में काफी सहज हूं।"

SAJID NADIADWALA'S
AAGHI
SABBIR KHAN
A
FLYING
JATT
UNNA
AEL
STUDENT
OF THE
YEAR
10.05.19
ID NADIADWALA'S
BAAGHI 3
AHMED KHAN
FOX STAR STUDIOS
THIS TIME

“मुझे बहुत गर्व है कि मेरे बेटे टाइगर ने अपना करियर अपने दम पर बनाया है”

जैकी श्रॉफ

– ज्योति वेंकटेश

जैकी श्रॉफ को अपने इकलौते बेटे टाइगर श्रॉफ पर बेहद गर्व है। कहते हैं, 'टाइगर श्रॉफ अपनी माँ आयशा श्रॉफ के लिए पुराना घर वापस खरीदना चाहते हैं। बूम की रिहाई के बाद परिवार के दिवालिया होने पर उन्हें इसे बेचना पड़ा। अपनी बात पर खरा उतरते हुए टाइगर ने मुंबई के खार में 8 बेडरूम का घर खरीदा है, जिसके बारे में उनका कहना है कि यह उनके माता–पिता के लिए है।

शौकीन और गर्वित पिता कहते हैं कि टाइगर का असली नाम जय हेमंत श्रॉफ है, लेकिन जब वह छोटा था तो बाघ की तरह काटने की आदत के बाद उसका नाम टाइगर रखा। फिल्म बूम के साथ हुए आर्थिक नुकसान के कारण उनके परिवार को जिस मुश्किल समय का सामना करना पड़ा, उसके बारे में जैकी बेफिक्र होकर बोलते हैं। "मुझे पता था कि हमने कुछ करने की कोशिश की और हमने कुछ खो दिया। अगर मुझे इसके लिए भुगतान करना पड़ा, तो मैं भुगतान करूंगा। जितना हो सकता था मैंने काम किया था और हमने सभी को भुगतान किया ताकि मेरे परिवार का नाम खराब न हो जाए। बिजनेस में ऊपर नीचे होता ही है, ये जरूरी नहीं है कि हम हम ऊपर ही रहेंगे। कभी ऊपर आला होता है, लेकिन आपको यह जानने की जरूरत है कि अपनी पवित्रता और नैतिकता को कैसे बनाए रखा जाए। "

जैकी कहते हैं कि उन्होंने और उनकी पत्नी आयशा श्रॉफ ने सुनिश्चित किया कि टाइगर और कृष्णा अछूता रहे और दोनों उस समय काफी छोटे थे। परिवार को अपना घर बेचना पड़ा, जिसे बॉलीवुड में बड़ा करने के बाद बेटा टाइगर श्रॉफ वापस खरीदना चाहता था। "मुझे बस अपने दोनों बच्चों पर गर्व है। वे घर वापस पाने के लिए काफी मजबूत हैं; मेरी पत्नी इसे वापस नहीं चाहती थी। उसने कहा, 'रहने दो, जो गया वह चला गया'। लेकिन उसकी सोच अच्छी होने के साथ–साथ खूबसूरत भी है कि वह अपनी मां और अपने परिवार के लिए एक घर बनाना चाहता है, "जैकी गर्व से हंसते हैं।

"25 साल की उम्र में, मेरे बेटे टाइगर ने दिशा पाटनी को डेट करना शुरू कर दिया था। वे अच्छे दोस्त हैं। लेकिन मुझे नहीं पता कि उन्होंने अपने भविष्य के लिए क्या फैसला किया है। मेरा बेटा, मैं देखता हूं, अपने काम पर ज्यादा ध्यान देता है, या किसी और चीज से ज्यादा। यह उसका पहला प्यार है। बीच में कोई नहीं आ सकता मैं, उसकी बहन, प्रेमिका या माँ भी नहीं।"

☐ लगभग चार दशक के अपने लंबे करियर को आप कैसे देखते हैं ?

मैंने अब तक 220 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है, जब से मैंने देव साहब की स्वामी दादा के साथ लगभग एक अतिरिक्त के रूप में अपनी शुरुआत की थी, जिसमें मैंने शक्ति कपूर की साइडकिक की भूमिका निभाई थी। मुझे यह बताते हुए खुशी और गर्व हो रहा है कि मैंने अब तक 180 फिल्मों में से अधिकतम एकल हिट फिल्में दी हैं, जिनमें मैंने अभिनय किया है।

☐ एक अभिनेता के रूप में आपका दृष्टिकोण क्या है?

मैं आज भी कोरे कागज की तरह सेट पर जाता हूं। मैं ठीक वही करता हूं जो निर्देशक मुझसे करवाना चाहते हैं और सिनेमैटोग्राफर मुझे कैसे आगे बढ़ाना चाहते हैं।

☐ क्या आप एक अभिनेता के रूप में अपने विकास का मूल्यांकन कर सकते हैं?

एक व्यक्ति के लिए जो स्वामी दादा में शक्ति कपूर के पीछे खड़ा था, मुझे लगता है कि मेरे पास शिकायत करने का कोई कारण नहीं है जहां तक आज बॉलीवुड में एक अभिनेता के रूप में मेरे विकास का सवाल है। एक अभिनेता के तौर पर मैं कभी भी असुरक्षित नहीं रहा।

☐ जब संजय लीला भंसाली ने आपको भूमिका की पेशकश की, तो क्या आप चुन्नीभाई की भूमिका निभाने के प्रस्ताव को लेकर संशय में थे?

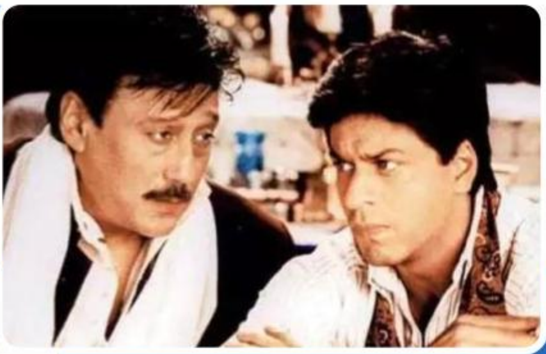

मैंने देवदास में चुन्नीभाई की भूमिका तब पकड़ी जब संजय लीला भंसाली ने मुझे इसकी पेशकश की, तब भी जब मुझे पता चला कि गोविंदा सहित दस अन्य अभिनेताओं ने वास्तव में भूमिका करने से इनकार कर दिया था। मुझे प्रतिस्पर्धा का कोई डर नहीं है क्योंकि मुझे नहीं लगता कि कोई अभिनेता मेरा प्रतियोगी है। मैं अपना खुद का प्रतियोगी हूं । अगर फिल्म देवदास से चुन्नीभाई के किरदार को हटा दिया जाता तो देवदास का किरदार गिर जाता।

☐ आपने फुल एंड फ़ाइनल में एक तुच्छ भूमिका क्यों निभाई?

फुल एंड फ़ाइनल में मेरी भूमिका छोटी थी लेकिन मुझे इसे करने में मज़ा आया। यह मिशन कश्मीर

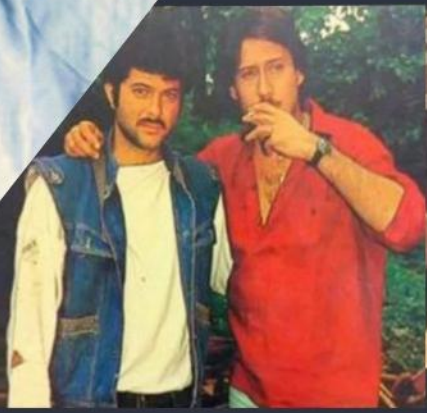

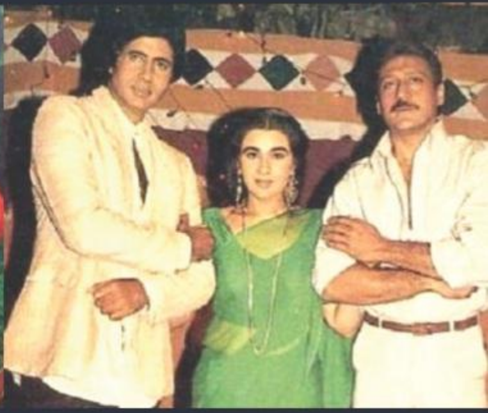

के विपरीत, एक कॉमेडी किलर की एक अलग कैमियो भूमिका थी। मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि मैं अहमद खान को उस समय से जानता हूं जब वह आफताब शिवदासानी के साथ मिस्टर इंडिया में बाल कलाकार थे। अहमद गैंग में डांसर के तौर पर भी थे। मैंने अपनी कई फिल्मों में एक गैंगस्टर की भूमिका निभाई है। परिंदा गैंगस्टरों पर बनी एक कल्ट फिल्म थी। अपना सपना मनी मनी में मैंने एक हल्के गैंगस्टर की भूमिका निभाई थी।

☐ मुझे एक निर्माता के रूप में अपने बुरे दौर के बारे में बताएं!

एक निर्माता के रूप में, मुझे पता है कि मेरी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर सोना नहीं बरसाया है , जिसमें बूम भी शामिल है, जिसके साथ मेरी पत्नी आयशा ने कैटरीना कैफ को पेश किया था । फिर भी मैंने उम्मीद नहीं छोड़ी है। मेरे दोस्त शशिलाल नायर द्वारा निर्देशित मेरी फिल्म संध्या अभी रिलीज नहीं हुई है, लेकिन मैं बच्चों की फिल्म बनाने की योजना बना रहा हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि यह समय की जरूरत है, खासकर भारत में जहां हम बच्चों को ध्यान में रखकर फिल्में नहीं बनाते हैं।

☐ टाइगर के बारे में क्या कहेंगे?

जहां तक जीवन या करियर का संबंध था, मेरी कोई महत्वाकांक्षा या इच्छा नहीं थी। मैंने अभिनय के क्षेत्र में प्रवेश किया क्योंकि मेरे पिताजी ने मुझे अभिनय करने के लिए कहा था। टाइगर ने फिल्मों में जो कुछ भी बनाया है, वह मेरी मदद के बिना अपने दम पर बनाया है। मुझे उस पर गर्व है।

☐ सुभाष घई ने इकबाल और गुड बॉय बैड बॉय जैसी अपनी कुछ फिल्मों में आपको कास्ट नहीं किया!

मैं अपने गुरु सुभाषजी का सम्मान करता हूं। मैं इस तथ्य को कभी कैसे भूल सकता हूं कि स्वामी दादा की रिहाई के बाद उन्होंने मेरे जैसे एक साइड अभिनेता को लॉन्च करने के लिए एक बड़ा जोखिम उठाया था और मुझे अपनी फिल्म हीरो में शीर्षक भूमिका में कास्ट किया था, हालांकि बाकी सभी ने उनका मजाक उड़ाया और उन्हें बताया कि वह कर रहे थे हारा–किरी? जब भी वह मुझे अपनी किसी भी फिल्म में, किसी भी तरह की भूमिका में, यहां तक कि वॉक–ऑन रोल में काम करने के लिए कहेंगे, तो मैं वहां रहूंगा। अगर वह मुझे हर उस फिल्म में कास्ट नहीं करते हैं, जो प्रोड्यूस या डायरेक्शन कर रहे है, तो मुझे इससे कोई ऐतराज नहीं है। यह उनका निर्णय है।

☐ क्या यह सच है कि आप पुणे में एक अनाथालय चला रहे हैं?

मुझे बच्चों का बहुत शौक है, मैं पुणे में कोई अनाथालय नहीं चलाता। मैंने पुणे में एक दंपति की मदद करने की पेशकश की है, जो भविष्य निधि से अपनी अल्प कमाई से लगभग ३० अनाथ बच्चों का प्रबंध कर रहे हैं। मैं बच्चों को राशन के साथ–साथ चिकित्सा सहायता प्रदान करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं बच्चों को रखने और उनकी शिक्षा के लिए एक बड़ी जमीन लेने की भी योजना बना रहा हूं। डिंपल, अमृता सिंह और डैनी जैसे उद्योग में मेरे अपने दोस्त हैं जो दान में विश्वास करते हैं। हालांकि मैं इंडस्ट्री में किसी से मदद नहीं मांगता क्योंकि अपने में इतना तक है

☐ जब लोग आपको एक सेक्सी लड़के के रूप में संदर्भित करते हैं तो आपको कैसा लगता है?

मुझे एक सेक्सी लड़के के रूप में संदर्भित होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं हमेशा से सेक्सी रहा हूं। सेक्सी सैम भी बाद में करण जौहर की कभी अलविदा ना कहना के साथ आया। आज मैं किसी भी तरह की बुराई में लिप्त नहीं हूं। मैंने लगभग बीस साल पहले सिगरेट पीना बंद कर दिया था। मैं आजकल शराब भी नहीं छूता

☐ क्या यह सच है कि आप फिल्में बिल्कुल नहीं देखते हैं?

मैं फिल्में बिल्कुल नहीं देखता। पिछले कुछ सालों से मैं अपनी खुद की फिल्में भी नहीं देखता, हालांकि मुझे लायन किंग, स्पाइडर मैन और सुपर मैन जैसी फिल्में पसंद हैं।

MANMOHAN DESAI'S
अल्लारखा
ALLAH-RAKHA

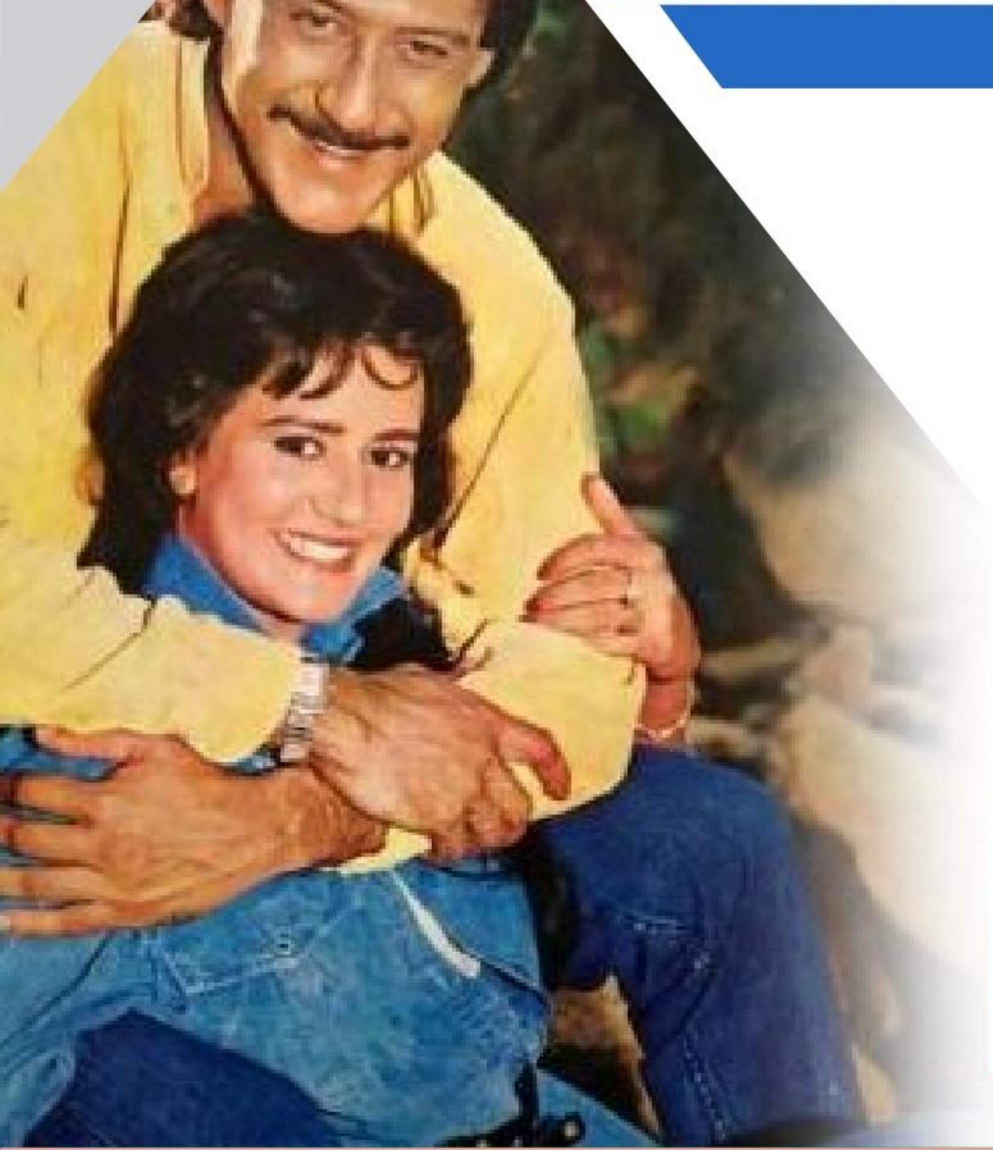

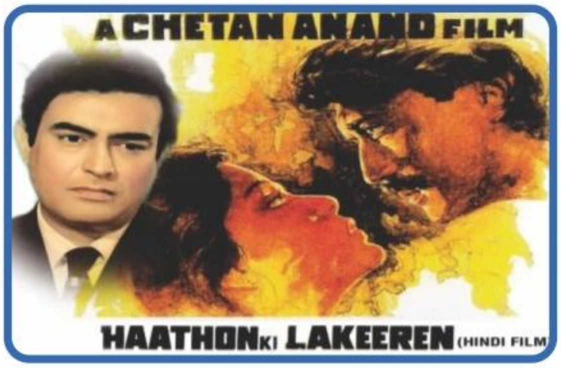
A CHETAN ANAND FILM
HAATHON KI LAKEEREN (HINDI FILM

TERI BAAHON MEIN

कंगना रनौत अपनी फिल्म ‘थलाइवी’ के प्रचार के लिए दिल्ली पहुंचीं

–मायापुरी प्रतिनिधि

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत अपनी बायोग्राफिकल फिल्म 'थलाइवी' के प्रमोशन के लिए दिल्ली आई थीं। फिल्म में दिवंगत महिला राजनीतिज्ञ एवं तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के जीवन को दर्शाया गया है। जनपथ स्थित द इम्पीरियल होटल में आयोजित प्रमोशनल इवेंट में कंगना के साथ फिल्म के प्रोड्यूसर विष्णु वर्धन इंदुरी भी मौजूद थे।

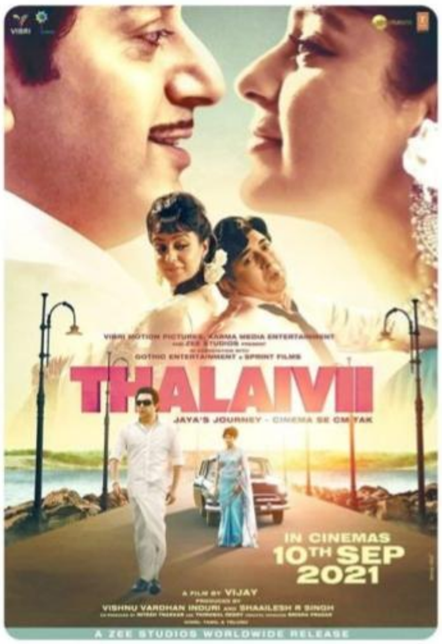
THALAIVII
JAYA'S JOURNEY - CINEMA SE CM TAK
IN CINEMAS
10TH SEP
2021
A FILM BY VIJAY
A ZEE STUDIOS WORLDWIDE RELEASE

उल्लेखनीय है कि थलाइवी 10 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के बारे में कंगना ने बताया, 'यह केवल एक बायोग्राफिकल फिल्म नहीं है, बल्कि यह फिल्म महिला सशक्तिकरण की भी जोदार पैरवी करती है। यह दिखाती है कि कैसे एक महिला, जिसे किसी ने नहीं सोचा था कि वह एक राजनेता हो सकती है, तीन बार चुनाव जीती और बार–बार मुख्यमंत्री बनी। फिल्म में यह बताने की सायास कोशिश की गई है कि किसी महिला के मजबूत होने के पीछे किसी पुरुष को बदनाम करने की नीयत नहीं होती और ऐसा करना किसी भी तरह उचित भी नहीं है। दरअसल, इस फिल्म में यह बताने का प्रयास किया गया है कि कैसे एक पुरुष भी एक महिला की सफलता का न केवल जोरदार समर्थन करता है, बल्कि उसके संघर्षों में हमेशा उसके साथ खड़ा भी रहता है।'

एक दिन तो समय सवाल पूछेगा। ना कि, अक्षय कुमार से

(अक्षय कुमार उनके जन्मदिन पर खास)

–अली पीटर जॉन

मैं अपने मोबाइल के माध्यम से ब्राउज़ कर रहा था जब मैंने **अक्षय कुमार** को एक साक्षात्कार में बोलते हुए सुना और एक पंक्ति जिसने मेरा ध्यान खींचा, **"सही जगह पर, सही समय और सप्ताह में सही लोगों का होना बहुत महत्वपूर्ण है"** और मेरा दिमाग मैं पहली बार जब राजीव हरिओम भाटिया नामक एक युवक से मिला। वह **नटराज स्टूडियो** के परिसर में अकेला चल रहा था, जो उस युवक के पोर्टफोलियो की तरह लग रहा था, जिसे बाद में मुझे पता चला कि वह एक संघर्षरत व्यक्ति था जो एक ब्रेक की तलाश में था!

निर्माता **रामानंद सागर**, **शक्ति सामंत और आत्मा राम** (गुरुदत्त के छोटे भाई) के साथ मेरी सारी मुलाकातें खत्म होने के बाद मैं अकेला आदमी था, वह युवक मेरे पास आया और मुझसे पूछा कि क्या कोई निर्माता या निर्देशक है जो उसका कार्यालय कहीं आसपास था। मैंने उससे पूछा कि वह क्या जानना चाहता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कई देशों में शेफ के रूप में काम किया था और मार्शल आर्ट विशेषज्ञ होने के अलावा मुंबई में जिम ट्रेनर भी थे।

मैं प्रभावित हुआ लेकिन मैं उससे पूछता रहा कि, वह क्या करना चाहता है क्योंकि सभी फिल्म निर्माता उस दिन के लिए निकल चुके थे। उन्होंने प्रसिद्ध फिल्म निर्माता, प्रमोद चक्रवर्ती के कार्यालय की ओर इशारा किया, जो **"लव इन टोक्यो"**, **"जिद्दी"**, **"नया जमाना"**, **"बारूद"** जैसी बड़ी हिट फिल्मों के निर्माता थे, एक बार **धर्मेंद्र** के साथ और फिर **राजेश खन्ना** और बांग्लादेश की एक नायिका के साथ एक इंडो–बांग्लादेश फिल्म के अलावा **"वारंट"**, **"बॉबी" और "त्रिमूर्ति"** की रिलीज के तुरंत बाद **ऋषि कपूर** के साथ!

थका हुआ और निराश दिखने वाले युवक ने कहा कि उसके पास अपने पोर्टफोलियो का आखिरी हिस्सा है और मुझसे पूछा कि क्या वह चक्रवर्ती के लिए तस्वीरें छोड़ सकता है। मैंने उनसे कहा कि **विनोद खन्ना** द्वारा उनकी फिल्म साइन करने के बाद चक्रवर्ती ने फिल्में बनाना बंद कर दिया था और उन्हें भगवान **रजनीश** में शामिल होने के लिए छोड़ दिया था। उसने मुझसे पूछा कि क्या वह चक्रवर्ती के कार्यालय के बगीचे में काम कर रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति के साथ तस्वीरें छोड़ सकता है। मैंने कहा कि वह एक आदर्श व्यक्ति थे क्योंकि वह चक्रवर्ती के साथ पचास वर्षों से अधिक समय से काम कर रहे थे और मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि सुबह चक्रवर्ती के कार्यालय में आने पर उनकी तस्वीरें सबसे पहले देखी जाएंगी। युवक राहत महसूस कर रहा था और वह अलग हो गया ....

अगली सुबह लगभग साढ़े ग्यारह बजे चक्रवर्ती ने मुझे जल्द से जल्द अपने कार्यालय में बुलाया। मैं उनके

कार्यालय पहुंचा और उन्होंने मुझे उस युवक की तस्वीरें दिखाईं, जिसके बारे में उसने कहा था कि उसका नाम **राजीव भाटिया** है। उसने मुझसे पूछा कि मैं उस युवक के बारे में क्या सोचता हूँ और मैंने उसे उस पृष्ठभूमि के बारे में बताया जो उसने मुझे पिछली शाम दी थी। चक्रवर्ती एक बच्चे की तरह उत्साहित थे और उन्होंने तस्वीरें अपने ब्रीफकेस में रख दीं।

उस शाम वह अपनी पीली मर्सिडीज में ऑफिस से जल्दी निकल गए और सीधे घर चले गए! अगली सुबह ही उसने मुझे यह बताने के लिए फिर से फोन किया कि उसने अपनी पत्नी लक्ष्मी को तस्वीरें दिखाई हैं, जो **गुरु दत्त** से संबंधित थीं, उनके इंजीनियर–बेटे और उनकी पत्नी और उनके पूरे स्टाफ ने माली और चौकीदार को नीचे दिखाया था! उसने उन सभी से पूछा कि वे उस युवक के बारे में क्या सोचते हैं! वे सभी उसे स्वीकार करते थे और उनकी पत्नी ने यहां तक कहा कि वह **सनी देओल और संजय दत्त** से बेहतर थे जो उन दिनों सत्ताधारी स्टार–बेटे थे।

जिस व्यक्ति ने कभी भी फिल्में नहीं बनाने का फैसला किया था, उसने रातों–रात अपना विचार बदल दिया और मुझे बताया कि उस पर फिर से फिल्में बनाने का आरोप लगाया गया था। उसने राजीव को फोन किया जिसका नंबर तस्वीरों पर था और एक घंटे के भीतर उसने राजीव को साइन कर लिया था जिसे अक्षय कुमार कहा जाना था। उन्हें पता था कि उनके दोस्त रणधीर कपूर की बेटी करिश्मा कपूर एक अच्छे ब्रेक की तलाश में हैं। उनकी माँ, **बबीता** ने **"तुमसा नहीं देखा"** में उनकी नायिका के रूप में काम किया था। उन्होंने माता–पिता दोनों को फोन किया और उन्हें एक नए नायक के साथ वापसी करने के अपने फैसले के बारे में बताया।

करिश्मा अपनी शुरुआत कर रही थी और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि नायक कौन है चक्रवर्ती इतने उत्साहित थे कि एक दिन में उन्होंने एक पूरी परियोजना को एक साथ रखा जिसमें एक टीवी लेखक, लेखक के रूप में मीर मुनीर, गीतकार के रूप में समीर और संगीत निर्देशक के रूप में **आनंद–मिलिंद** शामिल थे।

उनके एक नई टीम खोजने की खबर फैल गई और अक्षय को राज के लिए साइन कर लिया गया। **एन. सिप्पी की "सौगंध"** और करिश्मा को **प्रेम कैदी** के लिए दक्षिण **के डी. रामा नायडू** ने साइन किया था। चक्रवर्ती ने **"दीदार"** बनाने के लिए अपना समय लिया और सिप्पी और नायडू दोनों ने अपनी फिल्मों को पहले समाप्त किया और उनकी फिल्मों, **"सौगंध"** को जाना जाता था अक्षय कुमार की पहली फिल्म के रूप में और नायडू की "प्रेम कैदी" को करिश्मा कपूर की पहली फिल्म माना गया। दोनों फिल्मों ने औसत कारोबार किया, लेकिन चक्रवर्ती ने अक्षय कुमार को अपनी दूसरी फिल्म के लिए भी **रवीना टंडन** के साथ नायक के रूप में साइन किया। नायक अचानक बहुत बड़ा हो गया था और रवीना, जो अब उसकी प्रेमिका थी, ने चक्रवर्ती को तारीखों पर अंतहीन समस्याएं देना शुरू कर दिया, जब तक कि चक्रवर्ती को घृणा नहीं हुई और उसने अच्छे के लिए फिल्में बनाने और किसी अन्य व्यवसाय में आने का अंतिम निर्णय लिया। लेकिन वे अपनी जीवनी लिखना चाहते थे जिसके लिए उन्होंने लिंकिंग रोड स्थित अपने बंगले में मेरे लिए एक कमरा बनवाया था। सभी जीवनी पर काम शुरू करने के लिए तैयार थे, जब मुझे सुबह साढ़े छह बजे एक कॉल आया। यह उसका आदमी शुक्रवार था जो फोन पर रो रहा था क्योंकि उसने मुझे बताया था कि "दादा" का दिल का दौरा पड़ने के बाद सुबह चार बजे निधन हो गया था। चक्रवर्ती इतिहास का एक हिस्सा बन गये और जिस युवक को अक्षय कुमार को उसका पहला ब्रेक मिला वह था इतिहास रचने की राह पर।

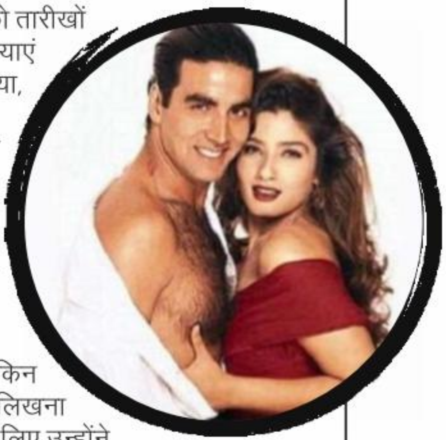

बच्चन का चेला, अक्षय

अक्षय को **अमिताभ बच्चन** के साथ **कश्मीर** में एक मौका मिला था जब वह एक छोटा लड़का था और उसके पिता ने उसे अमिताभ के पास जाने के लिए प्रेरित किया था और उस मुलाकात ने राजीव हरिओम भाटिया पर बहुत मजबूत प्रभाव डाला था। लेकिन उन्हें कम ही पता था कि वह एक दिन अमिताभ के साथ कुछ फिल्मों में काम करेंगे और उनके साथ क्रेडिट टाइटल साझा करेंगे। और उन्हें यह भी पता

नहीं था कि वह एक दिन समय के प्रति सम्मान के लिए जाने जाएंगे, एक ऐसा गुण जिसके लिए वह अब अधिक से अधिक जाने जाते हैं और अमिताभ के लिए लगभग एक प्रतियोगी की तरह हैं जब समय के लिए सबसे बड़ा सम्मान होने की बात आती है ....

अक्षय को समय की मर्यादा का पालन करने के लिए जाने जाते थे, तब भी जब वह नवागंतुक थे! दक्षिण की जानी–मानी **अभिनेत्री शांतिप्रिया**, जिन्होंने **राज** में अक्षय के साथ हिंदी फिल्मों में अपनी शुरुआत की थी।

एन सिप्पी की **"सौगंध"** याद करती है कि कैसे अक्षय हर शूटिंग के दिन बहुत खास और समय के पाबंद थे और उनके पास देर से आने का कोई बहाना नहीं था, क्योंकि उन्हें देर से आने के लिए एक सहज नापसंद था, चाहे वह शूटिंग के लिए हो या डबिंग सत्र के लिए। शांतिप्रिया, जिन्होंने **डॉ. वी. शांताराम** के पोते **सिद्धार्थ रे** से शादी की थी, जो अपनी विधवा को छोड़कर युवावस्था में ही मर गए थे और जो अभी भी मुंबई में हैं, अक्षय के बुत को समय के लिए याद करते हैं, जिसने **"सौगंध"** की पूरी इकाई को समय के साथ अपना प्रयास बनाए रखा और वह खुद जिन्होंने दक्षिण में चारों भाषाओं के सभी प्रमुख नायकों के साथ काम किया था, का कहना है कि दक्षिण में सितारे समय के बारे में विशेष थे, लेकिन वे भी एक बार असफल हो सकते थे, लेकिन अक्षय को कभी भी देर नहीं हुई थी। "सौगंध" का संपूर्ण निर्माण।

यह उनके बारे में यह गुण था कि कुछ बड़े फिल्म निर्माताओं ने उन्हें साइन किया और वह एक बहुत व्यस्त अभिनेता थे, लेकिन उन्होंने समय के साथ अपना संपर्क कभी नहीं खोया, जो उनका दृढ़ विश्वास था कि यह एक ऐसा गुण है जो एक उद्योग में मायने रखता है जिसमें करोड़ों रुपये और लोगों का जीवन शामिल था।

अक्षय ने रात के दौरान शूटिंग न करने का नियम बना दिया था और नई फिल्मों के लिए कुछ सबसे आकर्षक प्रस्तावों को ठुकराने के लिए जाने जाते हैं, अगर उन्हें पता चला कि फिल्म में रात के दस बजे से आगे की शूटिंग शामिल है।

वह एक फिटनेस फ्रीक होने के नाते शायद ही कभी पार्टियों और कार्यक्रमों में शामिल हुए हों, जहां उन्हें पता था कि उन्हें देर हो सकती है और इससे रात के दस बजे बिस्तर पर जाने और सुबह चार बजे उठकर व्यायाम और खेल खेलना शुरू हो जाएगा। उसे सक्रिय। एक शराब पीने वाला और एक सख्त शाकाहारी होने के कारण वह हमेशा इतना सक्रिय और शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति होता है जो उन सभी साहसी स्टंट और रोमांच को कर सकते हैं और उन सभी जोखिमों को उठा सकते हैं जो उनके शरीर को पिछले पैंतीस वर्षों के दौरान इस्तेमाल किया गया है।

उन्होंने समय पर शुरू करने और विदेश में शूटिंग के दौरान भी समय पर जाने के अपने इस फैसले को बरकरार रखा है। वह यह देखने के लिए एक बिंदु बनाता है कि समय के साथ तालमेल रखने के उसके रास्ते में कुछ भी नहीं आता है।

मैंने एक बार उनसे एक शूट करने के लिए कहा था जो उनकी फिल्म **"पुलिस फोर्स"** और मेरी पत्रिका दोनों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। शूट के लिए विचार स्टूडियो लिंक के मेरे दोस्त आत्माराम गोलाटकर ने डिजाइन किये थे और तस्वीर को शूट किया जाना था। मेरे फ़ोटोग्राफ़र आर. कृष्णा द्वारा, जिन्हें मुंबई पहुंचने और 'स्क्रीन' में शामिल होने में मेरी महत्वपूर्ण भूमिका

FULL MOVIE
HD
POLICE FORCE
AN INSIDE STORY

थी, जबकि वह संतोष सेवन के कनिष्ठ सहायकों में से एक थे। अक्षय और आत्माराम ने नासिक में तस्वीर शूट करने का फैसला किया था और उन्होंने यह भी तय किया था कि चित्रांकन सुबह चार बजे किया जाएगा। हम सभी इस विचार से घबरा गए थे और जो सबसे अधिक चिंतित थे वह कृष्ण थे जिन्हें देर रात तक शराब पीना पसंद था और जिनका दिन दोपहर दो बजे के बाद ही शुरू होता था। हमने तय किया कि हम अक्षय के समय का पालन करना होता तो नींद बिल्कुल नहीं आती। लेकिन, हम फिर भी लगभग दो बजे सो गए। लेकिन दोपहर के तीन बजे अक्षय मेकअप के साथ तैयार हो गए और हमारे सभी कमरों का चक्कर लगाया और हमें जगाया। हमने शाप दिया, हम बड़बड़ाए, लेकिन अक्षय पूरे जोश में थे, तैयार दिन की चुनौतियों का सामना करने के लिए। तस्वीर अंत में लगभग साढ़े चार बजे ली गई और हमने अपना नाश्ता किया और बॉम्बे के लिए रवाना हुए और दस बजे से पहले पहुँच गए और हमें अपने दिन का काम शुरू करने में बहुत जल्दी थी। कृष्ण सोने के लिए घर गए, लेकिन अक्षय की तरह, हम सभी ने अपने कार्यस्थलों पर रिपोर्ट करने का फैसला किया और कामना की कि सभी काम शाम चार बजे शुरू हो और दोपहर तक समाप्त हो जाए। यह केवल हमारे लिए एक इच्छा थी, लेकिन अक्षय के लिए यह एक सामान्य बात थी।.

मुझे लगता है कि यह डॉ हरिवंशराय बच्चन थे जिन्होंने सबसे पहले अपने बेटे अमिताभ के सिर में सोने और जल्दी उठने के इस विचार को ड्रिल किया और जिसे अक्षय जैसे अन्य लोगों ने अंजाम दिया।

अक्षय पिछले दो सालों में सबसे अच्छे समय का सामना कर रहे हैं। "रुस्तम" (जिसके लिए उन्होंने अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीता), ''टॉयलेट एक प्रेम कथा", "पैडमैन", "केसरी" और हाल ही में रिलीज़ हुई "मिशन मंगल" जैसी फिल्मों की सफलता के पीछे उनका हाथ रहा है।

अक्षय को अब मिस्टर भारत के मॉडल संस्करण के रूप में देखा जा रहा है, एक शीर्षक जो कभी विशेष रूप से अभिनेता और फिल्म निर्माता मनोज कुमार का था। सामाजिक प्रासंगिकता वाली फिल्मों में उनके काम ने उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के करीब भी खींच लिया है, एक ऐसा तथ्य जिसने उन्हें प्रशंसा जीती है और यहां तक कि प्रधानमंत्री और अक्षय को भी नीचे चलाने का विषय बन गया है।

हालांकि, अक्षय एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गए हैं, जहां भारत का नागरिक न होने की आलोचना भी उन्हें आसानी से नहीं छूती है और आने वाले समय में भी उनकी सफलता की कहानी "गुड न्यूज", "हाउसफुल 4", "लक्ष्मी" 'बम' जैसी फिल्मों के साथ जारी रहेगी।" और अन्य प्रस्ताव हैं जिन पर अक्षय और समय विचार कर रहे हैं।

समय बड़ा बलवान, इसलिए बच्चन भी बलवान और अब अक्षय भी बलवान। समय के साथ सबका विश्वास, सबका विकास

COMING SOON
FAU-G
FEARLESS AND UNITED GUARDS
BABY

''नचनिया भी माँ होती है!''

–शरद राय

'नचनिया भी एक माँ होती है!' यह भवातरेक डायलॉग 2016 में मुझसे उस फोटोग्राफर ने कहे थे जब मलाइका और अरबाज में तनातनी शुरू हुई थी। इसके अगले साल ही उनमे अलगाव हुआ था। इसी फोटो ग्राफर ने करीब 20 साल पहले चेम्बूर स्थित बारला कॉलोनी में, वसंत टाकीज के सामने एक नई मॉडल लड़की से मुझे इंटरव्यू के लिए मिलाकर लौटते हुए कहा था–'देखना, एक दिन यह लड़कीं धमाल करेगी!' उस कॉलोनी वाले घर मे फ़ोटो सेशन में भाग लेने वाली लड़की थी मलाइका अरोरा और फोटोग्राफर थे– धरम मूलचंदानी। धरम की बात मुझे इस समय सामयिक लगती है जब पिछले दिनों मलाइका का एक ट्वीट सामने आया जब वह अपने बेटे अरहान को एयरपोर्ट पर विदाई करके आई थी। 18 वर्ष की उम्र पार कर चुके अरहान पढ़ाई करने विदेश गए हैं। मलाइका बेटे को विदा करने के समय फुट फुट कर रोयी थी। उसने अपनी ट्वीट पर लिखा– "इन लम्बे वर्षों में वह हमेशा मेरे इर्दगिर्द रहा।" जैसे अरहान के लिए मां से बिछड़ना एक अनिश्चय भविष्य, गंतब्य, स्थान, फ्यूचर की सोच रही – वैसे ही मलाइका के लिए यह सोचना भारी लग रहा था कि बेटे के बिना कैसे रह पाएगी! उनकी एक सहेली ने बताया कि उसदिन वह खूब रोती रही थी। मेरे जहन में 22 साल पहले की चेम्बूर कॉलोनी की पंजाबी लड़की आरही थी– जो तब मलाइका अरोरा खान नहीं बल्कि सिर्फ 'मलाइका अरोरा' थी और जय हिंद कॉलेज की पढाई

Munni Badnaam

Maahi Ve

Chaiyya Chaiyya

छोड़कर घर में बैठी थी। एक्टिंग उसका शौक नही था लेकिन मॉडलिंग उसकी जरूरत थी। मलाइका का ट्वीट देखकर याद आई मुझे... छोटी बहन अमृता के साथ– धरम के कैमरे में लिपटी तस्वीरों वाली लड़की– जब मैं उसको मिला था फोटोग्रॉफर धरम मूलचंदानी के साथ। फिर कुछ दिनों पहले की मलाइका का ख्याल आया जो बेटे अरहान से अलग होने पर व्यथित हो उठी थी। मुझे वो लाइन याद हो आयी धरम की– 'नचनिया भी एक मां होती है!' यह अलग बात है कि यह लाइन मलाइका पर सिर्फ इसलिए लागू नहीं होती कि वह एक मशहूर आइटम डांसर रही हैं या उन्होंने फिल्म के पर्दे पर 'आइटम नम्बर' को स्टारडम का दर्जा दिलाया है। यह मलाइका की बनाई क्रेज है कि आज बॉलीवुड की सभी बड़ी स्टार हीरोइने डांस नम्बर करके पर्दे पर नचनियां बनी हैं। मलाइका एक पूर्ण व्यक्तित्व की मालकन हैं। वह मॉडल हैं, वीजे हैं, टीवी पर्सनालिटी हैं, एंकर हैं, होस्ट हैं। किसी की गर्ल फ्रेंड बनकर पत्नी बनी। वह फिल्म निर्मात्री रही हैं 'दबंग' सीरीज जैसी हिट फिल्मों की। अब वह पति से अलग होकर किसी की प्रेमिका हैं। उनके करीबी जानते हैं कि वह जितनी सिद्दत से कभी अरबाज़ खान से जुड़ी थी वैसी ही सिद्दत के साथ अर्जुन कपूर की भी दोस्त हैं। कम लोगों को यह ध्यान होगा कि मलाइका ने बड़े पर्दे पर लीड रोल में भी किया है। वह फिल्म 'कांटे' और 'ईएमआई' की हिरोइन थी। लेकिन, उनके किए गए आइटम डांस– 'छइयां छइयां', 'माही वे', 'मुन्नी बदनाम हुई' आदि इतने हिट हुए कि बाकी कामों को याद ही नहीं रखा जा पाता।। एक बेहतरीन मॉडल, एक्ट्रेस, शोज होस्ट, टीवी की खूबसूरत चेहरा मलाइका एक संवेदनशील माँ भी हैं, यह लोगों को पता चला है जब उनका बेटा विदेश पढ़ने गया है। मां की ममता फूट पड़ी है! सचमुच में माँ तो माँ ही होती है..."एक नचनिया भी मां होती है!" मलाइका ने माँ के अस्तित्व को ऊंचाई दिया है।

THERE'S
SAFETY IN
NUMBERS

अब ये अमिताभ का क्या किया जाए

– अली पीटर जॉन

मैं गलत हो सकता हूं, लेकिन मुझे यकीन है कि मैं सही हूं जब मैं सभी सबूतों के साथ कहता हूं कि अमिताभ बच्चन की तरह काम करने वाला कोई भी व्यक्ति, कोई अभिनेता, कोई निर्देशक या कोई कलाकार कभी नहीं रहा होगा, जब वह काम कर रहे हैं। 78 वर्ष के हैं और 11 अक्टूबर, 2021 को 79 वर्ष के हो जाएंगे।

टीवी–शो जैसे "केबीसी" और इतनी सफल "आज की रात है जिंदगी") में सक्रिय भागीदारी। अमिताभ की रूमी जाफरी "चेहरे" द्वारा निर्देशित रिलीज हो चुकी है। और पिछले हफ्ते ही उन्होंने "झुंड" की शूटिंग पूरी की। यह सब उनकी विज्ञापन–फिल्मों की शूटिंग के अलावा, उन शॉट्स के लिए डबिंग करना और यहां तक कि 'एंटीला' में गणेश उत्सव में भाग लेने जैसी अपनी सामाजिक प्रतिबद्धताओं को पूरा करना है।', मुकेश अंबानी का बहुमंजिला और बहु–अरबों का घर और चालीस वर्षों के बाद भी उनके प्रशंसकों की बढ़ती संख्या के साथ उनके सामान्य रविवार की शाम के दर्शन के लिए मौजूद होना। उनके करीबी एक सूत्र के अनुसार, जो गंभीर और हल्के–फुल्के दोनों थे, परिवार पिछले दो महीनों से उन्हें नियमित रूप से नहीं देख रहे हैं क्योंकि वह बारह घंटे से अधिक समय तक "केबीसी" की शूटिंग करते हैं, कभी–कभी एक दिन में दो एपिसोड की शूटिंग करते हैं और फिर अपने डबिंग सत्र में वापस जाते हैं और यदि सत्र नहीं चलता है बहुत लंबे समय से, वह अगले दिन अपने काम के लिए पूर्वाभ्यास में व्यस्त है। यहां तक कि वह अपने ट्विटर अकाउंट को भी हैंडल करते हैं और रात में अपने ब्लॉग लिखते हैं क्योंकि उन्हें सोने में मुश्किल होती है, जो अनिद्रा नामक एक पुरानी बीमारी है जिसका वह शिकार हो चुके हैं।

झुंड
A FILM BY
NAGRAJ POPATRAO

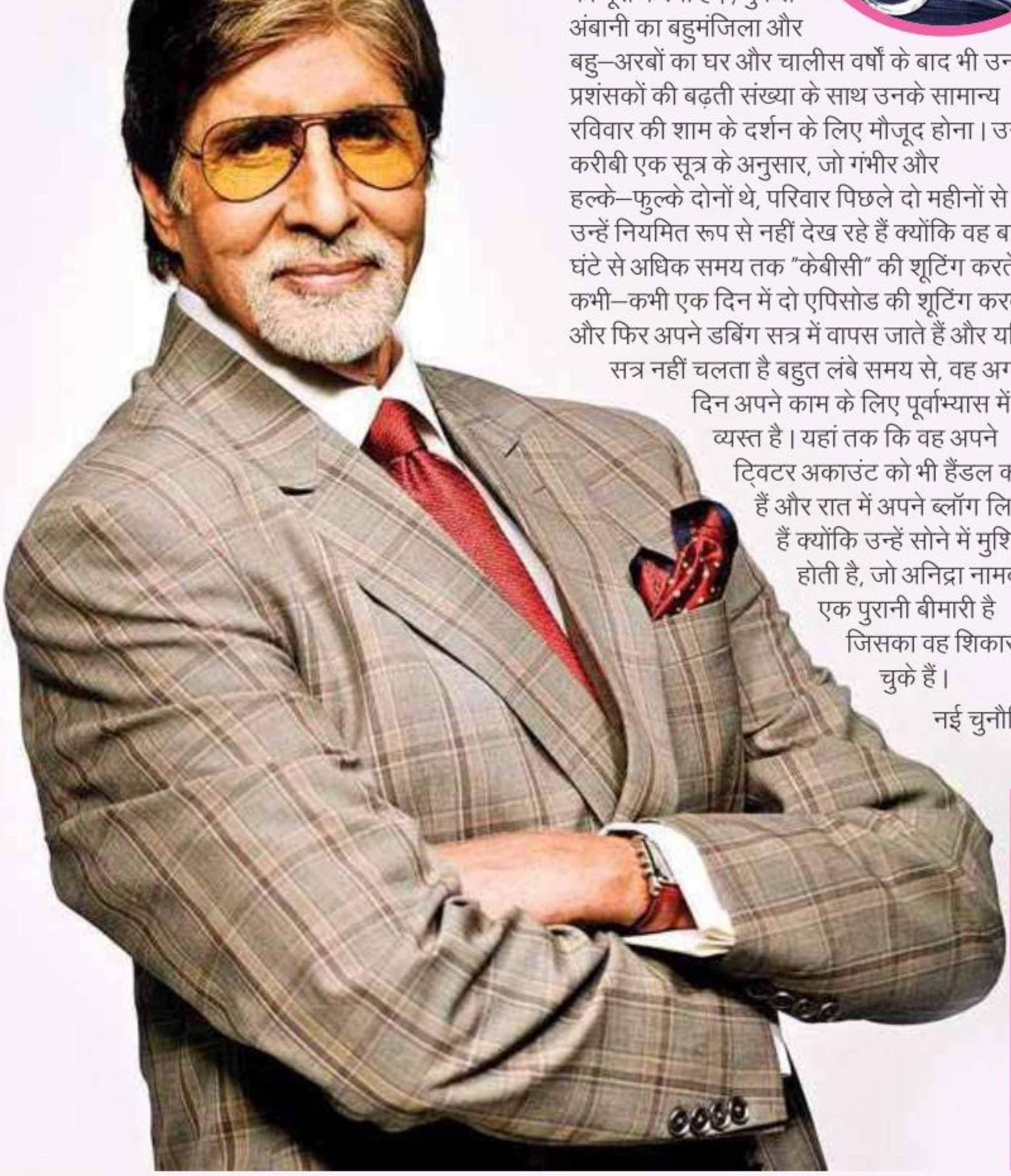

नई चुनौतियों और विषयों की तलाश की उनकी खोज ने उन्हें नागराज मंजुले (वह व्यक्ति जिसने "सैराट" का निर्देशन किया था, जो हाल के दिनों में किसी भी भाषा में सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक था) को करने के लिए स्वीकार किया था। एक छोटे से शहर में एक प्रोफेसर की भूमिका जो लड़कों को फुटबॉल खेलने के लिए प्रोत्साहित करती है और उन्हें विजेता बनने के लिए प्रशिक्षित करती है। फिल्म में "सैराट" के रूप में लगभग बीएमडब्ल्यू की डैड टीम है और नागराज मंजुले के अलावा, "झुंड" में वही युवा अभिनेता आकाश थोसर हैं और रिंकू राजगुरु और संगीत निर्देशकों की एक ही टीम, अजय–अतुल। कहा जाता है कि अमिताभ ने भी फिल्म में मराठी बोली है।

और यहां तक कि जब वह इस सारे काम में व्यस्त है और समय के साथ लड़ रहे हैं, उनका पसंदीदा साथी, उसने धर्मा प्रोडक्शंस के "ब्रह्मास्त्र" को पूरा करने के लिए भी दिन आवंटित किए हैं जिसमें वह रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ और अयान मुखर्जी निर्देशक हैं।

और अगर किसी को लगता है कि यह सब सहस्राब्दी के सितारे के लिए था, तो वह पहले से ही उन फिल्मों के लिए स्क्रिप्ट के बारे में सोच रहे हैं जो वह 2021 में और आने वाले वर्षों में करने की योजना बना रहे हैं।

यह सब मुझे याद दिलाता है कि उन्होंने एक बार क्या कहा था। उन्होंने अंत तक काम करने का फैसला किया था, भले ही उन्हें सूट पहनकर गिलास के साथ खड़ा होना पड़े और पार्टी के दृश्य का हिस्सा बनना पड़े और यहां तक कि अपने जीवन की अंतिम सांस तक काम करना पड़े। ऐसा लगता है कि उनकी ही भविष्यवाणी उनके लिए सच हो रही है।

कंगना की आज और एक धाकड़ चुनौती

—अली पीटर जॉन

मुझे यकीन है, न हीं, मुझे पता है कि, अगर मैं पिछले एक साल के दौरान **कंगना गुड बुक्स** (शुभचिंतक) में होती तो मैं पागल हो जाता! मुझे यकीन है कि, कईयों के पास होगा। मुझे इसकी सूची बनाने की ज़रूरत नहीं है कि वह किस दौर से गुज़री है, कुछ अपनी खुद के द्वारा और सबसे अधिक अनावश्यक विवादों में आने के लिए अपने अजीब और कभी–कभी खतरनाक आकर्षण के कारण। अब, वह स्पष्ट रूप से कुछ समय के लिए काफी थी, लेकिन लगता है कि, अब वह ही वह फिर से एक विस्फोटक मूड में आ गई है, और मुझे पता था कि, वह ऐसा करेंगी क्योंकि आखिरकार उसकी सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म, **थलाइवी** की रिलीज की पूर्व संध्या थी, लोकप्रिय तमिल मुख्यमंत्री **जयललिता** के जीवन और समय, उनके निजी जीवन और तमिलनाडु के लोगों पर उनके प्रभाव पर आधारित एक फिल्म।

कंगना ने जयललिता की भूमिका निभाने की चुनौती स्वीकार कर ली थी और यथासंभव वास्तविक दिखने के लिए सभी प्रकार के शारीरिक परिवर्तनों से गुज़री थी। फिल्म **विजयेंद्र प्रसाद** द्वारा लिखित एक पटकथा पर आधारित थी, जिन्होंने **कंगना** और बाहुबली के लिए **मणिकर्णिका** लिखी थी और एएल विजय द्वारा निर्देशित थी। इसे पिछले साल रिलीज़ किया जाना था, लेकिन महामारी आ गई और रिलीज़ रुक गई और कंगना हर तरह के विवाद में पड़ गईं, जिससे उन्हें एक ऐसा नाम मिला जिससे वह बच सकती थीं।

और अब दो दिन पहले उसने अपने दोस्त और शुभचिंतकों के लिए फिल्म का एक विशेष शो रखा था, जो कंगना और फिल्म के साथ सब कुछ करने के लिए सभी प्रशंसा अभियान पर जा रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से एक सुनियोजित अभियान की तरह लगता है और किसी को इंतजार करना होगा और देखना होगा कि उसकी इस तरह की ड्राइव से कंगना या फिल्म को कैसे मदद मिलेगी। **'थलाइवी'** को (10 सितंबर) तमिल और तेलगु क्षेत्रों में रिलीज़ किया जा रहा है और उन कारणों से जो बहुत स्पष्ट हैं, इसे महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में रिलीज़ नहीं किया जा रहा है जो कांग्रेस और समान विचारधारा वाले दलों द्वारा शासित हैं।

संयोग से कंगना के पास **'धाकड़' और 'तेजस'** जैसी अन्य बड़ी फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं और उनके खिलाफ शत्रुतापूर्ण माहौल को जानकर आश्चर्य होता है कि दर्शक फिल्मों पर कैसे प्रतिक्रिया देंगे। उन्होंने अयोध्या और कश्मीर को लेकर अपनी खुद की फिल्में बनाने को लेकर और भी बड़े ऐलान किए थे।

क्या उन्होंने अपने राजनीतिक आकाओं से वादों को भूलने और झूठ बोलने की कला में महारथ हासिल कर ली है?

मुझे जबरदस्त फीडबैक मिल रहा है।

डीनो मोरिया

–लिपिका वर्मा

डीनो मोरिया ने फिल्म राज़ से अपना फिल्मी सफर शुरू किया था। एक चॉकलेट बॉय के रूप में सुनहरे पर्दे पर नजर आएं। अब अपनी सेकंड पारी में डीनो न केवल बतौर अभिनेता बिजी है अपितु उनकी फिल्म,"हेलमेट "भी ज़ी 5 पर रिलीज़ हुई है और बतौर प्रोडूसर यह 2021वर्ष बेहद अच्छा है। डीनो ने जो कुछ भी इस सफर में सीखा है अपने जीवन में भी उसे अमल किया है। उनका मानना है कि– हार्ड वर्क से ही आप आगे बढ़ सकते है। और वह भी हार्ड वर्क करते हुए आगे अपनी मंजिल पर बढ़ते चले जा रहे है। उनका हालिया रिलीज़ शो थे एम्पायर भी बहुतपसन्द किया जा रहा हैं।

☐ आपका लुक एम्पायर में बेहद लुभान्वित करता है ,क्या क्या तैयारियां करनी पड़ी?

मेरे लुक हेतु मेरे निर्देशक नक्षत्र कुमार और मेरे द्वारा बात की गई थी। हमने कई तरह के लुक भी आजमाए, कहानी के लिए मेरे चेहरे पर एक निशान होना जरूरी था और वह एक योद्धा है इसलिए उसे उस तरह से दिखने की जरूरत थी और मूल रूप से कोई ऐसा व्यक्ति जो युद्ध में गया हो। लंबे बालों के साथ भी उसका लुक बेहतरीन बन गया ,, सभी डिजाइन किए गए आभूषण आदि। मुझे खुशी है कि यह लुक निखर के आया।

☐ डिनो के लिए ...2021, बहुत अच्छा रहा?

पिछले दो सप्ताह बल्कि उत्कृष्ट रहे हैं। एम्पायर में एक अभिनेता के रूप में मेरी बहुत बड़ी रिलीज़ थी। जिसके किरदार का मुझे जबरदस्त फीडबैक मिल रहा है और मुझे इससे प्यार हो रहा है और मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक महान समय है। एक निर्माता के रूप में दूसरे सप्ताह में हेलमेट फिल्म रिलीज़ हुई है सो एम्पायर जिसमें अभिनेता बना हुआ हूँ और हेलमेट बतौरप्रोडूसर सही चल रहा है सब कुछ। भगवान का शुक्रिया। वे कहते हैं कि जब बारिश होती है तो बारिश होती है और इस समय मेरे जीवन में वास्तव में यही हो रहा है। मैं वास्तव में इस अवसर की प्रतीक्षा कर रहा हूं। मैं एक अभिनेता के रूप में अपने उत्पादन पर काम कर रहा हूं। एक निर्माता के रूप में बेहतर उत्पाद का उत्पादन करने के लिए भरसक कोशिश रहती है मेरी। तो बहुत व्यस्त रहा इस वर्ष और आशा है कि यह लंबे समय तक व्यस्त रहेंगे आगे भी ।

☐ आप भट्ट कैंप से कब जुड़ेंगे? बतौर अभिनेता या बतौर निर्माता?

अगर कभी मौका मिलता है मैं महेश भट्ट सर के साथ फिर से जुड़ना पसंद करूंगा। और मुकेश जी के साथ भी। मुझे लगता है कि यह ज्यादातर एक अभिनेता के रूप में होगा। अगर कोई दिलचस्प स्क्रिप्ट है तो अगर हम सहयोग कर सकते हैं तो क्यों नहीं? और मैं सिर्फ भट्ट के साथ ही नहीं ,दरअसल में,मै सभी के साथ काम करने के लिए

तैयार हूं।

☐ इस समय जीवन के इस मुकाम पर आप अपने आप को कैसे देखते है?

अपने जीवन के इस बिंदु पर, मैं अपने पिछले अनुभवों को हर उस चीज़ में देखता हूँ जिससे मैं गुज़रा हूँ। इसने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। मुझे लगता है कि–मुझे जीवन की कहीं अधिक परिपक्व समझ है। आप जानते हैं कि जीवन आपको बहुत कुछ सिखाता है। यह आपको उच्च पोजीशन पर ले जाता है और फिर आपको नीचे गिरा देता है। मैंने फिल्म उद्योग में रह कर दोनों उच्च और निम्न समय देखा है ,गुजरा हूँ इस समय से और वही सीख लिए आगे बढ़ रहा हूँ। बहुत कुछ शिक्षाएँ जो मैंने अपने जीवन में ली हैं, मैंने उन्हें आगे बढ़ने में आत्मसात किया।मैं न तो गद्दी पर रहता हूँ और न ही फ्यूचर से बहुत ज्यादा उम्मीद करता हूँ।लेकिन मैं योजना और भव्य योजना बनाता हूँ।मैं बहुत हूँ महत्वाकांक्षी लेकिन इस समय मैं हर रोज अपना सर्वश्रेष्ठ जीने की कोशिश करता हूं जितना मैं कर सकता हूं।जीवन ने मुझे ऐसा करना सिखाया है।आप सपने देख सकते हैं और कड़ी मेहनत कर सकते हैं और मैंने वह किया है।यह भी देखा कि हमेशा प्रकाश होता है सुरंग के अंत में कड़ी मेहनत को कुछ भी नहीं पकड़ सकता।तुम एक प्रतिभाशाली हो सकते हो। उस प्रतिभा के लिए यह वह कड़ी मेहनत है जो बहुत दूर जाती है।मैं अनुशासित हूं और मैं मुझे किसी भी स्थिति में डाल सकता हूं, मैं इससे लड़ने में सक्षम एवं सफल बनता है सो हार्ड वर्क कीजिये बस जीवन आपको फल जरूर देगा। मैं जीवन में सभी का सामना करने के बाद फिर से अपने रास्ते पर हूं।

☐ बतौर निर्माता आपकी अगली फिल्म किस जॉनर की होगी?

मैं एक निर्माता के रूप में किसी एक विशेष शैली पर काम नहीं करना चाहता। मैं सिर्फ अच्छी सामग्री बनाना चाहता हूं और अच्छी कहानियां बताना चाहता हूं। फिल्में और शो जो लोगों को जोड़े रखेंगे वही बनाना चाहता हूँ। ऑडियंस कितने समय से मेरा शो देख रहे हैं। सो उनके लिए कुछ भी हो सकता है। थ्रिलर.. रोमांटिक फिल्में...यह हॉरर..नाटक सामाजिक नाटक हो सकता है जब तक कि यह एक दर्शक के रूप में उनको बांधे रखता है मैं उनके लिए वह पेश करना चाहता हूँ। काम चल रहा है आशा है साल के अंत तक कुछ निर्णय ले लिया जायेगा।

☐ द एम्पायर के बारे में और आपके चरित्र चित्रण पर कुछ रौशनी डाले?

द एम्पायर एलेक फ्रॉम वर्ड की एक किताब पर आधारित है, जिसने इसे लिखा है। यदि आप किताब पढ़ते हैं तो आप सब जानते हैं, यह कहानी के साथ मिश्रित बहुत सारी कल्पना है, जाहिर तौर पर इसे पढ़ने में बहुत अधिक मज़ा बनाने के लिए नाटकीय रूप से चित्रित किया गया है। इसी तरह हमने अपनी कहानी को काल्पनिक और नाटकीय बनाया है, एक दर्शक के रूप में आप इसमें शामिल हो सकते हैं और शो देख सकते हैं ताकि किसी को भी महिमामंडित किया जा सके। यह एक काल्पनिक शो है। हाँ यह कहानी कहती है मुगल काल के बारे में लेकिन हम किसी का महिमामंडन नहीं कर रहे हैं.

☐ डीनो फुर्सत के समय में क्या कुछ करना पसंद करते है?

फुर्सत के लिए बहुत सारी फिल्में देखना और शो देखना भी पसंद करता हूँ। और मैं बहुत कुछ पढ़ता हूं मुझे प्रकृति के साथ एक होने का भी बेहद शौक है या फुटबॉल खेलने के लिए बाहर निकलना पसंद है।

☐ डीनो शादी कब करेंगे?

शादियां स्वर्ग में नहीं होतीं शादियां यहां होती हैं यहां नहीं.. यह भी एक सच्चाई है..उम्मीद है कि जल्द ही मैं विवाह के बंधन में बंध जाऊंगा। दरअसल में, मै विवाह की संस्था में विश्वास करता हूँ।

☐ आपका फ्री फिटनेस स्टेशन मुंबई में और अन्य स्थानों पर कैसा चल रहा है?

मैंने मुंबई की गलियों में जो फिटनेस स्टेशन स्थापित किया है, वह शानदार है, जनता इसका इस्तेमाल करती है और वे जीते हैं जो मैंने उनके लिए किया है। मुझे उन बेतरतीब लोगों से भी टिप्पणियां मिलती हैं, जो उन सड़कों पर चल रहे हैं। वे मुझे फिटनेस स्टेशन स्थापित करने के लिए धन्यवाद देते रहते हैं। हमने इन फिटनेस स्टेशनों को मुफ्त में स्थापित किया है जिससे हम आसानी से लाभ उठा सकते हैं। हमने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न फिटनेस स्टेशन स्थापित करने में भी कामयाबी हासिल की है।
जैसे–अंडमान...जमशेदपुर ,एवं गुजरात में भी। हमारी मुहिम है –भारत को फिट करने की कोशिश।

☐ साउथ की फिल्मों में डिनो को कब देखने मिलेगा?

मैं एक अभिनेता हूं तो हां तो क्या फिल्में उत्तर से आती हैं ... पूर्व ... पश्चिम या दक्षिण से ऑफर की जाये मुझे , मैं निश्चित रूप से उसका हिस्सा बनना चाहूंगा जब तक कहानी अच्छी हो.

aksar
ANAMIKA
THE UNTOLD STORY
MEETING SE
MEETING T
OCT. 24
HEROES
hotstar specials
HOSTAGES
ENTALHO

KATRINA KAIF AND SUGAR FREE COME TOGETHER TO REVEAL ‘FITNESS KA PEHLA KADAM’

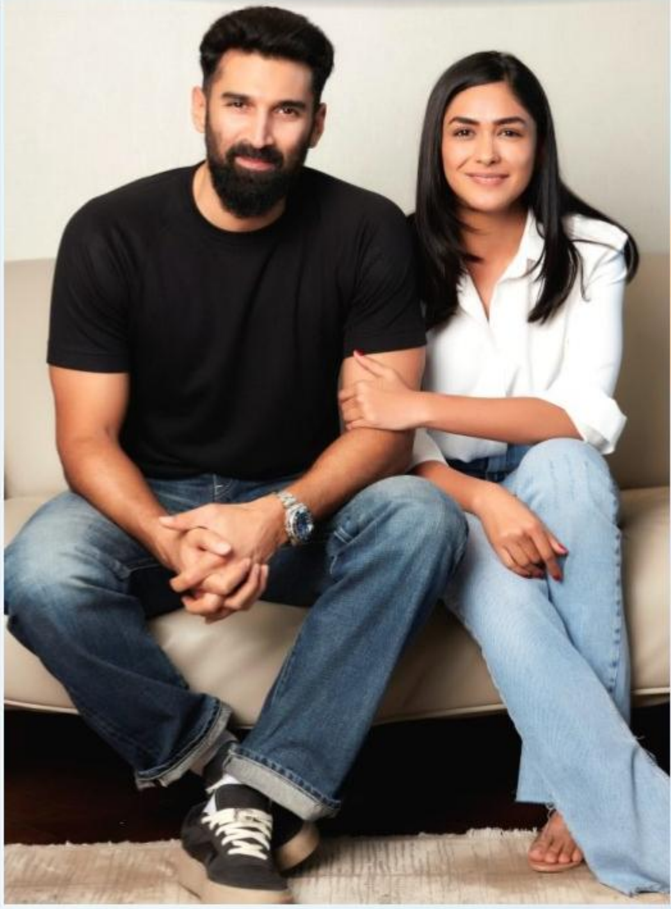

MRUNAL THAKUR JOINS ADITYA ROY KAPUR IN BHUSHAN KUMAR & MURAD KHETANI'S THADAM REMAKE

CO UTIO CLUB
NEW ELHI
2021
CORONA WARRIOR AWARD

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षको, सामाजिक, राजनीतिक, खेल व बॉलीवुड की हस्तियों को राष्ट्रीय गौरव गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया, मुझे भी गुरु शंकराचार्य, संस्था के संस्थापक संतोष दुबे ने अवार्ड देकर सम्मानित किया, आप सभी के आशीर्वाद व प्यार के कारण यह सौभाग्य प्राप्त हुआ , सभी को नमन

APPLAUSE
Quest
THE RAPIST

NATIONAL AWARD-WINNING FILMMAKER APARNA SEN'S THE RAPIST, TO HAVE ITS WORLD PREMIERE AT THE PRESTIGIOUS 26TH BUSAN INTERNATIONAL FILM FESTIVAL

The New 2021
SWIFT
LIMITLESS
DANGER
EXPLOSIVES

ONLY THE MOST DARING KHATRON KE KHILADI ON COLORS WILL WIN THE 'TICKET TO FINALE'

MISS MALINI ENTERTAINMENT STEPS INTO THE TALENT MANAGEMENT WORLD BY LAUNCHING IGNITE EDGE, A NEW TALENT MANAGEMENT VERTICAL

ELEEANORA IMAGES PVT. LTD.
"BiSHWA"
PRODUCED BY: NILA MADHAB PANDA
DIRECTOR
ANUJ TYAGI
DOP
SUBHRANSU DAS
1
1
1

YAGYA BHASIN'S NEXT IS BISHWA IN WHICH HE PLAYS A BLIND BOY

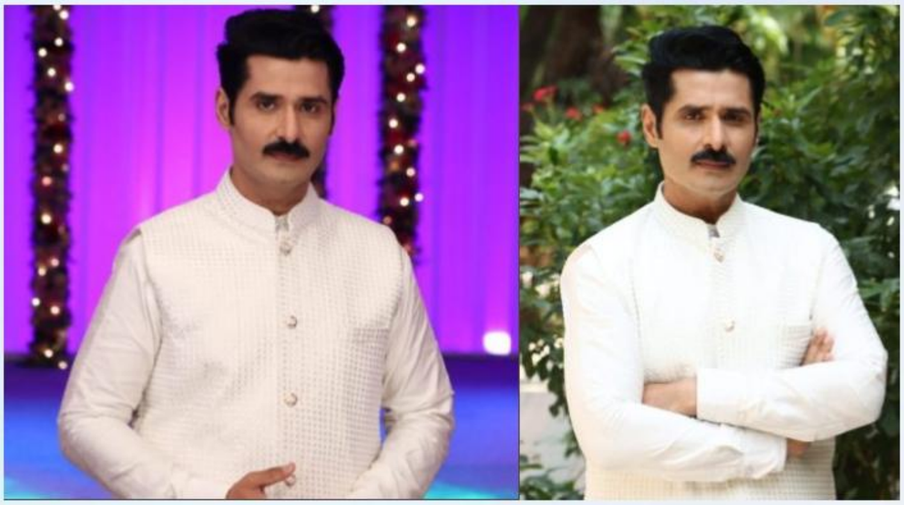

TV IS A FLUID MEDIUM AND I JUST FOCUS ON THE REQUIREMENT OF A PARTICULAR TRACK AND MY PART IN IT, SAYS PANKIT THAKKER

ASHISH SHRIVASTAV SAYS HE AND HIS WIFE GURMEEN SHRIVASTAV HAVE SLOWLY LEARNT TO BALANCE THEIR LIVES BY BEING THERE FOR EACH OTHER

MALL CINEMA BRANDING
HOARDINGS
MONORAIL
MALL CINEMA BRANDING
BUS PANEL
MOBILES HOARDINGS
BUS SHELTER

MONORAIL
INNOVATIONS
MOBILES HOARDINGS
BUS SHELTER
BUS PANEL
MULTIPLEX

HOARDINGS
MALL CINEMA BRANDING
MULTIPLEX
MONORAIL
MOBILES HOARDINGS

MALL CINEMA BRANDING
INNOVATIONS
DIGITAL BOARDS
HOARDINGS
MULTIPLEX

BUS PANEL
MALL CINEMA BRANDING
MONORAIL
MULTIPLEX

POLE KIOSK
BUS PANEL
MONORAIL
INNOVATIONS
HOARDINGS
MALL CINEMA BRANDING

MOBILES HOARDINGS
INNOVATIONS
MULTIPLEX
HOARDINGS
POLE KIOSK

POLE KIOSK
MALL CINEMA BRANDING
MULTIPLEX
HOARDINGS
INNOVATIONS

BUS SHELTER
MOBILES HOARDINGS
MONORAIL
BUS PANEL

BUS SHELTER
MONORAIL
BUS PANEL

MALL CINEMA BRANDING
MULTIPLEX

NO ONE CAN SHINE YOUR BRAND AS

DOES.

MULTIPLEX
MALL CINEMA BRANDING

MONORAIL
BUS PANEL
BUS SHELTER

MULTIPLEX
MALL CINEMA BRANDING
POLE KIOSK
HOARDINGS
INNOVATIONS

POLE KIOSK
HOARDINGS
HOARDINGS
INNOVATIONS
MOBILES HOARDINGS
MULTIPLEX

MONORAIL
BUS PANEL
MOBILES HOARDINGS
BUS SHELTER

HOARDINGS
MALL CINEMA BRANDING
MOBILES HOARDINGS
BUS SHELTER
BUS PANEL
MONORAIL
MALL CINEMA BRANDING

BRIGHT OUTDOOR

PRINT TV RADIO PR DIGITAL
CELEBRITY EVENTS & CREATIVES

PAN INDIA & INTERNATIONAL OOH

info@brightoutdoor.com | www.brightoutdoor.com | +91 9320971103

डॉन का रिमिक्स गाना सुनकर तो मेरे आँखें से आँसू निकल आए थे, मैंने तुरंत बंद करवा दिया था

आशा भोंसले

HAPPY BIRTHDAY

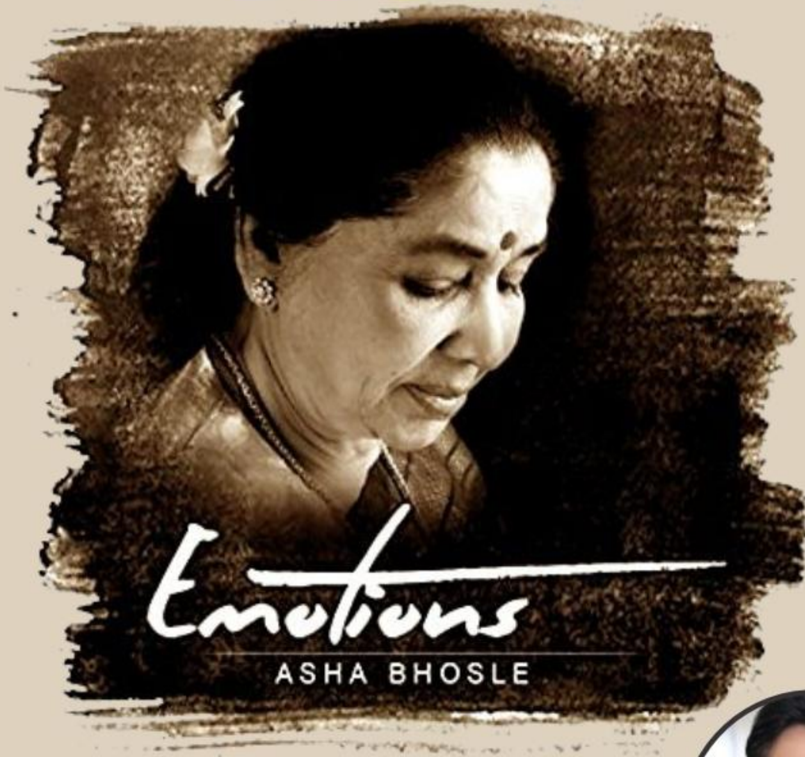

—सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

1942 में वो कुल 9 साल की थीं जब उनके पिता, स्टेज के जानेमाने नाम, संगीत के चर्चित कलाकार दीनानाथ मंगेश्कर की मृत्यु हो गयी। वो दौर कुछ ऐसा था कि घर में पिता और दुनिया में हिटलर एक ही सी भूमिका बाँधे रखते थे। हिटलर का तो जानते ही हैं, दीनानाथ जी से भी उनके पाँचों बच्चे डरे–डरे रहते थे। लेकिन जब उनकी डेथ हुई तो पूरा परिवार बिखरने को हुआ। लेकिन उनकी गुजराती पत्नी शेवंती और सबसे बड़ी बेटी लता मंगेशकर ने घर को इमोशनली और फाइनेंशियली, दोनों रूप से संभालने की ठानी। लता जी ने जहाँ फिल्मों का काम करना शुरु कर दिया तो वहीं अपनी बहनों को संगीत सिखाने की ठान ली।

उन्हीं दिनों उनकी तीसरे नंबर की बहन, आशा मंगेशकर संगीत केंद्र में राग सीखने जाती थीं। एक रोज़ उनका इम्तेहान हो रहा था। उनके गुरु ने उनसे गाने के लिए कहा, आशा जी डरते–डरते गाने लगीं। वो श्रीकृष्ण पर लोक गीत था। उसे पूरा सुने बिना ही उनके गुरु ने टोक दिया और कहा "बस"

इसपर आशा जी इतनी डर गयी कि तुरंत ही बोल पड़ी "बस, क्या मैं फेल हो गयी?"

यह सुनते ही वह हँस दिए और बोले "अरे नहीं नहीं, तुम अव्वल हो मेरी नज़र में"

आशा जी हैरान हो गयीं, "बोली पर मैंने तो अभी कुछ लिखा ही नहीं, कुछ बताया ही नहीं"

इतना सुन कर वह मुस्कुराते हुए बोले "देखो आशा, जहाँ वाकई टैलेंट होता है वहाँ इन सब औपचारिकताओं की ज़रुरत नहीं होती। तुम्हारी आवाज़ ही इतनी सुरीली ही है कि तुम्हें और किसी चीज़ की ज़रुरत नहीं, तुम कल रिकॉर्डिंग के लिए आ जाओ"

और इस तरह मात्र दस साल की उम्र में ही आशा मंगेशकर ने

अपना पहला मराठी गाना गाया। फिल्म थी माझा बाल। इस फिल्म में उनकी बहन लता मंगेशकर एक्ट्रेस के रूप में थीं।

इसके बाद आशा जी कुछ मराठी गानों में अपनी आवाज़ देती रहीं और दूसरी ओर लता मंगेशकर बड़ी बहन का कर्तव्य निभाते हुए पूरी तरह फिल्मों में काम पकड़ने लगीं। हालाँकि इनके पिता, दीनानाथ मगेश्कर फिल्मी लाइन को बहुत बुरा मानते थे और वह नहीं चाहते थे कि उनका कोई भी बच्चा फिल्मों में आए। पर समय था, समय पर किसका ज़ोर चल सकता था। लता जी खुद नहीं चाहती थीं कि उन्हें क्लासिकल संगीत के सिवा कुछ करना पड़े। न ही ऐसी कोई ख्वाहिश आशा जी की थी। लेकिन इन सबने ही अपनी ज़िम्मेदारी को बख़ूबी समझा और जो काम मिलता गया, करते गये। 1948 में आशा जी ने पहली हिन्दी फिल्म में एक गाना गाया, गाना था 'सावन आया' और फिल्म थी 'चुनरिया'। यही वो समय था जब वह लता मंगेशकर के ही सेक्रेटरी गनपतराव भोसले के प्यार में पड़ गयीं। आशा तब मात्र 16 साल की थीं और गनपत 31 साल के थे। लता मंगेशकर समेत पूरा परिवार उनकी इस मुहब्बत के खिलाफ था, बजाए अलग होने के, आशा जी ने गनपतराव से शादी कर ली और घर छोड़ दिया। इस घटना से उनके परिवार में एक बड़ी खाई उत्पन्न हो गयी जिसे भरने में बहुत समय लगा।

उसी समय लता जी को एक से बढ़कर एक गाने मिलने लगे और लता, शमशाद बेगम और गीता दत्त के मना करने के बाद कोई गाना बचता था तो आशा भोसले को मिलता था। इसी चक्कर में आशा जी को सिर्फ सी ग्रेड फिल्मों के गाने मिलने लगे।

लेकिन उस समय एक म्यूजिक डायरेक्टर ऐसा उभरा जिसने न सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री में म्यूजिक ट्रेंड चेंज किया, बल्कि बिना आशा भोसले के कैरियर को सही पहचान भी दिलाई। यह संगीतकार और कोई नहीं बल्कि बंगालियों से भरी म्यूजिक इंडस्ट्री में इकलौते लाहौरी पंजाबी ओपी नय्यर थे। ओपी ने आशाजी को पहली बार फिल्म छम–छम–छम (1952) के स्टूडियो में देखा था। उन्होंने फिल्म मंगू (1954) में भी उन्हें चांस दिया लेकिन जब सी। आई। डी (1956) रिलीज़ हुई तो आशा जी की सारी इमेज ही बदल गयी। हालाँकि इस फिल्म में उनका एक ही गाना था, वो भी शमशाद बेगम के साथ था – ले के पहला पहला प्यार, बनके आँखों में खुमार, जादू नगरी से आया है" लेकिन इस गाने में शमशाद बेगम से ज़्यादा आशा जी की आवाज़ पसंद की गयी।

इसके बाद जब दिलीप कुमार की नया दौर आई और नय्यर साहब ने इस बार फीमेल लीड में सिर्फ आशा भोसले को ही रखने की ठानी तो फिल्म के डायरेक्टर बी–आर चोपड़ा ज़रा असमंजस में हुए। भला उस दौर में बिना लता मंगेशकर की आवाज़ के कोई बड़ी फिल्म बनती ही नहीं थी। लेकिन ओपी तो अपने मिजाज़ से इकलौते थे, उनसे बहस कोई नहीं कर सकता था। उन्होंने साफ कह दिया कि वो लता से कोई गाना आज क्या कभी नहीं गँवायेंगे। ये ख़बर आशा भोसले के लिए वरदान साबित हुई और नया दौर के सारे गाने, ख़ासकर "मांग साथ तुम्हारा, मैंने मांग लिया संसार, उड़े जब जब ज़ुल्फे तेरी, रेशमी सलवार कुर्ता जाली का" बहुत पॉपुलर हुए। इतने पॉपुलर हुए कि आज भी इनके रिमिक्स बनते रहते हैं।

बस इसके बाद से आशा भोसले ने कम से कम कैरियर की तरफ से पीछे मुड़कर देखना बंद कर दिया।

नया दौर के बाद, ओपी ने तकरीबन हर फिल्म में आशा भोसले को लेना शुरु कर दिया। इनमें हावड़ा ब्रिज का वो गाना "आइए मेहरबान" या मेरे सनम का "ये रेशमी, ज़ुल्फों का अँधेरा न घबराइए", फिर किस्मत फिल्म के गाने "आओ हुज़ूर तुमको, सितारों में ले चलें" को भला कैसे भूल सकते हैं। आशा और ओपी की संगीत की पसंद भी समान थी तो दोनों का मनमुटाव भी सेम शख़्स 'लता मंगेशकर' से था। इस खूबी ने इन दोनों को और पास आने पर मजबूर कर दिया।

आशाजी ने सन 60 में अपने पति से तलाक ले लिया और दो बच्चों को उँगलियाँ पकड़ाकर, और एक बच्चा गोद में लेकर कोई 12 साल बाद घर लौट आईं। यहाँ से उनका कैरियर जम्प लेने लगा। उन्हें कैबरे से जुड़े हर तरह के गाने दिए जाने लगे। आलम ये हो गया कि आशा भोसले एक एक दिन में 6–6 गाने रिकॉर्ड करने लगीं।

शम्मी कपूर की फिल्म राजकुमार का एक किस्सा बहुत रोचक है। इस फिल्म में डांस नंबर था "दिलरुबा दिल पे तू ये सितम किये जा", ये गाना मुहम्मद रफ़ी के साथ डुएट था और कोई भी फीमेल सिंगर इस गाने को गाने के लिए तैयार नहीं थी।

तब ओपी नय्यर को छोड़ संगीतकारों को ही एक फिल्म के लिए 50 हज़ार से ज़्यादा नहीं मिलते थे, तो किशोर कुमार, मुहम्मद रफ़ी और लता मंगेशकर के अलावा बाकी सिंगर्स भी कुछ सौ में गाने गाया करते थे। लेकिन इस गाने के बोल पढ़ने और सीन समझने के बाद आशाजी बोलीं मुझे इस गाने के लिए 3000 रूपये चाहिए।

संगीतकार शंकर जयकिशन थे, वह सीट से खड़े हो गये। सारे क्रू में हड़कंप मच गया कि इतना पैसा आशा कैसे मांग सकती है।

तभी शम्मी कपूर आए और बोले "क्यों शोर किया हुआ है? क्या वो गाना आशा के सिवा कोई गा सकता है? नहीं न? तो 3 नहीं चार हज़ार दो उसको"

आशा जी की यही ख़ासियत थी कि वह बोलने से, अपनी बात रखने से कभी चूकती नहीं है।

आशा जी ने एक से बढ़कर एक गाने दिए, 12 हज़ार से ज़्यादा गानों पर परफॉर्म करने का उनके पास वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है। लेकिन बात जब किशोर

कुमार की या उनकी बहन लता मंगेशकर की आती है तो वो वह हाथ जोड़कर या कान पकड़कर कहती हैं कि किशोर कुमार और लता दीदी तो मेरे लिए भगवान समान हैं। आज के रीमिक्स के दौर से वह इस कद्र खफ़ा रहती हैं कि खुलकर बोलती हैं "उन भगवान समान सिंगर्स, म्यूजिक डायरेक्टर्स के गाने को आप दोबारा बनाने का सोच भी कैसे सकते हैं, आपको हिम्मत कैसे आती है इतनी?"

इसी तरह हिमेश रेशमिया ने जब खुद की तुलना आरडी बर्मन से की थी तब आशा जी के मुँह से निकला था कि ऐसे आदमी के तो थप्पड़ पड़ना चाहिए जो खुद की तुलना पंचम से करे और खुद को किशोर कुमार समझने लगे। (फिल्म क़र्ज़ का रीमेक बनाने पर)

आशा जी ने साफ़ कहा कि हिमेश न चिंटू (ऋषि कपूर) बन सकते हैं और किशोर कुमार के तो आसपास भी नहीं भटक सकते। वो जिस लेवल पर थे, जिस लेवल पर लक्ष्मीकान्त प्यारेलाल ने कम्पोज़ किया था, वहाँ तक भला कोई ऐरा–गैरा कैसे पहुँच सकता है?

इसी तरह फिल्म डॉन के रीमेक बनने पर, वह कहती हैं कि 'खाइके पान बनारस वाला' सुनकर वह रो दी थीं। उन्होंने सिर्फ इसलिए फिल्म नहीं देखी कि उन्हें गाने देखने पड़ेंगे।

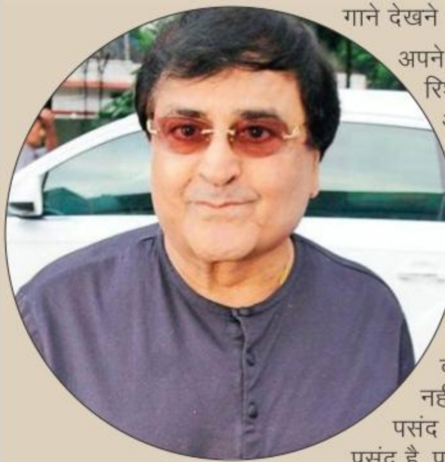

अपने और लता जी से बंधे रिश्तों को लेकर भी आशा जी कहती हैं कि जो उस वक़्त था, एक नाराज़गी, एक बचपना था वो तभी तक था, जब हम बड़े होते हैं तो बड़ों की कीमत भी समझ आती है। फिर कहाँ दो बहनों में झगड़ा नहीं होता, मुझे पिंक पसंद है तो उन्हें वाइट पसंद है, पर इसका मतलब ये तो नहीं कि एक दुसरे से प्यार नहीं, एक दुसरे की इज्ज़त नहीं?

आशा जी पूरी श्रृद्धा से ये भी कहती हैं कि "जब माँ गुज़रीं तो उन्होंने कहा कि मेरे बाद लता तुम्हारी आई है, हम सब भाई बहन उसे आई ही मानते हैं, वो अगर कुछ कह दे मैं जवाब नहीं देती, दे ही नहीं सकती। वो जबतक खड़ी हैं, मैं बैठती नहीं हूँ"

अपनी जड़ों से, अपने बड़ों से आशाजी बहुत कुछ सीखती तो हैं ही, साथ–साथ उनका आदर करना भी जानती हैं। वह हेमंत दा यानी हेमंत कुमार को इतना मानती थीं कि उन्होंने अपने बड़े बेटे का नाम भी उन्हीं के नाम पर, हेमंत भोसले रखा था।

आशा जी आज 88 साल की हो गयीं हैं मगर उनसे पूछिए तो वो आज भी वही सोलह साल की लड़की हैं जो खुल के ज़िन्दगी जीती हैं, जिन्हें संगीत से तो प्यार है ही, पर साथ ही घर संभालना, खाना बनाना, बच्चे संभालना बहुत पसंद है। अपने पोते पोतियों की वह फेवरेट दादी हैं। पर उनकी आवाज़ सुन लो आप हैरान हो जाओ कि वो आज भी किसी 20 साल की हीरोइन के लिए गाना गा सकती हैं। उनकी आवाज़ में जो वेर्सलिटी है, जो विभिन्नता है, वह किसी अन्य सिंगर में नहीं। उन्होंने उमराव जान के मुजरे भी गाये तो गुलाम अली के साथ उनकी गज़लों की एल्बम भी है। कैबरे सिंगिंग में तो उनका कोई जवाब है ही नहीं, साथ ही "मेरा कुछ सामान" जैसा आउट ऑफ़ द वर्ल्ड गाना गाकर नेशनल अवार्ड जीतने वाली आशा जी आज भी ज़मीन से वैसे ही जुड़ी हुई हैं।

कभी पूछिए तो मुस्कराहट के साथ कहती हैं, कि नहीं भगवान ने जो दिया जितना दिया, बहुत है। हम दो मंगेशकर बहनों ने 65 साल तक इंडस्ट्री पर राज किया है। और क्या चाहिए।।।

और ये सच है भी, लता जी तो अब गाती नहीं, लेकिन आशा जी जैसी आवाज़, उनके जैसी विविधता आज भी नेक्स्ट टू इम्पॉसिबल है।

हम मायापुरी मैगज़ीन की ओर से आशा–भोसले जी को जन्मदिन की बहुत बहुत शुभकामनाएं देते हैं व वह हमेशा स्वस्थ रहें ये कामना करते हैं

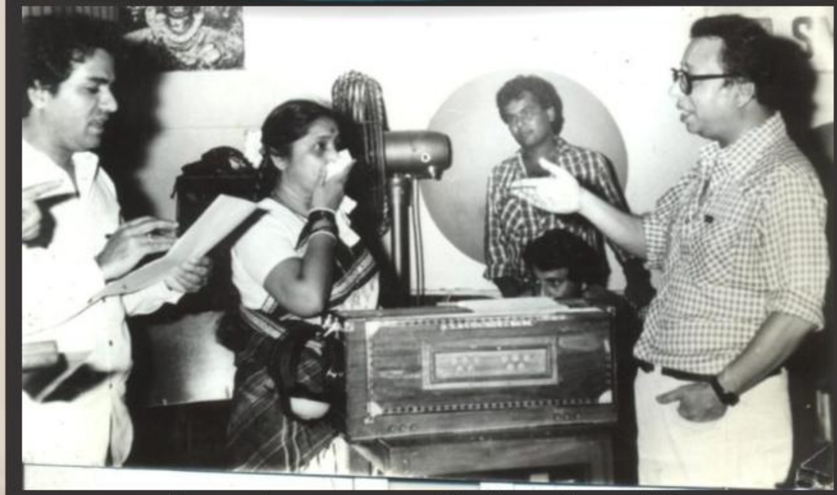

सुरेश वाडेकर, आशा भोंसले, सतीश कौशिक और आर.डी.बर्मन

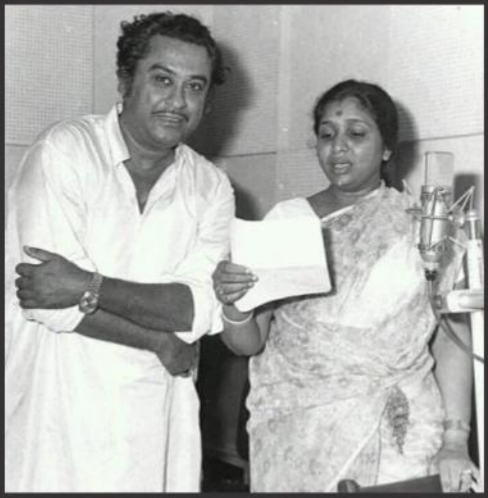

किशोर कुमार और आशा भोंसले

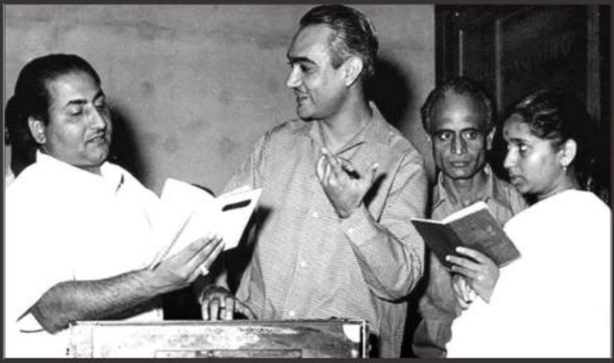

मोहम्मद रफी, ओ.पी नैयर और आशा भोंसले

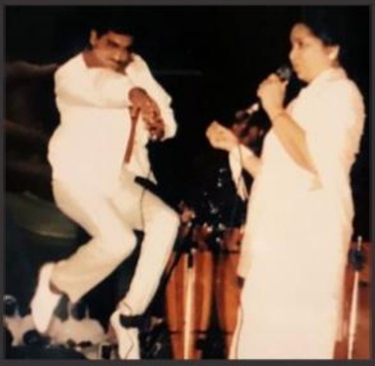

सुदेश भोंसले और आशा भोंसले

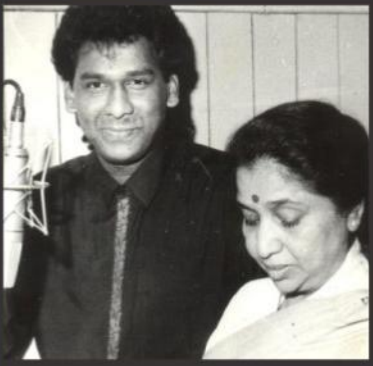

विनोद राठौड़ और आशा भोंसले

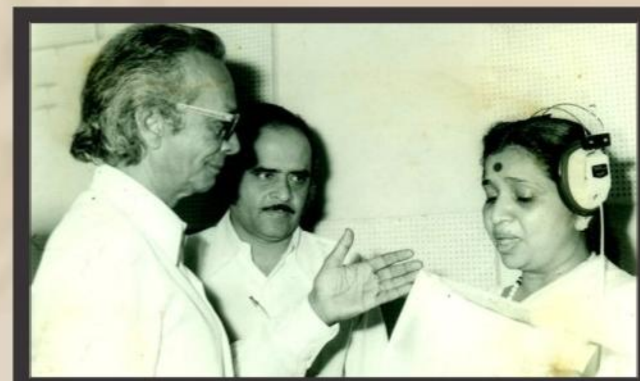

नौशाद, सुल्तान अहमद और आशा भोंसले

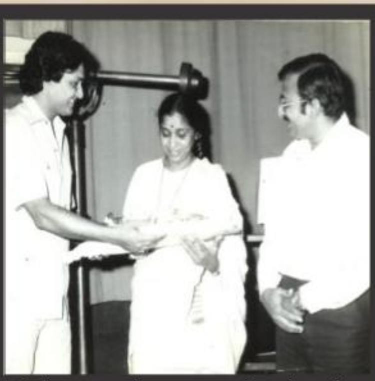

विरेन्द्र शर्मा, आशा भोसले और विनोद कुमार

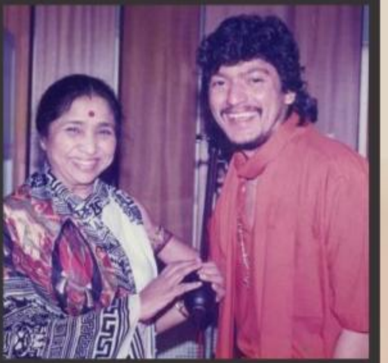

आशा भोंसले और आदेश श्रीवास्तव

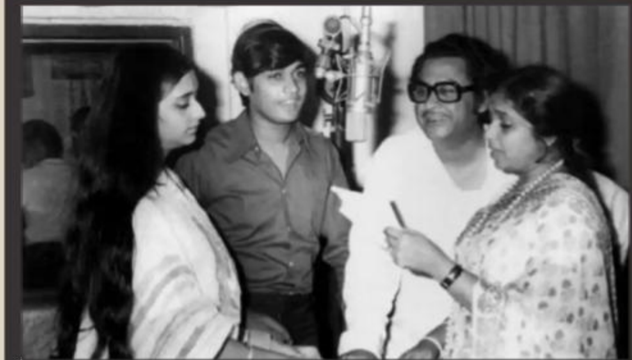

अमित कुमार, किशोर कुमार और आशा भोंसले

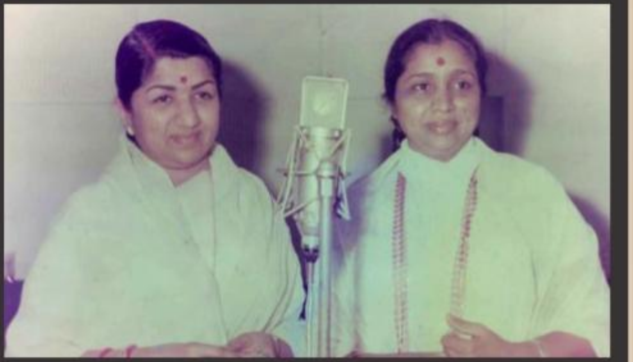

लता मंगेशकर और आशा भोंसले

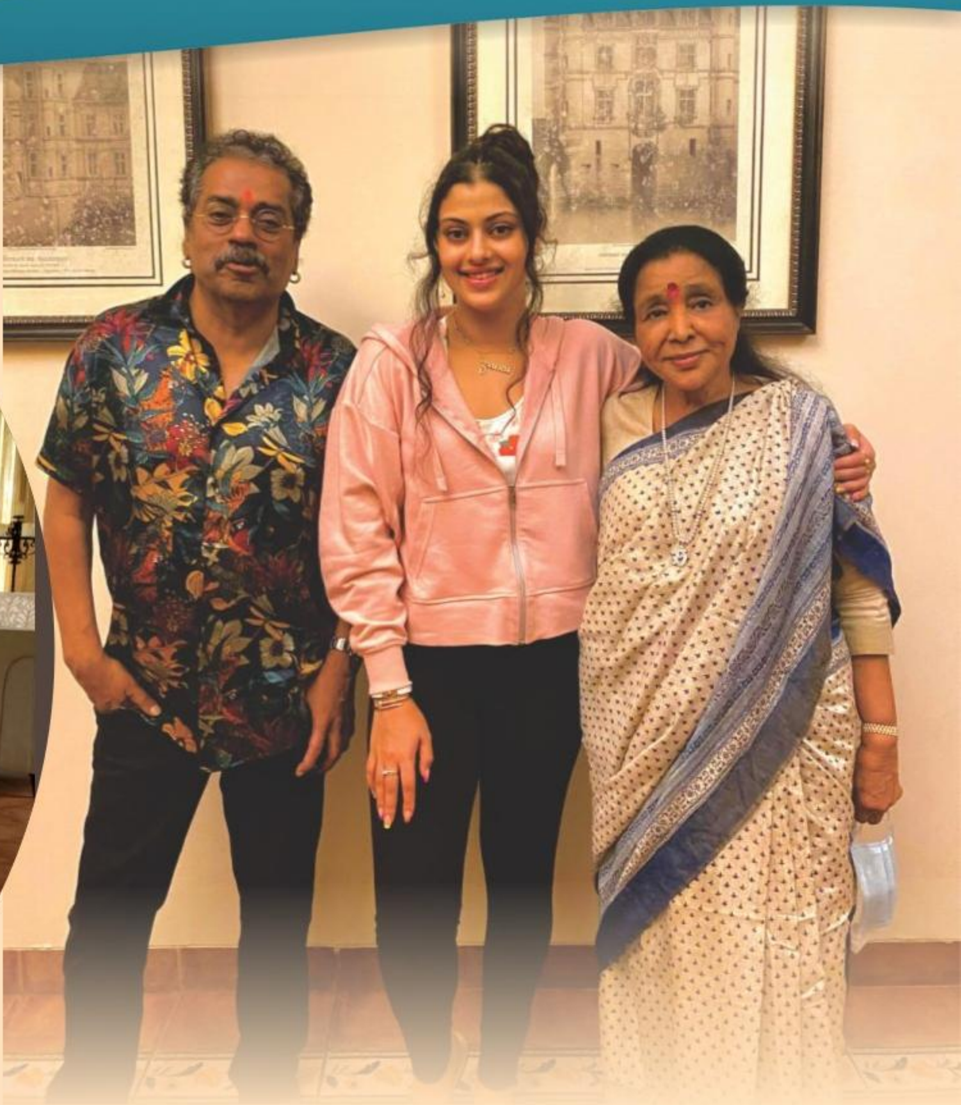

NEVER HAD SUCH AN AMAZING BIRTHDAY CELEBRATION IN MY LIFE, THANKS TO MY GRANDKIDS ZANAI AND RANJAI, SAYS ASHA BHOSLE

धीरे–धीरे बॉलीवुड के चेहरे से चेहरे कैसे उठ रहे हैं और बॉलीवुड इंडस्ट्री कैसे बेनकाब होती जा रही हैं

–अली पीटर जॉन

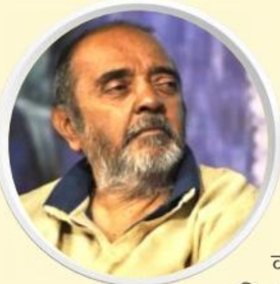

पूछताछ अभी भी जारी है। ऊँचे और निचले स्थानों पर बहस बेरोकटोक जारी है। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि सुशांत सिंह राजपूत अब इतिहास का हिस्सा हैं और अपनी कहानी का संस्करण देने के लिए वापस नहीं आएंगे। एक अच्छी बात यह है कि मृत सुशांत ने काम किया है एक बहुत तेज ब्लेड और दुनिया के चेहरे को चीर दिया जहां वह धीरे–धीरे लेकिन लगातार अपनी जगह बना रहा था, और फिल्म उद्योग के चेहरे को अपने सभी मौसा, तिल, निशान और कैंसर से उजागर कर दिया है। इंडस्ट्री जिस तरफ से जा रही थी वह एक बम पर बैठकर फटने का इंतजार कर रही थी और सबसे रहस्यमय परिस्थितियों में सुशांत की मौत के कारण उस बम का धमाका हो गया जो सही समय का इंतजार कर रहा था।

सुशांत की कहानी जो सुर्खियों में रही है और अन्य सभी मुद्दों से लोगों का ध्यान हटा रही है, उनमें से कुछ इस स्तर पर देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। जैसे–जैसे कहानी सामने आती है, फिल्म उद्योग, जिसे कई लोग बॉलीवुड कहना पसंद करते हैं (और मुझे लगता है कि यह उन पुरुषों और महिलाओं का अपमान है जिन्होंने इस उद्योग को बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है जो कई अन्य दुनिया से दूर है)

सीबीआई की जांच के बाद जो सबसे ज्यादा उजागर हुआ है, वह ग्लैमर, चकाचौंध और महिमा से परे की गंदगी है। एक मुद्दा जो केवल लंबे समय से उबल रहा है वह है सभी स्तरों पर महिलाओं का शोषण, लेकिन ज्यादातर अभिनय के क्षेत्र में। यहां हमेशा से महिलाओं का शोषण होता आया है, लेकिन पिछले चालीस सालों में यह अपने चरम पर है। महिलाओं, विशेष रूप से युवा महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया है और विभिन्न उद्देश्यों के लिए उनका यौन शोषण किया गया है। सत्तर के दशक में एक समय था जब निर्माताओं ने महत्वाकांक्षी सितारों से खुले तौर पर कहा था कि उन्हें अमीर, बूढ़े और यहां तक कि बदसूरत वित्तपोषकों (financers) के साथ सोना होगा, जिन्होंने फिल्म बनाने के लिए पैसे मुहैया कराए थे। और इस तरह की रस्म का पालन कुछ बेहतरीन और बड़े लोगों द्वारा किया जाता था जिन लड़कियों ने फिल्मों में आने के लिए कुछ भी करने को तैयार होने वाली लड़कियों को पीड़ित और स्टारलेट के रूप में बनाया था, उनके पास बहुत कम विकल्प थे और उन्होंने निर्माताओं और कुछ मामलों में निर्देशक और

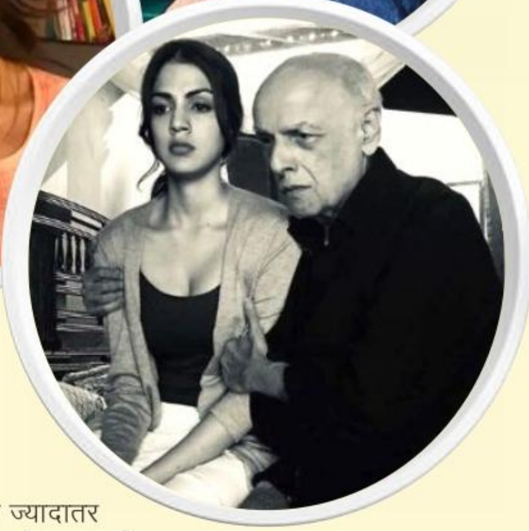

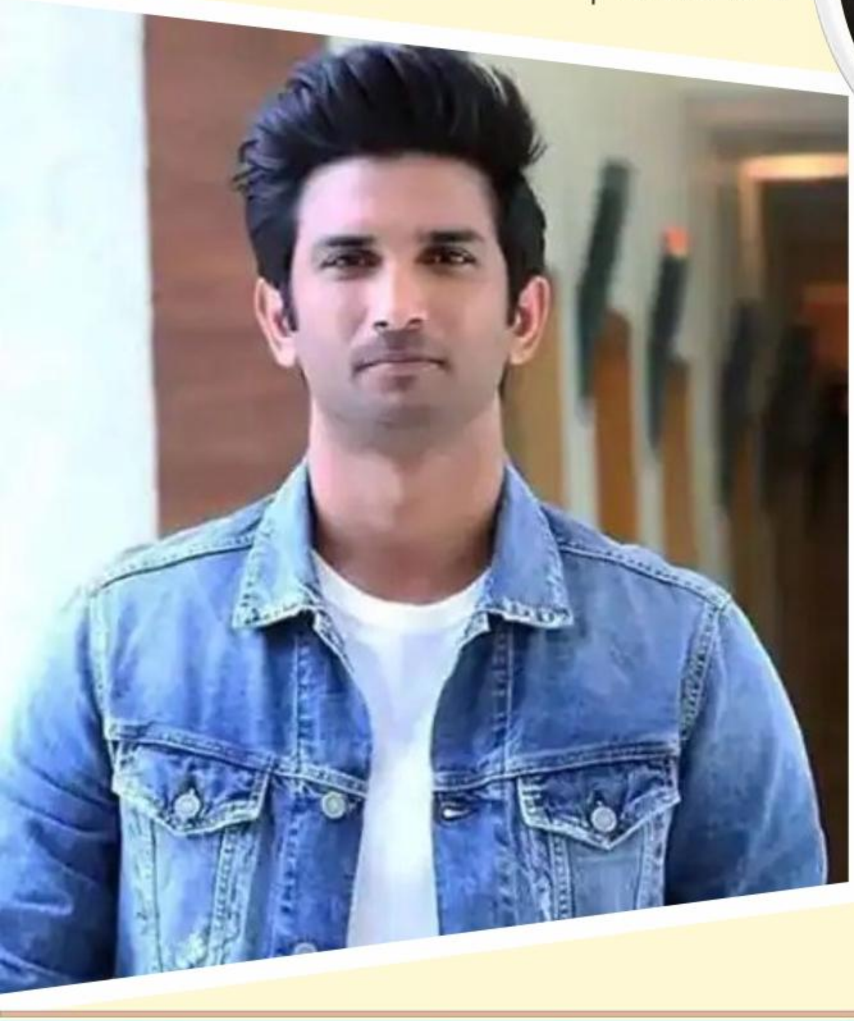

लेखक के आदेश के आगे आत्मसमर्पण कर दिया। यह प्रथा इतनी आम थी कि इस बात की चर्चा हमेशा बनी रहती थी कि कौन सा सितारा स्टारडम की राह पर सोता है और किसके साथ। इस बारे में बात करें कि क्या हेमा मालिनी ने एक ही अभ्यास का पालन किया था, ऊपर से लेकर जूनियर कलाकारों, नर्तकियों और स्टूडियो कर्मचारियों तक सभी जगह व्याप्त था।

मैं कई महिला सितारों को जानता हूं जिन्होंने मुझे अपने कष्टदायक अनुभवों और उनके यौन शोषण के तरीकों के बारे में बताया है, लेकिन मैं उनमें से किसी का नाम नहीं लेना चाहूंगा क्योंकि वे अब अच्छी तरह से बस गई हैं और उनके अपने परिवार हैं और शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं। फिल्म उद्योग में अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात करने से बचने की पूरी कोशिश करें।

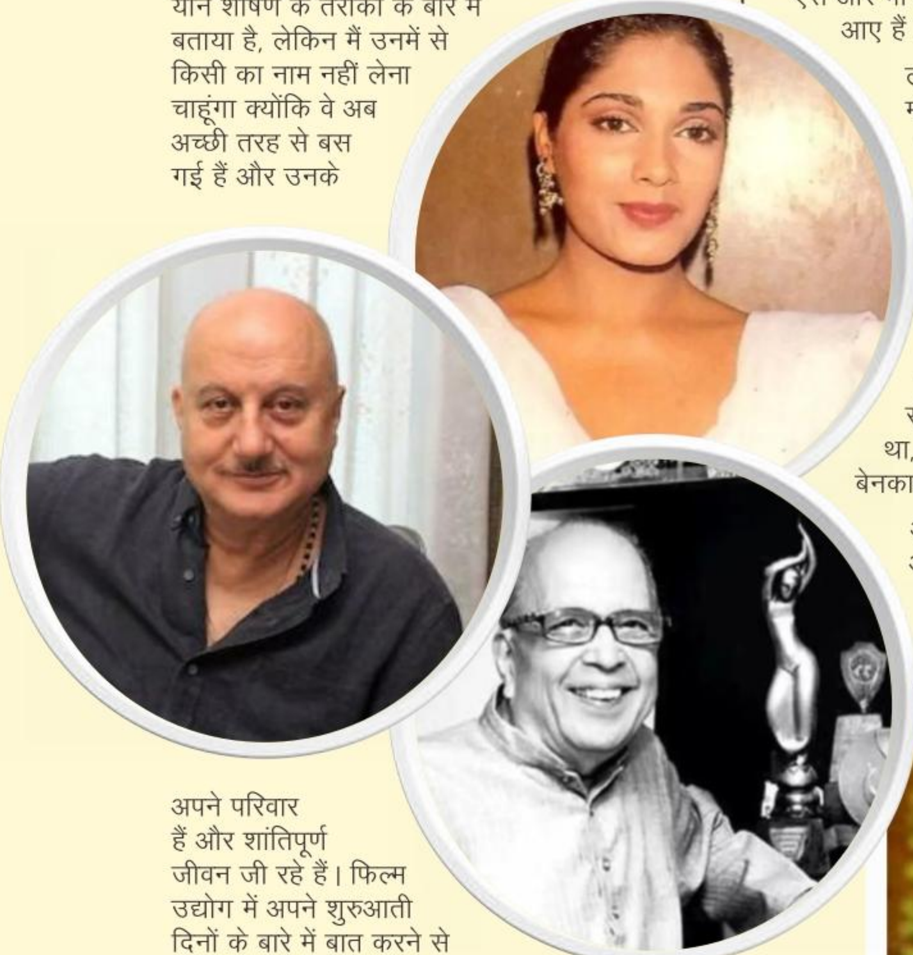

उदाहरण के लिए कई उदाहरण हैं, लेकिन एक उदाहरण यह साबित करने के लिए पर्याप्त होगा कि फिल्म निर्माताओं द्वारा लड़कियों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता था। एक युवा और बहुत सुंदर लड़की मेरी सलाह लेने के लिए मेरे पास आई थी। उसका नाम प्रियदर्शिनी वालावलकर था और वह एक सभ्य महाराष्ट्रीयन परिवार के रूप में आई। मैंने उसे एक प्रमुख फिल्म निर्माता के पास भेजा, जो महान निर्देशक गुरुदत्त का छोटा भाई था। मैंने लड़की के लिए बैठक की व्यवस्था की थी, यह जानते हुए या अनुमान लगाया कि उसका भाई गुरुदत्त दूसरों की तरह बुरा नहीं होगा। प्रियदर्शिनी शाम को मेरे पास रोते हुई आई और मुझसे कहा कि आदमी ने उसे कहा था कि आखों पर पट्टी बाधों और उनके साथ कुछ चुंबन दृश्यों करने के लिए और जब उनसे पूछा था क्यों यह जरूरी हो गया था उन्हें पट्टी बाधनें के लिए और वह साफ उससे कहा था, ”अन्यथा मैं आपकी प्रतिभा को कैसे जानूंगा?” वह फिर कभी किसी निर्माता के ऑफिस नहीं गई। उन्होंने किसी तरह की एक कला फिल्म की और फिर उस आदमी से शादी कर ली, जिसे उन्होंने अपने सचिव के रूप में मुझसे मिलवाया था (वह पहले से ही शादीशुदा था) और तब भगवान ही जानता है कि वह कहाँ गायब हो गई। ऐसे और भी अनगिनत मामले सामने आए हैं।

लगभग दो साल पहले, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वाले पुरुषों को बेनकाब करने के लिए मी टू मूवमेंट नाम से एक आंदोलन चला था, लेकिन ऐसा लगता था कि आंदोलन को उन्हीं पुरुषों की ”मदद” से नाकाम कर दिया गया था, जो पुलिस की मदद से बेनकाब हुए थे। ....

अगर कोई एक ऐसा आधार है जिस पर सबसे अधिक शोषण होता है तो वह है पैसे का। कोई भी फिल्म निर्माता तब तक आसानी से पैसा नहीं लगाता जब तक कि आप एक बड़ा नाम, एक स्टार या सुपरस्टार नहीं बन जाते। छोटे नाम को शायद ही इतना भुगतान किया जाता है कि वह आग लगा सके। उनके पेट में जा रहे हैं और यहां तक कि उन्हें जो भुगतान किया जाता है वह इस तरह से किया जाता है कि वे भिखारी की तरह दिखते हैं। हमेशा संघर्षरत अभिनेता के गॉडफादर होने का दावा करने वाले महेश भट्ट ने अपने साथ काम करने वाले किसी कलाकार को शायद ही कभी भुगतान किया हो। अपने अभिनेताओं का शोषण करने के भट्ट के तरीके का सबसे प्रमुख उदाहरण अनुपम खेर है।

महेश ने अनुपम को ”सारांश” में अपना पहला बड़ा ब्रेक दिया था जिसने अनुपम को एक तरह का स्टार बना दिया था। अनुपम अगले दस वर्षों तक महेश द्वारा निर्देशित कई अन्य फिल्मों में काम करते रहे, तब तक वह लाखों रुपये की मांग करते हुए एक बहुत बड़े स्टार बन गए थे। जब महेश

ने एक और फिल्म करने के लिए कहा, तो अनुपम ने अपना पैर नीचे रखा और महेश से कहा, "मुझे अपना ब्रेक देने के लिए आपकी दया के लिए मैंने भुगतान किया है, लेकिन आपको पता होगा कि मुझे भुगतान करना होगा"। महेश चुप हो गया और अनुपम के साथ फिर कभी काम नहीं किये। अन्य अभिनेताओं में से जिन्होंने महेश से इस तरह का व्यवहार किया और उनके साथ काम करना बंद कर दिया, जहां अनु अग्रवाल, राहुल रॉय, मनोज वाजपेयी और आशीष विद्यार्थी और सूची जारी है ...

पैसे के मामले में लेखकों के साथ हमेशा बुरा व्यवहार किया जाता है। उन्हें किश्तों में एक मामूली राशि का भुगतान किया जाता है और कभी–कभी उन्हें महीनों और वर्षों तक अपने पैसे का इंतजार करना पड़ता है और उनमें से कुछ भूख से मर भी जाते हैं। यह दर्दनाक है लेकिन यह बहुत सच है।

अस्सी के दशक में, उद्योग को सचमुच अंडरवर्ल्ड, डॉन और प्रमुख तस्करों ने अपने कब्जे में ले लिया था। यह एक समय था जब अंधेरी दुनिया के इन नागरिकों ने फैसला किया कि कौन से सितारे किस निर्देशक के साथ काम करेंगे, किसको कितना पैसा दिया जाएगा और सितारे किस फिल्म को कितना समय देंगे। इस तरह की "दादागिरी" एक नई ऊंचाई पर पहुंच गई जब भगोड़े डॉन दाऊद इब्राहिम ने ऋषि कपूर को फोन किया और उन्हें अपनी भतीजी करिश्मा कपूर के साथ रोमांटिक लीड करने के लिए कहा और ऋषि एक आघात के माध्यम से जीवित रहे। एक अन्य डॉन के हस्तक्षेप से यह पेचीदा मामला सुलझ गया। यह वह समय भी था जब फाइनेंसर और हीरा व्यापारी भरत शाह, यश चोपड़ा, राकेश रोशन और समीर हिंगोरा के जीवन पर प्रयास किए गए थे, जो फिल्मों के निर्माण में भागीदार थे, हनीफ कड़ावाला को दो अन्य बड़े नामों की तरह व्यापक दिन के उजाले में गोली मार दी गई थी। उद्योग, गुलशन कुमार और मुकेश दुग्गल। प्रोड्यूसर गुलशन राय के बेटे राजीव राय से 'मोहरा' फिल्म बनाई, उसने हिरोइन सोनम से शादी कर ली, अंडरवर्ल्ड से धमकी मिली और पूरा परिवार भारत छोड़कर विदेश में बस गया।

SINESS EN
MOTION P

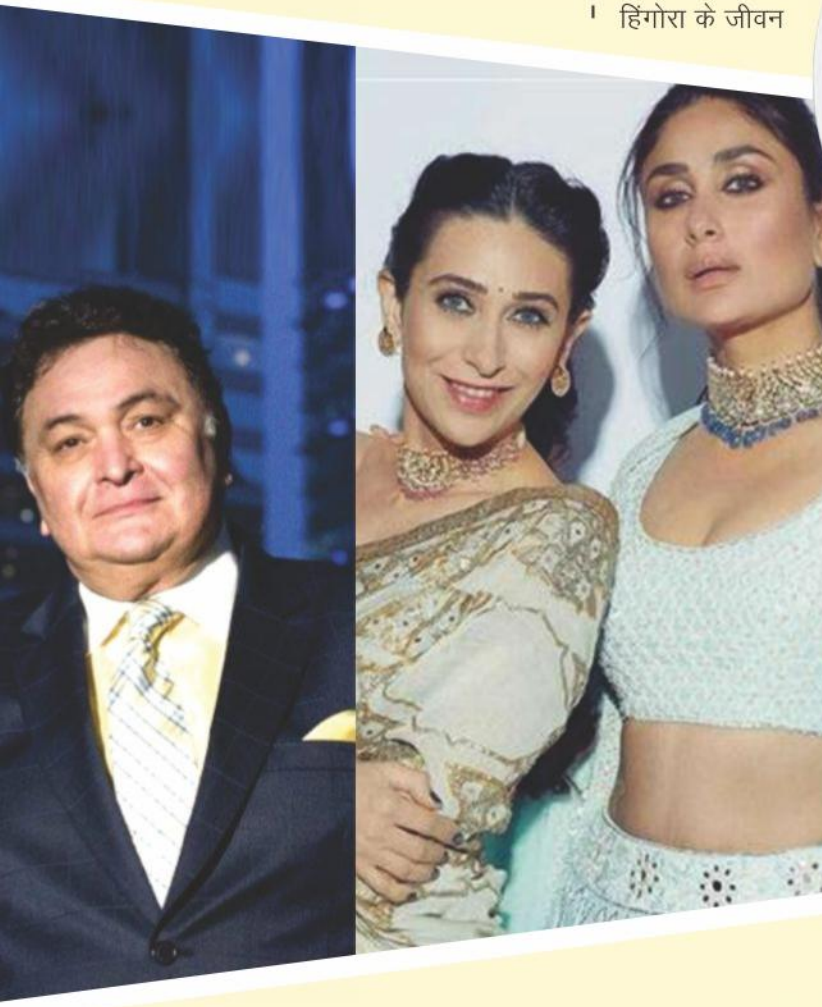

दो अन्य दबाव जो हमेशा उद्योग को पीड़ितों की तरह मानते रहे हैं, वे हैं विभिन्न दलों के राजनेता और पुलिस। उनकी "दादागिरी" अभी भी जारी है और उद्योग ने इसे जीवन के तरीके के रूप में लेना सीख लिया है।

ऐसे समय होते हैं जब उद्योग को भीतर से शत्रुओं से निपटना पड़ता है और सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु के बाद यही हो रहा है।

इंडस्ट्री हो या आप चाहें तो इसे बॉलीवुड कह सकते हैं, जिस तरह के डरावने माहौल में आज हर कोई हर किसी के साथ अवमानना और संदेह के साथ व्यवहार कर रहा है, उस तरह के डरावने माहौल में कभी नहीं रहा .....

Deepika Padukone

Palak Tiwari

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

अगर ये फिल्म नहीं चली तो सब गड़बड़ हो जायेगा

–राकेश रोशन

संगीतकार रोशन एक ऐसे शख्स का नाम है जो किसी पहचान के मोहताज नहीं है. फिल्म अनहोनी, बरसात की रात, ताज महल, चित्रलेखा, अनोखी रात आदि ऐसी दर्जनों फ़िल्में हैं जिनमें रोशन का संगीत बहुत लोकप्रिय हुआ है. संगीतकार रोशन के दो बेटे हुए, राकेश और राजेश. उनके बड़े बेटे राकेश का जन्म 6 सितम्बर को 1949 में जब हुआ तब रोशन की माली हालत ज़्यादा अच्छी नहीं थी। लेकिन राकेश के होने के बाद उनके हालात धीरे–धीरे सुधरने लगे। कुछ फ़िल्में चलने लगीं।

राकेश रोशन जब पुणे कॉलेज में थे, तब उन्हें ख़बर मिली की उनके पिता नहीं रहे। ये समय राकेश रोशन के लिए बहुत मुश्किल था। उनके पास उनके छोटे भाई की ज़िम्मेदारी भी थी और आँखों में सपने भी बहुत बड़े थे। उन्होंने पहला निर्णय लिया कि अपनी पढ़ाई छोड़ दी और फिल्मकार एचएस रवैल के चौथे असिस्टंट के रूप में काम करना शुरु कर दिया। समय बीता और कुछ ही महीनों में राकेश रोशन चौथे नंबर से चीफ असिस्टंट तक

Ghar Ghar Ki
Kahani

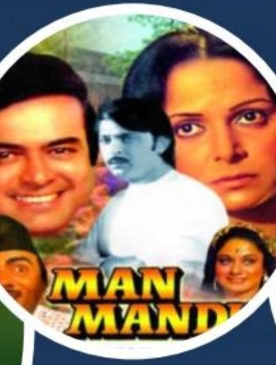

पहुँच गये। हालाँकि वह अपने इस काम से कोई ख़ास खुश नहीं थे। एक रोज़ जुबिली कुमार के नाम से मशहूर राजेंद्र कुमार ने राकेश रोशन की जाने कौन सी बात नोट की और पूछ बैठे "तुम सच सच बताओ तुम डायरेक्शन करना चाहते हो या एक्टिंग? क्योंकि तुम्हारा चेहरा और हाव भाव तो बिल्कुल एक्टर्स वाले हैं"

ऐसे डायरेक्ट हुए सवाल से राकेश रोशन खुद को रोक न पाए और बोल बैठे कि वह तो एक्टिंग ही करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें कोई रास्ता नहीं मिल रहा।

तब राजेंद्र कुमार ने अपने बूते उन्हें फिल्म 'घर घर की कहानी' में बलराज साहनी के साथ सपोर्टिंग रोल दिलवा दिया। यहाँ से राकेश रोशन के सपोर्टिंग रोल्स की शुरूआत हो गयी। इसके बाद मन मंदिर, बुनियाद, त्रिमूर्ति, ज़ख़्मी, प्रियतमा आदि फिल्मों में राकेश रोशन सपोर्टिंग कास्ट के रूप में आते रहे और दर्शकों द्वारा पसंद भी किए जाते रहे लेकिन राकेश खुद अपनी इस सपोर्टिंग एक्टर वाली इमेज से खुश नहीं थे.

फिल्म आँखों–आँखों में और आँख मिचोली जैसी फिल्मों में राकेश रोशन ने लीड रोल भी किया लेकिन बात नहीं बनी।

फिल्म आंगन की कली (1979) में राकेश रोशन की तारीफ तो हुई, पर फिल्म ज़्यादा न चल सकी सो राकेश रोशन फिल्म प्रोडक्शन में उतर आए। उनको लगा कि फिल्मों में प्रोडूसर से ज़्यादा दबदबा तो किसी का नहीं होता है, सो यहाँ उन्हें अपनी मर्ज़ी से कुछ करने का बेहतर मौक़ा मिल सकता है।

1980 में उनकी पहली प्रोडूसर की हुई फिल्म रिलीज़ हुई 'आप के दीवाने', इस फिल्म में उनके दोस्त ऋषि कपूर भी थे। लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुँह गिरी। इसके बाद राकेश रोशन ने दो साल के बाद 1982 में एक फिल्म प्रोडूस की – कामचोर। यह फिल्म फ्लॉप तो नहीं हुई, पैसा भी ठीक ठाक कमाने में कामयाब हो गयी लेकिन राकेश रोशन अपनी एक्टिंग स्किल से संतुष्ट न हुए। 1987 में उन्होंने पहली बार फिल्म खुदगर्ज़ से डायरेक्शन में हाथ आजमाया। तब वह शादी कर चुके थे। फिल्म की रिलीज़ से पहले अपनी पत्नी पिंकी से बोले "अगर ये फिल्म नहीं चली तो बहुत गड़बड़ हो जायेगी"

पर कहते हैं न कि जब इरादे पक्के हों और सोच बुलंदी छूने के लिए आतुर हो तो भला किस्मत कबतक तंग कर सकती है। यही राकेश रोशन के साथ भी हुआ। खुदगर्ज़ अच्छी हिट हुई और राकेश रोशन अभिनेता और निर्माता की इमेज से इतर, एक बेहतरीन डायरेक्टर के रूप में पहली बार जाने गये। इसके बाद उन्होंने अपनी दोस्त 'रेखा' के साथ एक ऐसी वीमेन सेंट्रिक फिल्म बनाई, जो उस दौर में अजूबा थी. फिल्म का नाम था 'खून भरी मांग' और इसमें राकेश रोशन खुद भी एक इम्पोर्टेन्ट रोल कर रहे थे।

यह फिल्म सिल्वर स्क्रीन पर ब्लॉकबस्टर हुई और राकेश रोशन की फिल्मों में उनके भाई राकेश रोशन का म्यूजिक भी सुपर डुपर हिट हुआ। फिर काला बाज़ार, किशन कन्हैया, किंग अंकल, करन अर्जुन, आदि एक से बढ़कर एक ब्लॉकबस्टर फ़िल्में राकेश रोशन ने बनाई और 90 के दशक में स्टार फिल्ममेकर बनकर उभरे। फिल्म करन अर्जुन के लिए उन्हें बेस्ट एक्शन और एडिटिंग का फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला.

सिर्फ 'क' से फिल्में बनाने के मशहूर राकेश रोशन जब शाहरुख़ खान को दोबारा लाकर 'कोयला' फिल्म में लाये, तो सबकी उम्मीदें इस फिल्म से भी बहुत बढ़ गयीं। लेकिन बाकी फिल्मों की तरह कोयला ऐसा कोई कमाल न कर सकी।

इसके बाद राकेश रोशन पर अपने बेटे रितिक को लॉन्च करने की ज़िम्मेदारी आ पड़ी। राकेश ने पूरे जतन से एक रोमांटिक रिवेंज फिल्म की स्क्रिप्ट

AANGAN
KI KA

V. FILM'S
KHMEE

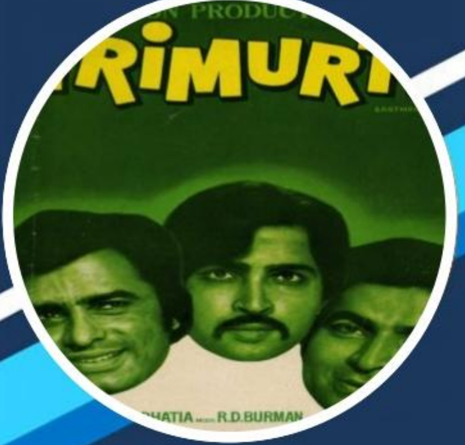

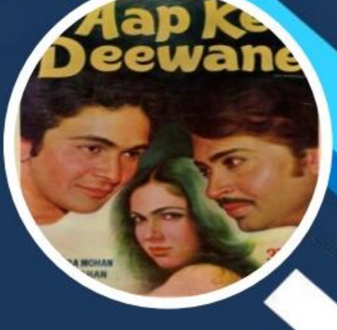

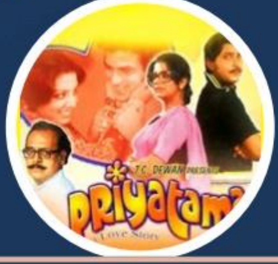

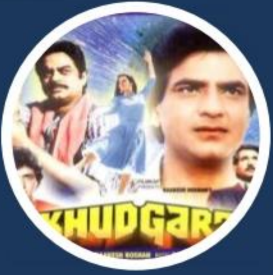

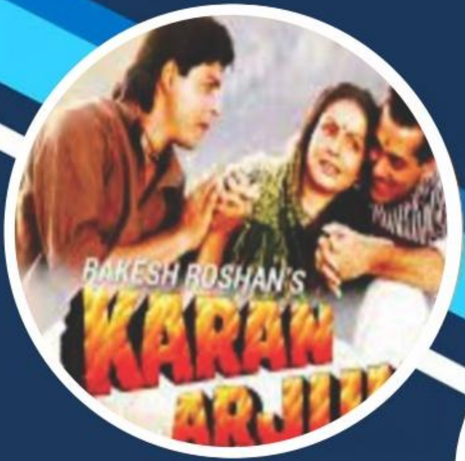
RAKESH ROSHAN'S
KARAN
ARJU

RAKESH ROSHAN'S
NG UNC

KISHEN
NHAIYA

लिखी और उसमें डबल रोल का तड़का डालकर सन 2000 में रिलीज़ किया। यह फिल्म थी 'कहो न, प्यार है'

अमीषा पटेल और ऋतिक रोशन, दोनों की ही ये पहली फिल्म थी और दोनों ही पहली फिल्म से दर्शकों को अपना दीवाना बना गये। फिल्म सुपर–डुपर हिट हुई और यहीं से राकेश रोशन ने सिर्फ अपने बेटे रितिक के लिए ही फ़िल्में बनाने लगे।

कहो न प्यार है के बाद हॉलीवुड साइंस फिक्शन फिल्म ई.टी. की रीमेक 'कोई मिल गया' में भी राकेश रोशन ने अपने बेटे ऋतिक को ही लिया और यहाँ से बॉलीवुड में पहली बार एक सुपर हीरो फिल्म की नींव पड़ी.

कोई मिल गया में, अपने वादे के मुताबिक राकेश रोशन ने अपनी दोस्त रेखा को भी एक अहम रोल दिया.

इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवार्ड ही नहीं, नेशनल अवार्ड से भी नवाज़ा गया।

राकेश रोशन की बदौलत ऋतिक रोशन ने अपने कैरियर की शुरूआत एक ऐसी ऊँचाई से की कि तबसे लेकर आज तक उंनका ग्राफ बढ़ता ही गया, इसमें कमी न आई. कृष, कृष 2, काबिल आदि जो भी फिल्म उन्होंने अपने बेटे को लेकर बनाई, वो सुपरहिट रही.

A RAKESH ROSHAN FILM
KRRISH 3

KOI...
MIL GAYA

Kaho Naa...
Pyaar Ha

मगर 2018 में राकेश रोशन के डॉक्टर्स ने बताया कि वह थ्रोट कैंसर की फर्स्ट स्टेज पर हैं. उन्होंने इस ख़बर को भी ऐसे लिया जैसे रोज़ मर्रा की बात थी और उन्हें यकीन था कि वह कैंसर को पछाड़ सकते हैं. हुआ भी यही.

राकेश रोशन ने तुरंत सिगरेट छोड़ दी पर शराब के नाम पर बोले कि "शाम को दो पेग लिए बिना नहीं सोता, क्या है कि इससे मैं मेंटली फिट महसूस करता हूँ, फिर कैंसर से जीतने के लिए भी तो यही ज़रूरी है न, दिमागी रूप से सशक्त रहना"

उनकी लेटेस्ट पीईटी स्कैन रिपोर्ट में आया था कि वह अब पूरी तरह ठीक है.

अपने 45 साल पुराने दोस्त ऋषि कपूर को भी एक वक़्त उन्होंने सलाह दी थी कि वह जबतक पूरी तरह स्वस्थ न हो जायें, तबतकसेहत को लेकर कोई लापरवाही न करें, पर वो नहीं माने.

वहीँ ऋषि के विपरीत राकेश रोशन ने अपना दिनचर्या बिल्कुल बदल दिया. वह रोज़ कसरत करने लगे, सुबह जल्दी उठने लगे. सारे कामों से तौबा कर सिर्फ और सिर्फ अपनी सेहत पर ध्यान दिया और अब पूरी तरह ठीक होकर, रितिक रोशन के साथ ही कृष्ण 4 बनाने की तैयारी में हैं.

आज 72 वर्ष के हुए ग्रेट फिल्ममेकर राकेश रोशन को जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई. हम आशा करते हैं कि वह यूँहीं स्वस्थ रहें और सिनेमा में अपना योगदान देते रहें.

LOVE
OM
OM
OM

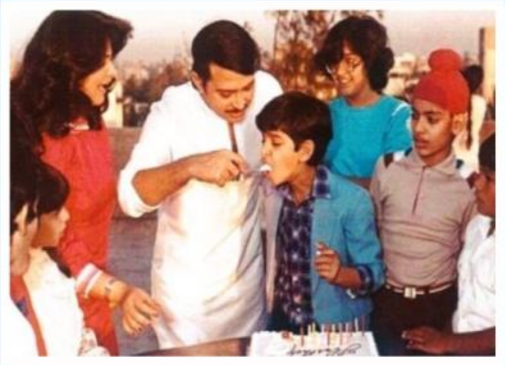

EST 1892
A & F
NEW YO
POLO

'मेरी माँ अमृता सिंह इस बारे में मार्गदर्शन करती हैं कि मुझे किस तरह की लिपस्टिक देखनी चाहिए और जो रंग मैं चुनती हूँ वह अच्छा है या नहीं, लेकिन मेरे काम में बिल्कुल भी हस्तक्षेप नहीं करती है'

सारा अली खान

ज्योति वेंकटेश

सारा अली खान ने इस साक्षात्कार में **ज्योति वेंकटेश** को नम्रता से बताया कि वह खुद को एक नवागंतुक मानती हैं, हालांकि उन्होंने लगातार दो हिट फिल्में दी हैं –**केदारनाथ और सिम्बा** सिर्फ एक महीने की अवधि में।

सारा ने स्वीकार किया कि सिम्बा में उनकी भूमिका केदारनाथ में उनकी पहली भूमिका की तुलना में छोटी थी! "सिम्बा में मेरी भूमिका छोटी थी लेकिन तब मैं फिल्म में वास्तविक जीवन की तुलना में शांत थी। फिल्म में कलाकारों की टुकड़ी थी और मैंने फिल्म में एक पुलिस वाले की बेटी की भूमिका निभाई थी। उसकी ज़िंदगी मेरी ज़िंदगी से बिल्कुल अलग थी। मुझे पुलिस की दुनिया के साथ आसानी से घुलमिल कर और पुलिस के लिए कैटरिंग सर्विस चलाकर इसे एक जीवंत किरदार बनाना था।"

सिम्बा में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, सारा ने कहा, "हालांकि व्यवहार के लिहाज से, यह एक शांत चरित्र था, वह भीतर से बहुत मजबूत थी। वह एक प्यारी लड़की थी जो मुठभेड़ों पर एक या दो टिप देने में सक्षम थी और यहां तक कि सख्त पुलिस वालों को भी गोली मार देती थी।

सारा का तर्क है कि उनका मानना है कि हर फिल्म जो एक अभिनेता के रूप में करने के लिए तैयार होती है, वह अपने आप में एक पूरी तरह से अलग अनुभव होता है। वह आगे कहती हैं, "सेट पर किसी फिल्म के प्रोमो और वास्तविक शूटिंग के दौरान आप अलग महसूस करते हैं। एक मिनट के लिए भी मुझे कभी नहीं लगा कि यह मेरे लिए केक वॉक है और इसके विपरीत मुझे लगा कि सिम्बा में केदारनाथ के बाद मुझ पर अधिक दबाव है, हालांकि तब तक मैं एक अभिनेत्री बन चुकी थी। केदारनाथ के बाद दर्शकों से मुझे जो प्यार और स्नेह मिला, उसे मैं हमेशा बनाए रखना चाहती हूं। मुझे लगता है कि केदारनाथ के बाद मुझे डिग्री दी गई है, लेकिन सिम्बा के बाद भी पहला अध्याय खत्म नहीं हुआ है।

वह खुद को एक लकी एक्ट्रेस बताती हैं। "मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं। मुझे सहज नायिकाओं की उम्मीद नहीं थी। केदारनाथ की शूटिंग के दौरान मैंने कई उतार–चढ़ाव देखे हैं। मुझे याद है कि मैं काम की तलाश में कई बार रोहित शेट्टी के ऑफिस जाती थी। उन्होंने सोचा कि मैं अपनी माँ और मैनेजर के साथ उनसे मिलने जाऊँगी, लेकिन मैंने हाथ जोड़कर अकेले जाकर उसे पूरी तरह से चौंका दिया।

मैं सारा को बीच में रोकती हूं और उसे याद दिलाती हूं कि यह **अभिषेक कपूर** उर्फ गट्टू था जिसने रोहित शेट्टी को सिम्बा सौंपने से पहले ही केदारनाथ के साथ उसे बड़ा ब्रेक दिया था। वह चुटकी लेती है, "मुझे सिम्बा आसानी से चांदी की थाली में नहीं मिली! मैं गट्टू सर का आभारी हूं क्योंकि उन्होंने मुझे केदारनाथ में कास्ट करने की पेशकश की थी, लेकिन मैं रोहित शेट्टी सर की भी आभारी और हमेशा आभारी रहूंगी, जिन्होंने मुझे केदारनाथ में मेरे प्रदर्शन को देखे बिना भी काम दिया। मुझे अपना पहला प्रस्ताव बहुत आसानी से मिल गया लेकिन दूसरी बार देने में निश्चित रूप से बहुत दबाव था"।

इस बारे में बात करते हुए कि रोहित शेट्टी और रणवीर सिंह एक दूसरे से कैसे अलग हैं, सारा कहती हैं कि **रोहित शेट्टी** सर और **रणवीर सिंह** निस्संदेह आज हमारे देश के सबसे बड़े सितारे हैं, खासकर सिम्बा की अभूतपूर्व सफलता के बाद, लेकिन उन्होंने स्पष्ट रूप से उन्हें कभी भी बड़े सितारे के रूप में नहीं सोचा। सेट पर क्योंकि दोनों सेट पर एक–दूसरे के साथ बहुत सच्चे प्यार से पेश आते थे। सारा आगे कहती हैं, "क्या आप विश्वास कर सकते हैं कि रणवीर नियमित रूप से मॉनिटर को देखते थे लेकिन कभी संतुष्ट नहीं होते थे? वह अपने खर्चे पर पूरे दल को

आइसक्रीम खिलाते थे। मुझे नहीं लगता कि कोई रोहित सर या रणवीर को बुरा–भला कहेगा। जब मैंने आंख मारे ओ लडका गाने की शूटिंग की, जिसे गणेश आचार्य मास्टर जी ने कोरियोग्राफ किया था, तो मुझे लगता था कि मैं काम के बाद हर दिन एक मस्ती भरी पार्टी के बाद घर वापस जा रही हूं।

सारा को याद है कि सिम्बा के सेट पर वे सभी डबल शिफ्ट में काम करते थे लेकिन एक भी शख्स यह नहीं कहता था कि शिफ्ट खत्म होने पर वह थक गए हैं। "मुझे याद है कि स्विटज़रलैंड में कड़ाके की ठंड थी और हम लोकेशन पर कैमरे का सामना करते हुए कांप रहे थे। यह वही था जो मैं कड़ाके की ठंडी कहूंगी लेकिन रणवीर दो बार शूटिंग कर रहे थे, लेकिन उन्होंने कभी बड़बड़ाया या कहा कि वह थक गए थे। रणवीर अपनी ऊर्जा बर्बाद नहीं करते बल्कि उसे सहेज कर रखते हैं। मुझे रोहित सर के सेट पर किसी और मेंटर की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि मैं रणवीर को सेट पर काम करते देखकर ही उनसे सीखती रहती थी। फिल्म **लाइट बॉय** और **स्पॉट बॉय** की समान रूप से संबंधित है क्योंकि यह रोहित सर, रणवीर या मेरा है। कई सदियों पहले, मेरे परदादा अपने राज्य में महाराजा थे, लेकिन आज मेरी राय है कि रोहित शेट्टी सर अकेले ही अपने आप में एक महाराजा हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या उनके परिवार में कोई उनका कट्टर आलोचक है, सारा ने स्वीकार किया कि ईमानदारी से उनके परिवार में कोई भी उनके प्रति आलोचनात्मक नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं खुश हूं कि किसी ने मुझ पर दबाव नहीं डाला। वे मेरे काम को निष्पक्ष रूप से नहीं देख सकते क्योंकि मैं परिवार का अभिन्न अंग हूं। सारा ने इस तथ्य को खारिज कर दिया कि वह अपनी सौतेली मां **करीना कपूर** के रूप में संबोधित करने के लिए निकलती है और चुटकी लेती है कि वह उसकी उत्साही प्रशंसक है और कभी भी उसे पू के रूप में बुलाने के लिए खुद को नहीं ला सकती है और केवल उसे करीना कहती है, पू नहीं।

सेट पर अपने काम के प्रति अपने दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए, सारा कहती हैं कि उन्हें लगता है कि वह अब भी बहुत नई हैं, हालांकि वह पहले से ही तीन फिल्में पुरानी हैं क्योंकि उनके पास काम का ज्यादा अनुभव नहीं है या बात करने के लिए कोई तरीका नहीं है क्योंकि उन्होंने ऐसा नहीं किया है। अलग–अलग निर्देशकों के साथ अलग–अलग फिल्में कीं। "मैं सिर्फ अपने विश्वास पर काम करती हूं। अगर मैं आश्वस्त नहीं हूं तो मैं किसी फिल्म में काम नहीं कर पाऊंगी। और जैसा कि मैं सभी फिल्में देखती हूं, मैं भी खुद को एक उत्साही सिनेगोअर मानती हूं। लगातार एक नहीं बल्कि दो फिल्मों में काम करने के बाद, अब मुझे एहसास हुआ है कि अलग–अलग फिल्में अभिनेताओं को अलग–अलग तरह की चुनौतियां देती हैं और एक्शन और कट के बीच एक पूर्ण प्रदर्शन देना बिल्कुल भी आसान नहीं है।

सारा ने कबूल किया कि खुलकर आज तक हर अभिनेता ने उन्हें प्रेरित किया है। "मुझे एक विशेष नाम कहने में डर लगता है क्योंकि मैं प्रेरित हूं लेकिन उनके जैसी नहीं बन सकती। मैंने **श्रीदेवी** को देखा और प्रभावित किया है क्योंकि उन्होंने हमेशा सदमा और चालबाज की तरह अलग–अलग तरह के किरदार किए हैं। मैं भी शबाना आज़मी का प्रशंसक हूं और उनकी अर्थ, स्पर्श और मासूम जैसी फिल्में देखी हैं, लेकिन साथ ही मैं यह नहीं कह सकता कि मैं उनसे प्रेरित हूं क्योंकि मैं अभी तक उनकी महान ऊंचाइयों तक नहीं पहुंच सकती।

सारा का कहना है कि उनकी मां अमृता सिंह का सपना है कि वह देखें कि उनका बेटा या बेटी आज हर मां की तुलना में जीवन में कितनी सफल है। "मेरी माँ मेरी बहुत मदद करती है। वह मुझे इस बारे में मार्गदर्शन करती हैं कि मुझे किस तरह की लिपस्टिक देखनी चाहिए और मैं जो रंग चुनती हूं वह अच्छा है या नहीं, लेकिन यह मेरे काम में बिल्कुल भी हस्तक्षेप नहीं करती है। जैसे उसने मुझे जीवन में लाने के लिए बहुत संघर्ष किया है, मैं जहां भी जाऊं वह मेरे साथ क्यों जाए? अगर मैं एक अभिनेता के बजाय एक डॉक्टर होता, तो क्या आपको लगता है कि मैं जहाँ भी जाती मेरी माँ मेरे साथ होती?"

सारा इस बात से सहमत हैं कि आज उनके और **जान्हवी कपूर** जैसे अन्य नए लोगों के बीच बहुत तुलना है। "नवोदित कलाकार होने के नाते, मैं उस दबाव को समझता हूं जो एक नवोदित अभिनेत्री के साथ होता है। मैंने धड़क देखी है और मुझे कहना चाहिए कि जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर शानदार थे। हालांकि मीडिया हमें एक–दूसरे के खिलाफ खड़ा करना पसंद करता है, लेकिन सच्चाई यह है कि जाह्नवी और मैं एक–दूसरे के साथ बहुत सहज हैं और हम समझते हैं कि जो लोग हमारी तुलना करते हैं, वे दिन के अंत में अपना काम खुद कर रहे हैं। (हंसते हुए)

"**दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत और रणवीर सिंह** के साथ काम करते हुए यह एक अलग अनुभव था। सुशांत सिंह राजपूत ने मेरे गुरु के रूप में अधिक भूमिका निभाई क्योंकि केदारनाथ मेरी पहली फिल्म थी, जबकि सिम्बा में काम करते समय, रणवीर मेरी प्रेरणा के रूप में बहुत मददगार थे, "सारा कहती हैं, जो यह बताने में संकोच नहीं करती हैं कि मीडिया ने हमेशा उनके साथ गर्मजोशी से व्यवहार किया है। उसे और उसके बारे में अच्छी बातें भी लिखीं। "लोगों को लगता था कि वह बहुत घमंडी और अभिमानी है और उन्हें बिल्कुल भी समय नहीं देती है, लेकिन ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें लगता है कि एक अभिनेता और एक जोकर होने में बहुत अंतर है।

सुशांत सिंह राजपूत और रणवीर सिंह जैसे अभिनेताओं के साथ अभिनय करने के बाद, सारा का कहना है कि आज वह उद्योग में हर अभिनेता के साथ काम करना चाहती हैं, चाहे वह सलमान खान हों। या आमिर, शाहरुख या वरुण धवन, रणबीर कपूर और अक्षय कुमार। "मुझे बिल्कुल भी अहंकार नहीं है और हाथ जोड़कर हर किसी के दरवाजे पर दस्तक देने में कोई आपत्ति नहीं होगी। मुझे लगता है कि हालांकि केदारनाथ की सराहना की गई और सिम्बा एक बड़ी हिट है, मैं अपने दिल में जानता हूं कि मैं कोई नहीं हूं और इसलिए मुझे यह भी पता है कि जब मैं काम की तलाश करती हूं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि मैं भीख मांग रहा हूं। ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि एक निश्चित बिंदु से परे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी दो फिल्में एक के बाद एक सिर्फ दो सप्ताह के अंतराल के साथ रिलीज होती हैं। बात यह है कि आपको कड़ी मेहनत करनी होगी और आपके हाथ में कुछ भी नहीं है चाहे वह आपके बाल हों, आपके डायलॉग हों या फिर आपकी फिल्म की रिलीज डेट हो। सच कहूं तो, अगर मैं अपने चरित्र के बारे में आश्वस्त हूं, तो मैं किसी भी तरह की भूमिका निभाने के लिए खेल हूं, लेकिन मुझे अभी भी लगता है कि मैं यह जानने के लिए बहुत कच्चा हूं कि मेरा तरीका क्या है। अगर मैं कोई गलती करती हूं, तो भी मैं चाहती हूं कि यह मेरी अपनी गलती हो क्योंकि मैं अपनी गलतियों से सीखना चाहती हूं और अपने शिल्प में सुधार करना चाहती हूं।

सारा ने एक उत्कर्ष के साथ हस्ताक्षर किया "मैं आज भी चार फिल्मों–**केदारनाथ, सिम्बा, लव आज कल और कुली नंबर 1** में काम करने के बाद भी खुद को एक नवागंतुक मानती हूं, लेकिन मैं स्वीकार करती हूं कि यूएसए में पढ़ाई करने के बाद अब अंग्रेजी मुझे सीमित कर रही है। "चूंकि मैं हिंदी फिल्मों में काम करती हूं, मेरी कोशिश हिंदी में सोचने की है न कि अंग्रेजी में। आज के नवागंतुकों को मेरी सलाह है कि वे सेट पर जाने से पहले अपनी भाषा पर काम करें।

बेटी सारा अली खान और माँ अमृता सिंह के बीच बेहद गहरा रिश्ता

–ज्योति वेंकटेश

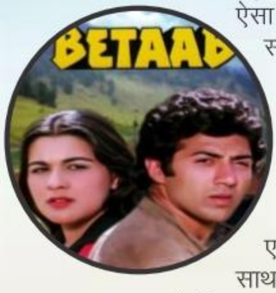

पहली बार जब मैं प्यारी और खूबसूरत सारा अली खान से मिला था, जब उनकी मां अमृता सिंह सारा के साथ आई थीं, जब वह पीवीआर जुहू में एक विदेशी फिल्म देखने के लिए सिर्फ आठ साल की थीं और मैं फूड काउंटर पर उनसे टकरा गई थी। आठ साल की बच्ची शरारतों की गठरी थी और मुझे यकीन था कि एक दिन ऐसा आएगा जब वह बड़े पैमाने पर स्टारडम की ओर आकर्षित होगी।

जब अमृता उर्फ डिंगी ने 1984 में 'बेताब' में सनी देओल के साथ एक नायिका के रूप में अपनी शानदार शुरुआत की थी, तो मैं उन कुछ पत्रकारों में से एक था, जिन्हें सनी देओल के साथ–साथ उनका साक्षात्कार करने के लिए आमंत्रित किया गया था। सारा अली खान की तरह अब अमृता भी क्यूट थीं लेकिन थोड़ी उबड़–खाबड़ थीं। मेरी दिवंगत दोस्त देवयानी चौबल की बदौलत, जो अमृता सिंह की मां सुल्ताना की सबसे अच्छी दोस्त थीं, मैं निजी और पेशेवर दोनों पार्टियों में अमृता से टकराती थी।

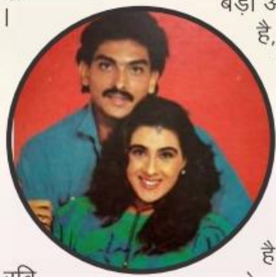

वास्तव में, मैंने उन्हें क्रिकेटर रवि शास्त्री के साथ खुलेआम छेड़खानी करते हुए देखा था, यहां तक कि उस समय भी जब उनके 'बेताब' सनी देओल में अपने प्रमुख व्यक्ति के साथ भाग जाने की अफवाह थी, लेकिन अमृता ने मुझसे कहा था कि मुझे बड़ा शोर नहीं करना चाहिए इसके बारे में क्योंकि वह सनी के साथ या रवि के लिए बिल्कुल भी गंभीर नहीं थी। और वह सही साबित हुई जब मुझे पता चला कि उसने सैफ अली खान से गुपचुप तरीके से शादी कर ली है

सारा अली खान की मां अमृता का सारा और 'केदारनाथ' में उनके अभिनय पर क्या कहना है। बेहद उत्साहित अमृता कहती हैं कि उन्होंने फिल्म देखी थी और उनकी बेटी बहुत खूबसूरत है। उन्होंने दर्शकों से अपने बच्चे के लिए प्रार्थना करने का भी आग्रह किया।

'सिम्बा' के साथ फिल्मों में अपनी बेटी के प्रवेश पर अपने विचार साझा करने के लिए कहने पर, सैफ अली खान ने कहा, "मैं उसके लिए उत्साहित हूं। जब हम उसकी रिलीज के करीब पहुंचे, तो यह मेरी रिलीज की तरह था। मुझे बहुत विश्वास था कि वह अद्भुत होगा।"

किसी भी सुरक्षात्मक पिता की तरह, सैफ ने पहले सारा के फिल्म उद्योग में शामिल होने के फैसले के बारे में अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि इससे वह चिंतित हैं कि उसके किस तरह के रिश्ते होंगे और वह विफलता से कैसे निपटेगी।

सारा अली खान ने एक बार खुलासा किया था कि उन्हें अब तक की सबसे अच्छी सलाह उनकी मां अमृता सिंह से मिली थी। उसका सिर नीचे और जमीन पर रहने के लिए।

यह पूछे जाने पर कि उनका सबसे बड़ा आलोचक और स्टाइल गुरु कौन है, सारा अली खान ने कहा कि यह कोई और नहीं बल्कि उनकी मां अमृता सिंह हैं। सारा ने खुलासा किया कि उसकी माँ उसे अच्छा दिखने और अपना ख्याल रखने के लिए प्रेरित करती है। सारा कहती हैं, ''मेरी मां हमेशा मुझे खुद बनने के लिए प्रेरित करती हैं. वह कहती है कि हम जिस दुनिया में रहते हैं, उसमें आपके लिए किसी और के होने की कोई जगह नहीं है। आपको इस बात पर गर्व होना चाहिए कि आप कौन हैं और आप जैसे हैं वैसे ही बने रहें।" सारा अली खान और उनकी मां अमृता सिंह एक अद्भुत मां–बेटी के बंधन को साझा करते हैं।

जनवरी 2035, एक अदभुत अवॉर्ड समारोह दरिया के बीच, माउंट मधुबाला अवॉर्ड के लिए...

—अली पीटर जॉन

देश में किसी भी संख्या में पुरस्कार वितरित करने वाले विभिन्न संगठनों के सामने आने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, स्वर्ग में स्थापित फिल्म इंडस्ट्री ऑन अर्थ के शुभचिंतकों के समाज ने अपने स्वयं के पुरस्कार रखने का फैसला किया और पहला पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। **7 जनवरी 2035 को बांद्रा में समुद्र।**

सोसाइटी के पास पहले पुरस्कारों का फैसला करने के लिए एक बहुत ही प्रतिष्ठित ज्यूरी थी और ज्यूरी में दादा **साहब फाल्के**, अर्देशिर ईरानी, **डॉ वी शांताराम, केदार शर्मा, के एल सहगल, पृथ्वीराज कपूर, दुर्गा खोटे, नरगिस, राज कपूर, नूतन, देव आनंद और दिलीप कुमार** शामिल थे।

ज्यूरी के प्रतिष्ठित सदस्यों को गोल्डन ईगल पर पंखों के साथ समुद्र में कार्यक्रम स्थल तक ले जाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी और वे जल्द ही पृथ्वी से सितारों में शामिल हो गए, जो बिना किसी ड्राइवर या सुरक्षा के नावों को चलाने वाली छोटी नावों में कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे! गार्ड्स सेट आगे पुरस्कार समारोह **राज कपूर** के कला निर्देशक **एम आर आचरेकर** द्वारा बनाया गया था और सेट बिना किसी बंदूक के एक युद्ध जहाज जैसा दिखता था। **डेविड अब्राहम** को विशेष रूप से शो के एंकर के लिए आमंत्रित किया गया था और **दिलीप कुमार** ने अपने मिश्रण से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। अंग्रेजी, उर्दू और हिंदी और देव आनंद ने अभी—अभी मुस्कुराया था और दर्शकों को दीवाना बनाने के लिए अपनी बिना दांत वाली मुस्कान बिखेर दी थी।

यह जादुई था जब स्वर्ग और पृथ्वी के सैकड़ों संगीतकारों ने एक साथ मिलकर उस तरह के संगीत को बजाया जिसने पृथ्वी पर स्वर्ग को खुशी से झूमने पर मजबूर कर दिया।

यह माउंट **मधुबाला** अवॉड्र्स की पहली पुरस्कार रात थी और इसने केवल चार पुरस्कारों के साथ एक छोटी सी शुरुआत करने का फैसला किया!

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार **रणबीर कपूर और आलिया भट्ट** के बेटे को मिला और दर्शकों ने खड़े होकर युवा अभिनेताओं को तालियां बजाकर कहा कि उनका नाम भी **राज कपूर** था।

तब सनसनी मच गई जब **रणबीर और आलिया** को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया।

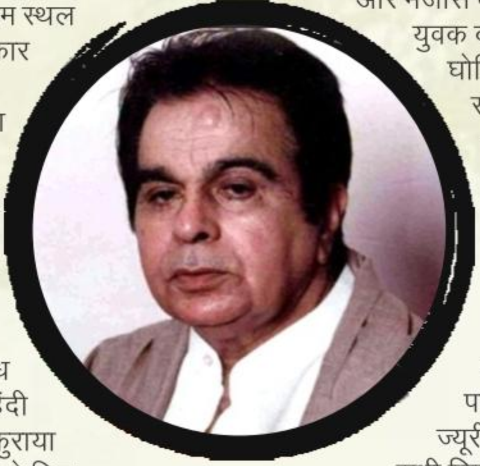

एक और बड़ा आश्चर्य तब हुआ जब धारावी के एक झुग्गी—झोपड़ी में रहने वालों को सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का पुरस्कार घोषित किया गया और मजास वाडी के एक युवक को पुरस्कार घोषित किया गया। सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशक पुरस्कार के विजेता।

अब और पुरस्कार नहीं दिए जाने थे और समापन तक पहुंच गया जब पूरी ज्यूरी और पृथ्वी के सभी सितारों ने मंच पर एक साथ नृत्य किया, जो सोने और चांदी की कंफर्ट से ढके समुद्र पर तैरता रहा।

और अतीत की तरह, **दिलीप कुमार** ने अपने शब्दों में जादू के साथ फिर से सुर्खियां बटोर लीं, जब उन्होंने प्रसिद्धि और धन खोजने की खोखली खोज की तुलना में फिल्मों में अधिक गुणवत्ता वाली सामग्री की आवश्यकता के बारे में बात की, जो उन्होंने कहा कि यह सबसे अच्छा समाधान नहीं था। धीरे—धीरे लेकिन निश्चित रूप से उस गंदगी से फिल्मों में आने के लिए. उस रात स्वर्ग के रास्ते में और पुराने 5—सितारा होटलों की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर ट्रैफिक जाम था और कई पुराने सितारे अपना रास्ता खो रहे थे और ढाबों और चिलिया होटलों में रात बिताना पसंद करते थे जहाँ वे कभी उनकी पसंदीदा बिरयानी, रुमाली रोटी और कटी हुई चाय हुआ करती थी।

क्या हमारे पास फिर कभी इस तरह की पुरस्कार रातें होंगी?

शुक्रिया

नमस्कार

शिवोहाम्

हम होंगे कामयाब, क्या हम होंगे कामयाब?

– अली पीटर जॉन

जब **"जुबली स्टार" राजेंद्र कुमार** ने 1981 में अपने बेटे **कुमार गौरव** के साथ **'लव स्टोरी'** का निर्माण किया, तो उन्हें कम ही पता था कि, वह एक ऐसा चलन शुरू कर रहे हैं जो आसानी से खत्म होने वाला नहीं है!

यह चलन आज भी जारी है और सितारों के बेटे और बेटियां यहां तक कि दूर के रिश्तेदार भी फिल्मों में अपनी शुरुआत करने की कोशिश करते हैं, हालांकि उनमें से कई सफल नहीं होते हैं। सफल न होने के कई मामले हैं, लेकिन फिर भी हार नहीं मानते....

सबसे ताजा मामला जो दिमाग में आता है वह दो भाईयों **अरमान जैन और अदार जैन** का है, जो कपूर खानदान के कपूर भाईयों की बहन **रितु जैन** के बेटे हैं। वे इसे अभिनेता के रूप में नहीं बना सके, लेकिन उन्होंने अभी भी हार नहीं मानी है और मुझे आश्चर्य नहीं होगा यदि वे निकट भविष्य में वापसी करते हैं क्योंकि फिल्मी कीड़ा आसानी से नहीं छोड़ता है, ऐसा कहा जाता है। उन्हें लॉन्च करने के लिए करोड़ों रूपये किए गए हैं और उन्हें कम से कम एक बार और अभिनेता के रूप में वापस लाने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे।

मिथुन चक्रवर्ती ने अपने बड़े बेटे **महाक्षय (मिमो)** को लॉन्च करने के सभी प्रयास किए, लेकिन बुरी तरह विफल रहे और अब वह राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित एक फिल्म में अपने दूसरे **बेटे नमाशी** को लॉन्च करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनका प्रयास अभी भी जारी है!

गोविंदा ने भी अपनी बेटी **नर्मदा** को लॉन्च करने के लिए किताब में हर नियम की कोशिश की, लेकिन उन्होंने भी अपनी सारी ताकत के साथ अपनी बेटी के लिए कुछ भी नहीं किया और वह अब न तो यहां है और न ही वहां है।

चंकी पांडे ने अपनी बेटी **अनन्या** को लॉन्च करने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल किया, जो काफी अच्छी बात थी, अब तो उसे एड फिल्में भी मिलने लगी हैं।

सुनील अन्ना शेट्टी ने अपनी बेटी **अथिया शेट्टी** और बेटे **अहान शेट्टी** को लॉन्च करने की कोशिश की, लेकिन बदले में उन्हें असफलता ही मिली।

अतीत में भी ऐसी कई कहानियाँ रही हैं और भविष्य में भी ऐसी कई कहानियाँ होंगी और जो एक बार कोशिश करेंगे वे आसानी से हार मानने वाले नहीं हैं। और अगर वे सफल नहीं होते हैं, तो वे अपने बच्चों और यहां तक कि अपने रिश्तेदारों और पोते और पोतियों को भी सफल होने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। ये फ़िल्मों का जादू ही कुछ ऐसा है, भीड़ू।

खुशाली कुमार ने प्रतीक गांधी के साथ अपनी फिल्म 'डेढ़ बीघा जमीन' का पहला शेड्यूल पूरा किया

खुशाली कुमार और **प्रतीक गांधी** की आने वाली ह्यूमन ड्रामा की शूटिंग फिलहाल मध्य प्रदेश के झांसी में हो रही है। पुलकित द्वारा निर्देशित, निर्माताओं ने हाल ही में भूषण कुमार, शैलेश आर सिंह और हंसल मेहता प्रोडक्शन के सेट से प्रतीक का पहला लुक जारी किया था।

प्रतीक गांधी के साथ अभिनीत फिल्म की मुख्य अभिनेत्री खुशाली कुमार ने कल अपना पहला शेड्यूल शूट पूरा किया और यह निश्चित रूप से उनके लिए एक भावनात्मक क्षण था। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ रोमांचक बीटीएस इमेजेस के साथ एक पोस्ट शेयर की, जिसमें लिखा है, ''डेढ़ बीघा जमीन, का शेड्यूल शूट पूरा हो चुका है। इस तरह की दिल छू लेने वाली कहानी पर काम करना एक बहुत ही अच्छा अनुभव था। मेरे अद्भुत और कुशल निर्देशक @justpulkit और मेरे को–स्टार @pratikgandhiofficial को धन्यवाद, जो इतने प्रतिभाशाली अभिनेता हैं कि उनसे हर रोज कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और @castingchhabra की तो बात ही अलग है।''

निर्देशक, पुलकित ने एक विनम्र और प्रतिभाशाली अभिनेता के रूप में बेहद खूबसूरती से जवाब दिया, जबकि प्रतीक गांधी के उनके पोस्ट पर मजाकिया जवाब ने अभी तक एक साथ खाना पकाने के सीन को शूट करने का संकेत दिया है, जिसने हमें जल्द ही स्क्रीन पर देखने के लिए उत्सुकता से भर दिया है।

अभिनेत्री सितंबर के मध्य में अपने दूसरे शेड्यूल के लिए क्रू में शामिल होंगी!

DEDH BIGHA ZAMEEN
37A
3
2

ROHIT SHETTY'S KHATRON KE KHILADI SEASON 11 ON COLORS BECOMES THE MOST POPULAR REALITY SHOW ON INDIAN TELEVISION

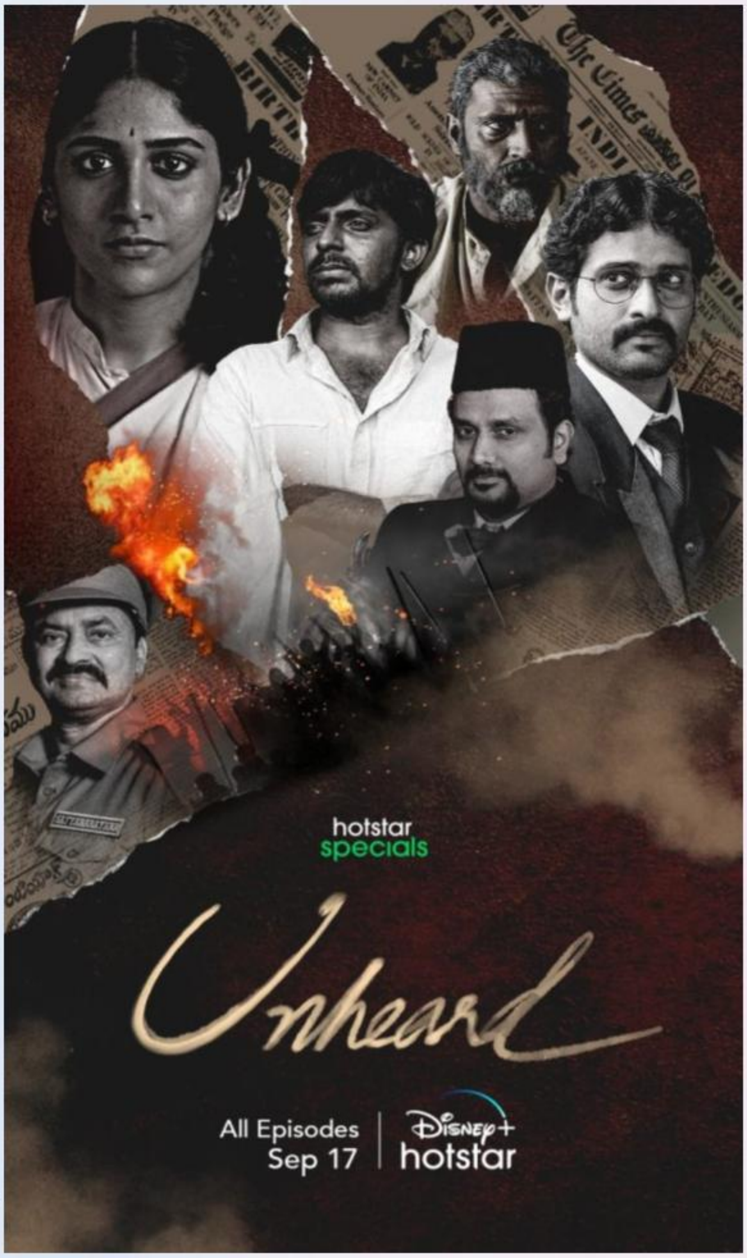
hotstar specials
Unheard
All Episodes Sep 17
Disney+ hotstar

DISNEY+ HOTSTAR UNVEILS THE POSTER OF ITS FIRST TELUGU SERIES UNHEARD

MEET HANNAH SIM, AN OXFAM TRAILWALKER WHO HAS TURNED FITNESS INTO A SOCIAL MISSION

NIA SHARMA'S SIZZLING NUMBER DO GHOONT IS SURE TO BE BOLLYWOOD'S NEXT DANCE PARTY ANTHEM

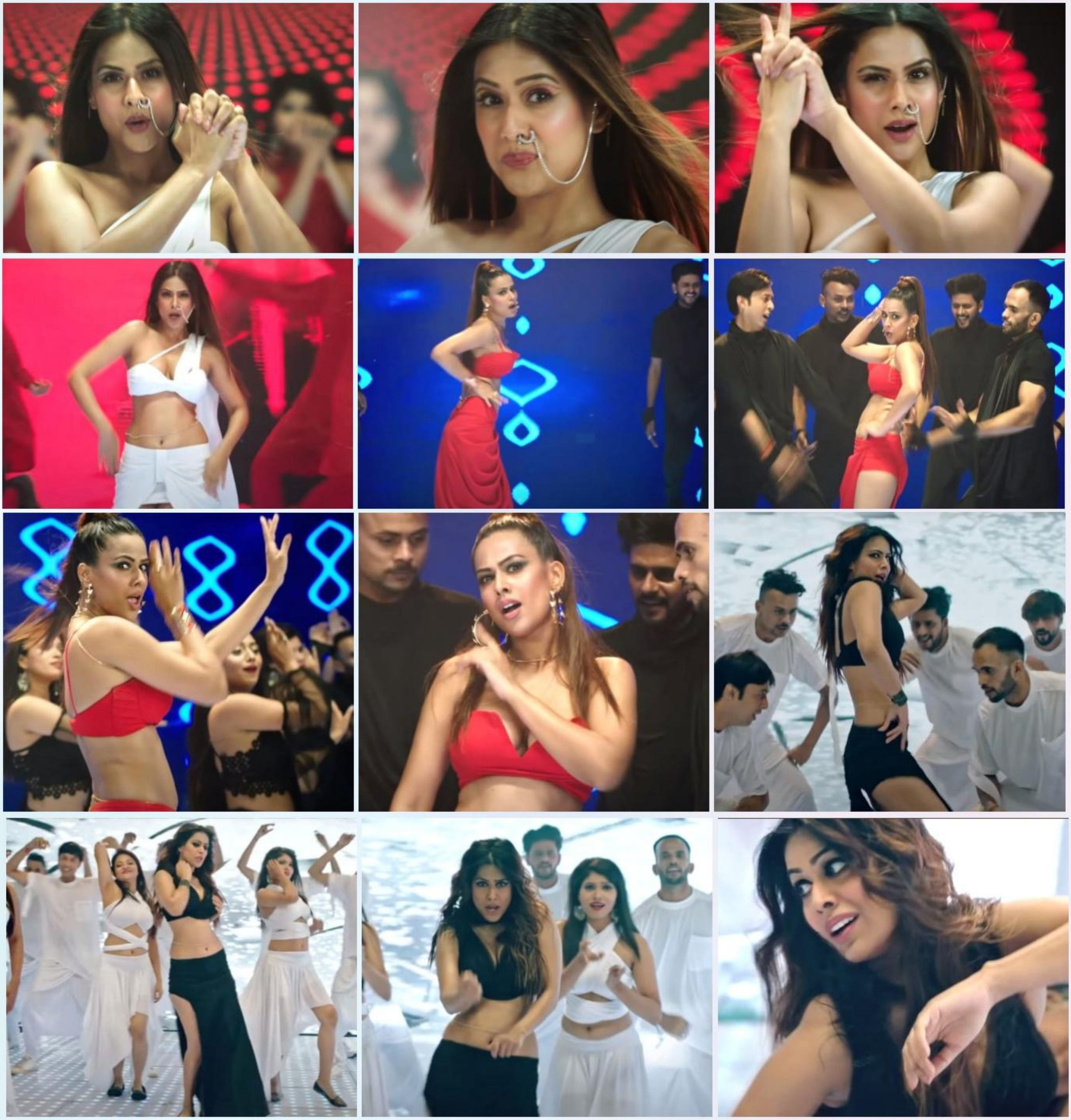

अभिनेता अजय देवगन ने लॉन्च किया पैनोरामा म्यूजिक

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

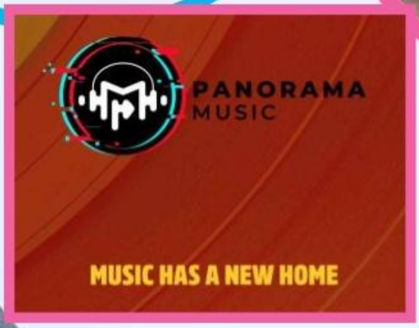
PANORAMA MUSIC
MUSIC HAS A NEW HOME

मनोरंजन जगत में अपने कई वर्षों के अनुभव के साथ **कुमार मंगत पाठक**और **अभिषेक पाठक** ने अब संगीत जगत में उतरते हुए 'पैनोरामा म्यूजिक' नामक लेबल लॉन्च किया। अभिनेता **अजय देवगन**ने अपने सोशल मीडिया पर इस म्यूजिक लेबल की जानकारी शेयर कर इसे लॉन्च किया और अपने फैंस से इस चैनल को सब्सक्राइब करने का अनुरोध भी किया।

''पैनोरमा म्यूजिक' लेबल के नेतृत्व की जिम्मेदारी राजेश मेनन को सौंपी गयी है। पैनोरामा म्यूजिक मौलिक संगीत, फिल्म संगीत, स्वतंत्र संगीत और क्षेत्रीय संगीत को बढ़ावा देगा। साथ ही नवोदित संगीतकारों और कलाकारों को एक मंच प्रदान करने के इरादे से इसे स्थापित किया गया है। यह लेबल क्षेत्रीय कंटेंट के निर्माण पर जोर देगा और साथ ही हिंदी कंटेंट में विभिन्न प्रकार की शैलियां, मुख्य रूप से सूफी, गजल और भक्ति गीत को शामिल करेगा।

अजय देवगनका कहना है –''संगीत का हमेशा से मेरे जीवन में खास स्थान रहा है। डिजिटल मीडियम के माध्यम से संगीत की संभावनाएं अनंत हैं। भारत की संगीत संस्कृति हमेशा से समृद्ध रही है, जो अभी भी अस्पष्टीकृत है। पैनोरामा संगीत, पैनोरामा स्टूडियोज के लिए सही दिशा में एक कदम है और मैं उन्हें उनके नए उद्यम के लिए शुभकामनाएं देता हूं।''

अभिषेक पाठक कहते हैं –"मैं मनोरंजन की पीढ़ी के स्तर का विस्तार करने के लिए बेहद रोमांचित हूं। उन कलाकारों को एक मंच प्रदान करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है जो संगीत उद्योग में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। हम ऐसा संगीत बनाना चाहते हैं जो बहुत मायने रखता है और अद्वितीय म्यूजिक क्रिएट कर हम भारत का एक अहम स्थान बनाना चाहेंगे ।''

राजेश मेनन कहते हैं, " पैनोरामा म्यूजिक संगीत का आकर्षक वन–स्टॉप डेस्टिनेशन बनने का प्रयास करता है और ऐसे म्यूजिक लेबल का नेतृत्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। हम गुणवत्ता से पूर्ण स्वतंत्र संगीत बनाएंगे और उम्मीद करते हैं कि यह संगीत लोगों के दिलों को छू जाएगा।"

सूत्रों की माने तो 'पैनोरमा म्यूजिक ''लेबल की तरफ से पहला सिंगल गाना गणेश चतुर्थी के अवसर पर बाजार में लाया जाएगा।

पैनोरामा म्यूजिक यूट्यूब चैनल को सब्सक्राइब करें -

https://bit.ly/PanoramaMusic

Fame
BIG SCREEN
BOOND

तबस्सुम 'महा–खुश' पोती खुशी गोविल ने शुरू की अपनी टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी

–चैतन्य पडुकोण

बेहद खूबसूरत बहु–प्रतिभाशाली खुशी गोविल अपनी अनुभवी प्रतिष्ठित अभिनेत्री और टीवी शो होस्ट–दादी तबस्सुम की पारंपरिक विरासत को पूरी लगन से आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि एक 'मेंटर' और 'लाइव–शो–इंप्रेसारियो' के रूप में बहुमुखी, उत्साही तबस्सुम ने बॉलीवुड में बड़ी संख्या में नई होनहार प्रतिभाओं को खोजा और लॉन्च किया है। मीडिया ने Inside Age का एक स्टार–स्टड लॉन्च देखा – भारत के प्रमुख नए मीडिया नेटवर्क, मिस मालिनी एंटरटेनमेंट का एकदम नया टैलेंट मैनेजमेंट वर्टिकल, द गेम पलासियो, बांद्रा में गतिशील खुशी गोविल द्वारा संचालित किया जाएगा।

मीडिया और मनोरंजन उद्योग के 'कौन क्या है' इस रोमांचक नए वर्टिकल के लॉन्च का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए, जो देश की बढ़ती प्रतिभाओं, डिजिटल रचनाकारों, प्रभावितों और के पिघलने वाले बर्तन के लिए डिजिटल मनोरंजन में एक सनसनीखेज करियर का लॉन्च–पैड होगा। हस्तियां। इस कार्यक्रम में जन्नत जुबैर, करेनवीर बोहरा, अमृता खानविलकर, तीजे सिद्धू, ऐश्वर्या सखुजा, सोनाली सहगल, मलिष्का, श्रद्धा दास, अपूर्व अरोड़ा, मेल्विन लुइस, रोशेल राव, कीथ सिकेरा और अन्य जैसे प्रमुख नाम मौजूद थे।

लॉन्च के बारे में उत्साह व्यक्त करते हुए, खुशी गोविल – एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, टैलेंट – मिस मालिनी एंटरटेनमेंट ने कहा, "मैं लॉन्च इवेंट की सफलता से रोमांचित हूं, और मैं उन सभी का आभारी हूं जिन्होंने इसे संभव बनाया। खोज के योग्य डिजिटल प्रतिभा को बढ़ावा देना, बढ़ावा देना और जश्न मनाना हमेशा से एक सपना रहा है। Inside Age के सफल लॉन्च के साथ,

हम देश के डिजिटल कलाकारों को उच्च पहचान की दिशा में दिशा देने के अपने दृष्टिकोण को साकार करने के करीब एक कदम आगे हैं।

Inside Age के सफल लॉन्च इवेंट पर टिप्पणी करते हुए, प्रतिष्ठित डिजिटल–मीडिया साम्राज्ञी मालिनी अग्रवाल – संस्थापक – मिस मालिनी एंटरटेनमेंट, ने कहा, "एक ऑन–ग्राउंड इवेंट में हमारे टैलेंट मैनेजमेंट वर्टिकल के सफल लॉन्च का जश्न मनाने में सक्षम होना बस रोमांचक है! एक या दो साल के कठिन लॉकडाउन के बाद, मैं एक ही छत के नीचे ऐसी असाधारण प्रतिभाशाली हस्तियों से मिलकर खुश हूं, और मैं Inside Age के साथ उन महान ऊंचाईयों को देखने के लिए उत्सुक हूं जो उन्होंने हासिल की हैं!"

एक रोस्टर के साथ लॉन्च करना जिसमें शक्ति अरोड़ा, करणवीर बोहरा, अमृता खानविलकर, कुशाल टंडन, श्रिया जैन, न्यारा बनर्जी, आर्य वोरा, तीजे सिद्धू, विधुश्री आर्य, बेला और वियना, ऐश्वर्या सखुजा, अभिषेक बनर्जी, अभिषेक बजाज जैसे जाने–माने नाम शामिल हैं।, विवेक धाधा, मालिनी अग्रवाल, एलिना ह्सुंग, करिश्मा गोविल और जिया वेनेसा स्नो; Inside Age नई उभरती घरेलू डिजिटल प्रतिभाओं को पोषित करने और उन्हें रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए काम करेगा।

उत्साहित गतिशील होशंग गोविल, "मेरी माँ तबस्सुम, मेरी पत्नी हेमाली गोविल और मैं अपनी बेटी खुशी गोविल के इस नए चुनौतीपूर्ण कार्य से बहुत खुश हैं। दुर्भाग्य से, तबस्सुम–जी वास्तविक कारणों से भव्य–लॉन्च–कार्यक्रम में शामिल होने में असमर्थ थीं, लेकिन उन्होंने खुशी पर अपना आशीर्वाद बरसाया है। बेशक मैं वहां मौजूद था और मेरी प्रतिभावान बेटियों खुशी और करिश्मा दोनों के लिए मेरा आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।" 1985) उनकी प्रख्यात मां तबस्सुम द्वारा निर्देशित। दिलचस्प बात यह है कि खुशी (इसी तरह वह अपना नाम लिखती थी) ने इस (2009) फिल्म 'हम फिर मिले ना मिले' में रोमांटिक लीड के रूप में भी काम किया है।

विपुल तबस्सुम (जिसकी ट्रेंडिंग बहुत लोकप्रिय सूचनात्मक बॉलीवुड–केंद्रित YouTube चैनल श्रृंखला 'तबस्सुम टॉकीज' जिसे वह नियमित रूप से होस्ट करती है) ने एक विशेष संदेश में कहा, "असल से सूद ज्यादा प्यारा होता है। मुझे आज बहुत गर्व की बात है कि खुशी गोविल, मेरी पोती Inside Age का नेतृत्व कर रही हैं। और मेरी छोटी पोती करिश्मा गोविल (जिन्हें इंस्टाग्राम पर @soul_kari के नाम से भी जाना जाता है) मिसमालिनी ट्रेंडिंग वर्टिकल का नेतृत्व कर रही हैं।

विशेष रूप से बोलते हुए होशंग बेहद खुश लग रहे थे, उन्होंने कहा, "मेरी पत्नी हेमाली गोविल और मैं आज बेहद गर्वित माता–पिता हैं और हमारी दोनों बेटियां डिजिटल उद्योग में तेजी से बढ़ रही हैं और हम उनके लिए खुश नहीं हो सकते। और निश्चित रूप से, हम अपने परिवार को आशीर्वाद देने के लिए भगवान के बहुत आभारी हैं।"

Grover Zampa
VINEYARDS
PALACIO
OAKSMITH
GAME

PRANZI
LOUNGE
www.pranz

'शरद राय

लॉक डाऊन मे होने वाली शादी पर आधारित हास्य रोमांटिक हिन्दी फिल्म 'डोंट डू शादी'

शुशिलाजित कमलजीत फिल्मस एवं पेज 1 नेटवर्क मिडिया के बैनर तले लौक डाऊन मे होने वाली शादी पर आधारित हास्य रोमांटिक हिन्दी फिल्म "डोंट डू शादी" का पटना में प्रिव्यू सम्पन्न हुआ स इस फिल्म के प्रिव्यू में ईनशटा रील सेलिब्रिटी छोटे मियां विवान कश्यप की चर्चा रही। स मास्टर विवान कश्यप इस फिल्म के माध्यम से बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं जो मुख्य अभिनेत्री के भतीजे का किरदार निभाते नजर आयेंगे। फिल्म मे शक्ति कपूर, आसरानी, हिमानी शिवपुरी एवं मंजू गुप्ता की भूमिका है। उनकी आगामी आने वाली हिंदी फिल्म "अतरंगी रे" जल्द ही रीलेज होने वाली है। अन्य कालाकारों मे सन्नी, दिशा,योगिता कोचर, वैशाली, सुधांशु शेखर शास्त्री, कमलजीत साहनी, नितू भारती, निशा भारती, अर्जुन ग्रोवर,हीमांशु कुमार, रिंकी साहनी, आकाश,श्याम, लाल बहादुर सिंह नज़र आयेंगे स फिल्म मे गीत एवं संगीत अमिताभ रांजन के हैं, कला निर्देशक मुकेश सिन्हा हैं। फिल्म का निर्माण शुशिलाजित साहनी व कमलजीत साहनी ने किया है एवं लेखन व निर्देशन ज़ितेन्द्र साहनी के हैं स निर्देशक ज़ितेन्द्र साहनी ने बताया की यह फिल्म सम्पूर्ण फैमिली मनोरंजन ड्रामा से भरपूर है। "डोंट डू शादी" यानी यह फिल्म शादी के उपर आधारित है जो एक ही मोहल्ले मे रहने वाले दो परीवारो के लड़की एवं लड़के के प्रेम प्रसंग्ग को दर्शाती है जो लॉक डाऊन के दरमियाँ शादी के मांडप तक कैसे पहुचते हैं –यही इसकी खासियत है। फिल्म की सारी शूटींग बिहार के पटना, सहरसा एवं राजगीर की लोकेशनों पर है।फिल्म को ड़ीजिटल पलैटफोर्म MX PLAYER पर की जायेगी ।

शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

करिश्मा कोटक ने कनिका कपूर के साथ बड़ी भारतीय शादी की मेजबानी की

करिश्मा कोटक एक ड्रीम होस्ट हैं और हाल ही में उन्होंने सबसे बड़ी भारतीय शादी की मेजबानी की और वह वर्तमान में उसी के लिए इटली में शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने इसे कनिका कपूर के साथ होस्ट किया और दोनों ने इसे खत्म कर दिया। करिश्मा का यूट्यूब पर एक चैट शो है,जिसे कर्टली और करिश्मा शो कहा जाता है और इसे शानदार स्वागत के साथ प्राप्त किया गया है। करिश्मा अपनी पेशेवर प्रतिबद्धताओं के लिए बड़े पैमाने पर यात्रा कर रही हैं। वह जल्द ही कनाडा में भी क्रिकेट लीग की मेजबानी करेंगी। यह शो द ग्रेटेस्ट टीम एवर का उत्सव है।

करिश्मा कोटक कहती है– ''मैं लॉकडाउन के बाद व्यस्त हो गयी हूँ। मैं इस चरण से प्यार कर रही हूं। मुझे काम करना और व्यस्त रहना बहुत पसंद है। सबसे बड़ी भारतीय शादी की मेजबानी करना बहुत मजेदार था और इटली में स्थान अविश्वसनीय हैं . मैं इस समय एक सुंदर जगह के बारे में नहीं सोच सकती। मैं जल्द ही भारत वापस आना पसंद करूंगी और कुछ परियोजनाएं बहुत जल्द शुरू हो रही हैं। यह एक समय में एक दिन है। आइए सभी टीकाकरण करवाएं। दो जिन देशों से मैं सबसे ज्यादा प्यार करता हूं, वह है भारत और इंग्लैंड ने भारी तबाही देखी है और अब समय आ गया है कि हम इस घातक वायरस के खिलाफ जंग जीतें। सभी को प्यार और रोशनी।''

संग्राम सिंह पटेल और सचिन यादव की भोजपुरी फिल्म 'इश्क नचाए बीच बाजार' की शूटिंग शुरू

''अवध गंगा फिल्म'' के बैनर तले बनने वाली संग्राम सिंह पटेल की भोजपुरी फिल्म 'इश्क नचाए बीच बाजार' की शूटिंग उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के लहरपुर में शुरू हो चुकी है। यह संग्राम सिंह पटेल के होम प्रोडक्शन की फिल्म है, जिसका निर्माण वह खुद कर रहे हैं , जबकि इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी सचिन यादव संभाल रहे हैं। यह एक शुद्ध रोमकॉम फिल्म है, जिसकी प्यारी सी कहानी लोगों को दिल को छू लेगी।

फिल्म 'इश्क नचाए बीच बाजार' के सेट से संग्राम सिंह पटेल ने कहा–'' हमारी फिल्म बेहद खास और अन्य फिल्मों से अलग है। इसकी पटकथा पर हमने बेहद मेहनत की है। हमारी कोशिश है कि हम एक ऐसी फिल्म लेकर दर्शकों के पास जाएं, जो दर्शकों का पैसा वसूल करे और उनका भरपूर मनोरंजन हो। इसके बाद वह दूसरे लोगों को फिल्म देखने को प्रेरित करे। भोजपुरी सिनेमा के बदलते दौर में हमारी फिल्म भी बेहद खास होगी। इसके लिए सभी लोग खूब मेहनत कर रहे हैं। फिल्म के सभी कलाकार हर शॉट में अपना सौ फीसदी दे रहे हैं, ताकि पर्दे पर उनका एपीयरेंस दमदार हो।

संग्राम सिंह ने आगे कहा–'' फिल्म 'इश्क नचाए बीच बाजार' में मेरे साथ प्रतिष्ठा ठाकुर, अयाज खान, अनूप अरोड़ा, बृजेश त्रिपाठी, संतोष पहलवान, विनीत विशाल, बबलू यादव, सत्य प्रकाश सिंह, मदन चंद, अभिषेक मिश्रा, रंजीत राज, राणा, रूचि सिंह, रिति ा वर्मा और चौधरी राम सिंह हैं। इस फिल्म के लेखक मनोज पांडेय,छायांकन डी के शर्मा,संगीतकार साजन मिश्रा,नृत्य निर्देशक संतोष सर्वदर्शी हैं।

सुलेना मजुमदार अरोरा

इंडियन फिल्म एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन का नाम बदलकर 'एंटरटेनमेंट कंटेंट ओनर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' 'सीओए' हुआ

इंडियन फिल्म एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन का गठन 1963 में लिम बिलिमोरिया और कुछ अन्य भारतीय फिल्म निर्यातकों द्वारा विदेशों में भारतीय फिल्मों व्यवसाय को बढ़ावा देने और सुविधा प्रदान करने के लिए किया गया था। ईसीओए के अध्यक्ष, सुशील कुमार अग्रवाल ने जानकारी देते हुए यह बताया, "मुंबई इंडियन फिल्म एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन' का नाम बदलकर 'एंटरटेनमेंट कंटेंट ओनर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ईसीओए)' कर दिया गया है। इसकी नई पहचान को दर्शाने के लिए अब एक नया आधुनिक सवहव भी तैयार किया गया है। अपने नए अवतार में, ईसीओए सभी ऑडियो विजुअल प्लेटफॉर्म पर सभी भाषाओं, शैलियों और प्रारूपों के सभी मनोरंजन सामग्री मालिकों के लिए अपनी सदस्यता को एम्ब्रेस करता है और बढ़ाता है।

ईसीओए कई महत्वपूर्ण संघों और 'फिक्की' एवं 'एफएफआई' जैसे शीर्ष बॉडी का एक प्रमुख सदस्य भी है।

ईसीओए बदलते समय का प्रतीक है और टीवी, ओटीटी एवं डिजिटल के भारी विकास को अंगीकार करता है, इसलिए बॉडी भी उन्हें अपने दायरे में लाना चाहता था और इन प्लेटफार्मों पर भी अपनी सदस्यता का विस्तार करना चाहता था।

अपनी शुरुआत के बाद से, ईसीओए अपने उन सदस्यों का प्रतिनिधित्व कर रहा है, उनकी सुरक्षा कर रहा है और उनके संपूर्ण कल्याण को बढ़ावा दे रहा है जो भारत के एंटरटेनमेंट कंटेंट ओनर्स रहे हैं। यह धारक के विभिन्न कानून–सम्मत कंटेंट अधिकारों की रक्षा में प्रमुख भूमिका निभाता रहा है। यह बॉडी अतिक्रमण, प्रोड्यूसर्स और कॉपीराइट धारकों द्वारा अधिकारों की दोहरी बिक्री से संबंधित विवादों को भी सुलझाता है।

ईसीओए के अध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल ने कहा, "हम खुद को फिर से नये रूप में लॉन्च करने और अपनी सेवाओं को और अधिक प्लेटफार्मों तक फैलाने को लेकर बेहद खुश हैं। प्रोडक्शन और प्रदर्शन दोनों ही दृष्टि से मनोरंजन का परिदृश्य वर्तमान समय में काफी बदल गया है, इसलिए इसके साथ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। अपने ईसीओए में हम आप सभी को आमंत्रित करते हैं कि आप हमारे शानदार परिवार का हिस्सा बनें और आपके कंटेंट की रक्षा करने के हमारे इतिहास और विशेषज्ञता के साथ हम पर भरोसा करें। इससे आप उन चीजों पर अपना ध्यान एकाग्र रख सकेंगे जिसमें आप बेस्ट हैं, यानी कि अत्याधुनिक सामग्री तैयार करना और विश्व स्तर पर मानव जाति का मनोरंजन करना"।

ईसीओए अपने सदस्यों के अधिकारों के अतिक्रमण और उल्लंघन के लिए टीवी चैनलों, ओटीटी, डिजिटल और अन्य मौजूदा और आगामी प्लेटफार्मों को नोटिस जारी करेगा। ईसीओए टैरिफ, कराधान, लेवी, जीएसटी और अन्य नीतिगत मामलों आदि में कमी और संशोधन हेतु प्रतिनिधित्व करने के लिए राज्य और केंद्र सरकारों, विधायी प्राधिकरणों और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय भी कर रहा है।

ईसीओए कंटेंट रजिस्ट्रेशन और अन्य संबंधित गतिविधियों के लिए स्वयं को एक सूचीबद्ध संघ के रूप में नियुक्त किये जाने के लिए जल्द ही सूचना और प्रसारण मंत्रालय से संपर्क करने की भी योजना बना रहा है। ईसीओए नियमित रूप से अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक सूचना विज्ञापन प्रकाशित करेगा जिसमें उद्योग में विभिन्न सामग्री और अन्य अधिकारों के विवादों के व्यापार अधिग्रहण की जानकारी दी जाएगी। यह नियमित आधार पर सदस्यों को व्यापार केंद्रित अद्यतन सूचना और विकास का लगातार प्रसार भी करेगा।

ईसीओए कंटेंट ओनर्स के लिए अपनी वेबसाइट और प्लेटफॉर्म्स पर बी2बी अवसरों का सृजन भी करेगा ताकि वो दुनिया भर में अपने कंटेंट का प्रचार–प्रसार कर सकें और उसका मोनेटाइजेशन कर सकें। यह बॉडी दुनिया भर के महत्वपूर्ण फिल्म बाजारों और उत्सवों में भी भाग लेगा और निकाय के उद्देश्यों एवं भारतीय मनोरंजन कंटेंट ओनर्स के हित का प्रतिनिधित्व करेगा। ईसीओए वर्ष 2011 से "हांगकांग फिल्मआर्ट" में भी भाग लेता रहा है। यह निकाय फिक्की फ्रेम्स, आईएफएफआई, मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, ग्लोबल कंटेंट बाजार, इंडिवुड फिल्म मार्केट, जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, ग्लोबल एग्जिबिशन सर्विसेज एवं अन्य में भी नियमित रूप से हिस्सा लेता रहा है।

INDIAN COUNCIL OF IMPEX FOR
FILMS & TV PROGRAMMERS

सुशील कुमार अग्रवाल (सीईओ, अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट ग्रुप) के अलावा, ईसीओए के अन्य समिति सदस्य हैंः वाइस प्रेसिडेंट : हिरेन गडा (सीईओ, शेमारू), सचिवः अशोक जैन (प्रेसिडेंट, वीनस एंटरटेनमेंट) और कोषाध्यक्षः आर.के.दुग्गल (ओनर, आर.के. दुग्गल स्टूडियोज) व अन्य।

छायाः राकेश दवे

CHERAG'S MAKEOVER BRANCH LAUNCH AT MALAD

छायाः राकेश दवे

एस आर एंटरप्राइज के बैनर तले आज एक नई फिल्म रिकी बाबानी स्टील अलाइव नाम की फिल्म का अनाउंसमेंट किया गया और साथ ही एक पोस्टर भी लॉन्च किया गया । इस मौके पर प्रोड्यूसर राजेश कुमार मोहंती, एक्ट्रेस और असोसिएट प्रोड्यूसर स्वपन्ना पति, क्रेटिव डायरेक्टर धीरज सिंह और को प्रोड्यूसर विक्रम सहाय मौजूद रहे ।

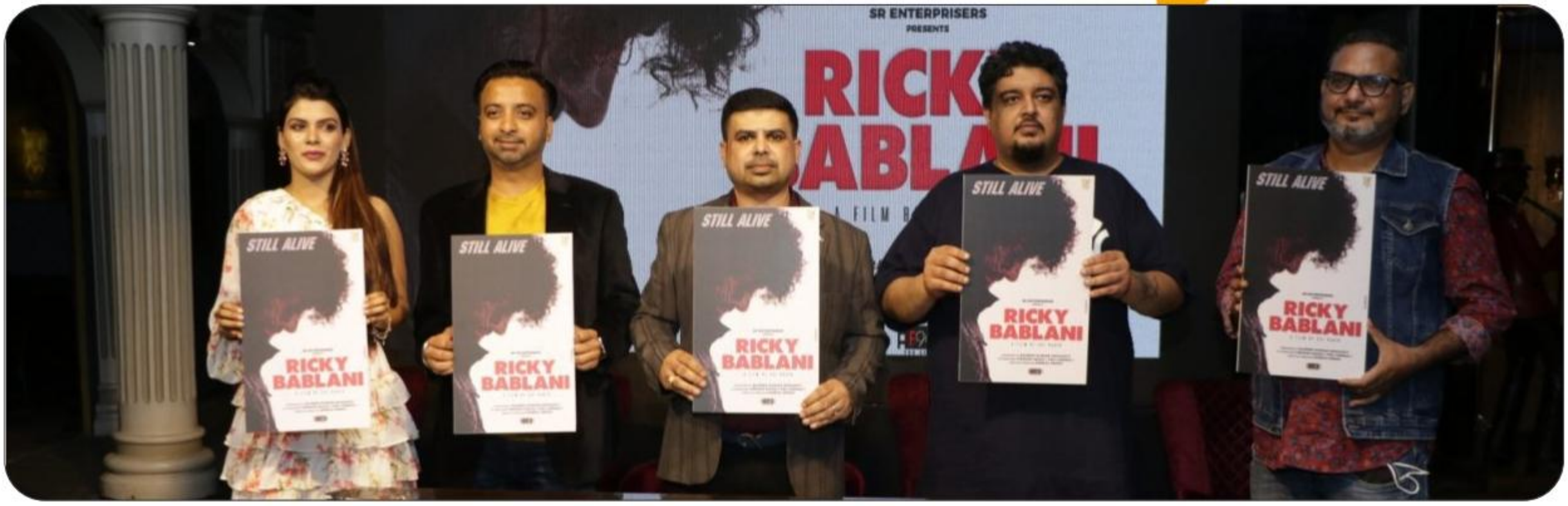
SR ENTERPRISERS
PRESENTS
RICKY BABLANI
STILL ALIVE

RICKY BABLANI
STILL ALIVE

RICKY BABLANI
STILL ALIVE

RICKY BABLANI
STILL ALIVE
F90 CINEMA

BABLANI
STILL ALIVE

RICKY BABLANI
STILL ALIVE
F90 CINEMA

वो हीरो, वो विलन, वो कैरेक्टर आर्टिस्ट, वो इकलौता हरफनमौला कलाकार, 'ऋषि कपूर'

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

भारतीय सिनेमा में एक दौर था जब कहते थे कि, ये सिनेमा का नहीं, **अमिताभ बच्चन** का दौर है। कहा ये भी जाता है कि, अमिताभ वो आँधी थे जिनके सामने सब उड़ जाते थे सिवाये एक के, और वो एक थे **'ऋषि कपूर'**

आज ही के दिन 4 सितंबर 1952 को जन्में, दरमियाने कद के, बेइंतहाँ खूबसूरत हमारे ऋषि कपूर तब मात्र 3 साल के थे जब उनके पिता, द लेजेंडरी शो मेन ने उन्हें पहली बार फिल्म **श्री चार सौ बीस** (1955) में कैमरे के सामने ला खड़ा किया था।

फिर 18 साल की उम्र में, उनके पिता **राज कपूर** की ड्रीम फिल्म में, उनके बचपन का रोल निभाने के लिए दोबारा ऋषि कपूर को चुना था। घुँघराले बाल, गुलाबी–गुलाबी होंठ और दूध से गोरे ऋषि कपूर दर्शकों के लिए एक मासूम बच्चे जैसे थे।

बदकिस्मती से **'मेरा नाम जोकर'** (1970) फ्लॉप हो गई और राज कपूर अपना सब कुछ हार बैठे! उन्होंने इस फिल्म को ऐसे बनाया था मानों किसी बच्चे को पाल पोसकर बड़ा कर रहे हों! लेकिन फिल्म नहीं चली। हालांकि पूत के पाँव पालने में ही नजर आ गए क्योंकि **ऋषि कपूर** को बतौर **चाइल्ड आर्टिस्ट नैशनल अवॉर्ड** से नवाजा गया।

यहीं से राज कपूर के मन में एक और उमंग जगी और उन्होंने 20 साल के **ऋषि कपूर** और 16 साल की **डिम्पल कपाड़िया** को लेकर **'बॉबी'** (1973) बना डाली और इस फिल्म ने तहलका मचा दिया। ऋषि कपूर ने अपनी पहली ही फिल्म में जता दिया कि इंडस्ट्री में एक स्टार और आ गया है। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्म फेयर बेस्ट ऐक्टर का अवॉर्ड मिला।

इसके बाद तो जैसे फिल्मों की झड़ी लग गई! हर साल ऋषि कपूर 3 से 4 फिल्में करने लगे। इस दौरान **रफू चक्कर, राजा, लैला मजनू, बारूद, हम किसी से कम** नहीं आदि में लीड भूमिका में रहे और दर्शकों द्वारा खूब सराहे गए तो, वहीं, **अमर अकबर एंथनी,** दूसरा आदमी, बदलते रिश्ते, आदि में वह **अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना, जितेंद्र** आदि समकालीन कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर करते भी नजर आए।

ऋषि कपूर कभी किसी भी रोल को करने से डरे नहीं। **कर्ज** में मोंटी का चैलिंजिंग रोल हो या **धर्मेन्द्र** के साथ कातिलों का कातिल जैसी सुपर एक्शन फिल्म हो, **ऋषि कपूर** ने वैराइटी रोल करने से कभी खुद को नहीं

रोका। वो टाइप कास्ट नहीं हुए।

अस्सी के दशक में **ऋषि कपूर और श्री देवी** की जोड़ी बहुत पसंद की जाने लगी। **नागिन, निगाहें, चाँदनी, बंजारन, कौन सच्चा कौन झूठा,** आदि यूं तो सब सही चलीं, लेकिन चाँदनी ने जो लोगों को इनकी जोड़ी का दीवाना बनाया, वो दीवानापन और किसी फिल्म के लिए नहीं मिला।

ऋषि कपूर वो इकलौते ऐक्टर थे जिन्होंने भारी वजन के साथ भी दसियों फिल्मों में लीड रोल ही किया और दर्शकों ने उन्हें पसंद भी किया। हाँ, जब **दामिनी** जैसी फिल्म में उन्हें **सनी देओल** के साथ स्क्रीन शेयर करने को कहा गया तो भी उन्होंने कोई गुरेज नहीं की। असल में तब आज जैसा दौर नहीं था कि ऐक्टर्स सिर्फ अपने रोल से मतलब रखते थे! तब ये जरूर देखा जाता था कि कहीं मुझसे ज्यादा दमदार रोल दूसरे ऐक्टर का तो नहीं है! पर ऋषि कपूर ने काभी इस चीज की परवाह नहीं की।

दौर बदला तो ऋषि कपूर ने कैरेक्टर रोल्स करने भी शुरु कर दिए लेकिन ऋषि कपूर यहाँ भी अव्वल रहे। फिल्म **नमस्ते लंदन** हो या **लव आज कल, राजू चाचा** हो या **फना, कल किसने देखा** हो या **दिल्ली 6,** उनके कैरेक्टर रोल की तारीफ तो कई बार लीड रोल से भी ज्यादा हुई।

फिल्म **दो दूनी चार** के लिए तो वह फिर फिल्मफेयर क्रिटिक चॉइस अवॉर्ड जीतने में कामयाब हो गए।

लेकिन ऋषि अब तक विलन नहीं बने थे।

एक रोज **करन मल्होत्रा और करन जौहर** ऋषि कपूर के पास पहुँच गए और बोले **"ऋषि जी आपको ये रोल करना है, ये आप ही बेस्ट कर सकते हो"**

ऋषि कपूर ने रोल पढ़ा तो वो **रौफ लाला** का कैरेक्टर था! उन्हें पहली बार लगा कि वो कहाँ ऐसे नेगेटिव, ब्रूटल रोल करेंगे, लोग तो उन्हें और फिल्म दोनों को नापसंद कर देंगे। उन्होंने साफ मना कर दिया। करन एण्ड करन फिर भी अड़े रहे। कहने लगे **"ऋषि सर आप बहुत अच्छे ऐक्टर हैं, आप ये रोल सबसे अच्छा करेंगे"**

ऋषि कपूर भी बेखौफ आदमी थे, बोले **"मुझे पता है मैं अच्छा ऐक्टर हूँ, पर देख तो सही ये रोल क्या है! ये मैं कहाँ से कर लूँगा तू सोच जरा, अच्छा ऐक्टर हूँ वो मैं बहुत अच्छे से जानता हूँ"**

लेकिन **करन एण्ड करन** न सुनने के मूड में ही नहीं थे। वो एक महीने तक ऋषि कपूर के पीछे लगे रहे और आखिरकार ऋषि कपूर लुक टेस्ट के लिए राजी हुए। और जब उन्होंने अपनी लुक देखी तो उनकी आँखों में चमक आई कि **"नहीं यार! विलन बनना एक अच्छा एक्सपेरिमेंट साबित हो सकता है।"**

फिर जब **'अग्निपथ'** (2012) में सबने रौफ लाला बने ऋषि कपूर को देखा, तो **ऋतिक रौशन** से ज्यादा तारीफें ऋषि कपूर बटोर ले गए।

इसके बाद उन्हें नेगेटिव रोल में मजा आने लगा। उन्होंने **अर्जुन कपूर** के साथ **औरंगजेब** की। हालांकि ये फिल्म नहीं चली। फिर 2013 में ही **इरफान खान और अर्जुन रामपाल** के साथ **डी–डे** की। जिसमें वह छद्म रूप से **दाऊद इब्राहीम** बने थे। इस रोल के लिए भी उन्हें बहुत तारीफें मिलीं।

2016 में **कपूर एण्ड संस** में बूढ़े **अमरजीत कपूर** के रोल के लिए वह फिर से फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर सपोर्टिंग ऐक्टर जीत गए।

अमिताभ बच्चन के साथ 2018 में वापसी करते हुए **102 नॉट आउट** में हर वक्त कुढ़–कुढ़ करने वाले 100 साल के बूढ़े के बेटे बने ऋषि फिर से दर्शकों का

दिल जीतने में कामयाब हुए, तो इसी साल पॉलिटिकल ड्रामा मुल्क के लिए उनकी निंदा भी हुई तो ऐक्टिंग को लेकर खूब वाहवाही भी मिली।

ऋषि कपूर इतने मुँहफट आदमी थे कि, बोलने से पहले बिल्कुल भी नहीं सोचते थे।

एक दफा फिल्मफेयर अवॉर्ड्स के लिए बोले **"ऐसे अवॉर्ड्स तो मैं चार–चार हजार में खरीद लिया करता था"**

तो कभी कहते **"मैं हिन्दू हूँ और बीफ भी खाता हूँ, तो क्या मैं कम हिन्दू हो गया?"**

दो साल तक कैंसर जैसी बीमारी से लड़ने के बाद, न्यू यॉर्क में इलाज कराने के बाद ऋषि कपूर ने 30 अप्रैल 2020 को दम तोड़ दिया। हालांकि डॉक्टर्स और स्टाफ का कहना था कि, वह आखिरी दिन तक भी सबको हँसाते हुए, सबसे पंगे करते हुए ही गए।

ऋषि कपूर एक जिंदा–दिल आदमी थे। वह जबतक जिए अपनी मर्जी से जिए, अपनी मर्जी से दुनिया को चलाकर जिए और जब उन्हें जाना पड़ा, तो भी हँसते–हँसते ऐसे गए जैसे जिंदगी में कोई भी मलाल बाकी नहीं था। किंग साइज लाइफ जीने वाले ऋषि कपूर को उनकी जन्मतिथि पर बार–बार नमन। न ऐसा ऐक्टर पहले कभी हुआ था, न आगे कभी होगा!

ZEEMUSIC CO.
BENARAS
MULK

अचानक,चिंटूजी (ऋषि कपूर) के लिए इस साल का जन्मदिन समारोह के रूप में उत्सव

–अली पीटर जॉन

मुझे अपने दोस्त, चिंटू जी की कुछ बेहतरीन जन्मदिन पार्टियों में शामिल होने का सौभाग्य मिला है और मैंने कभी नहीं सोचा था कि बिग सी के क्रूर स्ट्रोक के साथ थोड़े समय में हमारे सभी समारोहों का अंत हो जाएगा। वह अब यहां थे और जीवन से इतना भरा हुआ था कि जब वह कैंसर से जूझ रहे थे और तब वह बाणगंगा क्रैनेटोरियम के ठंडे फर्श पर थे, उनके चारों ओर लगभग 20 शोक थे और मिनटों के भीतर, वह अपने इकलौते बेटे, रणबीर, दोस्तों की उपस्थिति में आग की लपटों में चले गये थे। और कुछ शुभचिंतक। ऐसा लग रहे थे कि यह अभिनेता और उस व्यक्ति के लिए अंत था जिसने खुद को सभी के लिए प्यारा बना लिया था, लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित कर लिया था कि उसे आने वाले समय के लिए याद किया जाएगा ....

ऐसा कोई दिन नहीं गया जब ऋषि कपूर को याद न किया गया हो और अगर कोई एक दिन उन्हें सबसे ज्यादा याद किया जाता था, तो वह 4 सितंबर को उनके जन्मदिन पर था। देश और दुनिया में कई जगहों पर ऐसे कई तरीके थे जो लोगों को मिले। उनकी यादों को वापस लाने के तरीके, लेकिन जिस तरह से मैं प्यार करता था जिस तरह से उनके करीबी दोस्त, जाने–माने लेखक और निर्देशक रूमी जाफरी ने किया। जो लोग नहीं जानते उनके लिए रूमी को ऋषि ने एक लेखक बनने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया था और एक निर्देशक के रूप में

HAPPY BIRTHDAY CHINTU

ऋषि की पहली और एकमात्र फिल्म की पटकथा भी लिखी थी, (आ अब लौट चले)। रूमी ने चिंटू के जन्मदिन पर मुंबई के फोर बंगलों में मॉडल टाउन में अपने आवास पर (चिंटू) के लिए एक अनोखा जन्मदिन समारोह आयोजित किया और नीतू सिंह (श्रीमती ऋषि कपूर), रणधीर कपूर, डेविड धवन, लाली धवन, हन्ना जाफरी, शत्रुघन सिन्हा जैसे मेहमान थे। मोहिनी छाबड़िया और पम्मी गौतम। रूमी की पत्नी ने एक डफली, एक गिटार और ट्विटर के प्रतीक नागचंपा अगरबती, (खुल्लम खुल्ला), पाया, ब्लैक लेबल

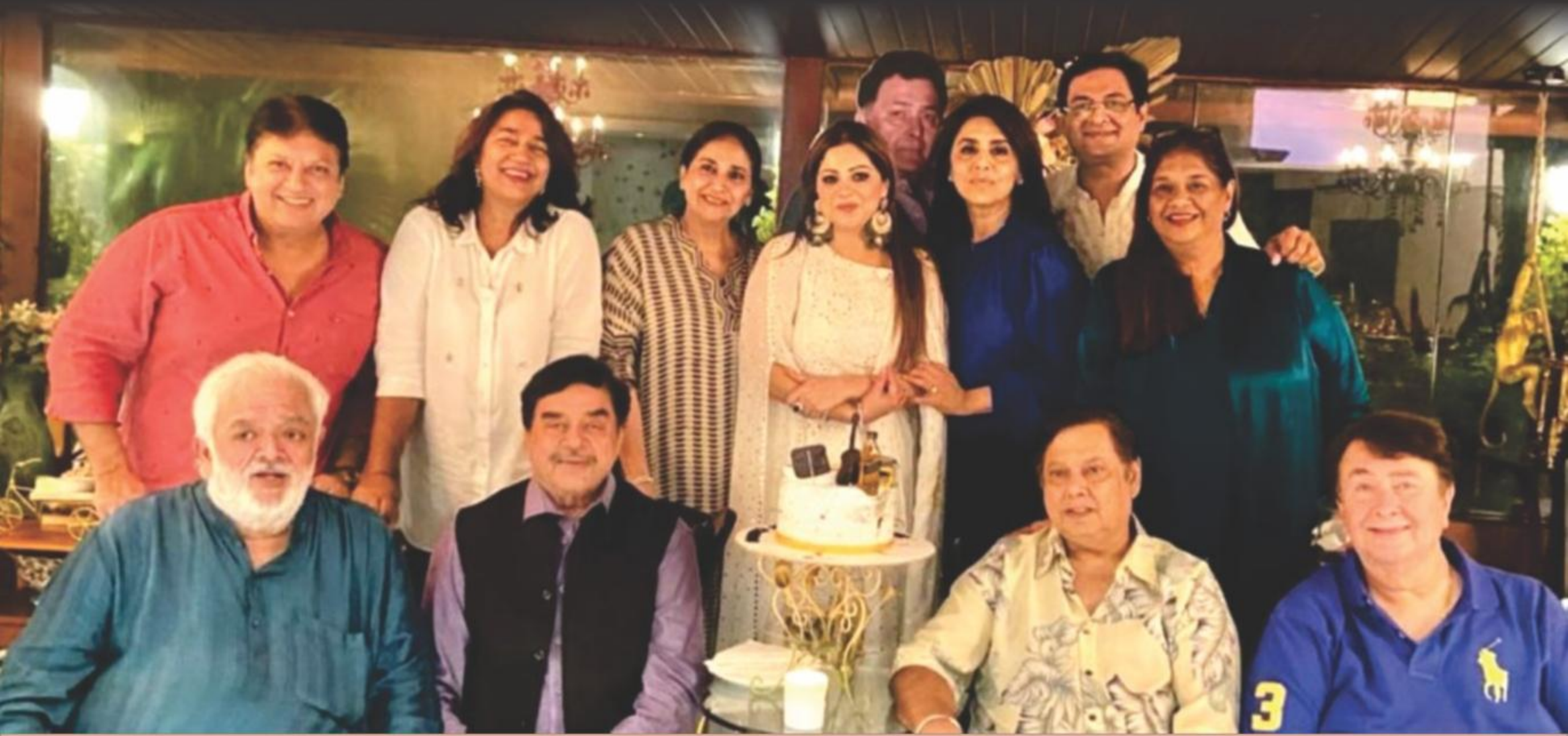

व्हिस्की की एक बोतल और चिंटू के करीब अन्य चीजों के साथ एक केक बेक किया था, जो कई स्वादों के आदमी थे।

अन्य ऋषि कपूर पार्टियों की तरह पार्टी भी देर से समाप्त हुई और रूमी जाफरी को राजेश सुब्रमण्यम और उनके सोलफुल सैटरडे द्वारा आयोजित एक अलग तरह की डे–टाइम पार्टी में शामिल होना पड़ा, जो उस व्यक्ति की अविस्मरणीय और अमर भावना को याद करने के लिए थे जो कभी नहीं कह सकते थे विदाई, हमेशा के लिए आत्मा, चिंटू कपूर, वह आदमी जिसे चिंटू तब भी कहा जाता था जब वह रणधीर और रिद्धिमा के पिता और तैमूर के दादा–चाचा थे और ...

मैंने आक्रोश रविवारों में देखा है कि शनिवार की भावना को डॉक्टरों, व्यापारियों और युवा पुरुषों और महिलाओं द्वारा हर दूसरे पेशे से खरीदा जा रहा है, लेकिन पूरे समय के गायन से संगीत को मंच पर जीवंत किया जाता है, लेकिन इस रविवार को ऋषि कपूर की आत्मा लग रही थी उनकी आत्माओं और आवाजों का प्रभार ले लिया है और जिस तरह से पुरुष गायकों और महिला गायकों ने पांच घंटे से अधिक समय तक अपने दिलों को गाया है, मेरे बूढ़े लेकिन युवा दिल को संगीत के भविष्य के लिए एक ऐसे समय में बड़ी उम्मीद दिखाई दे रही है जब मैं संगीत को डूबते हुए महसूस कर सकता हूं मेरे पैरों के तलवे और लय/रिपर के चंगुल से बचने के लिए भीख माँगते हुए जो कुछ पैसे और बेचने पर आमादा हैं।

सोलफुल सैटरडे के हर रविवार को मैं यह देखने के लिए खुद को परखता हूं कि मैं कितनी देर तक सोलफुल म्यूजिक के इस सीजन में बैठ सकता हूं और मैं अपने खुद के साहस से हैरान हूं, जो अब मुझे लगता है कि प्रतिभाशाली गायकों से आता है, जिन्होंने सचमुच अपनी आवाज दी और खुद को समर्पित करने के लिए जीवन दांव पर लगा दिया। अच्छे संगीत के कारण। और हर रविवार की तरह, मैं सोलफुल सैटरडे के हर गायक के नाम कां उल्लेख करूंगा जिन्होंने उस रविवार और अगले सप्ताह को यादगार बना दिया और संगीत के अन्य सभी आश्रित जो एक और सप्ताह के लिए आत्माओं को जीवित रखते हैं। मेरे पास टोपी नहीं है, लेकिन मैं सोलफुल सैटरडे के सभी गायकों को अपना सिर झुकाता हूं जैसे

अरुणा गुप्ते, चेतन सेठ, निखिल भक्त, परवीन कोतवाल, हीना म्हात्रे, श्रद्धा वागरलकर प्रकाश लुल्ला, संजय गोपालकृष्णन नीरज शुक्ला, स्मृति वेंगुर्लेकर, योगेश भट्ट, नम्रता बरबेरिया संतोष सुब्रमण्यम, सतीश नायर, सुब्बू, नारायण, सतीश पुरोहित, मांगे शाह, महेंद्र चौहान, संजय मंगवे और सचिन उगाडे।

ऋषि निस्संदेह मेरे समय के पहले बड़े स्टार थे और रहेंगे जिन्होंने साबित किया कि कैसे एक स्टार ने हजारों लोगों के दिल की धड़कन और लोगों की कमी को बदल दिया और उन्होंने इसे फिर से साबित कर दिया कि भावपूर्ण शनिवार की सुबह और मैंने उन्हें धन्यवाद दिया जैसे हम चले और नृत्य किया उनके जन्मदिन को मनाने के लिए पूरे घर में हाथ में हाथ डाले जिस तरह से हम इसे एक दिन पहले मनाते थे।

HAPP
BIRTHDAY

SOULFUL SATURDAY PRESENTS HIM KISI SE KUM NAHI BEST OF RISHI KAPOOR

Soulful Saturdays
PRESENTS
HUM
KISIS
KUM
NAHI

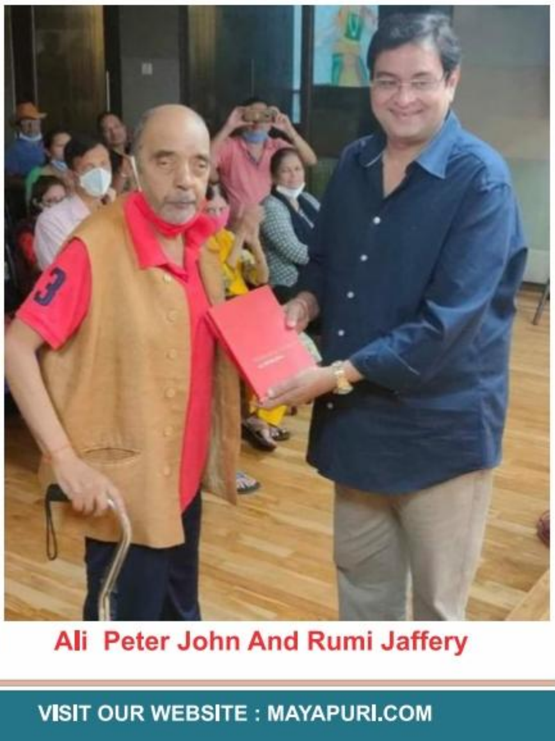

Ali Peter John And Rumi Jaffery

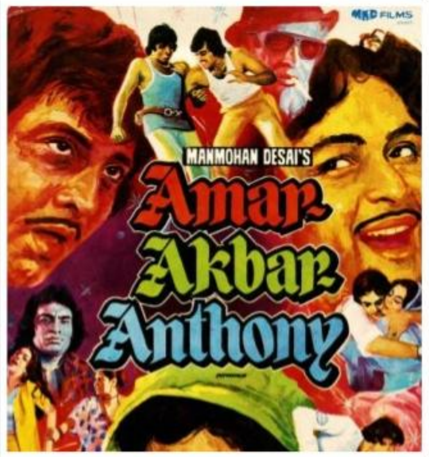
MKD FILMS
MANMOHAN DESAI'S
Amar Akbar Anthony

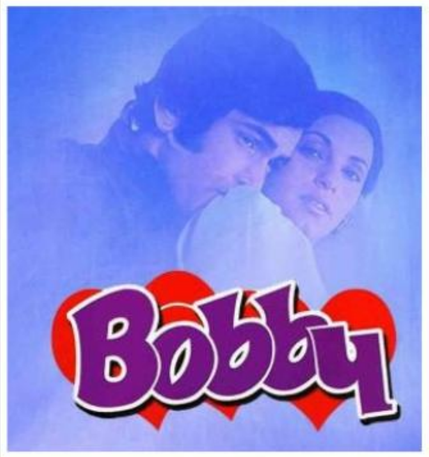
Bobby

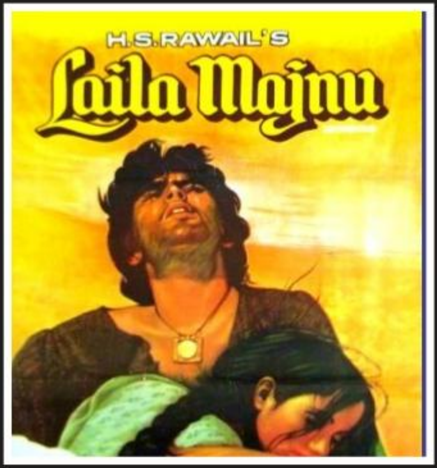
H.S.RAWAIL'S
Laila Majnu

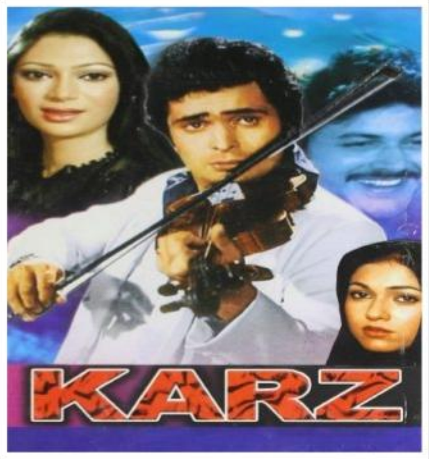
KARZ

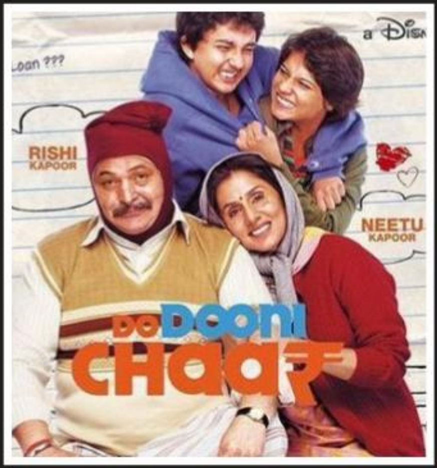
a Disney
Loan ???
RISHI KAPOOR
NEETU KAPOOR
Do Dooni Chaar

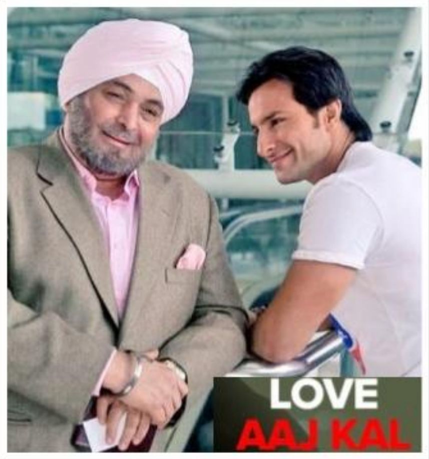
LOVE
AAJ KAL

namastey
LONDON
A VIPUL AMRUTLAL SHAH FILM

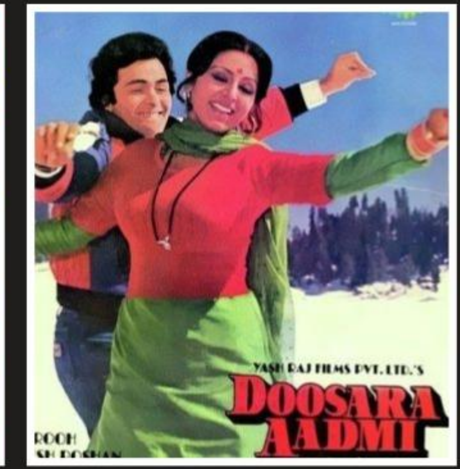
YASH RAJ FILMS PVT. LTD.'S
DOOSARA AADMI

YASH RAJ FILMS PRESENTS
AURANGZEB
WRITTEN & DIRECTED BY ATUL SABHARWAL
PRODUCED BY ADITYA CHOPRA

श्रद्धा कपूर ने नहीं की बुजुर्ग की मदद, लोग हुए नाराज

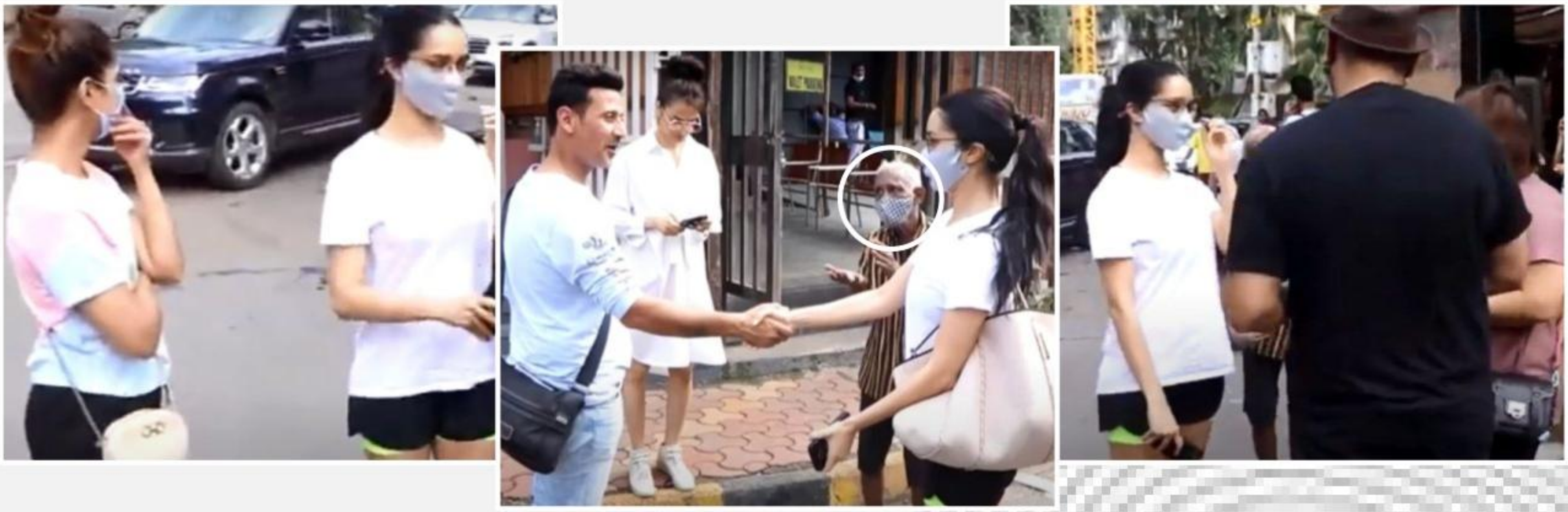

LATIN AMERICAN FILMS WIN BIG AT KASHISH 2021

FORGOTTEN ROADS

ARE WE THERE YET

CANELA

MARIA EDUARDA MAIA, ADVENT OF MARY

BEGUM PARVATHI 1-RADHIKA PRASIDHHA

WHAT REALLY, REALLY CAPTURED ME, WERE THE ACTION SEQUENCES. I FELT THAT IT WOULD BE AN INCREDIBLE CREATIVE PROCESS."KAREN GILLAN ON GUNPOWDER MILKSHAKE, RELEASING ON 10TH SEPTEMBER

पवन सिंह की हीरोइन प्रियंका रेवड़ी बनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स का चेहरा

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

भोजपुरी के सबसे बड़े म्यूजिक चैनल 'वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स' ने खूबसूरत अदाकार प्रियंका रेवड़ी को भोजपुरी एल्बमों के लिए एक्सक्लूसिवली अनुबंधित किया है। अब अभिनेत्री प्रियंका रेवड़ी, वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स का चेहरा होंगी, जो इस कंपनी की फिल्म, एल्बम और विज्ञापनों में भी नजर आएंगी।

वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के प्रवक्ता रंजन सिन्हा ने इस संबंध में कहा है–''फिल्मों में धमाल मचाने में बाद प्रियंका रेवड़ी एक भोजपुरी एल्बम में जल्द ही खेसारीलाल यादव समेत अन्य भोजपुरी सुपर स्टार कलाकारों के साथ ठुमके लगाते हुई नजर आएंगी। तो वहीं वह फिल्म और विज्ञापनों में भी प्रमुखता से नजर आएंगी। प्रियंका रेवड़ी इससे पहले इसी बैनर की सफलतम फिल्म 'पवन पुत्र' में पवन सिंह के साथ नजर आ चुकी हैं। लेकिन अब उनकी एंट्री वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स कैम्प में हो गयी है।

उन्होंने आगे कहा– ''वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के मालिक रत्नाकर कुमार ने प्रियंका रेवड़ी की प्रतिभा को ध्यान में रखकर उन्हें अपनी आगामी परियोजनाओं के लिए अनुबंधित किया है। प्रियंका रेवड़ी में काफी क्षमताएं है और वह काफी मेहनती हैं। उनमें काम करने का जुनून है। उनमें हर वह गुण हैं, जो उन्हें आगे चलकर एक बड़ी कलाकार के रुप में स्थापित करेगी। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखकर प्रियंका को वर्ल्डवाइड ने सबसे पहले अनुबंधित कर लिया है और अब जल्द ही उनकी धमाकेदार एल्बम, फिल्म और एड वर्ल्डवाइड से आने वाली हैं।''

वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स में एंट्री से प्रियंका रेवड़ी भी बेहद खुश हैं। प्रियंका रेवड़ी कहती हैं–सही मायनों में देखा जाए तो यह मेरे लिए शानदार मौका है। इसी के साथ अब कंपनी की उम्मीदों पर अपनी प्रतिभा को साबित करते हुए खरा उतरने की चुनौती मेरे सामने है। लेकिन मुझे अपनी प्रतिभा पर पूरा भरोसा है और भोजपुरी दर्शकों पर भी। मुझे वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स से जुड़ कर बहुत ज्यादा खुशी हो रही है। क्योंकि मेरी पहली भोजपुरी फिल्म का निर्माण भी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स ने ही किया था। अब मुझे एक और सुनहरा मौका मिला है, इसके लिए मैं तहेदिल से रत्नाकर कुमार का आभार व्यक्त करती हूं।''

''शौर्या ग्रुप ग्लोबल आर्ट इंफोटेनमेंट'' की नई फिल्म में रवि यादव

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

''शौर्या ग्रुप ग्लोबल आर्ट इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड'' के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर शिवम बरनवाल ने अपनी नई अनाम फिल्म के लिए भोजपुरी के चर्चित अभिनेता रवि यादव को अनुबंधित किया है। फिल्म का नाम और बाकी कलाकारों, निर्देशक व अन्य तकनीकी टीम का चयन अभी बाकी है। वैसे रवि यादव इस फिल्म से जुड़कर बेहद उत्साहित हैं।

इस फिल्म के साथ जुड़ने के उतसाह में रवि यादव ने सोशल मीडिया पर साइनिंग अमाउंट का चेक शिवम बरनवाल से लेते हुए अपनी तस्वीर साझा की है और लिखा है ''आज नई फिल्म साइन की। शौर्या ग्रुप ग्लोबल आर्ट इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर शिवम बरनवाल जी का शुक्रिया। जय भोजपुरी। लव यू ऑल।''

रवि यादव इस फिल्म को लेकर जितना खुश हैं, उतनी ही खुशी उनके फैंस और चाहने वालों में भी है। रवि कहते हैं कि मैं अपनी अभिनय को लेकर हमेशा सजग और ईमानदार रहा हूँ, इसलिए लोग मुझ पर भरोसा कर रहे हैं। यह फिल्म भी बेहतरीन है और इसमें मेरा किरदार शानदार होने वाला है। रवि ने हालांकि फिल्म में अपने किरदार को लेकर कुछ नहीं कहा, लेकिन ये बताया कि इस फिल्म में उनका किरदार कैसा होगा, इसका जल्द ही इस बारे में खुलासा होगा।

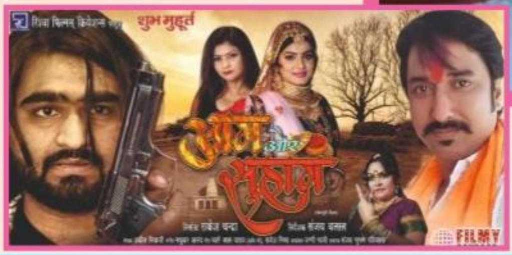

वैसे रवि यादव ने श्रुति राव के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म ''आग और सुहाग'' का भव्य पैमाने पर अंतिम गाने का फिल्मांकन किया था। इसके साथ ही निर्देशक संजय वत्सल के कुशल निर्देशन में बनी इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। 'आग और सुहाग' में नायक रवि यादव का लुक और उनका किरदार बहुत ही धांसू है। इस फिल्म में काफी एक्शन भी देखने को मिलेगा, वहीं सुहाग की रक्षा के लिए नायिका श्रुति राव का आक्रमक तेवर दर्शकों को रोमांचित करेगा।

फिलमची भोजपुरी पर विश्व टीवी प्रीमियर पर लगेगा शानदार फिल्मों का महामेला

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

भोजपुरी के सबसे लोकप्रिय टीवी चैनल फिलमची भोजपुरी पर 4 सितंबर से 11 सितंबर तक वर्ल्ड टीवी प्रीमियर का महामेला चल रहा है, जिसमें एक से बढ़कर एक शानदार फिल्मों का प्रसारण किया जा रहा है। इसी कड़ी में 9 सितंबर को पंगेबाज, 10 सितंबर को हमार लव स्टोरी और 11 सितंबर को पत्थर के सनम फिल्म का प्रीमियर होगा। इन धमाकेदार फिल्मों का प्रीमियर 9 सितंबर से 11 सितंबर को संध्या 06:30 बजे होगा। इसकी जानकारी फिलमची भोजपुरी के तरुण तलरेजा ने दी।

तरूण तलरेजा ने कहा –''हमने पहले ही इस बात की घोषणा की थी कि साल का सितंबर माह फिलमची के दर्शकों के लिए धमाकेदार होगा। फिलमची का मकसद लोगों तक सार्थक मनोरंजन को पहुंचाना है। इसी कड़ी में हमने विश्व प्रीमियर के तहत मनोरंजक सिनेमा लेकर आ रहे हैं। हमारे इस प्रयास को दर्शकों का भी साथ मिल रहा है। लोगों की बढ़ती डिमांड हमें उत्साहित करती है कि हम और अच्छी फिल्में विश्व टीवी प्रीमियर में लेकर आएं। फिलमची टीवी इन10 मीडिया नेटवर्क का प्रीमीयम भोजपुरी फिल्म चैनल है, जिस पर दर्शक '24 बाय 7'भोजपुरी फिल्म देख सकेंगे। यह चैनल DD फ्री डिश, टाटा स्काय, एयरटेल टीवी, डिश टीवी, जीटीपीएल, दर्श, सिटी मौर्या, सिटी केबल आदि पर उपलब्ध है।''

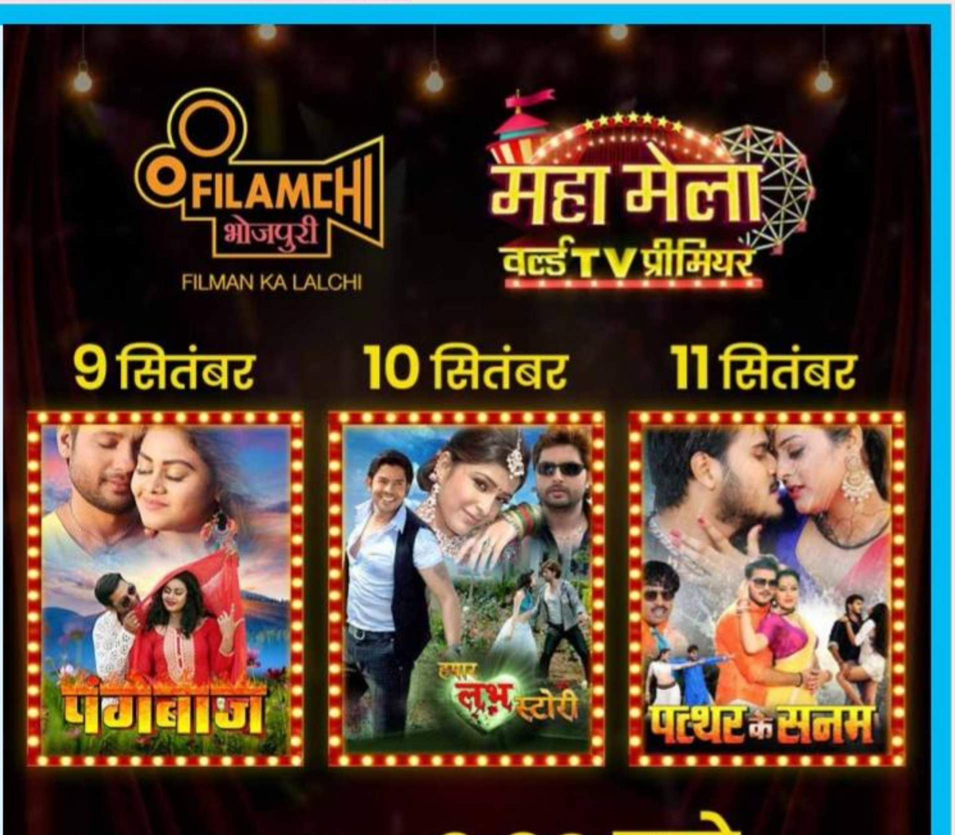

''मैं जलवायु परिवर्तन से लड़ने के अवसर की प्रतीक्षा में हूँ..''

अभिनेत्री–पर्यावरणविद् रूपाली सूरी

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

अभिनेत्री और पर्यावरणविद रूपाली सूरी पिछले कुछ माह से अपने अथक प्रयासों और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) व मेक अर्थ ग्रीन अगेन मेगा फाउंडेशन के सहयोग से उन स्थानों पर पेड़ लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है,जिन्हे चक्रवात तौकता ने नष्ट कर दिया था।

जी हॉ! दिया मिर्जा, सोनाक्षी सिन्हा, रणवीर शौरी, भूमि पेडनेकर, अजय देवगन, राहुल बोस, नंदिता दास और अफरोज शाह सहित सेलेब्स और चेंजमेकर्स की पसंद में शामिल होकर, अभिनेता–पर्यावरणविद् रूपाली सूरी अर्थ ग्रीन अगेन मेगा फाउंडेशन के साथ जुड़कर उस राह पर जा रही हैं, जो कि दुनिया को बचाने में मदद करेगा!

दीया मिर्जा और गुल पनाग पर्यावरण और आवास संरक्षण और प्राकृतिक ऊर्जा संसाधनों को बढ़ावा देती हैं, राहुल बोस जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जाने जाते हैं। जबकि जॉन अब्राहम सौर ऊर्जा का उपयोग करके ग्रामीण क्षेत्रों को शक्ति प्रदान करते हैं। रूपाली सूरी पृथ्वी को फिर से हरा बनाने में मदद करने के लिए पेड़ों को फिर से लगाने में विश्वास करती हैं।

खुद रूपाली सूरी कहती हैं –''पृथ्वी ग्रह की रक्षा करना एक ऐसा कारण है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। मेक अर्थ ग्रीन अगेन मेगा फाउंडेशन ने मुझे रोल–मॉडल और जनता के लिए एक सकारात्मक प्रभावक बनने के लिए संपर्क किया। मैं हाल ही में चक्रवात तौके से हुए नुकसान को कम करने के लिए मुंबई में कई वृक्षारोपण अभियान का हिस्सा रही हूं। मैं जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए ऐसे कई अवसरों की प्रतीक्षा कर रही हूँ।''

पर्यावरण को बचाने में भाग लेने के लिए युवाओं को प्रेरित करते हुए रूपाली सूरी पर्यावरण के मुद्दों के बारे में लगातार मुखर रहती हैं! उन्होंने स्थायी जीवन विकल्पों, स्वच्छ हवा के महत्व, जलवायु परिवर्तन को तत्काल संबोधित करने की आवश्यकता आदि के बारे में संदेश फैलाने की कसम खाई है। अपने सत्यापित इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर पचास हजार फॉलोअर्स के साथ सोशल मीडिया पर सनसनी रूपाली के सोशल मीडिया अपडेट को शुभ चिंतकों और प्रशंसकों से हजारों लाइक्स और सैकड़ों कमेंट्स मिलते हैं! एक सच्ची फैशनिस्टा, जीवंत रूपाली सूरी भी मुख्यधारा के मुद्दों को संबोधित करने के लिए अपने मंच पर युवाओं के लिए एक आदर्श साबित हुई है, जिसमें आमतौर पर गंभीरता की कमी होती है जिसके वे हकदार होते हैं। जिसके वे हकदार होते हैं।

ह्यूमरस फिल्म 'साढू जी नमस्ते' का पोस्टप्रोडक्शन शुरू

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

''अनुराग मूवीज'' प्रस्तुत और ''सुयश स्पेक्टेकल प्रा. लि.''के सहयोग से बन रही भोजपुरी फिल्म 'साढू जी नमस्ते' का पोस्ट प्रोडक्शन का कार्य तेज गति से हो रहा है। सूत्रों की माने तो इस फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन का कार्य लगभग अस्सी प्रतिशत से अधिक हो चुका है, जिसके बाद उम्मीद की जा रही है कि फिल्म का ट्रेलर भी जल्द आ जाएगा। जब हमने इस संबंध में फिल्म के निर्माता सुबीर कुमार और यशवंत कुमार से बात की तो उन्होंने कहा –''जी हॉ! फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन का काम तेज गति से हो रहा है। अब दर्शकों को ज्यादा वक्त तक इंतजार कराने का हमारा कोई इरादा नहीं है। हमने एक अच्छी फिल्म बना ली है और वक्त पर इसे सिनेमाघरों में प्रदर्शित भी कर देंगे।''

उन्होंने आगे कहा –''हमारी यह फिल्म दर्शकों को खूब गुदगुदाएगी। फिल्म काफी दिलचस्प है। इसकी पूरी शूटिंग बिहार के वैशाली और दलसिंहसराय में नॉन स्टॉप चली है। बिहार में फिल्म को फिल्माने का अनुभव काफी अच्छा रहा। बिहार में हमने जिन स्थानों पर भी फिल्म की शूटिंग की, वहां के लोगों का हमें भरपूर सहयोग मिला। यही वजह है कि हम बड़े आराम से अपनी फिल्म की पूरी शूटिंग सफलतापूर्वक कर सके और अब हम पोस्ट प्रोडक्शन के अंतिम चरण में हैं।''

जबकि फिल्म के निर्देशक रंजीत महापात्रा ने कहा–फिल्म 'साढू जी नमस्ते' दर्शकों को मनोरंजन के उच्चतम शिखर पर ले जाएगी। फिल्म में सभी कलाकारों ने जी जान से मेहनत की है। हमने फिल्म के एक –एक पहलू पर काम किया है, जो दर्शकों को सिनेमाघरों में देखने को भी मिलेगा।''

फिल्म 'साढू जी नमस्ते' के निर्माता सुबीर कुमार व यशवंत कुमार, निर्देशक रंजीत महापात्रा और सह निर्देशक मृत्युंजय यादव, सत्यप्रकाश, विश्वजीत विश्वा हैं। फिल्म के कथा पटकथा व संवाद लेखक पप्पू प्रीतम, कार्यकारी निर्माता बबली चंद्रा, गीतकार श्याम देहाती, संतोष उतपाती एवम सतेंद्र स्वामी, संगीतकार रजनीश मिश्रा,गायक– साधना सरगम, सुरेश वाडेकर, कल्पना, रजनीश मिश्रा हैं, कैमरामैन दयाशंकर सिंह, नृत्य निर्देशक ज्ञान सिंह, कुमार प्रीतम, मारधाड़ प्रदीप खड़का, रूप सजा पिंटू सिंह और कला विकास व प्रोडक्शन विजय और पवन का है। जबकि इसे अभिनय से संवारने वाले कलाकार हैं–सुधीर कमल, प्रियरंजन, सुजीत सुगना, माही खान, नीलम नीलू, रत्नेश बरनवाल, अनीता सिंह, प्रदीप शर्मा, सुजीत सर्थक, राजेश जी, कुमार प्रीतम व अन्य।

Jassie Gill's new film Kya Meri Sonam Gupta Bewafa Hai releases their first song: a cool take on the retro classic Leke Pehla Pehla Pehla

Kya Meri
Sonam Gupta
Bewafa Hai?
Leke Pehla
Pehla Pyaar
NOW ON /Sar

vayamvar

क्या सोनम गुप्ता बेवफा है?

सुरभि ज्योति

–लिपिका वर्मा

सुरभि ज्योति ने टी वी सीरियल ,"कुबूल है " नागिन 3 से बहुत नाम कमा रही है। अब ज़ी 5 पर उनकी फिल्म," क्या मेरी सोनम गुप्ता बेवफा है? " बेहद सुर्खियां बटोर रहा है। यह फिल्म एक छोटे गांव की कहानी है। सौरभ त्यागी द्वारा निर्देशित फिल्म 10 सितम्बर को रिलीज़ हुई है सभी को फिल्म पसंद भी आ रही है। जस्सी गिल और सुरभि ज्योति लीड रोल में नजर आ रहे है।

☐ तो बताओ कबूल है फेम वाली सोनम पैसे उड़ा रही है कितनी बेवफा है?

वो वास्तव में पैसे उड़ाने जा रही हैं। या वो बेवफा है या नई है उस फिल्म के लिए मुझ पर भरोसा करें आपको कुछ अलग देखने को मिलेगा क्योंकि फिल्म का शीर्षक है "क्या मेरी सोनम बेवफा है" ।इसलिए उन्हें यकीन नहीं हो रहा है कि सोनम बेवफा है या बेवफा नहीं है। इसलिए वे दर्शकों से पूछ रहे हैं।

☐ आपके लिए यह शब्द बेवफा क्या है?

मेरे लिए बेवफा कुछ और है। यानी बेवफाई। मुझे लगता है कि मुझे झूठ नहीं बोलना है। मुझे लगता है कि किसी से झूठ बोलना बेवफाई है।

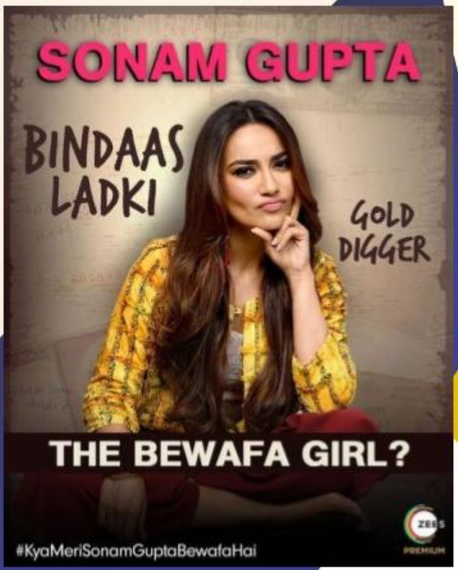
SONAM GUPTA
BINDAAS LADKI
GOLD DIGGER
THE BEWAFA GIRL?
#KyaMeriSonamGuptaBewafaHai
ZEE5
PREMIUM

☐ ट्रेलर बेहद शानदार और बेहतरीन लग रहा है। और जसी गिल और तुम दोनों बहुत अच्छा कर रहे हो। कैसा रहा रेपो?

मुझे लगता है कि यह पेशेवर था। वह बहुत सहज व्यक्ति हैं। वह बहुत

मेहनती है। और वो बात थोड़ा कम करते हैं इसलिए ज्यादा बातचीत नहीं हुई लेकिन कुल मिलाकर वह ठीक है।

☐ कैसी थी केमिस्ट्री। केमिस्ट्री बहुत अच्छी लग रही है?

हाँ फिर से मैं यही कहूँगी कि वह बहुत मेहनती व्यक्ति है और बहुत ईमानदारी और शिद्दत के साथ ये चरित्र किया है। हमारी कोशिश यही थी कि जो कैरेक्टर की मांग है वो हम अच्छे प्ले कर पाए, अच्छे से कर पाए। और हमने वही किया। और इसलिए जो केमिस्ट्री है लोगों को अच्छी लग रही है यह खुशी की बात है हमारे लिये।

☐ ऐसा नहीं लगता है फिल्म,बरेली ”की बर्फी बनी तो उसके बाद अब सभी (निर्माता/निर्देशक) छोटे गांव के विषय लेकर अमूमन कहानियां बना रहे है अब?

मुझे ऐसा लगता है कि अगर किसी कहानी की मांग है तो लंदन में होना चाहिए तो एक फिल्म ऐसे बने या 10 फिल्म यह सब आपकी फिल्म की मांग पर निर्भर है। तो अगर कोई बरेली की कहानी हो तो बरेली में बनेगा। उसके बाद फिल्म,”बधाई हो फिल्म आई थी वह भी फिर से वही परिसर यानी कंटेंट पर थी । एक छोटे शहर की कहानी। अभी छोटे शहर की कहानी है क्योंकि हमारे लिए हर गली में हर घर में एक कहानी है। तो जितनी चाहिए हम उतनी ही फिल्मे बनाना संभव है। और वही कोशिश हमारे डायरेक्टर की भी रही। और बहुत खूबसूरती से हमने इसे शूट किया है और मुझे यकीन है कि आप सबको ये फिल्म अच्छी लगी होगी।

A ZEE5 ORIGINAL
Qubool Hai

☐ आपको लगता है कि ये छोटे शहर की कहानी रेलटेब्ल होती है हमारी ओडिन्स के लिए?

Naagin 3

जी बिल्कुल, मुझे ऐसा लगता है कि हम कोई क्राइम ड्रामा देखते हैं या कोई आउट एंड आउट हीरो की फिल्म देखते है। जिसमें मनोरंजन बहुत होता है। ये जो छोटी शहर की कहानियां होती है ये सब के दिल के करीब होती है क्यूंकि हर कोई किसी ना किसी कैरेक्टर से या उस चरित्र के किसी ना किसी बात से जुड़ाव महसूस कर पाता है वो मुझे लगता है कि इनका सबसे बड़ा यूएसपी है कि लोग फिल्म से जुड़ेंगे, लोग सोनम से जरूर जुड़ेंगे।

मेगा स्टार राम चरण ने एक्साटिंग प्रोजेक्ट्स #RC15 का कॉन्सेप्ट पोस्टर रिलीज किया

–मायापुरी प्रतिनिधि

'MEGA POWERSTAR'
RAM CHARAN
IN
SHANKAR'S

मेगा स्टार राम चरण एक्साइटिंग प्रोजेक्ट्स लेकर आ रहे हैं! #RC15 का कॉन्सेप्ट पोस्टर जारी किया गया है, जिसे नेटिजन्स से खूब प्यार मिल रहा है! पोस्टर, फिल्म की कास्ट और क्रू मेंबर्स पर प्रकाश डालता है! कॉन्सेप्ट पोस्टर न केवल समकालीन और अनोखा है, बल्कि सिनेमा प्रेमियों के बीच काफी उत्साह भी जगाता है।

राम चरण को काले रंग के सूट में देखा जा सकता है। अपने ट्वीट में उन्होंने कहा, **''नई शुरुआत के लिए !!**

#RC15#SVC50 की आज से शुरुआत हो रही है! यह सभी के लिए एक यादगार अनुभव होने वाला है!

इस अखिल भारतीय फिल्म को विजनरी **डायरेक्टर शंकर** द्वारा डायरेक्ट और **श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस** के दिल **राजू** द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। यह **एसवीसी क्रिएशंस** के **50वें प्रोडक्शन** को चिन्हित करता है। **कियारा आडवाणी म्यूजिक कम्पोजिशन** पर थमन के साथ को–स्टार होने जा रही हैं।

RC #15 SVC 50
DATE 08-09-2021

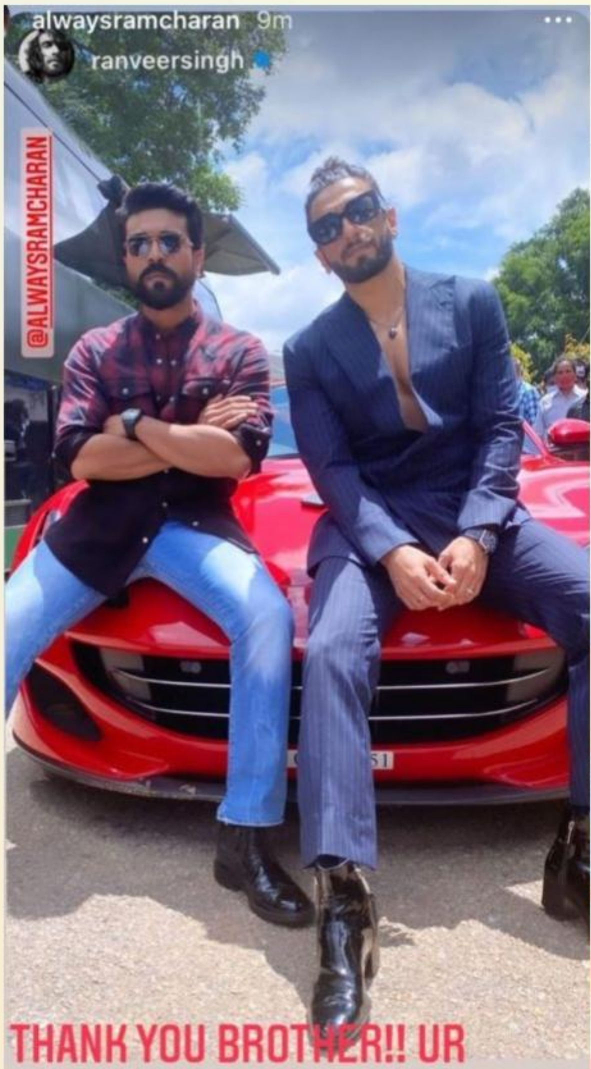

alwaysramcharan 9m

ranveersingh

@ALWAYSRAMCHARAN

THANK YOU BROTHER!! UR ENERGY IS INFECTIOUS!!

PICS BY RALESH DAVE

A DELIGHT TO SEE OUR MEGA POWER STAR ALWAYS RAMCHARAN AND EVER ENERGETIC RANVEER OFFICIAL SHARE A LIGHT MOMENT DURING THE POOJA OF #RC15 #SVC50

कमल कुमार ने दिया निया शर्मा को प्रपोजल प्रैंक, अब लोगों को है 'आंखियां दा घर' गाने का बेसब्री से इंतजार

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

कमल कुमार और निया शर्मा का गाना "आंखियां दा घर" अब तक सर्वाधिक प्रतीक्षित गानों में से एक बना हुआ है। इस गाने के इस कदर प्रतीक्षित गाना बनने की मूल वजह कमल का प्रपोजल प्रैंक है, जिसके चलते प्रशंसक स्क्रीन पर उनकी केमिस्ट्री देखने के लिए शांत नहीं रह सकते। यह गाना इसी माह बाजार में आने वाला है।

खुद निया शर्मा ने कहा, "कमल मेरे प्यारे सह–कलाकार हैं और मुझे पता है कि वह मुझसे खौफ में हैं। मुझे भी वाइब मिल सकता थी, लेकिन मुझे पता है कि यह एक हल्के नोट पर था, इसलिए उनका प्रस्ताव धीरे से हटा दिया गया था। लेकिन यह गाना 'आंखियां दा घर' मेरे दिल के करीब है। मुझे इस गाने की अवधारणा पसंद आई और मुझे इसके लिए बहुत सराहना मिल रही है। यह मेरे एक अलग पक्ष को चित्रित करता है।"

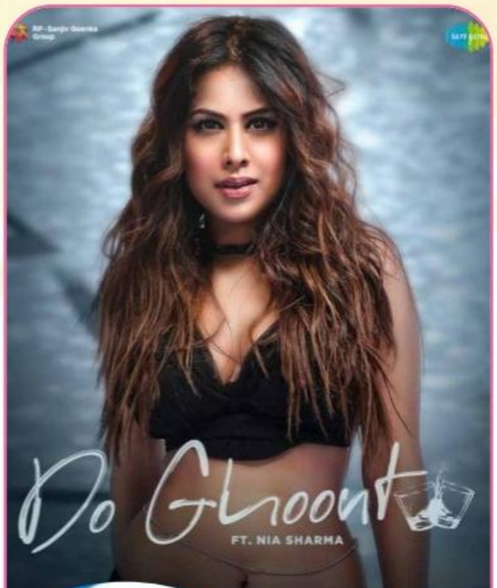
Do Ghoont
FT. NIA SHARMA

जबकि **कमल कुमार कहते हैं,** "निया अंदर से एक खूबसूरत इंसान हैं।मैं उनके काम की प्रशंसा करता हूं और उनका परिश्रम अद्वितीय है। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है और प्रपोज करने की इस स्थिति को बहुत अच्छी भावना से लिया गया है और मैं निया को इतनी प्यारी सह– कलाकार होने के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद देता हूं।"

'छैला सन्दू–ए ट्रायबल लव स्टोरी' का ऑफिसियल ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकॉड्र्स (भोजपुरी) चैनल पर

– मायापुरी प्रतिनिधि

बहुप्रतीक्षित भोजपुरी फिल्म 'छैला सन्दू–ए ट्राइबल लव स्टोरी' का ऑफिसियल ट्रेलर से रूबरू होने का मौका सिनेदर्शकों को वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स(भोजपुरी) चैनल पर मिलेगा। जय श्री कृष्णा फ़िल्म प्रोडक्शन के बैनर तले राजेन्द्र बगड़िया के द्वारा निर्मित इस भोजपुरी का ऑफिसियल ट्रेलर 7 सितंबर को प्रातः 6 बजे जारी होगा। संजय आर. निषाद द्वारा निर्देशित इस फिल्म के मुख्य कलाकार राहुल सिंह, तनुश्री, उदय श्रीवास्तव, आनंद देव मिश्रा, गोपाल राय, माया यादव, आशा चैहान, राहुल सिंह राज, उज्जवल कुमार रॉकी, अरविन्द सावन, पंकज सिंह बिट्टू और आकांक्षा दुबे आदि हैं। झारखंड की धरती से जुड़ी इस भोजपुरी फिल्म के सहनिर्माता लक्ष्मी प्रसाद अग्रवाल व मुकेश सावन, पटकथा लेखक मनोज कुमार शर्मा, संगीतकार उमेश मिश्रा, गीतकार मुकेश सावन, छायाकार इमरान अंसारी, नृत्य निर्देशक मयंक श्रीवास्तव व संतोष सर्वदर्शी,एक्शन डायरेक्टर सुयोग रिजाल और कला निर्देशक सतीश गिरि हैं। झारखंड की धरती पर आदिकाल में घटी एक सत्य घटना पर आधारित इस भोजपुरी फिल्म की शूटिंग झारखण्ड राज्य के हसीन वादियों में की गयी है।

MUSIC ON
Worldwide Records
Bhojpuri
OFFICIAL TRAILER
RELEASING ON
7TH SEP @ 6 AM
WATCH OFFICIAL TRAILER
/worldwiderecordsBhojpuri
छैला सन्दू
A Tribal Love Story
निर्माता : राजेन्द्र बगड़िया

RUBINA DILAIK

GRAND ENTRY IN BIGG BOSS OTT

अरुणा भाटिया (अक्षय कुमार की माताश्री)को अंतिम विदाई देने पहुंचे फैमिली और बॉलीवुड स्टार

आनंद एल राय की माताश्री को अंतिम विदाई देने पहुंचे फैमिली और बॉलीवुड स्टार्स

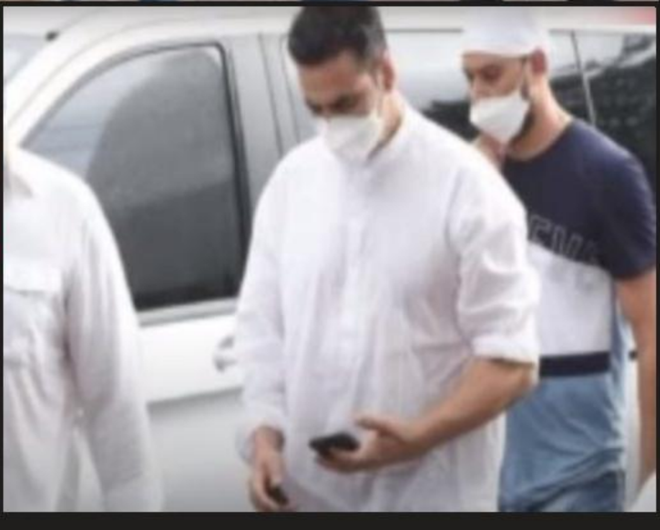

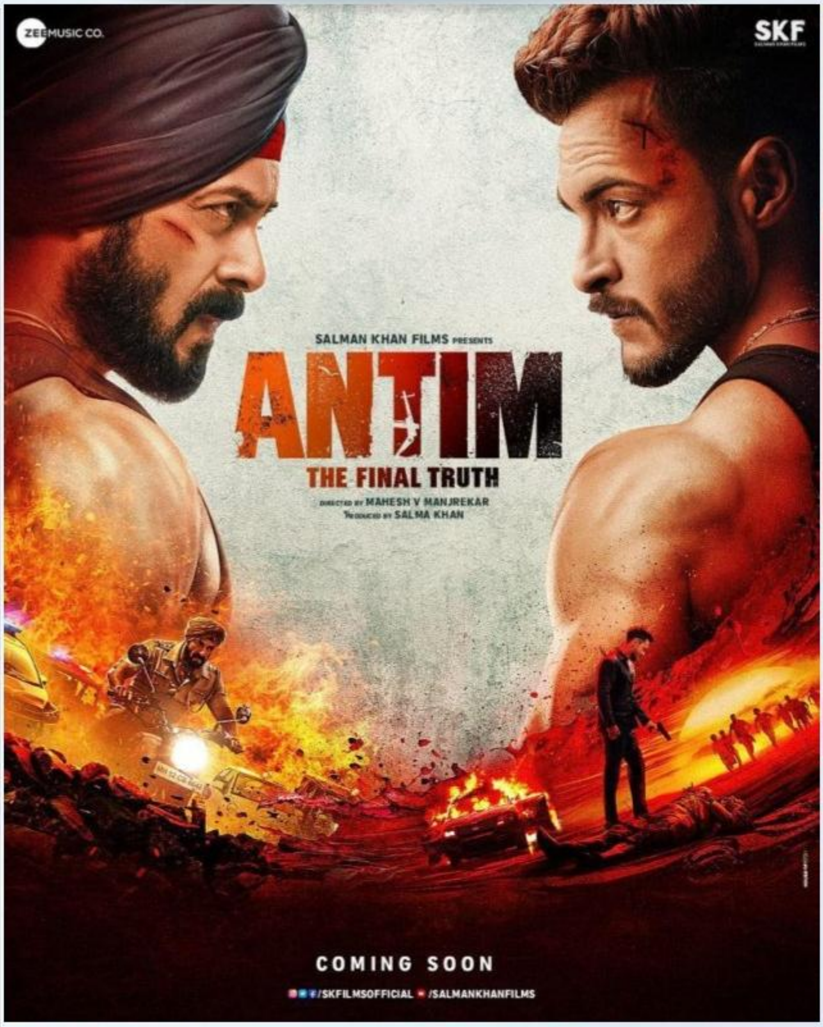
ZEE MUSIC CO.
SKF
SALMAN KHAN FILMS PRESENTS
ANTIM
THE FINAL TRUTH
DIRECTED BY MAHESH V MANJREKAR
PRODUCED BY SALMA KHAN
COMING SOON
/SKFILMSOFFICIAL /SALMANKHANFILMS

Akshay Kumar returns to India from UK leaving the shoot mid way as his mother was admitted to ICU

Akshay Kumar has returned to India from London urgently after his mother Aruna Bhatia was admitted to the ICU. The actor has returned to be by his ailing mother's side. He is very close to his mom and decided to come back to be with her.

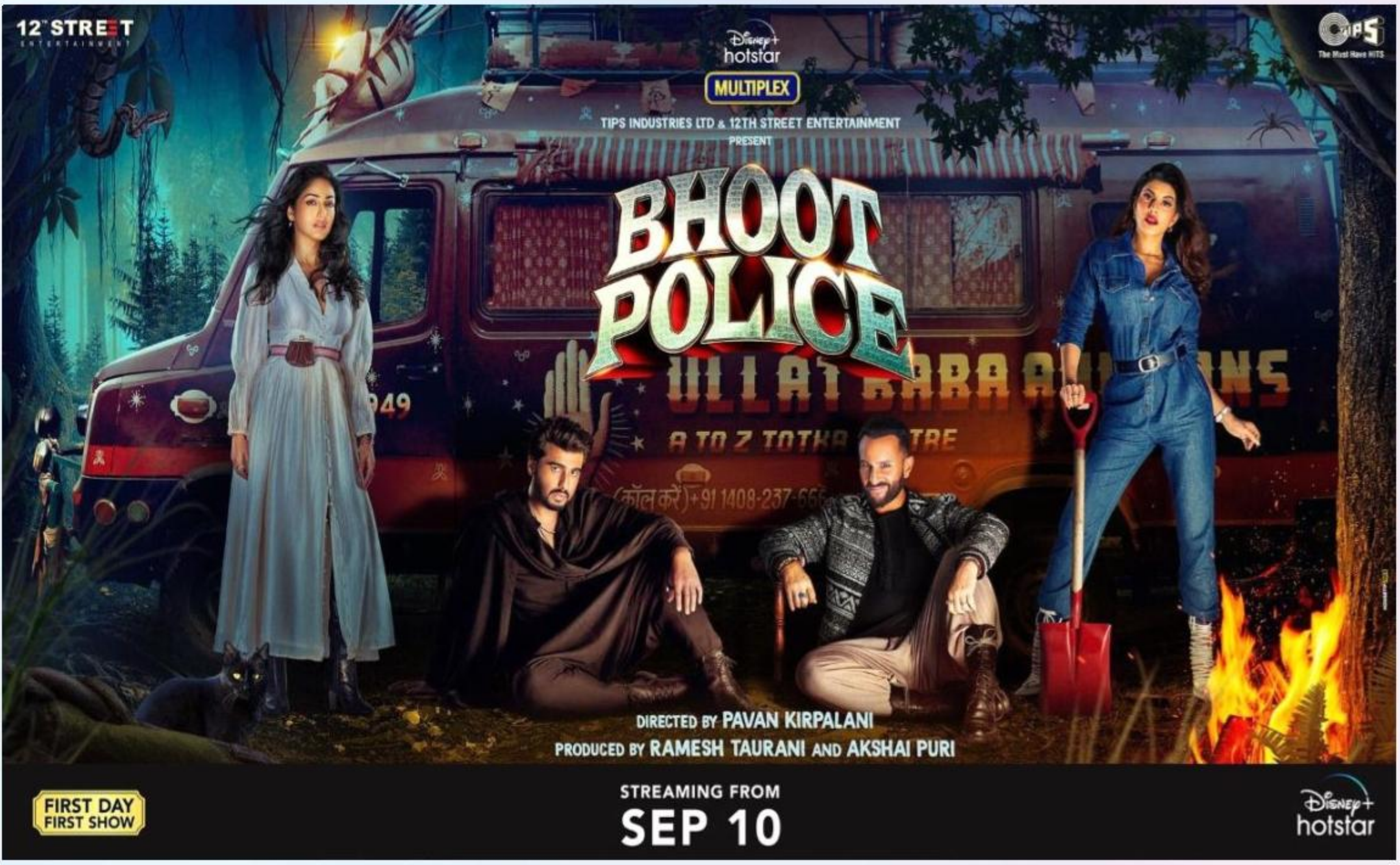
12TH STREET ENTERTAINMENT
Disney+ hotstar
MULTIPLEX
TIPS INDUSTRIES LTD & 12TH STREET ENTERTAINMENT PRESENT
TIPS
BHOOT POLICE
ULLAT BABA A... ...NS
A TO Z TOTKA ...TRE
कॉल करें +91 1408-237-666
DIRECTED BY PAVAN KIRPALANI
PRODUCED BY RAMESH TAURANI AND AKSHAI PURI
FIRST DAY FIRST SHOW
STREAMING FROM
SEP 10
Disney+ hotstar

कहां खो गये वो बड्डी महेश भट्ट साहब?

महेश भट्ट

—अली पीटर जॉन

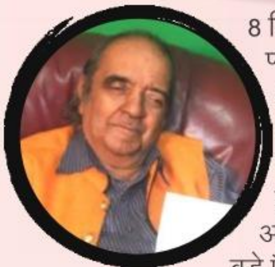

8 सितंबर की सुबह विवादों से प्यार करने वाले जाने–माने और विवादास्पद निर्देशक **महेश भट्ट** की मृत्यु के बारे में जोरदार अफवाहों से घिरी हुई थी, जिसके बारे में अफवाहें थीं कि उनकी मृत्यु बड़े पैमाने पर दिल का दौरा पड़ने से हुई थी। मैंने कुछ कॉमन फ्रेंड्स को फोन किया और उन्होंने कहा कि, वे इसके बारे में कुछ नहीं जानते। यह अफवाह तब तक चलती रही जब तक कि महेश की बेटी, अभिनेत्री, निर्माता और निर्देशक, **पूजा भट्ट** को स्थिति को संभालना पड़ा और एक बयान जारी करना पड़ा कि, उनके पिता फिट हैं और एक बदलाव के लिए उन्होंने गुलाबी जूते भी पहन लिए थे। स्नीकर्स और सैंडल जो वह सामान्य रूप से पिछले कई वर्षों के दौरान पहनते थे। महेश को जैसा कि मैं उन्हें जानता था, यह जानकर मेरा मन उस समय में चला गया जब वह विवादों में घिर गये जब उन्होंने 'मैं कमीने हूँ' जैसी जंगली बातें कहीं, **"एक आदमी को तब मरना चाहिए जब उसका मृत्यु अपने सबसे अच्छे रूप में हो"**, 'मैं नहीं 'मैं अपने लिए एक मूर्ति नहीं चाहता क्योंकि मूर्तियाँ केवल कौवे और कबूतरों के लिए होती हैं और लोगों के लिए धूल में ढँकी मूर्ति को एक नज़र दिए बिना गुजरती हैं'। वह एक समय में अपने ज्यादा शराब पीने और अपने गाली–गलौज के लिए जाने जाते थे। और हिंसक तरीके मैं अनगिनत बार गवाह था जब वह अपने हाथ को दीवार से टकराकर चोट पहुँचाते थे और फिर एक ऑटो में घर ले जाये जाते थे।

उनकी बेटी पूजा अपने पिता के नक्शेकदम पर चली थी और उसे भी बेतुके बयान देना और बेतुकी बातें करना बहुत पसंद थी। एक तस्वीर है, जिसमें पिता और बेटी सचमुच होठों पर एक दूसरे को चूमा एक शानदार साप्ताहिक के कवर में जगह बनायी। वह कुछ जाने–माने फोटोग्राफरों से उनकी तस्वीरें सबसे चौंकाने वाले तरीके से शूट करने के लिए कहती थीं। उन्होंने एक बार अलग–अलग रंगों में नग्न अवस्था में अपने शरीर के साथ फोटो खिंचवाई और वह एक बार मेरे एक फोटोग्राफर **आर. कृष्णा** को हाईवे पर एक दूर के स्थान पर ले गई, जब ट्रैफिक था और उन्हें नग्न अवस्था में लेटी हुई उसकी तस्वीर लेने के लिए कहा। हाइवे बड़े पैमाने पर उनके बोतल मारने की कहानियां शुद्ध शराब की भावना की तरह फैल गईं और तब तक जारी रहीं जब तक उन्होंने शराब छोड़ने का फैसला नहीं किया। महेश ने **"सारांश"** के निर्माण के दौरान भी सदमे की लहरें पैदा कीं, जब वह अपनी पहली पत्नी से अलग हो गए, एक मुस्लिम बन गए और "सारांश" की युवा अभिनेत्री **सोनी राजदान** से शादी कर ली, जिन्होंने अपनी पहली संतान माँ बनने के लिए अपना करियर छोड़ दिया, जो आज आलिया भट्ट हैं और अपने पिता के आशीर्वाद से आलिया कपूर बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। महेश ने अपने कई पलों में से एक में यह भी घोषणा की कि वह फिर से एक फिल्म का निर्देशन नहीं करेंगे और वह फिर से शराब नहीं पीएंगे। वह खुद से किया गया अपना दूसरा वादा निभाने में सफल रहे हैं, लेकिन पहला नहीं, जिसे उन्होंने बीस साल बाद तोड़ा है और अब वे "सड़क" के सीक्वल को अंतिम रूप दे रहे हैं, जो उनकी सबसे कठिन फिल्मों में से एक है। अपने करियर में अपने पसंदीदा

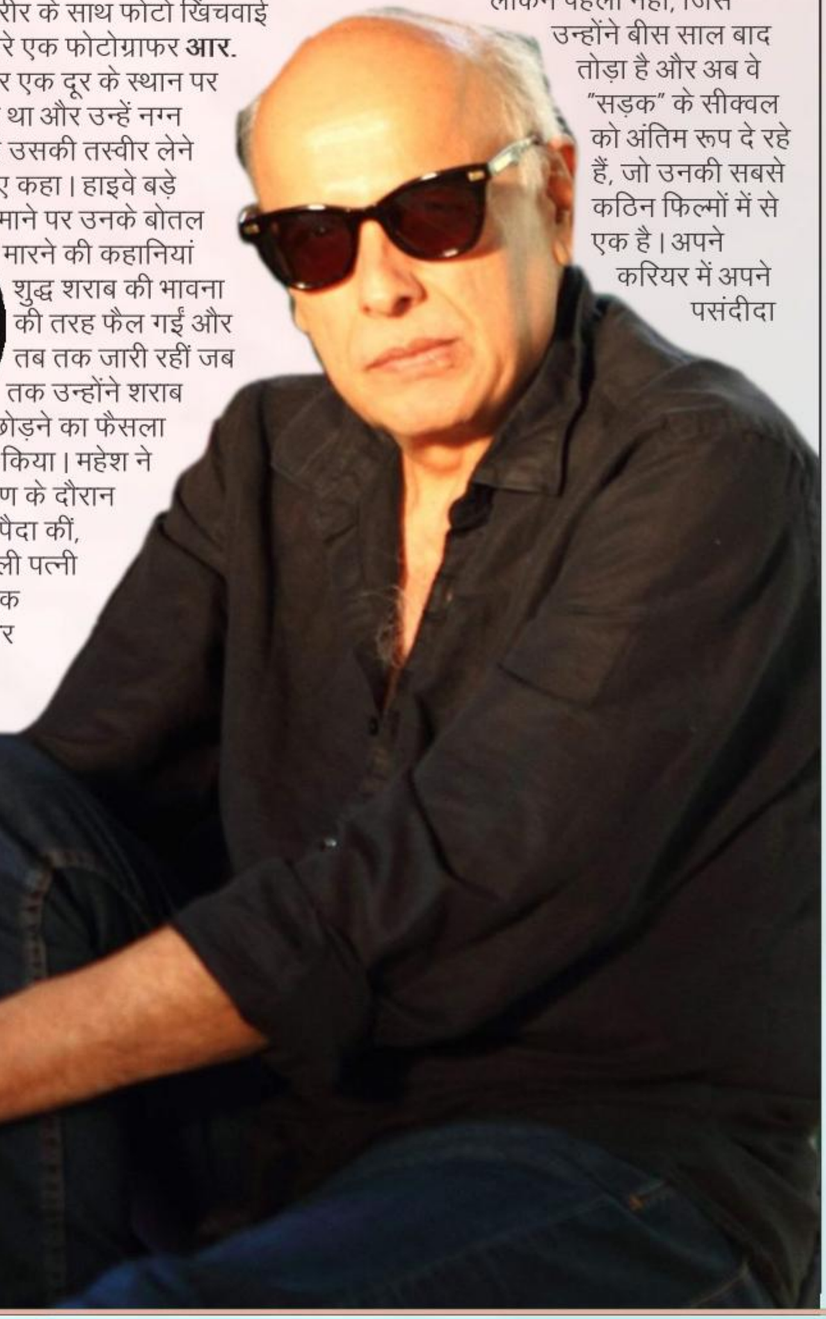

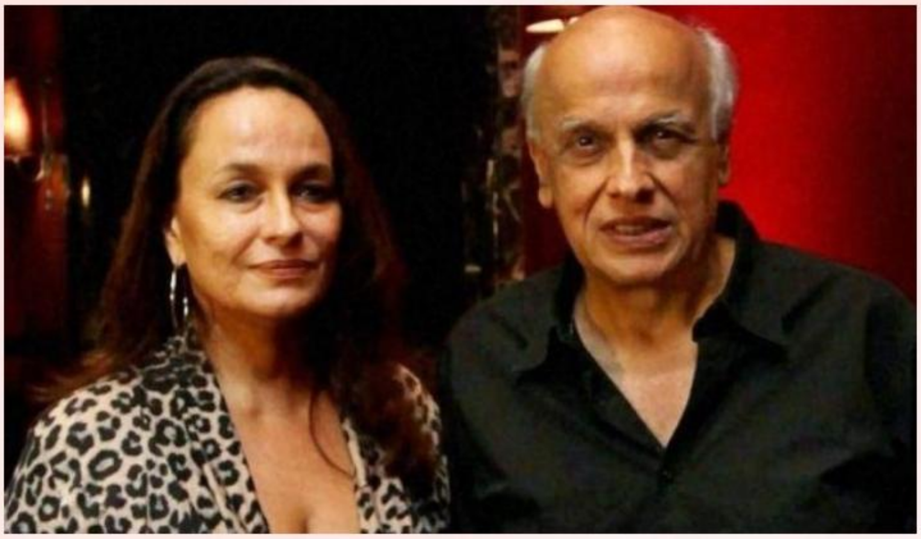

अभिनेता, संजय दत्त और उनकी दोनों बेटियों, पूजा और आलिया के साथ .....

एक समय था जब मैं कुछ नया जानने वालों में से एक था जो उन्होंने करने की योजना बनाई थी, लेकिन कई अन्य लोगों की तरह, उन्होंने भी दोस्त होने या किसी के प्रति सम्मान दिखाने के समान सिद्धांतों का पालन किया, जब तक वे उपयोग में थे . जब वह मेरे पास आये तो उन्हें लगा कि उन्हें भूलने की बीमारी है। और जब भी वह उन दुर्लभ समारोहों में से एक में मुझसे टकराते थे, तो वह यह दिखाते थे कि उन्होंने मेरा पुनर्जन्म देखा है और फिर यह सिर्फ **'हाय'** और 'अलविदा' था। वह सब समय जो हमने साथ बिताया था वह भूल गये थे और उनकी सारी समझदारी और बकवास मुझे सहन करनी पड़ी क्योंकि उस महान कवि गुलजार के मामले में, उन्होंने जो किया या मुझसे कहा, वह मेरे लिए कम से कम मायने नहीं रखते थे, क्योंकि मैं अब इतने बूढ़े हो गये थे कि गेहूँ को भूसी से, असली को भ्रम से अलग कर सकता हूँ।

आज उनके दूसरे जीवन के अवसर पर, मैंने उनके बारे में सौ साल से अधिक पहले लिखी गई सैकड़ों या अधिक रचनाओं में से एक को पुनः प्रस्तुत किया, जब मुझे लगता है कि मैं अभी भी समझदार था और मुझे यकीन था कि वह पागलपन के कगार पर थे और आत्म विनाश....

उन्होंने पहले ही भारतीय सिनेमा के इतिहास में खुद को एक स्थान देने का आश्वासन दिया है और अपने जीवन और करियर पर एक संपूर्ण अध्याय रखने का अधिकार और प्रतिष्ठा अर्जित की है, उनके पास उनके बारे में लिखी गई सबसे अच्छी श्रद्धांजलि में से एक हो सकता है और शायद दांव भी लगा सकते हैं उनके नाम पर चौक या गली के लिए उनका दावा या उनके सम्मान में एक मूर्ति स्थापित की गई थी, लेकिन वह यह कहने के लिए सार्वजनिक हो गए हैं कि वह कुछ भी नहीं रखना पसंद करेंगे और उनके द्वारा बनाई गई फिल्मों के निर्माता के रूप में याद किए जाएंगे।

उन्हें एक विद्रोही पिता **नानाभाई भट्ट** के विद्रोही पुत्र के रूप में याद किये जा सकते हैं, जो पहले "**फिल्म निर्माण के कारखानों**" में से एक थे और जिनका जीवन विवादास्पद था, उन्हें एक युवा व्यक्ति के रूप में याद किया जा सकता है, जो एक छोटे से होटल में एक बैंड में खेलते थे। अपनी गर्मी की छुट्टियों के दौरान, उन्हें राज खोसला जैसे एक प्रसिद्ध निर्देशक के समर्पित सहायक के रूप में याद किये जा सकते हैं, जो सबसे उत्कृष्ट निर्देशकों में से एक थे, जिन्होंने पीटा ट्रैक से बहुत दूर फिल्में बनाईं, उन्हें उस युवा व्यक्ति के रूप में याद किया जा सकता है जिन्होंने दो बार शादी की, किरण (वास्तव में एक ईसाई) नामक एक महिला, जिससे उनके दो बच्चे थे, पूजा भट्ट और राहुल भट्ट और सोनी राजदान, "सारांश" में उनकी अभिनेत्री, जिनसे उन्होंने मुस्लिम होने के बाद शादी की और उनकी दो बेटियां थीं, आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट, उन्हें उनके द्वारा दिए गए सभी सबसे विवादास्पद और धमाकेदार बयानों के लिए याद किये जा सकते हैं ("मैं एक कमीने हूं" सिर्फ एक होने के नाते), उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया जा सकता है जो प्रबुद्ध था लेकिन फिर भी भगवान रजनीश और यूजी कृष्णमूर्ति जैसे गुरुओं की तलाश में रहे।, वह हो सकता है अभिनेत्री परवीन बाबी के साथ संबंध रखने के लिए याद किये जाते हैं, उन्हें जितना संभव हो उतने धर्मयुद्ध और मिशन का हिस्सा होने के लिए याद किया जा सकता है, लेकिन अगर कोई एक चीज है तो उन्हें सबसे ज्यादा याद किया जाएगा कि उन्होंने अपने कलाकारों को कैसे तैयार किया, खासकर अपने अभिनेता...

यह सब तब शुरू हुआ जब उन्होंने अपने एक दोस्त जॉनी बख्शी द्वारा निर्मित अपनी पहली फिल्म "मंज़िलें और भी है" बनाई। साठ के दशक में बनी इस फिल्म में लिव–इन रिलेशनशिप की बात की गई थी, जब सार्वजनिक तौर पर इनके बारे में कुछ नहीं सुना गया, जबकि इस तरह के रिश्ते मौजूद थे। फिल्म

ने एक विवाद खड़ा कर दिया और जनता के हंगामे के बाद इसे **"ए"** प्रमाणपत्र के साथ पारित कर दिया गया। फिल्म एक बड़ी सफलता नहीं थी, लेकिन यह नायक, कबीर बेदी थे, जिन्हें उनके सुंदर रूप और एक प्रमुख मॉडल के रूप में उनके अतीत और एक ऐसे व्यक्ति की उनकी विवादास्पद छवि के कारण देखे गये थे, जिसका प्रोतिमा नामक एक नर्तकी के साथ भाप से भरा संबंध था, जो था एक शॉकर खुद और एक बार **"सिने ब्लिट्ज"** नामक एक पत्रिका के कवर के लिए फ्लोरा फाउंटेन में नग्न चले गये। फिल्म में कबीर के प्रदर्शन ने फिल्मों में उनके प्रवेश को चिह्नित किया, जहां से वह **"संडोकन"** नामक एक इतालवी धारावाहिक के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय स्टार के रूप में विकसित हुए और उसके बाद जेम्स बॉन्ड की एक फिल्म में एक प्रमुख भूमिका निभाई।

महेश को **'लहू के दो रंग'** निर्देशित करने का अगला मौका मिला। **विनोद खन्ना** पहले से ही एक स्टार के रूप में स्थापित थे, लेकिन यह **महेश भट्ट** थे जिन्होंने इस फिल्म के साथ अपने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता को सामने लाये। फिल्म के निर्माण के दौरान महेश और विनोद भगवान रजनीश के बहुत अच्छे दोस्त और शिष्य बन गए।

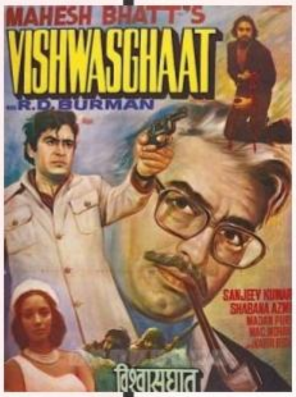

उन्होंने अगली बार **"विश्वासघात"** नामक एक फिल्म का निर्देशन किया, जिसमें सबसे उत्कृष्ट अभिनेताओं में से एक, **संजीव कुमार** दोहरी भूमिका में थे और संजीव ने फिल्म में उनके प्रदर्शन को अपने सर्वश्रेष्ठ में से एक माना.

तब महेश के लिए **"सारांश"** नामक अपनी सबसे यादगार फिल्मों में से एक बनाने का समय था। उन्होंने सबसे पहले संजीव कुमार को अपने मृत बेटे की राख से युक्त कलश का दावा करने के लिए अधिकारियों से लड़ने वाले एक साठ–सत्तर वर्षीय व्यक्ति की भूमिका निभाने के लिए माने थे। उनका मन बदल गया और उन्होंने अनुपम खेर नामक एक लगभग अज्ञात अभिनेता को कास्ट करने का फैसला किया और अनुपम के प्रदर्शन ने उनके जीवन के पूरे पाठ्यक्रम को बदल दिया। अनुपम ने बिना किसी शुल्क के अगले दस वर्षों तक महेश के साथ काम करना जारी रखा और जब उन्होंने आखिरकार शुल्क मांगा, तो दोनों अलग हो गए लेकिन अनुपम ने खुद को एक दुर्जेय अभिनेता के रूप में स्थापित किया और आज तक, वह हमेशा मानते हैं महेश उनके गुरु के रूप में।

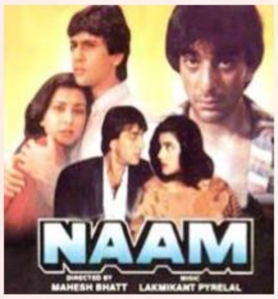

महेश ने अभिनेता बनाने की अपनी विशेषता को जारी रखा जब उन्होंने **"नाम"** में नए सितारों–संजय दत्त और कुमार गौरव को निर्देशित किया और यह उनका प्रदर्शन था जो एक प्रमुख आकर्षण था जिसे सभी ने सराहा, अमिताभ बच्चन इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने दोनों अभिनेताओं को उनके व्यक्तिगत प्रशंसा पत्र के साथ गुलदस्ते भेजे ...

संजय दत्त अभी भी अपनी खुद की पहचान खोजने के लिए संघर्ष कर रहे थे और उनकी आदतों, शराब और ड्रग्स के अपने मुकाबलों के कारण उन्हें लगभग एक खोया हुआ मामला माना जा रहा था। यह महेश ही थे जिन्होंने बदनाम अभिनेता को अपने हाथों में ले लिया, शाब्दिक रूप से और उन्हें **"कब्ज़ा"**, **"गुमराह"** और **"सड़क"** जैसी फिल्मों में एक बहुत ही संवेदनशील अभिनेता के रूप में तैयार किया।

अजय देवगन को अभी भी एक बी–ग्रेड एक्शन हीरो के रूप में माना जा रहा था, जब महेश ने उन्हें **"नजायज़" और "ज़ख्म "** में दो बहुत ही संवेदनशील भूमिकाएँ करने के लिए कहा। अजय ने अपने प्रदर्शन और "ज़ख्म" में अपने प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार दोनों के लिए सभी प्रशंसा प्राप्त की। यह अनुभवी फाइट डायरेक्टर वीरू देवगन के बेटे के लिए एक अभिनेता के रूप में एक नए जीवन की शुरुआत थी और तब से उन्हें कोई रोक नहीं रहा है।

महेश ने आमिर खान के साथ दो फिल्मों, **"दिल है के मानता नहीं"** और **"हम है राही प्यार के"** में काम किया। शूटिंग के दौरान उनके बीच रचनात्मक संघर्ष हुआ, खासकर "हम है राही प्यार के" के निर्माण के दौरान। ऐसे समय थे जब आमिर ने सचमुच फिल्म बनाने का काम संभाला, खासकर जब बच्चों को संभालने और गानों के चित्रांकन की बात आई। महेश ने फिर कभी आमिर के साथ काम नहीं किया।

महेश अपने काम के प्रति समर्पण के कारण हमेशा से अनिल कपूर के प्रशंसक रहे हैं और जब उन्हें कास्ट करने का मौका मिला, तो उन्होंने **"ठिकाना"** नामक एक फिल्म में काम किया, जिसमें अनिल को एक बहुत ही अलग अभिनेता के रूप में देखा गया, इसने शुरुआत को देखा। शक्तिशाली कलाकार जो अनिल थे ...

जैकी श्रॉफ को एक गैर–कलाकार के रूप में जाना जाता था और उनके कुछ निर्देशकों ने उन्हें "लकड़ी का अभिनेता" भी कहा था, लेकिन महेश ने यह साबित करने की चुनौती ली कि जग्गू दादा भी अभिनय कर सकते हैं जब उन्होंने जग्गू और डिंपल के साथ "काश" बनाने का फैसला किया। कपाड़िया। एक समय ऐसा भी आया जब महेश ने जैकी को एक सीन सत्तर से अस्सी बार करवाया और जैकी ने भगवान से उसकी मदद की या महेश से भीख मांगी।

वो हर हाल और हर काल में कामयाब होते हैं

—अली पीटर जॉन

कुछ पुरुष ऐसे होते हैं जिनकी सफलता की कहानियां ईश्वर या समय के द्वारा भी संचालित नहीं होती हैं, उनकी सफलता की कहानियां सभी परिभाषाओं और विवरणों से परे हैं और इनमें से कुछ पुरुष हिंदी फिल्मों की दुनिया में पाए जाते हैं। कोरोना वायरस ने भले ही जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कई सफल पुरुषों को प्रभावित किया हो, लेकिन यह फिल्म उद्योग के कुछ प्रमुख सितारों को छूने में असफल रहा है।

सबसे पहला नाम जो दिमाग में आता है, वह है सदी के महानायक, **अमिताभ बच्चन**। वह वायरस की चपेट में आ गये थे और उन्हें नानावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उन्होंने वायरस पर काबू पा लिया और **केबीसी** की शूटिंग शुरू कर दी और फिर पांच अन्य फीचर फिल्मों की शूटिंग शुरू कर दी और अब निस्संदेह 79 पर शूटिंग करने वाले सबसे व्यस्त अभिनेताओं में से एक है, एक रिकॉर्ड जो किसी अन्य अभिनेता के पास नहीं है। अभी तक टूटा हुआ। वह उस कीमत की भी मांग कर रहे हैं और आदेश दे रहे हैं जो उन्होंने पहले नहीं ली है। वह और भी कई फिल्में साइन कर सकते थे, लेकिन उनके डॉक्टरों ने उन्हें धीमी गति से चलने की सलाह दी है। क्या अमिताभ अगले पांच सालों तक व्यस्त रहेंगे? वह चाहते हैं, लेकिन उनके शरीर को सहमत होना होगा। उनकी डायरी 2030 तक भरी हुई है। अगले पांच वर्षों में उनकी कीमत क्या होगी और वह किस तरह की कार चलायेंगे और मुंबई और अन्य शहरों में उनके पास और कितने बंगले और अपार्टमेंट होंगे? ये तो बस वक्त के सवाल हैं, उसका दोस्त ही जवाब दे सकता है......

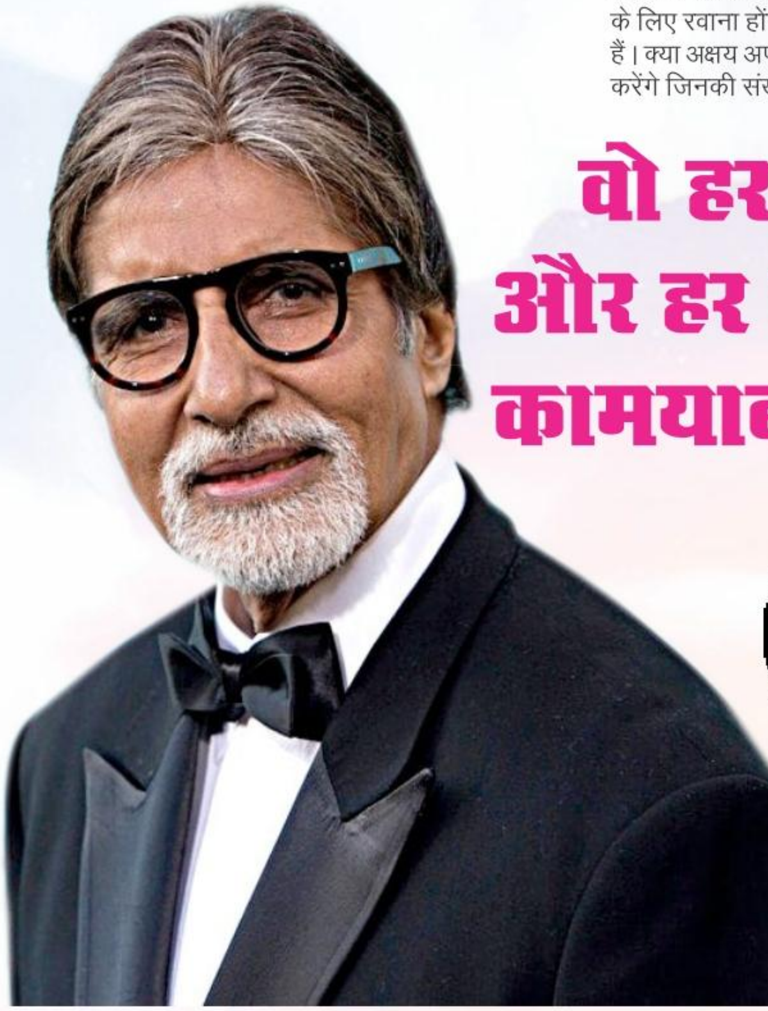

अमिताभ के बाद **अक्षय कुमार** सबसे व्यस्त स्टार हैं और जो पैसे से भरे बैग बनाने में व्यस्त हैं, लेकिन क्या वह ऐसी फिल्में कर रहे हैं जो अगले पांच साल तक चल सकें? उनके आलोचकों का कहना है कि वह भारत में अपनी फिल्मों का कोटा पूरा करेंगे और फिर कनाडा के लिए रवाना होंगे, जिस देश के वे अभी भी नागरिक हैं। क्या अक्षय अपने उन आलोचकों के सपनों को पूरा करेंगे जिनकी संख्या बढ़ रही है?

खान अब अपने अर्धशतक में हैं और अपने करियर के अंतिम चरण में हैं। शाहरुख खान **'पठान'** की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें **सलमान खान** गेस्ट अपीयरेंस में हैं और **दीपिका पादुकोण** उनकी लीडिंग लेडी हैं। वाईआरएफ के सूत्रों के अनुसार, माना जाता है कि शाहरुख को एक हजार करोड़ की भारी कीमत चुकानी पड़ी है और विशेषज्ञ सोच रहे हैं कि क्या उन्हें दी गई कीमत इसके लायक है। अभी भी किसी अन्य निर्माता या बैनर पर SRK पर हस्ताक्षर करने का कोई संकेत नहीं है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में कई सवाल उठाता है। हालाँकि, SRK को अपने वित्त के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है

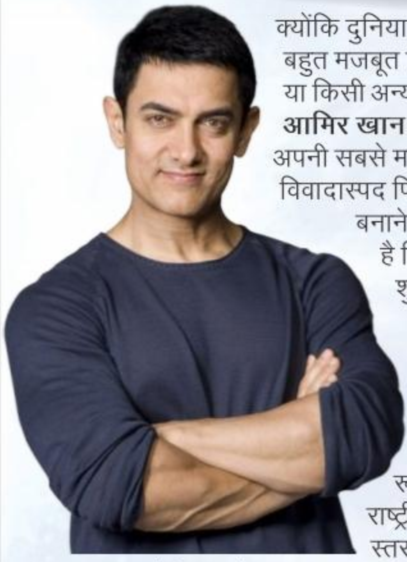

क्योंकि दुनिया के कई देशों में उनकी बहुत मजबूत स्थिति है, उससे अधिक या किसी अन्य भारतीय स्टार से। **आमिर खान** पिछले पांच सालों से अपनी सबसे महत्वाकांक्षी और विवादास्पद फिल्म **'लाल सिंह चड्ढा'** बनाने में व्यस्त हैं और उम्मीद है कि फिल्म 2022 की शुरुआत में बाहर हो जाएगी। आमिर और फिल्म के लिए बहुत कुछ दांव पर है और यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें सभी गंभीर रूप से, आर्थिक रूप से, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस पर ध्यान केंद्रित करें।

और दुनिया बदल सकती है या नहीं, लेकिन हमारे अपने प्यारे सल्लू भाई बदलने के मूड में नहीं लगते हैं या उनके वफादार फिल्म निर्माता उन्हें चाहकर भी बदलने नहीं देंगे। और इसलिए सलमान खान **'टाइगर 3'** के रूप में उसी नाम के सीक्वल में वापस आएंगे, जिसमें एक्शन फ्रैंचाइज़ी के अंतिम सीक्वल से तीन गुना या अधिक होगा। क्या सल्लू भाई कम से कम 2030 तक बदल जाएंगे और अपने शरीर के चारों ओर कई और मांसपेशियों के साथ एक नया और साहसी सलमान खान लाएंगे?

अन्य नायक अपनी क्षमता के अनुसार अपना काम कर रहे हैं, लेकिन यह अभिनेत्रियाँ हैं जो ऐसी भूमिकाएँ करने में सबसे आगे हैं जो भारतीय अभिनेत्रियों ने पहले नहीं की हैं।

उन सभी का नेतृत्व **दीपिका पादुकोण** कर रही हैं, जो कई अच्छी हिंदी फिल्में करने के अलावा ज्यादातर अपने **पति रणवीर सिंह** के साथ हॉलीवुड में भी दो फिल्में कर रही हैं, जिनमें से एक का निर्माण वह अपने बैनर तले भी कर रही हैं। के ए पी. प्रोडक्शंस। कोई कल्पना कर सकता है कि दीपिका जिन परियोजनाओं में शामिल हो रही हैं, उनमें कितना पैसा शामिल है। प्रियंका चोपड़ा अभी भी हॉलीवुड में शामिल हैं, लेकिन दीपिका जिस तरह से अपनी जगह बना रही हैं, दीपिका को पश्चिम में खुद को स्थापित करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

घर वापस, **आलिया भट्ट** ने जीत के बिंदु को पकड़ लिया है और संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित **"गंगूबाई काठियावाड़ी"** और **'बैजू बावरा'** जैसी फिल्मों के साथ, आलिया रणबीर कपूर से शादी करने से पहले बड़ी हिट हो सकती है और अभी भी काम करना जारी रखती है।

करीना कपूर, रानी मुखर्जी, कैटरीना कैफ और अन्य जैसी कई पूर्व अभिनेत्रियां अपनी आखिरी पारी खेल रही हैं और युवा और बेहतर अभिनेत्रियों के लिए रास्ता बनाएगी, लेकिन जब तक ऐसा नहीं होता है, तब तक हमें केवल अच्छे पर प्रतिभा के सफल होने का इंतजार करना होगा। आंकड़े और मानव निर्मित सौंदर्य।

सितारों का मतलब है बड़ा पैसा और बड़ा पैसा अच्छी फिल्में बनाने के रास्ते में एक बाधा है। पहले सितारे और निर्माता सितारों पर कीमतों और खर्चों में कटौती करते हैं, उद्योग के भविष्य के लिए बेहतर है जो फिर से खड़े होने और जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहा है।

तीन किशोर बस कंडक्टर जिन्होंने अपनी ही दिशा बदल दी

–अली पीटर जड्डन

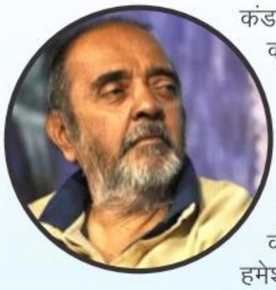

मैं साठ के दशक के दौरान बस कंडक्टरों, विशेष रूप से बॉम्बे के बेस्ट बस कंडक्टरों के साथ अपने जुड़ाव को कभी समझ नहीं पाया। मैं एक ऐसे परिसर में रहता था जहाँ कुछ कारणों से मेरी समझ से परे, अधिकांश पुरुष थे, ज्यादातर यूपी और मैंगलोर से थे। और एक ही समुदाय के कई बस चालक, लेकिन मुझे हमेशा कंडक्टरों का अनुसरण करने और यह जानने की कोशिश करने में दिलचस्पी थी कि वे अपनी नौकरी कैसे करते हैं। मैं अपनी सारी छुट्टियां और अपनी पूरी छुट्टियां इन कंडक्टरों के साथ बिताता था और मेरे पसंदीदा दो आदमी थे, एक का नाम विक्टर डिसूजा था जिसकी पहचान संख्या जो मुझे अभी भी याद है वह थी BC3365 और शिव चरण शुक्ला (BC 3112)। इन दो लोगों ने मुझे बहुत पसंद किया और मुझे उन बसों में यात्रा करने दिया जिनमें वे ड्यूटी पर थे। शुरू में, वे अपने काम के घंटों के दौरान मुझे केवल लंबी सवारी के लिए ले गए और मैंने उनके ड्यूटी घंटों के दौरान उनके साथ रहने के हर पल का आनंद लिया। धीरे–धीरे, दोनों ने मुझे एक "प्रमोशन" दिया और मुझे अपनी रात की पाली के दौरान अपने साथ ले गए और एक समय आया जब उन्होंने मुझे बस स्टॉप के नाम पुकारने की आज़ादी दी जो उनका काम था और फिर मुझे रिंग करने की भी अनुमति दी गई। हर पड़ाव के बाद घंटी। यह एक ऐसा दृश्य था जिसने कई नियमित यात्रियों को खुश कर दिया, जिनके लिए यह कल्पना करना बहुत मुश्किल था कि एक छोटा लड़का बस कंडक्टर की नौकरी में इतना दिलचस्पी कैसे ले सकता है।

डिसूजा और शुक्ला अपने पेशे में मेरे प्यार और रुचि से इतने प्रभावित थे कि वे मेरे लिए एक पंच भी लाए, जिसके साथ टिकटों को चिह्नित किया गया था और यहां तक कि खाली या अप्रयुक्त टिकटों के बंडल भी। मैं मिठाई के खाली डिब्बे लेता था और खाली को ठीक करता था। कंडक्टरों के टिकट बैग की तरह दिखने के लिए उनमें टिकट। मैंने अपनी माँ की "थाली" का इस्तेमाल किया, जिसमें वह अपनी चपाती बनाने के लिए गेहूं का आटा गूंथती थी और अपनी बेंच को बस के रूप में इस्तेमाल करती थी और "थाली" को एक कोने में रखती थी और पूछती थी मेरा छोटा भाई ड्राइवर बनने के लिए। "कंडक्टर कंडक्टर" खेलने का यह असामान्य खेल लंबे समय तक चलता रहा और मेरी माँ चौंक गई जब मैंने उसे बताया कि मैं एक बस कंडक्टर बनना चाहता हूँ। कॉलेज जाने के बाद ही मुझे एहसास हुआ कि कंडक्टर की नौकरी और परिस्थितियों से ज्यादा दिलचस्प और भुगतान करने वाले और भी कई काम हैं और लोगों ने धीरे–धीरे मुझे मेरी महत्वाकांक्षा से दूर कर दिया और देखो कि मैं आज कहाँ हूँ!

लेकिन बस कंडक्टरों और उनके पेशे के लिए मेरा प्यार आज भी उतना ही मजबूत है जितना साठ साल पहले था....

मुझे इस बात का गहरा अहसास है कि चाय के लिए मेरा प्यार मेरे कंडक्टर गुरुओं के साथ मेरी यात्राओं से शुरू हुआ, जो हर यात्रा को एक कप या आधा कप चाय के साथ समाप्त करते थे जो तब "एक आना" (छः नये पैसे) के लिए उपलब्ध थी। और मैं यह भी मानता हूं कि विभिन्न पात्रों और उनके द्वारा बोली जाने वाली भाषा और उनके जीवन की परिस्थितियों को देखने के लिए मेरे प्यार ने भी मुझे एक पत्रकार, लेखक या कवि के रूप में विकसित होने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई या आप जो चाहें मुझे बुला सकते हैं ....

कोलबा बस स्तानक
२२
कुर्ला
८२४३
भारत II
CH4ENGOIL
बेस्ट
MH-08 L-1983
एम एच-०८ एल-१९८३

यह मानो या न मानो कहानी की तरह लग सकता है, लेकिन मुझे पता है कि यह सच्चाई है और सच्चाई के अलावा कुछ भी नहीं है। मैंने अक्सर एक बस को दुनिया और बस कंडक्टर को गाइड की कल्पना की, जो अलग–अलग लोगों को बस में अलग–अलग गंतव्यों तक ले गया। और इस बात का पूरा ध्यान रखा कि जीवन की यात्रा में यात्री सुरक्षित रहे और सुरक्षित पहुंचे। मैंने हमेशा महसूस किया है कि एक उड़ान का पायलट, एक ट्रेन या किसी अन्य प्रकार के वाहन का चालक और कंडक्टर देवताओं की तरह होते हैं जो अपने साथ यात्रा करने वाले यात्रियों के जीवन को अपने ऊपर पूर्ण विश्वास के साथ नियंत्रित किया है।...

कौन कहता है कि कंडक्टर की नौकरी आपको या किसी को भी अधिक ऊंचाइयों तक नहीं ले जा सकती है?

मैं भारतीय रिजर्व बैंक के एक गवर्नर के बारे में जानता हूं, जो एक उदीपी होटल में कैंटीन के लड़के के रूप में शुरू हुआ, रात में स्कूल गया, एक बस कंडक्टर बन गया और एक बैंक में एक एकाउंटेंट के रूप में उतरा और फिर अंत में आरबीआई का डिप्टी गवर्नर बन गया और फिर राज्यपाल......

और इस अच्छे, बुरे, पागल और कभी–कभी दुखद फिल्मों की दुनिया में, हमारे पास बस कंडक्टर हैं जिन्होंने अपने लिए एक नाम बनाया और अब कभी नहीं भुलाया जाएगा, भले ही भगवान उनकी कहानियों को बदलने की कोशिश करें

बदरुद्दीन काजी चालीस और पचास के दशक के अंत में बस कंडक्टर थे। वह अपने चुटकुलों, सूझ–बूझ से यात्रियों का मनोरंजन करने और मजाकिया टिप्पणी करने और मजाकिया चेहरों के लिए जाने जाते थे। जैसा कि उनकी किस्मत में होगा, वह प्रसिद्ध अभिनेता बलराज साहनी से मिले, जो उन्होंने जो किया उससे प्यार करते थे और उन्हें गुरु दत्त और गुरु दत्त के साथ उनकी एक मुलाकात के दौरान मिलने के लिए कहा, जिसके दौरान उन्होंने एक शराबी की भूमिका निभाई (उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी शराब का स्वाद नहीं लिया था) और गुरुदत्त उनके अभिनय से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने बदरुद्दीन काज़ी को बदलकर जॉनी वॉकर कर दिया, एक नाम और वह नाम सबसे पसंदीदा और लोकप्रिय नामों में से एक बना रहा।

हसरत जयपुरी कंपनी के शुरुआती दौर में बॉम्बे में बेस्ट के लिए काम करने वाली एक कंडक्टर थे। जिस बस में वे कंडक्टर थे, उस बस की खूबसूरत महिलाओं के बारे में लिखने में उनकी अधिक रुचि थी। वह इतना रोमांटिक थे कि उसने सुंदर महिलाओं को टिकट भी नहीं दिया, लेकिन महिलाओं की सुंदरता के सम्मान में कविता का पाठ किया। कहा जाता है कि रोमांटिक कविता लिखने की उनकी प्रतिभा ने फिल्म उद्योग में कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया और वे एक महान संवेदनशील कवि शैलेंद्र के साथ गीतकारों की एक टीम बन गए, जिन्होंने राज कपूर और फिर कई अन्य फिल्म निर्माताओं की सभी फिल्मों में एक साथ काम किया। . उन्होंने अपने लिए एक बड़ा नाम बनाया होगा और अगर वे अपने बारे में ऐसा सोचते तो सही थे क्योंकि आखिरकार उन्होंने हिंदी फिल्मों के कुछ सबसे बड़े सितारों के लिए सबसे रोमांटिक गाने लिखे हैं। जब मैं उनसे आखिरी बार "कैलास" नामक एक इमारत के भूतल पर मिला था, तो वह बीमार और बूढ़े थे और एक टीवी चैनल को साक्षात्कार देना समाप्त कर दिया था, जिससे मैंने उनका परिचय कराया था। जब साक्षात्कार समाप्त हो गया, तो उसने चुपचाप मुझसे पूछा कि क्या चैनल उसे साक्षात्कार के लिए दो हजार रुपये का भुगतान करेगा। मुझे नहीं पता था कि उसे क्या बताना है, लेकिन आखिरकार मुझे उसे भुगतान करने के लिए चैनल मिल गया। मुझे नहीं पता था कि उनकी पत्नी ने उनके द्वारा कमाए गए सारे पैसे बचाए थे और पैसे का इस्तेमाल जुहू में कहीं एक बंगला बनाने के लिए किया था, जिसके बारे में मुझे बताया गया है कि इसका नाम हसरत जयपुरी के नाम पर रखा गया है, जिसका नाम "हसरत" है।

साठ के दशक में एक शाम, शिवाजीराव गायकवाड़ नामक एक युवा, बेरोजगार और साधारण दिखने वाला व्यक्ति कोल्हापुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ गया, यह जाने बिना या यह जाने बिना कि ट्रेन कहाँ जा रही है। उसने खुद को मद्रास सेंट्रल स्टेशन पर पाया। और जब उसे किसी अनजान शहर में रहने या रहने का कोई और रास्ता नहीं मिला, तो उसने बस कंडक्टर की नौकरी कर ली। वह भी जल्द ही यात्रियों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गया, खासकर अपने हाथों से और विशेष रूप से सिगरेट के साथ काम करने के कारण। शत्रुघ्न सिन्हा को खलनायक के रूप में देखने के बाद उन्हें चालें खेलने के लिए प्रेरित किया गया था।

उन्हें अभिनय में दिलचस्पी थी और उन्हें कुछ यात्रा थिएटर समूहों में अपना अवसर मिला जहां वे बहुत लोकप्रिय हो गए। जाने–माने फिल्म निर्माता के. बालचंदर जिन्होंने कमल हसन और श्रीदेवी जैसी अन्य प्रतिभाओं की खोज की थी, उन्होंने इस अज्ञात अभिनेता के बारे में सुना जो बहुत अच्छा था। उन्होंने इस अभिनेता के बारे में और जानने के लिए मद्रास (अब चेन्नई) से यात्रा की। वह अपने काम से मोहक थे, उन्हें एक भूमिका की पेशकश की और उन्हें रजनीकांत नाम दिया और बाकी जैसा वे कहते हैं कि इतिहास का एक बहुत ही रंगीन और कभी–कभी विवादास्पद हिस्सा है। वह "थलाइवर" (किंवदंती) बन सकते हैं, लेकिन वह बस कंडक्टर के रूप में अपने दिनों को कभी नहीं भूल सकते . कुछ साल पहले तक रजनीकांत चेन्नई के सभी बस कंडक्टरों के लिए एक भव्य पार्टी की मेजबानी करते थे, जिसमें उन्होंने हर तरह का सबसे अच्छा स्कॉच और सबसे स्वादिष्ट भोजन परोसा था।

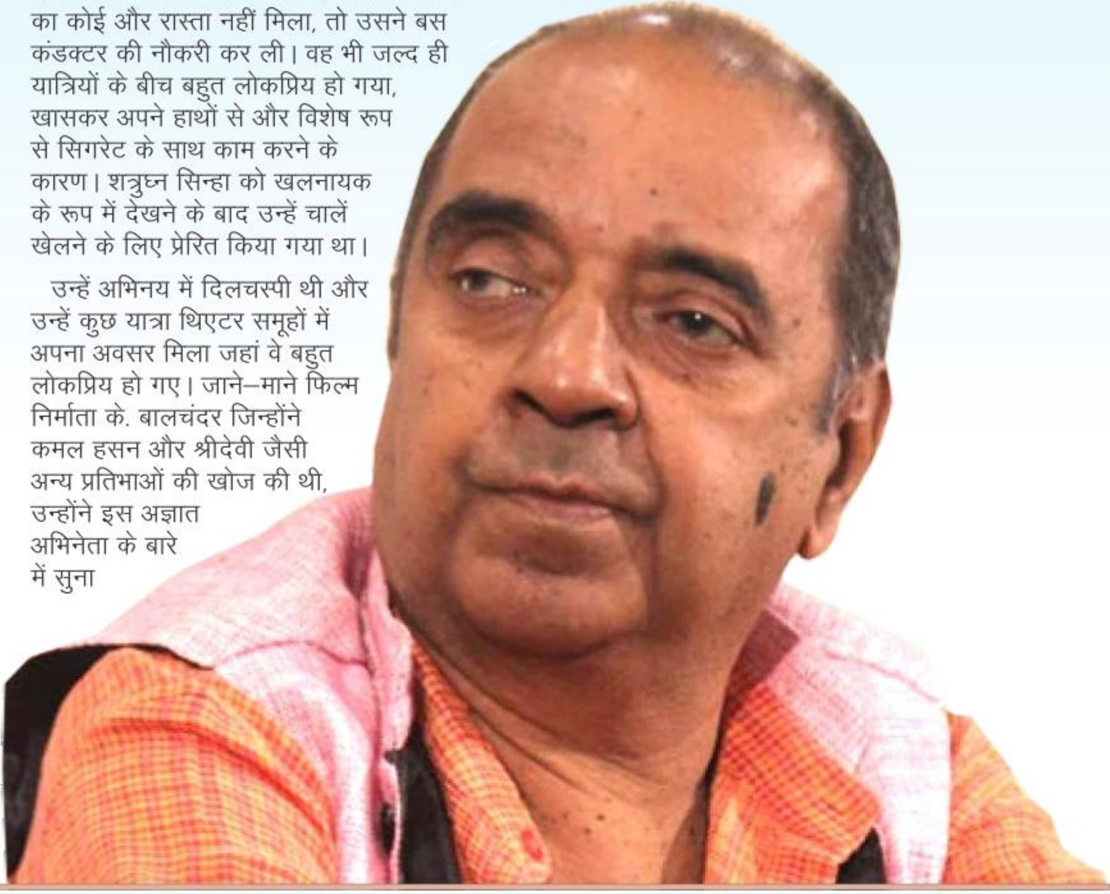

मैं अब ये कहानियाँ क्यों कह रहा हूँ?

मेरा एक उद्देश्य है। मुझे पता है कि हम में से अधिकांश लोग ऐसे व्यवसायों में काम करने वाले पुरुषों और महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार करते हैं जो बहुत आकर्षक नहीं हैं और जिन्हें किसी भी तरह का सम्मान नहीं दिया जाता है। यह मेरा अवसर है कि मैं सभी से निवेदन करूं कि प्रत्येक पेशे का सम्मान किया जाए और इन व्यवसायों में काम करने वाला प्रत्येक पुरुष और महिला आप सभी को एक बड़े आश्चर्यचकित कर सकता है। मुझे मत बताओ कि मैंने तुम्हें चेतावनी नहीं दी।

ऑल्ट बालाजी के 'हाय तौबा' सीजन 3 के ट्रेलर में देखें-सामाजिक रीति-रिवाजों को तोड़ने वाली महिला केंद्रित चार कहानियां

मायापुरी प्रतिनिधि

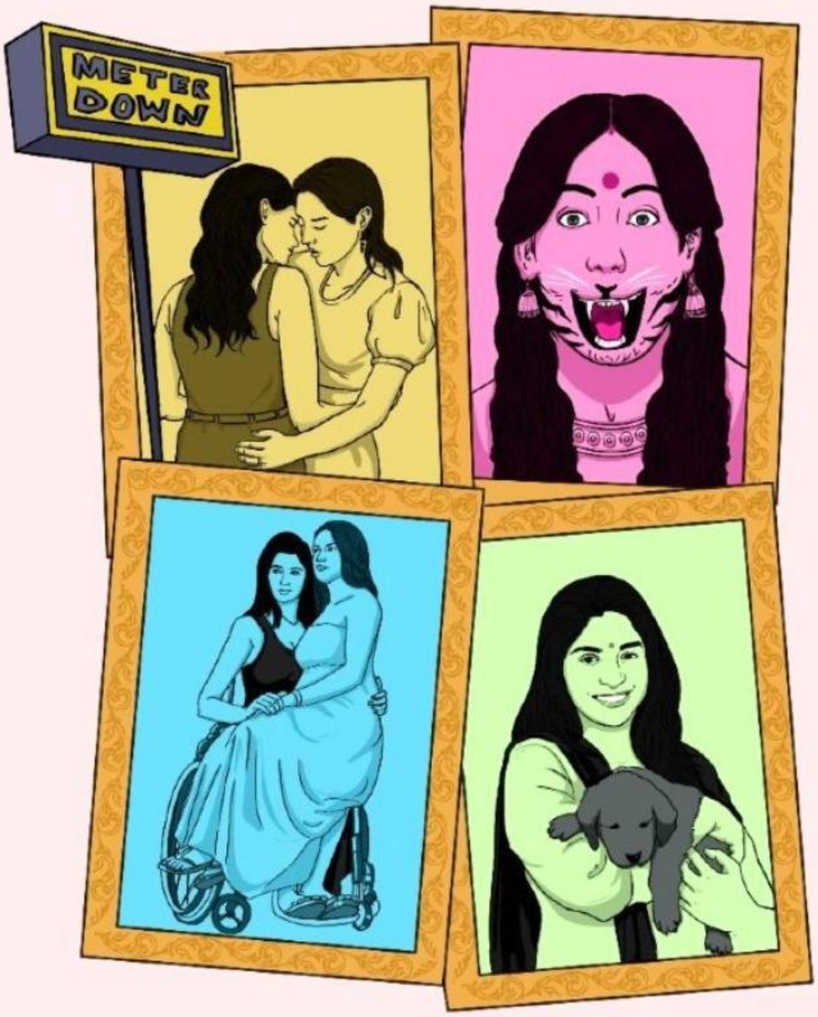

शुक्रवार को लोकप्रिय एंथोलॉजी फ्रैंचाइजी **'हाय तौबा'** ने सीरीज के तीसरे चैप्टर की घोषणा की! इस साल एंथोलॉजी का विषय वे महिलाएं है जिन्होंने अपनी जिन्दगी में हार नहीं मानी। ट्रेलर चार अलग–अलग कहानियों की चार महिला नायिकाओं से हमारा परिचय कराता है! इन महिलाओं को उन सामाजिक रीति–रिवाजों को बेहिचक चुनौती देते हुए देखा जाता है जिनके बारे में बहुत से लोग बात तक नहीं करते हैं। ट्रेलर से हमें एक झलक मिलती है कि, कैसे ये मजबूत महिलाएं बाधाओं को दूर करने और सामाजिक रीति–रिवाजों को तोड़ने की जिम्मेदारी उठाती हैं।

चैप्टर 3 सामाजिक रीति–रिवाजों को तोड़ने वाली महिलाओं के बारे में है। महिलाएं इस बार अपने बोरिंग वैवाहिक जीवन से बाहर निकलकर मौजूदा परिस्थितियों को चुनौती देंगी, अपने व्यक्तित्व की तलाश करेंगी। हालांकि ये कहानियां दूसरों के लिए तेज–तर्रार हो सकती हैं, लेकिन कोई भी इस बात से इंकार नहीं कर सकता है कि अंत में जाकर कोई जिन्दगी परफेक्ट नहीं होती है, और हमारा अधूरा जीवन यही दर्शाता है। ट्रेलर में समानांतर चलने वाले रोमांचक बैकग्राउंड ट्रैक को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। विशेष रूप से मियाऊं सबसे दिलचस्प है! ''जाने से पहले एक कर्ज अदा करके जाएं'', के साथ ट्रेलर समाप्त होता है जो हमें याद दिलाता है कि जाने से पहले, इतने खूबसूरत ट्रेलर के लिए 'लाइक' बटन दबाते चलें।

ट्रेलर को शेयर करते हुए निर्माताओं ने लिखा है कि ''उसकी जिंदगी, उसके नियम–कायदे। उसके सपने उसकी प्रायोरिटीज! हर सामाजिक मानदंड को तोड़ते हुए, यहां #HaiTaubb में चार कहानियां हैं जो आपको गंभीरता से सोचने पर मजबूर कर देंगी।

इस सीरीज की विभिन्न कहानियों में लोकप्रिय कलाकार शामिल हैं जैसे पौलोमी दास, रुतपन्ना ऐश्वर्या, अंबिका शैल, आभा पॉल, विक्रांत कौल, कपिल आर्य और अन्य।

इससे पहले, निर्माताओं ने सीरीज का पोस्टर भी जारी किया है। जारी किए गए पोस्टर में हमें चार अलग–अलग कहानियों के चार पोर्ट्रेट दिखाई दे रहे हैं। एक पोर्ट्रेट में दो महिलाएं एक–दूसरे के करीब हैं, दूसरे पोर्ट्रेट में, शेर मुंह वाली एक महिला है, तीसरे पोर्ट्रेट में दो महिलाएं एक साथ दिख रही हैं, जिनमें से एक विकलांग है, और अंत में चौथे पोर्ट्रेट में हाथ में पालतू कुत्ता लिए एक महिला है। ग्राफिकल पोस्टर वास्तव में आकर्षित करने वाला है।

निर्माताओं ने पोस्टर के कैप्शन में लिखा है 'शर्म को मारो गोली, और अपने हक की सजाओ डोली'! ट्रेलर और पोस्टर को देखते हुए, एक बात समझ में आती है कि निर्माता महिला सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

प्यार किसी सीमा में बंध कर नहीं रहता, यह उम्र, जेंडर और इनके बीच की हर चीज को पार कर जाता है। 'हाय तौबा' के माध्यम से निर्माता बता रहे हैं कि हमारी जिन्दगी में गहराई से जुड़े जिन मुद्दों के बारे में हम बात नहीं करते हैं, उनको लेकर समाज कैसा व्यवहार करता है। इस मौके पर एक चर्चित कहावत याद आ रही है कि ''कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना'' जिसका अनिवार्य रूप से मतलब यही है कि चाहे कुछ भी हो, लोग कुछ न कुछ कहेंगे ही।

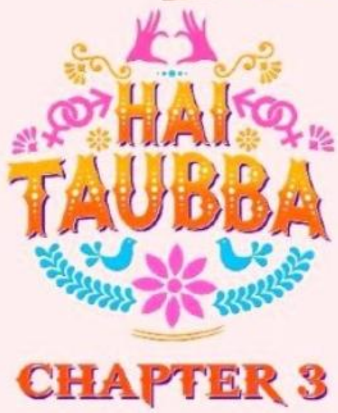

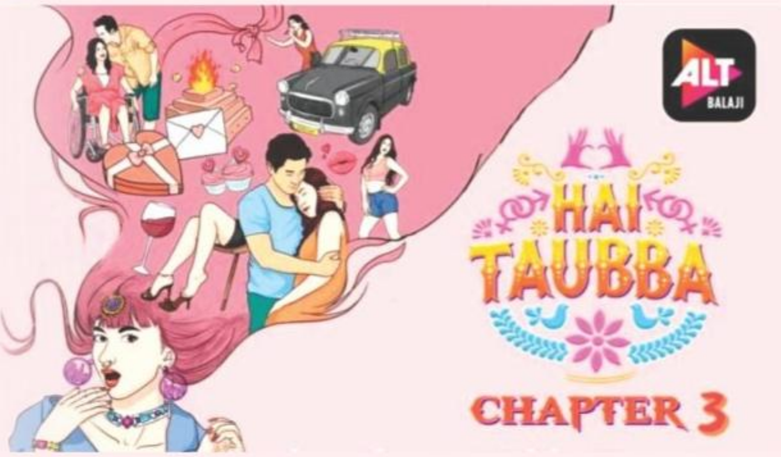

शक्ति से श्रध्दा और सिध्दांत और आगे क्या?

—अली पीटर जड्डन

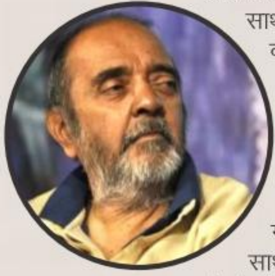

वह पहले मेरे कार्यालय में एक पुरानी स्टैंडर्ड कार से आये थे जिसे वह दिल्ली से अपने साथ लाये थे। उन्होंने नायक के रूप में कुछ फिल्में साइन की थीं, लेकिन उन फिल्मों का कोई महत्व नहीं था, एक अज्ञात या पहली बार नायिका के साथ एक खराब एक्शन फिल्म थी जो एफटीआईआई से थी और दोनों फिल्में जो योग्य थीं, फ्लॉप हो गईं। वह अपने डब्बा (टिफिन) के साथ आते थे और मेरे सामने कुर्सी पर बैठते थे और धमकी देते थे कि जब तक मैं उसे उस समाचार का प्रिंट नहीं दिखाता, जिसे मैं उसके बारे में 'स्क्रीन' में प्रकाशित करने जा रहा था, तब तक वह मेरा कार्यालय नहीं छोड़ेगा। शुक्रवार के बाद। उन्होंने मेरे विज्ञापन प्रबंधक, श्री नंदू शाह के साथ भी दोस्ती की, जिन्हें वे 'बापू' कहते थे और जब तक उन्हें अपने समाचार प्रकाशित होने के बारे में निश्चित नहीं हो जाते, तब तक उन्होंने कार्यालय नहीं छोड़ा। उन दिनों उनका नाम सुनील कपूर था...

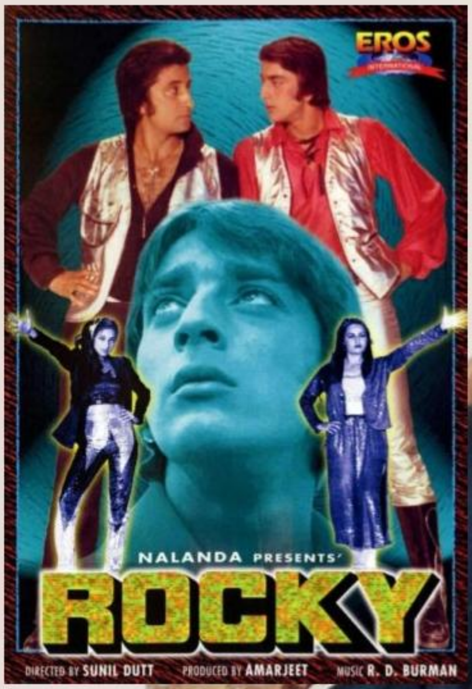

लेकिन, जल्द ही उनकी नज़र सुनील दत्त पर पड़ी, जो अपनी फिल्म "रॉकी" में एक बुरे लड़के की तलाश कर रहे थे, जो उनके बेटे संजय दत्त को लॉन्च करने के लिए बनाई जा रही थी। सुनील दत्त को उनका व्यक्तित्व पसंद आया, लेकिन उन्होंने उनसे कहा कि वह एक काम करेंगे। बुद्धिमानी की बात है अगर उन्होंने नायक की भूमिका की तलाश करना बंद कर दिया और खलनायक की भूमिका निभानी शुरू कर दी। सुनील दत्त ने उन्हें "रॉकी" में कास्ट किया, लेकिन इस शर्त के साथ कि वह अपना नाम सुनील से शक्ति में बदल देंगे और इसलिए सुनील कपूर शक्ति कपूर बन गए और यह था अपने उतार–चढ़ाव और इतने सारे विवादों के साथ एक लंबी कहानी की भीख माँगना, ज्यादातर उसके व्यवहार के साथ, विशेष रूप से महिलाओं के साथ, उद्योग से या उसके बाहर, उसके भारी शराब पीने के मुकाबलों के अलावा, जिसके लिए उसके पास एक स्पष्टीकरण था जो मुश्किल है समझाना। उन्होंने कहा, "क्या करूं, यार, सुबह में उठता हूं तो पहले बोतल हाथ लगती है?"

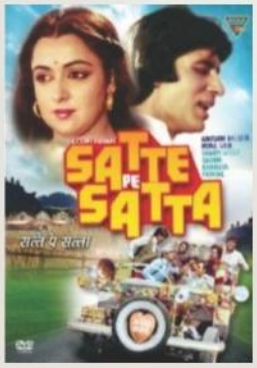

हालाँकि सफलता ने उसकी सभी कमजोरियों के बावजूद उसके प्रति दयालु होने का निर्णय लिया था। वह कुछ ही समय में हिंदी सिनेमा के अग्रणी युवा खलनायकों में से एक थे।

हो सकता है कि उन्हें या उनके परिवार को मेरा यह जिक्र अच्छा न लगे, लेकिन सच्चाई को ज्यादा देर तक छुपाया नहीं जा सकता। उनका एक प्रतिभाशाली युवा अभिनेत्री के साथ अफेयर था, जिसका नाम रमा विज था, जिसका अपार्टमेंट 'उद्धि तरंग' में तत्कालीन सेंटौर होटल के पास था। हालाँकि उन्होंने उससे संबंध तोड़ लिया और शिवांगी कोल्हापुरे से शादी कर ली, जो उस समय की प्रमुख महिला स्टार पद्मिनी कोल्हापुरे की बहन थीं और सनी सुपर साउंड स्टूडियो के पास एक पॉश अपार्टमेंट में शिफ्ट हो गईं। जल्द ही उनके दो बच्चे थे, श्रद्धा और सिद्धांत और अब वह इतने संपन्न थे कि वह अपने छोटे

बच्चों के लिए सभी सुविधाओं के साथ कमरे का खर्च उठा सकते थे जिससे बच्चे खुश हो सकते थे।

उनका असली बड़ा समय तब शुरू हुआ जब उन्होंने "इंकार" और "सत्ता पे सत्ता" जैसी फिल्मों के निर्माता राज एन सिप्पी के साथ एक फिल्म की। उनके एक शब्द बोले गए या सिर्फ एक ध्वनि के साथ, 'आओ' ने उन्हें अभूतपूर्व लोकप्रियता के लिए गोली मार दी और वह या तो मुख्य खलनायक थे या जिसे साइड विलेन कहा जाता है। और वह एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गये थे जब उनके लिए केवल पैसा मायने रखता था। वह अभी भी एक अच्छा अभिनेता हो सकते थे, लेकिन उन्होंने आसान रास्ता चुना और खेलना जारी रखा फिल्म दर फिल्म में एक ही तरह के बुरे आदमी और दक्षिण के निर्माताओं के आने के साथ, वह उनकी बनाई हर फिल्म के लिए जरूरी हो गए और कुछ ही समय में उन्होंने पांच सौ से अधिक फिल्मों में काम किया और इस संख्या ने उनके सिर पर कुछ किया। उन्होंने कहा और किया जो चौंकाने वाला था, कम से कम सिर्फ खुद को और अपनी नई–नई छवि को बढ़ावा देने के लिए। वह एक बार कहानी के साथ आया था कि कैसे महिलाओं और विशेष रूप से युवा लड़कियों को पांच सितारा होटलों में अपने सुइट्स के बाहर लाइन में खड़ा किया गया था उनके लिए 'एहसान' करने के लिए। अपनी नई छवि के लिए उनका प्यार सभी हदें पार कर गया जब उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे लड़कियों ने उन्हें अपना ऑटोग्राफ साइन करने के लिए अपने लहंगे भेजे।

हालाँकि, कुछ भी उन्हें एक बहुत ही मांग वाले खलनायक के रूप में विकसित होने से नहीं रोक सका और उन्होंने कुछ निर्देशकों के साथ, ज्यादातर से

साउथ ने उनके लिए सबसे अप्रिय दृश्यों और पंक्तियों को खोजने की कोशिश की जिसने उन्हें लोकप्रिय बना दिया, जनता और बेहतर स्वाद वाले लोगों को उन फिल्मों से दूर रखा जिनमें वह खलनायक थे।

उनकी लोकप्रियता तब तक बनी रही जब तक दक्षिण के निर्माताओं ने हिंदी फिल्में नहीं बनाईं और गिरावट तब शुरू हुई जब उन्होंने अचानक हिंदी में फिल्में बनाना बंद करने का फैसला किया क्योंकि फिल्में नहीं चलती थीं और मुंबई के सितारों ने कभी भी अधिक से अधिक पैसे मांगना बंद नहीं किया। उन्होंने देखा था कि गंदे खेल के माध्यम से सितारे उनके साथ खेल रहे थे और पैसा कमा रहे थे। और वही सितारे जो साउथ में बनी फिल्मों में इतने सफल रहे, 'घर' लौटे तो खुद को बेरोजगार पाया

जिस व्यक्ति ने सात सौ से अधिक फिल्में की थीं, वह समान मानकों को बनाए नहीं रख सका और उसे अपनी भाभी, पद्मिनी कोल्हापुरे और असरानी जैसे अन्य बेरोजगार अभिनेताओं के साथ नाटक करने पड़े। यह नवीन बाबा की तरह एक रंगमंच व्यक्तित्व था जिसने धीमा कर दिया और फिर जीवनयापन करने का एक नया तरीका अपनाया।

शक्ति कपूर एक बेहतर अभिनेता हो सकते थे जो वह थे, लेकिन जैसा कि कहा जाता है, "किसी को ज़मीन नहीं मिलती और किसी को आसमान नहीं मिलता"। (मुझे नहीं पता कि मेरे द्वारा लिखी गई पंक्ति सही है, लेकिन मैं ' मुझे यकीन है कि लोगों को पता चल जाएगा कि मेरा क्या मतलब है)

मैं माता–पिता की अच्छाई–बुराई में विश्वास नहीं करता, जो उनके बच्चों पर प्रतिबिंबित करता है, लेकिन यह देखकर कि शक्ति की बेटी ..., श्रद्धा कैसे प्रशंसा, मान्यता, प्रसिद्धि और भाग्य प्राप्त कर रही है, मुझे विश्वास है कि शक्ति ने कुछ किया होगा। श्रद्धा को अपनी तरह चमकते हुए देखना उनके जीवन और करियर में अच्छा है।

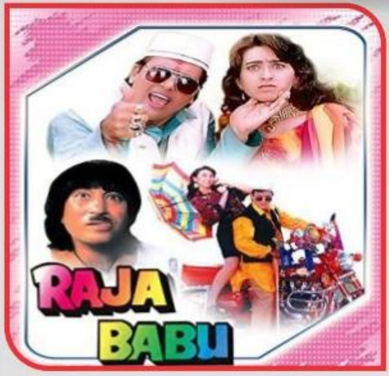

Andaz Apna Apna

Khiladi

Hungama

Judwaa

Coolie No. 1

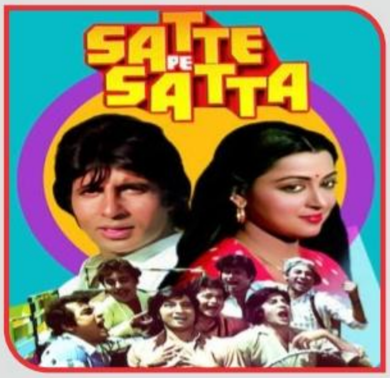
SATTE
PE
SATTA

Chaalbaaz

Chup Chup Ke

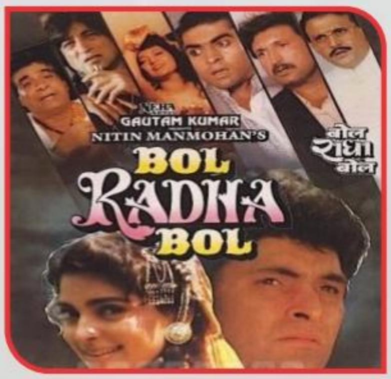
NEHA
GAUTAM KUMAR
NITIN MANMOHAN'S
BOL
RADHA
BOL
बोल
राधा
बोले

शायद शशि थरूर के अंग्रेजी अंदाज के हिंदी गाने को समझ नहीं पाए थे जावेद अख्तर ?

*** जावेद अख्तर बोलकर जो टिप्पणी खड़ी करते हैं, उन पर ही भारी पड़ जाती है।**

*** उनको थरूर की अंग्रेजी समझ मे नहीं आई थी, कहना है कांग्रेसियों का!**

– शरद राय

कांग्रेस के वरिष्ठ और पढ़े लिखे अभिनेता शशि थरूर पर लेखक–गीतकार जावेद अख्तर का कमेंट करना उनको भारी पड़ रहा है। वैसे भी जावेद साहब आजकल जो भी टिप्पणी कर जाते हैं, उनका घेराव हो जाता है। आर एस एस और शिवसेना के लोगों की नाराजगी अभी थमी नहीं थी कि वह अब कांग्रेसियों को गुस्सा दिला दिए हैं। एक चुटकी लेना जावेद साहब को कसैला स्वाद दे गई है। हुआ यह कि कांग्रेस के नेता शशि थरूर श्रीनगर डीडी के एक प्रायोजित कार्यक्रम में राजेश खन्ना की एक फ़िल्म का गाना गाए थे। मौका था वहां सूचना प्रसारण मंत्रालय के लिए स्टैंडिंग कमेटी के एक कार्यक्रम का, थरूर साहब जिसके सदस्य हैं। दूरदर्शन कार्यक्रम में दूसरे सदस्यों ने थरूर से कुछ गाने की फरमाइश किया। वह राजेश खन्ना–जीनत अमान पर फिल्माए गए 1974 में बनी फिल्म 'अजनबी' का गीत सुना दिये– "एक अजनबी हसीना से मुलाकात हो गई..."।

शशि थरूर अमेरिका में पढ़े हैं। उनकी अंग्रेजी अलग अंदाज की होती है जबकि उनकी हिंदी कमज़ोर है। इस घटना का जिक्र वह अपने सोशल मीडिया पर कर दिए, इस टिप्पणी के साथ कि वह एक ऐसे ही अपरिपक्व व अमेच्योर गाना गा दिए थे, जिसको ऐंजॉय कीजिए। इस गीत की वह रिकॉर्डिंग भी डाल दिये थे। घंटे भर में लाखों लोगों के व्यूज व लाइक आ गये। जावेद साहब ने भी अपने विचार लिख दिए कुछ इस तरह जिस पर लोग अर्थ निकालने लगे हैं। हालांकि जावेद अख्तर ने बस यही लिखा था कि ऐसा ही मिलता जुलता एक गाना हमारी हिंदी फिल्म से भी है। देखा जाए तो थरूर के हिंदी उच्चारण पर यह एक सटायर था या हल्की चुटकी थी। लेकिन, कांग्रेस के लोगों को एक मौका मिल गया बोलने के लिए।

कांग्रेस के मुम्बई सर्किल के नेता व हाई कोर्ट के एडवोकेड शीतला पांडेय ने प्रतिक्रिया दे डाला कि जावेद अख्तर समझ ही नहीं पाए शशि थरूर के अंग्रेजी एसेंट के हिंदी में गाए गाने को। बस, कांग्रेसियों की टिप्पणी आनी शुरू हो गई जावेद अख्तर के लिए। वैसे, बॉलीवुड के लोगों का मानना है कि जावेद साहब एक सुलझे हुए लेखक हैं, ये नेता लोग उनकी टिप्पणी की गहराई को समझ नहीं पाते। उनको तो इशू बनाना है... बीजेपी और सेना के लोग बोलेंगे तो कांग्रेसी क्यों चुप रहेंगे? कुल मिलाकर बात इतनी ही है!

कामयाबी सिर्फ धन दौलत और शौहरत, ही नहीं, कामयाबी एक समझ भी है, एक सोच भी है और एक विचार भी हैं

– अली पीटर जॉन

प्रसिद्धि जीवन का एक हिस्सा है और कभी–कभी दोधारी तलवार, यह चंगा करने के लिए काट सकता है या यह चोट और नष्ट करने के लिए काट सकता है। और यह सच्चाई हिंदी फिल्मों की चंचल दुनिया से ज्यादा स्पष्ट कहीं नहीं है।

गणेशोत्सव की पूर्व संध्या पर, मैंने पांच प्रमुख फिल्म हस्तियों से बात की, जिन्होंने प्रसिद्धि का स्वाद चखा है और उनसे पूछा कि वे अपने जीवन और अपने करियर में कामयाबी के बारे में क्या सोचते हैं...

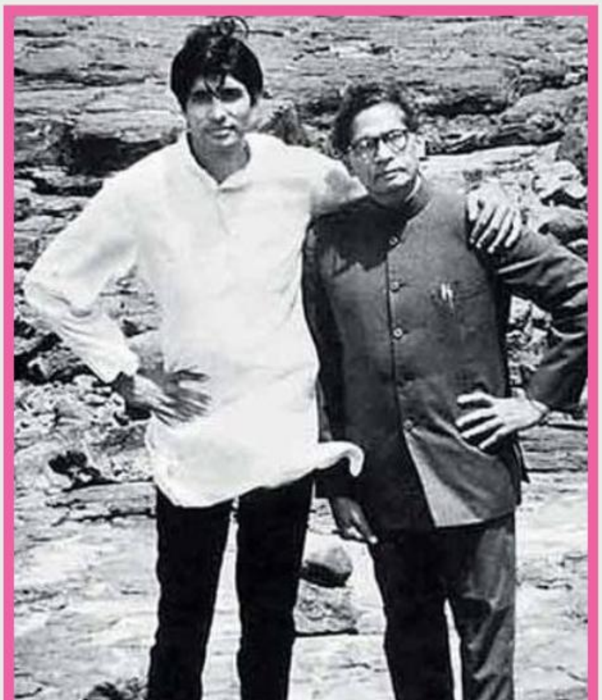

अमिताभ बच्चन –मैं अपने पिता डॉ हरिवंशराय बच्चन से प्रशिक्षित होने के लिए बहुत भाग्यशाली था, जो मेरे लिए एक शिक्षक और गुरु से अधिक थे। उन्होंने मुझे सिखाया कि कैसे प्रसिद्धि और सफलता को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए, क्योंकि वे सिर्फ अस्थायी घटना थीं और कभी भी आ और जा सकती थीं। यह तब था जब मैं बहुत सफल रहा था कि वह मुझे एक कमरे में ले गये और मुझसे कहा "लल्ला, ये सब आनी जानी हैं, इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देना। ये कभी तुम्हारे दोस्त नहीं बन सकते। सिर्फ लगन से और हिम्मत से काम करते रहो, कामयाबी तुम्हारी पैर छुती रहेगी।" मैं इनका अनुसरण कर रहा हूं और इस स्थान पर पहुंचा हूं और मुझे आशा है कि मेरे बच्चे और मेरे पोते–पोतियां उन्हीं सिद्धांतों का पालन करेंगे। ये सिद्धांत सदियों पुरानी जड़ीबूटियों की तरह हैं जो कभी असफल नहीं हो सकते।

सुभाष घई –मुंबई आने पर मेरे पास कड़ी मेहनत और सीखने की इच्छा के अलावा कुछ नहीं था। मैं गिरता रहा और संघर्ष करता रहा और उठता रहा लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी और यही मुझे लंबे समय में भुगतान किया। मैं अभी भी 79 साल की उम्र में बहुत मेहनत और उसी लगन और ईमानदारी के साथ काम करता हूं और मैं अभी भी 3 फिल्में बनाने और अपने फिल्म स्कूल व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल की गतिविधियों का विस्तार करने की योजना बना रहा हूं। प्रसिद्धि अंत नहीं है, बल्कि मनुष्य के उन लक्ष्यों तक पहुँचने के संघर्ष की शुरुआत है जो वह चाहता है।

माधुरी दीक्षित नेने – मुझे प्रसिद्धि प्राप्त करने और प्रसिद्धि प्राप्त करने के लिए काम करने जैसे उच्च सिद्धांतों के बारे में कभी नहीं पता था, मेरे माता–पिता केवल मुझे जो कुछ भी कर रहे थे उसमें कड़ी मेहनत करने के लिए कहते थे और यही मुझे प्रसिद्धि मिली। मैं कम मध्यम वर्ग से आने के बाद से प्रसिद्धि से खराब हो सकती थी, लेकिन एक कॉन्वेंट स्कूल में मेरी शिक्षा ने मुझे अपना संतुलन बनाए रखने में मदद की और इस तरह मैं वहां हूं जहां मैं आज हूं। मैंने जो करने की योजना बनाई थी, उससे कहीं अधिक मैंने किया है और अब मैं चाहता हूं कि मेरे बेटे रयान और एरिन अपनी शर्तों पर जो कुछ भी करना चाहते हैं उसमें सफल हों, बेशक भगवान की मदद और उनके दादा–दादी के आशीर्वाद से।

शाहरुख खान –मुझे आज भी वह रात याद है जब मैं बांद्रा स्टेशन के बाहर लकी रेस्टोरेंट के बाहर अकेला खड़ा था और हताशा में चिल्लाया था कि मैं एक दिन बॉम्बे जीत जाऊंगा। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो नहीं लगता कि मैं उस मंजिल के पास कहीं नहीं पहुंचा हूं, लेकिन मैंने अपनी मंजिल पर ध्यान देना नहीं छोड़ा है और मैं इंशाल्लाह कम से कम उस मंजिल के पास कहीं तो पहुंच जाऊंगा। कभी–कभी कामयाबी हासिल करने में एक पूरी जिंदगी निकल जाती है, ये बात मैं मेरे बच्चों को भी सीखाना चाहता हूं, तो शायद मेरी जिंदगी सफल होगी।

अनुपम खेर – शूरु शुरु में लोग मुझे धक्के मार कर अपने दफ्तरों से बाहर निकालते थे या एक्स्ट्रा के रोल ऑफर करते थे, उतनी बार मेरा हौंसला बढ़ जाता था। मैं रात में अकेला रोता था लेकिन सूबह में मैं खादी कुर्ता और पायजामा पहन कर निकलता था एक नई जंग लड़ने के लिए और शायद उसी की वजह से मैं आज अनुपम खेर हूं, नहीं तो मैं अनुपम खेर खेरवाड़ी झोपड़ेवाला ही रह जाता...

इंटरनेशनल मलयालम फिल्म 'जिबुटी' को लेकर चर्चा में है भारत की शिमला-गर्ल शगुन जसवाल

– शरद राय

इनदिनों एक मलयालम फिल्म की खूब चर्चा है जिसका रूपांतरण कई भाषाओं में किया गया है। यह फिल्म अंतर्राष्ट्रीय बाजार के लिए बनाई गई है– "जिबुटी" (Djibouti), जिसका हाल ही में ट्रेलर रिलीज किया गया है। इस ट्रेलर में दिखने वाली अभिनेत्री भारत की 'शिमला–गर्ल' शगुन जसवाल हैं। फिल्म के ट्रेलर को खूब पसंद किया जा रहा है।

शिमला की रहने वाली बेहद खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस शगुन जयसवाल ट्रेलर मे बेहद क्यूट और हसीन लग रही हैं। "जिबूटी" एक ऐसी फिल्म है जिसमे रोमांस, एक्शन, ड्रामा, म्यूज़िक और इमोशंस के साथ साथ एक अंतर्राष्ट्रीय समस्या पर ध्यान खींचा गया है। शगुन ने अपने चेहरे के एक्सप्रेशन से हर तरह की भावनाओं को इस ट्रेलर में जिस तरह उकेरा है वह प्रशंसा की हकदार हैं। शगुन के लिए यह फ़िल्म एक बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसको लेकर वह काफी उत्साहित भी हैं।

यह फ़िल्म दो देशों के बीच प्रेम कहानी पर बेस्ड है। जिबुटी– अफ्रीका का एक बहुत छोटा सा देश है, और शगुन इस फिल्म में उस देश की रहने वाली एक लड़की का रोल प्ले कर रही हैं। फिल्म का एक गाना भी आउट किया गया है जो शंकर महादेवन ने गाया है। यह फ़िल्म एक साथ 7 भाषाओं में रिलीज की जाएगी– फ्रेंच, चाइनीज, हिंदी, तेलगु, मलयालम, कन्नड़ और भोजपुरी में।

शिमला से फिल्मी दुनिया तक का सफर शगुन जसवाल के लिए आसान नहीं था मगर उन्होंने अपने सपने को सच मे बदल दिया है। उनको बचपन से ही एक्टिंग का शौक था। जब वह सिर्फ 6 साल की थीं, तो वह अपनी मां की लिपिस्टिक लगा कर आईने के सामने अपने पड़ोसी की माँ की एक्टिंग करती थीं। दूसरों की मिमिक्री करके, फिल्में और सीरियल्स देखकर उन्होंने एक दिन एक्ट्रेस बनने का फैसला कर लिया। 2013 में शिमला में मिस शिमला का ब्यूटी कॉन्टेस्ट हुआ था जहां उन्होंने 'मिस शिमला' फर्स्ट रनर अप का क्राउन जीत लिया। उसके बाद उन्हें फेमिना इंडिया "इंडियन दिवा" में चांस मिला और इसके फाइनल ऑडिशन तक वह यहां थीं। इसके बाद उन्हें एक पंजाबी फिल्म में हीरोइन बनने का मौका मिला। उनकी पहली पंजाबी फिल्म 'यारां द कैचअप' 2014 में रिलीज हुई थी जो अब अमेज़ॉन पर भी उपलब्ध है। इसमें बड़ी स्टार कास्ट थी। फिल्म में 'फुकरे' के वरुण शर्मा के अपोज़िट शगुन थीं। इस फिल्म में हार्डी संधू, युविका चौधरी, अनिता हसनंदानी जैसे एक्टर्स काम किए हैं।

शगुन ने इसके बाद में डव, जम्मू एंड कश्मीर टूरिज़्म, कल्याण सिल्क, कल्याण हाइपर मार्केट सहित ढेर सारी विज्ञापन फिल्मों में काम किया। फिर ऑल्ट बालाजी की वेब सीरीज "करले तू भी मोहब्बत" में एक कैमियो रोल किया। फिर एक शो डोमिनोज़ कॉमेडी हॉउस किया। फिर शगुन ने ज़ी5 की एक वेब सीरिज 'इश्क आजकल' में अदाकारी की।

हाल ही में शगुन ने एक अच्छे बैनर की हिंदी फिल्म भी साइन की है। जिसके बारे में जल्द ही अपडेट किया जाएगा। इस फ़िल्म की शूटिंग इसी महीने उत्तराखंड में की जाएगी।

वह अपनी अब तक की फिल्मी जर्नी से बेहद संतुष्ट हैं। जब वह कोई परफॉर्मेंस बेस्ड एक्टिंग देखती हैं तो वह इंस्पायर होती हैं और सोचती हैं कि क्या वह ऐसा या इससे बेहतर कर सकती हैं। जब वह 8वी क्लास में थीं तो उन्होंने एक्टिंग वर्कशॉप किया था। उस समय उन्होंने एक बच्चों की फ़िल्म ''अक्कड़ बक्कड़ बॉम्बे बो'' की थी। अपनी हर फिल्म से पहले वह वर्कशॉप को इम्पोर्टेन्ट मानती हैं। वह घर पर भी प्रैक्टिस करके खुद की एक्टिंग स्किल्स को पॉलिश करती रहती हैं।

मलयालम फ़िल्म "जिबुटी" शगुन के लिए एक बड़ा प्रोजेक्ट है। वह फिल्म में जिबुटी से इंडिया आती हैं। इसमे वह मेन लीड कर रही हैं यह एक लव स्टोरी है। "इसमे रोमांस, एक्शन, ड्रामा सब कुछ है यह एक एंटरटेनिंग सिनेमा का कम्प्लीट पैकेज है।" वह बताती हैं।

आगे वह लीड किरदार और परफॉर्मेंस बेस्ड भूमिकाएं करना चाहती हैं। शगुन कहती हैं "जिस किरदार से मैं खुद को कनेक्ट नहीं कर पाती वह फ़िल्म शायद मैं नहीं करूंगी।"

एक तिनके की तरह जिंदगी भर वो उड़ती रही और...

सारिका

—अली पीटर जॉन

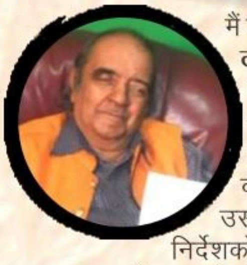

मैं उसे अपनी महत्वाकांक्षी माँ, **श्रीमती ठाकुर** के साथ एक बच्चे के रूप में देखा करता था, जो फिल्म निर्माताओं के स्टूडियो और कार्यालयों के चक्कर लगाती थी, बच्चे को फिल्मों में एक बच्चे के रूप में काम दिलाने की कोशिश करती थी। उसकी माँ सचमुच उसे निर्माताओं और निर्देशकों के कार्यालयों में धकेल देती थी और उसे उनके साथ खेलने के लिए कहती थी, उनकी गोद में बैठती थी और वह सब कुछ करती थी जो वह एक बच्चे के रूप में उनका ध्यान आकर्षित करने और उन्हें एक भूमिका देने के लिए कर सकती थी, जिसमें वह सफल हुई! कई फिल्मों में काम किया और वह अधिक लोकप्रिय बाल कलाकारों में से एक थी जो लड़का और लड़की दोनों की भूमिका निभा सकती थी! यह एक बहुत ही सफल पारी थी जो उसने तब तक खेली जब तक कि वह एक किशोर में बड़ी नहीं हो गई और प्रचलन से बाहर नहीं हो गई ....

GEET GAATA CHAL

लेकिन इससे पहले कि उद्योग उसे छोड़ सके, उसने राजश्री की **"गीत गाता चल"** में एक प्रमुख हिरोइन के रूप में अपने समकालीन पुरुष बाल कलाकार सचिन के नायक के रूप में एक प्रमुख हिरोइन के रूप में वापसी की। फिल्म एक हिट थी और उसी टीम को एक संख्या में दोहराया गया था अन्य छोटी रोमांटिक फिल्मों में और वह अपनी माँ के साथ काफी अच्छा जीवन यापन कर रही थी और भानु अपार्टमेंट नामक एक इमारत में उनका एक आलीशान घर था। उन्हें एक स्टार के रूप में स्वीकार किया गया था।

लेकिन उसने यह सब बर्बाद करने के लिए केवल एक **'गलती'** की, किसी व्यावसायिक कारणों से की गई गलती के कारण नहीं, बल्कि अपने अंदर के रचनात्मक कलाकार को संतुष्ट करने के लिए। उन्होंने निर्देशक के रूप में जलाल आगा और उनके सह–कलाकारों के रूप में **अमोल पालेकर** और **नसीरुद्दीन शाह** के साथ **'निर्वाण'** नामक एक फिल्म साइन की! यह फिल्म कुछ बहुत ही संवेदनशील दृश्यों, महान संगीत और समान रूप से महान छायांकन के साथ रट फिल्म से बाहर थी! सारिका जैसा कि अब उन्हें बुलाया गया था, हालांकि फिल्म का मुख्य आकर्षण था। उन्होंने अपनी सख्त मां के बिना फिल्म को साईन कर ली, जो फिल्म के बारे में कुछ भी नहीं जानती थी। सारिका एक ऐसा दृश्य करने के लिए तैयार हो गई जहां उसे अपने स्तनों को उजागर करना था और उसने किया यह बिना किसी समस्या के! लेकिन समस्याएँ तब शुरू हुईं जब उसकी माँ ने फिल्म के पहले भाग को देखा और उसके होश उड़ गए! उसने जलाल से उस दृश्य को काटने के लिए कहा, लेकिन, जलाल ने मना कर दिया क्योंकि उनका मानना था कि यह दृश्य पूरे के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दृश्य था। इसके कारण माँ और बेटी के बीच युद्ध छिड़ गया, जब तक कि सारिका अपने घर से बिना कुछ लिए और अपने पहने हुए कपड़ों को छोड़कर चली गई।

फिर शुरू हुआ जिप्सी महिला का सफर! वह पहले एक खाली घर में रहती थी जो जुहू के एक स्थानीय राजनेता का था, जो इस्कॉन मंदिर के सामने राउत लेन नामक एक गली में था और जब उसने मुझे बुलाया था, तो वह बस एक खाली फर्श पर बैठी थी, जिसके चारों ओर कुछ कपड़े पड़े थे। उसके। उसे यकीन नहीं था कि वह कहाँ जा रही है और उसके करियर की स्थिति क्या है। उसके पास न पैसा था और न ही फिल्में आगे देखने के लिए ....

राउत लेन के उस घर (?) से, वह सांताक्रूज में वेस्ट एवेन्यू रोड पर एक पीजी डिग में शिफ्ट हो गई, जहाँ उसने मुझे भी आमंत्रित किया और जिस दिन मैं वहाँ पहुँचा, यह उसके साथ खेला जा रहा जीवन का एक गंदा खेल था। आयकर विभाग ने उसके घर पर छापा मारा था और मुझे उनके साथ तब तक बैठना पड़ा जब तक कि वे अपनी खोज पूरी नहीं कर लेते, केवल इकतीस रुपये और छापेमारी करने वाले अधिकारियों में से एक ने पूछा, **"क्या कुछ सितारे इतने गरीब हैं?"** और मैंने किया 'मेरे पास उनके लिए उचित उत्तर नहीं है, भले ही मुझे सारिका की कहानी के बारे में पूरी सच्चाई पता थी। उसने तीन और पीजी डिग्स को बदल दिया और जब वह पूरी तरह से पैसे और काम से बाहर हो गई, तो वह **सुभाष घई** द्वारा बनाई गई फिल्मों में वैम्प की भूमिका निभाने के लिए भी तैयार हो गई। और **दीन दयाल शर्मा** जैसे निर्देशक और बिकनी और अन्य कंजूसी वाले कपड़े पहनने के लिए सहमत हुए! मैं उनके संपन्न करियर को एक बार टुकड़ों में उड़ाते हुए और कहीं नहीं जाने वाली जगह पर जाते हुए देख सकता था।

भाग्य ने हालांकि प्यार के रूप में उसकी मदद की। तमिल फिल्मों के **सुपरस्टार कमल हासन**, जो अपनी पहली दो हिंदी फिल्मों में काम कर रहे थे, नियमित रूप से जुहू के तत्कालीन हॉलिडे इन होटल में रह रहे थे, जहाँ **दीप्ति नवल और सारिका** दिन के सभी विषम घंटों में उनसे मिलने जाती थीं और गपशप पत्रिकाएँ थीं, एक क्षेत्र दिवस तीनों के बारे में सभी प्रकार की कहानियों का क्षेत्ररक्षण ....

समय बीतता गया और सारिका जो हमेशा मुझे बहुत करीबी दोस्त मानती थी, उसने मुझे एक सुबह फोन किया और घोषणा की कि वह गर्भवती है और मुझे उसे सात बंगलों के गुलिस्तान अपार्टमेंट में देखने के लिए कहा। उसने मुझे बताया कि वह कमल के बच्चे को ले जा रही है (कमल की मुंबई की एक मॉडल और अभिनेत्री के साथ वाणी गणपति नामक एक असफल शादी हो चुकी थी)। एक वरिष्ठ पत्रकार भावना सोमाया द्वारा फैलाई गई खबर जंगल की आग की तरह फैल गई जैसे वे कहते हैं और अगली बात मैंने सुनी कि सारिका चेन्नई में थी जहां वह कमल के घर में रह रही थी और बहुत जल्द उन्हें 'चेन्नई की अम्मा' के रूप में जाना जाने लगा। कैसे कमल की सभी महिलाओं को उनके अनगिनत प्रशंसक बुलाते थे)। कमल और सारिका की दो बेटियां थीं, श्रुति हासन और अक्षरा हासन और अजीब तरह से, कमल ने अपनी दो बेटियों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में सारिका से शादी की।

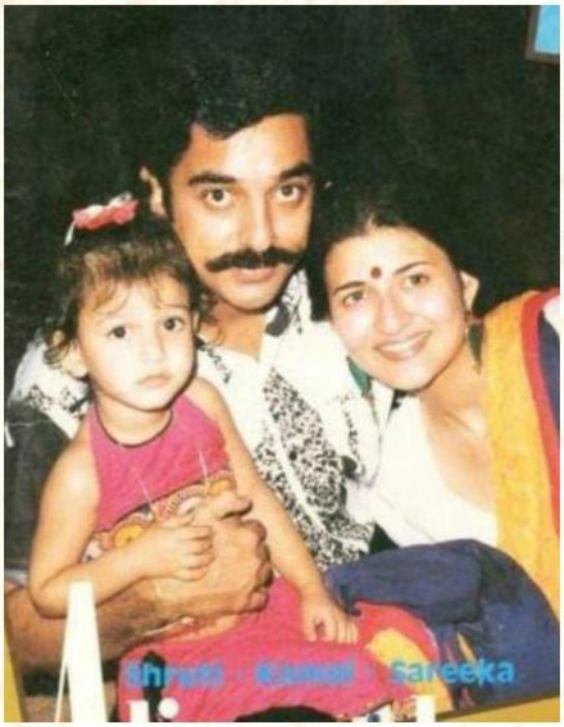

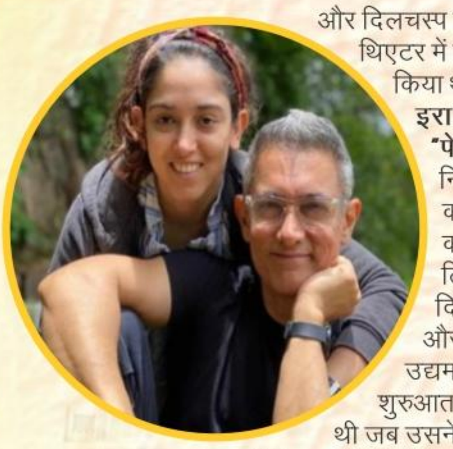

सारिका ने अभिनय छोड़ **राज कमल फिल्म्स** के बैनर तले कमल द्वारा बनाई जा रही फिल्मों में मदद करने की जिम्मेदारी उठाई थी। वह उनकी अधिकांश बड़ी और महत्वाकांक्षी फिल्मों की कॉस्ट्यूम डिजाइनर थीं और आम तौर पर एक फिल्म के निर्माण में जाने वाली हर चीज की प्रभारी थीं और कमल ने उनके द्वारा किए गए काम का सारा श्रेय उन्हें दिया।

और फिर अचानक बुलबुला फट गया और सपना मर गया और चेन्नई के जोड़े के लिए यह सब खत्म हो गया और यह तलाक के साथ समाप्त हो गया जब उनकी बेटियां बड़ी हो रही थीं। कमल को सारिका की जगह लेने के लिए एक अन्य महिला, एक अभिनेत्री भी मिल गई थी, जो अपनी दो छोटी बेटियों के साथ मुंबई चली गई। मैंने एक दिन उसे वरुण अपार्टमेंट्स नामक एक इमारत से अपनी दो बेटियों के साथ सड़क के उस पार निकलते हुए देखा जहाँ मेरा घर था। उसने मुझे बताया कि वह एक दोस्त के साथ रह रही थी और उसने मुझे अपनी पूरी कहानी सुनाई और मुझे आश्चर्य हुआ कि वह क्या करेगी या नियति ने उसके लिए क्या योजना बनाई थी ..

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि उन्हें **"परजानिया"** नामक एक फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए साइन किया गया था, जो गुजरात के दंगों पर आधारित थी, विशेष रूप से गोधरा दंगों में जिसमें **नरेंद्र मोदी** और **अमित शाह वीर** के नाम शामिल थे!

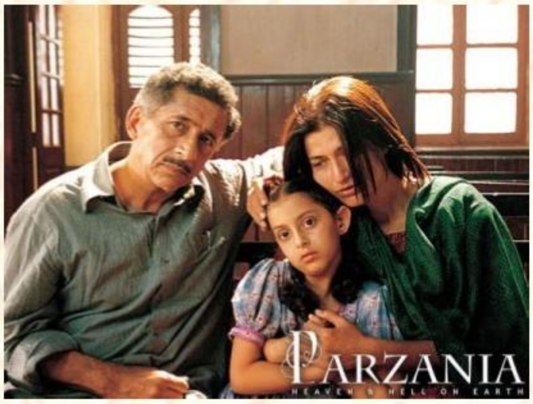

फिल्म में प्रदर्शन इतना शानदार था कि उन्होंने प्रदर्शन के लिए अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। उन्हें अन्य चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं की पेशकश के बारे में बात की गई थी, लेकिन उन्हें केवल एक ही फिल्म में देखा गया था जो रवि चोपड़ा की फिल्म **"बाबुल"** थी जिसमें उन्होंने एक क्षणभंगुर भूमिका निभाई थी एक विधवा के रूप में सफेद और एक सिर मुंडा के साथ उपस्थिति। वह आखिरी बार था जब वह किसी फिल्म में या यहां तक कि सार्वजनिक स्थानों पर देखी गई थी। उनके वैरागी बनने या **आमिर खान** के चाचा, फिल्म निर्माता, **नासिर हुसैन** के बंगले में रहने के बारे में अफवाहें थीं, लेकिन मुझे उनसे मिलने का अवसर तब मिला जब वह एक पेंटिंग प्रदर्शनी के उद्घाटन और दीप्ति की एक कविता पुस्तक के विमोचन में शामिल हुईं। नौसेना जहां उन्होंने कहा कि अधिक बार मिलने की जरूरत है, लेकिन वह इच्छा मर चुकी थी इससे पहले कि वह उचित जन्म ले सके....

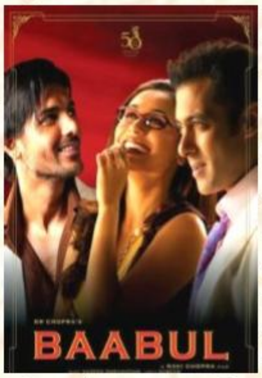

मैंने पिछले हफ्ते तक उनके बारे में फिर कभी नहीं सुना जब मुझे पता चला कि एक बार का बच्चा साठ को पार कर गया था। और जो मुझे और दिलचस्प लगा वह यह था कि उसने थिएटर में एक निर्माता बनने का फैसला किया था और **आमिर खान** की बेटी, **इरा खान** की पहली अंग्रेजी नाटक **"पेडिया"**, एक ग्रीक नाटक के निर्माता के रूप में अपने नए करियर और जीवन की शुरुआत कर रही थी। यूरिपेड्स द्वारा लिखित और यह जानना अधिक दिलचस्प था कि वह अपनी छोटी और खूबसूरत बेटी अक्षरा द्वारा इस उद्यम में शामिल हुई थी, जिसकी शुरुआत बहुत अच्छी नहीं थी जब उसने तमिल में अपनी पहली फिल्म की थी और यहां तक कि जब उन्होंने अपनी पहली फिल्म की थी तब भी उनकी शुरुआत बहुत अच्छी नहीं थी। अमिताभ बच्चन और धनुष की ड्रीम कास्ट के साथ हिंदी फिल्म, **"शमिताभ"**...

जब मैं अपनी बहुत पुरानी दोस्त सारिका के बारे में सोचता हूं तो मैं भावनाओं का मिश्रित थैला होता हूं। वह अब कहाँ जाती है? उसका भविष्य कैसा दिखेगा? वह कौन से सपने हैं जिन्हें वह अब भी पूरा करना चाहती हैं? क्या वह उन्हें पूरा करेगी? क्या उसके जीवन में और रिश्ते होंगे? और कौन से तूफान हैं जो उन्हें घेरने की प्रतीक्षा कर रहे हैं? जैसा कि मैं कहता हूं, मैं ऐसी कई कहानियों का साक्षी रहा हूं, लेकिन मुझे हमेशा सारिका की कहानी सबसे आकर्षक और लगभग अविश्वसनीय लगती है। अगर कोई विषय है जो एक बहुत अच्छी जीवनी बना सकता है और अगर कोई विषय बायोपिक में बदलने की प्रतीक्षा कर रहा है, तो मुझे दृढ़ता से लगता है कि यह सारिका ठाकुर–हासन की अद्भुत कहानी है। मुझे याद है कि सारिका से पूछना कि उनके नाम पर ठाकुर कौन है था और उन्होंने अभी कहा था, "मेरी माँ से पूछो"।

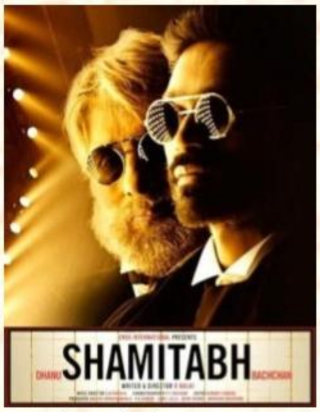

मझली दीदी

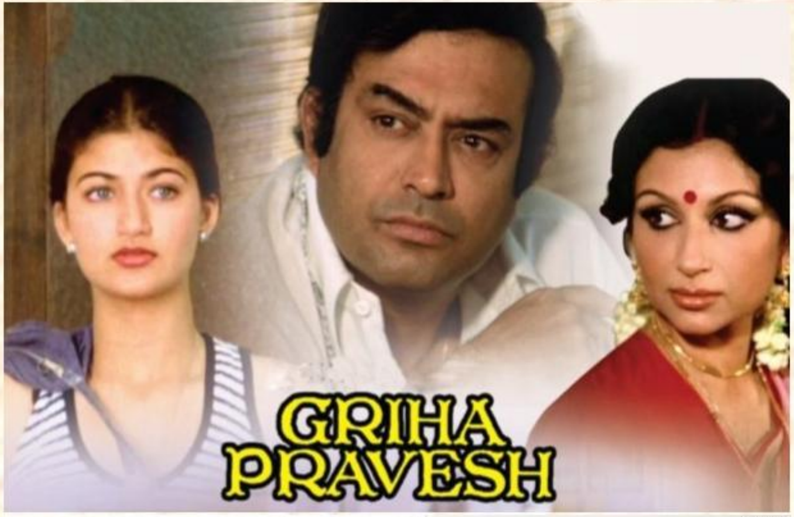
GRIHA PRAVESH

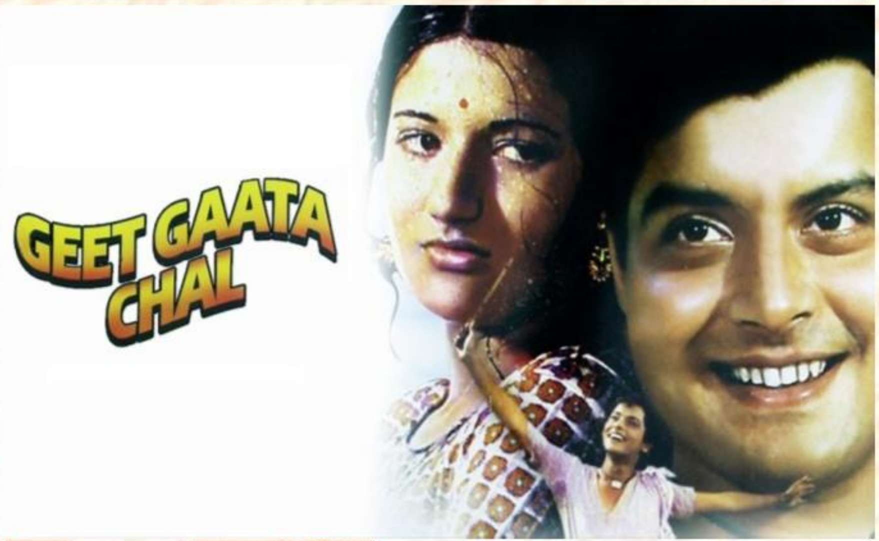
GEET GAATA CHAL

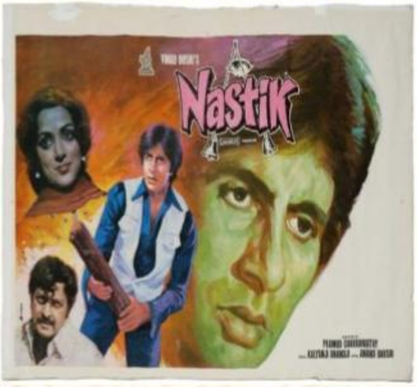
Nastik

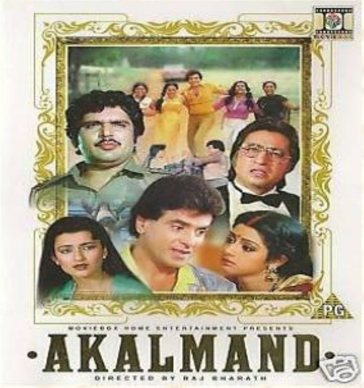
AKALMAND
DIRECTED BY RAJ BHARATH

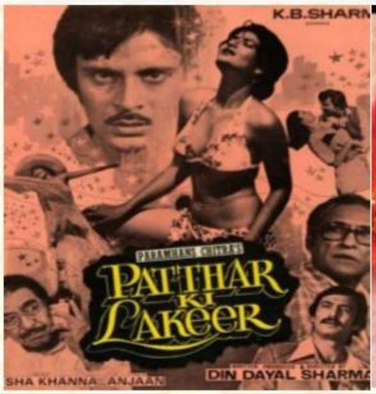
K.B.SHARM
PATTHAR KI LAKEER
SHA KHANNA ANJAAN
DIN DAYAL SHARMA

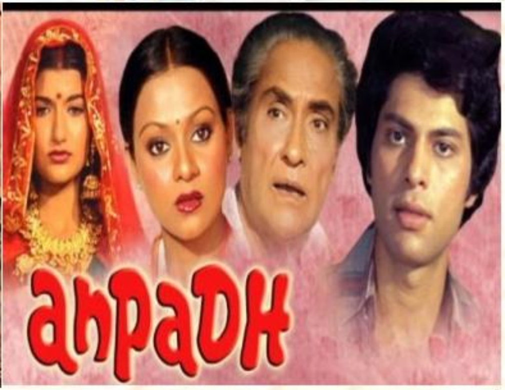
anpaDH

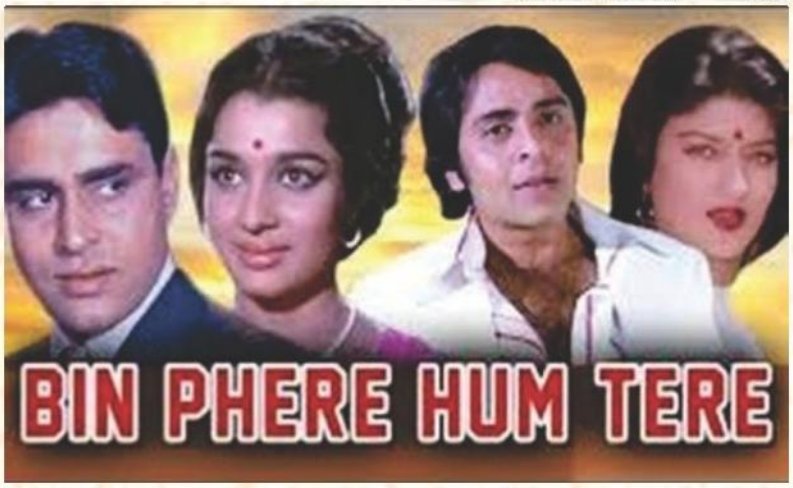
BIN PHERE HUM TERE

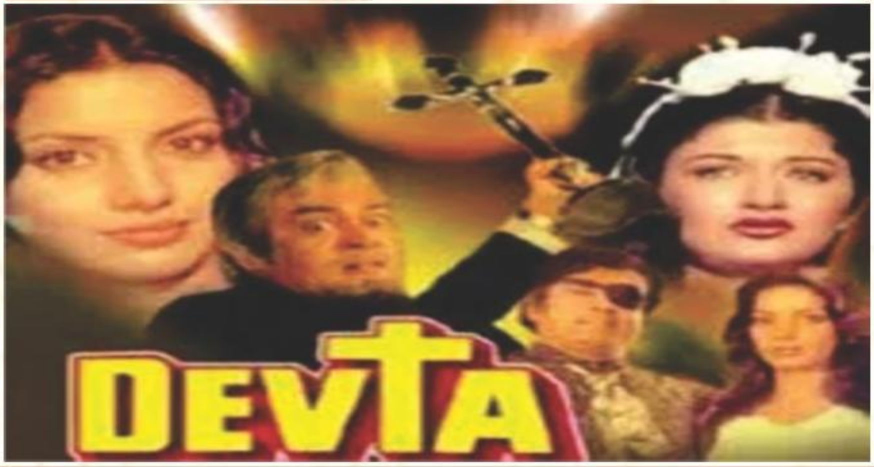
DEVTA

सिद्धार्थ शुक्ला को समर्पित शबाब, साबरी और डीजे शेजवुड ने अपना नया गीत 'पिंते पिंते पी गया'

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

हिंदी फिल्म उद्योग में कई गायकों और संगीत लेबलों का मुख्य आधार बन चुका हैं, कुछ लोग इसे डीजे शेजवुड, शबाब साबरी और बडोला संगीत और पीएस क्रिएशंस के रूप में उतना ही स्वैग लाने में कामयाब हुए हैं। वही डी जे शेजवुड अपने पिछले गाने ''मैं शराबी'' के अब अपने नए गाने ''पीते पीते पी गया'' को लेकर आ रहे हैं, जिसे उन्होंने दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला को समर्पित किया है।

''पीते पीते पी गया'' एक ऐसा गाना है, जिसमें फंकी बीट्स और हिंदी–पंजाबी बोल हैं। बीट्स पर उच्च गीत एक स्थिर सम्मोहक बीट के साथ मस्ती का एक सही मिश्रण लेकर आया है, जो श्रोताओं को थिरकने पर मजबूर कर देगा। इस गाने की शुरुआत कविता के साथ होती है और फिर पार्टी बीट्स के साथ क्लब मोड में लॉन्च हुआ है।

डीजे शेजवुड इस गाने को दो सितंबर को लॉन्च करने वाले थे. मगर अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के आकस्मिक निधन के बाद उन्होंने इसका लॉन्च टाल दिया और गाने के ट्रैक को दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला को समर्पित किया है। डीजे शेजवुड कहते हैं–''हमने उन्हें बेहद मनोरंजक व फिट अभिनेता के रूप में हमारे बीच सामान्य कारकों के रूप में देखा। हम उनके निधन के दिन गाने के लॉन्च को निर्धारित किया था, लेकिन उनके सम्मान और स्मरण के प्रतीक के रूप में इसे आगे बढ़ाया, हम उन्हें गीत समर्पित कर रहे हैं। वह हमेशा हमारे दिलों के करीब रहेंगे और जिस दिन हम सभी आधिकारिक लॉन्च के लिए एक साथ आएंगे, हम उनके लिए प्रार्थना करेंगे। यह गीत जीवन का जश्न मनाता है और उन्हें यह समर्पित होगा।''

BADOLA MUSIC & PS CREATIONS PRESENTS
BMP
पिeete पिeete
पि GAYA
SINGER SHABAB SABRI & DJ SHEIZWOOD MUSIC DJ SHEIZWOOD LYRICS VANISH VISH
FEATURING SIMRAN AHUJA, TOUSIF SULTAN & ALI SHAQUIB
DIRECTED BY AZIZ ZEE PRODUCED BY INNDRESH BADOLA & PS CREATIONS

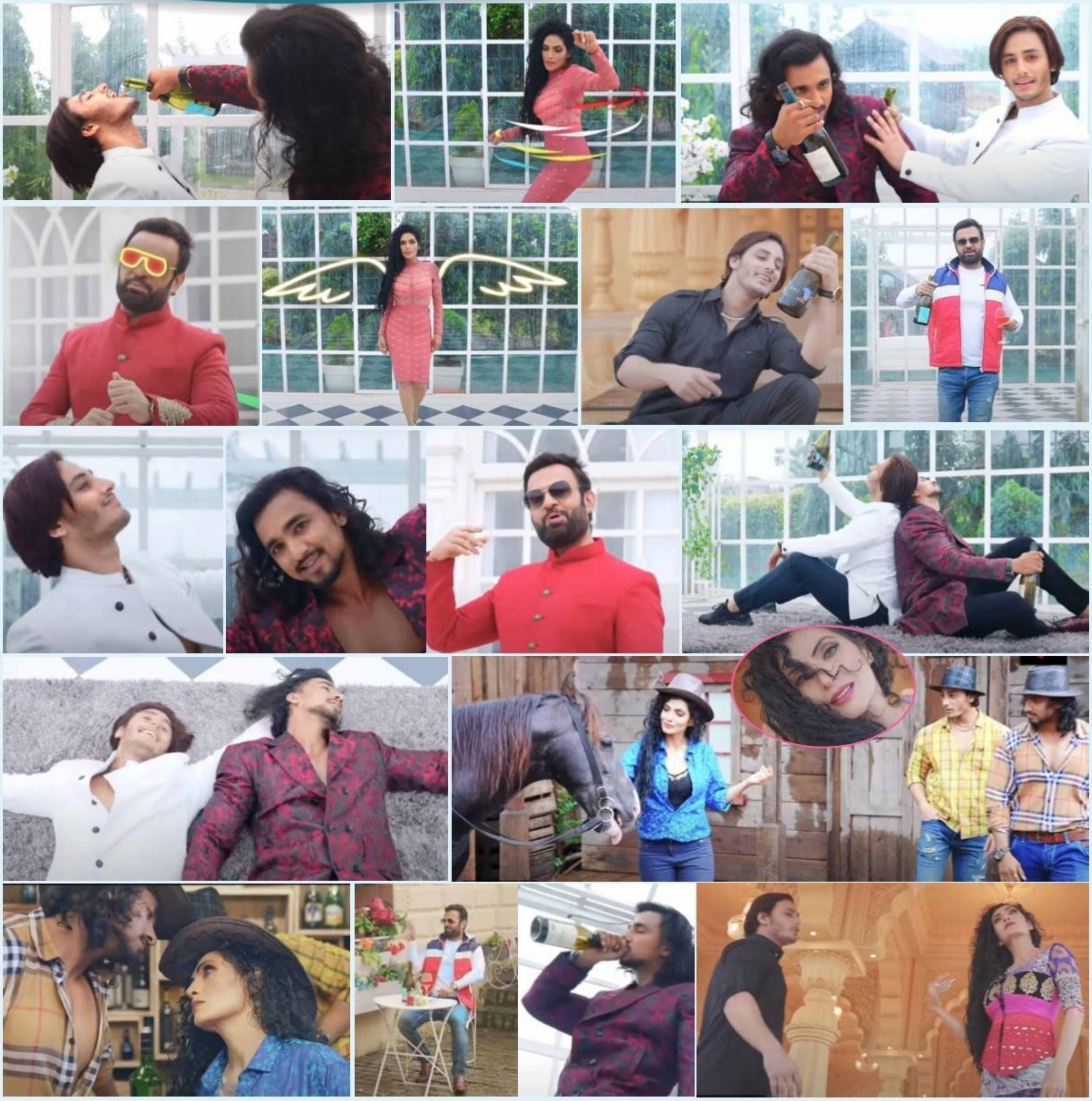

वह आगे कहते हैं–"दर्शकों के लिए यह हमारी उत्सव की पेशकश है। त्योहार आने ही वाले हैं और एक नई प्लेलिस्ट बनाना प्राथमिकता है। उम्मीद है कि दर्शक इसे उतना ही पसंद करेंगे जितना हम करते हैं।"

जबकि इंद्रेश बडोला कहते हैं "बडोला म्यूजिक और पीएस क्रिएशन में हमारा लक्ष्य दर्शकों को सर्वश्रेष्ठ देना है, 'पीते पीते पी गया' हमारे श्रोताओं के लिए हमारी उत्सव की पेशकश है"

शबाब साबरी कहते हैं "उत्साहित और श्रोताओं की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा कर रहा हूं। उम्मीद है कि दर्शक इसे उतना ही पसंद करेंगे जितना हम करते हैं।"

अजीज जी कहते हैं "हालात अभी सामान्य होने लगे हैं तो क्यों न उत्सवों को एक नई प्लेलिस्ट के साथ लाया जाए। 'पीते पीते पी गया' आपकी मस्ती के लिए वह अतिरिक्त चुटकी भर देगा"

सिमरन आहूजा ने कहा – "लोकप्रिय डीजे शेजवुड के फुट टैपिंग गाने में काम करने का अद्भुत एहसास है .. जब मैं उनसे मिली तो उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि मैं सिर्फ मैं ही रहूं । .. और ऐसा निर्देशक अजीज, शाकिर और उनमें से अम्मी के साथ काम करना बहुत अद्भुत था .. गतिशील पंकज सोनी द्वारा निर्मित, जिन्हें हमेशा मुझ पर विश्वास है .. यह जादू, हंसी और मस्ती के बारे में था .. पूरे क्रू को धन्यवाद।"

गीत "पीते पीते पी गया" के संगीतकार डीजे शेज़वुड, गीतकार विश विश हैं। अजीज जी निर्देशित वीडियो में सिमरन आहूजा, तौसीफ सुल्तान और अली शाकिब है। जबकि इसका निर्माण इंद्रेश बडोला और पीएस क्रिएशंस, सह–निर्माण संदीप के शर्मा एस.के.एस डिजाइन ने किया है।

गायिका-संगीतकार चांद साधवानी की भक्तिमय एलबम 'हरि बोल' अनूप जलोटा और दिलीप सेन के हाथों हुआ लॉन्च

प्रस्तुति–रमाकांत मुंडे

हरि बोल
HARI BOL

मुंबई, हाल ही में सिंगर एवं म्यूजिक **डायरेक्टर चांद साधवानी** की भक्तिमय म्यूजिकल एलबम **'हरि बोल'** को बॉलीवुड की विख्यात म्यूजिक कंपनी टी सीरीज ने लॉन्च किया है! इस गीत को भजन सम्राट **अनूप जलोटा** के साथ **चांद साधवानी** ने भक्ति भाव में डूबकर गाया है। **डॉक्टर पुष्पा शर्मा** के साथ स्वयं चांद ने इस गीत को लिखा है। एलबम के रिलीज के अवसर पर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध संगीतकार **दिलीप सेन** उपस्थित थे जिन्होंने **अनूप जलोटा** व **चांद साधवानी** के साथ मिलकर एलबम को रिलीज किया!

इस एलबम को अनूप जलोटा के घर में फिल्माया गया है! जिसके डीओपी **मुकेश शर्मा** और एडिटर कैलाश दास हैं।

बतौर संगीतकार चांद साधवानी ने हिंदी फिल्म 'जाने क्यों दें यारो', मराठी फिल्म 'शॉर्टकट', बंगाली फिल्म 'स्ट्रीटलाइट', छोटो मेमसाहब व 'ट्रोई', बंगाली अलबम 'सिग्नेचर', इंडिपॉप 'सुन', अल्ट्रा बॉलीवुड द्वारा जारी अलबम 'तेरे बिन', तू ही यो था और सरिता जोशी अभिनीत हिंदी शार्ट फिल्म 'खलिश' के गीतों को सुमधुर धुन से संवारा है।

आपको बता दें कि चांद साधवानी बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के बड़ी फैन हैं इसीलिये उन्होंने 'सुपरस्टार' अलबम की रचना कर अमिताभ को समर्पित की हैं जिसे उनके यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकता है।

“ अब नया चैनल ‘आजाद’ रचेगा नया इतिहास..”

सुरेंद्र पाल

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

14 सितंबर से ग्रामीण दर्शकों की मानसिकता के अनुरूप कार्यक्रम परोसने के लिए भरत कुमार रंगा एक नया चैनल 'आजाद' लेकर आ रहे हैं, जिस पर हर सोमवार से शनिवार रात नौ बजे प्रसारित हो रहे सीरियल ''मेरी डोली मेरे अंगना'' प्रसारित होगा। इसमें पिता नागेंद्र सिंह का किरदार निभाने वाले अभिनेता सुरेंद्रपाल ने सात सितंबर को 'आजाद' चैनल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूरे दावे के साथ चैनल के इतिहास रचाने का दावा किया।

इस अवसर पर सीरियल ' 'मेरी डोली मेरे अंगना' में जानकी के पिता ज्ञानेंद्र सिंह का किरदार निभा रहे अभिनेता सुरेंद्र पाल ने कहा–'' मैंने आज से 32 वर्ष पहले सीरियल ''महाभारत'' में द्रोणाचार्य का किरदार निभाया था। 32 वर्ष बाद आज यहां खड़ा हूं। इस सीरियल 'मेरी डोली मेरे अंगना' में ज्ञानेंद्र सिंह का अहम किरदार निभा रहा हूँ। मेरा परिचय सिर्फ इतना है कि ईश्वर की कृपा से जब मैंने 1988 में पहला सीरियल 'महाभारत किया था, जो कि दूरदर्शन पर प्रसारित हुआ करता था, उन दिनों टीवी की लोकप्रियता नहीं थी, जितनी आज है। लेकिन 'महाभारत' ने सफलता का एक इतिहास लिखा था। इस सीरियल के प्रसारण के दौरान देश में हर जगह सड़कें सूनी हो जाया करती थीं। इस तरह एक नया इतिहास लिखा गया था। उसके बाद जब ''स्टार प्लस'' ने पहली बार आफ्टरनून स्लॉट शुरू किया, तो मैंने इसमें सीरियल 'शगुन' में अभिनय किया था, इसकी टीआरपी नौ तक गयी थी और इसने भी एक इतिहास लिखा था। जबकि उस वक्त आफ्टरनून स्लॉट में किसी भी सीरियल को इतनी टीआरपी नहीं मिल रही थी। उसके बाद जब दूरदर्शन ने पहली बार आफ्टरनून स्लॉट शुरू किया, तो मैंने सीरियल 'भाभी' किया था। दोपहर 12 बजे प्रसारित होने वाले इस सीरियल ने एक इतिहास लिखा था और दूरदर्शन का आफ्टरनून स्लॉट स्थापित हो गया था। यूँ ही मेरी यात्रा चलती रही और फिर 'लाइफ ओ के' नामक एक नया चैनल शुरू हुआ, जिसमें पहला सीरियल 'देवों के देव महादेव' में मैंने प्रजापति दक्ष का किरदार निभाया था। इस सीरियल ने भी सफलता का इतिहास लिखा था। वह चैनल भी खड़ा हो गया था। उसके बाद फिर आज मैं एक नए चैनल 'आजाद' पर नए सीरियल ''मेरी डोली मेरे अंगने' को लेकर अपना प्रयास कर रहा हूँ और मुझे यकीन है कि इस सीरियल के साथ ही 'आजाद' चैनल भी नया इतिहास लिखेगा।

अब यहां शहंशाह की सिर्फ यादें रहेंगी...

–अली पीटर जॉन

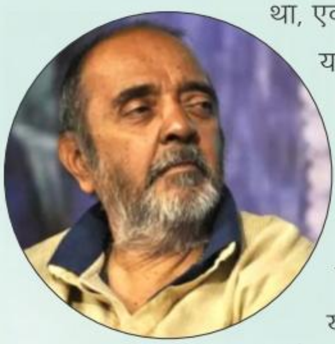

यह जमीन, यह जगह, मुंबई में पाली हिल पर यह जगह...

यह सिर्फ जमीन का एक और टुकड़ा नहीं था, एक जगह या एक भूखंड

यह एक चिन्हित स्थान था, एक धन्य स्थान था, इस पृथ्वी के निर्माता का पसंदीदा स्थान और मनुष्य की भलाई के लिए बनाई गई सभी चीजें थीं

यह भूमि, यह स्थान, इस भूखंड को निर्माता ने अपनी सबसे बड़ी कृतियों में से एक के लिए चुना था

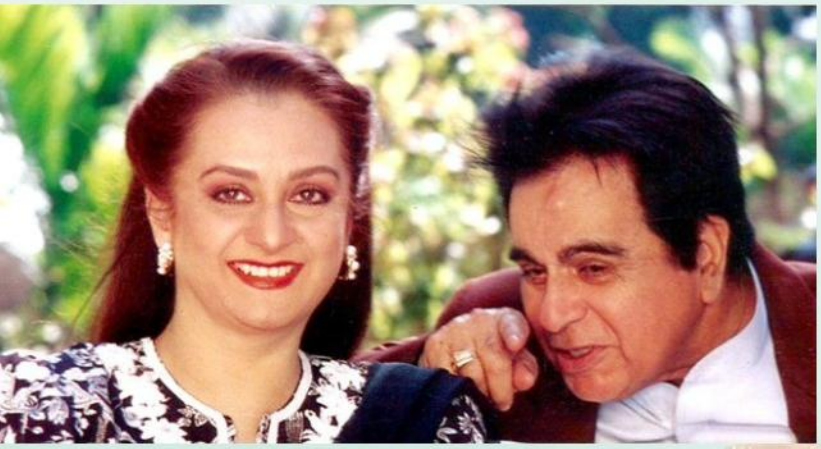

यह वह स्थान था जहां मोहम्मद यूसुफ सरवर खान, जिसे दिलीप कुमार और सभी शहंशाहों के शहंशाह के नाम से जाना जाता था, अपना महल, अपना घर बनवाएगे।

यह वह जगह थी जहां शहंशाह उस अदृश्य शक्ति के नेतृत्व में गये थे जब उन्होंने अपने सपनों का घर बनाने के लिए जगह की तलाश की, एक ऐसे व्यक्ति का घर जो लाखों सपनों का हिस्सा था

यह वह स्थान था जहां शहंशाह मोहम्मद युसूफ खान खड़े थे और हर ईंट के बिछाने की निगरानी करते थे।

यह वह स्थान था जो इस बात से अनजान था कि यह एक मील का पत्थर, तीर्थ स्थान बनने जा रहा था।

यह वह जगह थी जहाँ लोग यह देखने के लिए जमा होते थे कि उनका शहंशाह कौन सा महल बना रहे थे।

यही वह जगह थी जहां शहंशाह का महल बनाने के लिए काम करने वाले हर आदमी की हर हरकत को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती थी।

यह वह जगह थी जहां उनके प्रशंसक उस समय भी देखते थे जब इसे बनाया गया था...

शहंशाह का महल बनकर तैयार हुआ; शहंशाह ने उसके सिंहासन पर अपना स्थान ग्रहण किया

यह वह दिन था जब शहंशाह द्वारा बनाया गया महल एक ऐसा घर बन गया था जहाँ एक व्यक्ति द्वारा जादू और चमत्कार किए जाते थे

महल वह प्रसिद्ध स्थान था जहाँ लोग हर दिन, हर शाम और यहाँ तक कि पूरी रात झुंड में रहते थे

आपको बस दिलीप कुमार का बंगला कहना था और हर कोई जानता था कि वह कहाँ है और जिन्हें कुछ नहीं पता था।

यह वह महल था जहां शहंशाह ने अपने सबसे अच्छे सपने देखे और योजना बनाई कि उन्हें कैसे आकार दिया जाए।

यह वह महल था जहाँ कवियों, लेखकों, चित्रकारों, संगीतकारों और फिल्म निर्माताओं को शहंशाह द्वारा हर शाम

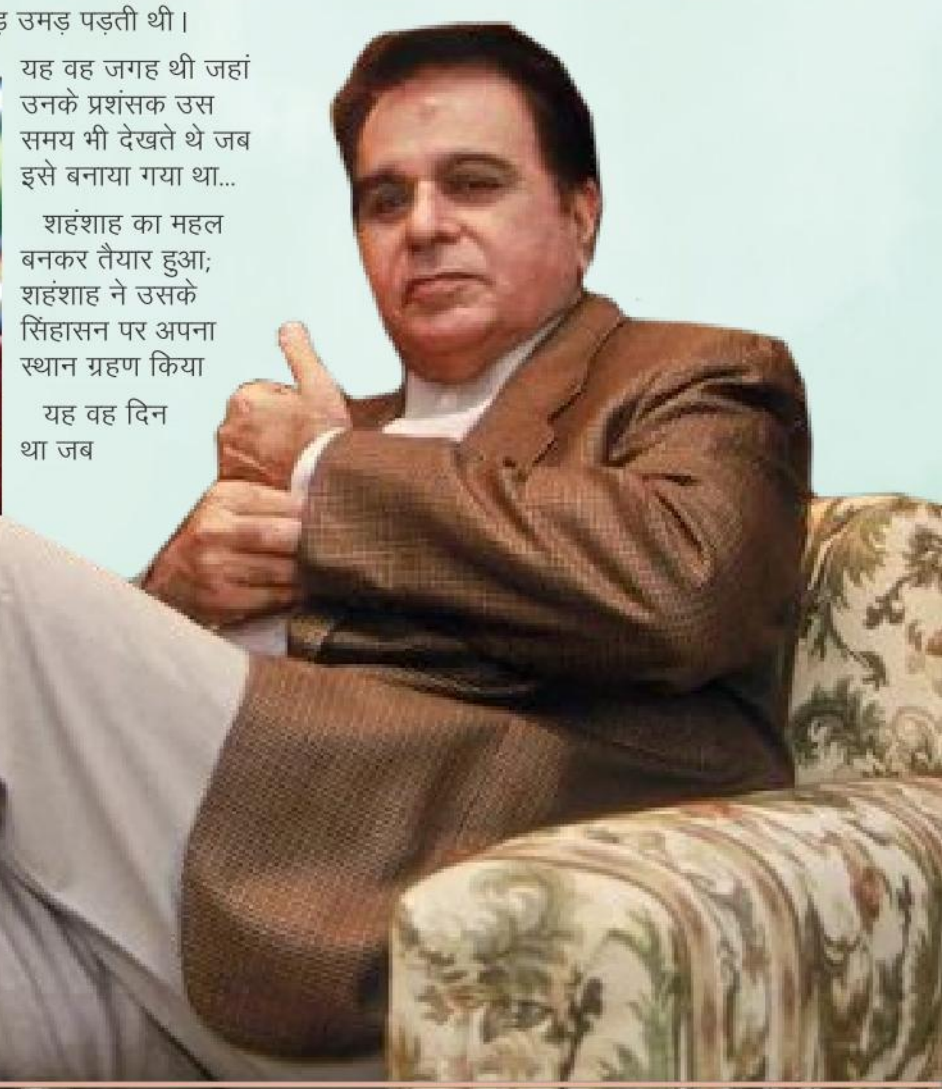

शहंशाह के साथ विचारों का आदान–प्रदान करने, उनकी कविता और संगीत सुनने, उनके चित्रों को देखने और उनके विचारों को सुनने के लिए आमंत्रित किया जाता था।

उनकी वाहवाही, उनकी प्रशंसा, उनके वाह वाह ने उन सभी को एक नया जीवन दिया ताकि वे अधिक से अधिक चमत्कार कर सकें।

यह वह महल था जहां उनकी कुछ बेहतरीन फिल्मों ने पहली बार जन्म लिया जब उन्होंने कई दिनों की सोच और पुनर्विचार के बाद उन्हें हां कहा।

ये थे दुनिया भर से महल के लोग, दुनिया के तमाम अलग–अलग हिस्सों से आए रोज।

वे सभी शहंशाहों के शहंशाह की एक झलक पाने के लिए ही आए थे।

उनके प्रशंसकों में से कुछ उसे एक को देखने के लिए उनके जीवन के लिए महान खतरे में भारत और पाकिस्तान के बीच की बाधाओं को तोड़ दिया और यहां तक कि उनके महल के द्वार चुमा।

ये वो महल था जहां लोग शहंशाह को अपना मानने आते थे...

अब देखिए, केवल पैसा कमाने और कब्रों (कब्रों) के निर्माण में दिलचस्पी रखने वाले पुरुषों के जंगली दिमाग ने क्या समय और क्या किया है।

उन्होंने शहंशाह के महल को नष्ट कर दिया है और इसे एक कब्र में बदल दिया है जिसे वे अपनी गंदी महत्वाकांक्षाओं से भर देंगे।

इस महल को एक खजाने के घर के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए था, एक विरासत स्थान, एक केंद्र जिसे हर समय याद किया जाना चाहिए, समय के अंत तक।

लेकिन मैं इस महान देश और इसके लोगों के बारे में क्या कह सकता हूं?

वे सभी केवल सभी प्रकार की भावनाओं के बारे में बात करते हैं और फिर उन्हें अपनी गंदी–दिमाग वाली खिड़कियों से बाहर निकाल देते हैं।

शहंशाह का महल आधुनिक मनुष्य के शैतानी सपनों और ख्वाहिशों को जगह देने गया है, जो आदमी से ज्यादा मशीन है।

हर बार जब मैं एक ईंट को देखता हूं जो सैकड़ों कहानियों को बेरहमी से नीचे लाया जाता है तो दिल से खून बहता है।

उफ्फ ये यादें, ये तन्हाईयां, ये काली रातें और ये बेमतलब दिन।

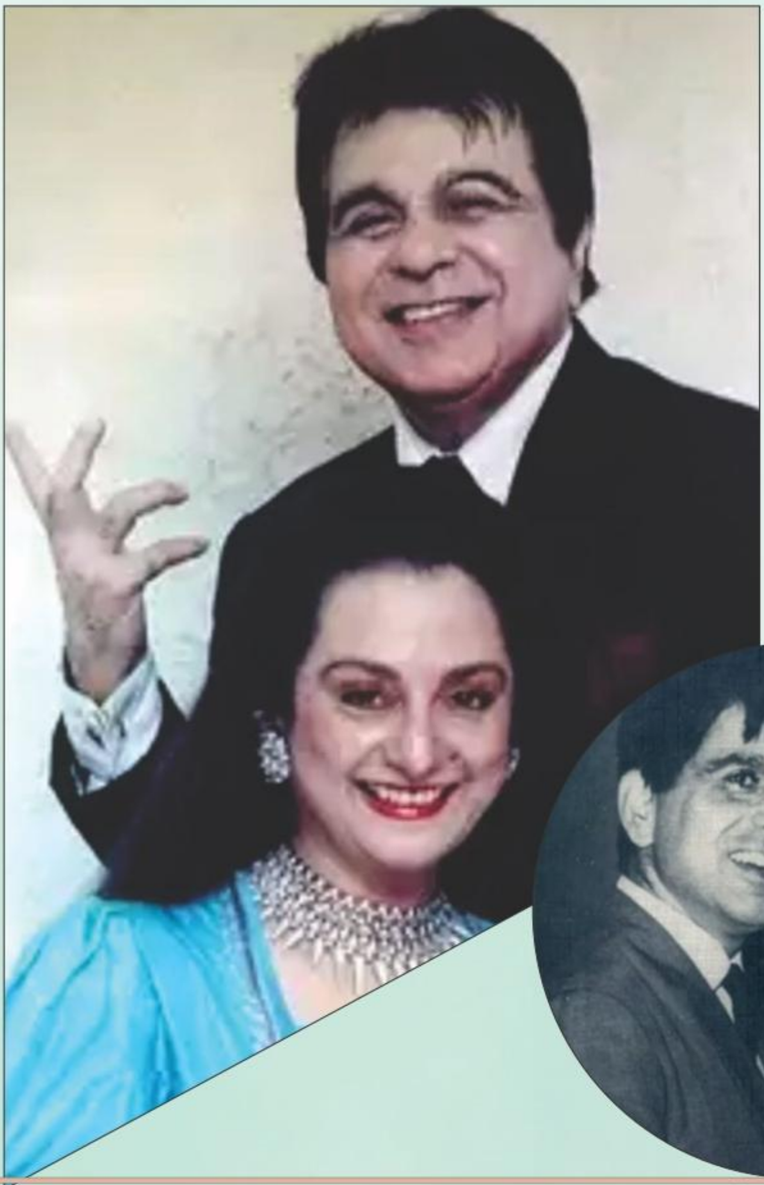

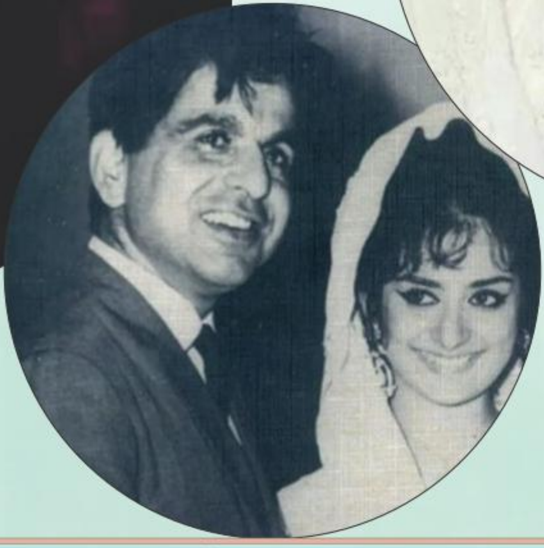

आज से पांच साल बाद सितारे क्या कटिंग चाय के अड्डे और मसाला डोसा के अड्डे पर दिखेंगे ?

–अली पीटर जॉन

पचास साल पहले, राज कपूर, दिलीप कुमार और देव आनंद जैसे सितारे टॉक ऑफ़ द टाउन, पेरिसियन, बेरीज़ एंड गोरडन्स और ताज महल होटल में बॉल रूम और सी लाउंज में चाय और नाश्ते पर मिलते थे।

फिर वे सेंट्रल बॉम्बे और बांद्रा के अन्य छोटे कैफे और रेस्तरां में शिफ्ट हो गए और अंत में जुहू होटल और जुहू और बांद्रा के अन्य नए होटलों में शिफ्ट हो गए।

और 80 के दशक में लगभग सभी फिल्मी गतिविधियां बांद्रा और जुहू और बाद में चार बंगलों, सात बंगलों और मछुआरे के गांव वर्सोवा में चली गईं।

80 के दशक में फिल्म गतिविधियों और निर्माण कार्यालयों को आराम नगर और फिर म्हाडा और आदर्श नगर के दो खंडों में स्थानांतरित कर दिया गया।

वह समय था जब सितारे खुद को भीड़ से दूर रखते थे और अपनी कारों और अन्य गुप्त स्थानों की काली स्क्रीन के पीछे छिप जाते थे

और अब सितारों को खुले तौर पर कई नई स्टाइलिश कॉफी की दुकानों और कैफे में देखा जा रहा है जहां उबला हुआ पानी और चाय की पत्ती नब्बे रुपये प्रति गिलास पर परोसा जाता है और युवा लड़कियों द्वारा स्टाइलिश वर्दी और टोपी में परोसा जाता है जो सौ साल पहले फैशन से बाहर हो गया था।

सुपर स्टार्स से परे सितारे, सुपर स्टार और सितारे इन कैफे में चाय और गपशप की चुस्की लेते हुए और फिर सड़कों पर घूमते हुए दिखाई देते हैं और कोई भी उन पर दूसरी नज़र डालने में दिलचस्पी नहीं लेता है।

क्या यह अब से पांच साल बाद आने वाले सितारों का नया रूप और नया अंदाज और नया जीवन जीने का तरीका होगा।

क्या यह इस उद्योग में आने वाली एक नई क्रांति की शुरुआत है जो बहुत लंबे समय से एक क्रांति की प्रतीक्षा कर रही है?

इंकलाब जिंदाबाद

इंकलाब तेरा इंतजार है

आने वाला कल कितना कामयाब और कितना सुहाना होगा?

–अली पीटर जॉन

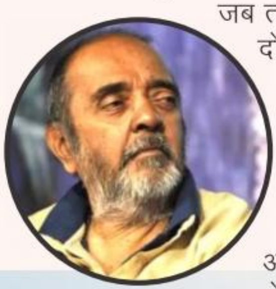

दुनिया के साथ और हिंदी फिल्मों की दुनिया के साथ भी हालात सामान्य थे, जब तक कि कोरोना वायरस ने दोनों दुनिया को प्रभावित नहीं किया और उन्हें गंभीर संकट में डाल दिया और वे अभी भी पिछले दो वर्षों से संकट में हैं। ऐसा लग रहा है कि वे एक ठहराव पर आ गए हैं और अब धीरे–धीरे फिर से अपने पैरों पर खड़े होने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

फिल्म उद्योग, विशेष रूप से हिंदी फिल्में, कुछ साल पहले की तुलना में कम हो गई हैं और कंकाल को फिर से जीवन से लड़ने और भरने के लिए एक शाब्दिक युद्ध करना होगा।

जहां जीवन ही नहीं वहां हम जीवन कैसे ला सकते हैं? हम कर सकते हैं, अगर हममें कड़ी मेहनत करने की इच्छाशक्ति और सपनों को फिर से बनाने की महत्वाकांक्षा हो।

हमने महामारी से एक बहुत अच्छा सबक सीखा है और सबक यह है कि हमने जो खोया है उससे सीखना है (और किस तरह से हमने हर तरह से खोया है) हमें हर उस चीज के बारे में बहुत सावधान रहना होगा जो हम करते हैं। विचार की अवस्था, लेखन की अवस्था तक, योजना की अवस्था तक और निष्पादन की अवस्था तक।

हमने सीखा है कि कैसे पैसा बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और भविष्य में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। और इसलिए हमें पैसे का सम्मान करना होगा और इसे इधर–उधर नहीं करना होगा जैसा कि हम सालों से करते आ रहे हैं। सभी सितारों को एक साथ सिर रखकर देखना होगा कि वे उस तरह के करोड़ों का शुल्क नहीं लेते हैं जो कभी–कभी उनके निर्माताओं का गला घोंट देते हैं। निर्देशकों और अन्य तकनीशियनों को पूरी फिल्म के कल्याण को ध्यान में रखना होगा क्योंकि आखिरकार यह टीम ही है जो उनकी आजीविका का सारा स्रोत (रोजी रोटी) देती है।

इससे पहले कभी भी हमें एक बिखरी हुई इंडस्ट्री को देखने का मौका नहीं मिला और न ही इससे पहले हमें कभी भी एक बिखरी हुई फिल्म इंडस्ट्री को फिर से बनाने का मौका मिला है। आइए हम सब अपना सिर, हाथ और दिमाग एक साथ रखें और एक परिवार की तरह अपना घर फिर से बनाने के लिए काम करें और आने वाले वर्षों और समय में इसे प्रगति, समृद्धि और शांति की ओर ले जाएं। यहां हम सभी के उज्ज्वल और बेहतर भविष्य की कामना करते हैं।

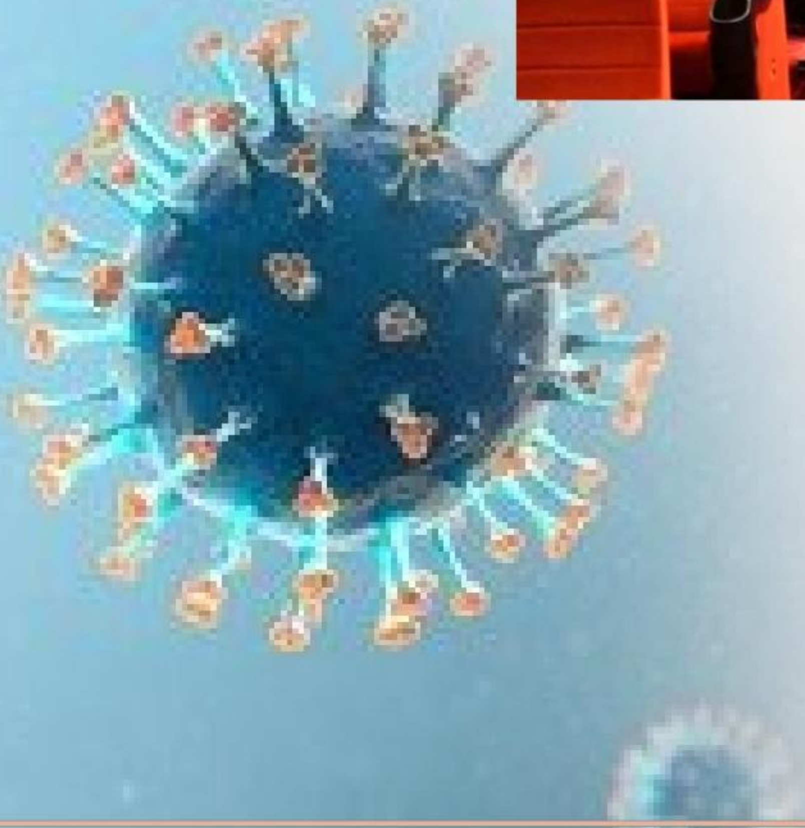

वो कब की चली गई, लेकिन वो बार-बार याद आती है।

—अली पीटर जॉन

लोग कहते थे कि वो पैदाइशी बेहतरीन कलाकार है, समीक्षकों ने उसकी तारीफ में अनगिनत कसीदे लिखे थे और दर्शाया था कि स्मिता सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में से एक है। कला फिल्मों या कहूं कि समान्तर सिनेमा की जान थी स्मिता, मगर सिर्फ इसी में सीमित न होकर स्मिता नियमित अंतराल पर मसाला और कमर्शियल फिल्मों करने में भी मास्टर थी। उसके पास एक नहीं दर्जनों ऐसी खूबियाँ थीं और एक अभिनेत्री होने के नाते उसने जो भी किया, पूरी शिद्दत से पूरे दिल से किया।

वो एक ही समय में गुस्से में धधकती आग हो जाती थी तो दूसरे ही पल में गिरती मुलायम बर्फ बनकर रुई के फाये जैसी भी हो जाती थी। वो जिस पैशन से काम करती थी, उसकी किसी से बराबरी मुमकिन ही नहीं है। गुस्सा क्या होता है इसका जीता—जागता उदाहरण स्मिता थी। वो एक झुग्गी में रहने वाली ऐसी हरिजन महिला भी बन जाती थी जिसके पास नहाने के लिए बाथरूम तक नहीं है, या एक आदिवासी महिला है जिसका बलात्कार हुआ है और वो अब बुरे के घर तक पहुँच हर जघन्य अपराध किए हुए दोषियों, शैतानों को अपनी आँखों में अंगारे उतारे और दिल में आग लिए लड़ती नजर आती है।

वो क्या कुछ नहीं कर सकती थी भला इस बात से कौन परिचित नहीं है, बल्कि जाने क्या कुछ ऐसा अभी बाकी था जो स्मिता बड़े पर्दे पर करती मगर अफसोस उसकी जिन्दगी बहुत— जल्दी पूरी हो गयी। मात्र 30 साल की उम्र में इस दुनिया को छोड़कर जा चुकी थी। मगर उस छोटे से दौर में भी स्मिता ने जो काम किया था, जो एक्टिंग हमारी फिल्म इंडस्ट्री को दिखाई थी वो हमेशा—हमेशा के लिए याद रखी जायेगी।

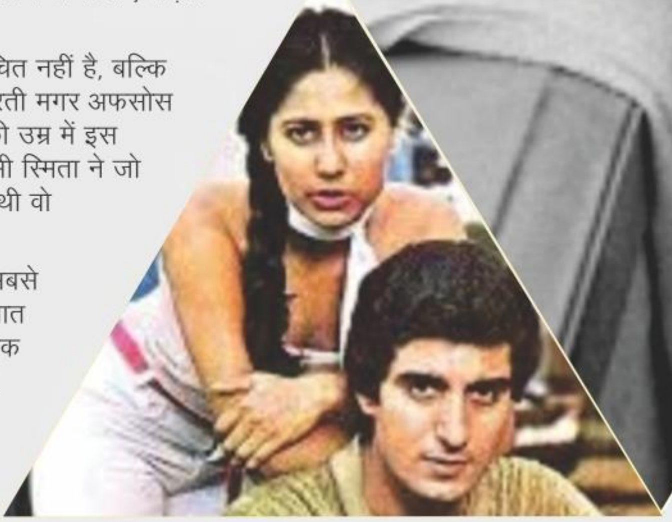

स्मिता पाटिल एक परिपूर्ण अदाकारा थी जिसमें दम था कि सबसे चैलेंजिंग और मुश्किल करैक्टर को निभा सके और मजे की बात देखिये, उस वक्त जो स्मिता ने रोल किए, जो क्राफ्ट लोगों तक पहुंचाई वो आज बेहतरीन एक्टिंग का उदाहरण बन चुकी है। स्मिता किसी भी तरह से किसी चीज के भरोसे रहकर अपनी एक्टिंग को बांधे नहीं रखती थी, उसे किसी प्रॉप्स की या किसी अन्य सुविधा की जरुरत नहीं पड़ती थी। सोचने वाली बात है कि जिस कैलिबर की स्मिता पाटिल अदाकारा थी उस हिसाब से उसे कभी पहचान नहीं मिली। स्मिता उन सभी अभिनेत्रियों से कहीं ज्यादा फेम डिजर्व करती थी

जो अपनी दायरे में बंधी एक्टिंग होने के बावजूद अपनी पैतरेबाजियों से और कुछ मैनीपुलेशन के चलते शीर्ष कुछ में बनी रहती थीं। जबकि अगर सच्चाई की और टैलेंट की बात हो तो ये शीर्ष की लिस्ट हकीकत से कोसों दूर नजर आती थी। वहीं स्मिता ने कभी कोई चाल–वाल चलने की कोशिश नहीं की, किसी किस्म का कोई खेल नहीं बनाया कि उसको ज्यादा अटेंशन मिले। उसने अपना काम किया और बाकी दर्शकों पर छोड़ दिया कि वो तय करें उसमें कितनी काबिलियत है। वो बस अपनी खुद की स्मिता पाटिल बनी रही जो अपने रोल को न सिर्फ अच्छी तरह समझती थी बल्कि उस रोल में घुसकर खुद को भुला देती थी और उस करैक्टर को जीने लगती थी। स्मिता वो शख्सियत थी जिसे कोई चिंता को कोई स्ट्रेस नहीं रहती थी। न ही किसी रोल के लिए अति–प्रयास ही करती नजर आती थी। अगर पिछले सौ सालों की भारतीय अभिनेत्रियों की बात करूँ तो स्मिता उनमें सर्वश्रेष्ठ थी।

वहीं स्मिता के परिवार में कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। वो सिर्फ खुद पर निर्भर थी और उसने बिना कहीं स्पेशली सीखे भी एक्टिंग को बारीकी से सीख लिया था। स्मिता ने खुद अपना एक युग बनाया था, स्मिता पाटिल युग जो सिर्फ और सिर्फ उसकी खुद की काबिलियत पर बना था।

स्मिता महाराष्ट्र के एक मध्यम वर्गीय परिवार से थी जहाँ समाजवादी सोच चलती थी। स्मिता के माँ बाप ने उसकी प्रारंभिक शिक्षा मराठी में ही करवाई। उसके बाद स्मिता सबसे बेहतरीन इंग्लिश मीडियम कॉलेज में से एक (StA Xavier's) में पढ़ना शुरु किया और मजे की बात, स्मिता वहां भी हर विषय में बेहतरीन रहीं, चाहें वो पढ़ाई हो, सामाजिकता हो या वाद–विवाद प्रतियोगिता।

जब कैरियर की शुरआत में ही नेशनल अवार्ड से नवाजा गया

जिन दिनों स्मिता कॉलेज में थी उसी वक्त वो दूरदर्शन में मराठी समाचार पढ़ने के लिए चुन ली गयी थीं। स्मिता इतनी खूबसूरत, आकर्षक और बोलने में इतनी अच्छी थीं कि लोग न्यूज में इंटरेस्ट न होते हुए भी स्मिता की वजह से न्यूज देखते थे। श्याम बेनेगल वो पहले डायरेक्टर थे जिन्होंने स्मिता के हुनर को समझते हुए उन्हें 'निशांत' नामक फिल्म में मुख्य किरदार निभाने का मौका दिया था। उस फिल्म में पहले ही बहुत से गुणी आर्टिस्ट्स काम कर रही रहे थे, फिर भी स्मिता ने इतना अच्छा काम किया था उस फिल्म में कि जिसने भी फिल्म देखी वो स्मिता के रोल को खातिर में लाने को मजबूर हुआ। श्याम बेनेगल को इतना विश्वास था स्मिता पर कि उन्होंने फिर स्मिता को एक हरिजन के रोल में मंथन नामक फिल्म में कास्ट किया। फिर "भूमिका" नामक फिल्म में एक उलझी हुई अदाकारा का किरदार करने को दिया था। तीनों फिल्मों में स्मिता की अदाकारी को न सिर्फ लोगों की तारीफ मिली, बल्कि अवॉर्ड्स की भी झड़ी लग गयी थी। यहाँ तक की नेशनल अवार्ड भी स्मिता पाटिल को मिला और सबकी नजर में आ गया कि एक बहुत बेहतरीन टैलेंट इंडस्ट्री की झोली में आ गिरा है जो यकीनन एक से बढ़कर एक उचाईयों को छूने वाला है। श्याम के अलावा जो और मुख्य निर्देशक थे

जो एक समय स्मिता की अदाकारी पर आश्रित से हो गए थे, उनमें हैं रबिन्द्र धर्मराज जिन्होंने चक्र बनाई थी, गोविन्द निहलानी जिन्होंने अर्ध सत्य और आक्रोश बनाई थी। मिर्च मसाला के निर्माता केतन मेहता, डॉक्टर जब्बार पटेल भी, जिन्होंने मराठी फिल्म जैत रे जैत, हिंदी फिल्म सुबह और एक मराठी फिल्म उम्बर्था का निर्माण किया था और सबके चहीते महेश भट्ट जिन्होंने अर्थ बनाई थी जिसमें स्मिता की धुर प्रतिद्वंदी शबाना आजमी भी थीं। आज, जब फिल्म को रिलीज हुए करीब चालीस साल हो चले हैं तब भी दोनों में से कौन बेहतर थी इसको लेकर डेबिट होती रहती है।

अब जिस वक्त स्मिता अपनी कलाकारी के चलते तो मशहूर हो ही चुकी थी, पर अब उसके दिल ने एक अलग नया निर्णय लेने की सोची। उसने बॉम्बे की सिनेमा नगरी की मुख्य धारा में अपनी एंट्री की। यहाँ भी उस अदाकारा ने कुछ नामी फिल्मों में अपनी कला का लोहा मनवा लिया। बॉलीवुड मसाला फिल्मों में आने के बाद स्मिता ने कई बड़े नामों के साथ काम किया जिसमें रमेश सिप्पी, प्रकाश मेहरा, राज कुमार कोहली और यहाँ तक की बी ग्रेड फिल्में बनाने वाले बी सुभाष तक शामिल रहे। उन्होंने उस दौर के महानायकों दिलीप कुमार, देव आनंद, धर्मेंद्र, शशिकपूर और शहंशाह कहलाने वाले अमिताभ बच्चन के साथ भी काम किया।

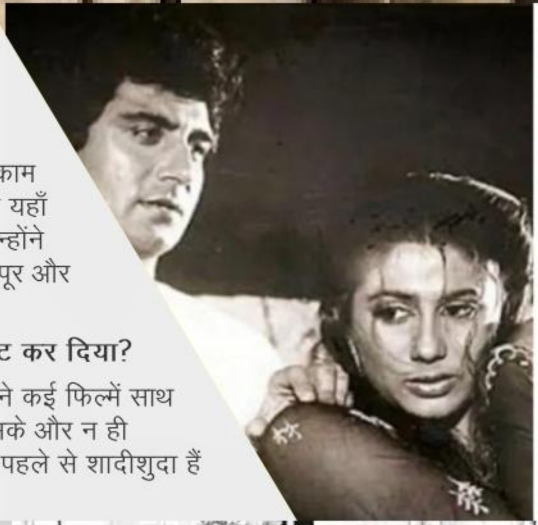

क्या सोसाइटी और इंडस्ट्री दोनों ने ही स्मिता का बॉयकॉट कर दिया?

उसके बाद स्मिता ने राज बब्बर के साथ जोड़ी बनाई और दोनों ने कई फिल्में साथ में की लेकिन न राज ही उन फिल्मों में अपनी कोई छाप छोड़ सके और न ही स्मिता। फिर स्मिता ने पूरी जानकारी होते हुए भी कि राज बब्बर पहले से शादीशुदा हैं और उनके दो बच्चे भी हैं उनको अपनी जिन्दगी का प्यार चुनना पसंद किया। स्मिता उस दौरान सब भूल बैठीं, अपनी महत्वकांक्षाएं ही नहीं बल्कि उन लोगों की उम्मीदें भी जो स्मिता पर भरोसा रखते थे, स्मिता के भरोसे थे। वो हर चेतावनी हर सलाह, हर बंधन समाज को किनारे कर चुकी थीं। उन्होंने सारे नियम कानूनों को धता बताकर राज के साथ शादी की और जैसा की अपेक्षित था, इसकी बहुत कॉन्ट्रोवर्सी हुई। स्मिता

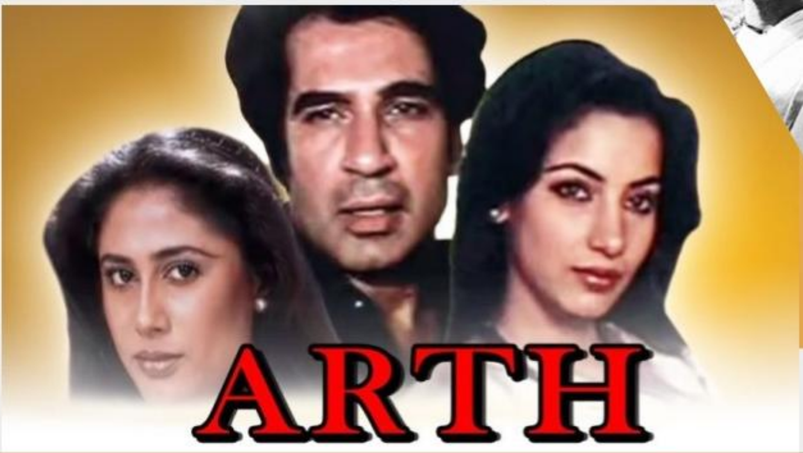

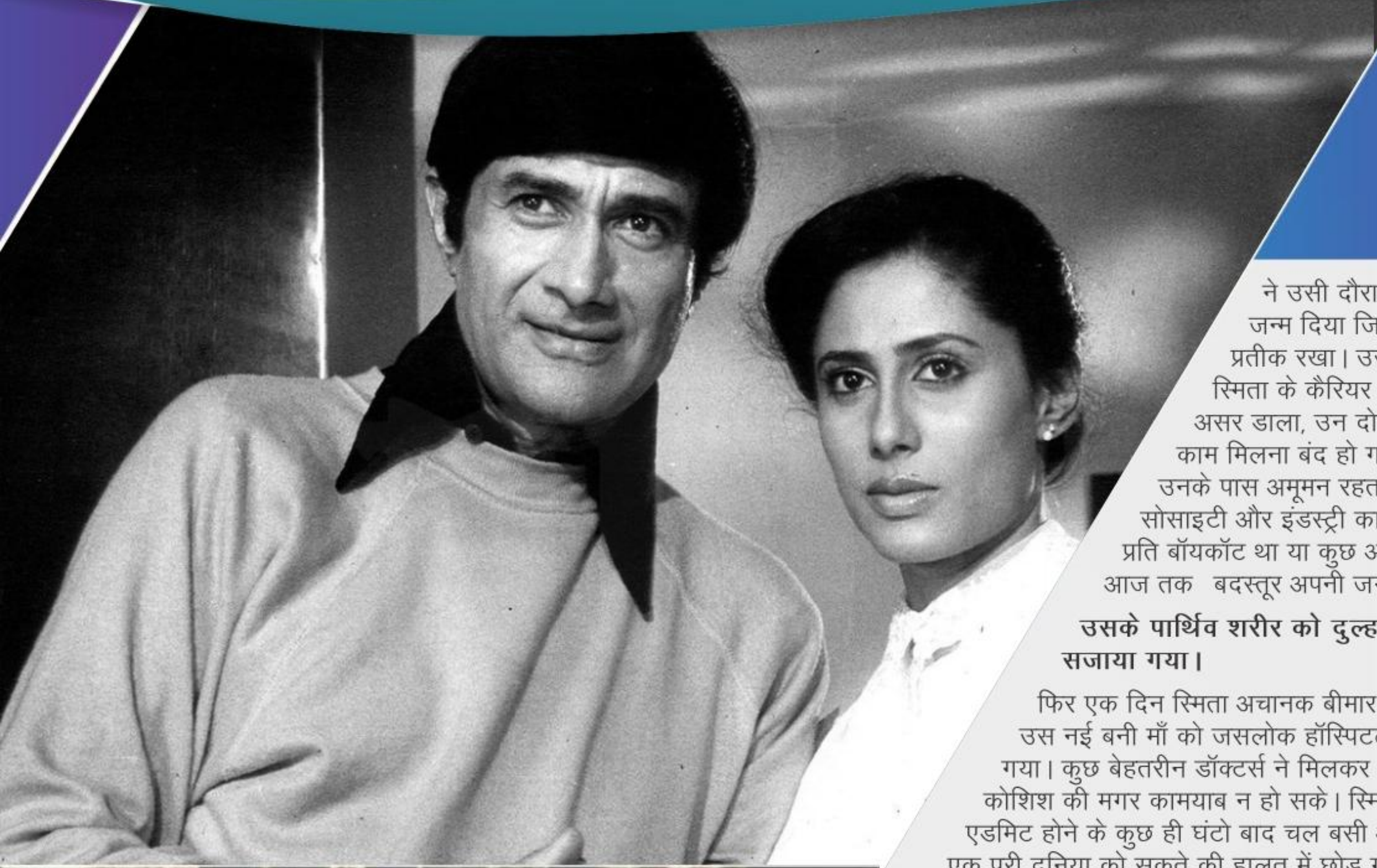

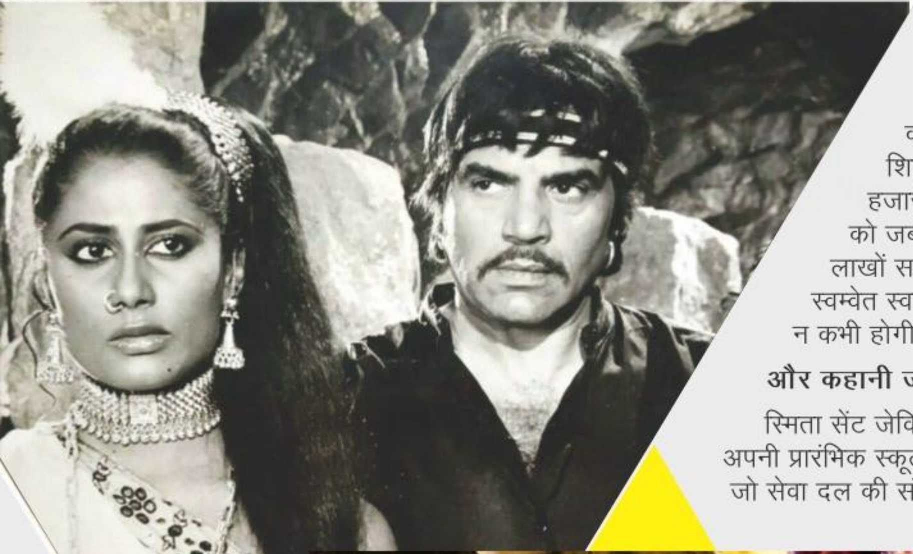

ने उसी दौरान एक बच्चे को जन्म दिया जिसका नाम प्रतीक रखा। उस कॉन्ट्रोवर्सी ने स्मिता के कैरियर पर भी गहरा असर डाला, उन दोनों को ही उतना काम मिलना बंद हो गया जितना उनके पास अमूमन रहता था। क्या ये सोसाइटी और इंडस्ट्री का उनके अनकहा प्रति बॉयकॉट था या कुछ और? ये सवाल आज तक बदस्तूर अपनी जगह बना हुआ है।

उसके पार्थिव शरीर को दुल्हन की तरह सजाया गया।

फिर एक दिन स्मिता अचानक बीमार हो गयी और उस नई बनी माँ को जसलोक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। कुछ बेहतरीन डॉक्टर्स ने मिलकर उसे बचाने की कोशिश की मगर कामयाब न हो सके। स्मिता पाटिल एडमिट होने के कुछ ही घंटो बाद चल बसी और अपने पीछे एक पूरी दुनिया को सकते की हालत में छोड़ गयी जो उसकी कला को सलाम करती थी। उसकी मौत के बाद क्रियाकर्म को लेकर भी कांग्रेस और शिवसेना के बीच घमासान हो गया। आखिरकार शिव सेना ने ही क्रियाकर्म किया जिसे स्टेट फ्यूनरल भी कहा जा सकता था। उसके पार्थिव शरीर को दुल्हन की तरह सजाकर शिवाजी पार्क के पास शिवाजी महाराज की मूर्ति के पास रखा गया जहाँ हजारों चाहने वाले स्मिता को श्रद्धांजलि देने के लिए आये। उसके शरीर को जब आग दी गयी और जब वो राख हुआ तब हजारों लोगों के मन में लाखों सवाल दे गया। इन अलग अलग सवालों से घिरे लोग भी एक बात पर स्वम्वेत स्वर में सहमत थे कि स्मिता जैसी दूसरी कोई अदाकारा न है, न थी और न कभी होगी।

और कहानी जारी है...

स्मिता सेंट जेवियर्स कॉलेज मुंबई की सबसे मेधावी छात्रों में से एक थीं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा मराठी में की थी और वह अपनी मां की कट्टर अनुयायी थीं, जो सेवा दल की संस्थापक सदस्य थीं, जो अपने अधिकारों से वंचित महिलाओं के कल्याण के लिए काम करती थीं। वह बहुत कम उम्र में सामाजिक रूप से जागरूक और प्रतिबद्ध लड़की थी। मराठी उनकी मातृभाषा थी लेकिन उन्होंने जल्द ही अंग्रेजी और हिंदी जैसी भाषाओं में महारत हासिल कर ली और यहां तक कि तीनों भाषाओं में वाद–विवाद और भाषण प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया। वह हमेशा सर्वश्रेष्ठ थीं और उनके प्रोफेसरों ने उनके लिए एक उज्ज्वल भविष्य देखा लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि वह एक दिन एक प्रसिद्ध अभिनेत्री होंगी।

स्मिता ने टीवी पर मराठी में समाचार पढ़ना शुरू किया और एक सर्वेक्षण के अनुसार वह मराठी में अब तक की सबसे लोकप्रिय नई

पाठक थीं। 'लोगों ने मराठी समाचार देखा, वे केवल स्मिता के अभिव्यंजक चेहरे और बात करने वाली आँखों के कारण समाचार सुनने में रुचि नहीं रखते थे, एक प्रमुख फिल्म निर्माता डॉ. जब्बार पटेल, जो बाद में उनके साथ उत्कृष्ट फिल्में बनाने वाले थे, याद करते हैं।

श्याम बेनेगल ने उन्हें निशांत में कास्ट किया जिसमें उनके साथ शबाना आज़मी, नसीरुद्दीन शाह और गिरीश कर्नाड भी थे, लेकिन वह उन सभी में सबसे अलग थीं और निशांत ने सबसे शानदार अभिनेत्री के युग की शुरुआत की।

स्मिता एक सीधी–सादी इंसान थी जो इंडस्ट्री के काम करने के तौर–तरीकों को नहीं समझ पाती थी। वह इस खेल से पूरी तरह अनजान थीं, उनके कुछ सहयोगी और समकालीन लोग इसमें विशेषज्ञ थे। उन्हें अपनी प्रतिभा के कारण ही कुछ बेहतरीन भूमिकाएँ मिलीं और कुछ बेहतर भूमिकाएँ अन्य कम प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों से खो दीं क्योंकि वे उन अभिनेत्रियों को बेहतर जोड़–तोड़ करने वाली थीं।

वह समानांतर फिल्में और नई लहर फिल्में करती रहीं लेकिन एक साहसिक कदम उठाया और राज खोसला द्वारा निर्देशित मेरा दोस्त मेरा दुश्मन नामक अपनी पहली व्यावसायिक फिल्म की। फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया लेकिन स्मिता को "नई तरह की अभिनेत्री" के रूप में पहचाना गया।

जब एक अच्छी फिल्म ने उनसे कुछ बोल्ड सीन करने की मांग की तो स्मिता ने समझौता नहीं किया। चक्र में खुले में नहाने का दृश्य और आक्रोश में क्रूर बलात्कार और अमिताभ बच्चन के साथ बारिश में कामुक दृश्य इसके कुछ उदाहरण थे।

स्मिता ने हमेशा फीकी जींस और एक साधारण टॉप और साधारण चप्पल पहनी थी, जिसने शशि कपूर को एक बार तुम इतनी अच्छी कलाकर हो, तुम पढ़ी लिखी भी हो पर टिप्पणी की थी। तुम लोग इतने गंदे कपड़े क्यों पहनते हो?

स्मिता का दिल सोने का था। वह किसी की भी हर संभव मदद करने के लिए हर संभव कोशिश करती थी।

स्मिता के साथ काम करने वाली सभी प्रमुख अभिनेत्रियों ने उनकी प्रशंसा की और वह दिलीप कुमार, सुनील दत्त, देव आनंद और अमिताभ बच्चन की विशेष पसंदीदा थीं।

स्मिता छोटी–छोटी बातों में खुश थी। वह बहुत खुश थी जब उसने अपनी पहली कार, एक फिएट पद्मिनी और फिर एक आयातित कार खरीदी, ताकि वह एक स्टार के रूप में अपनी स्थिति को बनाए रख सके, जैसा कि उसे सलाह दी गई थी।

स्मिता ने हमेशा अपना वादा निभाया। मैंने एक बार उन्हें डॉक्टरों के एक समारोह में मुख्य अतिथि बनने के लिए आमंत्रित किया था। उसी रात बम्बई की सारी बत्तियाँ बुझ गईं। उन्होंने फिर भी जिद की कि हम फंक्शन में जाएं। हम अँधेरे में गाड़ी चलाकर उस जगह पहुँचे जहाँ डॉक्टर पेट्रो मैक्स लैम्प्स लेकर उसका इंतज़ार कर रहे थे। संयोग से, उसने अपना भाषण यह कहकर शुरू किया कि मुझे सभी डॉक्टरों से नफरत है और फिर समझाया कि क्यों। वह मुझे रात के साढ़े ग्यारह बजे वर्सोवा में घर ले गई और फिर अपने घर दक्षिण मुंबई चली गई

Sadgati
Dilwaala
Albert Pinto Ko Gussa Kyoon Aata Hai
500,000 FARMERS OF GUJARAT PRESENT
MANTHAN
(THE CHURNING)
a film by SHYAM BENEGAL
Featuring GIRISH KARNAD • SMITA PATIL • NASEERUDDIN SHAH
ANANT NAG • AMRISH PURI • KULBHUSHAN • MOHAN AGASHE
BAZAAR
A Film by Sagar Sarhadi
AAKROSH
AMRIT
MUSIC LAXMIKANT PYARELAL
N.F.D.C. PRESENTS
MIRCH MASALA
CHAUDHRY ENTERPRISES
Namak Halaal
BLAZE FILM ENTERPRISES PVT. LTD. PRESENT
Nishānt
(night's end)
FRENI M. VARIAVA • MOHAN J. BIJLANI
SHYAM BENEGAL
BLAZE FILM ENTERPRISES PVT.LTD.PRESENTS
Bhumika
(THE ROLE)
Starring: SMITA PATIL, ANANT NAG, AMRISH PURI, NASEERUDDIN SHAH, SULABHA DESHPANDE, KULBHUSHAN KHARBANDA, BABY RUKHSANA and AMOL PALEKAR
Music: VANRAJ BHATIA
Photography: GOVIND NIHALANI
Editing: BHANUDAS
Lyrics: MAJROOH SULTANPURI, VASANTH DEV
Dialogue: PT. SATYA DEV DUBEY
Executive Production Controller: DEVI DUTT
Produced by: LALIT M. BIJLANI · FRENI M. VARIAVA
Directed by: SHYAM BENEGAL

AISHWARYA SHARMA

REEBOK STRENGTHENS ITS WALKING PORTFOLIO. ENCOURAGES PEOPLE TO ‘STAND UP. MOVE MOREBE FIT

DEEPIKA PADUKONE, HRITHIK ROSHAN & SIDDHARTH ANAND SNAPPED AS TEAM FIGHTER MEET UP IN CITY

ALTBALAJI INTEGRATES CARTEL IN ZEE TV’S KUNDALI BHAGYA AND KUMKUM BHAGYA
RITHVIK DHANJANI AND TANUJ VIRWANI COME TO KARAN AND ABHI'S RESCUE-

DEEPIKA PADUKONE & SIDDHARTH ANAND SNAPPED AS TEAM FIGHTER MEET UP IN CITY

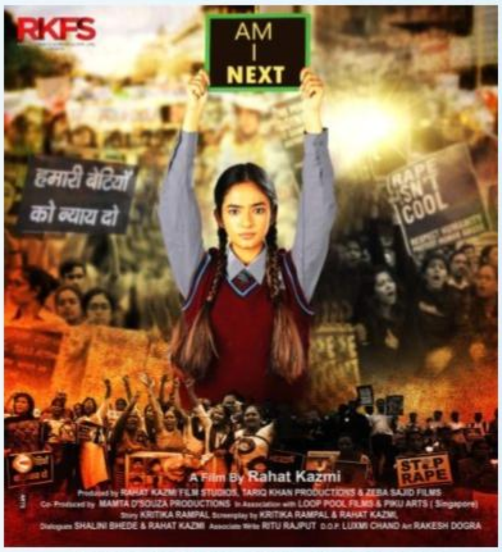
RKFS
AM I NEXT
हमारी बेटियों को न्याय दो
RAPE ISN'T COOL
STOP RAPE
A Film By Rahat Kazmi
Produced by RAHAT KAZMI FILM STUDIOS, TARIQ KHAN PRODUCTIONS & ZEBA SAJID FILMS
Co-Produced by MAMTA D'SOUZA PRODUCTIONS In Association with LOOP POOL FILMS & PIKU ARTS (Singapore)
Story KRITIKA RAMPAL Screenplay by KRITIKA RAMPAL & RAHAT KAZMI,
Dialogues SHALINI BHEDE & RAHAT KAZMI Associate Write RITU RAJPUT D.O.P. LUXMI CHAND Art RAKESH DOGRA

ANUSHKA SEN AND GLOBALLY ACCLAIMED RAHAT KAZMI'S 'AM I NEXT' WINS BEST FILM AT SWEDEN FILM AWARDS

'HAI TAUBBA' EXCLAIMS ALLURING AND SEXY AMIKA SHAIL

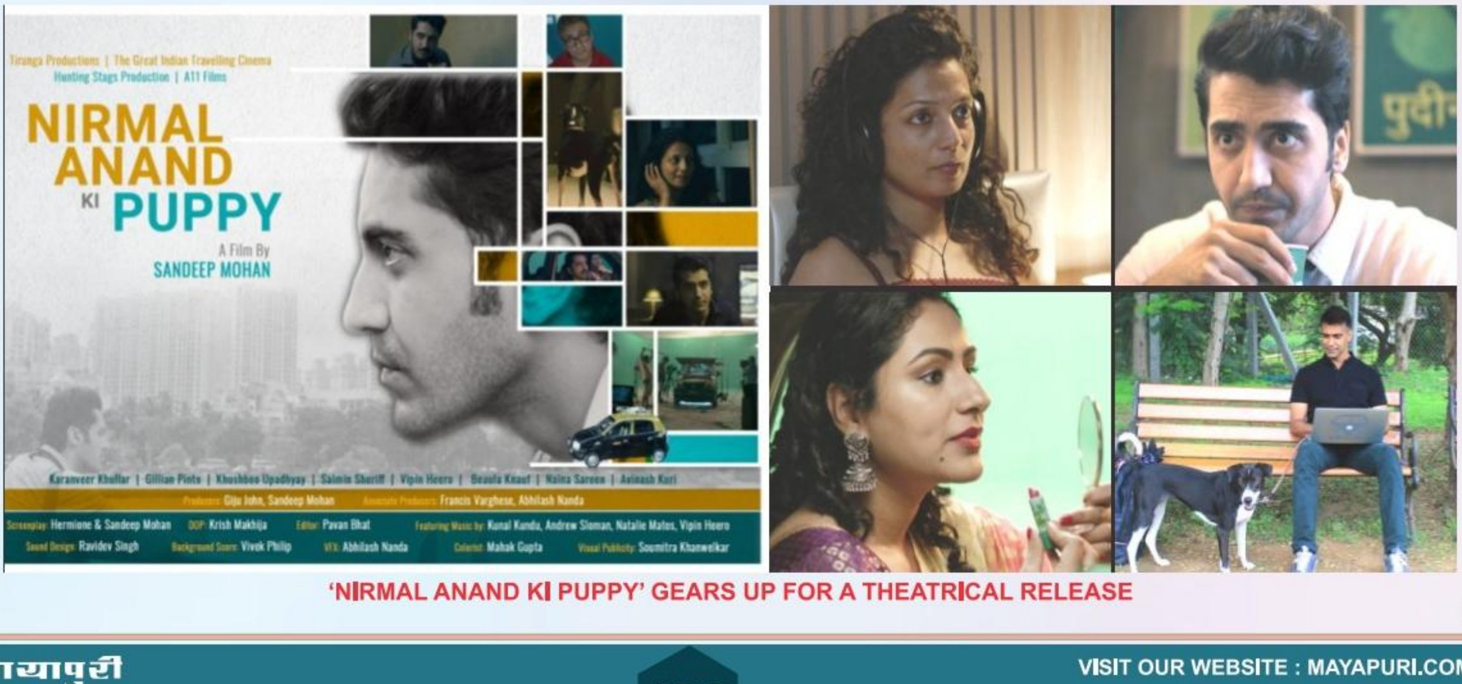
Tiranga Productions | The Great Indian Travelling Cinema
Hunting Stags Production | A11 Films
NIRMAL ANAND KI PUPPY
A Film By SANDEEP MOHAN
Karanveer Khullar | Gillian Pinto | Khushboo Upadhyay | Saimin Sheriff | Vipin Heero | Beaula Knauf | Naina Sareen | Avinash Kuri
Producers: Giju John, Sandeep Mohan Associate Producers: Francis Varghese, Abhilash Nanda
Screenplay: Hermione & Sandeep Mohan DOP: Krish Makhija Editor: Pavan Bhat Featuring Music by: Kunal Kundu, Andrew Sloman, Natalie Matos, Vipin Heero
Sound Design: Ravidev Singh Background Score: Vivek Philip VFX: Abhilash Nanda Colorist: Mahak Gupta Visual Publicity: Soumitra Khanwelkar

'NIRMAL ANAND KI PUPPY' GEARS UP FOR A THEATRICAL RELEASE

vinod bhanushali presents
annu kapoor
sharman joshi
SAB MOH MAAYA HAI
SAB MOH MAAYA HAI

BHANUSHALI STUDIOS LIMITED BRINGS ANNU KAPOOR AND SHARMAN JOSHI TOGETHER FOR A SLICE OF LIFE DRAMA 'SAB MOH MAAYA HAI'

KANGANA RANAUT REQUEST TO HER FANS FOR THALAIVII

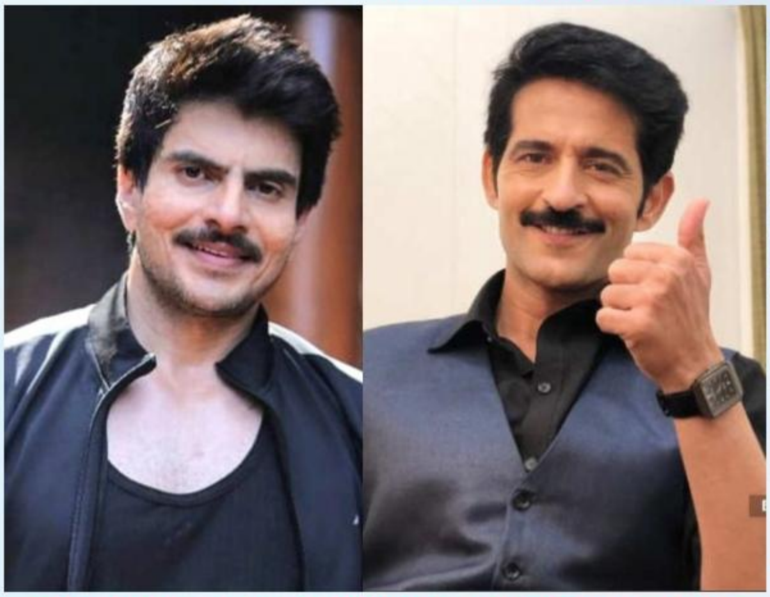

RAHIL AZAM & HITEN TEJWANI ROPED IN FOR ULLU'S NEXT 'GAMES OF KARMA"

SANJAY AND BINAIFERR KOHLI ARE GOOD AND WISE PEOPLE AND HAVE TAKEN GOOD CARE OF US, SAYS DEV ANAND LOOK ALIKE KISHOR DEV BHANUSHALI

प्रीति जिंटा ने शेयर किया ‘नो मीन्स नो‘ का पोस्टर, फिल्म 5 नवंबर 2021 को रिलीज होगी

–मायापुरी प्रतिनिधि

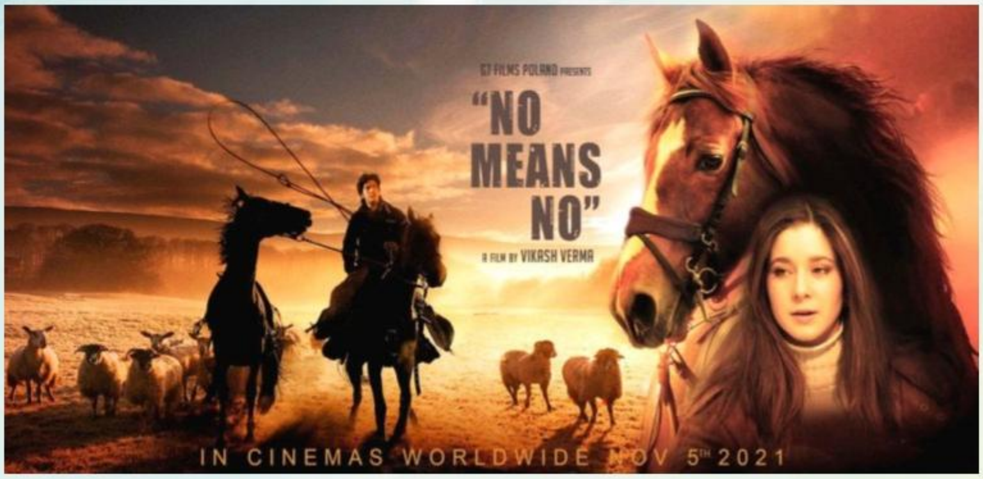
G7 FILMS POLAND PRESENTS
“NO MEANS NO”
A FILM BY VIKASH VERMA
IN CINEMAS WORLDWIDE NOV 5TH 2021

‘नो मीन्स नो’ 5 नवंबर को पूरी दुनिया में रिलीज होने वाली यह फिल्म महिला सशक्तिकरण की कहानी पर आधारित पहली इंडो पोलिश स्कीइंग स्पोर्ट्स थ्रिलर है।

प्रीति जिंटा ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म ‘नो मीन्स नो’ का पोस्टर शेयर किया है। 5 नवंबर को पूरी दुनिया में रिलीज होने वाली यह फिल्म महिला सशक्तिकरण की कहानी पर आधारित पहली इंडो पोलिश स्कीइंग स्पोर्ट्स थ्रिलर है। उनके इस फिल्म को सपोर्ट करने से नवंबर में रिलीज होने वाली इस फिल्म के प्रति लोगों का कौतुहल इस फिल्म के प्रति कई गुना बढ़ गया है और रोचक प्रतिक्रियाएँ आ रही हैं।

भारत के पूर्व पर्यटन मंत्री, **श्री सुबोध कांत** सहाय ने भी पहली इंडो–पोलिश फिल्म, **‘नो मीन्स नो’** का पोस्टर जारी किया।

प्रीति जिंटा ने पोस्टर को शेयर करते हुए लिखा ‘मेरे पारिवारिक मित्र और निर्देशक विकाश वर्मा द्वारा निर्देशित फिल्म नो मीन्स नो का भव्य पोस्टर जारी किया गया, जिसमें मेरे फेवरेट ध्रुव वर्मा ने अभिनय किया है। फिल्म की कहानी मेरे दिल और आत्मा के बहुत करीब है जो महिला सशक्तिकरण पर आधारित है। 5 नवंबर 2021 को पूरी दुनिया में रिलीज हो रही है।’

हॉलीवुड मेगास्टार स्टीवन सीगल, जो निर्देशक विकास वर्मा के मेंटर हैं, शुभकामनाएं देते हैं, ‘‘मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं, मेरे भाई।’’

प्रीति ने युवा सनसनी माने जा रहे फिल्म के हीरो ध्रुव वर्मा को एक्टिंग की भी बारीकियाँ भी सिखाईं। प्रीति जिंटा दुनिया की सबसे महंगी क्रिकेट टीमों में से एक पंजाब किंग्स की सह–मालकिन भी हैं, इसलिए स्पोर्ट्स के बारे में उनको बखूबी पता है। कुछ समय पहले भी प्रीति ने अपने फेसबुक एकाउंट से इस फिल्म को प्रमोट करते हुए फिल्म की दिलचस्प बातें बतायी थीं।

चूँकि यह फिल्म एक इंडो–पोलिश जॉइन्ट वेंचर है, तो इसमें भारत और पोलैंड के कई सारे जाने माने सितारे नजर आयेंगे। फिल्म की कहानी खूबसूरत मोड़ लेते हुए स्कीइंग चौंपियन का रोल कर रहे ध्रुव वर्मा को पोलैंड ले जाती हैं जहाँ उसे एक पोलिश लड़की से प्यार हो जाता है। दिवाली पर रिलीज होने वाली इस फिल्म में ध्रुव वर्मा के अलावा मुख्य भारतीय कलाकार **गुलशन ग्रोवर, शरद कपूर, नीतू चंद्रा** और **दीपराज राणा** हैं जबकि पोलैंड से ऐक्टिंग का जलवा दिखाने वाले प्रतिभाशाली कलाकारों में हैं ध्रुव वर्मा की हीरोइन बेहद खूबसूरत नतालिया बाक, अनुभवी एक्ट्रैस **अन्ना गुजिक, पावेल चेक और कैट क्रिस्टियन।**

चूँकि यह फिल्म एक इंडो–पोलिश जॉइन्ट वेंचर है, तो इसमें भारत और पोलैंड के कई सारे जाने माने सितारे नजर आयेंगे। फिल्म की कहानी खूबसूरत मोड़ लेते हुए स्कीइंग चैंपियन का रोल कर रहे ध्रुव वर्मा को पोलैंड ले जाती हैं जहाँ उसे एक पोलिश लड़की से प्यार हो जाता है। दिवाली पर रिलीज होने वाली इस फिल्म में ध्रुव वर्मा के अलावा मुख्य भारतीय कलाकार गुलशन ग्रोवर, शरद कपूर, नीतू चंद्रा और दीपराज राणा हैं जबकि पोलैंड से ऐक्टिंग का जलवा दिखाने वाले प्रतिभाशाली कलाकारों में हैं **ध्रुव वर्मा** की हीरोइन बेहद खूबसूरत नतालिया बाक, अनुभवी एक्ट्रैस **अन्ना गुजिक, पावेल चेक और कैट क्रिस्टियन।**

गायक जुबिन नौटियालने अपनी फैन और केबीसी 13 की विजेता, हिमानी बुंदेला को आगरा में उनके घर जाकर चौंका दिया।

– मायापुरी प्रतिनिधि

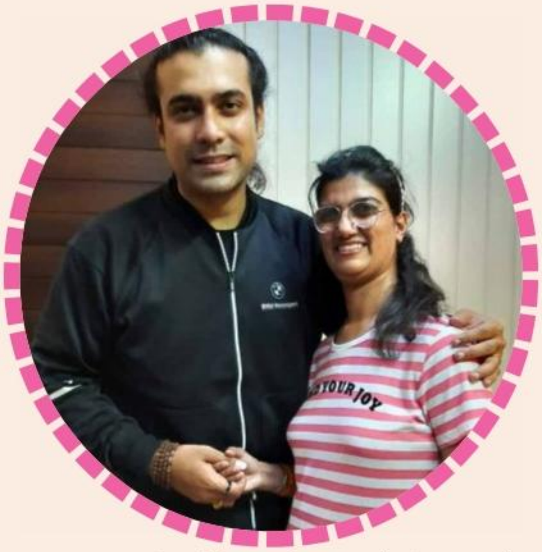

अपनी आवाज से सभी की प्लेलिस्ट में जगह बनाने वाले सिंगर अब उनके दिलों में भी जगह बना रहे हैं आगरा की एक दृष्टिबाधित युवा शिक्षिका हिमानी बुंदेला 1 सितंबर 2021 को केबीसी 13 की पहली करोड़पति बनीं। कौन बनेगा करोड़पति 13 के होस्ट अमिताभ बच्चन ने हिमानी बुंदेला की उनके पसंदीदा गायक जुबिन नौटियाल से बात करने की इच्छा को पूरा किया, जो वर्तमान में लाखों दिलों को अपनी दिलखुश आवाज से जीत रहे हैं। जुबिन नौटियाल से मिलना उनका सपना था और उन्होंने शो जीतने के बाद उन्हें एक वॉयस मैसेज भी भेजा। उनकी मासूमियत से प्रभावित होकर, गायक जुबिन नौटियाल ने उन्हें सरप्राइज़ करने का फैसला किया। हिमानी की बहन की मदद से सरप्राइज देने की योजना बनाई गई और जुबिन की टीम ने आगे बढ़कर सभी जरूरी इंतजाम किए।

जुबिन ने एक पत्रकार के रूप में आगरा में उनके घर का दौरा किया। बातों के दौरान जब उन्होंने जुबिन से मिलने की इच्छा जाहिर की और अपने पसंदीदा गीतों में से एक 'खुशी जब भी तेरी' गाया, तो गायक ने उस सॉन्ग को इंटरव्यू के बीच गा दिया और हिमानी ने महसूस किया कि उनके पसंदीदा कलाकार उनके ठीक बगल में बैठें हैं। उसके बाद पूरा माहौल भावनात्मक हो गया और फिर जब जुबिन ने 'खुशी जब भी तेरी' सॉन्ग गाया तो हिमानी को विश्वास नहीं हो रहा था। वीडियो क्लिप देख कर आपको मानवता पर विश्वास हो जाएगा और उससे यह भी दिखता है कि जुबिन कितने विनम्र और जिंदादिल इंसान हैं!

जुबिन ने कहा, 'जब हिमानी ने मुझे शो के बाद एक वॉयस नोट भेजा तो ये वास्तव में मेरे दिल को छू गया था और फिर मैंने हिमानी से मिलने की ठान ली था। जब मैं हिमानी से मिलने उनके घर पहुंचा, तो वहाँ का माहौल इतना प्यार भरा था और उन्होंने व उनके परिवार वालों ने बहुत दिल से मेरा स्वागत किया था। उनके जैसे प्रशंसकों से मिलने और बातचीत करके मुझे बहुत खुशी हो रही है जिसका मैं बयान नहीं कर सकता। वे हमारे देश का भविष्य हैं और मुझे भारत के सभी हिस्सों से ऐसे प्रतिभाशाली लोगों को आगे आता देखकर बहूत खुशी होती है। उनका स्नेह और प्यार ही मुझे और अच्छा करने और लोगों के बीच प्यार बांटने के लिए प्रेरित करता है।

एक छोटे शहर से आयी हुई लड़की के लिए यह सपने के पूरा होने जैसा था। हिमानी अपने पसंदीदा कलाकार से मिलकर और उनके एक वॉयस नोट को क्विज़ शो में दिखा देने से बेहद उत्साहित थी। जुबिन नौटियाल का उन्हें घर जा कर मिलना परिवार के लिए गर्व और सम्मान का क्षण है, जो दिलों में हमेशा के लिए एक यादगार छाप छोड़ गया है और साथ ही आगरा में उनके घर का वीडियो जहाँ हमें दोनों की खूबसूरत बॉन्डिग की झलक दिखाई दे रही है। जुबिन नौटियाल के बेहद सदय, विनम्र और दिल को छू लेने वाले व्यवहार ने फिर से साबित कर दिया है कि मशहूर हस्तियां वास्तव में अपने प्रशंसकों की परवाह करती हैं। केबीसी प्रतियोगी और जुबिन नौटियाल की खुशी साझा करते हुए यह वीडियो देखें:

देहरादून जैसे छोटे शहर और बड़े सपने लेकर आया लड़का, जुबिन की आज बॉलीवुड में सबसे ज्यादा मांग और पसंद किया जाने वाला गायक है। वह हाल के दिनों में उन कलाकारों में से एक हैं जिन्होंने अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली आवाज और बेहतरीन म्यूजिक से सभी का दिल जीत लिया है। देश–विदेश में लाखों में फैन फॉलोइंग और पहुंच के साथ, जुबिन को अपने उम्दा तरीकों और बेहतरीन लाइव परफॉरमेंस के लिए जाना जाता है। आज उन्हें घर–घर में जाना जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर, जगन्नाथ निवांगुनेऔर अथर्व ने शिक्षा पर डॉ अम्बेडकर के दृष्टिकोण के बारे में बात की

–ज्योति वेंकटेश

एक
महानायक
डॉ.बी.आर. आम्बेडकर

डॉ **अम्बेडकर** हमेशा शिक्षा को जीवन बदलने और कई चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने में एक मुख्य उपकरण के रूप में मानते थे! शिक्षा की उन्नति में उनका योगदान बहुयामी है। पर **अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस**, युवा **भीमराव अम्बेडकर** (अथर्ववेद) और **रामजी सकपाल** (जगन्नाथ Nivangune) से –TV के एक महानायक **डॉ. बीआर अंबेडकर शिक्षा पर बाबासाहेब** के दृष्टिकोण के बारे में बात करें और यह कैसे एक सामाजिक सुधार को सक्षम बनाता है।

एंड टीवी के एक **महानायक डॉ बीआर अंबेडकर,** अथर्व में युवा भीमराव अंबेडकर के रूप में साझा करता है, 'बाबासाहेब के एक प्रसिद्ध उद्धरण को उद्धृत करते हुए, जिसमें कहा गया है, **'मन की खेती मानव अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए।'**

डॉ अम्बेडकर हमेशा अन्याय और असमानता के खिलाफ मजबूती से खड़े रहे! वह लोगों को सभी सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक बाधाओं को दूर करने में सक्षम बनाने के साधन के रूप में शिक्षा के सबसे बड़े पैरोकारों में से एक थे! उन्होंने अपनी शिक्षा का उपयोग जातिगत भेदभाव और असमानता की बेड़ियों को तोड़ने के लिए किया। बाबासाहेब का जीवन और शिक्षाएं कई लोगों के लिए प्रेरणा रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर, आइए हम शिक्षा के महत्व पर उनकी शिक्षाओं को याद करें और उनका यह विश्वास कि शिक्षा ही समाज

में बदलाव का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।''इसे जोड़कर, जगन्नाथ निवांगुने, कौन निबंध रामजी सकपाल चरित्र, शेयर, ''डॉ अम्बेडकर अर्थशास्त्र में पहले पीएचडी और दक्षिण एशिया में अर्थशास्त्र में पहले डबल डॉक्टरेट धारक थे। वह विदेश में अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने वाले और अपनी पीढ़ी के सबसे उच्च शिक्षित भारतीयों में से पहले भारतीय थे। बाबासाहेब के पिता, रामजी सकपाल उन्होंने हमेशा अपने जीवन और अपने समुदाय में अपने आसपास के लोगों को बदलने के लिए शिक्षा के महत्व को विकसित किया। रामजी हमेशा अपने महत्वाकांक्षी और दूरदर्शी बेटे के साथ ताकत के स्तंभ की तरह खड़े रहे। उन्होंने युवा भीमराव को सिखाया था कि यह केवल शिक्षा के माध्यम से ही हो सकता है लोगों के जीवन को प्रभावित करें और बदलें। उनके मार्गदर्शन और शिक्षाओं से खड़े होकर, डॉ बी आर अंबेडकर ने अपने लिए एक पहचान बनाने की एक ऐतिहासिक यात्रा शुरू की। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर, आइए हम सभी बाबासाहेब की शिक्षाओं को याद करें और साक्षरता के महत्व को फैलाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करें। देश भर में।''

एंड टीवी के एक महानायक के चल रहे ट्रैक में , डॉ बीआर अंबेडकर , केलुस्कर गुरुजी, युवा भीमराव को एक कलम उपहार में देते हैं क्योंकि वह उन्हें दूसरों के अनुसरण के लिए प्रेरणा के रूप में देखते हैं। गुरुजी उन्हें ऐसे व्यक्ति के रूप में देखते हैं जो हमेशा आशा और ज्ञान की तलाश में रहते हैं, साथ ही सुरंग के अंत में प्रकाश को भी देखते हैं, चाहे कोई भी चुनौतीपूर्ण स्थिति क्यों न हो। युवा भीमराव केलुस्कर गुरुजी और उनकी दिवंगत मां भीमाबाई, पिता रामजी सकपाल, और गुरुजी कृष्ण केशव अम्बेडकर के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने उन्हें मूल्यवान जीवन पाठ पढ़ाया और सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनका निरंतर समर्थन किया।

एक कलाकार, एक नेता, एक बहादुर औरत

सुषमा शिरोमणी

–अली पीटर जॉन

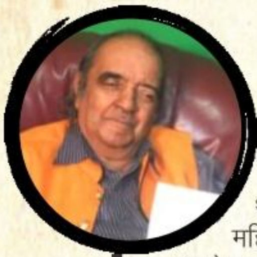

मेरी माँ (मैं अपनी माँ के एप्रन के तारों को कब पकड़ना बंद करूँगी?) ने मेरे जीवन में पहली कुछ आग लगा दी, आग ने मुझे दिखाया कि एक महिला वह नहीं थी जो दुनिया ने उन्हें बना दिया था, वह महिला जिसने आनंद लिया और यहां तक कि अपने स्वामी और स्वामी के जूतों की पट्टियों को बांधने और खोलने की कोशिश की, उसने मुझे अपने जीवन में बहुत पहले ही दिखाई दिया था कि, एक महिला एक पुरुष के बराबर हो सकती है और कभी–कभी एक पुरुष से भी अधिक शक्तिशाली हो सकती है। वह किसी भी चुनौती का सामना कर सकती थी और सबसे बहादुर पुरुषों द्वारा उस पर फेंकी गई किसी भी तरह की धमकी और उन्हें जमीन पर गिरा सकती थी और यहां तक कि धूल को भी चाट सकती थी। वह बहुत छोटी उम्र में मर गई, लेकिन मैं अभी भी उन महिलाओं की तलाश में हूं जो मुझे उनके जैसे बहादुर और साहसी होने के कुछ संकेत दिखाकर मुझे कुछ संतुष्टि दे सकें! इन दिनों में जब महिलाएं केवल पुरुषों के बराबर होने का दिखावा कर रही हैं, जिसमें कई स्लिट्स के साथ पतलून पहने हुए हैं और अपनी सिगरेट और यहां तक कि हुक्का से निकलने वाले धुएं के साथ हवा में अंगूठियां उड़ा रहे हैं और उस तरह की भाषा बोल रहे हैं जिस तरह की भाषा पुरुष सोचेंगे। अपनी शाम को सलाखों में बिताने और बिताने से पहले दो बार या अधिक बार, पुरुषों के पास जगह ढूंढना और उनके चेहरे पर धुआं उड़ाकर यह दिखाना कि वे पुरुषों के बराबर हैं और पुरुषों को लेने के मूड में हैं और यहां तक कि शासन करने की कोशिश भी करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि, पुरुषों ने इसे गड़बड़ कर दिया है। ऐसे समय में मुझे अपनी मां की बहुत याद आती है। और यह इस समय भी है कि मैं किसी ऐसी महिला की तलाश करता हूं जो उतनी ही साहसी और पुरुष की दुनिया में जीतने की इच्छा के साथ, वास्तव में हो सके!

ऐसा लग रहा था कि, मेरी प्रार्थना का उत्तर तब मिला जब मैंने इस दिन की शुरुआत एक ऐसी महिला के साथ की, जो अमानवीय है और जिसने मेरे अंदर के आदमी को पीटा और तोड़ दिया और मैं **सुश्री सुषमा शिरोमणी** से मिला, जिनका नाम मैं जानता था और जिनका एक अभिनेत्री, निर्माता, निर्देशक के रूप में काम था। मराठी, हिंदी और गुजराती फिल्मों के निर्माण में एक ऑलराउंडर। मैंने शायद ही कभी महिलाओं को अपनी ज़रूरतों के बारे में सुना है, लेकिन मुझे सुश्री शिरोमणी से अपने नए घर में मिलने के लिए कहना पड़ा, **'मल्टीआ'** में काम करने की जगह, एक कैफे जो कई प्रकार की चाय में विशेषज्ञता रखता है और जिसे यारी रोड पर कैफे **'मल्टीआ'** नाम दिया गया है। वर्सोवा मुझे पहली बार पता चला कि महिला क्या होगी जब वह मेरे कहने से तीस मिनट पहले पहुंच गई और मुझे आश्वस्त करने के लिए मुझे फोन किया कि वह पहुंच गई है, जो आज के सितारों और फिल्म निर्माताओं के साथ प्रचलन से बाहर हो गई है।

वह कुछ देर के लिए रास्ता भटक गई थी, लेकिन मेरी अंत की भावना ने मुझे बताया कि वह मुझे खोजने का रास्ता खोज लेगी और कुछ ही मिनटों में वह मेरे पास पहुंच गई और कुछ ही मिनटों में वह कोल्ड कॉफी की चुस्की ले रही थी और मैंने अपना पसंदीदा जहर खत्म कर दिया था, सिर्फ एक घूंट में चाय और हमने तुरंत एक राग मारा जब मैंने उन सभी फिल्मों के नामों को फिर से याद किया, जिनमें उन्होंने अभिनय, निर्माण और निर्देशन किया था और एक फिल्म बनाने के हर चरण का हिस्सा था। मैंने उन्हें यह भी बताया कि कैसे उनकी सभी मराठी फिल्में पचहत्तर सप्ताह से अधिक समय तक चली थीं जो काफी रिकॉर्ड थी। सुषमा ने मराठी में जो फिल्में बनाई थीं, उनमें **"भिंगरी"**, **"फटाकादी"**, **"मोसंबी नारंगी"**, **"भन्नत भानु"**, **"बिजली"**, **"गुलछड़ी"** जैसी **हिंदी फिल्में थीं, वे "प्यार का कर्ज" और "कानून"** थीं। जिसमें उन्होंने **अजय देवगन** और **उर्मिला मातोंडकर** को अपना पहला बड़ा ब्रेक दिया। अजय देवगन अभिनीत **"फूल और कांटे"** सबसे पहले रिलीज़ हुई थी, लेकिन **"क़ानून"** पहली फ़िल्म थी जिसे उन्होंने साइन किया था। **सुश्री**

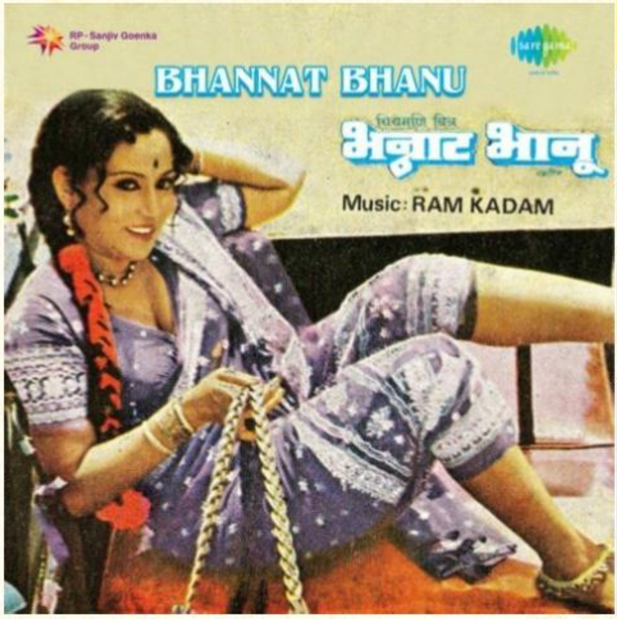

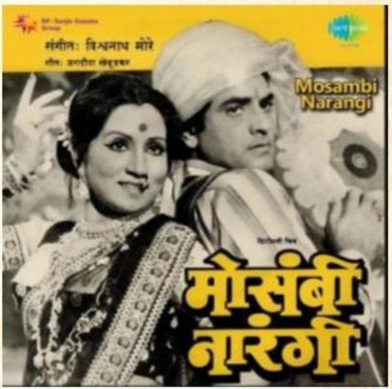

शिरोमणि को अपनी आखिरी फिल्म बनाए हुए काफी समय हो गया है, लेकिन फिल्म निर्माण के लिए उनका जुनून अभी भी जिंदा है।

उन्होंने मराठी और हिंदी दोनों फिल्मों के कुछ प्रमुख अभिनेताओं के साथ काम किया है और उन्हें यह जानने का श्रेय जाता है कि उन्होंने **आशीष कुमार, साहू मोदक, डॉ श्रीराम लागू, नीलू फुले, अभि भट्टाचार्य** और जैसे अभिनेताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ काम किया है। सुलोचना कई अन्य लोगों के बीच और अपने वरिष्ठों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपनी जमीन पर खड़ी रही। उन्होंने **धर्मेंद्र, मिथुन चक्रवर्ती, मीनाक्षी शेषाद्री, रति अग्निहोत्री** और **ऋषि कपूर** जैसे हिंदी फिल्म सितारों के साथ भी काम किया।

उन्हें सबसे अपरंपरागत विषयों का चयन करने की आदत थी जिसमें उन्होंने उस तरह की नायिकाओं की भूमिका निभाई जो कई मायनों में वीर पुरुष पात्रों की तुलना में अधिक शक्तिशाली थीं। वह कठिन बैलगाड़ी दौड़ में भाग लेने वाली शायद पहली अभिनेत्री थीं। वह डबल का उपयोग किए बिना '**गोविंदा आइटम**' का प्रदर्शन करने वाली पहली अभिनेत्री थीं और यह उनके सभी एक्शन सीन थे जो उन्होंने खुद किए थे, जिसने उन्हें एक अपरंपरागत नायिका बना दिया, जो उन नायिकाओं से बहुत अलग थीं जो विनम्र डोरमैट और सती सावित्री बनाती थीं उस तरह की नायिका नहीं जो पेड़ों के चारों ओर दौड़कर और बेहूदा और अर्थहीन गीत गाकर खुश थी। उनका मानना था कि एक महिला निश्चित रूप से एक पुरुष की तरह मजबूत होती है, खासकर जब परिस्थितियों से चुनौती दी जाती है और जब करो या मरो की स्थिति का सामना करना पड़ता है। वह पूरे महाराष्ट्र में एक कल्ट फिगर के रूप में विकसित हुई थी और उनकी भूमिकाओं ने कई अन्य अभिनेत्रियों को प्रेरित किया था, लेकिन कोई भी वह नहीं कर सका जो उन्होंने अपनी फिल्मों में किया। सभी भाषाओं में निर्देशक थे जिन्होंने उनकी तरह फिल्में बनाने की कोशिश की, उन्होंने केवल कोशिश की, लेकिन जिस तरह से उन्होंने किया वह कभी सफल नहीं हो सका।

हालाँकि, जीवन उतना आसान नहीं था जितना कि कई लोगों का मानना था कि यह उनके जैसी सफल अभिनेत्री के लिए हो सकता है, उनके जीवन में गुलाब के साथ कांटों का अपना हिस्सा था। उसने ठाणे से एक निम्न मध्यवर्गीय महाराष्ट्रीयन परिवार में जीवन शुरू किया था और पहले दो वर्षों के लिए एक कॉन्वेंट स्कूल में गई थी और फिर जब उसका परिवार उचित बॉम्बे में स्थानांतरित हो गया, तो उसने दूसरे कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ाई की, लेकिन लंबे समय तक अध्ययन नहीं किया जैसा उसने महसूस किया। फिल्मों की दुनिया में शामिल होने के लिए एक अजीब बुलावा। उन्होंने **वी. शांताराम** की **"सेहरा"** में एक बाल कलाकार के रूप में शुरुआत की, जिसमें वह एक गीत के चित्रांकन के दौरान भीड़ का हिस्सा थीं। शांताराम उन कलाकारों से पूछने के लिए जाने जाते थे जिन्होंने अपने दृश्यों को सेट छोड़ने के लिए कहा था, लेकिन छोटी सुषमा थी सेट पर काम कैसे किया जाता है, यह देखने के लिए रुकने के लिए दृढ़ था। उसे बाहर करने के लिए मजबूर करने के प्रयास किए गए थे, लेकिन वह तब तक अड़ी रही जब तक कि शांताराम ने खुद एक बार उसे निकाल नहीं दिया, लेकिन वह फिर भी नहीं हिली और गुस्से में थी और साथ ही खुश थी शांताराम ने उसे '**वाधिन**' नाम दिया, जिसका अर्थ था एक बाघिन। टाइटन को कम ही पता था कि वह अगले कुछ वर्षों में एक बाघिन बनने जा रही है।

उनकी फिल्मों के लगातार सफल होने के बाद सभी क्षेत्रों में उनका स्वागत किया गया और अगर कोई अन्य क्षेत्र था जिसमें वह सहज महसूस करती थीं, तो वह थी महाराष्ट्र की राजनीति। वह एक समय के शक्तिशाली मुख्यमंत्री, श्री वसंतदादा पाटिल के परिवार का हिस्सा थीं और राजनीति में उनके शक्तिशाली दोस्तों में सुशील कुमार शिंदे, अरुण दिवेकर और विभिन्न दलों के अन्य प्रसिद्ध राजनीतिक नेता थे। वह उनकी ताकत का फायदा उठा सकती थी, लेकिन उसने पहले ही तय कर लिया था कि वह अपनी लड़ाई अपने तरीके से जीतेगी और जीतेगी। फिल्मों और अन्य क्षेत्रों में उनके दोस्तों को पता था कि एक महिला एक लोहे की इच्छा और एक संवेदनशील दिल क्या कर सकती है और चीजों को संभव बना सकती है और यहां तक कि असंभव को संभव करने के लिए हर संभव प्रयास कर सकती है।

उसने जल्द ही अपने आसपास की दुनिया को बदलते हुए पाया, जिस तरह की फिल्में बदल रही हैं, जिस तरह के लोग फिल्म बनाने के व्यवसाय में बदलाव कर रहे हैं और समाज में मूल्य बदल रहे हैं और बदलाव के लिए उसने फिल्मों से ब्रेक लेने का फैसला किया।

लेकिन, वह उस तरह की महिला नहीं थीं जो अपनी उपलब्धि के आलोक में अपनी प्रशंसा और आधार पर आराम करें। उन्होंने सामाजिक कार्यों में हाथ बँटाया और उद्योग और यहाँ

HD
आला रे आला गोविंदा आला

तक कि समाज के कारणों के लिए लड़ने के लिए सत्ता में और उच्च स्थानों पर लोगों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। वह फिल्मों से दूर थी, लेकिन वह अभी भी अपने लिए और सभी की भलाई के लिए सभी नई उपलब्धियों के लिए सुर्खियों में खड़ी थी।

और पिछले कुछ वर्षों के दौरान **सुश्री शिरोमणी** उद्योग की एक महत्वपूर्ण नेता रही हैं और जिन संघों और संस्थानों से वह निकटता से जुड़ी हुई हैं, उनमें इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएमपीपीए) की उपाध्यक्ष होने के नाते, वह पहली महिला हैं। इंडियन मोशन पिक्चर डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन (आईएमपीडीए) के निदेशक मंडल में चुने जाने के लिए, वह महाराष्ट्र फिल्म स्टेज एंड कल्चरल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड (फिल्म सिटी) के निदेशक होने के नाते, एक बार फिर अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित होने वाली पहली महिला हैं, वह चैंबर ऑफ मोशन पिक्चर्स (CHAMPP) की उपाध्यक्ष होने के नाते, फिर से निदेशक मंडल में निर्वाचित होने वाली पहली महिला होने के नाते, वह फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (FFI) की उपाध्यक्ष थीं, फिर से पहली थीं निदेशक मंडल में चुनी जाने वाली महिला, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, भारत सरकार की सदस्य होने के नाते, चैंबर ऑफ मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स की उपाध्यक्ष, निर्वाचित होने वाली पहली महिला होने के नाते FFI के महासचिव, वेस्टर्न इंडिया फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के सदस्य और सिने एंड टीवी–आर्टिस्ट एसोसिएशन (CINTAA) के सदस्य और सूची जारी है। और मुझे यह विश्वास करना बेहद मुश्किल लगता है कि यह वह महिला है जो कभी परेल में होली क्रॉस हाई स्कूल से स्कूल छोड़ती थी।

वह अपनी कड़ी मेहनत से कॉपीराइट अधिनियम पारित कराने और पायरेसी के खिलाफ एक नया अधिनियम प्राप्त करने के लिए जिम्मेदार लोगों में से एक थीं।

और देश के विभिन्न हिस्सों और विभिन्न संघों से जीते गए कई पुरस्कारों की एक सूची बनाने के लिए अमिताभ बच्चन द्वारा फिल्म "डॉन", 'मुमकिन ही नहीं, नामुमकिन है' में बोली जाने वाली उस प्रसिद्ध पंक्ति को रखना है।

और अगर मुझे लगता है या किसी को लगता है कि उसने अच्छे के लिए फिल्में बनाना छोड़ दिया है, तो मुझे आपको बताना होगा कि सुश्री सुषमा शिरोमणि उस तरह की महिला नहीं हैं जो युद्ध के मैदान से हट जाएंगी। वह वापस लड़ेंगी और महिलाओं की उत्साही प्रशंसक के रूप में अपनी शर्तों पर लड़ने और जीतने की इच्छा और साहस, मैं न केवल आशा करता हूं, बल्कि मुझे पता है कि वह तब तक आराम नहीं करेगी जब तक वह जीतने के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ लड़ाई नहीं लड़ती ...

और जैसे ही मैंने उसका बहुत कोमल और नाजुक हाथ हिलाया, मैं एक महिला की शक्ति को भी महसूस कर सकता था जिसके बारे में सभी पुरुषों को पता होना चाहिए क्योंकि एक महिला की शक्ति के बारे में सच्चाई जानना उस उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है जिसका हम केवल सपना देख रहे हैं और के बारे में कविताएं लिखना तभी सच हो सकता है जब पुरुष और महिलाएं मिलकर उस दिशा में काम करें

सुबह जो कभी तो आएगी और अगर औरत ने मर्दों के साथ चलने की हिम्मत की, तो और भी जल्दी आ सकती है वो सुबह जिसका हम कई हजार सालों से बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं।

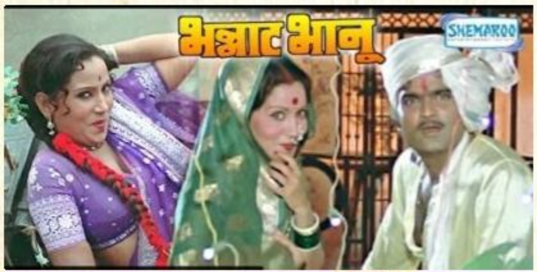

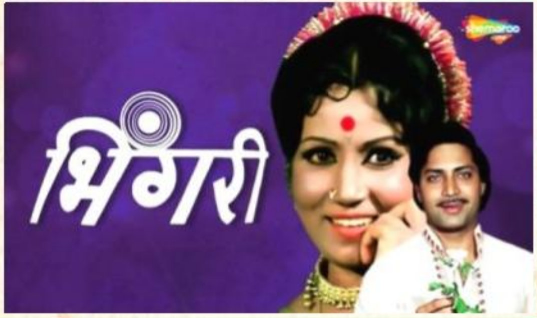

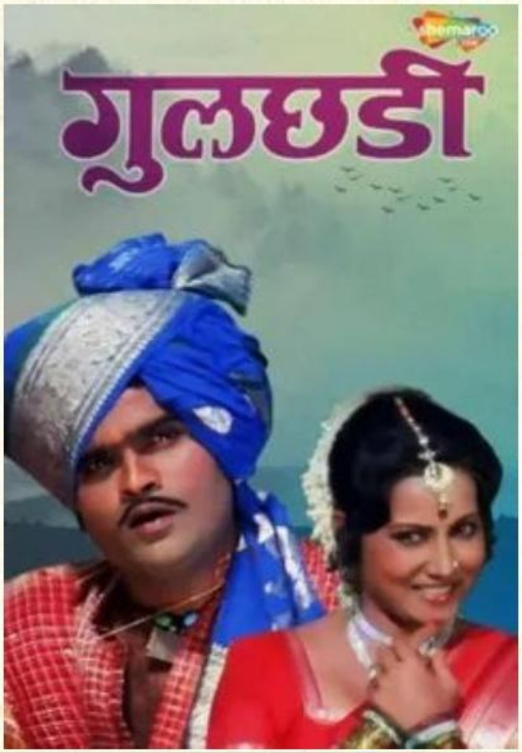

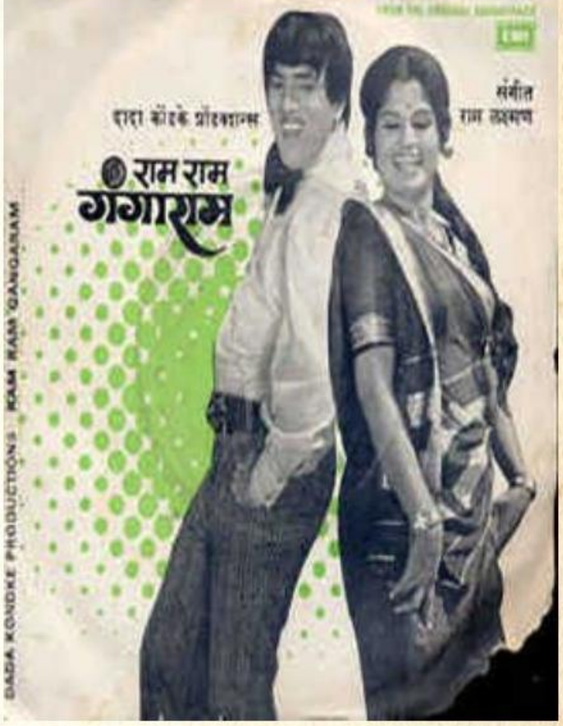
दादा कोंडके प्रॉडक्शन्स
संगीत
राम लक्ष्मण
राम राम गंगाराम
DADA KONDKE PRODUCTIONS RAM RAM GANGARAM

एफ एन पी मीडिया बाय फर्न्स एन पेटल्स' ने गिरीश जौहर को मुख्य परिचालन अधिकारी नियुक्त किया

– सुलेना मजुमदार अरोरा

एफ एन पी मीडिया बाय फर्न्स एन पेटल्स' ने गिरीश जौहर को अपना मुख्य परिचालन अधिकारी नियुक्त करने की घोषणा की। वह एफएनपी मीडिया के सभी तरीकों के संचालन, सामग्री निर्माण, विपणन और व्यापार शोषण की निगरानी के लिए सीधे जिम्मेदार होंगे। कंपनी की योजना सभी प्लेटफार्मों और स्क्रीन के लिए, सभी प्रारूपों में, लघु फिल्मों, विज्ञापन फिल्मों, वेब श्रृंखलाओं और ओटीटी और थियेट्रिकल्स के लिए ओरिजिनल फिल्म बनाने की है। मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में कंपनी के विकास के लिए नए रास्ते तलाश रहे हैं।

फिल्म उद्योग में 2 दशकों से अधिक के ओवरऑल अनुभव के साथ, गिरीश अपने साथ सिनेमा की एक गहरी समझ लेकर आए हैं, इसके निर्माण से लेकर दर्शकों के बीच सभी प्रारूपों में इसकी सराहना तक। अपनी नई भूमिका में, गिरीश एफएनपी मीडिया के विकास को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार होंगे। हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, पंजाबी, तमिल, तेलुगू, बांग्ला–विभिन्न क्षमताओं और बहु भाषाओं में 150 से अधिक फिल्मों में काम करने के बाद, वह एक प्रख्यात फिल्म व्यापार और व्यवसाय विश्लेषक, एक फिल्म निर्माता और एक होनहार निर्माता हैं। अपने पिछले असाइनमेंट में, उन्होंने कुछ नाम रखने के लिए पीवीआर, सोनी, यूटीवी – डिज्नी, बालाजी, ज़ी एंटरटेनमेंट जैसी प्रमुख कंपनियों के साथ काम किया है। उनके पेशेवर, बहु–कार्य और केंद्रित दृष्टिकोण ने उन्हें कई सम्मान और विशेष पहचान दिलाई है। उनकी उच्च सत्यनिष्ठा, खुशमिजाज और मनभावन प्रकृति ने न केवल उन्हें कई दोस्त और समर्थक बनाए हैं, बल्कि उन्हें बिरादरी के बीच अपने साथियों के साथ मजबूत और विश्वसनीय संबंध बनाने में भी मदद की है।

श्री विकास गुटगुटिया, एमडी और संस्थापक, फर्न्स एन पेटल्स और एफएनपी मीडिया ने कहा, "फर्न्स एन पेटल्स परिवार एफएनपी मीडिया का नेतृत्व करने के लिए गिरीश जौहर का स्वागत करता है। जोहर फिल्म उद्योग की गहरी समझ लेकर आतें है। सिनेमा में उनका समृद्ध अनुभव और विशेषज्ञता एफएनपी समूह के लिए एक बड़ी संपत्ति होगी और एफएनपी मीडिया के व्यापार और विकास को बढ़ाने में मदद करेगी। हम अगले 3–4 वर्षों में 100 करोड़ के समग्र निवेश के साथ सामग्री पुस्तकालय का निर्माण करने पर विचार कर रहे हैं। प्लस, एफएनपी मीडिया के माध्यम से फर्न्स एन पेटल्स उन लोगों की पहचान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो अद्‌भुत प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं और उन्हें दीर्घकालिक करियर में आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

अपनी नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए, गिरीश जौहर ने पुष्टि की, "मैं फर्न्स एन पेटल्स परिवार का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं। यह विकास के लिए एक प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण समूह है और मैं अपनी भूमिका को संभालने और एफएनपी मीडिया के साथ दीर्घकालिक सहयोग बनाने के लिए उत्सुक हूं। इसे न केवल बिरादरी के भीतर बल्कि हमारे लगातार बढ़ते दर्शकों के बीच, सभी प्लेटफार्मों और अलग–अलग प्रारूपों में एक स्थापित मीडिया इकाई बनाना।"

उनके नियुक्ति पर प्रसन्न, एफएनपी मीडिया के महाप्रबंधक, अहमद फ़राज़ ने कहा, "हमारी बढ़ती टीम में गिरीश जौहर का स्वागत करना वास्तव में खुशी की बात है, मैं उनके साथ काम करने और एफएनपी मीडिया को अगले में सामग्री के शीर्ष खिलाड़ियों में से एक के रूप में स्थापित करने के लिए उत्सुक हूं। उनके अनुभव और उद्योग के ज्ञान के साथ, मुझे यकीन है कि हम अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री का उत्पादन करने में सक्षम होंगे।"

FNP अपने उत्पादों और सेवाओं के साथ आपके अवसर को और भी यादगार बनाने के लिए सचेत रूप से विभिन्न क्षेत्रों में प्रवेश कर रहा है। एफएनपी मीडिया इस समय लघु फिल्मों का निर्माण कर रहा है और अब कई वेब–श्रृंखलाओं और फीचर प्रस्तुति पर काम कर रहा है और अगले 3 वर्षों में सूचीबद्ध होना चाहता है। 100 करोड़ से अधिक के कुल निवेश परिव्यय के साथ, एफएनपी मीडिया विश्व स्तर पर सभी प्लेटफार्मों के लिए सभी प्रारूपों में सामग्री बनाने वाली एक मजबूत और प्रमुख मीडिया कंपनी बनने की ओर अग्रसर है।

एफ एन पी मीडिया बाय फर्न्स एन पेटल्स' एक कंटेंट कंपनी और प्रोडक्शन हाउस है जो डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए क्वालिटी कंटेंट तैयार करने का काम करता है। इस तथ्य को देखते हुए कि एफएनपी, जन्म से लेकर शादी और यहां तक कि मृत्यु तक लोगों के जीवन का एक हिस्सा रहा है, मानवीय भावनाओं की यात्रा को बहुत करीब से अनुभव किया गया है, और उस समझ को स्क्रीन पर अनुवाद करना स्वाभाविक था।

एफएनपी मीडिया के दो वर्टिकल हैं, एफएनपी मीडिया द्वारा लाइव और एफएनपी मीडिया द्वारा फिल्में। लघु फिल्मों, वेब श्रृंखला, कहानी कहने आदि के रूप में सामग्री को संबंधित वर्टिकल के ल्वनज्नइम चैनलों पर होस्ट किया जाता है जो प्रदर्शन कला, फिल्म और शो आदि प्रदर्शित करता है।

'आजाद' चैनल पर आएंगे दो मौलिक सीरियल 'मेरी डोली मेरे अंगना' और 'पवित्राः भरोसे का सफर'

"आजाद की सोच है कि आप भी आगे बढ़ें, आप भी जिंदगी में प्रगति करें।"

भरत कुमार रंगा

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

बिगिनेन मीडिया के पहले उपभोक्ता विशिष्ट मनोरंजन चैनल "आजाद" का प्रसारण दो सीरियलों के संग 14 सितंबर से शुरू होने जा रहा है। इस चैनल पर ग्रामीण परिवेश और विशेष रूप से 'ग्रामीण मानसिकता' के अनुरूप मौलिक मनोरंजक कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इस तरह 'आजाद' भारत का पहला प्रीमियम हिंदी ग्रामीण मनोरंजन चैनल है, जो कि शहरी नही बल्कि ग्रामीण मानसिकता वाले कार्यक्रम परोसेगा, जिन्हें शहरी दर्शक भी देखना चाहेंगें। फिलहाल 'आजाद 'चैनल की तरफ से काफी मशक्कत और ग्रामीण व्यक्ति की गहरी समझ के बाद "मेरी डोली मेरे अंगना' और 'पवित्राः भरोसे का सफर" सीरियल बनवाए गए हैं, जिनका प्रसारण 14 सितंबर से हर सोमवार से शनिवार क्रमशः रात नौ बजे और रात साढ़े नौ बजे आजाद चैनल के साथ ही एमएक्स प्लेअर देखे जा सकेंगें। इन दोनों सीरियलों का निर्माण 'आजाद' चैनल की मूल धारणा "हमारी मिट्टी हमारा आसमान" के ब्रांड प्रस्ताव पर खरा उतरते हुए किया गया है।

"आजाद" चैनल और इसके दो मौलिक सीरियलों की विधिवत घोषणा करने के लिए 'बिगनेन मीडिया' द्वारा सात सिंतबर को मुंबई के 'द ललित' पांच सितारा होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गयी, जिसमें चैनल से जुड़े सभी लोंगों के साथ ही दोनों सीरियलों की पूरी टीम मौजूद थी। इस अवसर पर "बिगिनेन मीडिया प्राइवेट लिमिटेड (बीएमपीएल)" के प्रबंध निदेशक भरत कुमार रंगा ने चैनल की शुरूआत की चर्चा करते हुए कहा–"सबसे पहले तो में बता दूँ कि 'बिगनेन मीडिया' शुरू करने के लिए मैंने जो कुछ सीखा है, वह अपने गुरू सुभाष चंद्र जी से सीखा है। उन्होने मुझे जो सिखाया, वह सीखा। पिछले कुछ वर्षों से मुझे लग रहा था कि जो परिवर्तन आ रहा है वह टीवी से डिजिटल का नहीं है। वह परिवर्तन असल में रचनात्मकता की दुनिया से उपभोक्ता की दुनिया का है। इसलिए उन कंपनियों को आगे आने की जरुरत है, जो कि उपभोक्ता की आवश्यकता को समझें। उसके बाद अपनी रचनमात्क कहानियों के साथ उनको जोड़े। उनका मनोरंजन करे और हो सके, तो उन्हे कुछ शिक्षित भी करे, प्रेरित करे। 'बिगनेन मीडिया' का आधार यही है। हिंदी में अच्छा नाम समझ में नहीं आया, तो हमने जर्मन शब्द 'बिगनेन' नाम रखा, जिसका अर्थ होता है शुरूआत। तो यह मीडिया की नई शुरूआत है और हम नई कोशिश 'आजाद ' चैनल की शुरूआत के साथ कर रहे हैं।

आजाद नाम सोचने के बाद हमने सोचा कि हमें उपभोक्ता यानी कि दर्शक की सोच के अनुरूप कुछ करना चाहिए। हमें अहसास हुआ कि शहरी दर्शकों के लिए कई प्लेटफॉर्म, कई टीवी चैनल और अब तो ओटीटी प्लेटफॉर्म भी है। लेकिन ग्रामीण दर्शकों के लिए एक मात्र साधन दूरदर्शन ही है। हमें लगा कि हमें सबसे पहले इन्ही का ख्याल करना चाहिए। हमारी ग्रामीण धरती हमें काफी दूर और छोटी लगती है, जबकि वह काफी विशाल है। शहरों में रहने वाले ज्यादातर लोग ग्रामीण परिवेश से ही हैं। तो हमें लगा कि यदि कुछ बड़े मुद्दो के लिए हम शहरों के लिए बनायी गयी कहानियां न परोसकर उन्हें उनकी मिट्टी की महक वाली कहानियां बनाएं, तो ज्यादा अच्छा होगा। 'आजाद' चैनल इसलिए कि अब उनका समय है ।आजाद की सोच है कि आप भी आगे बढ़ें, आप भी जिंदगी में प्रगति करें। अकेला इंसान तो कुछ कर ही नही सकता। मैंने सिफ सोचा और फिर कुछ लोगों को अपने साथ जोड़ा।"

भरत कुमार रंगाने आगे कहा– "हमें अपने कंटेंट क्रिएटर्स, जितेंद्र गुप्ता, महेश टैगडे, संतोष सिंह, रोशेल सिंह और पर्ल ग्रे के साथ जुड़कर खुशी हो रही है, जिन्होंने हमारे पहले दो मौलिक सीरियल 'मेरी डोली मेरे अंगना' और पवित्रा

भरोसे का सफर' बनाया है। यह दोनों सीरियलों ग्रामीण लोगों की मानसिकता के साथ सामंजस्य स्थापित करने के साथ उन्हें परंपराओं के लिए प्रेरित करेंगे। इन सीरियलों से उनके अंदर अपने मूल्यों के साथ अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए गतिशीलता और विकास की ओर बढ़ने की भावना पैदा होगी।''

बिगिनेन मीडिया, महाप्रबंधक – उत्पाद, डोरिस डे ने कहा–''आजाद कई स्तरों पर प्रथम हैं। शहरी और ग्रामीण भारत का हमेशा स्पष्ट विभाजन रहा है, ग्रामीण बहुसंख्यक होने के बावजूद, दुर्भाग्य से जीवन के हर क्षेत्र में हमेशा हाथ से नीचे उपचार मिला है। और यही हम अपने 'ग्रामीण पहले' दृष्टिकोण से बदलना चाहते हैं। हमारे कंटेंट को हमने ग्रामीण उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया है। अपने चैनल के सीरियलों के माध्यम से हम उनकी चुनौतियों को पहचानेंगे और हम उनके सपने और आकांक्षाओं, उनकी परंपराओं और विचार धाराओं को उजागर करेंगें। इसलिए हमने ऐसे रचनाकारों की एक टीम चुनी है, जो वास्तव में ग्रामीण भारत को समझते हैं और उसकी परवाह करते हैं और उनके लिए सामग्री बनाने के लिए उत्सुक हैं। आजाद में हम वास्तव में मनोरंजन उद्योग का लोकतंत्री करण करने में विश्वास करते हैं। हमारा मकसद 'बहुप्रतीक्षित ग्रामीण भारत के लिए सामग्री तैयार करना', 'एक ऐसे पारिस्थिति तंत्र का निर्माण करना जहां मौजूदा और साथ ही नए निर्माताओं को समान अवसर प्रदान किए जाएं। हम एक मनोरंजन उद्योग के भीतर एक अद्वितीय समानांतर पारिस्थिति तंत्र के लिए 'चैलेंजर ब्रांड' बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। मुझे यकीन है कि हम अपने सभी हितधारकों के अटूट समर्थन और भागीदारी के साथ नए बेंचमार्क बनाने में सक्षम होंगे।''

डोरिस डे ने आगे कहा– ''स्केयरक्रो एम एंड सी साची लिमिटेड के साथ साझेदारी में विकसित ब्रांड प्रस्ताव 'हमारी मिट्टी हमारा आसमान' फ्यूचर ब्रांड्स द्वारा ग्रामीण व्यक्ति के व्यापक उपभोक्ता अध्ययन के माध्यम से प्राप्त किया गया था। यह प्रस्ताव ग्रामीण सपनों और आकांक्षाओं को दर्शाता है और ग्रामीण गौरव को धारण करता है। दोनों, ब्रांड फिल्म और ब्रांड गान, आजाद की आंतरिक ऑन–एयर प्रचार टीम द्वारा तैयार और बनाए गए हैं। ब्रांड फिल्म यू–आर–आई की मानसिकता पर करीब से नजर डालती है जिससे पता चलता है कि वे अपनी जड़ों, संस्कृति और विश्वास प्रणालियों पर गर्व करते हैं। संगीतकार संतोष नायर के निर्देशन में प्रतिभाशाली गायक दिव्य कुमार ने ब्रांड एंथम को स्वरबद्ध किया है।''

beginnen media
आज़ाद
MX PLAYER
Digital Partner
हमारी मिट्टी हमारा आसमान

दो मौलिक सीरियलः 14 सितंबर से :

''आजाद'' चैनल के पहले मौलिक सीरियल ''मेरी डोली मेरे अंगना'' का निर्माण 'टेल–ए–टेल मीडिया' की ओर से जितेंद्र गुप्ता और महेश तगड़े ने किया है। जबकि आस्था अभय,सुरेंद्र पाल, रुद्राक्षी गुप्ता और अंकित रायजादा ने अहम व प्रमुख किरदार निभाए हैं। यह सीरियल उत्तर प्रदेश के बिठूर की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहां पूरा सिंह परिवार, खासकर उनके ज्ञानेंद्र सिंह(सुरेंद्र पाल) पिता बेटी जानकी (आस्था अभय) को अपनी आंखों का तारा मानते हैं। यह आज के ग्रामीण परिवार की कहानी है,जो परिवार के भीतर संबंधों की सुंदरता और जटिलताओं को चित्रित करती है। कुछ परिस्थितियों के कारण यह रिश्ते बदल जाते हैं और यह नायिका के जीवन को काफी प्रभावित करता है। अपनी शादी के बाद उसे पता चलता है कि पुराने सामाजिक मानदंड जहां वह एक बेटी और बहू के बीच अंतर करते हैं, अभी भी मौजूद है।

वास्तव में सीरियल ''मेरी डोली मेरे अंगना'' की कहानी एक अनुभवी और मासूम बेटी जानकी के एक अनुभवी बहू बनने तक की यात्रा का चित्रण करता है, जो अपनी शादी के बाद बदलती गतिशीलता के साथ जटिल परिस्थितियों और रिश्तों को प्रबंधित करना सीखती है।

वहीं दूसरे मौलिक सीरियल '' पवित्राः भरोसे का सफर'' का निर्माण ''पार्थ प्रोडक्शन'' के तहत संतोष सिंह, रोशेल सिंह और पर्ल ग्रे ने किया है। जबकि इसमें शैली प्रिया, नीलू वाघेला शामिल, कुमार राजपूत और शीजान मोहम्मद की अहम भूमिकाएं हैं। मेरठ की पृष्ठभूमि पर आधारित यह पारिवारिक ड्रामा, ग्रामीण मानसिकता के साथ प्रतिध्वनित होता है क्योंकि यह महिला सशक्ति करण को प्रोत्साहित करने, सामाजिक मुद्दों से जूझने के विषयों पर केंद्रित है और यह दो विविध व्यक्तित्वों की एक भावुक प्रेम कहानी भी है। यह सीरियल आज के ग्रामीण युवाओं की आकांक्षाओं और आशाओं को छूता है। क्योंकि उनमें से अधिकांश उच्च शिक्षा के बाद बेहतर नौकरी चाहते हैं और अपने जीवन के विकल्प तय करने की स्वतंत्रता भी चाहते हैं।

यूँ तो सीरियल ''पवित्रा : भरोसे का सफर'' की कहानी एक युवा लड़की पवित्रा (शैली प्रिया) की जीवन यात्रा को दर्शाता है, जो एक वंचित टैक्सी ड्राइवर की बेटी है। अपनी शिक्षा पूरी करने और आत्मनिर्भर बनने की इच्छा रखती है। वह अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जाती है और उन सभी प्रतिबंधों के खिलाफ लड़ती है जो उसके विकास में बाधक है।पवित्रा की लड़ाई लिंग भेदभाव और सामाजिक कलंक के खिलाफ है। अंततः एक दिन पवित्रा सफल उद्यमी बन कर उभरती है, जो अन्य महिलाओं को अपने परिवार और खुद की हर तरह से देखभाल करने में सक्षम बनने में मदद करती हैं।

beginnen media
आज़ाद
MX PLAYER
Digital Partner

CREATING VALUE DURING THE TURB
TIMES: ROLE OF STAKEHOLDERS IN S
THE FUTURE
Moderator
Dr. Nivedita Shreyans

CAN INDIA BECOME A $5 TRILLION ECONO
BY 2024?

THE RESILIENT INDIA
Moderator

DR- NIVEDITA SHREYANS ATTENDED THE INDIAN BRAND LEADERSHIP CONCLAVE 2021 AT THE VIVANTA TAJ, NEW DELHI

The Chief Guest Of The Evening Was Shri Sandeep Singh, Minister Of Sports And Youth Affairs, Haryana. Among The Well-known Guests, The Event Witnessed The Who's Who Like Brahma Kumari, Sister Shivani, Spiritual Teacher (guest Of Honor), Ms. Neerja Birla, Founder And Chairperson Of The Aditya Birla Education (abet), Shri. Kamlesh D Patel, Spiritual Guide, Heartfulness Movement.

PIC BY RAKESH DAVE

DR NIVEDITA SHREYANS ATTENDED THE INDIAN BRAND LEADERSHIP CONCLAVE 2021 AT THE VIVANTA TAJ, NEW DELHI

हॉलीवुड अदाकारा, अंतराष्ट्रीय तैराक व मिस इंडिया आस्ट्रेलिया लाशे लियोन पहुँची बॉलीवुड

शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

बॉलीवुड का नशा पूरे विश्व के कलाकारों और फिल्मकारों के सिर चढ़कर बोल रहा है. आए दिन कोई न कोई विदेशी कलाकार या फिल्मकार बॉलीवुड से जुड़ता रहता है. अब छह फुट कद की बोल्ड, खूबसूरत व बहुमुखी प्रतिभा की धनी हॉलीवुड अदाकारा तथा 2018 में **'मिस इंडिया आस्ट्रेलिया'** व **'मिस इंडिया वर्ल्डवाइड'** का खिताब जीत चुकी **लाशे लियोन** अब बॉलीवुड का हिस्सा बनने जा रही है.जी हॉ! फिलहाल लाशे लियोन ने आशीश पटेल और नरेश सूरी के साथ मिलकर ओटीटी प्लेटफार्म के लिए एक वेब **'हनीमून टेरर'** का सहनिर्माण किया है. जबकि वह इसी वेब सीरीज यानी कि 'हनीमून टेरर'के दूसरे सीजन में भारतीय अभिनेता दिलजान वाड़िया संग मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आने वाली हैं.

नीली आंखों वाली सुंदरता के लिए मशहूर तथा सौंदर्य के कई खिताब जीत चुकी लाशे लियोन कई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च मूल्य वाले ब्रांडों के लिए मॉडलिंग कर मॉडलिंग जगत में अपना एक अलग रूतबा रखती हैं.तो वहीं वह परोपकार के कार्य भी करती रहती हैं.इसी के साथ वह एक सफल उद्यमी भी हैं.अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हे पुरुष प्रधान उद्योगों में महिला ट्रेलब्लेजर के रूप में ताज पहनाया गया है.अचल संपत्ति निवेश और बिक्री, रेस्तरां की श्रृंखला, थोक किराने का सामान और सब्जियां, भवन–निर्माण और विकास, यातायात नियंत्रण, सफाई, सुरक्षा जैसे उद्योंगो से वह जुड़ी है.

इतना ही नही लाशे लियोन अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैराक होने के साथ ही आस्ट्रेलिया की राजनीति में भी दखंलदाजी रखती हैं.

आखिर एक साथ इतने अधिक क्षेत्रो में वह सक्रिय रहने की ताकत व समय कहां से लाती हैं,इस पर लाशे लियोन ने कहा–'यदि इंसान के अंदर काम करने की इच्छाशक्ति हो,तो समय की कमी महसूस ही नही होती है.इंसान के अंदर की इच्छाशक्ति ही उसे काम करने की ताकत देती है.मगर मैं अपनी सुंदरता को बरकरार रखने के साथ ही शरीर को चुस्त दुरूस्त रखने के लिए योगा करती हूॅं. वॉकिंग करती हूँ, और स्वस्थ स्वच्छ शाकाहारी आहार लेती हूँ, इतना ही नही मेरे अंदर जबरदस्त धैर्य व सहनशीलता है.लेकिन हर इंसान की ही तरह मुझे भी काफी संघर्ष करना पड़ा.पर मेरा मानना है कि आपका अपना रवैया जीवन में आपकी ऊंचाई निर्धारित करता है.''

लाशे लियोन ने आगे कहा–'मैने खुद को किसी भी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रखा.मैं लगभग हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को विकसित कर रही हूँ, मॉडलिंग में सर्वोच्च मुकाम हासिल करने के बाद मैने हौलीवुड में कदम रखा और पहली फिल्म के प्रदर्शन के साथ ही मैने 'सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री' का खिताब हासिल करने के साथ ही काफी प्रशंसा बटोरी'

बॉलीवुड से जुड़ने पर वह कहती हैं–'मैं लंबे समय से बॉलीवुड में कुछ करना चाहती थी.फिलहाल मैंने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने वाली वेब श्रृंखला 'हनीमून टेरर' के लिए आशीष पटेल और नरेश पुरी के साथ सह–निर्माण किया है.जबकि इस वेब सीरीज के दूसरे सीजन में मैं बौलीवुड अभिनेता दिलजान वाडिया के साथ मुख्य किरदार निभा रही हूॅं.''

पूरे विश्व में प्रचारित– प्रसारित होगी ओरछा की रामलीला – डॉ. वी.पी. टंडन ओरछा की वर्चुअल रामलीला की तैयारियां शुरू – सत्यभूषण जैन

–मायापुरी प्रतिनिधि

श्री राम का नाम आते ही हम सब भारतवासियों का हृदय श्रद्धा और प्रेम से भर जाता है इसीलिए हर वर्ष रामलीला और दशहरा पूरी भव्यता के साथ मनाया जाता है इस बार मध्यप्रदेश के निवाड़ी जिले के ऐतिहासिक नगर ओरछा में आगामी 6 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के बीच होने वाली बहुचर्चित वर्चुअल रामलीला की तैयारियों के लिए दिल्ली के ली मेरीडियन होटल में बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य विनय सहस्रबुद्धे ने भगवान राम के विश्व व्यापी प्रभावों की चर्चा करते हुए भारत सरकार की संस्था आईसीसीआर द्वारा हर वर्ष वैश्विक रामलीला में विश्व के अनेक देशों द्वारा भाग लेने का संस्मरण सुनाया। उनके अनुसार एक छोटे से समृद्ध लेकिन शत–प्रतिशत मुस्लिम देश बरूनी के प्रतिनिधि मंडल से जब उनके राम से संबंध के बारे में पूछा गया तो उनका उत्तर था, हमने मजहब बदला है, अपने पूर्वजों की संस्कृति नहीं।' सहस्रबुद्धे अपने संस्था के 140 देशों से संबंधों की जानकारी देते हुए इस वैश्विक आयोजन के प्रचार–प्रसार में अपने हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

आयोजक समिति वेद एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. वी.पी. टंडन के अनुसार प्रातः आयोजन समिति के पदाधिकारियों की बैठक में तैयारियों की समीक्षा के पश्चात दिल्ली और एनसीआर के प्रबुद्ध नागरिकों की एक विशेष बैठक में हुई। संस्था के संरक्षक एस. एस. अग्रवाल, आर. जी. अग्रवाल(धानुक), मती विष्णु सुरेखा, विष्णु मित्तल और राकेश बिंदल ने मंचासीन अतिथि को गदा और विशेष अंगवस्त्रम भेंट कर उनका अभिनंदन किया। समिति के चेयरमैन सत्यभूषण जैन द्वारा सभी अतिथियों के स्वागत के पश्चात ओरछा के राजा राम की लीला के स्थानीय संयोजक अमित राय ने मध्यप्रदेश शासन की अनुमति प्राप्त होने तथा अन्य तैयारियों की जानकारी देते हुए बुंदेलखंड की परम्परा के अनुरूप पीले चावल भेंट करते हुए सभी को ओरछा में होने वाले इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के लिए आमंत्रित किया।

आयोजन में सहयोगी पंडित गणेश प्रसाद मिश्रा सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रा ने बुंदेलखंड की समृद्ध परम्पराओं और वहां की ऐतिहासिक – सांस्कृतिक धरोहर से परिचय कराते हुए सभी उपस्थित महानुभवों से इस आयोजन से जुड़ने का आह्वान किया। लीला के निदेशक नितिन बत्रा ने पूरे कार्यक्रम की एक झलक प्रस्तुत की तो प्रचार प्रमुख शशिकांत ने सोशल मीडिया तथा वेबसाइट पर उपलब्ध सामग्री की जानकारी देते हुए विशाल स्क्रीन पर सभी के लिए उसे प्रदर्शित भी किया।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य नागरिकों के सुझाव भी आमंत्रित किये गये। अंत में अध्यक्ष डॉ. वी.पी. टंडन ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए इस बहुचर्चित आयोजन के उद्देश्यों की जानकारी भी दी। उनके अनुसार, 'अयोध्या से रामेश्वर और चित्रकूट से ओरछा तक, देश के हर क्षेत्र में राम की महिमा है। राम भारत के हर व्यक्ति के गुणसूत्र में शामिल है। लेकिन बदलते परिवेश में सिनेमा, टीवी और इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव ने नई पीढ़ी को सांस्कृतिक मूल्यों से विमुख कर दिया है जिससे हमारा समाज अनेक प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है। इसीलिए हमारी संस्था और पंडित गणेश प्रसाद मिश्रा सेवा न्यास ने मिलकर इस वर्चुअल रामलीला को संचार के विभिन्न माध्यमों से पूरे विश्व में प्रचारित– प्रसारित करने का निर्णय लिया। इस दिव्य और भव्य आयोजन में देश के राष्ट्रपति सहित अनेक महत्वपूर्ण विभूतियों ने उपस्थित रहने का वचन दिया है। इससे जहां राम के चरित्र का प्रसार होगा वहीं बुंदेलखंड की तस्वीर भी बदलेगी।

इस आयोजन में अनेक शिक्षा संस्थानों, व्यवसायिक केन्द्रों, औद्योगिक संस्थानों के प्रमुख और चिकित्सा, साहित्य, समाजसेवा तथा प्रशासनिक सेवा से जुड़े अधिकारी भी उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी से मिले कैलाश मासूम और कुमार सानू

– मायापुरी प्रतिनिधि

ग्रेटर नॉएडा में बनने जा रही फ़िल्मसिटी को लेकर कल फ़िल्म लेखक, निर्देशक कैलाश मासूम और प्रसिद्ध गायक कुमार सानू ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ के लोकभवन में मुलाक़ात की !

इस मुलाक़ात में पूर्व क्रिकेटर स्व. चेतन चौहान की पत्नी एवं अमरोहा की विधायिका संगीता चौहान भी मौजूद थी !

कैलाश मासूम और कुमार सानू ने ग्रेटर नॉएडा में बनने जा रही भव्य फ़िल्मसिटी के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया और इस कदम की सराहना भी की !

मुलाक़ात के समय कुमार सानू ने मुख्यमंत्री योगी आदित्य से कहा कि सरकार बहुत अच्छा कार्य कर रही है , गीत संगीत के माध्यम से वो इसे जनता के बीच पहुँचायेंगे!

बतादें कि कैलाश मासूम गांव दयानतपुर, ज़िला गौतमबुद्ध नगर के मूल निवासी हैं और पिछले 19 साल से मुंबई में रहते हैं , उन्होंने अपना फ़िल्मी क़रियर फ़िल्म पीआरओ के रूप में शुरू किया था ! उसके बाद उन्होंने निर्देशन की ट्रेनिंग ली बहुत जल्द उनकी एक कॉमेडी फ़िल्म "घोड़ी पे चढ़के आना" पर्दे पर नज़र आएगी ! कैलाश मासूम भारत सरकार के केंद्रीय फ़िल्म सेंसर बोर्ड में सदस्य भी रहे हैं और रिपब्लिकन फ़िल्म्स एंड टीवी असोसिएशन के जनरल सेक्रेटेरी भी हैं ! फ़िल्म इंडस्ट्री में उनकी अच्छी पकड़ है!

कैलाश मासूम को ऋषि कपूर और जैकी श्रॉफ़ द्वारा 'समाजभूषण' अवॉर्ड, दादासाहेब फाल्के के पौते चंद्रशेखर पुलसकर द्वारा 'लेजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड' महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी द्वारा 'आइकॉनिक महाराष्ट्र सम्मान' केंद्रीयमंत्री रामेश्वर तेली और लोकसभा सांसद सुनीता दुग्गल द्वारा 'बुद्धा पीस अवॉर्डस' जैसे अनेक अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है !

कैलाश मासूम ने कहा कि– ग्रेटर नोएडा में भव्य फ़िल्मसिटी का निर्माण और इंटरनैशनल एयरपोर्ट का निर्माण शुरू कर मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नया इतिहास रचा है, इससे लाखों लोगों का विकास होगा!

उत्तर प्रदेश में फ़िल्म उद्योग तेज़ी से विकास करेगा !

विजय लक्ष्मी भोजपुरी ने तीज के अवसर पर बेहतरीन गाने रिलीज किए

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

पूरे भारत वर्ष में हर सुहागिन द्वारा अपने पति की लंबी आयु और सुख–समृद्धि के लिए किए जाने वाले निर्जला व्रत तीज को खस व महत्वपूर्ण बनाने के मकसद से संगीत कंपनी ''विजय लक्ष्मी भोजपुरी ट्यून '' ने खास तैयारी के तहत एक से बढ़ कर एक तीन तीज स्पेशल गाने रिलीज किए है। विजय लक्ष्मी भोजपुरी ट्यून के यह तीन नए गाने 'तीज व्रत कथा', 'तीज के बरतिया' और 'रखिहे अमर मोर सुहाग' हैं, जो लोगों को खूब पसंद भी आ रहे हैं। तीनों गाने एक दूसरे से अलग हैं, लेकिन फिर भी तीनों गाने लोगों को भक्ति से ओतप्रोत कर देने वाली है।

सामाजिक व पारिवारिक भोजपुरी गीतों को लेकर इन दिनों श्रोताओं के बीच लोकप्रिय हुई म्यूजिक कंपनी विजय लक्ष्मी भोजपुरी ट्यून के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया पहला गाना 'तीज व्रत कथा' तीज के महत्व को बताता है, इसलिए यह गाना लोग खूब सुन भी रहे हैं। 'तीज व्रत कथा' गाने को आनंद मोहन पांडेय ने गाया है। गीतकार अमन अलबेला,संगीतकार लार्ड जी,कैमरामैन रंजीत कुमार सिंह तथा वीडिया में नजर आने वाले कलााकार हैं–आनंद मोहन पांडेय, नेहा सिद्दीकी, ऐश्वर्या झा और निशा तिवारी व अन्य।

तीज के अवसर पर लाा गया 'विजय लक्ष्मी भोजपुरी ट्यून' का दूसरा गाना 'रखिहे अमर मोर सुहाग' है, जिसे अंजली भारती ने गाया है। इस गाने में हरितालिका तीज व्रत को लेकर बाबा भोलनाथ की महिमा की गई है और अपने पति के लिए अमरत्व की कामना की गई है। गाने की धुन बेहद सुरीली है। इस गाने के वीडियो में नेहा सिद्दीकी, ऐश्वर्या झा और इनायत मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं। इसके गीतकार तरूण पांडेय, संगीतकार लॉर्ड जी,कैमरामैन विजय कुमार और एडीटर संतोष यादव हैं, जिन्होंने गाने का फिल्मांकन बेहद जबरदस्त तरीके से किया है।

''विजय लक्ष्मी भोजपुरी ट्यून'' पर रिलीज किया गया तीज का तीसरा तीज स्पेशल भोजपुरी गाना ''तीज के बरतिया' है। हिंदू धर्म में हरतालिका तीज के व्रत का बहुत महत्व है। इस दिन सुहागिनें अपनी पति की लंबी आयु और सुख–समृद्धि के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। इस गाने में यही दिखाया गया है कि कैसी तीज का व्रत करना चाहिए। अमन अलबेला लिखित इस गाने को नीतू श्री ने गाया है। इसके संगीतकार शिशिर पांडेय है। इसके वीडियो में नेहा सिद्दीकी के साथ ऐश्वर्या झा, प्रियंका, कंचन और रूपा सिंह नजर आ रही हैं। कैमरामैन रंजीत कुमार सिंह और नृत्य निर्देशक बब्बू जी हैं।

LEGENDARY SINGER ANURADHA PAUDWAL'S SURYODAY FOUNDATION ALONG WITH LIONS INTERNATIONAL CLUB DONATES A CARDIAC AMBULANCE TO JJ HOSPITAL AND AS A GESTURE PERFORMS FOR THE NGO LIONS INTERNATIONAL CLUB

PIC BY RAKESH DAVE

THE INTERNATIONAL ASSOCIATION OF LIONS CLUBS
DISTRICT 3231-A1 - 2020-2021
Welcomes You To
DISTRICT CABINET MEMBERS AWARDS FUNCTION
DISTRICT CHARITY PROJECT
LION RAJKUMAR GUPTA
Suryodaya Foundation
Giving is the Greatest Act of Grace
LIONS CLUBS INTERNATIONAL
INAUGURATED BY: DISTRICT GOVERNOR- LION RAJKUMAR GUPTA
CARDIAC CARE AMBULANCE

IQBAL KHAN HAS STARTED SHOOTING FOR JALSA, SURESH TRIVENI'S NEXT WITH VIDYA BALAN. THE FILM WHICH IS SLATED FOR A 2022 RELEASE HAS POWERHOUSE PERFORMERS LIKE SHEFALI SHAH AND ROHINI HATTANGADI.

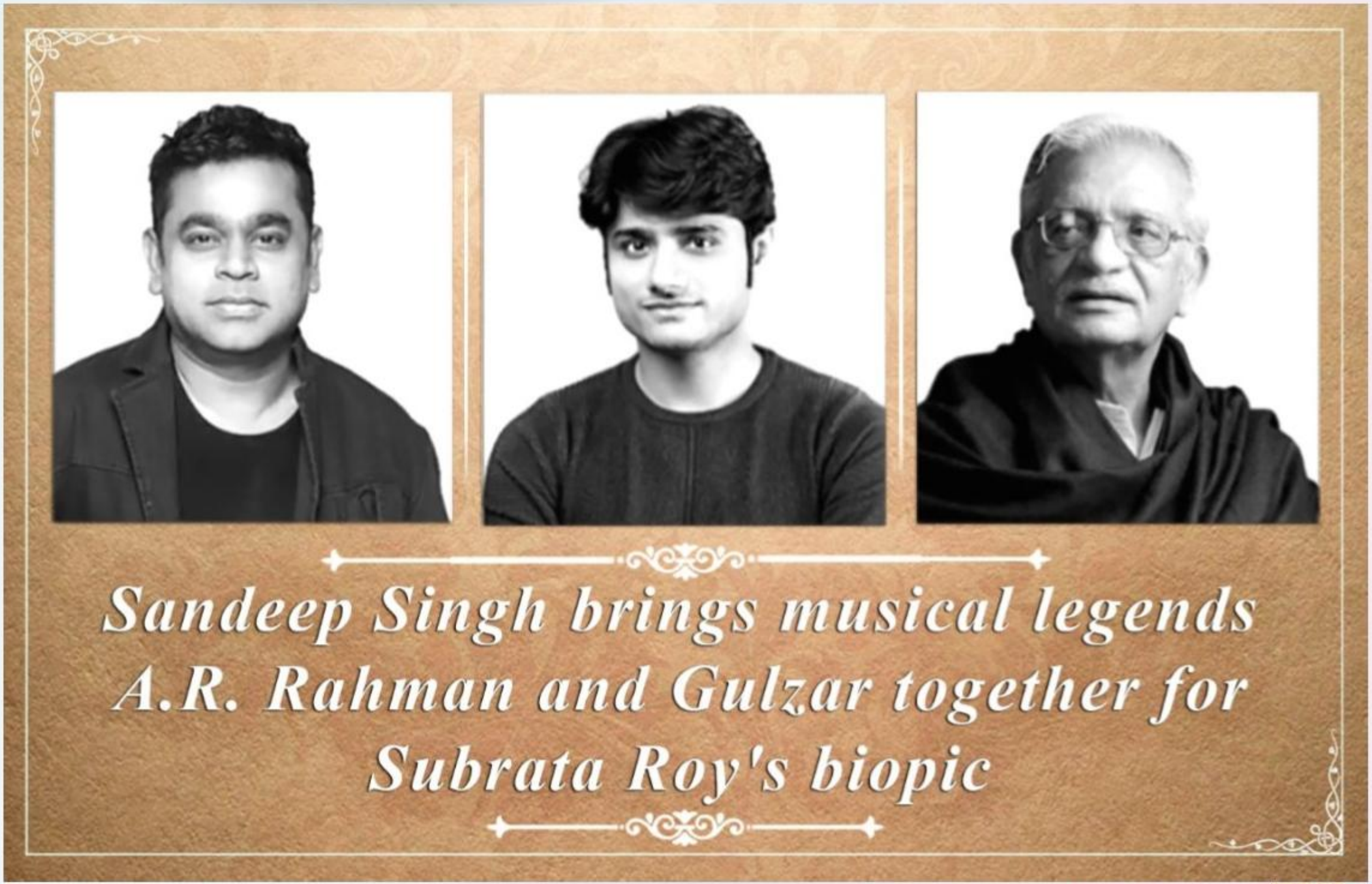

Sandeep Singh brings musical legends A.R. Rahman and Gulzar together for Subrata Roy's biopic

METRE DOWN
HAI TAUBBA
CHAPTER 3

SPLITSVILLA FAME ARSHIYA ARSHI TO ROMANCE POULOMI DAS IN ALTBALAJI'S EXCLUSIVE HAI TAUBBA 3

Ibaadat
Ban Gaye Ho
FEATURING ARJUN BIJLANI & SMITA DAHAL
PROJECT BY PUNAM YADAV

RAJIV S RUIA FEELS GRATEFUL TO PUNAM YADAV JI FOR MAKING THE IBAADAT BAN GAYE HO SONG AND REUNITING HIM WITH ACTOR ARJUN BIJLANI

aye mere dil

AMRITA NAYAK'S 'AYE MERE DIL' IS A POWERFUL MUSIC VIDEO ON ACCEPTANCE AND LOVE

27TH LIONS GOLD AWARDS (2021)PRESENTED BY TRANSCON DEVELOPERS SPEARHEADED BY DR. RAJU MANWANI AT THE RAJ BHAVAN BY THE HON'BLE GOVERNOR SH.BHAGAT SINGH KOSHIYAR INBOX

Dr. Raju Manwani, Bhagat Singh Koshyari, Governor of Maharashtra Shri.Indresh Kumar

Anuradha Paudwal Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar And Mr. Rohit Goradia

Kumar Sanu Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar, Mr. Rohit Goradia and Dr. Raju Manwani

Elli Evrram Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar And Mr. Rohit Goradia

Zoya Hussain Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar And Mr. Rohit Goradia

. Krishna Shroff Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar, Mr. Rohit Goradia and Dr. Raju Manwani

Bobby Deol Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar And Mr. Rohit Goradia

Divya Kumar Khosla Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar And Mr. Rohit Goradia

Gurmeet Chaudhary Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar And Mr. Rohit Goradia

Debina Bonerjee Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar And Mr. Rohit Goradia

Akshita Mudgal Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar and Mr. Rohit Goradia

Dr. Aneel Kashi Murarka Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar And Mr. Rohit Goradia

Rajat Verma Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar, Mr. Rohit Goradia Dr. Raju Manwani

Abha Parmar Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar, Mr. Rohit Goradia and Dr. Raju Manwani

Nadeem Akhtar Being Awarded By Hon. Bhagat Singh Koshyari, Shri. Indresh Kumar And Mr. Rohit Goradia

Mr. Rohit Goradia, Dr. Raju Manwani and Kumar Sanu

सुलेना मजुमदार अरोरा

युवा पीढ़ी के नायक अंशुमन झा की कामयाबी पर दोहरा जश्न

मिडनाइट दिल्ली और हम भी अकेले तुम भी अकेले ने प्रतिष्ठित IIFB 2021 में स्थान हासिल किया

ऐसा कम ही होता है कि किसी फिल्म को दुनिया भर में रिलीज होने के बाद क्लोसज़िंग नाइट फिल्म के रूप में आमंत्रित किया जाता है। लेकिन 'हम भी अकेले, तुम भी अकेले' को बोस्टन में बड़े पर्दे पर 26 सितंबर को आईआईएफएफबी 2021 (IIFB 2021) में क्लोज़िंग नाइट पिक्चर के रूप में दिखाया जाएगा।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी अंशुमान झा अपने बोल्ड सिनेमाई विकल्पों के लिए जाने जाते हैं। उनकी अगली रिलीज़ 'मिडनाइट दिल्ली' जो एक साल से अधिक समय से सेंसर के साथ फँसी हुई थी, ने प्रतिष्ठित आईआईएफएफबी (IIFFB) और शिकागो साउथ एशियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में स्थान हासिल किया है। फिल्म इस महीने के अंत में इन दोनों फिल्म फेस्टिवल्स में होने वाली प्रतियोगिता का हिस्सा होगी। राकेश रावत द्वारा निर्देशित, यह फिल्म दिल्ली के कुख्यात सीरियल किलर की वास्तविक जीवन की अपराध कथा है, जो निर्दोष लोगों पर उनके मुंह में ब्लेड से हमला करता था और बाद में उसे उसके अपराधों के लिए गिरफ्तार कर लिया गया था। अंशुमन ने इस भूमिका के लिए काफी खोजबीन और तैयारी की है।

अंशुमन की फिल्में अमेरिका में फेस्टिवल की होड़ में हैं। उनकी पिछली रिलीज 'हम भी अकेले तुम भी अकेले' को, आईआईएफएफबी (IIFFB½ बोस्टन 2021 के लिए चुना गया है। फिल्म 26 सितंबर को फेस्टिवल की समापन रात में प्रदर्शित की जाएगी। यह एक दुर्लभ उपलब्धि है क्योंकि रिलीज के बाद बहुत कम फिल्मों का आधिकारिक चयन होता है। लेकिन फिल्म सामाजिक रूप से प्रासंगिक कॉन्टेंट और एलजीबीटीक्यू (LGBTQ) पात्रों के संवेदनशील चित्रण के कारण ऐसा करने में सफल रही है। अंशुमन अपनी दोनों फिल्मों का प्रतिनिधित्व करने के लिए बोस्टन जाने वाले हैं।

इस फिल्म पर अंशुमान झा कहते हैं, 'मिडनाइट दिल्ली' एक खास फिल्म है। दिल्ली में यह एक रात की कहानी है। यह किरदार 'ब्लेडमैन', मुझे कुछ अंधेरी जगहों पर ले गया। फिल्म को एक मंच देने के लिए मैं

आईआईएफएफबी (IIFFB) और सीएसएआईएफएफ (CSAIFF) का आभारी हूं। जहां तक 'हम भी अकेले, तुम भी अकेले' का सवाल है, मुझे खुशी है कि यह 'बोस्टन' में बड़े पर्दे पर प्रदर्शित होगी, जिसका ओरिजनली यही मकसद था। आशा है कि बोस्टन में एलजीबीटीक्यू स्ळठज्फ समुदाय इसे उसी प्यार के साथ प्रदर्शित करेगा जैसा कि ओटीटी पर 10 मिलियन से अधिक दर्शकों का प्यार मिला है।

CRICKETER VIPUL NARIGARA TO ENTER INTO THE WORLD OF CINEMA WITH PRIYANKA RAINA

KC BOKADIA

RN Events
Congratulates To Legend Producer Director
SHRI KC BOKADIA JI

For Completing 50 Years In Film Industry And
Successfully Releasing 60 Movies With
All Big Stars The Show Must Go On

RN
EVENTS & CELEBRITY MANAGEMENT
@rnevents.in www.rnevents.in

vocal music
Bhakti · Bhojpuri · Hindi · Punjabi

Real Advertising Pvt. Ltd.
Tv & FM Media Planning

चर्चाओं के बीच :-अभिनेता शांतनु भामारे

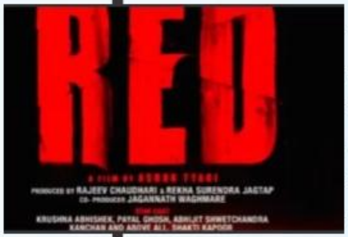
RED
PRODUCED BY RAJEEV CHAUDHARI & REKHA SURENDRA JAGTAP
CO-PRODUCER JAGANNATH WAGHMARE
KRUSHNA ABHISHEK, PAYAL GHOSH, ABHIJIT SHWETCHANDRA
KANCHAN AND ARIVE ALI, SHAKTI KAPOOR

फिल्म निर्देशक अशोक त्यागी की फिल्म 'रेड' में जेलर की भूमिका निभाने के बाद से अभिनेता शांतनु भामारे इन दिनों काफी चर्चा में हैं। बहु–प्रतिभाशाली व्यक्तित्व के धनी शांतनु भामारे सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में भी विख्यात हैं। कृष्ण अभिषेक, पायल घोष, कमलेश सावंत और शक्ति कपूर अभिनीत म्यूजिकल, रोमांटिक, सस्पेंस और थ्रिलर फिल्म 'रेड' अभिनेता शांतनु भामारे के लिए टर्निंग पॉइंट साबित होगी ऐसी उम्मीद की जा रही है। सह–निर्माता और एक अभिनेता के रूप में थ्रिलर फिल्म 'रेड' की यूनिट में शामिल होने का श्रेय शांतनु अपने मित्र निर्माता निर्देशक राजीव चौधरी (फेम 'बेईमान लव') को देते हैं। फिलवक्त

शांतनु भामारे अपने दोस्त राजीव चौधरी के साथ अपनी भविष्य की फिल्म परियोजनाओं में भी आम लीक से थोड़ा अलग हट कर काम करना चाहते हैं।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

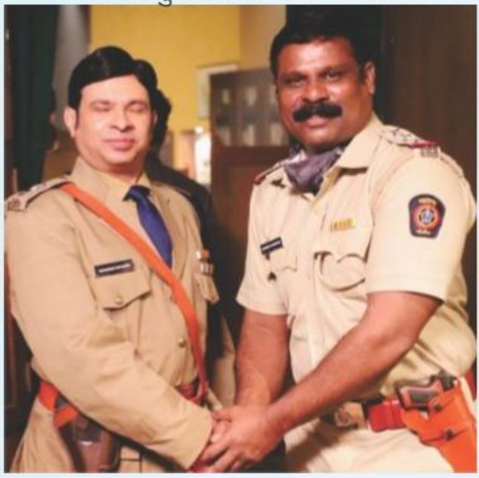

अली पीटर जॉन

चिमनकांत गांधी- क्या महबूब खान इस गांधी के बिना मदर इंडिया बना सकते थे?

मैंने कभी भगवान से पूछना बंद नहीं किया, कि वह मेरे प्रति इतना दयालु क्यों रहे है, और जब भी मैंने यह पूछने की कोशिश की है, भगवान बस मुझे ऐसे देखते है, जैसे कि मैं एक बेवकूफ था, और वह मुझे अपनी सबसे अच्छी, सौम्य मुस्कान देते है, और फिर मुझसे अपना अगला सवाल पूछने के लिए कहते है। मैंने खुद से यह पूछने की कोशिश की है कि मेरे जीवन में कुछ सबसे अच्छे लोग क्यों आए हैं और मुझे जवाब खोजने में बहुत मुश्किल हुई है। कभी–कभी जब मैं बिल्कुल अकेला होता हूं, तो मैं अपनी मां से बात करता हूं और उनसे पूछता हूं, कि क्या उन्होंने कभी मेरे लिए प्रार्थना की थी, कि मैं आज क्या हूं और मैं अपनी प्यारी माँ को अपने बाएँ गाल पर थपथपाते हुए महसूस कर सकता हूँ, जहाँ मेरे पास एक प्रमुख तिल है जिसे वह मेरी सुंदरता का चिन्ह कहती थी, और कहा था' अगर मैंने किसी के लिए प्रार्थना की है, तो मेरे बेटे, यह तुम ही हो'!

और अगर कोई एक चीज है जिसपर मैं वास्तव में विश्वास नहीं कर सकता हूं, तो यह सबसे असामान्य मनुष्यों में से कुछ को आकर्षित करने की मेरी अलौकिक क्षमता है और मुझे अक्सर आश्चर्य होता है कि इन अद्भुत लोगों के बिना मेरा जीवन क्या होता और यह मेरे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन जाता।

मैं दूसरे 'स्क्रीन' अवॉर्ड्स के शुरुआती चरणों की योजना बना रहा था, जिसमें उनके लिए जूरी और स्क्रीनिंग फिल्में बनाना शामिल था। **सुनील दत्त** के स्वामित्व वाले अजंता मिनी थियेटर में स्क्रीनिंग की व्यवस्था की गई थी, जो एक सहयोगी या एक मित्र से अधिक एक संरक्षक बन गए थे। मैंने स्क्रीनिंग की व्यवस्था की जिम्मेदारी ली थी, और मेरे प्रबंधन ने मेरे लिए स्क्रीनिंग के लिए सब कुछ छोड़ दिया था। मैंने दत्त साहब से पूछा कि क्या हम उनकी थिएटर स्क्रीनिंग के लिए हो सकते हैं और एक पल के लिए भी उन्होंने बिना सोचे–समझे कहा, **"जनाब, अली साहब ये थिएटर आपका ही तो है, अगर कुछ और जरुरत है तो बताओ, मैं अगर नहीं भी रहा यहाँ, गाँधी साहब सब देख लेंगे"** मैंने पहली बार दत्त साहब से गांधी का नाम सुना था। फिर उन्होंने 'गांधी' साहब के लिए भेजा और मैं पहली बार एक बूढ़े व्यक्ति से मिला, जिसके सभी बाल भूरे थे, और उनकी गर्दन पर एक मफलर लिपटा था। वे बहुत एक्टिव थे और जब दत्त साहब ने उन्हें मेरा नाम बताया, तो उन्होंने कहा, **"अली साहब को कौन नहीं जानता?** मैं तो कब से इनके लिखे हुए आर्टिकल्स पढ़ रहा हूँ और इनका जो कोलम है 'अली के नोट्स' वो तो हर इंडस्ट्री वाला पढ़ता है" मैं पहली बार **श्री चिमनकांत गांधी** से मिला था, जो अपने अस्सी के दशक में थे, लेकिन ट्रेन से बांद्रा, पाली हिल, जहां वे मरीन ड्राइव में अकेले

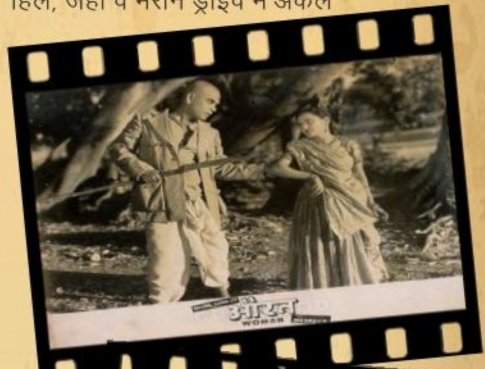

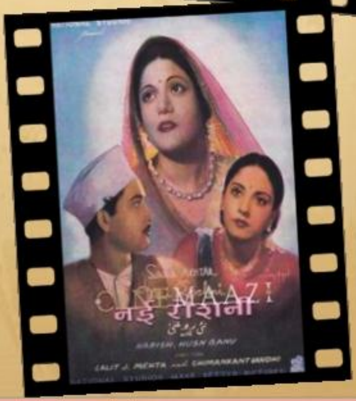

रहते थे, जहां वे **कपूर महल** नामक एक इमारत में एक समुद्र के सामने वाले अपार्टमेंट में रहते थे। जो मुझे बताया गया था वह महबूब खान द्वारा दिया गया था।

स्क्रीनिंग पंद्रह दिनों से अधिक समय तक जारी रही और मुझे सभी दिनों में उपस्थित रहना था, क्योंकि सभी जूरी सदस्यों का अनुरोध था। नियमों के अनुसार, मुझे जूरी के साथ नहीं बैठना था, जबकि जूरी के लिए स्क्रीनिंग आयोजित की गई थी। और मुझे **सुनील दत्त** और **नरगिस दत्त** के बंगले के परिसर में समय बिताना था। मुझे श्रीगांधी में एक नया दोस्त मिला और मैंने दूसरे दिन के बाद उन्हें खोज लिया।

गांधी उन दिनों से **महबूब खान** के बेहद करीबी थे, जब महबूब खान एक जूनियर कलाकार और लड़ाकू थे, जो घोड़ों के साथ काम करने वाले परिवार से ताल्लुक रखते थे। गांधी ने महबूब खान के उदय को देखा था, जो एक अनपढ़ आदमी थे, 'लेकिन एक अलौकिक दिमाग वाला व्यक्ति'।

गांधी महबूब खान के मुख्य सहायक निर्देशक थे, जब महबूब ने अपनी पहली फिल्म, **'जजमेंट ऑफ अल्लाह'** और उसके बाद महबूब द्वारा निर्देशित सभी बाद की फिल्मों में काम किया। इस समय के दौरान, गांधी ने **'डेक्कन एक्सप्रेस'** का निर्देशन किया था। गांधी ने महबूब की सहायता भी की थी जब उन्होंने **'औरत'** फिल्म बनाई थी, जो कि वह फिल्म थी जिसने महबूब को **'मदर इंडिया'** बनाने के लिए प्रेरित किया था।

महबूब ने 'मदर इंडिया' की शीर्षक भूमिका में नरगिस को कास्ट करने पर सनसनी मचा दी थी। नरगिस को आर.के.फिल्म्स की 'घर की हीरोइन' माना जाता था, एक बैनर जिसके तहत उन्होंने राज कपूर के साथ कई फिल्में अपने नायक के रूप में की थी। नरगिस की कास्टिंग ने सचमुच राज कपूर का दिल तोड़ दिया और 'मदर इंडिया' नरगिस की आखिरी फिल्म थी, जो कुछ साल बाद **'रात और दिन'** में वह आई, जिसमें उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई और फिल्म एक अभिनेत्री के रूप में यह उनकी विदाई फिल्म बन गई।

महबूब चाहते थे, कि अभिनेता नरगिस के पति की भूमिका निभाएं और युवा अभिनेता अपने बेटों को निभाने के लिए और उन्होंने अभिनेताओं को गांधी को खोजने की जिम्मेदारी दी। नतीजा यह हुआ कि गांधी ने तीन नए कलाकारों का चयन किया, **राज कुमार** को पति का किरदार निभाने के लिए, **सुनील दत्त** के बेटे का किरदार निभाने के लिए भटक गए और **राजेंद्र कुमार** जो विभाजन के शिकार थे, और जो गांधी बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास मरीना गेस्ट हाउस में मिले थे। **गाँधी कन्हैयालाल** के लिए भी जिम्मेदार थे, जो एक दुष्ट अभिनेता का किरदार निभाते थे। और महबूब ने कभी भी भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक प्रमुख मील का पत्थर **'मदर इंडिया'** बनाने में **चिमनकांत गांधी** के योगदान को स्वीकार करने का कोई अवसर नहीं खोया।

गांधी के साथ बिताए गए दिनों के दौरान (मैं उन्हें गांधीजी कहता था

और वह अपने हाथों को मिलाता था और अपने दोनों कानों को छूते थे), उन्होंने मुझे गुजरात में बिलिमोरा नामक गाँव में 'मदर इंडिया' की शूटिंग के बारे में आँखोंदेखी गवाहियाँ सुनाईं, जो महबूब खान का मूल निवास था। उन्होंने इस बारे में बात की कि महबूब ने अपने अभिनेताओं को किस तरह की भूमिकाएं निभानी थी। उन्होंने यह भी याद किया कि महबूब किस तरह अपने अभिनेताओं को 'ज्वार की बखरी, कांदा और एक बड़ी हरि मिर्च' के मितव्ययी दोपहर के भोजन पर रहते थे। वह एक भावनात्मक फ्लैश बैक में चले गए जब उन्होंने शूटिंग के दौरान आग की कहानी सुनाई जिसमें नरगिस घिर गई थी, और वह जलकर मर सकती थी, और कैसे युवा और संघर्षशील अभिनेता **सुनील दत्त** आग की लपटों में कूद गए और नरगिस को अपनी बाहों में ले लिया और कैसे वह एक दृश्य न केवल फिल्म का एक आकर्षण बन गया, बल्कि सुनील दत्त और नरगिस के बीच वहां से प्यार हो गया और शादी हो गई, एक शादी गांधी को आमंत्रित किए जाने वाले कुछ मेहमानों में से एक थी।

गांधी ने भावनात्मक रूप से भी याद किया कि कैसे महबूब खान **पंडित जवाहरलाल नेहरू** के महान प्रशंसक थे। और जब 27 मई, 1964 को नेहरू का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया और महबूब को 'पंडितजी' की मृत्यु की खबर मिली, तो वह दंग रह गए और उन्होंने केवल एक लाइन कही 'अब हम जीकर क्या करेंगे'। और अगले ही दिन महबूब खान, एक महान फिल्म निर्माता और अग्रणी इन्सान का भी दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। जब भी महान भारतीय फिल्मों को याद किया जाता है तो एक शानदार कहानी का अंत हो जाता है।

महबूब की मृत्यु के बाद गांधी बुरे दिनों से घिर गए थे। और सुनील दत्त एक बहुत बड़े स्टार, फिल्म निर्माता और जनता क बड़े नेता बन गए थे। उन्होंने अपने बंगले के परिसर में अपनी रिकॉर्डिंग और साउंड स्टूडियो भी बनाया था। उन्हें अपने स्टूडियो की देखभाल के लिए किसी पर भरोसा करने की आवश्यकता थी और उस व्यक्ति की तलाश उन व्यक्ति के साथ समाप्त हो गई जिसने अपने करियर के शुरुआती वर्षों में उनकी मदद की थी, चिमनकांत गांधी, वह आदमी जिसका उन्होंने सम्मान किया और बहुत अंत तक सभी को सम्मान देना सिखाया।

अब, सुनील दत्त चले गए, नरगिस उनसे बहुत पहले निकल गईं, गांधी भी चले गए, बंगले की उस जगह जहां दत्त रहते थे, 'इंपीरियल हाइट्स' नामक मल्टीस्टोरी बिल्डिंगों में आ गए और अजंता स्टूडियो किसी अज्ञात स्थान पर गायब हो गया हैं। पीछे छोड़ दिया एकमात्र खजाना हजारों यादें हैं और मेरी यादों का एक बहुत ही सरल लेकिन स्टर्लिंग गुणों का आदमी है जो हमारे जीवन और समय से बाहर चले गए हैं, श्री चिमनकांत गांधी।

अनु–छवि शर्मा

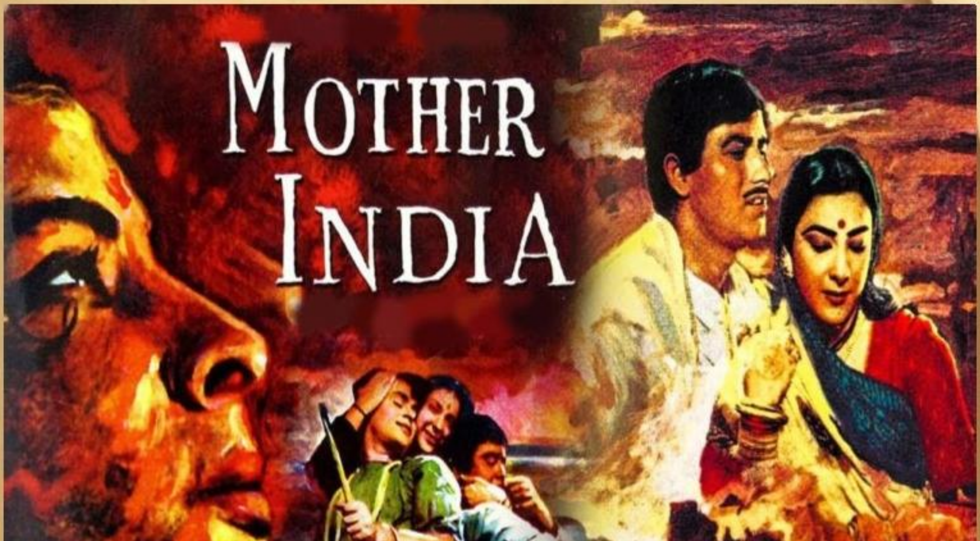

PUNJABI ACTRESS SIDHIKA SHARMA SHARES FITNESS MANTRA, KNOW WHAT'S THE SECRET BEHIND HER FIT BODY

Calvin Klein
VIJAY POWAR
PHOTOGRAPHY

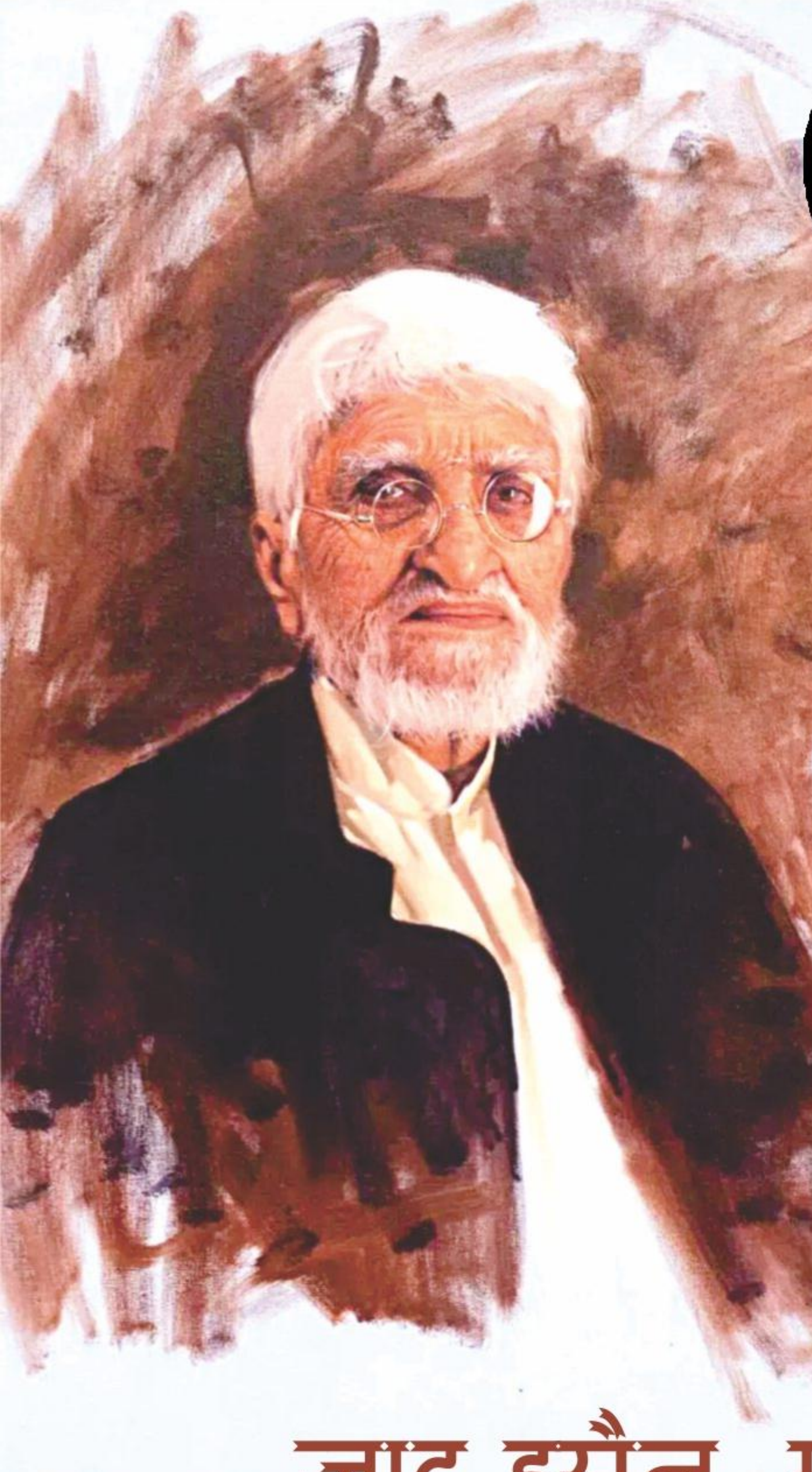

जादू हुसैन, माधुरी, और यश चोपड़ा का..

—अली पीटर जॉन

कॉलेज के छात्रों द्वारा आयोजित एक समारोह में **नसीरुद्दीन शाह**, मेरे अच्छे दोस्त और एक महान अभिनेता ने इसके बारे में बात की थी, जिसके लिए मैंने उन्हें छात्रों से बात करने के लिए आमंत्रित किया था, तब तक मैंने कभी नहीं सुना था कि **"जब ब्रह्मांड की साजिश है"**। मैं अभी भी नियति, भाग्य या भाग्य जैसी ताकतों के बारे में एक दुविधा के नुकीले और तीखे सींग पर हूँ, लेकिन जब मैं अपने पसंदीदा कैफे–कैफे मुल्ता में अपने आरामदायक कोने में बैठता हूं और चाय के प्याले पर अपने लंबे जीवन के बारे में सोचता हूं, तो मुझे आश्चर्य होता है कि, क्या मेरा जीवन ब्रह्मांड की साजिश और भाग्य नामक रहस्यमय ताकतों का परिणाम नहीं है। और जितना अधिक मैं सोचता हूं, उतना ही मुझे विश्वास होता है कि, मैं इन ताकतों का परिणाम या शिकार हूं। आइए आपको बताते हैं मशहूर चित्रकार **मकबूल फिदा हुसैन** और मेरी...

मुझे नहीं पता कि, मुझे उसकी ओर क्या आकर्षित किया जब मैं चर्चगेट की यात्रा करने में सक्षम नहीं था और लगभग हर दोपहर बिना टिकट यात्रा करने का जोखिम उठाना पड़ा, केवल फ्लोरा फाउंटेन (जिसे अभी भी फ्लोरा फाउंटेन कहा जाता है) पर हुसैन का अनुसरण करने के लिए, हिंदू धर्म की ताकतों और अन्य ताकतों के बावजूद इसे हुतात्मा चौक नाम दिया गया है)! उसके आस–पास क्या हो रहा था, इसकी परवाह किए बिना धूप की तपिश में नंगे पैर चलते हुए उनकी एक झलक पाने के लिए। महीनों तक, मैं एक बुरी परछाई की तरह उसका पीछा करता रहा, यहाँ तक कि उन्हें चाहने की भी कोशिश नहीं की, उनसे बात करना भूल गया। मैं, महान गाँव का कद्दू कभी सपने में भी नहीं सोच सकता था कि, मैं एक दिन न केवल उनकी इच्छा करूँगा, उसके साथ चलूँगा, उनके साथ बात करूँगा और उनके द्वारा अपने ही एक के रूप में स्वीकार किया जाएगा, कुछ हफ्ते पहले उन्हें अच्छे के लिए भारत छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। किसी जंगली राजनीतिक दल द्वारा, उन्होंने मुझे मेरा सबसे बड़ा उपहार दिया जब उन्होंने **देव आनंद** की तरह मुझे अपना बेटा कहा!

यह सब जहाँगीर आर्ट गैलरी में कुछ आकस्मिक बैठकों के साथ शुरू हुआ, जहाँ मैं केवल इसलिए गया क्योंकि समोवर नामक कैंटीन थी जहाँ मेरे एक चाचा का वेटर था और मालिक, **श्रीमती खन्ना** एक दोस्त थीं क्योंकि वह एक फिल्म निर्माता की पत्नी थीं। **राजबंस खन्ना**, जो अपने कम्युनिस्ट झुकाव के लिए जाने जाते थे और जिन्हें बाद में मुझे मेरे गुरु के **ए. अब्बास** के पड़ोसी के रूप में जाने जाते थे, फिलोमेना कॉटेज में जो अब फिलोमेना अपार्टमेंट है और जेडब्ल्यू मैरियट होटल के सामने खड़ा है।

मैंने समोवर में उनके साथ चाय का पहला कप

लिया था, जहां मुझे बताया गया था कि उनकी चाय विशेष रूप से उनके निर्देशों के अनुसार चाय की पत्तियों की संख्या, चीनी के चम्मच और उनके द्वारा अनुमोदित दूध की मात्रा के साथ तैयार की गई थी। मुझे नहीं पता था कि, चाय के लिए उनका प्यार किसी दिन हमारे आम जुनून में से एक होगा ...

हमारी असली मुलाकात तब शुरू हुई जब उन्होंने बॉम्बे के लिबर्टी सिनेमा में **माधुरी दीक्षित** की फिल्म, HAHK को नब्बे से अधिक बार एक ही कुर्सी पर बैठे देखा! वह 80 के दशक के शुरुआती दिनों में था और उन्होंने अपने **सफेद पतलून और सफेद शर्ट** से पूरी तरह से कपड़े पहनने का तरीका बदल दिया था, उन्होंने कुछ सबसे रंगीन कपड़े पहनना शुरू कर दिया था और एक अवसर पर जहां माधुरी को उनके द्वारा किए गए सभी चित्रों से सम्मानित किया जा रहा था।, उन्होंने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया जब उन्होंने काउबॉय बूट्स और एक काउबॉय टोपी के साथ एक पूर्ण चमड़े का काला पोशाक पहना था और उन्होंने मुझे बताया कि, यह केवल माधुरी को प्रभावित करने के लिए था क्योंकि वह उससे अपने तरीके से प्यार करते थे, न कि तरीकों के अनुसार दुनिया के! उन्होंने माधुरी और उसके परिवार के साथ दोस्ती की थी और ऐसे दिन थे जब उन्होंने अपनी पसंदीदा बिरयानी तैयार की और उसे अपनी ब्लैक मर्सिडीज में ले जाकर आइरिस पार्क तक ले गए जहां माधुरी रहती थी!

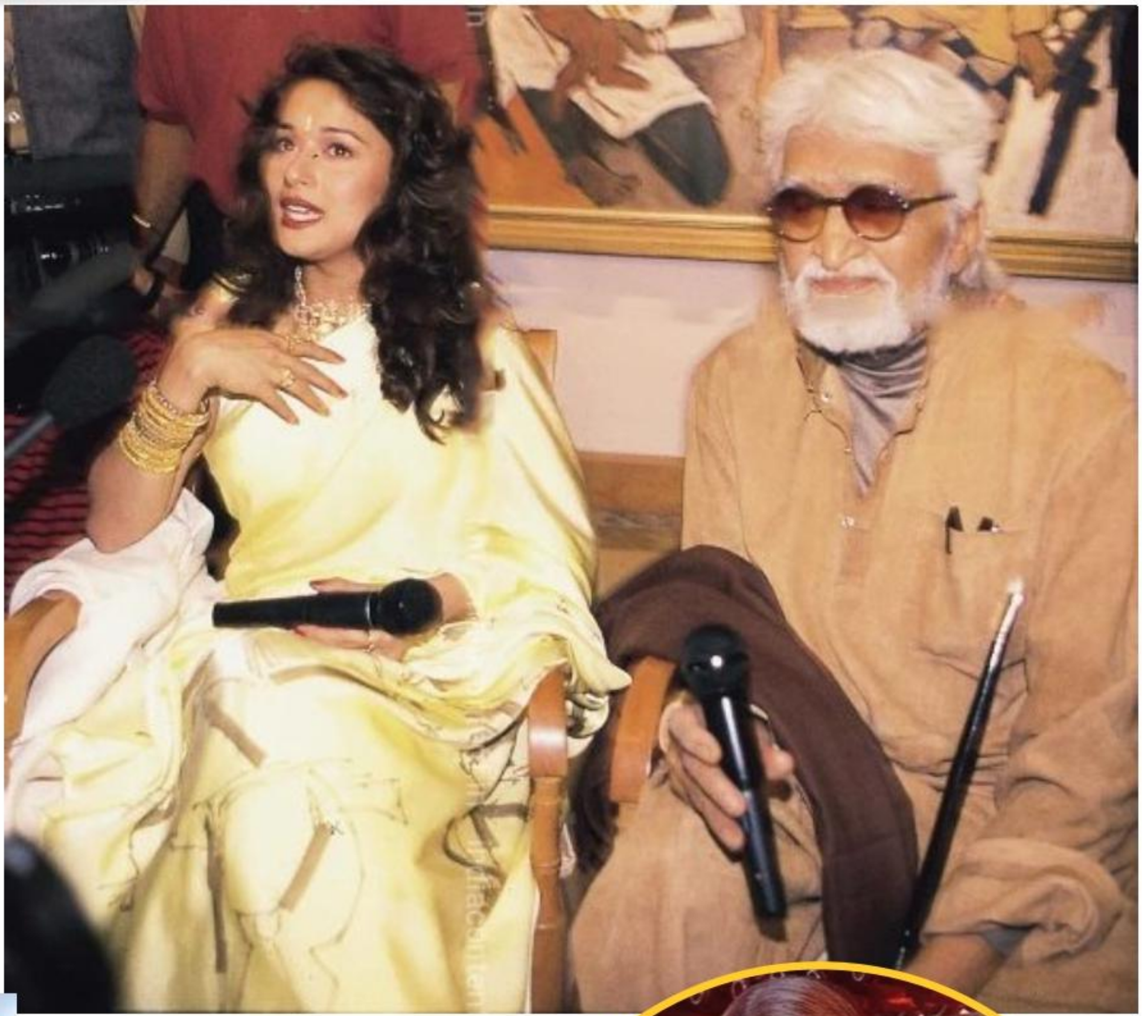

माधुरी के लिए उनके प्यार ने उन्हें एक विशेष उपस्थिति बना दी और **मोहब्बत** नामक एक बी ग्रेड फिल्म में खुद की भूमिका निभाई और यही वह समय था जब हमारी दोस्ती मजबूत हुई और मैं अब हर घटना, प्रदर्शनी, समारोह और उत्सव का हिस्सा था जिससे वह जुड़े थे।

यह वह समय भी था जब उन्होंने अपनी खुद की फिल्में बनाने का फैसला किया और माधुरी के साथ **"गज गामिनी"** और **तब्बू** के साथ **"मीनाक्षी"** दो शहरों की कहानी बनाई। उनके सिनेमैटोग्राफर के रूप में उनके पास सैंटोस सिवन थे, जिन्हें उन्होंने उन दिनों के दौरान किसी भी स्टार से अधिक भुगतान किया था, जैसा कि वे चाहते थे, दृश्यों को पकड़ने के लिए। वह तीन बहनों, एक अंधी, एक बहरी और एक गूंगी और यहां तक कि भुगतान वाली अभिनेत्रियों जैसे **अमृता अरोड़ा और सोनाली कुलकर्णी** के बारे में भी एक फिल्म बनाना चाहते थे, जिस तरह की बड़ी अभिनेत्रियों को न केवल साइनिंग राशि के रूप में भुगतान किया जाता था, बल्कि वह नहीं कर सकते थे फिल्म उनके देश छोड़ने के कारण।

हम दिल्ली से वापस आने वाली एक फ्लाइट में थे जहाँ उनकी एक और माधुरी दीक्षित प्रदर्शनी थी और हमारी बातचीत के दौरान कहीं उन्होंने **यश चोपड़ा** से संबंधित **यश राज स्टूडियो** के बारे में बात की और कहा कि भारतीय सिनेमा के इतिहास के अपने संस्करण को चित्रित करना उनका सपना था! स्टूडियो की दीवारों में से एक जिसे वह जानते थे वह खाली थी। उन्होंने मुझसे पूछा कि, क्या मैं यश से उनकी महत्वाकांक्षा के बारे में बात कर सकता हूं। मैंने किया और यश चोपड़ा इस विचार से खुशी से झूम उठे! मुझे दो महानुभावों के मिलन की व्यवस्था करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

हुसैन ने दीवार की पेंटिंग के लिए सारा पैसा खर्च करने के लिए बहुत दृढ़ संकल्प किया था क्योंकि उन्हें केवल उस तरह के पेंट प्राप्त करने होंगे जो वह जानते थे और जहां से वह उन्हें प्राप्त कर

सकते थे। उन्होंने **यश चोपड़ा** से केवल एक ही चीज मांगी थी कि उन्हें स्टूडियो के बाहर एक तरह का टेंट बनाने की अनुमति दी जाए, जहां उनके पास अपना वर्क स्टेशन हो! हालांकि, जब यश ने मुझसे कार्य केंद्र देखने के लिए आमंत्रित करने के लिए कहा, तो हुसैन ने बेहद निराशा व्यक्त की और इसे ध्वस्त करना पड़ा। उन्होंने दीवार को अपनी इच्छानुसार रंगने का फैसला किया!

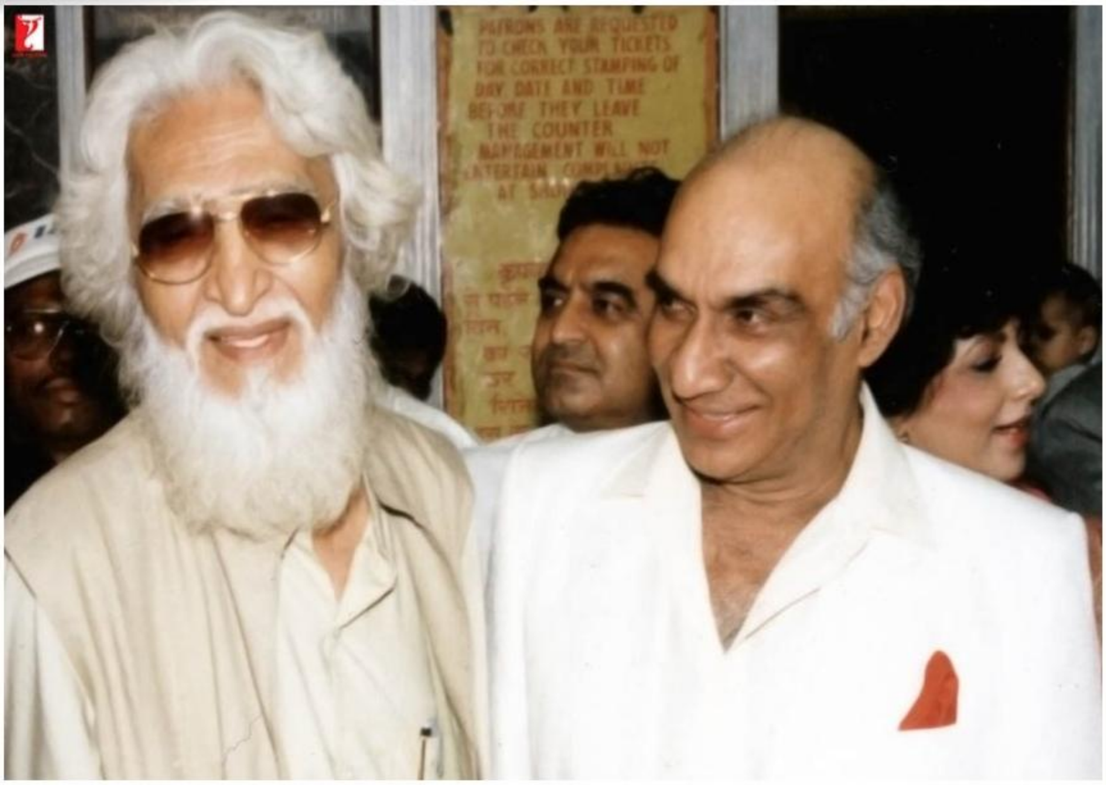

दोपहर को उन्हें दीवार पर पेंटिंग शुरू करनी थी, यश की पत्नी, पैम, उनके दाहिने हाथ वाले महेन वकील, हुसैन की बेटियां और उनके बेटे और मैं ही उन्हें पेंटिंग देखने के लिए आमंत्रित किया गया था। हुसैन ने दीवार के शीर्ष तक पहुंचने के लिए लकड़ी की एक साठ फीट लंबी सीढ़ी मांगी और यश जो आमतौर पर बहुत आसानी से घबरा जाते थे, मेरे पास आये और कहा, **"अरे, ये क्या कर रहे हैं हुसैन साहब इस उम्र में! अगर कुछ होगा तो मैं बहुत बदनाम हो जाऊंगा और जिंदगी भर दोषी महसूस करुंगा'**! और उनका परिवार भी उतना ही घबराया हुआ था, लेकिन वह पेंट और ब्रश के साथ सीढ़ी पर चढ़ गये और कुछ ही मिनटों में शीर्ष पर पहुंच गये और भगवान गणेश की एक तस्वीर चित्रित की और वह दीवार को पेंट करने की शुरुआत का निशान था जो अभी भी खड़ा है और **यशराज स्टूडियोज** में हमेशा गौरव के स्थान के रूप में खड़ा रहेगा!

यह एक बार के गाँव के कद्दू के लिए एक महान क्षण था, जब उन दोनों ने मुझे बहुत धन्यवाद दिया और मेरी आँखों में खुशी के आँसू थे!

वह अब **यश चोपड़ा** का बहुत अच्छा दोस्त बन गये थे और जैसा कि उनका जीवन था, वह किसी भी घर या कार्यालय में चला गया जिसे वह जानते थे और एक दोपहर, वह यश चोपड़ा के कार्यालय में उतरा जो उस समय जुहू समुद्र तट के पास विकास पार्क में था!

यश अपने कार्यालय में नहीं थे और हुसैन ने मुझे कार्यालय में शामिल होने के लिए बुलाया। कर्मचारियों ने इसे बहुत अच्छा मेजबान माना और सबसे महंगी कटलरी वाली चांदी की ट्रे पर अपनी चाय परोसी। उन्होंने एक बार चाय की चुस्की ली और उठ खड़े हुए और कहा, **"बकवास चाय बनायी है, चलो अली"** और हम ऑफिस से निकल गए! वह अब चाय की तलाश में एक जंगली शिकार पर थे, जिस तरह से वह चाहते थे। वह **नादिरा बब्बर** के बंगले पर पहुँचे जहाँ उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी इच्छानुसार चाय मिल सकती है लेकिन **नादिरा** अपने बंगले के गेट पर रिहर्सल के लिए जाने का इंतज़ार कर रही थीं। इसके बाद वह **जावेद अख्तर** और **शबाना आजमी** के घर पहुंचे और बताया गया कि वे दिल्ली गए हैं!

उन्होंने मुझे अपनी कार में बैठने के लिए कहा और बस अपने ड्राइवर, **मोहम्मद** को बताया, जो उनके साथ 40 से अधिक वर्षों से काम कर रहा था और उनकी सनक और शौक के बारे में सब कुछ जानता था और उन्होंने उसे अपने पसंदीदा स्थान पर ले जाने के लिए कहा। जब तक हम घरेलू हवाई अड्डे तक नहीं पहुँचे, तब तक पूरे रास्ते में मौन रहा, जिसके बाहर आहार नामक एक उडुपी होटल था और वह अंदर गये और मुझे अपने पीछे चलने के लिए कहा। वह एक बेंच पर अपने पैर रखकर बैठ गये और बाहर बहुत बड़ी भीड़ थी जैसे कि, जब कोई तारा होता है। और एक बुजुर्ग वेटर बिना पूछे चाय ले आया। वे सब उनकी तरह की चाय जानते थे! उसने प्याले से चाय को तश्तरी में डाला और बड़े चाव से पीया। फिर वह बाहर निकले और मुझसे पूछा, **"अली, मेरे पास चार टिकट है दिल्ली के, इंदौर के, कोलकाता के और भोपाल के, मैं कहां जाऊं?"** फिर उन्होंने स्वयं निर्णय लिया और कहा कि वह दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे और मुझसे कहा कि मैं अपनी कार ले जाऊं और जहां चाहूं वहां जाऊं और अगले दो दिनों तक वापस आने तक उपयोग करूं। मैंने उन्हें बहुत से पागलपन भरे अंदाज में देखा था, लेकिन यह उनके पागलपन का ताज था—**एक कप चाय पर एक तूफान के दौरान**।

Madhuri Dixit

एक कलाकार के जीवन में कितने सारे गम के प्याले... आशा भोसले के 89वें जन्मदिन के अवसर पर

–अली पीटर जॉन

सच्ची प्रतिभा और सच्ची प्रतिभा हानि, दर्द, दुःख और यहाँ तक कि मृत्यु को भी खिलाती है और पनपती है। यह बार–बार साबित हुआ है और 8 सितंबर को अपना 89वां जन्मदिन मनाने वाली आशा भोसले कोई अपवाद नहीं हैं...

उनके पिता की मृत्यु हो गई थी जब वह केवल 42 वर्ष के थे और उन्होंने बहुत छोटी लता पर जिम्मेदारी छोड़ दी थी। मुंबई आने तक और वलकेश्वर में छोटे–छोटे कमरों में रहने तक गरीबी परिवार का हिस्सा थी...

लता एक पार्श्व गायिका के रूप में इसे बनाने में सफल रहीं और आशा स्टूडियो से स्टूडियो और एक संगीत निर्देशक से दूसरे संगीत निर्देशक के पास चलती रहीं और सोलह वर्ष की उम्र तक, उन्होंने गणपतराव भोसले से शादी कर ली, जो उनसे 20 साल बड़े थे। 1949 और 1960 के बीच उनके 3 बच्चे थे, आनंद, हेमंत और वर्षा। भोसले एक बेरोजगार थे और किसी भी आदमी के लिए अच्छे नहीं थे और लता और परिवार ने उन्हें नापसंद किया था, जिसने आशा को सालों तक उनसे दूर रखा था ...

आशा को पहला बड़ा झटका तब लगा जब 1960 में भोसले की मृत्यु हो गई और वह अपने बच्चों की देखभाल करने के लिए बिल्कुल अकेली रह गईं। वह गोद में एक बच्चे के साथ रिकॉर्डिंग स्टूडियो के चक्कर लगाती रही और यह फिल्म निर्माता बीआर चोपड़ा और ओपी नैयर के संयोजन ने उनमें प्रतिभा की खोज की और फिर उन्हें कोई रोक नहीं सका।

उसने नय्यर के साथ एक दुर्जेय संयोजन बनाया, जब तक कि उनके बीच बड़े मतभेद नहीं थे और वे फिर कभी एकजुट नहीं होने के लिए अलग हो गए। यह उनके लिए और संगीत की दुनिया के लिए एक बड़ी क्षति थी।

हालांकि आशा भाग्यशाली थी कि आरडी बर्मन को उनके रचनात्मक साथी के रूप में पाया गया, उनके साथ एक साझेदारी जीवन साझेदारी बन गई। हालांकि, जीवन आशा के लिए क्रूर रहा और आरडी को अपने करियर में कठिन समय का सामना करना पड़ा और जब वह एक नए जीवन के बारे में आशा देखने वाला था, तो वह अचानक अपने नए जीवन का जश्न मनाने के लिए एक पार्टी में भाग लेने के बाद मर गये। आशा ने एक बार फिर अपना दिल तोड़ा था, लेकिन वह उस तरह की महिला नहीं थीं जो उम्मीद छोड़ दें। उसने अपनी एक महिला की लड़ाई जारी रखी।

जीवन, जिस कायर दुश्मन का उसे हर समय सामना करना पड़ा, वह भी

अपने निजी जीवन में उन पर हमला करती रही। उन्होंने अपने बड़े बेटे हेमंत (जो बहुत सफल संगीतकार नहीं थे) को कैंसर के कारण खो दिया जब वह केवल 30 के दशक में थे। आशा की लड़ाई की भावना तब देखी जा सकती थी जब वह सिंगापुर में एक शो में परफॉर्म कर रही थीं, जब हेमंत की मौत की दिल दहला देने वाली खबर उनके पास पहुंची, जब वह स्टेज पर गा रही थीं और उन्होंने अपने रूमाल से कुछ आंसू पोंछे और शो जारी रखा।

उनकी बेटी वर्षा एक बहुत ही संवेदनशील और प्रतिभाशाली लेखिका और पत्रकार थीं, जिन्होंने सभी प्रमुख अंग्रेजी अखबारों के लिए अंग्रेजी में लिखा, लेकिन कुछ ऐसा था जो उन्हें परेशान करता रहा और वह हमेशा अपनी मां के खिलाफ कुछ न कुछ करती रही। एक प्रमुख फोटोग्राफर और लेखक के साथ उनका दिल का एक गुप्त संबंध था, लेकिन शायद ही कभी अपनी मां या किसी और से इस बारे में बात की। उसने अपने प्रभु कुंज निवास पर आत्महत्या का प्रयास किया था, लेकिन वह चौथी बार सफल हुई, जब न तो उसकी मां और न ही कोई मंगेशकर घर पर थे।

लगता है कि आज आशा ने खुद का एक खुशहाल और आनंदमय जीवन जीने का फैसला किया है। वह अंततः प्रभु कुंज से बाहर चली गई और अपने बेटे आनंद और उनके परिवार के साथ मुंबई के कासा ग्रांडे नामक भवन में सबसे महंगे और महंगे अपार्टमेंट में रहती है और आनंद के साथ दुनिया भर में आशा के होटलों की श्रृंखला की देखरेख करती है।

और वह महिला जो अपने 89वें जन्मदिन पर अपने संदेश में लाखों लोगों को खुशी देने के लिए नरक में रही है, कहती है, "मुस्कुराते रहो, खुश रहो, सकारात्मक रहो और अपने जीवन से सभी नकारात्मकता को दूर करो।"

ये बात अगर कोई योगी या भोगी ने कही होती तो मैं इसे हवा में उड़ा देता, लेकिन क्योंकि ये बात आशा जी ने कही हैं, जिन्होंने दुनिया देखी है और पहचानी है, मैं हर बात को अपने दिल से तो लगा कर रखूंगा, लेकिन हर किसी को करीब रखने की दिल से विनती भी करुंगा।

सोनू निगम हाल ही में जेन नेक्स्ट स्टार, अर्पित नागर की 'धड़के दिल बार बार' से जुड़े

– सुलेना मजुमदार अरोरा

बॉलीवुड के प्रसिद्ध पीआरओ स्व. राजू कारिया की बेटी, धारा राजू कारिया (धारा पोपट) ने मायापुरी की इस अनोखी जेन नेक्स्ट स्पेशल अंक के बारे में पता चलते ही मुझे व्हाट्सअप मेसेज में कहा, " 'धड़के दिल बार बार' जैसी हार्ड–हिटिंग रोमांटिक ड्रामा में दिल जीतने के लिए वाकई जेन नेक्स्ट रोमांटिक हीरो अर्पित नागर जैसे असली प्रतिभा का उदय निश्चित है।"

रोमांटिक शैली की फिल्मों ने हमेशा टिकट–खिड़कियों पर राज किया है और कैश–बॉक्स को जिंगलिंग रखा है। यहां तक कि इसमें अभिनय करने वाले अभिनेताओं ने भी इस तरह के डेब्यू के दौरान अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इंदौर से ''अर्पित नागर'' इस टिनसेल शहर में नया चेहरा है, जो अपनी पहली फिल्म ''धड़के दिल बार बार'' के साथ इस कोटिएन्ट को प्रज्वलित करने के लिए तैयार हैं।

ऑस्ट्रेलियाई–आधारित अभिनेत्री एरिका विल्सन (इंस्टाग्राम प्रभावकार) के साथ उनका लव इंटरेस्ट इस फ़िल्म का मुख्य आकर्षण है।

कोरोना महामारी के डर और लॉकडाउन ब्लूज़ ने फिल्म व्यवसाय को लगभग ठप्प कर दिया था लेकिन अब जैसे जैसे देश सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है, पूरी इंडस्ट्री उत्साह और मनोरंजन के लिए तैयार होने लगा है। चूँकि फर्स्ट एंड सेकंड कोरोना वेव के चलते कई सिनेमाघरों के बंद होने के कारण बहुत सारी फिल्में अपनी रिलीज की तारीखों को स्थगित कर चुकी थी तो अब धीरे–धीरे एक एक करके वो फिल्में फिर से रिलीज़ होने की तैयारी में है।

यह नई फिल्म 'धड़के दिल बार बार' दर्शकों को एड्रेनालाईन रश देने का वादा करती है, जैसा कि शीर्षक से पता चलता है, धड़के दिल बार बार सभी का ध्यान

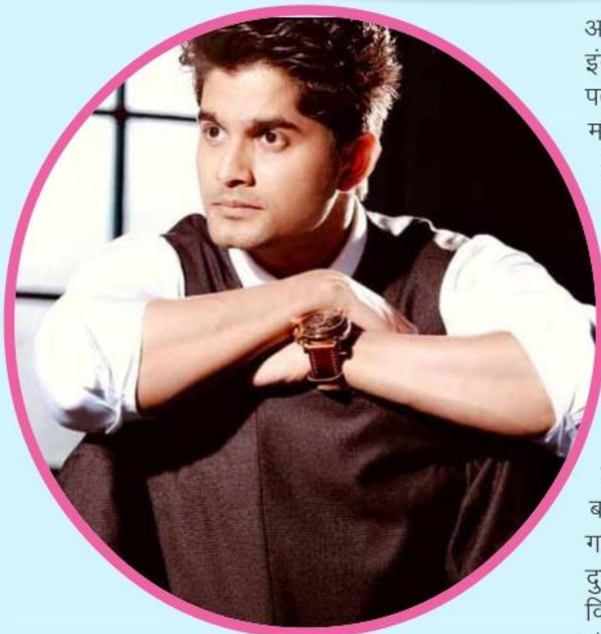

आकर्षित कर रहा है। यह फिल्म बड़े पर्दे के साथ कंधे से कंधा मिलाने की तैयारी में है और यह सबकी उम्मीदों पर खरा उतरने की क्षमता भी रखती है।

इस रोमांटिक फिल्म का शीर्षक, वर्ष 2000 में सबसे अधिक कमाई करने वाली , सलमान खान अभिनीत दुल्हन हम ले जाएंगे के एक से एक प्रभावशाली हिट प्रेम गीत..."प्यार दिलों का मेला है....धड़के दिल बार बार" को याद करता है। यह डुएट गीत सोनू निगम और अलका याग्निक द्वारा गाया एक युगल गीत था। संयोग से उस फिल्म का हीरो सलमान खान भी अर्पित की तरह इंदौर में पैदा हुए थे। इंदौर का यह नवोदित अभिनेता अर्पित को जब सलमान के भी इंदौर में पैदा होने के इस रहस्योद्घाटन का पता चला तो उन्होंने अपने को हम्बल्ड महसूस किया और इस हार्ड–कोर रोमांटिक ड्रामा का हिस्सा बनकर खुद को धन्य महसूस करने लगा। अर्पित ने आगे कहा, "सोनू निगम एक शानदार व्यक्तित्व हैं और काफी स्नेही हैं। उन्होंने शीर्षक गीत गाया है जो एक सोलो गीत है। एक नवागंतुक के लिए उनका आशीर्वाद प्राप्त करना और मेरे लिए उनके द्वारा आवाज देना वास्तव में एक सम्मान की बात है। दो दशक पहले उन्होंने मेरी इस शीर्षक (धड़के दिल बार बार) वाले गीत के लिए कमोबेश ऐसे ही गाने गाए थे। इस प्रकार, अब यह मुझे एक दुगना रिश्ता दे रहा है और मेरे डेब्यू विहाइकल के लिए, यह क्रीम पर चेरी टॉपिंग की तरह है। "–

अब पूरे परिदृश्य का मूल्यांकन करते हुए, जेन नेक्स्ट अभिनेता अर्पित नागर कहते हैं, " हमारे रेवेन्यू का एक बड़ा हिस्सा थिएट्रिकल रिलीज से आता है इसलिए बड़े पर्दे के लिए बनी फिल्मों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने की क्षमता होनी चाहिए और दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरना चाहिए, जो लगभग 18 महीनों के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म में विकसित हुए हैं। खैर अब हालात सुधर रहे हैं और सामान्य हो रहे हैं। दर्शक भी सिनेमा हॉल के माहौल तथा बड़े पर्दे पर मनोरंजन की तलाश में हैं।"–

इस युवा, महत्वाकांक्षी अभिनेता, अर्पित नागर को आज के दौर में काफी कठिन यात्रा से गुज़रना पड़ा। उन्होंने कठिन बाधाओं को पार किया, लेकिन दृढ़ता, संकल्प और फोर्टिट्यूड के साथ उन सभी पर विजय प्राप्त की। उन्होंने कहा, "मुझे चुनौतियां पसंद हैं... और हर तरह की हिंदी फिल्में करना पसंद है। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कोई शॉर्टकट नहीं है। आज के समय में हमें अधिक फोकस्ड और अभिव्यंजक होने की जरूरत है।"

किस्मत से उन्हें –'दम लगा के हईशा' के निर्माण के दौरान यश राज फिल्म्स के साथ सहायक निर्देशक के रूप में काम करने का सुनहरा अवसर मिला था। इस बड़ी और सफल फिल्म का हिस्सा बनने के बाद उन्हें आत्म–दृढ़ता मिली और फिर वे अपने प्रथम प्रेम यानी अभिनय में वापस लौट गए। कई प्रसिद्ध अभिनय स्कूल और मान्यता प्राप्त संस्थानों के प्रोफेसरों से उचित प्रशिक्षण के साथ, अर्पित नागर ने इस बड़े ब्रेक के मिलने से पहले, डिक्शन, , नृत्य, तैराकी, घुड़सवारी, मार्शल आर्ट आदि में अपने कौशल को तेज किया।

इंदौर के यह प्रतिभाशाली अभिनेता, जो नई पीढ़ी के दर्शकों का रोल मॉडल बनने जा रहे हैं, वे अपनी भूमिका के साथ न्याय करने की पूरी क्षमता रखते है । वे बॉलीवुड के आसमान में एक नई आशा का संचार लेकर आएं हैं।

सुब्रत रॉय बायोपिक के लिए एआर रहमान और गुलज़ार की महान संगीत जोड़ी को एक साथ ला रहे हैं

निर्माता संदीप सिंह

– सुलेना मजुमदार अरोरा

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए दो नाम क़्वालिटी और इंटेग्रिटी को परिभाषित करती हैं – वो है एआर रहमान और गुलजार।

ऑस्कर विजेता एआर रहमान ने कई सारे मधुर संगीत बनाए है जिसने अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां बटोरीं और पद्म भूषण तथा ऑस्कर विजेता गुलजार ने दशकों से भारत को परिभाषित करने वाले अविस्मरणीय गीत लिखे हैं। अब निर्माता संदीप सिंह ने अपने बैनर लीजेंड ग्लोबल स्टूडियो के तहत इन दोनों दिग्गजों को अपनी आगामी प्रतिष्ठित परियोजना – बिजनेस टाइकून सुब्रत रॉय पर बायोपिक के लिए एक साथ ले आएं हैं।

बातचीत के दौरान एआर रहमान ने इस कोलैबोरेशन पर अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा, "गुलजार सीब के भावपूर्ण गीत एक संगीतकार के लिए बेहद प्रेरणादायक हैं और मुझे उम्मीद है कि मैं गीत और कहानी के साथ पूरा न्याय कर सकता हूं। मैं इस कोलैबोरेशन की प्रतीक्षा कर रहा हूं।"

addresse
SUBRA ROY S AHA
er & Chai
ariwar
em
kata

इस पर गुलजार साहब ने भी अपनी सेंटीमेंट्स जाहिर करते हुए बताया, "रहमान के साथ फिर से सहयोग करना अद्भुत होगा। सुब्रत रॉय का जीवन रहस्यपूर्ण और प्रेरक है। रहमान एक अद्भुत कलाकार और संगीतकार हैं और मैं इस सहयोग के लिए तत्पर हूं।"

फिल्म निर्माता संदीप सिंह ने इस घोषणा को साझा करते हुए कहा, "मेरे दिल के बेहद करीब इस प्रोजेक्ट के लिए गीत और संगीत जगत के इन दिग्गजों को एक साथ लाना मुझे अविश्वसनीय खुशी दे रहा है। मैं एआर रहमान जी और गुलजार साब के काम का अति उत्साही प्रशंसक रहा हूं। सिनेमा जगत के लिए उनका अमूल्य योगदान को मापा नहीं जा सकता है और मैं हम्बल्ड महसूस कर रहा हूं कि वे मेरी प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। सुब्रत रॉय सर का जीवन धैर्य, दृढ़ संकल्प और सफलता की एक जबरदस्त कहानी है और 70 मिमी पर इस सपने को साकार करने के लिए इन दो प्रतिभाओं के समर्थन की आवश्यकता है और उन्हें पाकर मैं वाकई विनम्र और अभिभूत हूं।"

सुब्रत रॉय बायोपिक की खबरें, पिछले महीने पहली बार तब सामने आईं जब यह घोषणा की गई कि संदीप सिंह ने फिल्म के अधिकार हासिल कर लिए हैं। बताया जा रहा है कि यह फिल्म कई महाद्वीपों में दूर दूर तक फैलेगी और इस जबर्दस्त इंसान तथा टाइकून की दशकों की यात्रा को दर्शाएगी। बायोपिक के टाइटल और कास्ट की घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

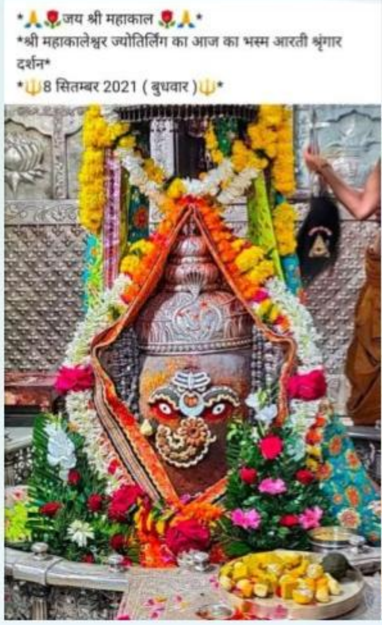

🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏

श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन

🔱8 सितम्बर 2021 (बुधवार)🔱

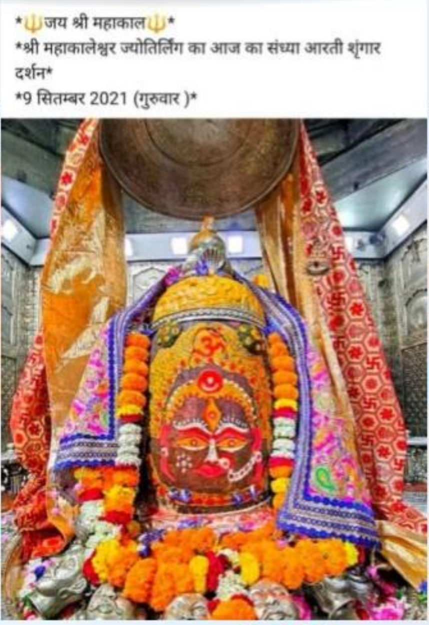

🔱जय श्री महाकाल🔱

श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का संध्या आरती शृंगार दर्शन

9 सितम्बर 2021 (गुरुवार)

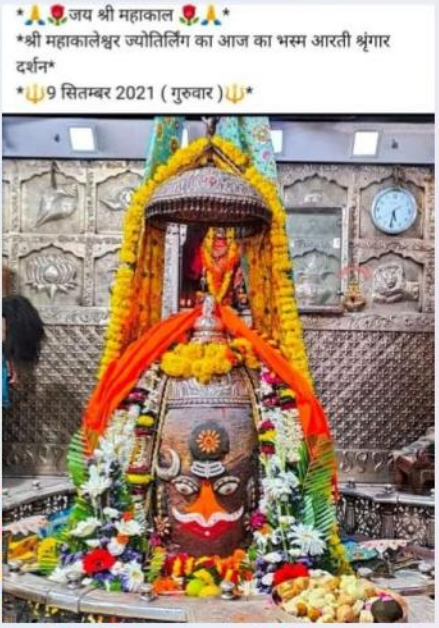

🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏

श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन

🔱9 सितम्बर 2021 (गुरुवार)🔱

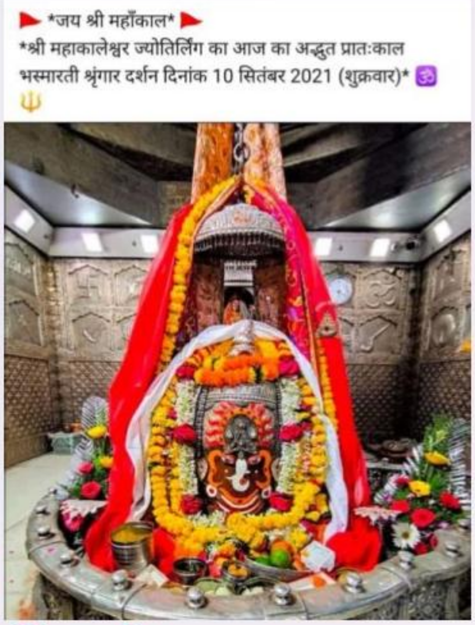

🚩 *जय श्री महाँकाल* 🚩

श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का अद्भुत प्रातःकाल भस्मारती श्रृंगार दर्शन दिनांक 10 सितंबर 2021 (शुक्रवार) 🕉️ 🔱

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वद!
गणेशऋचतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं

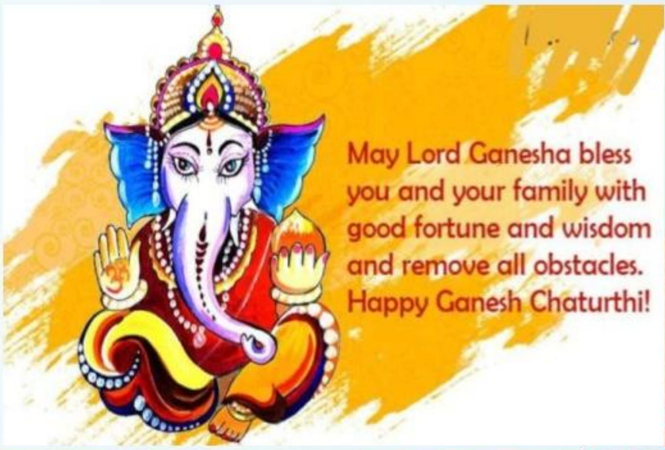
May Lord Ganesha bless you and your family with good fortune and wisdom and remove all obstacles. Happy Ganesh Chaturthi!

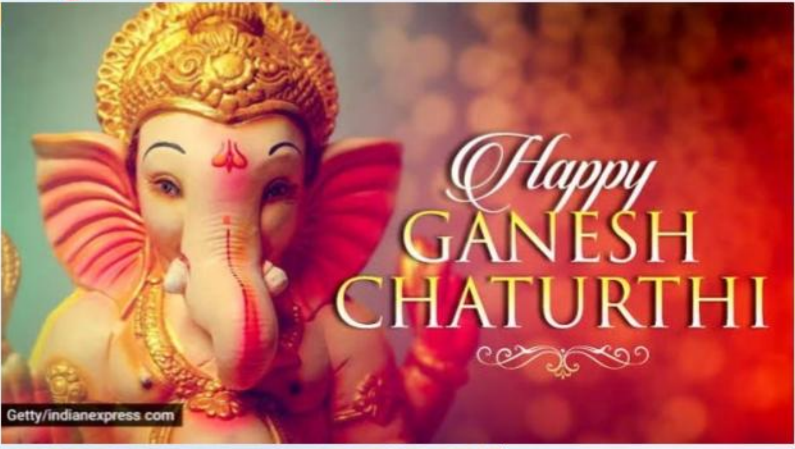
Happy
GANESH
CHATURTHI
Getty/indianexpress.com

गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं
गणपती
बाप्पा मोरया

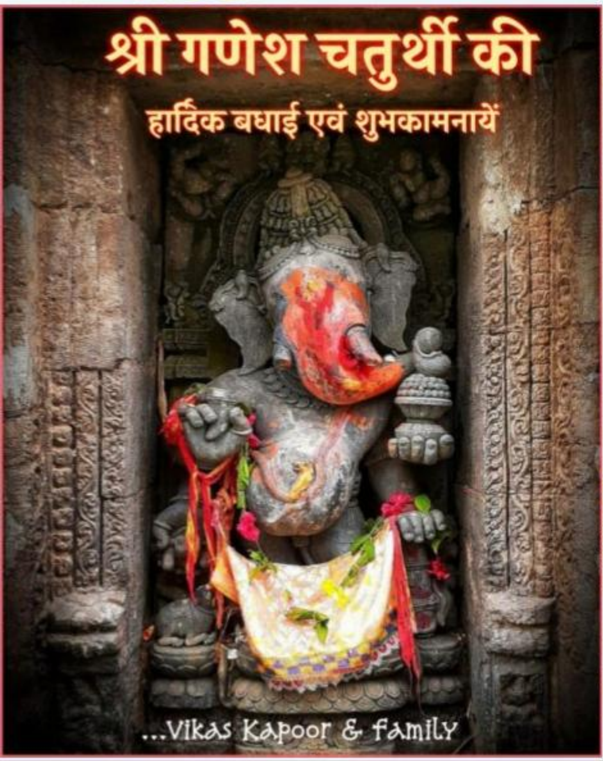
श्री गणेश चतुर्थी की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें
...Vikas Kapoor & Family

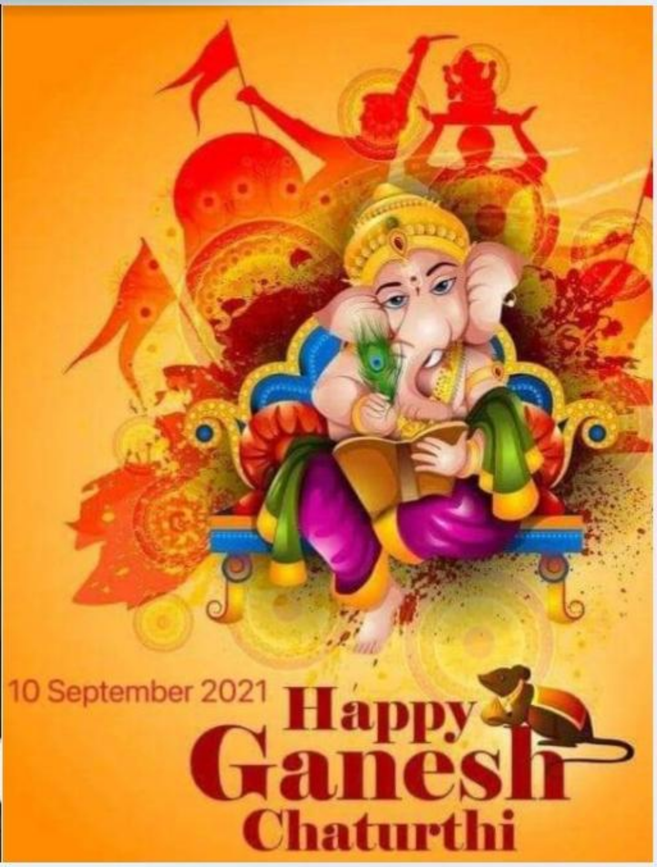
10 September 2021
Happy
Ganesh
Chaturthi

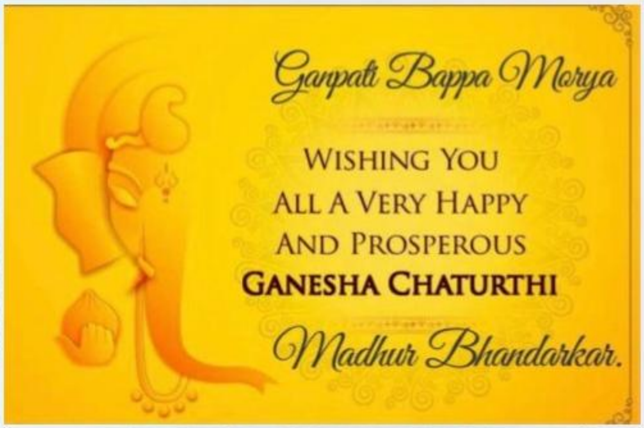
Ganpati Bappa Morya
WISHING YOU
ALL A VERY HAPPY
AND PROSPEROUS
GANESHA CHATURTHI
Madhur Bhandarkar.

Your birthday is over . This week its my birthday😍

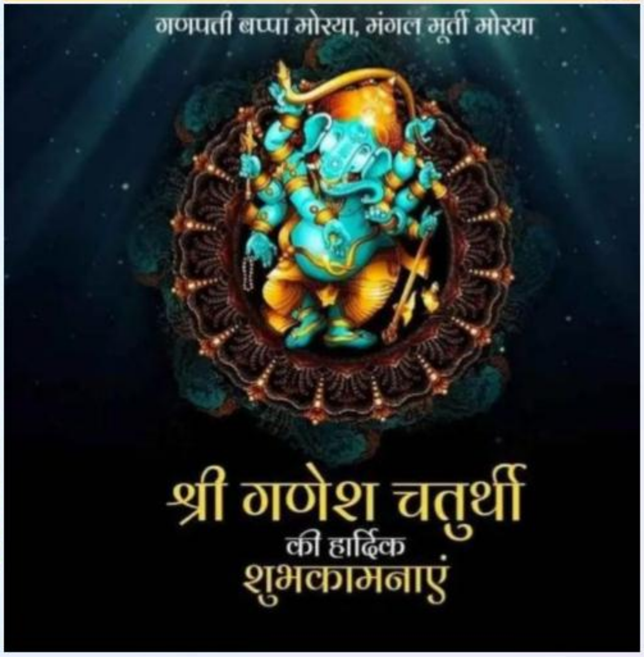
गणपती बप्पा मोरया, मंगल मूर्ती मोरया
श्री गणेश चतुर्थी
की हार्दिक
शुभकामनाएं

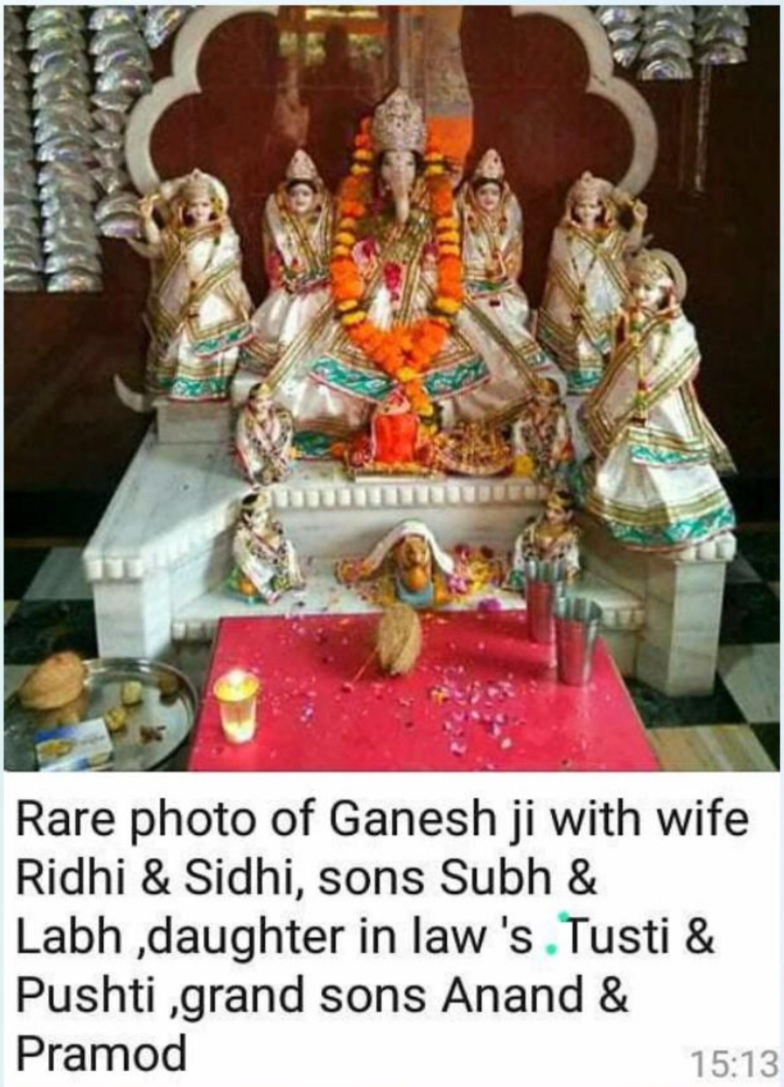

Rare photo of Ganesh ji with wife Ridhi & Sidhi, sons Subh & Labh ,daughter in law 's Tusti & Pushti ,grand sons Anand & Pramod 15:13

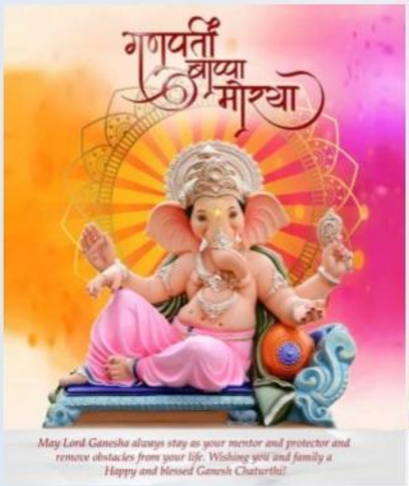
गणपती बाप्पा मोरया
May Lord Ganesha always stay as your mentor and protector and remove obstacles from your life. Wishing you and family a Happy and blessed Ganesh Chaturthi!

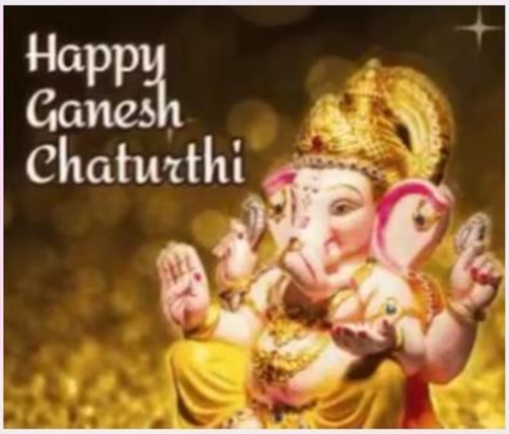
Happy Ganesh Chaturthi

Seerat Kapoor
@IamSeeratKapoor

Happy #GaneshChaturthi my lovelies. May the blessings be! ♥ 💫

गणराया तुझ्या येण्याने
सुख, समृध्दी, शांती, आरोग्य लाभले,
सर्व संकटाचे निवारण झाले
तुझ्या आशिर्वादाने यश लाभले,
असाच आशीर्वाद राहू दे:
गणेश चतुर्थीच्या सर्वांना हार्दिक शुभेच्छा:!!!

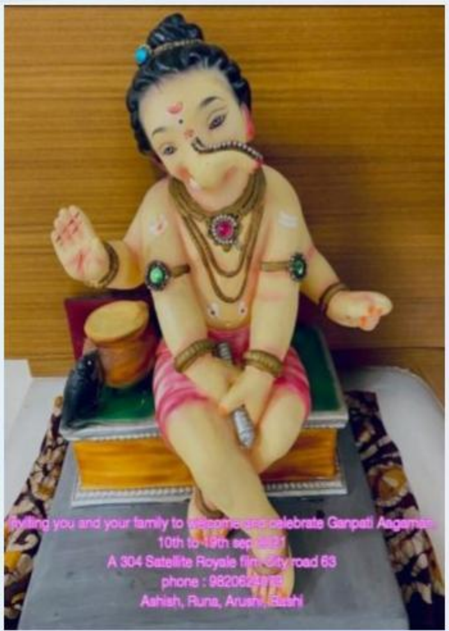
Inviting you and your family to welcome and celebrate Ganpati Aagaman
10th to 19th sep 2021
A 304 Satellite Royale film City road 63
phone : 982062[illegible]
Ashish, Runa, Arushi, [illegible]

गणेश चतुर्थी
की हार्दिक शुभ कामनायें
PRYM S
ओम गण गणपताये
नमो नम :

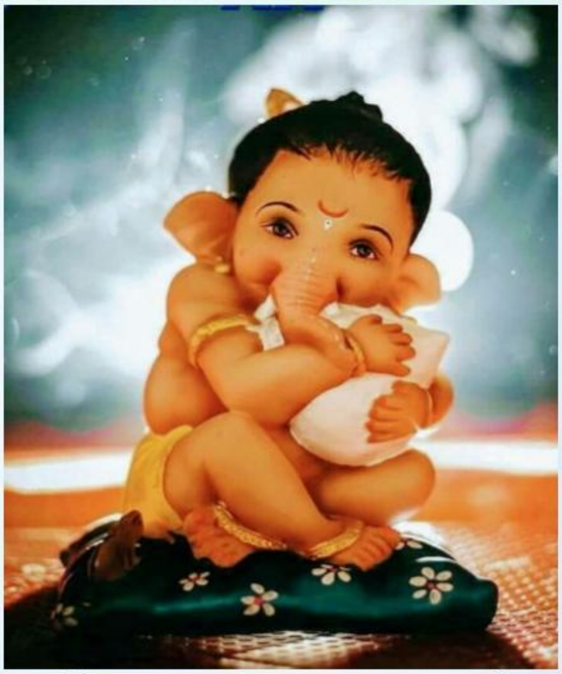

गणेश चतुर्थी
की हार्दिक शुभ कामनायें
|| वक्रतुंड महाकाय सुर्यकोटि समप्रभ ||
|| निर्विघ्नं कुरुमेदेव सर्वकार्येषुसर्वदा ||
N WZ

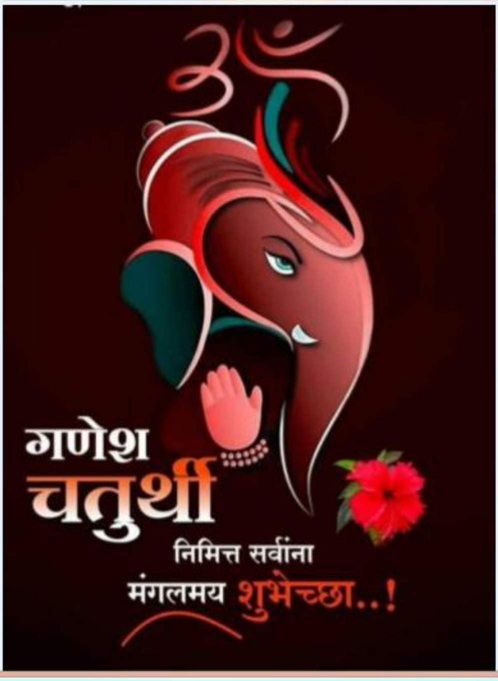
ॐ
गणेश
चतुर्थी
निमित्त सर्वांना
मंगलमय शुभेच्छा..!

My tickets are confirmed and coming on 10/9/21... RT PCR done 🙏

श्री गणेश जी के 11 मंत्र

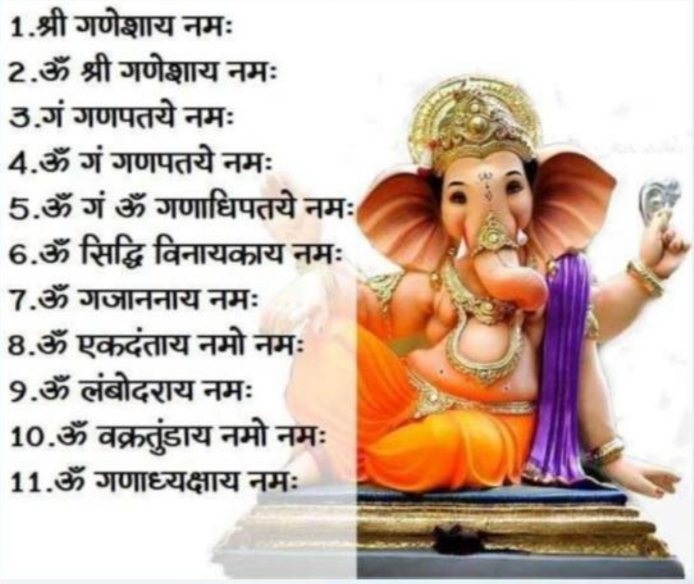

1. श्री गणेशाय नमः
2. ॐ श्री गणेशाय नमः
3. गं गणपतये नमः
4. ॐ गं गणपतये नमः
5. ॐ गं ॐ गणाधिपतये नमः
6. ॐ सिद्धि विनायकाय नमः
7. ॐ गजाननाय नमः
8. ॐ एकदंताय नमो नमः
9. ॐ लंबोदराय नमः
10. ॐ वक्रतुंडाय नमो नमः
11. ॐ गणाध्यक्षाय नमः

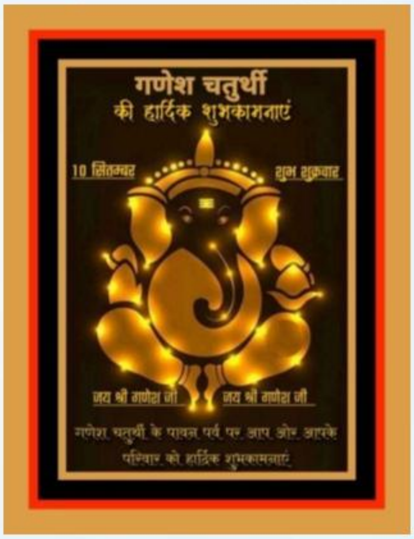
गणेश चतुर्थी
की हार्दिक शुभकामनाएं
10 सितम्बर
शुभ शुक्रवार
जय श्री गणेश जी
जय श्री गणेश जी
गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर आप और आपके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं

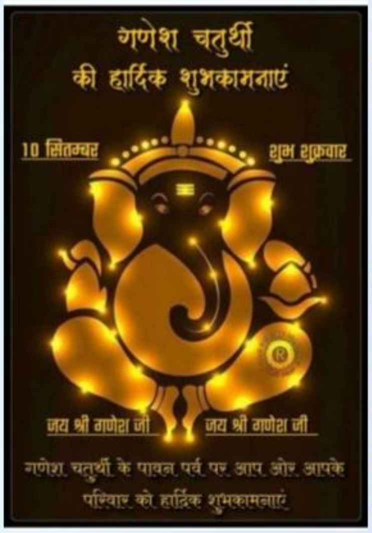
गणेश चतुर्थी
की हार्दिक शुभकामनाएं
10 सितम्बर
शुभ शुक्रवार
जय श्री गणेश जी
जय श्री गणेश जी
गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर आप और आपके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं

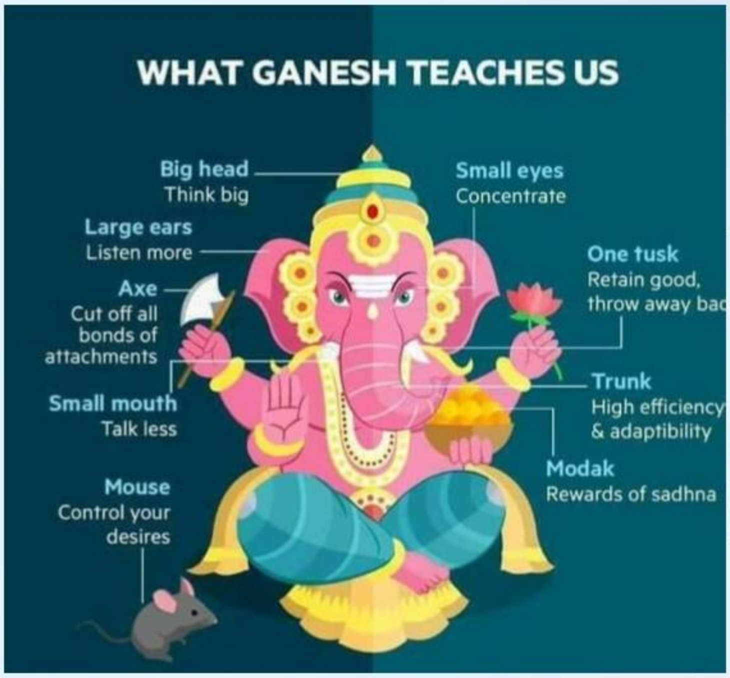
WHAT GANESH TEACHES US
Big head
Think big
Small eyes
Concentrate
Large ears
Listen more
One tusk
Retain good, throw away bad
Axe
Cut off all bonds of attachments
Trunk
High efficiency & adaptibility
Small mouth
Talk less
Modak
Rewards of sadhna
Mouse
Control your desires

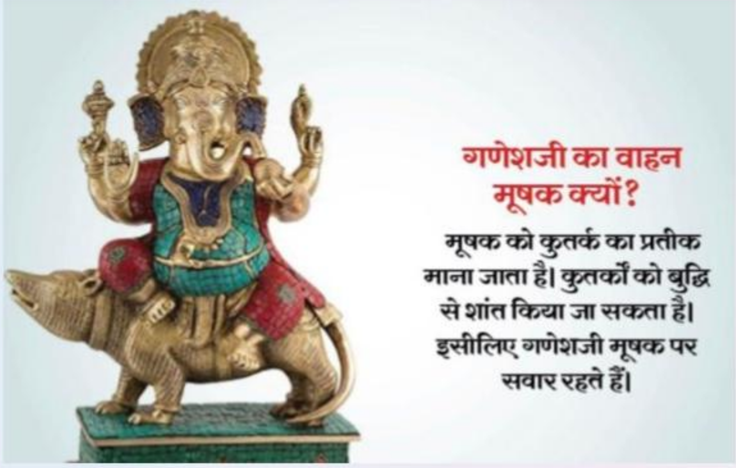

गणेशजी का वाहन मूषक क्यों?

मूषक को कुतर्क का प्रतीक माना जाता है। कुतर्कों को बुद्धि से शांत किया जा सकता है। इसीलिए गणेशजी मूषक पर सवार रहते हैं।

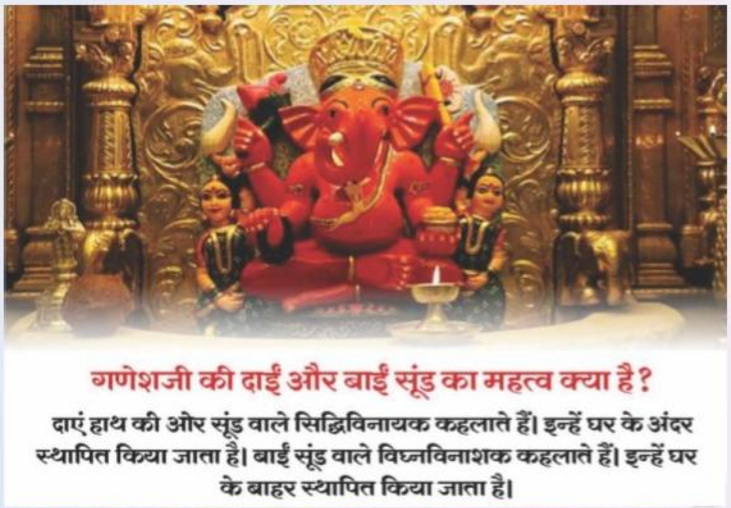

गणेशजी की दाईं और बाईं सूंड का महत्व क्या है?

दाएं हाथ की ओर सूंड वाले सिद्धिविनायक कहलाते हैं। इन्हें घर के अंदर स्थापित किया जाता है। बाईं सूंड वाले विघ्नविनाशक कहलाते हैं। इन्हें घर के बाहर स्थापित किया जाता है।

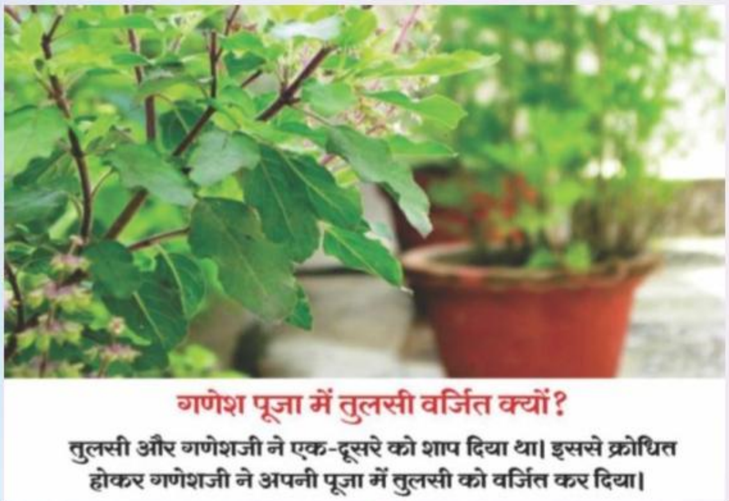

गणेश पूजा में तुलसी वर्जित क्यों?

तुलसी और गणेशजी ने एक-दूसरे को शाप दिया था। इससे क्रोधित होकर गणेशजी ने अपनी पूजा में तुलसी को वर्जित कर दिया।

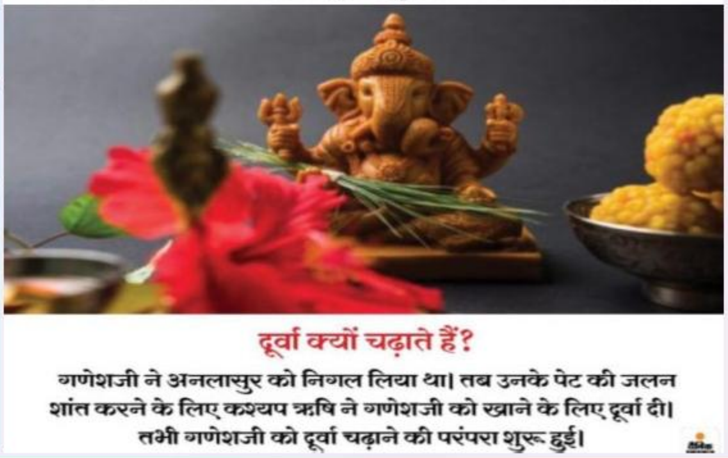

दूर्वा क्यों चढ़ाते हैं?

गणेशजी ने अनलासुर को निगल लिया था। तब उनके पेट की जलन शांत करने के लिए कश्यप ऋषि ने गणेशजी को खाने के लिए दूर्वा दी। तभी गणेशजी को दूर्वा चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई।

Glossy 1001 PAINTS | GP | Glossy Paints 1001 | 1001 HOMECARE | Glossy 1970 2013 1001 PLATINUM JUBILEE YEARS OF EXCELLENCE

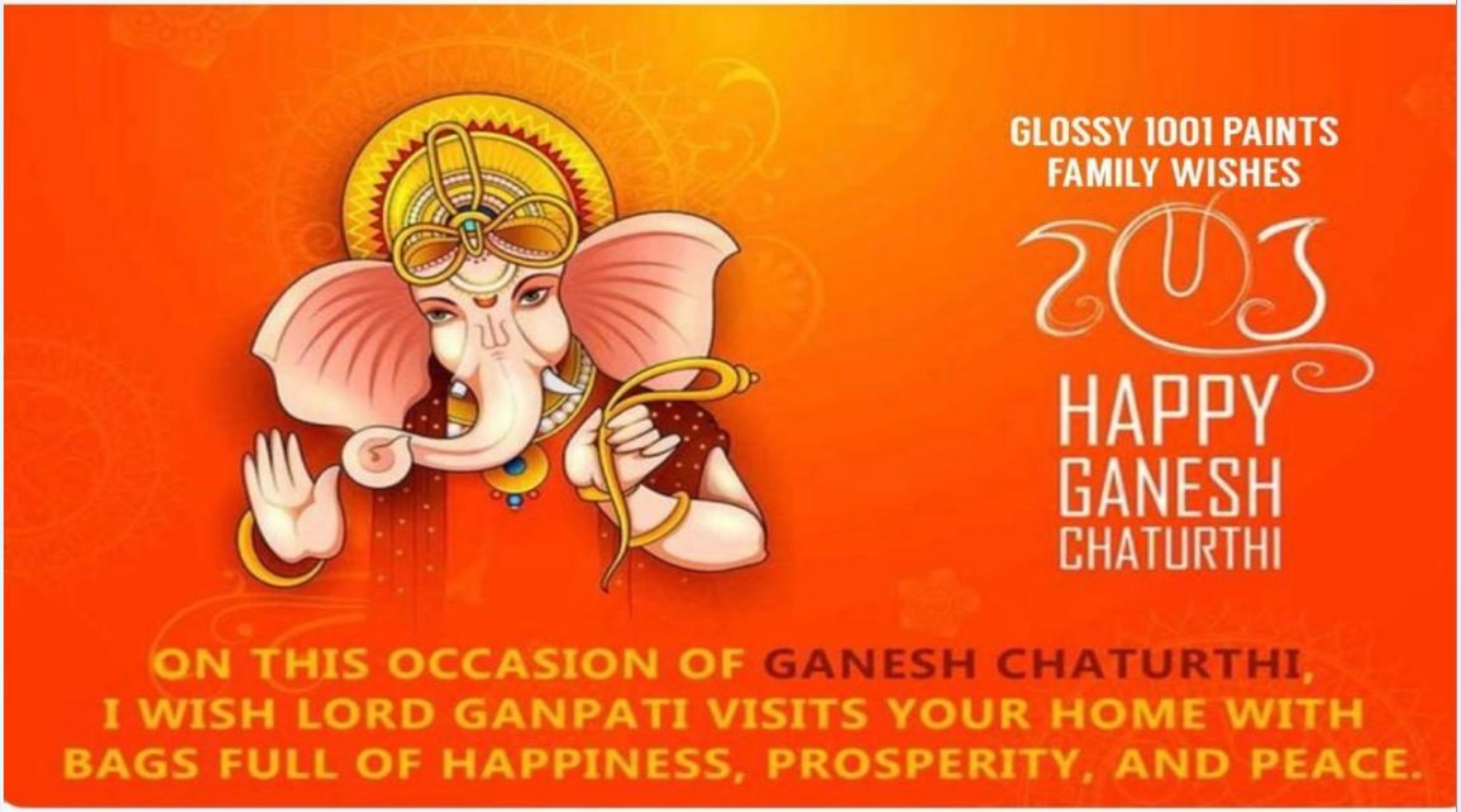
GLOSSY 1001 PAINTS
FAMILY WISHES
HAPPY
GANESH
CHATURTHI

ON THIS OCCASION OF GANESH CHATURTHI, I WISH LORD GANPATI VISITS YOUR HOME WITH BAGS FULL OF HAPPINESS, PROSPERITY, AND PEACE.

Glossy 1001 Paints | Sant Ram Nikka Mal | www.glossypaints.com

KESHAV RAI ZAJOHAR WITH BAPPA

ACTRESS DIVYA DUTTA AT HER HOME WITH BAPPA

DRECORDS RELEASES CHINTAMANI GANESHA BY DALER MEHNDI, CELEBRATING GANESH CHATURTHI 2021

DRECORDS
Chintamani Ganesha
Morya Re Morya
Daler Mehndi
Chintamani Ganesha
Shubh Karaj
Karo Hamesha
Ganpati Bappa Morya

SHILPA SHETTY BRINGS GANPATI AT HOME

GAUTAM RODE SNAPPED AT FILMCITY! WE'RE EXCITED TO SEE WHAT THIS HOTTIE HAS IN STORE FOR U

PRAKASH PURAB SRI GURU GRANTH SAHIB JI

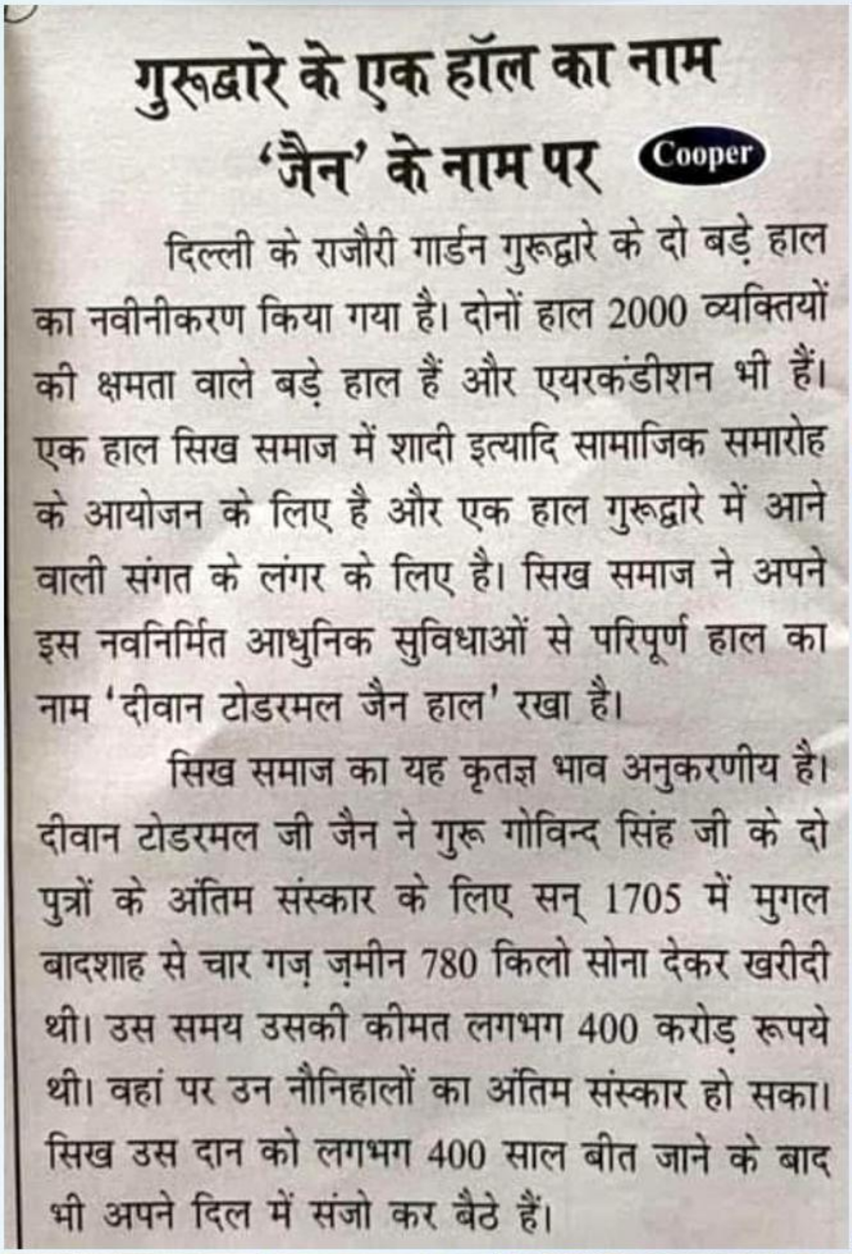

गुरूद्वारे के एक हॉल का नाम 'जैन' के नाम पर

Cooper

दिल्ली के राजौरी गार्डन गुरूद्वारे के दो बड़े हाल का नवीनीकरण किया गया है। दोनों हाल 2000 व्यक्तियों की क्षमता वाले बड़े हाल हैं और एयरकंडीशन भी हैं। एक हाल सिख समाज में शादी इत्यादि सामाजिक समारोह के आयोजन के लिए है और एक हाल गुरूद्वारे में आने वाली संगत के लंगर के लिए है। सिख समाज ने अपने इस नवनिर्मित आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण हाल का नाम 'दीवान टोडरमल जैन हाल' रखा है।

सिख समाज का यह कृतज्ञ भाव अनुकरणीय है। दीवान टोडरमल जी जैन ने गुरू गोविन्द सिंह जी के दो पुत्रों के अंतिम संस्कार के लिए सन् 1705 में मुगल बादशाह से चार गज़ ज़मीन 780 किलो सोना देकर खरीदी थी। उस समय उसकी कीमत लगभग 400 करोड़ रूपये थी। वहां पर उन नौनिहालों का अंतिम संस्कार हो सका। सिख उस दान को लगभग 400 साल बीत जाने के बाद भी अपने दिल में संजो कर बैठे हैं।

No Effiel Tower No Disneyland But our Golden Temple got the Award for Being the Most visited Place in the World ❤️ 🇮🇳

@Awesomethingsinindia
WORLD BOOK OF RECORDS
CERTIFICATE
The Golden Temple
(Sri Harmandir Sahib)
Amritsar (Punjab)
India
LONDON

Let's Make it Viral 🌻

Proud Moment for Indians 🇮🇳

श्रद्धा
सबुरी
ॐ साईं श्री साईं जय जय साईं
SHIRDI LIVE

शिर्डी के साई बाबा

जय माता दी आदि शक्ति माँ झण्डेवाली देवी जी के श्रृंगार

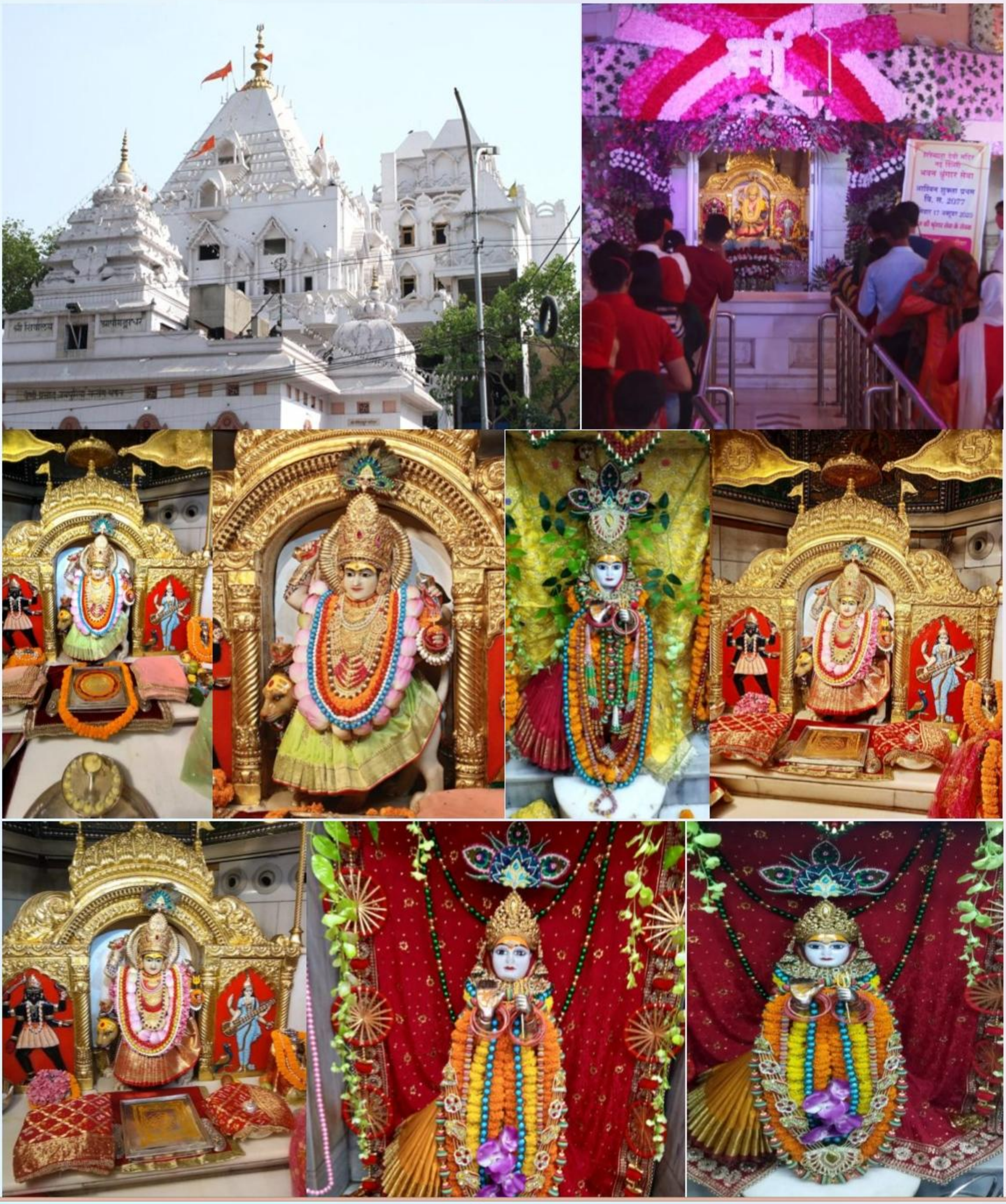

श्री श्वेतार्क गणेश साधना पूजन एवं महत्व:-

डॉ0 विजय शंकर मिश्रः–शास्त्रों में श्वेतार्क के बारे में कहा गया है–'जहां कहीं भी यह पौधा अपने आप उग आता है, उसके आस–पास पुराना धन गड़ा होता है! जिस घर में श्वेतार्क की जड़ रहेंगी, वहां से दरिद्रता स्वयं पलायन कर जाएगी! इस प्रकार मदार का यह पौधा मनुष्य के लिए देव कृपा, रक्षक एवं समृद्धिदाता है! सफेद मदार की जड़ में गणेशजी का वास होता है, कभी–कभी इसकी जड़ **गणेशजी** की आकृति ले लेती है! इसलिए सफेद मदार की जड़ कहीं से भी प्राप्त करें और उसकी श्रीगणेश की प्रतिमा बनवा लें! उस पर **लाल सिंदूर** का लेप करके उसे लाल वस्त्र पर स्थापित करें । यदि जड़ गणेशाकार नहीं है, तो किसी कारीगर से आकृति बनवाई जा सकती है! शास्त्रों में मदार की स्तुति इस मंत्र से करने का विघान है!

चतुर्भुज रक्ततनुंत्रिनेत्रं पाशाकुशौ मोदरक पात्र दन्तो!

करैर्दधयानं सरसीरूहस्थं गणाधिनाभंराशि चू यडमीडे ।।

गणेशोपासना में साधक लाल वस्त्र, लाल आसन, लाल पुष्प, लाल चंदन, मूंगा अथवा रूद्राक्ष की माला का प्रयोग करें! नेवैद्य में गुड़ व मूंग के लडडू अर्पित करें! 'ऊँ वक्रतुण्डाय हुम् 'मंत्र का जप करें! श्रद्धा और भावना से की गई श्वेतार्क की पूजा का प्रभाव थोड़े बहुत समय बाद आप स्वयं प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करने लगेंगे! तंत्र शास्त्र में श्वेतार्क गणपति की पूजा का विधान है । यह आम लक्ष्मी व गणपति की प्रतिमाओं से भिन्न होती है! यह प्रतिमा किसी धातु अथवा पत्थर की नहीं बल्कि जंगल में पाये जाने वाले एक पौधे का श्वेत आक के नाम से जाना जाता है । इसकी जड़ कम से कम 27 वर्ष से ज्यादा पुरानी हो उसमें स्वतः ही गणेशजी की प्रतिमा बन जाती है । यह प्रकृति का एक आश्चर्य ही है! श्वेतक आक की जड़ (मूल) यदि खोदकर निकाल दी जाये तो नीचे की जड़ में गणपति जी की प्रतिमा प्राप्त होगी । इस प्रतिमा का नित्य पूजन करने से साधक को धन–धान्य की प्राप्ति होती है! यह प्रतिमा स्वतः सिद्ध होती है । तन्त्र शास्त्रों के अनुसार ऐसे घर में जहां यह प्रतिमा स्थापित हो, वहां रिद्धि–सिद्धि तथा अन्नपूर्णा देवी वास् करती है!

श्वेतार्क की प्रतिमा **रिद्धी–सिद्ध** की मालिक होती है । जिस व्यक्ति के घर में यह गणपति की प्रतिमा स्थापित होगी उस घर में लक्ष्मी जी का निवास होता है तथा जहां यह प्रतिमा होगी उस स्थान में कोई भी शत्रु हानि नहीं पहुंचा सकता! इस प्रतिमा के सामने नित्य बैठकर गणपति जी का मूल मंत्र जपने से गणपति जी के दर्शन होते हैं तथा उनकी कृपा प्राप्त होती है । श्वेतक आक की गणपति की प्रतिमा अपने पूजा स्थान में पूर्व दिशा की तरफ ही शता–शता स्थापित करें! 'ओम गं गणपतये नमः–'मंत्र का प्रतिदिन जप करने! जप के लिए लाल रंग का आसन प्रयोग करें तथा श्वेत आक की जड़ की माला से यह जप करें तो जप कल में ही साधक की हर मनोकामना गणपति जी पूरी करते हैं ।

स्वास्थ्य और धन के लिए श्वेत आर्क गणपतिः श्वेतार्क वृक्ष से सभी परिचित हैं । इसे सफेद आक, मदार, श्वेत आक, राजार्क आदि नामों से जाना जाता है । सफेद फूलों वाले इस वृक्ष को गणपति का स्वरूप माना जाता है । इसलिए प्राचीन ग्रंथों के अनुसार जहां भी यह पौधा रहता है, वहां इसकी पूजा की जाती है । इससे वहां किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आती ।

डॉ0 विजय शंकर मिश्रः–वैसे इसकी पूजा करने से साधक को काफी लाभ होता है । अगर रविवार या गुरूवार के दिन पुष्प नक्षत्र में विधिपूर्वक इसकी जड़ को खोदकर ले आएं और पूजा करें तो कोई भी विपत्ति जातीकों को छू भी नहीं सकती । ऐसी मान्यता है कि इस जड़ के दर्शन मात्र से भूत–प्रेत जैसी बाधाएं पास नहीं फटकती । अगर इस पौधे की टहनी तोड़कर सुखा लें और उसकी कलम बनाकर उसे यंत्र का निर्माण करें , तो यह यंत्र तत्काल प्रभावशाली हो जाएगा । इसकी कलम में देवी सरस्वती का निवास माना जाता है । वैसे तो इसे जड़ के प्रभाव से सारी विपत्तियां समाप्त हो जाती हैं ।

इसकी जड़ में दस से बारह वर्ष की आयु में भगवान गणेश की आकृति का निर्माण होता है । यदि इतनी पुरानी जड़ न मिले तो वैदिक विधि पूर्वक इसकी जड़ निकाल कर इस जड़ की लकड़ी में गणेश जी की प्रतिमा या तस्वीर बनाएं । यह आपके अंगूठे से बड़ी नहीं होनी चाहिए । इसकी विधिवत पूजा करें । पूजन में लाल कनेर के पुष्प अवश्य इस्तेमाल में लांए । इस मंत्र '' ऊँ पंचाकतम् ऊँ अंतरिक्षाय स्वाहा '' से पूजन करें और इसके पश्चात इस मंतर

'' ऊँ ह्रीं पूर्वदयां ऊँ ह्रीं फट् स्वाहा '' से 108 आहुति दें । लाल कनेर के पुष्प शहद तथा शुद्ध गाय के घी से आहुति देने का विधान है । इसके बाद 11 माला जप नीचे लिखे मंत्र का करें और प्रतिदिन कम से कम 1 माला करें । '' ऊँ गँ गणपतये नमः '' का जप करें । अब '' ऊँ ह्रीं श्रीं मानसे सिद्धि करि ह्रीं नमः '' मंत्र बोलते हुए लाल कनेर के पुष्पों को नदी या सरोवर में प्रवाहित कर दें ।

धार्मिक दृष्टि से श्वेत आक को कल्प वृक्ष की तरह वरदायक वृक्ष माना गया है । श्रद्धा पूर्वक नतमस् तक होकर इस पौधे से कुछ माँगन पर यह अपनी जान देकर भी माँगने वाले की इच्छा पूरी करता है! यह भी कहा गया है कि इस प्रकार की इच्छा शुद्ध होनी चाहिए! ऐसी आस्था भी है कि इसकी जड़ को पुष्प नक्षत्र में विशेष विधिविधान के साथ जिस घर में स्थापित किया जाता है वहाँ स्थायी रूप से लक्ष्मी का वास बना रहता है और धन धान्य की कमी नहीं रहती । श्वेतार्क के ताँत्रिक, लक्ष्मी प्राप्ति, ऋण नाशक, जादू टोना नाशक, नजर सुरक्षा के इतने प्रयोग हैं कि पूरी किताब लिखी जा सकती है । थोड़ी सी मेहनत कर आप भी अपने घर के आसपास या किसी पार्क आदि में श्वेतार्क का पौधा प्राप्त कर सकते हैं ।

डॉ0 विजय शंकर मिश्रः

श्वेतार्क गणपति घर में स्थापित करने से सिर्फ गणेश जी ही नहीं बल्कि माता लक्ष्मी और भगवान शिव की भी विशेष कृपा प्राप्त होती है । सिद्धी की इच्छा रखने वालों को 3 मास तक इसकी साधन करने से सिद्धी प्राप्त होती है । जिनके पास धन न रूकता हो या कमाया हुआ पैसा उल्टे सीधे कामों में जाता हो उन्हें अपने घर में श्वेतार्क गणपति की स्थापना करनी चाहिए । जो लोग कर्ज में डूबे हैं उनके लिए कर्ज मुक्ति का इससे सरल अन्य कोई

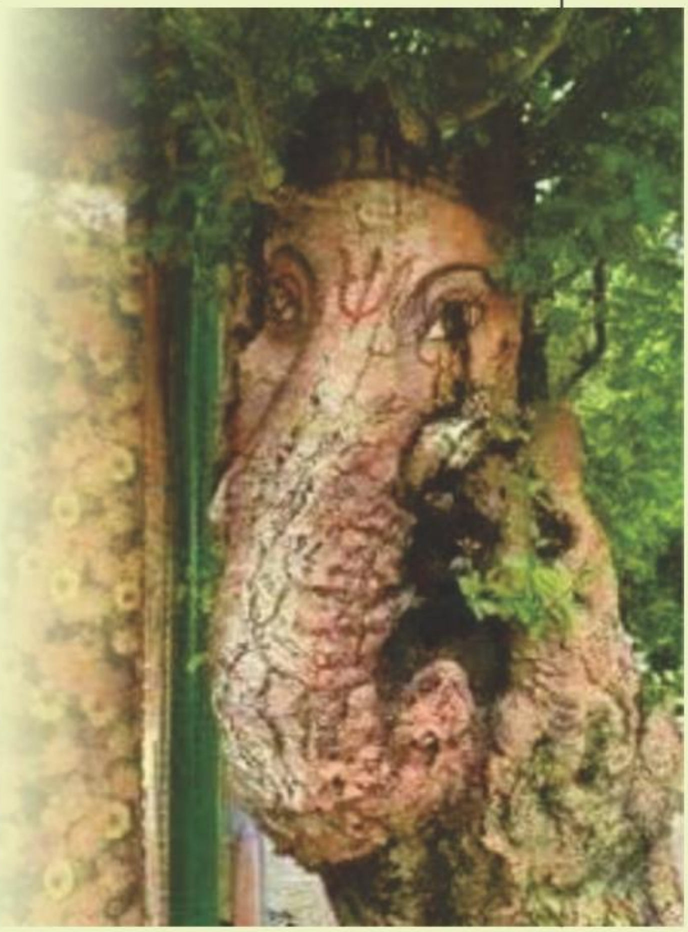

उपाय नहीं है । जो लोग ऊपरी बाधाओं और रोग विशेष से ग्रसित हैं इसकी पूजा से वायव्य बाधाओं से तुरंत मुक्ति और स्वास्थ्य में अप्रत्याशित लाभ पा सकते हैं । जिनके बच्चों का पढ़ने में मन न लगता हो वे इसकी स्थापना कर बच्चों की एकाग्रता और संयम बढ़ा सकते है । पुत्रकाँक्षी यानि पुत्र कामना करने वालों को गणपति पुत्रदा स्त्रोत का पाठ करना चाहिए!

श्वतार्क गणेश साधनाः हिन्दू धर्म में भगवान गणेश को अनेक रूप में पूजा जाता है इनमें से ही एक श्वेतार्क गणपति भी है । धार्मिक लोक मान्ताओं में धन, सुख–सौभाग्य समृद्धि ऐश्वर्य और प्रसन्नता के लिए श्वेतार्क के गणेश की मूर्ति शुभ फल देने वाली मानी जाती है । श्वेतार्क के गणेश आक के पौधे की जड़ में बनी प्राकृतिक बनावट रूप में प्राप्त होते हैं । इसे पौधे की एक दुर्लभ जाति सफेद श्वेतार्क होती है जिसमें सफेद पत्ते और फूल पाए जाते हैं इसी सफेद श्वेतार्क की जड़ की बाहरी परत को कुछ दिनों तक पानी में भिगोने के बाद निकाला जाता है तब इस जड़ में भगवान गणेश की मूरत दिखाई देती है ।

इसकी जड़ में सूंड जैसा आकार तो अक्सर देखा जा सकता है । भगवान श्री गणेश जी को ऋद्धि–सिद्धि व बुद्धि के दाता माना जाता है । इसी प्रकार श्वेतार्क नामक जड़ श्री गणेश जी का रूप मानी जाती है श्वेतार्क सौभाग्यदायक व प्रसिद्धि प्रदान करने वाली मानी जाती है । श्वेतार्क की जड़ श्री गणेशजी का रूप मानी जाती है। श्वेतार्क सौभाग्यदायक व प्रसिद्धि प्रदान करने वाली मानी जाती है । श्वेतार्क की जड़ को तंत्र प्रयोग एवं सुख–समृद्धि हेतु बहुत उपयोगी मानी जाती है । गुरू पुष्प नक्षत्र में इस जड़ का उपयोग बहुत ही शुभ होता है । यह पौधा भगवान गणेश के स्वरूप होने के कारण धार्मिक आस्था को और गहरा करता है ।

डॉ0 विजय शंकर मिश्रःश्वेतार्क गणेश पूजनः श्वेतार्क गणपति की प्रतिमा को पूर्व दिशा की तरफ ही स्थापित करना चाहिए तथा श्वेत आक की जड़ की माला से यह गणेश मंत्रों का जप करने से सर्वकामना सिद्ध होती है । श्वेतार्क गणेश पूजन में लाल वस्त्र, लाल आसान, लाल पुष्प, लाल चंदन, मूंगा अथवा रूद्राक्ष की माला का प्रयोग करनी चाहिए । नेवैद्य में लडडू अर्पित करने चाहिए '' ऊँ वक्रतुण्डाय हुम् '' मंत्र का जप करते हुए श्रद्धा व भक्ति भाव के साथ श्वेतार्क की पूजा कि जानी चाहिए पूजा के प्रभावस्वरूप् प्रत्यक्ष रूप से इसके शुभ फलों की प्राप्ति संभव हो पाती है ।

DEBINABON SHARES A GLIMPSE OF HER GANPATI CELEBRATIONS THE ACTOR MADE AN ECO-FRIENDLY GANESHA IDOL AT HOME

KUNDALI BHAGYA VILLANERO SANJAY GAGNANI OFFICIAL WELCOMES LORD GANESHA WITH HIS FIANCE

dwala, Andheri

TV CELEBS CELEBRATE GANESH CHATURTHI 2021

COLORS 'DANCE DEEWANE' CELEBRATES GANESH UTSAV WITH BAPPA STAPHNA AND VISARJAN

IT'S A THEATRICAL AFFAIR THIS GANESH CHATURTHI ON SONY SAB'S WAGLE KI DUNIYA

युवा और ऊर्जावान संगीतकार और गायक, सचेत और परम्परा टंडन की जोड़ी, ने वास्तव में एक लंबा सफर तय किया है!

इंडियन आइडल के साधारण शुरुआती सफर से लेकर सोशल मीडिया पर एक ट्रेंडिंग वायरल सनसनी बनने तक, उनकी शादी ने सुर्खियां बटोरीं और अब उनके वीडियो को दुनिया भर में लाखों लोगों द्वारा पसंद किया जा रहा है। वे हमेशा अपने लाइव वीडियो से लोगों को आश्चर्यचकित करते हैं और पिछले 2 वर्षों के मुश्किल समय में भी कई लोगों के जीवन में मनोरंजन और खुशियाँ बिखेरी हैं। उनके वीडियो ने बहुत सारे लोगों में सौहार्द और करुणा भर दी है।

शादी के बाद तीज का अपना पहला त्यौहार एक साथ मनाते दोनों ने अपनी प्रेम कहानी को और प्रगाढ़ किया है। हाथों में पारंपरिक रूप से मेंहदी लगाते हुए परंपरा को और अधिक निखरते हुए देखा गया। इस पर उन्होंने कहा कि, "तीज वास्तव में मेरे लिए एक विशेष अवसर है। इतने लंबे समय से इसके इंतजार के बाद आखिरकार वह दिन आ ही गया। बिना पानी के उपवास करना कठिन है, लेकिन मेरे प्रिय पति के लिए यह सब जायज है।

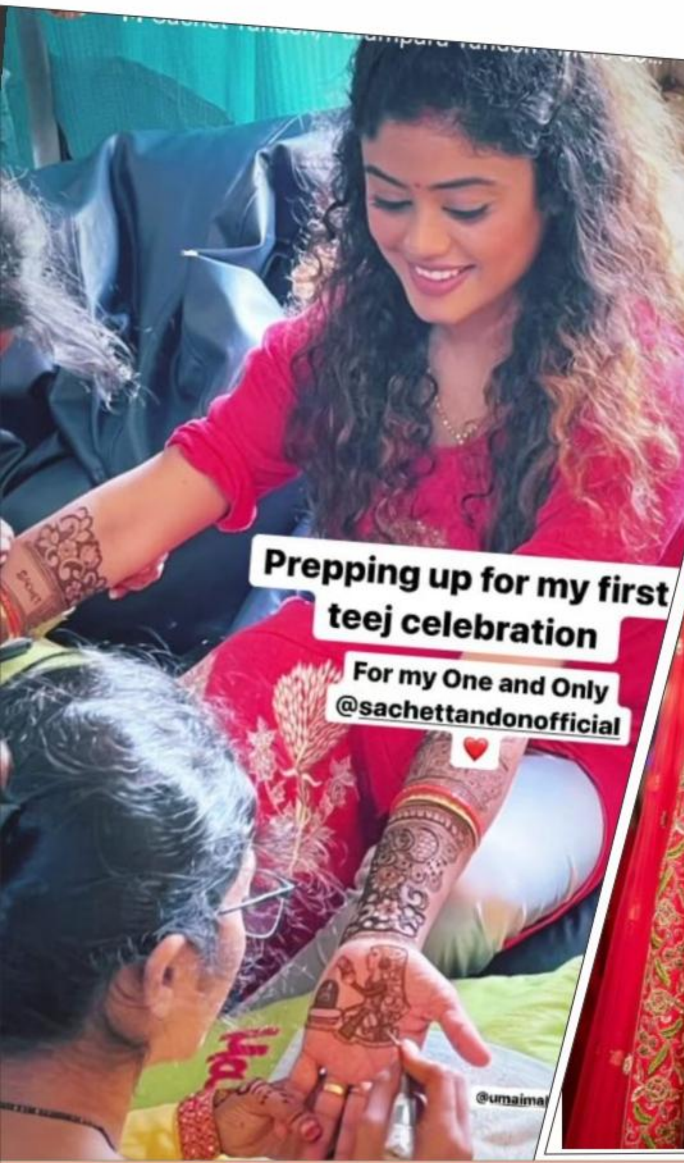

Prepping up for my first teej celebration

For my One and Only @sachettandonofficial ❤️

इस साल की शुरुआत में, परंपरा ने सचेत का जन्मदिन बहुत खूबसूरत तरीके से मनाया। संगीतकार की जोड़ी बैक टू बैक लाइव शो की शूटिंग, रिकॉर्डिंग और परफॉरमेंस कर रही थी, जिससे उनके पास समय का अभाव था। अतः उन्हें जैसे ही मौका मिल उन्होंने सचेत के जन्मदिन की व्यवस्था प्रकृति के बीच में एक खूबसूरत जगह पर अपने दोस्तों और परिवार के साथ करके सचेत को आश्चर्यचकित कर दिया!

ये दोनों निश्चित रूप से सच्चे प्यार का एक सच्चा प्रमाण हैं!

'राजन शाही के साथ काम करना हमेशा सुखद रहा'

दीपक घीवाला

– ज्योति वेंकटेश

हाल ही में हमने राजन शाही के लोकप्रिय शो अनुपमा में अनुभवी गुजराती अभिनेता दीपक घीवाला की एंट्री देखी। प्रसिद्ध अभिनेता अनुज कपाड़िया (गौरव खन्ना) के अभिभावक – आराध्य और प्यार करने वाले जीके की भूमिका निभा रहे हैं। शो में अपनी एंट्री के बारे में बात करते हुए दीपक कहते हैं, ''राजन शाही के साथ काम करना हमेशा से एक खुशी की बात रही है। इससे पहले मैंने डीकेपी के शो ये रिश्ते है प्यार के में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जब मुझे अनुपमा में जीके की भूमिका के लिए कॉल आया, तो मुझे इसे स्वीकार करने में बहुत खुशी हुई। राजन शाही उद्योग में एक ऐसे निर्माता हैं जो वास्तव में अच्छी तरह से व्यवस्थित हैं। महामारी के बीच, सेट पर सब कुछ इतनी अच्छी तरह से बनाए रखा और साफ–सुथरा है – मैं उसके सेट पर काम करने में वास्तव में सहज महसूस करता हूं। मैं इस साल की शुरुआत में घातक वायरस से बच गया लेकिन सौभाग्य से मैं होम क्वारंटाइन में था। मेरे परिवार ने मेरी अच्छी देखभाल की और मैं ठीक हो गया। एक कलाकार के रूप में मुझे लगता है कि शो को चलते रहना चाहिए।"

अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, अनुभवी अभिनेता कहते हैं, "जीके शो में अनुज के लिए एक पिता की तरह है। वे एक प्यारा रिश्ता साझा करते हैं। अनुज ने अपने माता–पिता की कमी को कभी महसूस नहीं किया क्योंकि जीके उनके लिए वन–मैन आर्मी है। दर्शकों को जल्द ही और जानने को मिलेगा।"

गौरव खन्ना के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, दीपक कहते हैं, "उनका कोई हैंग–अप नहीं है और मुझे वह बहुत पसंद है। दृश्यों को अच्छी तरह से लिखा गया है और मुझे यकीन है कि दर्शकों को यह पसंद आएगा। मैंने वाईआरएचपी में शहीर शेख के साथ काम करके बहुत अच्छा समय बिताया और मुझे उम्मीद है कि गौरव और मैं फिर से उस जादू को फिर से बनाएंगे। वह इस पर भी अपने विचार साझा करते हैं कि अनुपमा चार्ट के शीर्ष पर क्यों हैं? "जिस तरह से राजन शाही ने अनुपमा की कहानी को बुना है वह बेहद आकर्षक है। उनका प्रतिबद्ध वैवाहिक जीवन, समाज में अपनी पहचान बनाने का उनका संघर्ष – दर्शकों को वह हिस्सा बहुत पसंद है। शो में सभी के लिए बहुत सारे संदेश हैं और इसे पात्रों के माध्यम से अच्छी तरह से बताया गया है।"

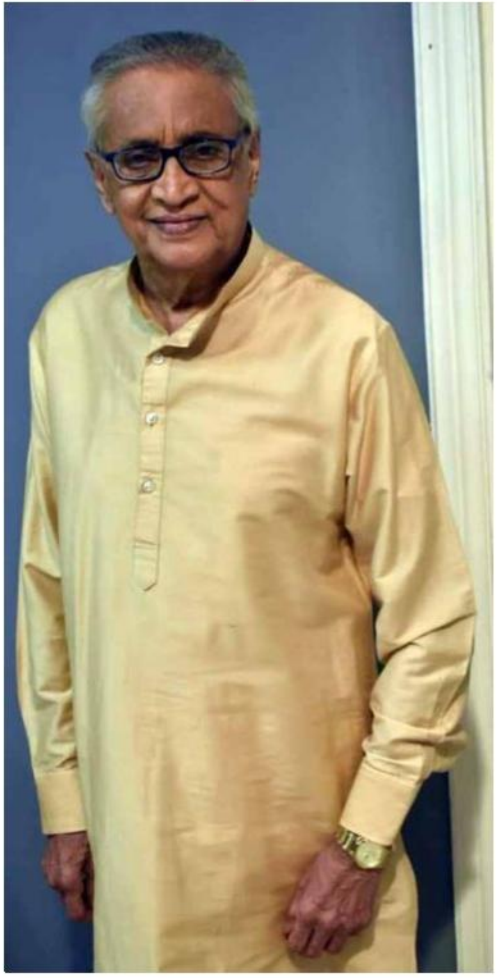

82 साल की उम्र में घीवाला बेहद भावुक और अपने शिल्प के प्रति समर्पित हैं, उन्हें लगता है कि यह एड्रेनालाईन की भीड़ है जो उन्हें आगे बढ़ाती है। कुछ प्रतिष्ठित गुजराती नाटकों मुठी उचेरो मानस, हीम अंगारा, महासागर, बे दूनी पांच के अलावा वह एक महल हो सपनों का, दिया और बाती, तीन बहुरियां, आरके लक्ष्मण की दुनिया जैसे लोकप्रिय हिंदी दैनिक शो भी कर रहे हैं।

काव्या अपने फायदे के लिए अनुपमाँ और अनुज की दोस्ती का इस्तेमाल करना चाहती हैं

– ज्योति वेंकटेश

"अनुपमाँ" अनुज कपाड़िया और अनुपमाँ के साथ उनकी दोस्ती के बारे में है। हाल ही में, हमने देखा कि अनुज ने समर को एक दुर्घटना से बचाया और उसे शाहों के घर ले गया। उनका परिवार इसके लिए उन्हें पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सका और उन्होंने उन्हें अपने साथ जन्माष्टमी मनाने के लिए भी आमंत्रित किया। उत्सव के दौरान, शाह महिलाएं और अनुपमाँ अपने दिल से नृत्य करती हैं और जल्द ही अन्य लोग डांडिया खेलने के लिए शामिल हो जाते हैं। अनुपमाँ को अनुज के साथ डांस करते देख वनराज को जलन होती है।

इस बीच, काव्या अनुज कपाड़िया को उनके घर पर पाकर उत्साहित है और अनुपमाँ से उसके लिए कुछ स्वादिष्ट बनाने के लिए कहती है। वह उससे यह भी कहती है कि उन्हें ऐसे अमीर लोगों और उनकी दोस्ती का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करना चाहिए। आने वाले एपिसोड में, हम देखेंगे कि परिवार अनुज और उसके काका को अलविदा कहता है, जबकि अनुपमाँ दरवाजे पर खड़ी रहती है। यह देखकर वनराज क्रोधित हो जाता है और अनुपमाँ से सवाल करता है, लेकिन उससे करारा जवाब मिलता है। क्या अनुपमाँ और अनुज की दोस्ती से जलते हैं वनराज? अब वह क्या करेगा? आगे क्या होता है यह जानने के लिए देखते रहिए "अनुपमाँ"। "अनुपमाँ" में सुधांशु पांडे, रूपाली गांगुली, गौरव खन्ना, मदालसा शर्मा, अल्पना बुच, अरविंद वैद्य, पारस कलनावत, आशीष मेहरोत्रा, मुस्कान बामने, शेखर शुक्ला, निधि शाह, अनघा भोसले हैं।, और तस्नीम शेख। राजन शाही और उनकी मां दीपा शाही द्वारा अपने बैनर शाही प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के तहत निर्मित, यह शो स्टार प्लस पर प्रसारित होता है।

ज्योति के जलवे

ज्योति वेंकटेश

10 सितंबर को रिलीज़ हो रही गनपाउडर मिल्कशेक पर पॉल जियामाटी कहते हैं, 'मुझे इस तरह के महिला हत्यारों के ब्यूरो का पूरा विचार पसंद आया'

अमेरिकन स्प्लेंडर, साइडवेज़ और बार्नीज़ वर्जन जैसी फिल्मों में प्रमुख भूमिकाओं के लिए बहुत पसंद किए जाने वाले, पॉल जियामाटी ने आगामी एक्शन थ्रिलर गनपाउडर मिल्कशेक में वही किया है जो उन्होंने सबसे अच्छा किया है। गोल्डन ग्लोब विजेता नेथन की भूमिका निभाई है, जो एक धूर्त व्यक्ति है जो फिल्म में महिला हत्यारों के एक गुप्त अपराध सिंडिकेट का नेतृत्व करते है। परियोजना में पॉल की दिलचस्पी इसके उन्मत्त, जीवंत और विद्युत ब्रह्मांड से बढ़ी थी, उन्होंने कहा "मैंने सोचा था कि फिल्म की दुनिया बहुत विशिष्ट और अजीब थी, यह हमारी दुनिया की तरह है, लेकिन बिल्कुल नहीं। मुझे यह तथ्य पसंद आया कि इसमें से बहुत कुछ समझाया नहीं गया था, और दर्शकों को इस अजीब दुनिया के बीच में छोड़ दिया गया है। इसमें बहुत सारी अजीब, अजीब लाइनें भी थीं। और मुझे इस तरह के महिला हत्यारों के ब्यूरो का पूरा विचार पसंद आया, मुझे यह तथ्य पसंद आया कि आप वास्तव में नहीं जानते कि यह आदमी नाथन कौन है। जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मुझे लगा कि नाथन एक भयानक व्यक्ति की तरह नहीं है। वह दोनों पक्षों को निभाने की कोशिश करता है, इसलिए वह एक दिलचस्प चरित्र है।"

घंटा और मिनरल वाटर के बाद जायस टाक क्या कर रहे हैं?

हाल ही में दो यूट्यूब हिट्स के बाद जायस टॉक जल्द ही एक नया सिंगल लेकर आ रहे है। उनके नवीनतम एकल ट्रैक को 'मिनरल वाटर' कहा गया, जो सफल रहा! उनके अनूठे गीतों के नामों के पीछे का कारण यह है कि उनका मानना है कि वे ऐसे गाने बनाते हैं जो दर्शकों से संबंधित होते हैं। जायस ने 'घंटा' नाम के एक गीत के साथ अपनी शुरुआत की, जो कि एक बड़ी सफलता थी, इसके साथ ही उन्होंने अपने विशिष्ट कौशल के साथ गीत लिखने और गाने की अपनी प्रवृत्ति को बनाए रखा है। अपने पहले गीत घंटा के बाद से, जिसे लगभग 10 मिलियन बार देखा गया, वह एक नया गीत लेकर आया, जिसे नंबर डिलीट कहा गया, जिसे 7 मिलियन से अधिक बार देखा गया। वह मिनरल वाटर से पहले पटलो नाम का एक गाना भी लेकर आए, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा। उनका आखिरी गाना अप्रैल में रिलीज हुआ था और लोग इसे पागलों की तरह सुन रहे हैं. उनके मिनरल वाटर गाने ने 15 मिलियन व्यूज को पार कर लिया। गाने के लॉन्च इवेंट को टीवी स्टार मोहित हीरानंदानी, बिग बॉस फेम बेनाफ्शा सूनावाला, श्रुति सिन्हा, पीयूष रंजन और अन्य ने देखा। अब चार महीने बाद, यह अपरंपरागत गायक एक नया गाना लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है, इस उम्मीद में कि इसका नाम उनके पिछले वाले की तरह अद्वितीय होगा।

स्पोटिफाई ने नेटफ्लिक्स के सहयोग से एक विशेष मनी हीस्ट डेस्टिनेशन लॉन्च किया

मनी हीस्ट की कास्ट अपनी अब तक की सबसे बड़ी डकैती के लिए कमर कस रही है – स्पॉटिफाई पर एक गंतव्य जो बेतहाशा लोकप्रिय वैश्विक नेटफ्लिक्स हिट को समर्पित है, और हम चाहते थे कि आप यह सबसे पहले जानें! आज से, स्पोटीफाई मनी हीस्ट के अंतिम सीज़न का जश्न मनाते हुए एक शानदार संगीत अनुभव का घर होगा। भारत में मोबाइल पर सभी स्पोटीफाई उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध, श्रोता स्वयं कलाकारों से विशेष वीडियो सामग्री का आनंद ले सकते हैं, आधिकारिक प्लेलिस्ट शो के सबसे हॉट ट्रैक और भाग 5 वॉल्यूम 1 ट्रेलर– यह मनी हीस्ट प्रशंसकों के लिए स्वर्ग है। गंतव्य से परे, स्पोटीफाई उपयोगकर्ताओं को पर्याप्त नेटफ्लिक्स श्रृंखला नहीं मिल सकती है, जिसमें ला कासा डी पैपेल, मनी हीस्ट या rsula Corberó से संबंधित स्पोटीफाई पर विश्व स्तर पर 64, 000 से अधिक उपयोगकर्ता–जनित प्लेलिस्ट बनाई गई हैं। भारत ने इन उपयोगकर्ता–जनित प्लेलिस्ट को स्ट्रीम करने के लिए शीर्ष स्थान प्राप्त किया, इसके बाद यू. एस., जर्मनी, ब्राजील और फ्रांस का स्थान है। नेटफ्लिक्स के पास शो के लिए एक आधिकारिक Spotify प्लेलिस्ट भी है, और यहां तक कि, इस प्लेलिस्ट को स्ट्रीम करने के मामले में भारत अन्य सभी देशों से आगे है। इस प्लेलिस्ट को स्ट्रीम करने वाले टॉप 5 में अमेरिका, ब्राजील, फ्रांस और चेक गणराज्य अन्य देश हैं।

NETFLIX
La Casa De Papel
Official Playlist

सुधांशु पांडे का नया लुक!

टीवी और फिल्मों का हिस्सा रह चुके सुधांशु पांडे का शोबिज में अब तक का सफर दिलचस्प रहा है। वह एक गायक भी हैं और लोकप्रिय बॉय बैंड, ए बैंड ऑफ बॉयज़ का हिस्सा हैं। अभिनेता, जो वर्तमान में हिट शो अनुपमाँ में वनराज शाह की भूमिका निभा रहे हैं, इस बात से सहमत हैं कि टीवी से मिलने वाला प्यार, समर्थन और प्रशंसक असाधारण है। इन सभी वर्षों में जिस तरह से उनका करियर आकार ले रहा है, उससे वह खुश हैं, लेकिन वह नहीं चाहते कि लोग असली सुधांशु पांडे और उनके अंदर के कलाकार को न भूलें। उन्होंने हाल ही में एक नया फोटो शूट करवाया है जिसमे वह बेहद स्टाइलिश लग रहे हैं, वह कहते है, "मैं 40 से अधिक फिल्मों का हिस्सा रहा हूं और यहां तक कि प्रियंका चोपड़ा (जोनस), रवीना टंडन और ग्रेसी सिंह जैसी अभिनेत्रियों के विपरीत नायक की भूमिका निभाई है। मैंने सबसे महंगी फिल्मों में से एक, 2.0 में भी खलनायक की भूमिका निभाई, और जैकी चैन के साथ एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म की। इसलिए, मैंने बहुत काम किया है। जब टेलीविजन की बात आई, तो मुझे इस शो को लेने से पहले काफी सोचना पड़ा। मैं डेली सोप की दुनिया में जिस दुनिया में था, उससे छलांग लगाने के लिए बहुत ताकत लगानी पड़ी। लेकिन मेरा मानना है कि भगवान हमेशा आपको रास्ता दिखाते हैं और सही दिशा में आपका मार्गदर्शन करते हैं। अनुपमा के साथ, आज मैंने जिस तरह की लोकप्रियता देखी है, वह लगभग असत्य है, मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। यह मेरे करियर का एक बड़ा मील का पत्थर है और मेरे साथ हुई सबसे अच्छी चीजों में से एक है।"

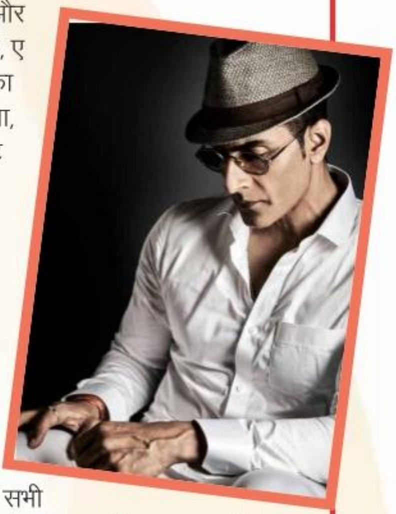

मैं भाग्यशाली हूं और भगवान की कृपा है कि शुरू से ही मैं ज्यादातर पुरुष प्रधान शो का हिस्सा रहा हूं-मनीष वाधवा

भले ही यह कहा जा रहा है कि टेलीविजन उद्योग ने सामग्री के मामले में प्रगति की है, लेकिन सभी टीवी शो में कहीं न कहीं हमें एक ऐसी महिला मिलती है जो हर किसी की नजर में खलनायक बन जाती है। तो ऐसा लगता है कि कुछ चीजें अभी भी वैसी ही हैं। मनीष वाधवा, जो लंबे समय से छोटे पर्दे का हिस्सा रहे हैं, और चंद्रगुप्त मौर्य, परमावतार श्री कृष्ण और हीरो–गयाब मोड ऑन जैसे कई शो कर चुके हैं, इस प्रवृत्ति के बारे में वह क्या सोचते हैं, साझा करते हैं, "टीवी घर का माध्यम है। हर घर में एक टीवी है। परिवार की महिलाएं गृह मंत्री की तरह होती हैं। इसलिए जो धारावाहिक बनते हैं, वे ज्यादातर महिला अभिनेताओं और पात्रों के इर्द–गिर्द घूमते हैं क्योंकि दर्शकों में ज्यादातर महिलाएं होती हैं। वे कोशिश करेंगी और शो में खुद की तलाश करेंगी। हमने विषयवार, तकनीक के लिहाज से, फोटोग्राफी के लिहाज से और वीएफएक्स के लिहाज से भी काफी तरक्की की है लेकिन फिर भी माध्यम महिलाओं के लिए है, उनके माध्यम से संचार होता है। इसलिए, महिला पात्रों को वरीयता मिलती है, चाहे वह सकारात्मक भूमिका हो या नकारात्मक।" रियल और रील दोनों में महिलाओं की इज्जत होनी चाहिए। लेकिन कभी–कभी कुछ शो ओवरबोर्ड हो जाते हैं और उन्हें भगवान के बगल में चित्रित करते हैं। और आप उन्हें अकल्पनीय करते हुए देखते हैं जो वास्तविक जीवन में संभव नहीं है।

16 साल बाद तेरा मेरा साथ रहे से ज्योति मुखर्जी की टीवी पर वापसी

वह बच्चों के बाद हाइबरनेशन में चली गई। सालों तक आर्क लाइट्स से दूर रहने के बाद, ज्योति मुखर्जी स्टार भारत और डिज्नी हॉट स्टार शो "तेरा मेरा साथ रहे" के साथ टेलीविजन पर वापस आ रही हैं, जो 16 अगस्त को रात 8:30 बजे से शुरू हो रहा है। डिज्नी हॉटस्टार पर प्रसारित होने वाले 'तेरा मेरा साथ रहे' में, वह रूपल पटेल, जिया मानेक, नाजिम खिलजी, वंदना बोटादकर विथलानी सहित पहले साथ निभाना साथिया के कलाकारों के साथ अभिनय करती नजर आ रही हैं। जबकि साथ निभाना साथिया का दूसरा भाग स्टार प्लस पर ऑन एयर है, कहानी में लीप के कारण इन अभिनेताओं को भाग दो में युवा पीढ़ी ने बदल दिया है। ज्योति कहती हैं, "जबकि कोकिलाबेन, गोपी बहू, अहम और गोपी की मामी साथ निभाना साथियान से दोहराई जाती हैं, तेरा मेरा साथ रहे एक अलग प्रोडक्शन हाउस द्वारा पूरी तरह से नया शो और कहानी है। मैं अपनी भूमिका के बारे में इतना ही कह सकती हूं कि यह एक सकारात्मक और दिलचस्प भूमिका है। यह एक सास–बहू ड्रामा है।"

रोहित शेट्टी ने कलर्स पर 'खतरों के खिलाड़ी 11' की मेजबानी की, जो भारतीय टेलीविजन पर सबसे लोकप्रिय रियलिटी शो बन गया

टेलीविजन दर्शकों के लिए एक्शन नई पसंदीदा शैली है और कलर्स पर प्रसारित खतरों के खिलाड़ी सीजन 11 की मेजबानी रोहित शेट्टी मनोरंजन चार्ट में शीर्ष पर है। यह शो शुरू से ही सबसे ज्यादा टीआरपी के साथ भारतीय टेलीविजन पर सबसे लोकप्रिय रियलिटी शो बन गया है। केप टाउन में महामारी के दौरान शूट किया गया, बहुप्रतीक्षित शो अपने साहसी स्टंट और प्रत्येक प्रतियोगी की जीत की भावना के कारण सुर्खियां बटोर रहा है। हर वीकेंड पर पहले कभी नहीं की तरह मनोरंजन का वादा करते हुए, इस शो ने प्रतियोगियों और दर्शकों के लिए समान रूप से एड्रेनालाईन की भीड़ को समान रूप से बढ़ा दिया है। एक्शन से भरपूर शो की नंबर एक स्थिति के बारे में बात करते हुए, रोहित शेट्टी ने साझा किया, "KKK11 मेरे लिए बहुत खास है, और हमने हर एपिसोड के साथ थ्रिल फैक्टर को बढ़ाने की कोशिश की। हमारे पास कुछ बेहतरीन प्रतियोगी हैं जिन्होंने अपनी जीत की भावना से दर्शकों का मनोरंजन करना सुनिश्चित किया है। यह जानकर मुझे वाकई खुशी होती है कि हमारी मेहनत रंग ला रही है और दर्शकों को यह सीजन पसंद आ रहा है।" देखिए रोमांच से भरे 'खतरों के खिलाड़ी' के सीजन 11 को हर शनिवार और रविवार रात 9.30 बजे सिर्फ कलर्स पर।

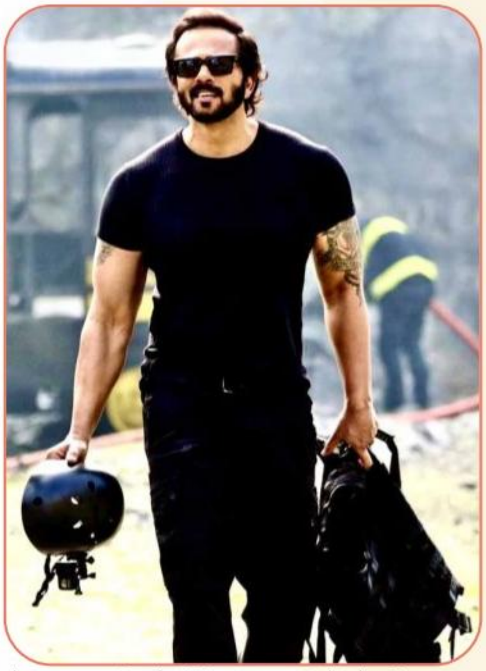

वागले की दुनिया में इस गणेश चतुर्थी पर यह एक नाटकीय प्रसंग है

सोनी सब के बेहद पसंद किए जाने वाले शो 'वागले की दुनिया' में गणेश चतुर्थी समारोह में एक नया मोड़ देखने को मिला है। तीन अलग–अलग पीढ़ियों की जरूरतों को पूरा करने वाले इस शो ने दर्शकों का दिल जीत लिया है और इसकी ताज़ा कहानी को दर्शकों द्वारा पसंद और सराहा गया है। आने वाले एपिसोड राजेश (सुमीत राघवन) के विचारशील शैली में गणेश चतुर्थी के उत्साह को जीवंत करते हैं। राजेश अपने दोस्त गणेश से मिलता है, जो एक स्थानीय मंच कलाकार है, और उसे पता चलता है कि चल रही महामारी का उसकी आजीविका पर क्या प्रभाव पड़ा है और आर्थिक तंगी के कारण बप्पा को घर नहीं लाने की उसकी दुर्दशा। राजेश रचनात्मक हो जाता है और उसकी समस्या को हल करने में उसकी मदद करने का फैसला करते है। राजेश अपने समाज के सदस्यों को अपने दोस्त और उनकी टीम को गणेश जी की शोर्ट कहानियों पर एक नाटक करने के लिए मनाते है, जहां वह इसे शूट करने और वीडियो को वायरल करने की योजना बना रहे है, जो लोगों से अपने कार्यक्रमों के लिए स्थानीय मंच कलाकारों को बढ़ावा देने और उन्हें काम पर रखने का आग्रह करेगा। जैसे ही वागले परिवार अपने समाज में इस नाटकीय प्रसंग के लिए तैयारी करता है, राजेश अपने बॉस, कियारा से वादा करता है कि भले ही उसकी पूरी टीम अपने परिवार के साथ उत्सव के लिए छुट्टी पर है, काम अप्रभावित रहेगा, और वह सब कुछ देखेगा। जैसा कि सब कुछ ठीक हो जाता है, स्किट के दिन, राजेश के दोस्त, गणेश ने सूचित किया कि अभिनेता का दल मुंबई वापस जाते समय एक दुर्घटना का शिकार हो गया। घटना का यह मोड़ राजेश और वंदना (परिवा प्रणति) को स्किट में प्रतिस्थापन के रूप में कदम रखने के लिए मजबूर करता है।

PIC BY RAKESH DAVE

SINGER DHVANI BHANUSHALI & GURFATEH SINGH PIRZADA SPOTTED AT THE AIRPORT TODAY. ARE THEY COMING TOGETHER FOR SOMETHING BIG

RAAVAN LEELA
(BHAVAI)

RAAVAN LEELA
(BHAVAI)
OCTOBER 1ST
IN CINEMAS

HERE'S PRESENTING THE TEASER OF THE MUSICAL DRAMA 'RAAVAN LEELA (BHAVAI)] THE FILM STARS PRATIK GANDHI IN THE LEAD

सोनी के `विघ्नहर्ता गणेश' की लवीना टंडन ने कहा, `पीली साड़ी और एकतारा हैं मीरा बाई की पहचान

मायापुरी प्रतिनिधि

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो विघ्नहर्ता गणेश ने अपने दर्शकों को बार–बार कई खूबसूरत और सारगर्भित पौराणिक कहानियां दिखाई हैं। वर्तमान ट्रैक मेंजानी–मानी अदाकारा लवीना टंडन 'मीरा बाई' की भूमिका निभाती नजर आ रहीहैं। भगवान कृष्ण की एक समर्पित भक्त, मीरा बाई ने धार्मिक रूप से उनकी पूजाकी और उनका पूरा संसार कृष्ण के इर्द–गिर्द घूमता रहा।

इस शो में लवीना को पीले रंग की साड़ी में दिखाया जा रहा है और उनके साथ पारंपरिक रूप से तार वाला एक वाद्य यंत्र है, जिसे 'एकतारा' कहा जाता है। शो में लवीना ने अपने लुक को बड़ी खूबसूरती से संभाला है। उनका मानना है कि इसमें सादगी ही सब कुछ है।

इस शो में पहनी गई साधारण पीली साड़ी और वाद्य यंत्र को लेकर लवीना टंडन कहती हैं, "मीरा बाई भगवान कृष्ण की सच्ची भक्त थीं, और उनके प्रति उनकी भक्ति हमेशा पवित्र थी। मैं चाहती थी कि मेरे पहनावे में भी वही गुण दिखाई दें।इस किरदार को उभारने के लिए, मैं पीले रंग की साड़ी के साथ गुंथे हुए फूलों के गहनों में नजर आ रही हूं। इस लुक को और विश्वसनीय बनाते हुए, मेरे पास 'एकतारा' नामक एक वाद्य यंत्र भी है, जिसे मीरा बाई बजाती थीं। मेरा मानना है कि संवाद बोलने के साथ–साथ लुक भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि वो एक किरदार को बढ़िया तरीके से सामने लाने में मदद करता है। विघ्नहर्ता गणेश जैसे शो में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर मुझे बेहद खुशी महसूस होती है, जिसे बहुत–से लोग इतना पसंद करते हैं और देखते हैं।"

देखिए विघ्नहर्ता गणेश, हर सोमवार से शुक्रवार, शाम 6:30 बजे, सिर्फ सोनी इंटरटेनमेंट टी. वी. पर।

रवीना टंडन दोबारा अजय देवगन-सुनील शेट्टी का सामना नहीं कर सकती और ज़ी कॉमेडी शो में गोविंद सागर और गौरव दुबे ऐसे बने इसकी वजह!

–मायापुरी प्रतिनिधि

एक ओर, जहां महामारी का खतरा अब भी मंडरा रहा है, वहीं ज़ी टीवी अपने नए रियलिटी शो, ज़ी कॉमेडी शो के जरिए अपने दर्शकों का तनाव दूर करने का प्रयास कर रहा है। जहां इस शो ने देश के हर परिवार को भारत के टॉप कॉमेडियन्स के साथ हंसने, खिलखिलाने और अपनी परेशानी भूल जाने का मौका दिया, वहीं इस रविवार के एपिसोड में पॉपुलर बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन स्पेशल गेस्ट के रूप में अपने चटपटे कमेंट्स और कुछ दिलचस्प खुलासों के साथ हमारा मनोरंजन करेंगी! जहां रवीना का उत्साही व्यक्तित्व और किलर डांस मूव्स दर्शकों का मन मोह लेंगे, वहीं सभी 10 कॉमेडियन्स 'टीम हंसाएंगे' बनकर सामने आएंगे और सबको लोटपोट कर देंगे!

जहां सभी कॉमेडियन्स के मजेदार एक्ट्स और मीका सिंह की हाजिर जवाबी सबको खूब गुदगुदाएगी, वहीं 1994 की हिट फिल्म दिलवाले पर मुबीन सौदागर (अजय देवगन के रोल में), गौरव दुबे (सुनील शेट्टी के रोल में) और चित्राशी रावत (रवीना टंडन के रूप में) के होश उड़ा देने वाले एक स्पूफ एक्ट को देखकर रवीना टंडन ने भी एक मजेदार बात स्वीकार की।

उनकी रोमांचक परफॉर्मेंस देखने के बाद रवीना टंडन ने कहा, ''यह एक्ट इतना मजेदार था कि इस पर हंसते-हंसते मेरे जबड़े दुखने लगे। ये बहुत शानदार था और मैं कहना चाहूंगी कि मैं कभी इतना नहीं हंसी! सभी कलाकारों की टाइमिंग

एकदम सटीक थी और मैं इसे कभी नहीं भूल सकती। यह एक क्लास एक्ट था और मैंने इससे पहले कभी सुनील शेट्टी और अजय देवगन की मिमिक्री नहीं देखी है। मुबीन और गौरव का अंदाज ही अलग था और चित्राशी इस एक्ट में एक स्वीट एडिशन थीं। सच कहूं तो इसको देखने के बाद मैं जिंदगी में कभी अपने दिलवाले को–स्टार्स को नहीं देख पाऊंगी। असल में मैं नहीं जानती कि इस एक्ट के बाद मैं अजय और सुनील का सामना कैसे करूंगी। आप इसे अनदेखा तो नहीं कर सकते ना! मैं जब भी उन्हें देखूंगी तो मैं हंसने लगूंगी। मैं उनका सामना बिल्कुल नहीं कर सकती।''

जहां दिलवाले एक्ट और रवीना टंडन के शानदार डांस मूव्स आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे, वहीं आप इस वीकेंड के एपिसोड के दौरान ज़ी कॉमेडी शो के कलाकारों के कॉमिक एक्ट्रेस कतई मिस नहीं कर सकते।

तो दिल खोलकर हंसने और अपना तनाव दूर भगाने के लिए तैयार हो जाइए! देखिए ज़ी कॉमेडी शो, हर शनिवार और रविवार रात 10 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी पर।

मुझे कोई हरा नहीं पाया खतरों के खिलाड़ी में

दिव्यांका त्रिपाठी

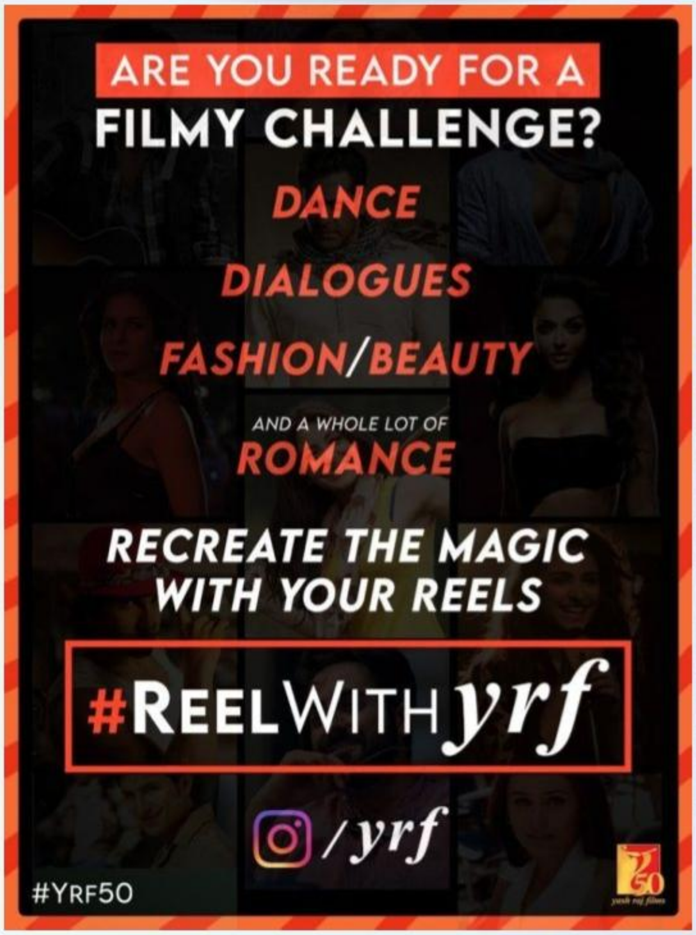
ARE YOU READY FOR A
FILMY CHALLENGE?
DANCE
DIALOGUES
FASHION/BEAUTY
AND A WHOLE LOT OF
ROMANCE
RECREATE THE MAGIC
WITH YOUR REELS
#REELWITHyrf
/yrf
#YRF50
yash raj films

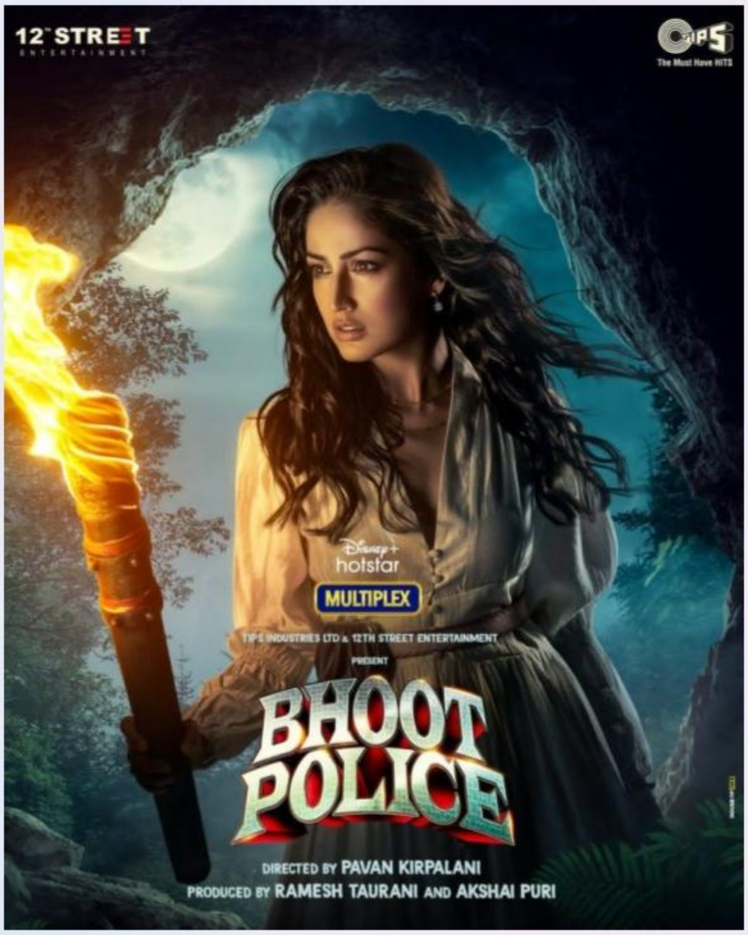
12TH STREET ENTERTAINMENT
TIPS The Must Have HITS
Disney+ hotstar
MULTIPLEX
TIPS INDUSTRIES LTD & 12TH STREET ENTERTAINMENT
PRESENT
BHOOT POLICE
DIRECTED BY PAVAN KIRPALANI
PRODUCED BY RAMESH TAURANI AND AKSHAI PURI

MENTAL HEALTH IS MOST IMPORTANT, SAYS SHEENA BAJAJ ON WORLD SUICIDE PREVENTION DAY TODAY

MARUTI SUZUKI
KHATRON KE KHILADI

WATCH YOUR FAVOURITE 'KHATRON KE KHILADI' CONTESTANTS REVEAL THEIR HIDDEN TALENT, THIS WEEKEND ON COLORS

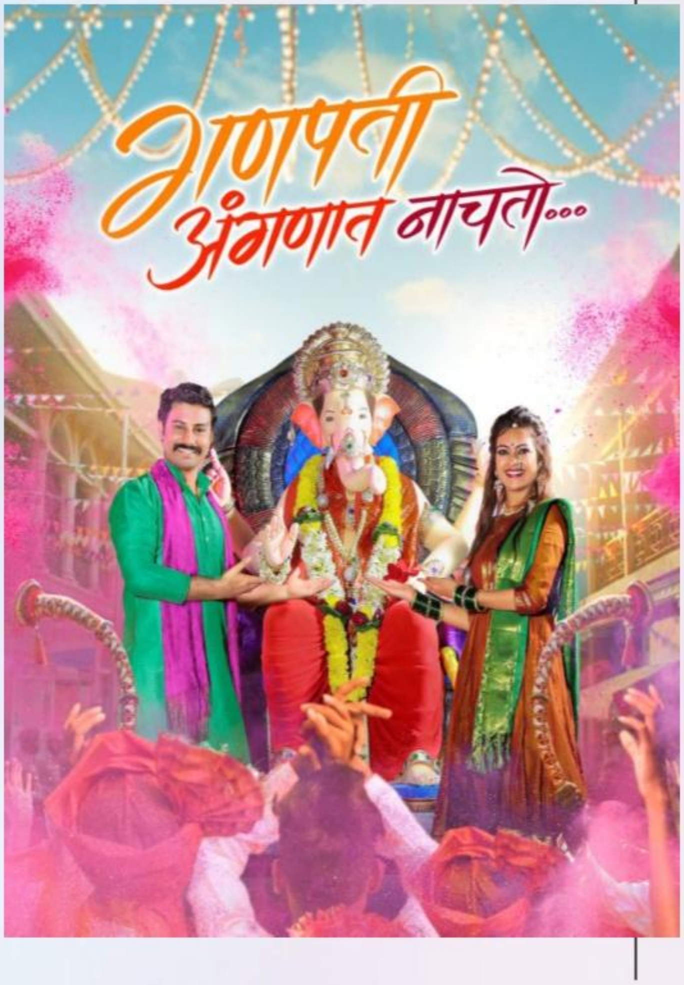
गणपती
अंगणात नाचतो...

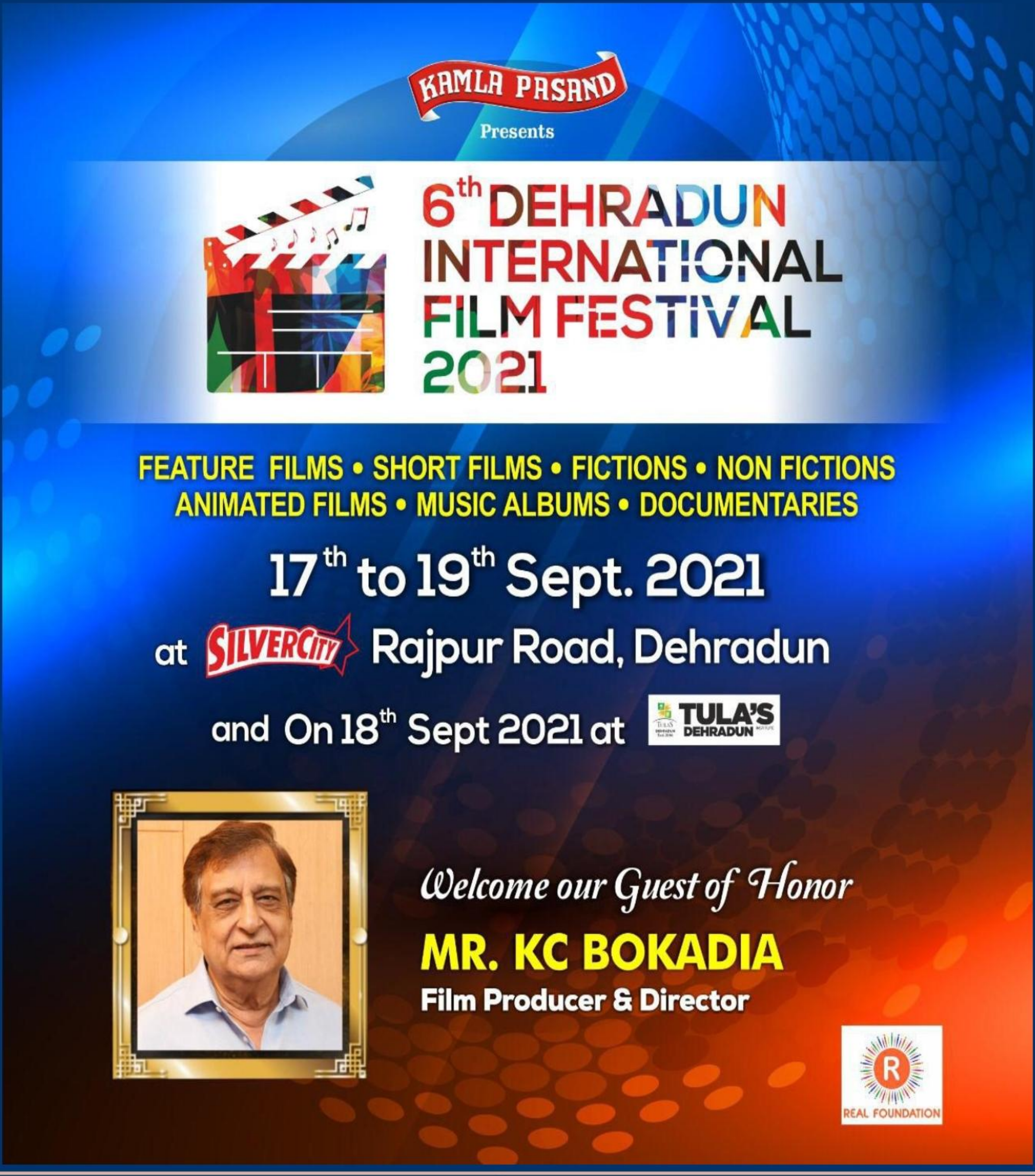

KAMLA PASAND

Presents

6th DEHRADUN INTERNATIONAL FILM FESTIVAL 2021

FEATURE FILMS • SHORT FILMS • FICTIONS • NON FICTIONS
ANIMATED FILMS • MUSIC ALBUMS • DOCUMENTARIES

17th to 19th Sept. 2021

at SILVERCITY Rajpur Road, Dehradun

and On 18th Sept 2021 at TULA'S DEHRADUN

Welcome our Guest of Honor

MR. KC BOKADIA

Film Producer & Director

REAL FOUNDATION

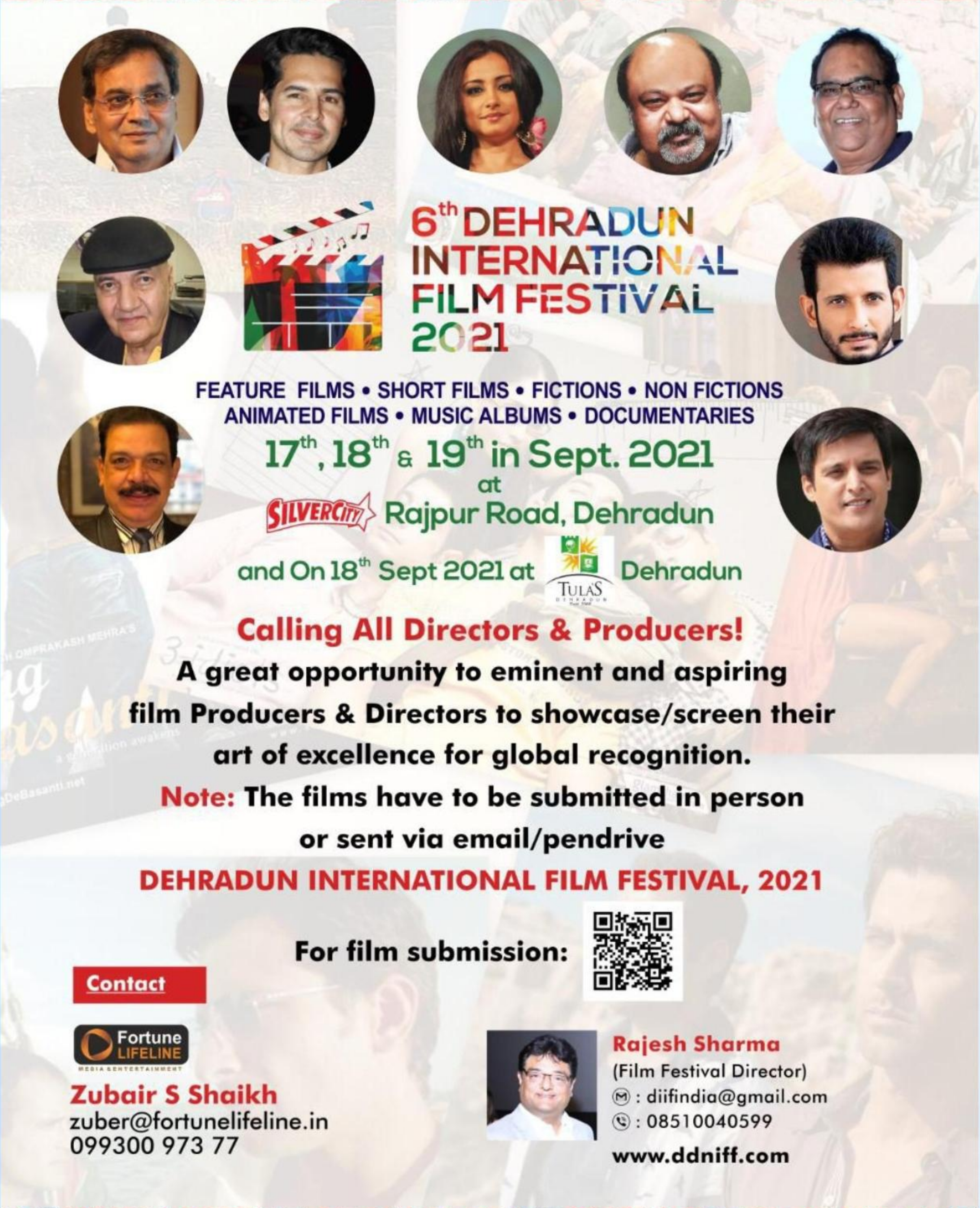

6th DEHRADUN INTERNATIONAL FILM FESTIVAL 2021

FEATURE FILMS • SHORT FILMS • FICTIONS • NON FICTIONS
ANIMATED FILMS • MUSIC ALBUMS • DOCUMENTARIES

17th, 18th & 19th in Sept. 2021
at
SILVERCITY Rajpur Road, Dehradun

and On 18th Sept 2021 at TULA'S Dehradun

Calling All Directors & Producers!

A great opportunity to eminent and aspiring film Producers & Directors to showcase/screen their art of excellence for global recognition.

Note: The films have to be submitted in person or sent via email/pendrive

DEHRADUN INTERNATIONAL FILM FESTIVAL, 2021

For film submission:

Contact

Fortune LIFELINE
MEDIA & ENTERTAINMENT

Zubair S Shaikh
zuber@fortunelifeline.in
099300 973 77

Rajesh Sharma
(Film Festival Director)
Ⓜ : diifindia@gmail.com
✆ : 08510040599

www.ddniff.com

सेक्सी और स्मार्ट स्नेहा नामानंदी ने जिंदगी रीलोडेड नाम से एक चैट शो के साथ अपना प्रोडक्शन हाउस खोला

–ज्योति वेंकटेश

अभिनेत्री और उद्यमी होने के साथ–साथ स्नेहा नामानंदी अब प्रोडक्शन में भी कदम रखती हैं। बड़े अच्छे लगते हैं (सीजन 2) के अभिनेता ने अपने प्रोडक्शन हाउस का नाम अपने पालतू कुत्तों, माउ और मिगुएल के नाम पर रखा है। इसलिए उसकी कंपनी को माउ और मिगुएल entertainment-co कहा जाता है

"मैं अपने कुत्तों या उनके बारे में कुछ के बाद अपनी कंपनी का नाम रखना चाहता था। मुझे लगता है कि मेरे जीवन में जो कुछ भी अच्छा होता है वह उनकी, उनकी ऊर्जा और उनके आशीर्वाद के कारण होता है। साथ ही, भविष्य में, जैसा कि मैंने हमेशा कहा है कि मैं एक डॉग शेल्टर शुरू करना चाहता हूं, और शायद इसलिए वे मुझे आर्थिक और मानसिक रूप से समर्थन और मदद कर रहे हैं ताकि एक दिन कुत्तों और मेरे पास एक साथ एक बड़ा खुशहाल घर हो। यही वह खिंचाव है जिसे मैं और मेरे आस–पास के कुत्ते साझा करते हैं। वे मेरे जीवन को बेहतर बनाने में मेरी मदद कर रहे हैं। मेरे लिए, वे मेरे आस–पास की सबसे खूबसूरत आत्माएं हैं और मेरी कंपनी का नाम उनके नाम पर रखने से बेहतर क्या हो सकता है। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं अपना पहला प्रोजेक्ट, जिंदगी रीलोडेड नामक एक चैट शो का निर्माण कर रहा हूं और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। छह हस्तियां हैं और प्रसिद्ध जीवन शैली और आत्मविश्वास कोच आशना धानुका उनका साक्षात्कार लेंगी। कृष्णा अभिषेक परियोजना के अभिनेताओं में से एक हैं, "स्नेहा कहती हैं, जिन्होंने गुमरा के साथ शोबिज में अपनी यात्रा शुरू की और हाल ही में टी–सीरीज़ के संगीत वीडियो मैं जिस दिन भुला दू में देखा गया था।

चैट शो की अवधारणा का खुलासा करते हुए, वह कहती हैं कि शो के कलाकार वही हैं जिनकी यात्रा आम लोगों के लिए दिलचस्प होगी। "हम आम लोगों को यह संदेश देना चाहते हैं कि मशहूर हस्तियों को भी संघर्ष का सामना करना पड़ता है और उनकी यात्रा आसान नहीं होती है। अतिथि एक छोटा सा स्टैंड–अप करेगा, यह एक प्रस्तावना की तरह होगा और फिर चैट शो शुरू होगा। यह एक सवाल–जवाब सत्र होगा जहां मेहमानों से उनके जीवन के बारे में कुछ सवाल पूछे जाएंगे और वे इस वास्तविक दुनिया में कैसे चलते रहेंगे। फिर एक त्वरित रैपिड–फायर राउंड होता है जिसमें मज़ेदार, दिलचस्प और भावनात्मक दोनों तरह के प्रश्न होंगे, "अभिनेता कहते हैं, जो एक पालतू कैफे और पालतू ब्रांड" द पेट स्टेशन " भी चलाता है।

तो वह एक ही समय में अभिनय, उत्पादन और पालतू कैफे का प्रबंधन कैसे करेगी? "मैं हमेशा अपने जीवन में बहुत कुछ करना चाहता हूं। मैं बेकार नहीं बैठना चाहता, बस एक ही जीवन है और मैं जितना हो सके अन्वेषण करना चाहता हूं। मैं जो भी काम करता हूं उसके लिए मैं जुनूनी हूं। तो हां, अभी मैं तीन चीजें मैनेज कर रहा हूं। मेरा शो बड़े अच्छे लगते हैं, मेरा पालतू कैफे और मेरा प्रोडक्शन हाउस ... मैं तीनों को मैनेज करने की पूरी कोशिश कर रहा हूं। हां, मैं दिन के अंत में बहुत थक जाता हूं लेकिन मुझे पता है कि यह सब इसके लायक होगा। मैं जो कुछ भी करता हूं उसमें मेरे परिवार का समर्थन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मेरी माँ और पूरा परिवार मेरी बहुत मदद करता है, "वह साझा करती है।

स्नेहा का कहना है कि बचपन से ही मल्टीटास्किंग उनमें एक विशेषता रही है। "मैं इसे जीवन भर अपने साथ रखूंगा। जब जीवन हमें इतने अवसर देता है, तो सिर्फ एक को ही क्यों चुना जाए," वह समाप्त होती है।

discovery+ original
STAR VS FOOD

JANHVI KAPOOR CONFESSES ESCAPING THE PAPARAZZI AND MUCH MORE ON STAR VS FOOD SEASON 2

GIORGIA ANDRIANI TAKES A STORM OVER THE INTERNET WITH HER NEW BIKINI VIDEO FROM HER MINI-VACATION IN GOA

PRANATI RAI PRAKASH HAS A NEW OBSESSION WITH CYCLING CHECK OUT THE REASON BEHIND HER HOURGLASS BODY

KAVISH SINHA ON HIS JOB AS CASTING DIRECTOR OF MUMBAI DIARIES 26/11

MX TAKATAK STARS AASHIKA BHATIA AND SHEZAADA KAKKAR ARE ALL SET TO MEET KARAN JOHAR AT THE BIGG BOSS OTT HOUSE

URVASHI RAUTELA BEGINS WITH HER 3RD SCHEDULE FOR TAMIL DEBUT FILM, SHOOT TO RESUME IN ICE LAND

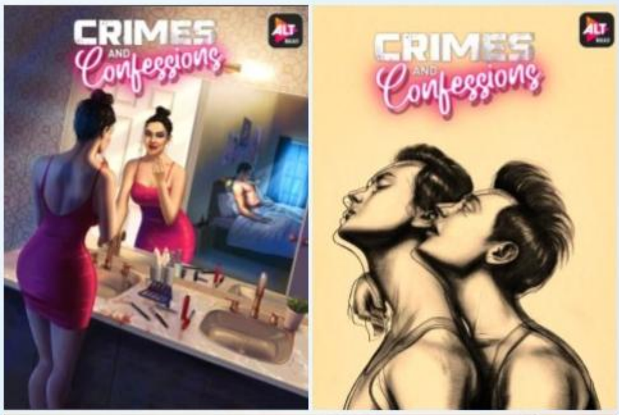
CRIMES AND Confessions
ALT BALAJI
CRIMES AND Confessions
ALT BALAJI

ALTBALAJI'S CRIMES AND CONFESSIONS ACTOR PRADEEP DUHAN "TOOK INSPIRATION FROM FAWAD KHAN'S" CHARACTER FROM KAPOOR AND SONS

The
Best Actors
Hollywood
Has To Offer
PRIVE ICONS
STARTING SEPTEMBER 6
WEEKNIGHTS AT 9
&privéHD
FEEL THE OTHER SIDE
AFTER EARTH
Ammonite
JUSTIN TIMBERLAKE
MILA KUNIS
FriendsWithBenefits
YOU DON'T MESS WITH THE ZOHAN

ENJOY THE BRILLIANCE OF CINEMA THIS MONTH WITH HOLLYWOOD'S MOST ICONIC ON &PRIVÉHD

IF YOU'RE FROM MUMBAI OR KNOW SOMEONE FROM THE INDUSTRY THINGS BECOME MUCH EASIER FOR YOU, SAYS PRIYANKA LALWANI

AMRUTA ARUN RAO TO MAKE SHYAMCHI AAI WITH SUJAY DAHAKE

'लक्ष्मी घर आई' शो में अभिनेत्री कविता कौशिक जल्द लेंगी एक धमाकेदार किरदार में एंट्री!

– मायापुरी प्रतिनिधि

अपने दमदार अभिनय और क्विक कॉमेडी टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री कविता कौशिक जल्द ही स्टार भारत के 'लक्ष्मी घर आई' शो में एक नए अवतार में एंट्री लेने वाली हैं। आपको बता दें कि उनका लुक टेस्ट लगभग फाइनल हो गया है और वे इस शो में बक्सा मॉसी के किरदार में नज़र आएँगी जो शो के मुख्य किरदार राघव और मैथिली के बीच नज़दीकिया बढ़ाएंगी जो किरदार अक्षित सुखिजा और सिमरन परींजा द्वारा निभाया जा रहा है।

बक्सा मौसी, ज्वाला देवी की बहन की भूमिका निभाएंगी और विशेष गणेश चतुर्थी ट्रैक का हिस्सा होंगी। अपनी मौजूदगी से वे कहानी में कई मज़ेदार ट्विस्ट और टर्न्स जोड़ेंगी, जिसे देख दर्शकों का जमकर मनोरंजन होने वाला है।

इस शो में अपनी एंट्री को लेकर उत्साहित कविता कौशिक से जब उनके किरदार, बक्सा मौसी के बारे में बात की गई तो उन्होंने कहा, "मुझे शकुंतलम टेलीफिल्म्स के साथ जुड़कर बहुत खुशी हो रही है क्योंकि उनके काम को लेकर मेरे मन में बहुत सम्मान है। इस शो की कहानी के लिए मेरा किरदार जो भी करेगा, वह बहुत इंट्रेस्टिंग होगा। बक्सा मौसी की हरकतें बहुत सारी भावनाओं के साथ बहुत सारे मजेदार तत्व प्रदर्शित करेंगी, यह एक ऐसा मसालेदार और प्रगतिशील किरदार है, जिसमें मैंने एक अलग उत्तर भारतीय बोली का इस्तेमाल किया है जिसमें बहुत सारी मज़ेदार लाइने हैं। खास बात यह है कि इसके लिए मैंने खुद कुछ दिलचस्प शोध किए हैं। मैं इस शो की शानदार टीम का हिस्सा बनने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ।"

शो की कहानी मैथिली तिवारी के जीवन के इर्द–गिर्द घूमती है, जो दहेज का शिकार हो जाती है। राघव से मैथिली की शादी के बाद, वे उनके परिवार को उनकी दहेज की मांग पर सबक सिखाने के लिए तत्पर हैं और शो में फुल–ऑन ड्रामा दर्शकों को देखने को मिल रहा है। जहां मैथली और राघव की शादी महज एक डील है, वहीं दोनों में एक–दूसरे के लिए फीलिंग्स भी हैं। हालांकि, वे एक–दूसरे से नफरत करने का नाटक करते हैं। वर्तमान ट्रैक में, बक्सा मौसी अब शो का हिस्सा होंगी और मुख्य किरदारों के बीच नज़दीकियां बढ़ाएंगी, लेकिन ज्वाला देवी की निगाहें उन पर ही टिकी हुई हैं।

ऐसे में कविता कौशिक को बक्सा मौसी के किरदार में देखने के लिए देखते रहिए 'लक्ष्मी घर आई' शो सोमवार से शुक्रवार, रात 8 बजे सिर्फ स्टार भारत पर।

विलेन लाइफस्टाइल ने कोरियोग्राफर, तुषार कालिया के साथ आधिकारिक साउंडट्रैक #HeroNahiVillin लॉन्च किया

–ज्योति वेंकटेश

भारत के पुरुषों के फैशन और लाइफस्टाइल ब्रांड, विलेन लाइफस्टाइल ने हाल ही में अपना आधिकारिक साउंडट्रैक #HeroNahiVillin लॉन्च किया है। एक सुपर ऊर्जावान और आकर्षक संख्या के लिए, इस ट्रैक का उद्देश्य उस खलनायक का जश्न मनाना है जो हम सभी में रहता हैः स्वयं का अप्राप्य संस्करण जो आप में सर्वश्रेष्ठ लाता है। साउंडट्रैक वीडियो में मशहूर कोरियोग्राफर तुषार कालिया को दिखाया गया है, जिन्होंने ट्रैक में सच्चे खलनायक व्यक्तित्व को जीवंत किया।

#HeroNahiVillin अभियान को करण जौहर, विक्की कौशल, मौनी रॉय, धर्मेश और अन्य जैसे उद्योग के कुछ सबसे बड़े नामों से प्यार और साझा किया गया था, और यह इंस्टाग्राम पर एक वायरल सनसनी बन गया है। इंस्टाग्राम पर डिजिटल रूप से लॉन्च किया गया, साउंडट्रैक वीडियो गाना, स्पॉटिफ़, अमेज़ॅन म्यूज़िक, ऐप्पल म्यूज़िक आदि सहित सभी म्यूज़िक प्लेटफ़ॉर्म पर भी उपलब्ध है। वीडियो लॉन्च के साथ, विलेन ने #HeroNahiVillain Hook&Step Challenge नामक अपनी पहली यूजीसी–प्रतियोगिता भी लॉन्च की है। जो उपयोगकर्ताओं को हीरो नहीं विलेन हुक स्टेप के अपने संस्करण भेजने के लिए प्रोत्साहित करता है। तुषार ने अपने हैंडल पर इसे आगे बढ़ाया और डिजिटल दर्शकों से भागीदारी को प्रोत्साहित किया।

तुषार कालिया, जो पहले ऐ दिल है मुश्किल में रणबीर कपूर और अनुष्का शर्मा की पसंद

के साथ काम कर चुके हैं, और रियलिटी डांस शो के जज भी हैं – डांस दीवाने साउंडट्रैक में सिज़लिंग और खलनायक दिखते हैं अभियान को आगे केजीएफ द्वारा बढ़ाया जा रहा है– स्टार और ब्रांड पार्टनर, यश।

बेयरडो के एक्स–बैड बॉय, विलेन लाइफस्टाइल केजीएफ–प्रसिद्ध रॉकस्टार स्टार यश के साथ साझेदारी में उद्यमियों आशुतोष वालानी और प्रियांक शाह का नवीनतम उद्यम है। अपने दृष्टिकोण में अडिग और आत्मविश्वासी, विलेन उन पुरुषों के लिए बना है जो अपने और अपनी अनूठी शैलियों के प्रति सच्चे हैं। हम सभी के बीच मौजूद प्रतिपक्षी का उत्सव, विलेन यहां एक अविस्मरणीय स्टाइलिंग अनुभव के लिए पुरुषों की सुगंध, सहायक उपकरण और परिधान की एक श्रृंखला पेश करने के लिए है।

"हम तुषार के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं, जो उद्योग में एक स्व–निर्मित व्यक्ति होने के खलनायक व्यक्तित्व का प्रतीक है, अपने काम के बारे में बहुत भावुक है और उस पर एक मास्टर है, यही वजह है कि उनकी लोकप्रियता पूरे देश में फैली हुई है। उन्हें भारत में कई आगामी और साथ ही स्थापित नर्तकियों द्वारा देखा जाता है। हम अपने समुदाय को #HeroNahiVillian Hook Step Challenge प्रविष्टियों में हाथ आजमाते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ पैर आगे लाएंगे" , आशुतोष वालानी और प्रियांक शाह, सह–संस्थापक, खलनायक ने टिप्पणी की।

खलनायक का #HeroNahiVillin चैलेंज आपकी आंतरिक भावना को मुक्त करने और अपने सच्चे स्व का जश्न मनाने के बारे में है। हुक स्टेप चैलेंज के विजेता को न केवल विलेन के अभियान के लिए एक डिजिटल शूट का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा, बल्कि विलेन से फ्छत 10झ मूल्य का गिफ्ट हैम्पर भी मिलेगा, जिसमें ढेर सारे एक्सक्लूसिव मर्चेंडाइज भी शामिल हैं।

राष्ट्रीय गौरव सम्मान 2021 का आयोजन

– मायापुरी प्रतिनिधि

हम पिछले कई वर्षो से सामाजिक, राजनीतिक, खेल व बॉलीवुड की हस्तियों को राष्ट्रीय गौरव सम्मान से सम्मानित कर रहे हैं, यह सम्मान उन लोगों के लिए है जिन्होंने अपने क्षेत्र में अपने काम को करते हुए समाज कल्याण का भी कार्य किया है और किसी न किसी तरीके से अपनी संस्कृति और देश का नाम रौशन कर रहे हैं यह कहना था राष्ट्रीय गौरव सम्मान संतोष दुबे का। कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में आयोजित इस कार्यक्रम में देश की जानी मानी हस्तियों में फग्गन सिंह कुलस्ते, केंद्रीय इस्पात राज्य मंत्री, भारत सरकार, ग्लोबल योग एलायंस के निदेशक डॉ॰ गोपाल, गुरु शंकराचार्य, विधायक घनश्याम, पूजा कपिल मिश्रा राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष, योगेश दूबे, राकेश मिश्रा, प्रशांत मलिक और अफसर आलम उपस्थित हुए। संतोष दुबे ने कहा की मैं समारोह में आये सभी अतिथियों का धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने अपना कीमती समय इस कार्यक्रम को दिया, साथ ही जिन्हें अवॉर्ड मिला, सभी अपने क्षेत्र में महारथी है चाहे वो बीएसएफ के प्रमोद सेन हो, मॉडल सोनाली पिंगल और अनका वर्मा हो, डॉ. परीम सोमानी हो, कृष्ण कांत कोठरी, सामाजिक कार्यकर्ता जसप्रीत सिंह हो, कत्थक से जुड़ी अनुराधा व मीनू शर्मा हो। फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि आज जितने भी लोग यहाँ उपस्थित हुए हैं वह सभी प्रशंसा के योग्य हैं और उन्होंने अपने अपने क्षेत्र में अग्रणी काम किया है और ऐसे समारोह लोगों को आगे बढ़ने और सामाजिक कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। पूजा कपिल मिश्रा ने कहा की महिला और पुरुष की समान भागीदारी ही घर को, समाज को और देश को आगे ले जाती है, आज समय आ गया है की महिलाओं को देवी के रूप में न देखकर एक आम इंसान के रूप में देखना चाहिए और उसे वो सम्मान और वो बराबरी भी मिलनी चाहिए जिसकी वो हक़दार हैं। योगेश दूबे ने कहा कि करोना काल ने हमें सीखा दिया है कि किस तरह एक दूसरे का सहारा बनना है और देश को मज़बूत बनाना है। डॉ॰ गोपाल ने कहा कि संतोष दुबे एक महासागर की तरह है जिसके अंदर कई नदियां समां सकती है ठीक वैसे ही यह अवॉर्ड समारोह है इस समारोह में डॉक्टर, नेता, अभिनेता, समाज सुधारक, पत्रकार और कला साहित्य से जुड़े लोगों को एक मंच पर ला दिया है। अफसर आलम यह मेरे लिए गौरव की बात है कि मुझे इतनी विशिष्ठ लोगों को सम्मानित करने का अवसर मिला, ऐसे ही लोग देश का उद्धार करते हैं।

4 SEPTEMBER 20
CONSTITUTION CLUB OF INDIA

Diamond Sponsor
HAMARA SAMARPAN
SEPTEMBER 2021
CONSTITUTION CLUB OF INDIA

4 SEPTEMBER
CONSTITUTION CLUB
NEW DELHI

Prashant Malik Production
4 SEPTEMBER 2021
CONSTITUTION CLUB OF INDIA
NEW DELHI

SEPTEMBER 2021
HAMARA SAMARPAN
CONSTITUTION CLUB OF INDIA
NEW DELHI

SHRUTI HASSAN, VIKRANT MASSEY AND RADHIKA APTE 'GET ADDICTED TO GOOD'

PLATOON ONE FILMS PRESENTS
aye ZINDAGI
LIFE FINDS A WAY
platoon one films

REVATI & SATYAJEET DUBEY STARRER AYE ZINDAGI GOES ON FLOOR

CELEBRITIES REVEAL THEIR FAVOURITE GANESH CHATURTHI SONGS

RAJSHRI RANI AND GAURAV MUKESH ARE HOLIDAYING IN THE MALDIVES, THEIR FIRST VACATION POST MARRIAGE

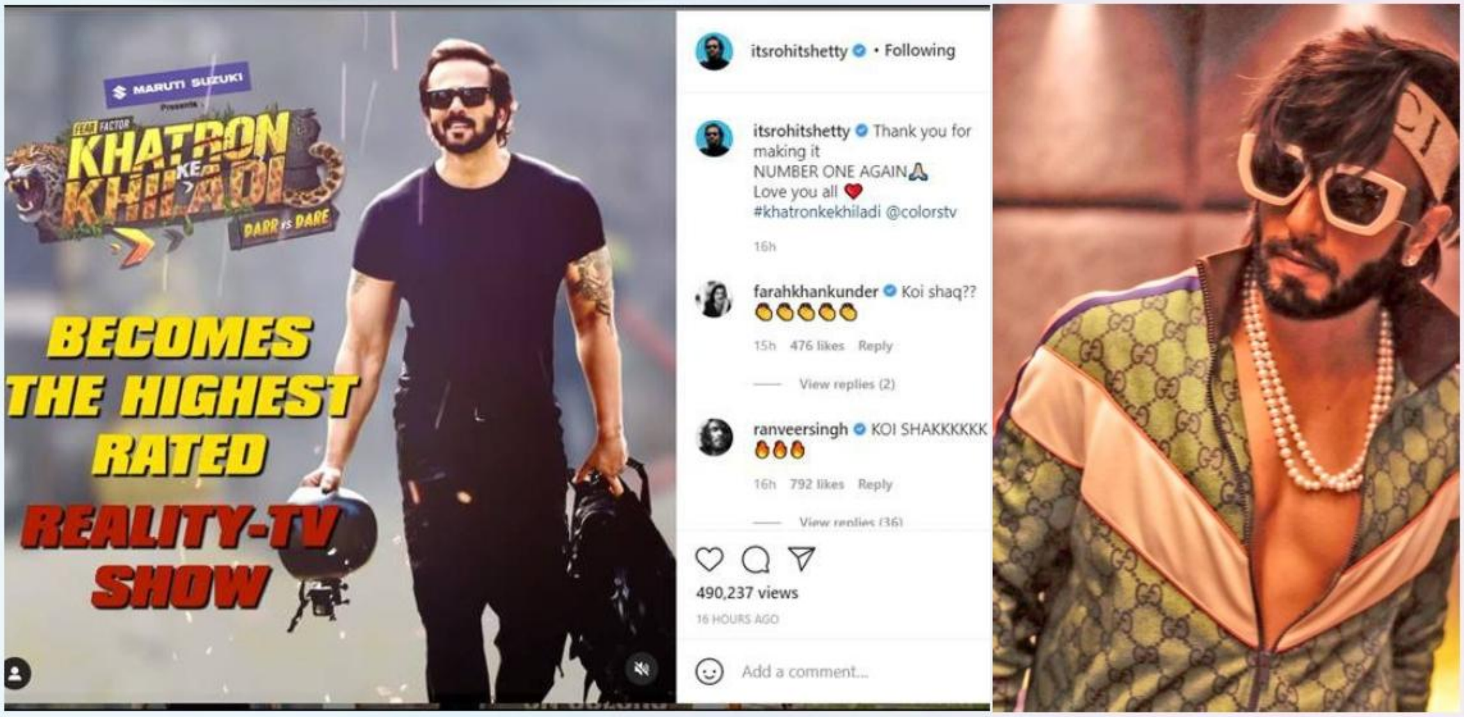
MARUTI SUZUKI
Presents
FEAR FACTOR
KHATRON KE KHILADI
DARR vs DARE
BECOMES THE HIGHEST RATED REALITY-TV SHOW

itsrohitshetty • Following

itsrohitshetty Thank you for making it
NUMBER ONE AGAIN🙏
Love you all ❤
#khatronkekhiladi @colorstv
16h

farahkhankunder Koi shaq??
👏👏👏👏👏
15h 476 likes Reply
View replies (2)

ranveersingh KOI SHAKKKKKK
🔥🔥🔥
16h 792 likes Reply
View replies (36)

490,237 views
16 HOURS AGO

Add a comment...

RANVEER SINGH, ABHISHEK BACHCHAN AND OTHER BOLLYWOOD CELEBS CONGRATULATE ROHIT SHETTY AS COLORS' 'KHATRON KE KHILADI' TOPS THE CHARTS

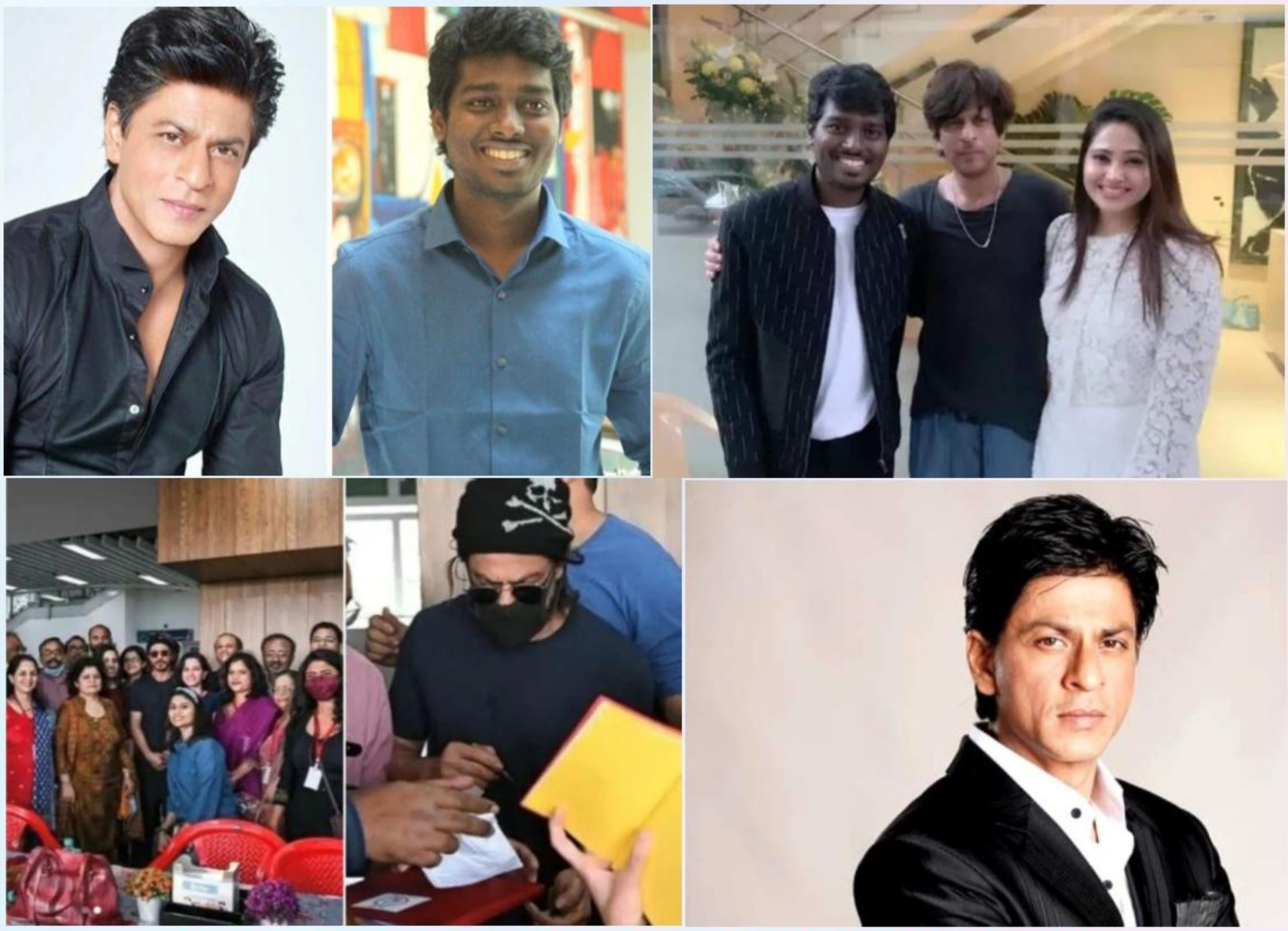

SHAH RUKH KHAN POSES WITH PUNE METRO STAFF AMID REPORTS OF HIM SHOOTING FOR ATLEE'S NEXT

मायापुरी

बॉलीवुड की और खबरें पढ़ने के लिए नीचे दिए हुए लिंक पर क्लिक करें और मायापुरी की दुनिया का आनंद लें!

www.mayapurimagazine.com

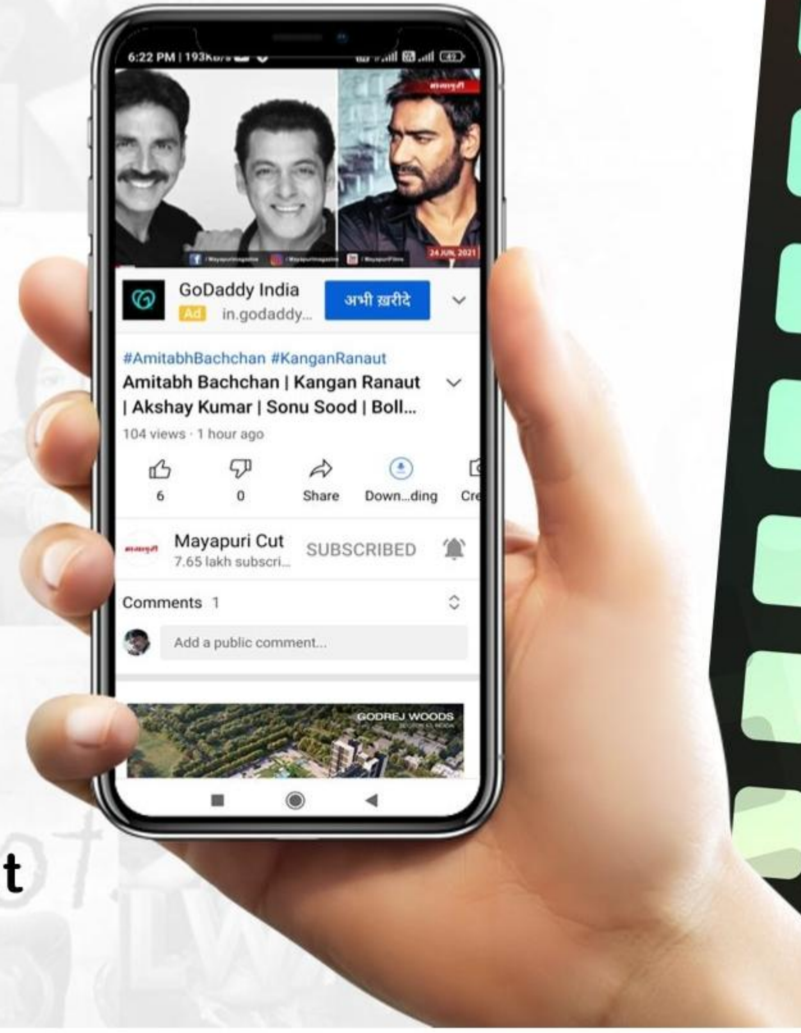
6:22 PM | 193KB/s

GoDaddy India
Ad in.godaddy...
अभी ख़रीदे

#AmitabhBachchan #KanganRanaut
Amitabh Bachchan | Kangan Ranaut | Akshay Kumar | Sonu Sood | Boll...
104 views · 1 hour ago

6
0
Share
Down...ding
Cre

Mayapuri Cut
7.65 lakh subscri...
SUBSCRIBED

Comments 1
Add a public comment...

24 JUN, 2021
GODREJ WOODS

मायापुरी के YouTube चैनल से जुडें और दिन भर की बॉलीवुड हलचल से अपडेटेड रहें!

YouTube

www.youtube.com/MayapuriCut